

49वां वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड

शेड्यूल– ए, मिनीरत्न श्रेणी–1, भारत सरकार का उद्यम

एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी



बिचोम बांध जलाशय, काएचपीएस, पश्चिम कामेंग, अरुणाचल प्रदेश



खंडोंग बांध स्थल, केएचपीएस, उमरोंगसो, दिमा हसाओ, असम

विषय सूची



क्र.सं.	विवरण	
1	निदेशकों का संक्षिप्त विवरण	6
2	अध्यक्ष का अभिभाषण	9
3	वर्ष 2024–25 हेतु निदेशकों का प्रतिवेदन	13
4	**फॉर्म संख्या** एओसी–**2** (अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ज) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसार)	45
5	कॉरपोरेट गवर्नेंस की रिपोर्ट **(अनुलग्नक–2)**	47
6	प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट **(अनुलग्नक–3)**	65
7	व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट **(अनुलग्नक–4)**	96
8	कॉरपोरेट प्रशासन प्रमाणपत्र **(अनुलग्नक–5ए)**	139
9	सीईओ और सीएफओ द्वारा प्रमाण पत्र **(अनुलग्नक–5ख)**	140
10	स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट **(अनुलग्नक–6क)**	141
11	समेकित वित्तीय विवरणों और समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट **(अनुलग्नक–6ख)**	273
12	मामलों के गुरुत्व पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन का उत्तर **(अनुलग्नक–6 सी)**	405
13	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां **(अनुलग्नक–7)**	408
14	सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट **(अनुलग्नक–8क)**	410
15	वर्ष 2024–25 के लिए सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उठाई गई टिप्पणियों पर प्रबंधन का उत्तर **(अनुलग्नक–8बी)**	413
16	ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी स्वीकरण, विदेशी विनिमय आय एवं व्यय **(अनुलग्नक–9)**	414
17	कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का विवरण **(अनुलग्नक–10)**	420

संदर्भित सूचना

पंजीकृत कार्यालय :

ब्रूकलैंड कम्पाउंड,
लोअर न्यू कॉलोनी, लाइतुम्खाह,
शिलांग–793 003,
मेघालय

सांविधिक लेखापरीक्षक:

एफ.आर. एन गोयल एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

लागत लेखा परीक्षक :

मेसर्स निरन एंड कंपनी, लीड कॉस्ट ऑडिटर
मैसर्स धनंजय वी. जोषी एंड एसोसिएट्स,
लागत लेखा परीक्षक

सचिवीय लेखापरीक्षक :

मैसर्स नारायण शर्मा
एंड एसोसिएट्स
कंपनी सचिव

कंपनी सचिव :

श्री अबिनोम पानू रोंग

बैंकर :

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
एक्सिस बैंक
केनरा बैंक
इंडियन ओवरसीज बैंक
पंजाब नेशनल बैंक
एचडीएफसी बैंक
आईसीआईसीआई बैंक
इंडियन बैंक
यस बैंक

बॉन्ड के लिए रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट

कार्वी फिनटेक प्रा. लि.,
कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,
प्लॉट नंबर 31 और 32,
वित्तीय जिला गाचीबोवली
हैदराबाद 500 032

ऋणपत्र न्यासी :

एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड
202, मेकर टॉवर 'ई'
कॉफी परेड
मुंबई 400 005
फोन नंबर: 022–4302.5555
फैक्स नंबर: 022–4302.5500
ईमेल: dt@sbicaptrustee.com;

सीएन :

U40101ML1976GOI001658



विजन

सशक्त पर्यावरण जागरूकता के साथ देश की एक अग्रणी एकीकृत विद्युत ऊर्जा कंपनी बनना।

लक्ष्य

पारंपारिक तथा गैर– पारंपारिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से देश की विशाल विद्युत शक्यता का दोहन के साथ पर्यावरण को न्यूनतम रूप में प्रभावित करते हुए विद्युत परियोजनाओं के सभी पहलुओं जैसे अन्वेषण, योजना, डिज़ाइन, निर्माण, संचालन तथा परियोजनाओं के रखरखाव के कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करते हुए समग्र राष्ट्र के विकास को आगे बढ़ाना।

कॉपोसेवानिवृत उद्देश्य

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत विकास हेतु विशाल जल एवं ताप ऊर्जा शक्यता का जिम्मेदारी पूर्वक दोहन।
- उदारीकरण तथा वैश्वीकरण पर्यावरण में प्रतिस्पर्धात्मक होना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना ताकि लोगों के जीवन की गुणवत्ता, संपन्नता को बढ़ाया जा सके।
- अवसंरचना, चिकित्सा, शिक्षा आदि की सुविधा उपलब्ध करना तथा लाभप्रद अवसर के वातावरण का सृजन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा भारत की विद्युत आवश्यकता को पूरा करना।
- आस–पास के सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाना।
- मानव संसाधनों का विश्व–स्तर पर विकास करना।



वर्तमान निदेशकों का प्रोफाइल



श्री गुरदीप सिंह
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
(डीआईएनः 00307037)

श्री गुरदीप सिंह, एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 2016 से हैं और उन्होंने नीपको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार दिनांक 1 जून, 2023 को संभाला है।

एनटीपीसी में पदभार ग्रहण करने के पूर्व, श्री गुरदीप सिंह गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक थे।

विद्युत क्षेत्र में उनका तीन दशक से अधिक का शानदार कैरियर है। आपने 1987 में एनटीपीसी में प्रशिक्षु अभियंता के रूप में अपना करियर प्रारम्भ किया एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

बिजली क्षेत्र में उनका तीन दशकों से अधिक का शानदार कार्यकाल रहा है। उन्होंने 1987 में एनटीपीसी के साथ एक इंजीनियर प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू किया और बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में विभिन्न रैंकों के माध्यम से काम किया है।

उन्होंने एनआईटी कुरुक्षेत्र से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया और आईआईएम अहमदाबाद से प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रम से गुजर चुके हैं। उन्होंने सईद बिजनेस स्कूल–ऑक्सफोर्ड (यूके), हार्वर्ड–केनेडी स्कूल (यूएसक), डार्डन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट–वर्जीनिया (यूएसक), सिंगापुर सिविल सर्विसेज कॉलेज (सिंगापुर) और आईएंसबी हैदराबाद (भारत) जैसे प्रसिद्ध वैष्विक संस्थानों से प्रबंधन और नेतृत्व के इनपुट भी प्राप्त किए हैं।

वह ग्लोबल नेट जीरो ट्रांजिशन में कोयले पर आईईए के उच्च स्तरीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं और स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय एच2आई सलाहकार समूह के सदस्य भी हैं। उन्होंने ऊर्जा और संसाधन दक्षता, बी20 इटली 2021 पर कार्यबल के सह–अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

उन्होंने एनटीपीसी के विकास को बनाए रखने और एक अग्रणी वैष्विक ऊर्जा कंपनी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति को बनाए रखने के लिए आवश्यक सांस्कृतिक परिवर्तन लाने के लिए कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने एनटीपीसी को ऊर्जा परिवर्तन में सबसे आगे रखा है और आक्रामक नवीकरणीय जोड, हरित हाइड्रोजन, अधिग्रहण, बायोमास, वेस्ट–टू–वेल्थ, सीसीयू, वैष्विक उपस्थिति आदि जैसी कई पहल शुरू की हैं। एनटीपीसी को केवल कोयला आधारित बिजली उत्पादन कंपनी से सतत एकीकृत ऊर्जा कंपनी में बदलना।

प्रतिस्पर्धात्मक बढत बढाने पर उनके मजबूत ध्यान ने एनटीपीसी को विभिन्न निविदाएं जीतने में मदद की और नवीकरणीय ऊर्जा में एक मजबूत खिलाडी के रूप में उभरा। पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करने, स्थिरता के प्रयासों को अधिकतम करने और कम लागत वाले कम उत्सर्जन के एक केंद्रित दृष्टिकोण पर उनका जोर सभी के लिए स्वच्छ और सस्ती बिजली के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ संरेखित होता है और कोयले की अदला–बदली, माल ढुलाई को तर्कसंगत बनाने, सस्ते स्टेशनों के समय निर्धारण में प्राथमिकता और समयबद्ध योजनाओं में लचीलेपन की अवअनुमान में मदद करता है।



श्री बैद्यनाथ महाराणा
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 09263864)

श्री बैद्यनाथ महाराणा ने नीपको के निदेशक (वित्त) का पदभार 10 सितंबर 2021 को संभाला। निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने से पहले, वे नीपको में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर थे । वे इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सदस्य हैं। उनके पास सॉफ्टवेयर वाणिज्यिक अनुप्रयोग में डिप्लोमा भी है और उत्कल विश्वविद्यालय से भौतिकी ऑनर्स के साथ स्नातक हैं। वह वर्ष 1993 में लेखा अधिकारी के स्तर पर नीपको में शामिल हुए और विभिन्न संवर्गों में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ आगे बढे। सॉफ्टवेयर विकास में अपनी विशेषज्ञता के साथ, उन्होंने निगम में वित्तीय सॉफ्टवेयर डिजाइन और कार्यान्वित किया है। उनका अनुभव बहुआयामी है और इसमें परियोजना लेखा, अनुबंध प्रबंधन और वित्त सहमति, निधि प्रबंधन, कोश प्रबंधन, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कराधान, बजटीय नियंत्रण और एमआईएंस, एमओयू, आंतरिक लेखा परीक्षा आदि शामिल हैं। उन्होंने खुद को निधि प्रबंधन और संविदात्मक मामलों में एक विशेषज्ञ के रूप में स्थापित किया है। उनके वित्त के नेतृत्व में, निगम ने अपनी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग प्राप्त की है और अब तक की सबसे कम ब्याज दरों पर दीर्घकालिक ऋण जुटाए हैं।



मेजर जनरल राजेश कुमार झा,
एवीएसएम (सेवानिवृत्त)
निदेशक (कार्मिक)
(डीआईएन: 10305647)

मेजर जनरल राजेश कुमार झा दिनांक 25–09–2023 को नीपको के निदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किए।

39 वर्षों से अधिक के शानदार कार्यकाल के साथ भारतीय सेना के एक अत्यधिक सम्मानित अधिकारी, जनरल झा के पास असंख्य अद्वितीय और उत्कृष्ट पेशेवर कार्य हैं। रणनीति संचालन, परिचालन रसद, आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्र की रणनीतिक संपत्तियों को संभालने के विशेषज्ञ, जनरल झा ने 14 दिसंबर 1985 को वर्दी बलों में अपनी यात्रा शुरू की और उन्हें बॉम्बे सैपर्स, कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स में नियुक्त किया गया।

देश के प्रतिष्ठित स्कूलों में से एक शेरवुड कॉलेज, नैनीताल के पूर्व छात्र, जनरल झा ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी में अपने प्रारंभिक वर्षों में अपने नेतृत्व गुणों और कौशल का सम्मान किया। अपनी पेशेवर यात्रा के हिस्से के रूप में, उन्होंने सभी अनिवार्य पेशेवर पाठ्यक्रमों और नियुक्तियों को बडे विशिष्टता के साथ पूरा किया है। उनमें से प्रमुख डीएसएससी वेलिंगटन से प्रतिष्ठित स्टाफ कोर्स, आर्मी वॉर कॉलेज, महू से हायर कमांड कोर्स और तुर्की के अंकारा में नाटो संस्थान में साइबर आतंकवाद का कोर्स है।

उन्हें 26 जनवरी 2021 को भारत के सामरिक बल कमान के रखरखाव और संचालन में अपार योगदान के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया है।

उनके शानदार करियर की हालिया उपलब्धि 26 जनवरी 2024 को उनकी असाधारण सेवा के लिए दूसरी बार **बार टू अति विशिष्ट सेवा मेडल** (एवीएसएम) का पुरस्कार प्राप्त करना है।



श्री पीयूष सिंह
अपर सचिव (थर्मल)

विद्युत मंत्रालय,
सरकार नामित निदेशक
(डीआईएन: 07492389)

श्री पीयूष सिंह, अपर सचिव (थर्मल), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, महाराष्ट्र कैडर के 2000 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

श्री पीयूश सिंह ने आईआईटी दिल्ली से बी.टेक (सिविल) किया है। आपने जिला प्रशासन,सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, महाराष्ट्र सरकार में विभिन्न पदों पर काम किया है। आपने उत्तराखंड में योजना विभाग, देहरादून में भी कार्य किया। आपके पास लोक प्रशासन और योजना के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है।

आप 20–02–2024 को नीपको के बोर्ड में शामिल हुए।



श्री वीरेंद्र मलिक
एनटीपीसी लिमिटेड के नामित
निदेशक(डीआईएन: 10427762)

श्री वीरेंद्र मलिक, कार्यपालक निदेशक (वित्त), एनटीपीसी लिमिटेड, भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के सदस्य हैं और आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री भी प्राप्त की है। श्री वीरेंद्र मलिक के पास एसएपी/ईआरपी और सिस्टम विकास, लेखा, लागत निर्धारण, कराधान, परियोजना वित्तपोषण, कर्मचारी और विक्रेता भुगतान, व्यवसाय विकास और वाणिज्यिक गतिविधियों सहित वित्त से संबंधित मामलों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। श्री वीरेंद्र मलिक ने कॉर्पोरेट कार्यालय में जाने से पहले एनटीपीसी विंध्याचल में एनटीपीसी के वित्त स्कंध, साझा सेवा केंद्र का नेतृत्व किया है।

आप दिनांक 31–07–2024 को नीपको के बोर्ड में शामिल हुए।



श्री गौतम देब
नामित निदेशक एनटीपीसी लिमिटेड
(डीआईएन: 11077909)

श्री गौतम देब, आरईडी (हाइड्रो) और कार्यकारी निदेशक (परियोजना प्रबंधन) एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली क्षेत्र में 35 से अधिक वर्षों का व्यापक अनुभव है, जो थर्मल, हाइड्रो परियोजनाओं के परियोजना निष्पादन और प्रबंधन और थर्मल परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) में विशेषज्ञता रखते हैं।

उन्होंने उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री, आईआईटी खड़गपुर से औद्योगिक प्रबंधन में एम टेक और एमडीआई गुड़गांव से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है।

वह 26–04–2025 को नीपको के बोर्ड में शामिल हुए।



श्री बिमल चंद ओसवाल
स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन: 03286483)

श्री बिमल चंद ओसवाल को नीपको में एक स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए 17 अप्रैल, 2025 फिर से नियुक्त किया गया है। उन्होंने इससे पहले 10 नवंबर 2021 से 9 नवंबर 2024 तक अपने पहले कार्यकाल के लिए नीपको में एक स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में कार्य किया था।

श्री ओसवाल सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता से बीकॉम (ऑनर्स) स्नातक हैं और सुरेंद्र नाथ लॉ कॉलेज, कोलकाता से एलएलबी में स्नातक भी हैं। आप राइनो रिसर्च प्रोडक्ट्स, धुबरी (एक आयुर्वेदिक औषधि निर्माता इकाई) के मुख्य कार्यपालक हैं। इसके अलावा, श्री बिमल चंद ओसवाल नॉर्थ ईस्ट इंडिया आयुष कंसोर्टियम लिमिटेड, असम के निदेशक भी हैं। आप सामुदायिक और सामाजिक गतिविधियों में भी गहराई से शामिल है।



श्री लखन लाल साहू
स्टैंडअलोन निदेशक
(डीआईएन: 09488818)

श्री लखन लाल साहू के पास हिंदी साहित्य में मास्टर डिग्री और एलएलबी है। उनके पास 1998 से कानून के क्षेत्र में निरंतर अनुभव है। उन्होंने जिला मुंगेली के बार एसोसिएशन के सचिव के रूप में भी कार्य किया है। वह 2005 से 2010 के दौरान जिला पंचायत बिलासपुर के सदस्य थे। श्री लखन लाल साहू बिलासपुर लोकसभा सी–जी से 2014 से 2019 तकसांसद थे।

श्री लखन लाल साहू पिछड़े समाज के उत्थान के लिए और ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

वह 17–04–2025 को एक स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नीपको के बोर्ड में शामिल हुए।



अध्यक्षीय अभिभाषण

विशिष्ट सदस्यगण,

मैं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की 49वीं वार्षिक आम बैठक में आपका स्वागत करता हूँ। इस वर्ष हमने अपने विविध पोर्टफोलियो के माध्यम से 8020.29 मिलियन यूनिट बिजली वितरित की, जिसमें जलविद्युत उत्पादन 5416.93 एमयू, गैस आधारित उत्पादन 2597.46 एमयू और सौर ऊर्जा ने 5.90 एमयू का योगदान दिया। यह संतुलित ऊर्जा मिश्रण हमें भारत के विकसित होते औद्योगिक परिदृश्य में रणनीतिक रूप से स्थापित करता है।

हमारा प्रदर्शन तेजी से परिवर्तन के युग में ऊर्जा विविधता के मूल्य को दर्शाता है। जबकि देश जुलाई, 2025 तक 119 गीगावॉट से अधिक की उल्लेखनीय सौर क्षमता वृद्धि देख रहा है, नीपको का जलविद्युत, गैस आधारित और सौर उत्पादन के संयोजन का विविध दृष्टिकोण अलग–अलग मांग और आपूर्ति स्थितियों में लगातार बिजली वितरण सुनिश्चित करता है।

परिचालन उत्कृष्टता और वित्तीय शक्तिः

वित्तीय वर्ष 2024–25 ने हमारे परिचालन लचीलेपन का परीक्षण किया जिसने हमारी अनुकूलन क्षमता को मजबूत किया। कम वर्षा और सीमित गैस आपूर्ति का सामना करने के बावजूद, जिन कारकों ने हमारे उत्पादन लक्ष्यों को चुनौती दी, हमने 8020.29 मिलियन यूनिट का बिजली उत्पादन हासिल किया। जबकि यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.24% की मामूली वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है, यह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रदर्शन को अनुकूलित करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है। इसके अलावा, मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि 275 मेगावाट के कोपिली जलविद्युत स्टेशन का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण हर तरह से पूरा हो गया है। खंडोंग पावर स्टेशन की अंतिम इकाई ने 30.08.2025 को वाणिज्यिक संचालन हासिल किया। इसके साथ, सभी स्थापित 38 इकाइयाँ चालू हो गई हैं।

हमारा वित्तीय प्रदर्शन रणनीतिक प्रबंधन की एक सम्मोहक कहानी बताता है। हमने दर्ज किया:

- ₹4,34,187.21 लाख की कुल आय।
- ₹86,019.18 लाख का कर से पहले लाभ (आरडीए शेष में आवाजाही सहित)
- ₹58,468.51 लाख का कर पश्चात लाभ (पीएटी)
- वित्त वर्ष 2023–24 से पीएटी में प्रतिशत वृद्धि 6.67% है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 20,000.00 लाख रुपये के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने ₹2,500.00 लाख के अंतिम लाभांश की सिफारिशकी है। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2024–25 के लिए कुल लाभांश भुगतान ₹22,500.00 लाख, अर्थात, ₹0.62 प्रति शेयर (प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 10.00) है लाभांश भुगतान कर के बाद लाभ (पीएटी) का 38.48% दर्शाता है अंतिम लाभांश वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगा।

मुझे यह बताते हुए विशेष रूप से खुशी हो रही है कि भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने हमारे वित्तीय विवरणों पर एक 'शून्य' टिप्पणी रिपोर्ट जारी की है, जो हमारी वित्तीय रिपोर्टिंग की अखंडता, शुद्धता और अनुपालन की पुष्टि करती है।

रणनीतिक विजनः भारत के ऊर्जा भविष्य का निर्माणः

बढती समृद्धि, विद्युत उपकरणों के बढते उपयोग, औद्योगिक विद्युतीकरण, वातानुकूलन, विद्युत वाहनों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समर्थन करने वाले डेटा केंद्रों की बढती मांग से बिजली की मांग में वृद्धि होगी। जैसे–जैसे परिवर्तनशील नवीकरणीय ऊर्जा हमारे ऊर्जा मिश्रण में तेजी से बढती है, बुद्धिमान उत्पादन समय–निर्धारण सर्वोपरि हो जाता है। हमारे जलविद्युत स्टेशन और नियोजित पंप भंडारण परियोजनाएं महत्वपूर्ण प्रेषण योग्य तत्वों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो नवीकरणीय एकीकरण को सक्षम करते हुए भारत के ग्रिड को लचीला बनाएंगी।

हम महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों का विकास कर रहे हैं जो बिजली उत्पादन से लेकर भारत के नवीकरणीय ऊर्जा संक्रमण और 2032 तक 60 गीगावाट के एनटीपीसी के नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लक्ष्य के लिए आवश्यक भौतिक ढांचा बनाने के हमारे उद्देष्य को फिर से परिभाषित करते हैं।

हमारे सतत पदचिह्न का विस्तार:

1. जलविद्युत विकास:

- अरुणाचल प्रदेश में दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं 240 मेगावाट की हिओ एचईपी और 186 मेगावाट की टाटो–I एचईपी को निर्माण चरण में ले लिया गया है। इन परियोजनाओं के निवेश को 11.12.2024 को मंजूरी दी गई थी। सिविल और हाइड्रो–मैकेनिकल पैकेजों के लिए अनुबंध पहले ही दिए जा चुके हैं।
- 700 मेगावाट के टाटो–II एचईपी के लिए 04.09.2025 को निवेश की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना को 72 महीने की अवधि के भीतर चालू किया जाना है।
- वर्तमान में 1500 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।
- 735 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

हमारी सौर ऊर्जा यात्रा:

- राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट की आईएंसटीएस से जुड़ी सौर परियोजना की स्थापना का काम प्रगति पर है। 31.12.2025 तक 200 मेगावाट चालू होने की उम्मीद है, शेष 100 मेगावाट 22.08.2026 तक चालू हो जाएगी।
- परियोजना से वार्षिक ऊर्जा उपज 762.30 एमयू होगी।
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 22.05.2025 को आधारशिला रखी गई थी।
- हाइड्रो पावर स्टेशन जलाशयों में से एक पर 35 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना के लिए निविदा को अंतिम रूप देने का काम प्रगति पर है। इसके अलावा, मिजोरम, मेघालय और उत्तर प्रदेश राज्यों में स्थित 5 जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की प्री–फिएसिबिलिटी रिपोर्ट (पीएफआर) तैयार करने का काम प्रगति पर है।
- 01.09.2025 तक, पीएमएसजीएमबीवाई योजना के हिस्से के रूप में 790 किलोवाट रूफटॉप सोलर स्थापित और चार्ज किया जा चुका है।

ऊर्जा भंडारण समाधान:

हम सौर ऊर्जा विविधताओं के पूरक और ग्रिड स्थिरता प्रदान करने के लिए 2620 मेगावाट की पंप्ड भंडारण परियोजनाओं को विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

- मेघालय में 800 मेगावाट वाह उमियम पीएसपी।
- असम में 320 मेगावाट कोपिली पीएसपी।
- मेघालय में 1500 मेगावाट वाह उमसोंग, लैटलम पीएसपी।

अनुसंधान और विकास के माध्यम से आगे बढ़ना:

अनुसंधान और विकास हमारी विकास रणनीति की आधारशिला बने हुए हैं। जैसे–जैसे हम अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं, हमारी चल रही अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं वर्तमान संचालन में सुधार लाने और कल की चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान तलाशने दोनों पर केंद्रित हैं।

निम्नलिखित पहल स्थायी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में हमारे निवेश का प्रतिनिधित्व करती हैं।

- स्वचालित संचार प्रणाली: सुबनसिरी नदी के साथ संगम तक डाउनस्ट्रीम चिंताओं पर उचित जोर देने के साथ पैन्योर लोअर एचपीएस के कुशल संचालन के लिए सेंसर आधारित स्वचालित इनपुट का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से।
- फायर डिटेक्शन सिस्टम: इस परियोजना में ट्रिपल मॉड्यूलर रिडंडेंसी (टी. एम. आर.) अवअनुमान के साथ तीन सेंसरों के उपयोग की परिकल्पना की गई है ताकि खराबी या विफलता की न्यूनतम संभावना के साथ एक दोश–सहिश्णु विश्वसनीय फायर डिटेक्शन सिस्टम तैयार किया जा सके।
- हरित हाइड्रोजन उत्पादन: इलेक्ट्रोलाइजर असेंबली के लिए कम लागत वाले टिकाऊ और कुशल विद्युत–उत्प्रेरक और प्रोटॉन विनिमय झिल्ली का विकास।
- नीपको ने कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन अम्लीय जल संक्षारण चुनौतियों के लिए स्टेनलेस स्टील क्लैडिंग के साथ रोल–बॉन्ड क्लैड प्लेटों को लागू करके एक अभिनव समाधान का बीड़ा उठाया, जो जलविद्युत परियोजनाओं में इस तकनीक का पहला अनुप्रयोग है, जो इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के समाधान के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है।

डिजिटल प्रगति और ई–गवर्नेन्स:

हमारी ई–गवर्नेन्स और आईटी पहल संचालन को सुव्यवस्थित कर रही है और पूरे संगठन में दक्षता में सुधार कर रही है। एसएपी ईआरपी ने 31 जुलाई, 2024 को सभी विभागों में एंटरप्राइज गो–लाइव हासिल किया। नेटवर्क अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर विकास और क्लाउड परिनियोजन में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्धता: हम सूक्ष्म और लघु उद्यमों के रणनीतिक समर्थन के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ हैं। मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस वर्ष एमएसई से 25.09% खरीद हासिल की है, जो अनिवार्य आवश्यकताओं को पार कर गई है और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए हमारे समर्पण को प्रदर्शित करती है।

महिला उद्यमियों का समर्थन करने में हमारी उल्लेखनीय प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हमने इस वर्ष महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों से खरीद को बढ़ाकर 5.53 प्रतिशत कर दिया है, जो पिछले वर्ष के 1.41 प्रतिशत से चार गुना अधिक है। यह महत्वपूर्ण प्रगति लैंगिक समावेशी व्यावसायिक प्रथाओं और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में हमारे केंद्रित प्रयासों को दर्शाती है।

मुझे यह घोषणा करते हुए भी गर्व हो रहा है कि हमने सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के माध्यम से 100% खरीद हासिल की है, जो सरकार की डिजिटल गवर्नेंस पहल में हमारे योगदान को मजबूत करते हुए हमारी खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और परिचालन दक्षता के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करता है।

मानव पूंजी उत्कृष्टता और संगठनात्मक बदलावः

हमारे मानव पूंजी प्रबंधन ने वित्त वर्ष 2024–25 में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए, सभी श्रेणियों में 1660 कर्मचारियों को 6557 प्रशिक्षण मानव दिवसों और जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ प्रशिक्षित किया। हमने मजबूत विविधता प्रतिनिधित्व के साथ 42 नई प्रतिभाओं की भर्ती करते हुए 1351 कर्मचारियों की कार्यबल संख्या को बनाए रखा। पूरी तरह से चालू स्व–सेवा पोर्टलों के साथ 14 स्थानों पर ईआरपी एचसीएम प्रणालियों को सफलतापूर्वक लागू किया गया। औद्योगिक संबंधों के कारण यौन उत्पीड़न की कोई शिकायत नहीं थी और कोई मानव दिवस नुकसान नहीं था। 13 (तेरह) मानव संसाधन नीतियों को लागू किया गया, साथ ही हमारी कागज रहित कार्यालय पहल के हिस्से के रूप में सभी कर्मचारी सेवा पुस्तकों के डिजिटलीकरण को पूरा किया गया।

समावेशी विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता 44 पीडब्ल्यूबीडी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा उपचार और 05 (पांच) शैक्षणिक संस्थानों के प्रायोजन सहित व्यापक कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

राजभाषा नीति कार्यान्वयनः

भारत सरकार की राजभाषा नीति को लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता द्वि भाषी प्रलेखन, कर्मचारी प्रशिक्षणकार्यक्रमों और 'आज का शब्द' डिजिटल पहल के साथ जारी है। हमने सभी स्थानों पर राजभाषा कार्यान्वयन में निरंतर सुधार के लिए नियमित राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की बैठकों को बनाए रखते हुए भारत मंडपम में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन और हिंदी दिवस 2024 में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कॉरपोसेवानिवृत गवर्नेंस और अनुपालन ढांचाः

नीपको कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015, डीपीई दिशानिर्देशों और अन्य वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करते हुए एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में अनुकरणीय कॉरपोसेवानिवृत गवर्नेंस मानकों को बनाए रखता है। हमारे निदेशक मंडल ने प्रभावी निरीक्षण और रणनीतिक दिशा सुनिश्चित करने के लिए वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 8 बैठकें कीं। कंपनी वित्तीय रिपोर्टिंग, आंतरिक नियंत्रण और जोखिम मूल्यांकन को कवर करने वाले संदर्भ की व्यापक शर्तों के साथ लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, जोखिम प्रबंधन समिति और हितधारक संबंध समिति सहित मजबूत समिति संरचनाओं का संचालन करती है। हम मजबूत व्हिसलब्लोअर तंत्र, धोखाधड़ी रोकथाम नीतियां और निदेशक और अधिकारी देयता बीमा बनाए रखते हैं। वर्ष के दौरान निवेशकों की कोई शिकायत नहीं थी। ईएसजी एकीकरण, पारदर्शी हितधारकों के संचार और नैतिक व्यावसायिक आचरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सभी हितधारकों के लिए संस्थागत अखंडता और टिकाऊ मूल्य निर्माण के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है। कंपनी अच्छी तरह से निर्धारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का पालन करती है जो पर्याप्त और प्रभावी हैं।

सतर्कता और सत्यनिश्ठा ढांचाः

हमारा सतर्कता ढांचा 14 प्रणालीगत सुधार सुझाव प्रदान करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर 16 शिकायतों के निपटान, 62 आवधिक निरीक्षण, 6 सीटीई–प्रकार के निरीक्षण और 28 आकस्मिक निरीक्षणों के माध्यम से ईमानदारी के लिए अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी संचालित पारदर्शिता में ऑनलाइन सतर्कता शिकायत प्रबंधन प्रणाली, ई–खरीद, ई–भुगतान प्रक्रियाएं और वार्षिक संपत्ति रिटर्न का डिजिटल जमा करना शामिल है। इस अवधि के दौरान 20% का प्रतिनिधित्व करने वाले 128 वार्षिक संपत्ति रिटर्न की जांच की गई। हमने 24 टिप्पणियों की प्रतिक्रियाओं को समय पर प्रस्तुत करने के साथ सीवीसी की गहन परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा किया। वर्ष के दौरान सभी 9 इकाइयों में सत्यनिश्ठा शपथ समारोहों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और आउटरीच गतिविधियों के साथ एक व्यापक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया था।

सूचना का अधिकार अनुपालनः

169 आरटीआइ आवेदनों में से 169 को निर्धारित समय सीमा के भीतर संबोधित किया गया। वित्त वर्ष 2024–25 के लिए सक्रिय प्रकटीकरण पर थर्ड पार्टी ऑडिट भी पूरा कर लिया गया है, जो अनुपालन मानकों के स्टैंडअलोन सत्यापन के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्वैच्छिक ईएसजी प्रकटीकरणः

बिजली क्षेत्र में एक जिम्मेदार इकाई के रूप में, नीपको ने स्वैच्छिक रूप से वित्त वर्ष 2022–23 से व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग को अपनाया है। अनिवार्य रूप से आवश्यक नहीं होने के बावजूद, हमारा मानना है कि व्यापक पर्यावरण, सामाजिक और षासन (ईएसजी) प्रकटीकरण हमारे बिजली स्टेशनों/परियोजनाओं के आसपास के स्थानीय समुदायों से लेकर राज्य सरकारों, नियामक निकायों और वित्तीय संस्थानों तक हमारे विविध हितधारक पारिस्थितिकी तंत्र की सेवा करता है। यह स्वैच्छिक रिपोर्टिंग हमारी मूल कंपनी एनटीपीसी की समेकित ईएसजी प्रतिबद्धताओं को भी मजबूत करती है और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित करती है। हमारा सक्रिय दृष्टिकोण हमें स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं के लिए प्रामाणिक प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए नियामक विकास से आगे रखता है।

जोखिम प्रबंधनः

हमारी व्यापक जोखिम प्रबंधन नीति, व्यापार निरंतरता और दीर्घकालिक मूल्य सृजन का समर्थन करने वाली मजबूत कार्यप्रणाली और प्रणालियों के माध्यम से वित्तीय, परिचालन, क्षेत्रीय, स्थिरता, सूचना सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जोखिमों की संरचित पहचान, मूल्यांकन और शमन सुनिश्चित करती है, जिसे व्यापार निरंतरता योजना में प्रलेखित किया गया है।

कॉर्पोरेटे सामाजिक उत्तरदायित्वः

नीपको कंपनी की वेबसाइट पर सीएसआर परियोजनाओं के पारदर्षी

प्रकटीकरण के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, हमने स्वास्थ्य देखभाल और पोशण को बढ़ावा देने, शिक्षा को बढ़ावा देने, ग्रामीण और अन्य पिछड़े क्षेत्र विकास और स्वच्छ भारत अभियान और कौशल विकास के लिए व्यापक सीएसआर गतिविधियां शुरू की हैं।

आगे का मार्ग:

जैसे–जैसे हम विकास और नवाचार के एक और वर्ष की शुरुआत कर रहे हैं, हमारी तत्काल प्राथमिकताओं में जलविद्युत और पंप भंडारण जलविद्युत परियोजनाओं में फैली हमारी विविध परियोजना पाइपलाइन का निष्पादन शामिल है। मुझे विश्वास है कि नीपको राष्ट्र के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए पूर्वोत्तर भारत की प्रगति को शक्ति प्रदान करते हुए परिवर्तन के वास्तुकार के रूप में जारी रहेगा। हम अपने नियोजित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा काम वर्तमान मांगों को पूरा करने से परे यह सुनिश्चित करने तक फैला हुआ है कि आने वाली पीढ़ियों के पास फलने–फूलने के संसाधन और अवसर हों।

प्रशंसाएँ:

हमारी उपलब्धियाँ कई हितधारकों के सामूहिक प्रयास को दर्शाती हैं। मैं विद्युत मंत्रालय, केंद्रीय मंत्रालयों, भारत सरकार और राज्य सरकारों के विभागों, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नीति आयोग, भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग, बैंकरों, सांविधिक लेखा परीक्षकों, लागत लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षकों, पूर्वोत्तर क्षेत्र की राज्य सरकारों, नियामक प्राधिकरणों को उनके सहयोग के लिए, हमारी मूल कंपनी, एनटीपीसी लिमिटेड को उनके रणनीतिक मार्गदर्शन के लिए, हमारे निदेशक मंडल को उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए, स्थानीय समुदायों को उनकी साझेदारी के लिए, सबसे महत्वपूर्ण रूप से, हमारे समर्पित कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं जो प्रतिदिन नीपको के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देते हैं।

अब मैं 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट, लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और सी एंड एजी की रिपोर्ट आपके विचार और अपनाने के लिए प्रस्तुत करता हूं।

आपके विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद।

जय हिंद।

(गुरदीप सिंह)

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

दिनांक : 15 सितंबर, 2025



पावर हाउस कॉलोनी और 132 केवी स्विचयार्ड, पीएलएचपीएस, एचओजे, अरुणाचल प्रदेश का विहंगम दृश्य



निदेशकों की रिपोर्ट

वर्ष 2024-25 के लिए

प्रिय सदस्यगण,

निदेशक मंडल की ओर से, मुझे 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के कार्य–निष्पादन पर 49वीं वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित लेखा विवरण, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट, सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा इस अवधि के लिए की गई लेखा समीक्षा प्रस्तुत करते हुए सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

वित्तीय प्रदर्शन

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का कार्य–निष्पादन नीचे संक्षेप में दिया गया है:

वित्तीय प्रदर्शन

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का प्रदर्शन नीचे संक्षेप में दिया गया है:

प्रदर्शन पर एक नज़र

क्र. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
क	परिचालन से राजस्व	429778.95	423956.74
ख	अन्य आय	4408.26	2466.09
ग	**कुल आय (क+ख)**	**434187.21**	**426422.83**
घ	ईंधन लागत	115709.36	125642.24
ङ	कर्मचारी लाभ व्यय	48628.07	43285.78
च	वित्त लागत	53213.15	52838.05
छ	मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	83059.16	85480.64
ज	अन्य व्यय	61183.06	56957.35
झ	**कुल व्यय (घ+ङ+च+छ+ज)**	**361792.80**	**364204.06**
ञ	**असाधारण मदों, कर और नियामक आस्थगित खातों के शेष से पहले लाभ (ग–झ)**	**72394.41**	**62218.77**
ट	असाधारण मद – (आय)/व्यय	0.00	0.00
ठ	कर और दर से पहले लाभ विनियमित आय (ञ+ट)	72394.41	62218.77
ड	कर व्यय	24,096.77	4,905.22
ढ	नियामक आस्थगित खातों के शेष से पहले वर्ष का लाभ (कर के बाद शुद्ध) (ठ–ड)	48,297.64	57,313.55
ण	नियामक आस्थगित खातों में शुद्ध संचलन (कर के बाद शुद्ध)	10,170.87	(2,501.34)
ल	**वर्ष का लाभ (ढ+ण)**	**58468.51**	**54812.21**
वं	अन्य व्यापक आय/(व्यय) (कर के बाद शुद्ध)	(2,711.66)	(1,606.63)
त	**कुल व्यापक आय (पी+क्यू)**	**55,756.85**	**53,205.58**
थ	**ईबीआईटीडींए (लाख रुपये में) (जे+जी+एफ)**	**208666.72**	**200537.46**
द	**ईबीआईटीडीं (लाख रुपये में) (एस एंड छ)**	**125607.56**	**115056.82**
ध	प्रति शेयर आय (में) रु. मूल	1.62	1.52
न	अधिकृत शेयर पूंजी	500000.00	500000.00
प	चुकता शेयर पूंजी	360981.04	360981.04
फ	अन्य इक्विटी	356565.19	325808.34
ब	**कुल संपत्ति/कुल इक्विटी रूरू (डब्ल्यू+एक्स)**	**717546.23**	**686789.38**
भ	औसत कुल संपत्ति (लाख रु. में)	702167.80	672686.59
क क	कुल संपत्ति (लाख रु. में)	1730943.46	1660135.27
क ख	दीर्घकालिक उधार (लाख रु. में)	726191.68	695035.07
क ग	नियोजित पूंजी (वाई+एबी)	1443737.91	1381824.45
क घ	व्यापारिक प्राप्य (बिना बिल वाली राशि को छोडकर) (लाख रु. में)	36323.54	42025.55

क्रं. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
क ङ	कैपेक्स	96033.73	113377.51
क च	अंतरिम लाभांश	20000.00	25000.00
क छ	अंतिम लाभांश	2500.00	5000.00
क ज	कर्मचारियों की संख्या	1592	1690
	वित्तीय अनुपातः		
I	परिसंपत्ति कारोबार अनुपात (% में)	25.08	25.69
II	राजस्व के प्रतिशत के रूप में ईबीआईटीडीए (%)	48.06	47.03
III	निवल संपत्ति पर प्रतिफल (% में)	8.33	8.15
IV	नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (% में)	8.70	8.33
V	सकल परिचालन मार्जिन (₹ लाख में)	214429.33	195570.03
VI	पैट/कुल रोजगार (₹ लाख में)	36.73	32.43
VII	ऋण इक्विटी अनुपात	1.01	1.01
VIII	तरलता अनुपात	0.70	0.49
IX	चालू अनुपात	0.76	0.54
X	देनदार कारोबार अनुपात (दिन)	31	36
XI	ऋण सेवा कवरेज अनुपात (डीएससीआर समय में)	1.32	1.14
XI	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात (आईएससीआर) (समय में)	4.18	3.74

अनुपात (स्टैंडअलोन)–

नोट 1: परिसंपत्ति कारोबार अनुपात = (कुल आय/कुल परिसंपत्तियाँ) * 100

नोट 2: आय के प्रतिशत के रूप में ईबीआईटीडीए = (ईबीआईटीडीए/कुल आय) * 100

नोट 3: निवल संपत्ति पर प्रतिफल = (कर पश्चात लाभ/औसत निवल संपत्ति) * 100

नोट 4: नियोजित पूँजी पर प्रतिफल = (ईबीआईटी/नियोजित पूँछ) * 100

नोट 5: सकल परिचालन मार्जिन = परिचालन से राजस्व + आर.डी.ए में परिवर्तन शेष – ईंधन लागत– कर्मचारी लाभ व्यय – अन्य व्यय – अपवादात्मक मदें (व्यय)

नोट 6: कर–पश्चात लाभ/कुल रोजगार = कर पश्चात लाभ/कर्मचारियों की संख्या

नोट 7: ऋण इक्विटी अनुपात = दीर्घकालिक उधार/कुल इक्विटी

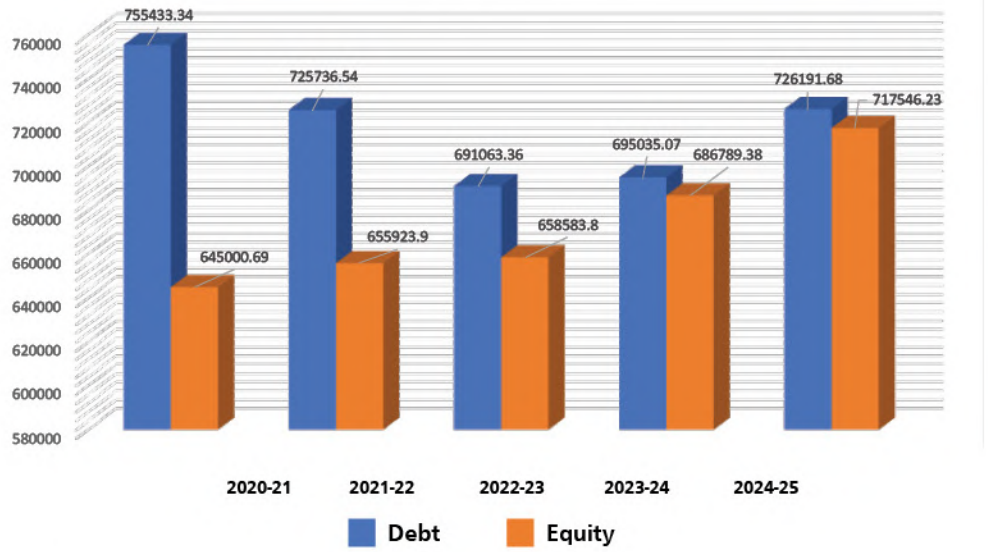
नोट 8: तरलता अनुपात = (कुल चालू परिसंपत्तियाँ–इन्वेंटरी)/कुल चालू देयताएँ

नोट 9: चालू अनुपात = कुल चालू परिसंपत्तियाँ/कुल चालू देयताएँ

नोट 10: देनदार टर्नओवर अनुपात = [(बिना बिल की गई राशि को छोड़कर व्यापार प्राप्य)*365]/(परिचालन से राजस्व)

ऋण और इक्विटी

₹ लाखों में

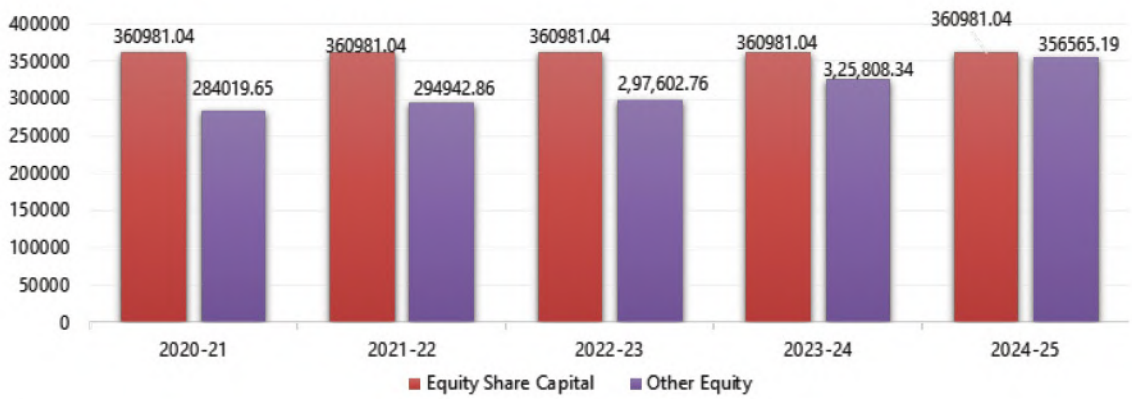


ऋण = दीर्घकालिक उधार

इक्विटी = चुकता शेयर पूंजी और अन्य इक्विटी

इक्विटी भोयर पूंजी और अन्य इक्विटी

₹ लाखों में



एनसीओएमई विश्लेषण

वर्ष 2024–25 के लिए निगम की कुल आय ₹4,34,187.21 लाख (पिछले वर्ष ₹4,26,422.83 लाख) है

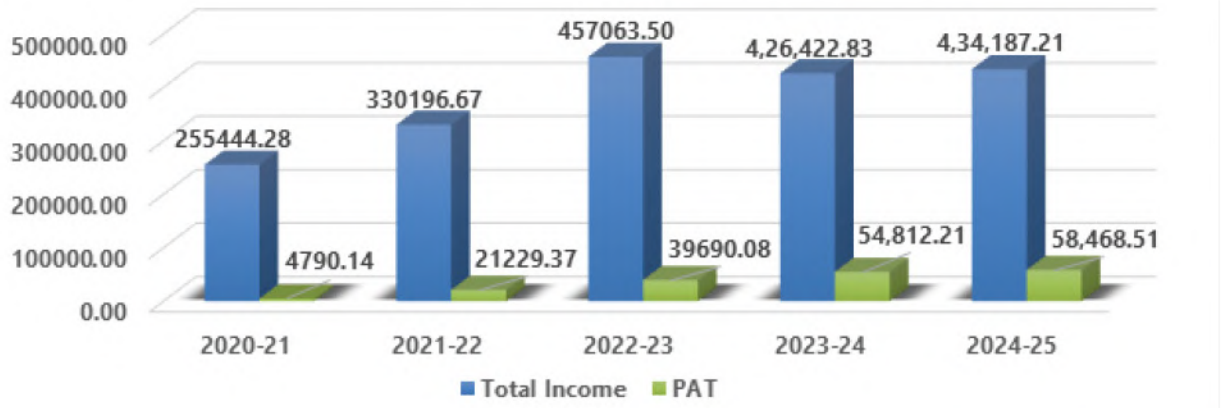
उपर्युक्त आय में विनियामक आस्थगित खाता शेष और उस पर कर से आय शामिल नहीं है।

टैक्स के बाद कुल आय और लाभ

निगम ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए कर से पहले 86019.18 लाख रुपये का लाभ कमाया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के लिए यह 59,524.45 लाख रुपये था। चालू वित्त वर्ष के लिए कर के बाद लाभ 58468.51 लाख रुपये है, जबकि पिछले वित्त वर्ष के लिए यह 54812.21 लाख रुपये था।

कुल आय और पीएटी

₹ लाखों में



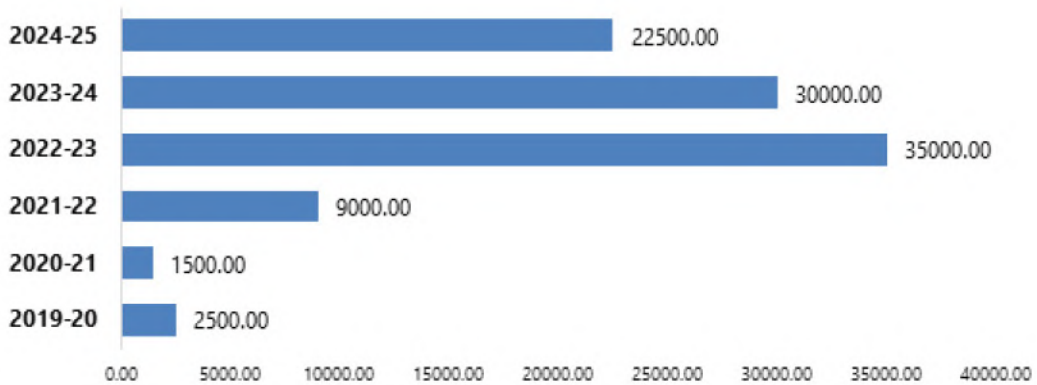
लाभांश

(i) पिछले वर्ष (2023–24) के लिए 5,000 लाख रुपये के अंतिम लाभांश को 10.08.2024 को आयोजित बीओडी की 288वीं बैठक में मंजूरी दी गई थी और इसका भुगतान 09.10.2024 को कर दिया गया है। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए कुल लाभांश भुगतान ₹30,000.00 लाख, यानी अर्थात है। ₹ 0.83 प्रति शेयर (अंकित मूल्य ₹ 10/– प्रत्येक)

(ii) चालू वर्ष 2024–25 के लिए 20,000.00 लाख रुपये के अंतरिम लाभांश को 03.03.2025 को आयोजित 293वीं बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई थी और इसका भुगतान 28.03.2025 को किया गया है। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 2,500.00 लाख रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिशकी है। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2024–25 के लिए कुल लाभांश भुगतान ₹22,500.00 लाख यानी अर्थात है। 0.62 प्रति शेयर (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 रुपये) लाभांश भुगतान कर के बाद लाभ (पीएटी) के 38.48 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है अंतिम लाभांश वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगा।

लाभांश

₹ लाखों में



वित्तीय समीक्षाः

क. कैपिटल स्ट्रक्चर

31.03.2025 को निगम की अधिकृत शेयर पूंजी 500000 लाख रुपये थी और चुकता पूंजी 360981.04 लाख रुपये (पिछले वर्ष 360981.04 लाख रुपये) थी

ख. लंबी अवधि की अड़चनें

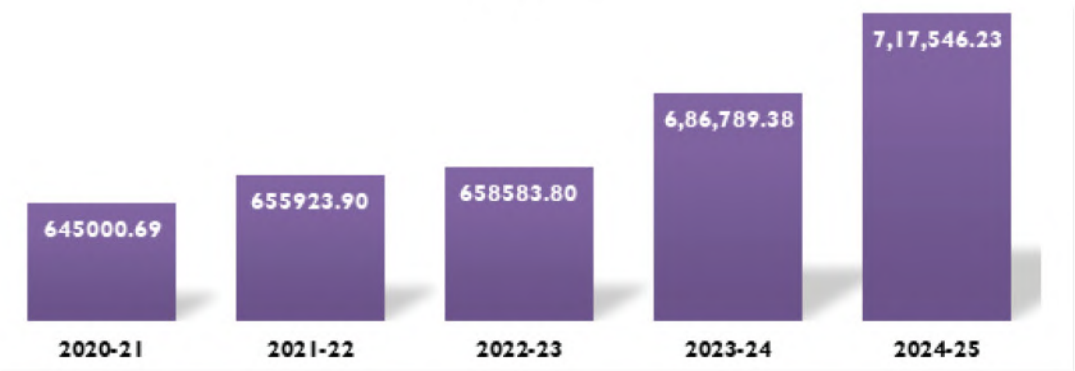
चालू वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, निगम ने 1,44,635.00 लाख रुपये की राशि जुटाई है, जिसमें 95000.00 लाख रुपये का सावधि ऋण और 49635/लाख रुपये के बांड शामिल हैं।

ग. नेट मूल्य

31 मार्च, 2025 को निगम का निवल मूल्य ₹ 6,86,789.38 लाख रुपये की तुलना में ₹ 7,17,546.23 लाख रुपये था और इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 4.48 % प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कुल संपत्ति

₹ लाख में

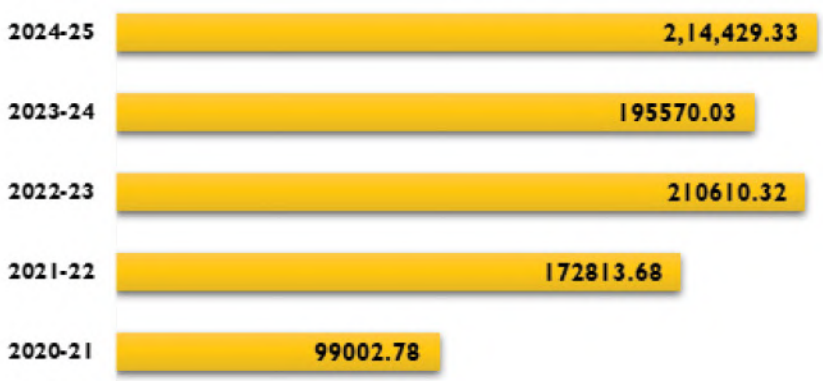


घ. सकल परिचालन मार्जिनः

31.03.2025 तक कंपनी का सकल परिचालन मार्जिन ₹2,14,429.33 लाख है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान यह ₹1,95,570.03 लाख था। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इसमें 9.64% की वृद्धि हुई है।

सकल परिचालन मार्जिन

₹ लाख में



ङ. स्टेट्यूटरी ऑडिटर

मेसर्स एफ.आर. एन गोयल एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउंटेंट, गुवाहाटी को वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक द्वारा नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) के सांविधिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था और उक्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की सांविधिक लेखा परीक्षा आयोजित की थी।

च. स्टेट्यूटरी ऑडिटर की रिपोर्ट पर प्रबंधन टिप्पणियां

कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। 16 मई, 2025 की सांविधिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट अनुलग्नक–6ए (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिक) और अनुलग्नक–6बी (समेकित वित्तीय विवरणों के लिक) में दी गई है सांविधिक लेखा परीक्षक रिपोर्ट के मामलों पर जोर (ईओएम) का प्रबंधन उत्तर अनुलग्नक–6सी में दिया गया है।

छ. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा खातों की समीक्षा

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) के तहत वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों (स्टैंडअलोन के साथ–साथ समेकित) का पूरक ऑडिट किया है। आपकी कंपनी के वित्तीय विवरणों पर सी एंड एजी की टिप्पणियां **अनुलग्नक 7** में दी गई हैं।

ज. लागत लेखा

परीक्षा कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियम, 2014 के तहत निर्धारित के रूप में, लागत लेखा रिकॉर्ड कंपनी द्वारा अपने उत्पादन स्टेशनों के लिए बनाए रखा जा रहा है। मेसर्स निरन एंड कंपनी, भुवनेश्वर, ओडिशा और मेसर्स धनंजय वी. जोशी एंड एसोसिएट, पुणे, महाराष्ट्र को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के तहत वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए नीपको के लागत लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट कंपनी (लागत अभिलेख और लेखा परीक्षा) नियम, 2014 के अनुपालन में निर्धारित समय के भीतर भरी जाएगी।

झ. सचिव लेखा परीक्षक

मेसर्स नारायण शर्मा एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव, गुवाहाटी को वर्ष 2024–25 के लिए सेक्रेटेरियल ऑडिट करने के लिए कंपनी का सेक्रेटेरियल ऑडिटर नियुक्त किया गया था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रपत्र संख्या. एमएमआर–3 में, जैसा कि मैसर्स द्वारा लेखापरीक्षित किया गया है। नारायण शर्मा एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव **अनुलग्नक–8ए** के रूप में संलग्न हैं वर्ष 2024–25 के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट में की गई सचिवीय लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब **अनुलग्नक–8 बी** के रूप में संलग्न है।

विद्युत स्टेशनों का संचालन

विद्युत उत्पादन

वर्ष 2024–25 के दौरान 8500 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले कुल 8020.29 मिलियन यूनिट उत्पादन प्राप्त होगा। वित्त वर्ष 2024–25 और वित्त वर्ष 2023–24 में विद्युत उत्पादन की उपलब्धियाँ नीचे दी गई हैं:

वित्त वर्ष 2024–25 और वित्त वर्ष 2023–24 में वास्तविक उत्पादनः

विद्युत संयंत्र का नाम	उत्पादन लक्ष्य (एमयू) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक उत्पादन (एमयू) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक उत्पादन (एमयू) वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2023–24 के सापेक्ष उत्पादन में परिवर्तन (%)	वास्तविक संयंत्र उपलब्धता कारक (%) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक संयंत्र उपलब्धता कारक (%) वित्त वर्ष 2023–24
असम गैस आधारित विद्युत संयंत्र (291 मेगावाट), असम	1650	1578.58	1696.54	-6.95%	74.68	76.81
अगरतला गैस आधारित विद्युत संयंत्र (135 मेगावाट), त्रिपुरा	845	542.95	640.10	-15.18%	55.71	61.98
त्रिपुरा गैस आधारित विद्युत संयंत्र (101 मेगावाट), त्रिपुरा	670	475.92	660.51	-27.95%	53.45	75.48
गैस आधारित कुल	**3165**	**2597.46**	**2997.16**	**-13.34%**		

वित्त वर्ष 2024–25 और वित्त वर्ष 2023–24 में वास्तविक उत्पादनः						
विद्युत संयंत्र का नाम	उत्पादन लक्ष्य (एमयू) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक उत्पादन (एमयू) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक उत्पादन (एमयू) वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2023–24 के सापेक्ष उत्पादन में परिवर्तन (%)	वास्तविक संयंत्र उपलब्धता कारक (%) वित्त वर्ष 2024–25	वास्तविक संयंत्र उपलब्धता कारक (%) वित्त वर्ष 2023–24
कोपिली पावर स्टेशन (200 मेगावाट), असम	300	588.17	285.81	-	96.76	96.63
खांडोंग पावर स्टेशन (50 मेगावाट), असम	जुलाई 2025 तक पूरा होने की अनुसूची के साथ आर एंड एम के तहत।					
खांडोंग चरण–II पावर स्टेशन (25 मेगावाट), असम	82	168.48	150.03	12.30%	90.99	71.47
दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन (75 मेगावाट), नागालैंड	200	214.98	165.45	29.94%	73.16	61.56
पंयोर लोअर हाइड्रो पावर स्टेशन (405 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	1312	1065.10	1177.38	-9.54%	82.40	94.67
तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन (60 मेगावाट), मिजोरम	175	240.27	118.63	102.54%	75.37	73.15
पारे हाइड्रो पावर स्टेशन (110 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	510	382.65	448.65	-14.71%	90.71	95.18
कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (600 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	2750	2757.29	2652.10	3.97%	72.82	86.94
हाइड्रो कुल	**5329**	**5416.93**	**4998.03**	**8.38%**		
मोनारचक सौर ऊर्जा स्टेशन, (5 मेगावाट), त्रिपुरा	6	5.90	5.68	3.88%	13.47	12.93
नीपको कुल (2057 मेगावाट)	8500	8020.29	8000.87	0.24%		
वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान प्राप्त वास्तविक एपीएएफ (%) (भारित औसत)	84.33					
वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान प्राप्त वास्तविक एपीएएफ (%) (भारित औसत)	76.59					

2024–25 के लिए पावर स्टेशनवार उपलब्धियां नीचे दी गई हैं:

I. जल विद्युत स्टेशन

क) 275 मेगावाट कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन (केएचपीएस), असम।

कोपिली जल विद्युत संयंत्र / विद्युत संयंत्र	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक पौध उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
कोपिली विद्युत संयंत्र	4 X 50 मेगावाट	993.80	300	588.17	69	96.76
खांडोंग विद्युत संयंत्र	2 X 25 मेगावाट	नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के लिए बंद, जुलाई 2025 तक पूरा होने की योजना				
खांडोंग चरण–II विद्युत संयंत्र	1 X 25 मेगावाट	86.30	82	168.48	69	90.99

नवीनीकरण और आधुनिकीकरण कार्यों के सफल समापन पर 03–06–2024 को 00:00 बजे से 4 x 50 मेगावाट कोपिली पावर स्टेशन के लिए वाणिज्यिक संचालन की घोषणा की गई।

2 x 25 मेगावाट खांडोंग पावर स्टेशन का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण जुलाई 2025 तक पूरा होने वाला है।

ख) 75 मेगावाट दोयांग हाइड्रो पावर स्टेशन (डीएचपीएस), नागालैंड।

दोयांग जलविद्युत स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	3 x 25	227.24	200	214.98	65	73.16

ग) 405 मेगावाट पंयोर लोअर हाइड्रो पावर स्टेशन (पीएलएचपीएस), अरुणाचल प्रदेश।

पंयोर लोअर हाइड्रो पावर स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	3 x 135	1293.73	1312	1065.10	85	82.40

पीएलएचपीएस में उत्पादन में कमी पानी की कम उपलब्धता के कारण थी और सभी 3 (तीन) इकाइयों की एमआईवी सीलों को बदलने के लिए पावर स्टेशन की योजनाबद्ध एस डी 07/01/2025 से 10/03/2025 तक थी।

घ) 60 मेगावाट तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन (टीएचपीएस), मिज़ोरम।

तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	2 x 30	250.63	175	240.27	75	75.37

ङ) 110 मेगावाट पारे हाइड्रो पावर स्टेशन (पीएचपीएस), अरुणाचल प्रदेश।

पारे हाइड्रो पावर स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	2 x 55	506.42	510	382.65	85	90.71

पीएचपीएस में उत्पादन में कमी पानी की कम उपलब्धता के कारण थी।

च) 600 मेगावाट कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (काएचपीएस), अरुणाचल प्रदेश।

कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	4 x 150	3353.00	2750	2757.29	85*	72.82

एपीएएफ की कमी पानी की कम उपलब्धता और रोटर पोल के "वी" ब्लॉक की विफलता के बाद स्टेटर और रोटर की क्षति के कारण 17/06/2024 से यूनिट संख्या 2 के जबरन एस/डी के कारण हुई।

(*सीईआरसी ने अभी तक मानक एपीएएफ को मंजूरी नहीं दी है। हालाँकि, पूर्वानुमान में, एनएपीएएफ को 85% माना जाता है।)

II. गैस आधारित बिजलीघर

i) 291 मेगावाट असम गैस आधारित बिजलीघर (एजीबीपीएस), (संयुक्त चक्र), असम।

असम गैस आधारित पावर स्टेशन	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	291	1746	1650	1578.58	70	74.68

एजीबीपीएस उत्पादन में कमी गैस की कम उपलब्धता के कारण हुई।

पिछले तीन वर्षों में गैस आपूर्ति की स्थिति:

गैस आपूर्तिकर्ता	अनुबंधित मात्रा (एमएमएससीएमडी)	औसत वास्तविक गैस आपूर्ति (एमएमएससीएमडी)		
		2022-23	2023-24	2024-25
मेसर्स ऑयल	1.40	1.36	1.35	1.32

ख) 135 मेगावाट अगरतला गैस आधारित विद्युत स्टेशन (एजीजीबीपीएस), (संयुक्त चक्र), त्रिपुरा।

अगरतला गैस आधारित बिजलीघर	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	135	810	845	542.95	85	55.71

एजीजीबीपीएस के उत्पादन और एपीएएफ में कमी गैस की कम उपलब्धता और यूनिट–3 के लोड कपलर शाफ्ट की विफलता के कारण हुई।

पिछले तीन वर्षों की गैस आपूर्ति की स्थिति:

गैस आपूर्तिकर्ता	अनुबंधित मात्रा (एमएमएससीएमडी)	औसत वास्तविक गैस आपूर्ति (एमएमएससीएमडी)		
		2022-23	2023-24	2024-25
मेसर्स गेल	0.75	0.68	0.51	0.44

नीपको और गेल के बीच गैस बिक्री और परिवहन अनुबंध, विद्युत स्टेशन को 0.75 एमएमएससीएमडी गैस की आपूर्ति के लिए है।

ग) 101 मेगावाट त्रिपुरा गैस आधारित विद्युत स्टेशन (टीजीबीपीएस), (संयुक्त चक्र), त्रिपुरा।

त्रिपुरा गैस आधारित बिजलीघर	स्थापित क्षमता (मेगावाट)	उत्पादन (एमयू में)			मानक वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (%)	वास्तविक एपीएएफ 2024–25
		वार्षिक ऊर्जा	लक्ष्य	वास्तविक 2024–25		
	101	752.05	670	475.92	85	53.45

टीजीबीपीएस के उत्पादन और एपीएएफ में कमी गैस की कम उपलब्धता और इकाइयों की खराबी के कारण थी।

पिछले तीन वर्षों में गैस आपूर्ति की स्थिति:

गैस आपूर्तिकर्ता	अनुबंधित मात्रा (एमएमएससीएमडी)	औसत वास्तविक गैस आपूर्ति (एमएमएससीएमडी)		
		2022-23	2023-24	2024-25
मेसर्स **ओएनजीसी**	0.5	0.48	0.43	0.37

III. नवीकरणीय ऊर्जा पावर स्टेशन

5 मेगावाट पावर ग्रिड इंटरएक्टिव मोनार्कक सौर ऊर्जा स्टेशन, त्रिपुरा।

2024–25 के दौरान इस स्टेशन से 6 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 5.90 मिलियन यूनिट ऊर्जा का उत्पादन हुआ, जिसका क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ) 13.47% रहाँ

उत्पादन विश्लेषण

वर्ष 2024–25 के दौरान 8020.29 मिलियन यूनिट उत्पादन हुआ, जबकि 2023–24 के दौरान 8000.87 मिलियन यूनिट उत्पादन हुआ था। पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन में अधिशेष 0.24% है।

क. निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाएँ

क्रम सं.	परियोजना का नाम	स्थिति
1.	जलविद्युत परियोजना (240 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ 11.12.2024 को निवेश अनुमोदन (सीसीईए मंजूरी) प्रदान किया गया। ➢ हिआ जल विद्युत परियोजना के लिए ईपीसी मोड के अंतर्गत सिविल और एचएम पैकेज हेतु एलओए जारी किया गया। ➢ टाटो–I जल विद्युत परियोजना के लिए सिविल पैकेज और एचएम पैकेज हेतु एलओए जारी किया गया। ➢ हिआ जल विद्युत परियोजना और टाटो–I जल विद्युत परियोजना के ईएम पैकेज हेतु निविदा प्रक्रिया जारी है। ➢ 29.05.2025 को शि योमी जिले के डीसी द्वारा नीपको को भूमि सौंप दी गई।
2.	टाटो–I जलविद्युत परियोजना (186 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	

ख. जलविद्युत परियोजनाएँ–विकासाधीन

3.	टाटो–II एचईपी परियोजना (7000 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ टीईसी और ईसी स्वीकृत। ➢ परियोजना के लिए एफसी–I प्राप्त हो चुका है, और एफसी–II शीघ्र ही प्राप्त होने की उम्मीद है। ➢ भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है। ➢ रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय की मंजूरी प्राप्त हो गई है। ➢ पीआईबी ने 15.05.2025 को हुई बैठक में परियोजना की अनुशंसा की है। ➢ डायवर्जन सुरंग के सिविल और एचएम कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित। ➢ जल चालक प्रणाली और भूमिगत विद्युत गृह परिसर के सिविल कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित।
4.	नायिंग एचई परियोजना (1000 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ टीईसी स्वीकृत। ➢ टीओआर स्वीकृत। ईआईएं/ईएमपी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। ➢ एफसी प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। भाग–II परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। ➢ एसआईएं अध्ययन शुरू हो गया है, परियोजना के लिए स्थायी संपत्तियों और परिसंपत्तियों का मूल्यांकन प्रक्रियाधीन है।
5.	हिरोंग एचई परियोजना (500 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ परियोजना को व्यवहार्य बनाने के लिए डीपीआर की समीक्षा और संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। ➢ परियोजना लेआउट को अंतिम रूप देने के बाद ईसी, एफसी और भूमि अधिग्रहण शुरू किया जाएगा।

आगामी परियोजनाएँ

अगस्त 2023 में, नीपको ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ निम्नलिखित 5 परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 2626 मेगावाट है। इन परियोजनाओं का विकास अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ संयुक्त उद्यम मोड में किया जा रहा है।

- हिओ जल विद्युत परियोजना (एचईपी) (240 मेगावाट)
- टाटो–I जल विद्युत परियोजना (एचईपी) (186 मेगावाट)
- टाटो–II जल विद्युत परियोजना (एचईपी) (700 मेगावाट)
- नाइंग जल विद्युत परियोजना (एचईपी) (1000 मेगावाट)
- हिरोंग जल विद्युत परियोजना (एचईपी) (500 मेगावाट)

ग. पाइपलाइन में जलविद्युत परियोजनाएँ

1. संयुक्त उद्यम मोड में परियोजनाएँ:

1.	डिब्बिन एचईपी (120 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	यह परियोजना अरुणाचल प्रदेश में केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड (केएसकेईवीएल) के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में भी प्रस्तावित थी और 12.06.2014 को शेयरधारकों के समझौते (एसएचए) पर हस्ताक्षर किए गए थे। हालाँकि, केएसकेईवीएल को बाद में दिवालिया घोषित कर दिया गया और एनसीएलटी में परिसमापन प्रक्रिया शुरू की गई। नीपको ने शेयरधारकों के समझौते के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू की। ➢ मामला वर्तमान में मध्यस्थता के अधीन है।
2	कुरुंग एचईपी (320 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ नीपको और अरुणाचल प्रदेश सरकार ने परियोजना के संयुक्त विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। ➢ परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। ➢ बांध स्थल के चयन और भूवैज्ञानिक मानचित्रण के लिए साइट का दौरा किया गया। ➢ ईआईए/ईएमपी अध्ययन प्रगति पर है। ➢ ड्रिलिंग और ड्रिफ्टिंग कार्य प्रगति पर हैं।

2. स्वामित्व आधार :

1.	न्यू मेलिंग, जल विद्युत परियोजना (90 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ परियोजना की व्यवहार्यता डाउनस्ट्रीम मागो चू जलविद्युत परियोजनाओं के एकीकरण पर निर्भर करती है, जिसका लक्ष्य 180 मेगावाट की संयुक्त स्थापित क्षमता प्राप्त करना है। ➢ डाउनस्ट्रीम मागो चू जलविद्युत परियोजना के संबंध में परिसंपत्तियों का मूल्यांकन और उचित परिश्रम अध्ययन पूरा हो चुका है। ➢ परियोजना वर्तमान में विचाराधीन है क्योंकि पिछले डेवलपर ने राज्य सरकार द्वारा परियोजना की समाप्ति से पहले व्यय की प्रतिपूर्ति का दावा किया है।
2.	नफरा जल विद्युत परियोजना (120 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेश	➢ परियोजना वर्तमान में विचाराधीन है क्योंकि पिछले डेवलपर ने राज्य सरकार द्वारा परियोजना की समाप्ति से पहले व्यय की प्रतिपूर्ति का दावा किया है।
3.	वाह उमियम स्ट्रीट–III जल विद्युत परियोजना (85 मेगावाट), मेघालय	➢ कीकृत क्षेत्रीय कार्यालय (आईआरओ), शिलांग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ एफसी–I प्रक्रियाधीन है। ➢ परियोजना के लिए आवश्यक कुल 88 हेक्टेयर निजी भूमि में से 60 हेक्टेयर का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। ➢ टैरिफ को वहनीय स्तर तक लाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय से अनुदान सहायता मांगी गई है। ➢ सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) मेघालय के राज्य प्राधिकारियों के समन्वय से संसाधित किया जा रहा है।

नीपको द्वारा निम्नलिखित **पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी)** को विकसित किए जाने की परिकल्पना की गई है :

क्रम संख्या	पीएसपी का नाम	आईसी	स्थिति
1.	असम में कोपिली पीएसपी	320 मेगावाट	• कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन (एचपीएस) (275 मेगावाट) के मौजूदा खांडोंग जलाशय को ऊपरी जलाशय और मौजूदा उमरोंग जलाशय को निचले जलाशय के रूप में मानते हुए पीएफआर का कार्य पूरा हो गया है। • डीपीआर और संबंधित जांच कार्यों की तैयारी के लिए असम सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है। • 26.02.2025 को असम सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
2.	मेघालय में वाह उमियाम पीएसपी	800 मेगावाट	• पीएफआर नीपको द्वारा तैयार किया गया है और जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (एचआरईडी), आईआईटी, रुड़की द्वारा सहमति प्रदान की गई है। • डीपीआर तैयार करने का कार्य मेघालय सरकार से एनओसी प्राप्त होने पर सफल बोलीदाता को सौंपा जाएगा।
3.	वाह उम्सॉन्ग, मेघालय में लैटलम पीएसपी	1500 मेगावाट	• पीएफआर अध्ययन प्रगति पर है। • उपयुक्त शीर्ष खोजने के लिए वैकल्पिक स्थल की खोज जारी है।

नवीकरणीय ऊर्जा पहल

क) ग्राउंड माउंटेड सौर परियोजना–

नीपको द्वारा वर्तमान में निम्नलिखित ग्राउंड माउंटेड सौर परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं:

क्रम संख्या	परियोजना का नाम एवं स्थान	परियोजना की स्थिति
1.	300 मेगावाट (चरण–I) आईएंसटीएस से जुड़ी सौर परियोजना, बीकानेर, राजस्थान	• वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) को 29.02.2024 को कार्य सौंपा गया। • परियोजना कावनी, बीकानेर, राजस्थान में स्थित है। • वार्षिक उत्पादन 762.30 मिलियन यूनिट है। • वार्षिक कार्बन क्रेडिट लगभग 6 लाख रुपये है। • लेवलाइज्ड टैरिफ 2.70 रुपये/किलोवाट घंटा है। • बीकानेर II सबस्टेशन के माध्यम से निकासी। • भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 22.05.2025 को आधारशिला रखी जाएगी। • अपेक्षित कमीशनिंग: 31.12.2025 तक 200 मेगावाट और शेष 100 मेगावाट 22.08.2026 तक।

ख) फ्लोटिंग सौर परियोजनाएँ –

नीपको द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा पहल के अंतर्गत निम्नलिखित फ्लोटिंग सौर परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं:

क्रम संख्या	परियोजना का नाम एवं स्थान	परियोजना की स्थिति
1.	35 मेगावाट क्षमता वाली कोपिली फ्लोटिंग सौर परियोजना, उमरोंगसो, असम	• पीएफआर और डीपीआर पूर्ण • एनजीईएल द्वारा लिए जाने वाले बीओव्यू के विवरण सहित निविदा को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।
2.	सेरलुई बी जलाशय, मिज़ोरम में फ्लोटिंग सौर परियोजना	• पीएफआर तैयार करने हेतु 14.02.2025 को कार्य आवंटित किया गया। • मिजोरम में सेरलुई बी जलाशय और मेघालय में उमियम झील के लिए स्थल सर्वेक्षण पूरा हो गया है।
3.	उमियाम झील, मेघालय में फ्लोटिंग सौर परियोजना	
4.	धंधरौल बांध, उत्तर प्रदेश में फ्लोटिंग सौर परियोजना	
5.	मूसाखंड बांध, उत्तर प्रदेश में फ्लोटिंग सौर परियोजना	
6.	पहुज बांध, उत्तर प्रदेश में फ्लोटिंग सौर परियोजना	

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी):

वित्त वर्ष 2024–25 में निम्नलिखित आर एंड डी परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं/प्रगति पर हैं:

- **पंयोर लोअर एचपीएस (पूर्व में रंगनदी एचईपी) के कुशल संचालन हेतु सेंसर आधारित स्वचालित इनपुट का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से एक स्वचालित संचार प्रणाली का डिज़ाइन, जिसमें सुबनसिरी नदी के संगम तक बहाव संबंधी चिंताओं पर उचित बल दिया जाएगा – पंयोर लोअर एचपीएस स्थल पर मॉडल के कार्यान्वयन हेतु इसका भाग–बी।**

  ➢ आईआईटी, गुवाहाटी के माध्यम से 2023–24 में एक हाइड्रोडायनामिक मॉडल ब्रह्मा 1–डी विकसित किया गया था। आईआईटी, गुवाहाटी के सहयोग से 2023–24 में पंयोर लोअर एचपीएस स्थल पर हाइड्रोडायनामिक मॉडल का कार्यान्वयन अलग से किया गया था। परियोजना में विभिन्न स्थानों पर जल स्तर की निगरानी और वांछित परिणाम प्राप्त करने हेतु मॉडल के अंशांकन हेतु चिन्हित स्थानों पर सेंसर लगाने की परिकल्पना की गई है।

  ➢ पंयोर निचले बांध के रेडियल गेटों से पानी छोड़े जाने पर, यह मॉडल नदी के जल स्तर, वेग और बहाव के चरम समय की गणना और पूर्वानुमान करेगा। इससे बहाव क्षेत्र के लोगों को पहले से चेतावनी देने में सुविधा होगी।

  ➢ परियोजना वर्तमान में प्रगति पर है।

- **अग्नि संसूचन प्रणाली:**

  यह परियोजना 2022–23 में आंतरिक रूप से शुरू की गई थी और इसकी पूर्णता अवधि 2 (दो) वर्ष है। इस परियोजना में ट्रिपल मॉड्यूलर रिडंडेंसी (टीएमआर) अवअनुमान वाले तीन सेंसरों के उपयोग की परिकल्पना की गई है ताकि एक दोष–सहिष्णु विश्वसनीय अग्नि संसूचन प्रणाली तैयार की जा सके जिसमें खराबी या विफलता की न्यूनतम संभावना हो।

- **हरित हाइड्रोजन उत्पादन हेतु इलेक्ट्रोलाइज़र असेंबली हेतु कम लागत वाले टिकाऊ और कुशल इलेक्ट्रो–कैटेलिस्ट और प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन का विकासः**

  यह कार्य आईआईटी, गुवाहाटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से 2022–23 में शुरू किया गया है। परियोजना की पूर्णता अवधि 3 (तीन) वर्ष है। वर्तमान में, कार्य प्रगति पर है।

उपरोक्त चल रही अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्रम संख्या	अनुसंधान एवं विकास प्रस्ताव का नाम	इन–हाउस/ सहयोगी	कुल वित्तीय भागीदारी(लाखों में) (जीएसटी को छोड़कर)	पूरा होने में लगने वाला समय (वर्ष)
1	पंयोर लोअर एचपीएस (पूर्व में रंगनदी एचईपी) के कुशल संचालन के लिए सेंसर आधारित स्वचालित इनपुट का उपयोग करते हुए क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से एक स्वचालित संचार प्रणाली का डिज़ाइन, जिसमें सुबनसिरी नदी के संगम तक डाउनस्ट्रीम चिंताओं पर उचित जोर दिया जाएगा – **भाग–बी**	आईआईटी, गुवाहाटी	24.84	2025-26
2	अग्नि संसूचन प्रणाली पर अनुसंधान एवं विकास	इन–हाउस	4.72	2025-26
3	ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन हेतु इलेक्ट्रोलाइज़र असेंबली हेतु कम लागत वाले टिकाऊ और कुशल इलेक्ट्रो–कैटेलिस्ट और प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन का विकास।	आईआईटी, गुवाहाटी	55.59	2025-26
कुल			**₹ 85.15 लाख**	

इसके अलावा, भविष्य के अध्ययन के लिए निम्नलिखित नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का पता लगाया गया है।

- राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएंच) रुड़की के सहयोग से नीपको की मौजूदा और भविष्य की जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में वर्षा–अपवाह प्रतिक्रिया और जलाशयों के प्रवाह पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।
- गैस टर्बाइनों के लिए इग्निशन एक्साइटर पर अनुसंधान एवं विकास इन–हाउस किया जाएगा।

नवाचारः

आर एंड डी के माध्यम से संरचनात्मक लचीलापनः कोपिली हाइड्रो नवीनीकरण में उन्नत सामग्री

असम के कोपिली पानी बिजली संयंत्र के अन्य स्टेशनों के साथ–साथ खंडोंग स्टेज–1 बिजली केंद्र पिछले दो दशकों से अम्लीय जलाशय के पानी की लगातार समस्या का सामना कर रहा है। इसके कारण कई मजबूरन बिजली गुल हो गई है और काफी वित्तीय नुकसान हुआ है। पेनस्टॉक प्रणाली में, प्रभाव विशेष रूप से गंभीर था, जंग के कारण सामग्री की मोटाई लगभग 50% कम हो गई थी। स्टेशन के आर एंड एम के दौरान सर्ज शाफ्ट के डाउनस्ट्रीम से लेकर टेल रेस सिस्टम के अपस्ट्रीम तक जल मार्ग में स्टेनलेस स्टील के व्यापक उपयोग के साथ इस मुद्दे को हल किया गया है। पेनस्टॉक का पुनर्निर्माण रोल–बॉन्ड क्लैड प्लेटों का उपयोग करके किया गया है, जिसमें आधार सामग्री के रूप में एएसटीएम–537 क्लास–II और क्लैडिंग के रूप में स्टेनलेस स्टील शामिल है। जबकि आधार सामग्री आवश्यक संरचनात्मक शक्ति प्रदान करती है, स्टेनलेस स्टील क्लैडिंग एक संक्षारण बाधा के रूप में कार्य करती है। यह अभिनव दृष्टिकोण जलविद्युत परियोजनाओं में अभूतपूर्व है। क्लैडिंग की स्थिति की नियमित निगरानी के माध्यम से समाधान की दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाएगी।

उपरोक्त कार्य के लिए कुल बजट ₹ 46.18 करोड़ रुपये था, जिसमें से ₹ 19.09 करोड़ रुपये 2024–25 में खर्च किए गए थे।ए

गुणवत्ता आश्वासन और निरीक्षण

नीपको एक केंद्रीकृत निगमित गुणवत्ता आश्वासन विभाग संचालित करता है। एक मॉडल गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वयन और निष्पादन के दौरान बिजली परियोजना कार्यों की गुणवत्ता आश्वासन और निरीक्षण सुनिश्चित करती है।

कॉर्पोरेट क्यूए एंड आई विंग ने निविदा उद्देश्यों के साथ–साथ चालू परियोजनाओं के साथ–साथ आगामी परियोजनाओं, अर्थात् पारे एचपीएस, दोयांग एचपीएस, हिओ एचईपी और टाटो–I एचईपी के तहत कार्यों के कार्यान्वयन के लिए अवधि के दौरान निम्नलिखित 11 मॉडल गुणवत्ता आश्वासन योजनाएं (क्यूएपी) तैयार की हैं। –

अरुणाचल प्रदेश के दोइमुख कॉलोनी में ईडी (अरुणाचल) नीपको के लिए प्रस्तावित कार्यालय भवन का निर्माण।

- एल/बैंक, दोयांग एचपीएस, नागालैंड में एनआरसी हॉल और बैक साइड वॉश–रूम की मरम्मत।
- गेट छव.2 से चर्च जंक्शन, चर्च जंक्शन से .डब्ल्यू.टी.पी तक सड़क के साथ नए सीमेंट कंक्रीट पेवर ब्लॉक के साथ मौजूदा कॉलोनी रोड का निर्माण। और स्थायी कॉलोनी, दोयांग एचपीएस।
- पारे एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश में मलबा बूम का सर्वेक्षण, डिजाइन, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और चालू करना।

- टाटो–मेंचुखा रोड (चौ. 0.00 किमी से ख.0 तक। 89 किमी) शी योमी जिला, अरुणाचल प्रदेश।

- टाटो–मणिगोंग रोड से संपर्क सड़क का निर्माण के- 00.00 किमी) से टाटो–I पावर हाउस साइट कं. 3.27 किमी) टाटो–I एचईपी, शी योमी जिला, अरुणाचल प्रदेश।

  पैकेज–II हाइड्रो मैकेनिकल एंड पेनस्टॉक स्टील लाइनर वर्क्स फॉर टाटो–I एचईपी (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश।

  अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले के हिओ एचईपी (240 मेगावाट) के सिविल और हाइड्रो मैकेनिकल कार्यों का ईपीसी/टर्नकी निष्पादन।

- टाटो मेंचुखा रोड (सीज) से हिओ एचईपी पावर हाउस और टाटो–I ट्रेंच वियर साइट के लिए संपर्क सड़क का निर्माण। 0.00 किमी से ख. 4.18 किमी) शी योमी जिला, अरुणाचल प्रदेश।

  पैकेज–I: टाटो–I जलविद्युत परियोजना (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश से संबंधित सिविल कार्य।

- कॉलोनी–III '0' प्वाइंट) से पावर हाउस तक नए सीमेंट कंक्रीट पेवर ब्लॉक के साथ मौजूदा प्लांट रोड का निर्माणय अप्रोच रोड से स्विचयार्ड, नीपको कार्यशालाय जल भंडारण टैंक (अग्नि और सुरक्षा) के लिए एनपीएफ–6 एनपीसी और एनपीई टाइप क्यूटीआर का हिस्सा। और राइट बैंक, दोयांग एचपीएस, नागालैंड में जीरो प्वाइंट टू वाटर ट्रीटमेंट प्लांट।

  क्यूएपी विभिन्न परियोजना वातावरणों में मानकीकरण, जोखिम शमन और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

प्रमाण पत्र

नीपको ने अपने सभी ओ एंड एम स्टेशनों, कॉरपोरेटसेवानिवृत मुख्यालयों और अन्य प्रमुख कार्यालयों सहित 16 स्थानों पर एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों (आईएंमएस) के तहत मान्यता और पूर्ण अनुपालन हासिल किया है।

- आईएसओ 9001:2015–गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (फडै)
- आईएसओ 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली या ईएम)
- आईएसओ 45001:2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली या अर्थात ओएचएसएमएस)

नीपको ने सभी ओ एंड एम स्टेशनों, कॉर्पोरेटसेवानिवृत मुख्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण कार्यालयों सहित 15 स्थानों पर सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएंसएमएस) के लिए आईएंसओ 27001:2013 मान्यता भी हासिल की है।

इसके अलावा, 291 मेगावाट के असम गैस आधारित पावर स्टेशन, बोकुलोनी, असम ने मेसर्स बीईई, विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली (एनएमएस) के तहत आईएंसओ 50001:2018 मान्यता प्राप्त की है।

ये प्रमाणन गुणवत्ता, स्थिरता, सुरक्षा और सूचना सुरक्षा में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के प्रति नीपको की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

ई–गवर्नेंस/आईटी पहल

1. उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी)

- संगठन ने 31 जुलाई 2024 को सफल एसएपी एंटरप्राइज गो–लाइव के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह सभी विभागों में स्वचालन, परिचालन दक्षता और डिजिटल एकीकरण की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है।
- निम्नलिखित एसएपी मॉड्यूल लागू किए गए हैं: एचसीएम (मानव पूंजी प्रबंधन) ईएसएस (कर्मचारी स्वयं सेवा) और पेरोल, फिको (वित्तीय लेखा और नियंत्रण) एमएम (सामग्री प्रबंधन) पीएम (परियोजना प्रबंधन) आईएंसयू–संचालन, आईएंसयू (उपयोग के उद्योग समाधान)–वाणिज्यिक, पीएस (परियोजना प्रणाली) एसडी (स्क्रैप निपटान) एफएलएम (फाइल जीवनचक्र प्रबंधन) और डीएमएस (दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली) निर्बाध उपयोगकर्ता अनुभव सुनिश्चित करने के लिए क्लाउड बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार किए गए हैं।
- बैंक एकीकरण पहल के हिस्से के रूप में, एसएपी प्रणाली को एसबीआई भुगतान गेटवे के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया था।
- इसके अतिरिक्त, दक्षता, पारदर्शिता और विक्रेता चालान प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एसएपी ईआरपी प्रणाली के साथ एक बिल ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर (बीटीएस) विकसित और एकीकृत किया गया है
- आईटी विभाग द्वारा आंतरिक रूप से विकसित ईएमबी एप्लिकेशन को आंतरिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एसएपी प्लेटफॉर्म के साथ शुरू और एकीकृत किया गया था।
- एमओयू लक्ष्य के अनुरूप, जीईएम (सरकारी ई–मार्केटप्लेस) पोर्टल का एसएपी प्रणाली के साथ एकीकरण भी किया गया था।

2. नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी

- कॉर्पोरेट कार्यालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी का लोड बैलेंसिंग सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसमें शामिल हैं: व पावरग्रिड बैंडविड्थ को 500 एमबीपीएस से घटाकर 300 एमबीपीएस इंटरनेट पट्टाड लाइन (आईएंलएल) करना।
- बीएसएनएल बैंडविड्थ को 33 एमबीपीएस से बढ़ाकर 300 एमबीपीएस आईएंलएल करना।
- नासिक डेटा सेंटर के लिए एक अनावश्यक नेटवर्क लिंक स्थापित किया गया है ताकि लगातार आउटेज से डाउनटाइम को कम किया जा सके, जिससे समग्र नेटवर्क लचीलापन में सुधार हो सके।
- जीएसएम राउटर–आधारित इंटरनेट कनेक्टिविटी को बिचॉम में तैनात किया गया है, जो पुराने वीएसकटी सिस्टम की जगह लेगा और नेटवर्क दक्षता में सुधार करेगा।
- अरुणाचल प्रदेश के टाटो में वीएसएटी कनेक्टिविटी स्थापित की गई है, जिससे दूरदराज के परियोजना स्थानों में कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई है।
- एयरटेल के माध्यम से मिजोरम में तुईरियल एचपीएस में एक नया 20 एमबीपीएस आरएफ लिंक चालू किया गया है, जिससे स्थान के लिए इंटरनेट की पहुंच बढ़ गई है।

3. आईटी सुरक्षा और अनुपालन

- एंडपॉइंट सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, एंडपॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पांस (ईडीआर) सॉफ्टवेयर खरीदा गया है और सभी प्रासंगिक उपकरणों पर स्थापित किया गया है।
- नीपको मुख्यालय, शिलांग में फायरवॉल को उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और बेहतर प्रदर्शन की पेशकश करने वाले उपकरणों के एक नए सेट के साथ अपग्रेड किया गया है।
- डेटा संप्रभुता और पहुंच नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए, क्लाउड डेटा सेंटर में जियोफेन्सिंग प्रतिबंध लागू किए गए हैं, जो भारत के भीतर उपयोगकर्ताओं के लिए वेब एप्लिकेशन पहुंच को सख्ती से प्रतिबंधित करते हैं।

4. इन–हाउस सॉफ्टवेयर का विकास

- नवीकरण ट्रैकर:

  बीमा पॉलिसियों, वार्षिक रखरखाव अनुबंधों (एमएमसी) और अन्य महत्वपूर्ण अनुबंधों के लिए समाप्ति तिथियों की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यापक अनुप्रयोग। एप्लिकेशन निर्दिष्ट उपयोगकर्ताओं को स्वचालित ईमेल अनुस्मारक भेजता है, समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित करता है और खामियों से बचाता है।
- प्रस्ताव निर्माता:

  जनरेटिव एआई द्वारा संचालित एक अत्याधुनिक उपकरण, जिसे प्रस्ताव निर्माण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उपयोगकर्ता विशिष्ट मापदंडों को इनपुट करते हैं, और सिस्टम अनुरूप प्रस्ताव उत्पन्न करता है, जिससे मैनुअल प्रयास में काफी कमी आती है और उत्पादकता में वृद्धि होती है।
- आईएसओ आवश्यकताओं के अनुसार घटना रिपोर्टिंग के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल आंतरिक रूप से विकसित किया गया है और नीपको के सभी स्थानों से घटनाओं की लॉगिंग और रिपोर्ट तैयार करने के लिए शुरू किया गया है।
- सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए चिकित्सा लाभों के दावों और निपटान की सुविधा के लिए पीआरएमबी (सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ) योजना के लिए एक पोर्टल विकसित करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

5. क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर

- दो प्रमुख प्रणालियाँ–सतर्कता सीएमएस और भर्ती पोर्टल–को ईएसडीएस डेटा सेंटर में सफलतापूर्वक तैनात किया गया है, जो सुरक्षित और स्केलेबल क्लाउड समाधानों के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईटी विभाग ने ईआरपी, नेटवर्क अवसंरचना, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर विकास और क्लाउड परिनियोजन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ये पहल डिजिटल परिवर्तन, परिचालन लचीलापन और सुरक्षा अनुपालन पर केंद्रित संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ एक मजबूत संरेखण प्रदर्शित करती हैं।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक प्रक्रिया नीति

एमएसई (एससी/एसटी और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई सहित) से खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य नीचे दिखाया गया है:

क्रम सं.	विवरण	2022-23	2023-24	2024-25
1	कुल खरीद लाख रुपये में	6,197.65	27,874.09	20,795.42
2	एमएसई से कुल खरीद लाख रुपये में	2,198.20	8,023.72	5,218.51
3	एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से कुल खरीद लाख रुपये में	86.89	89.50	361.23
4	महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से कुल खरीद लाख रुपये में	280.64	393.65	1,150.45
5	कुल खरीद में एमएसई से खरीद का प्रतिशत	35.47%	28.79%	25.09%
6	कुल खरीद में एससी/एसटी उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद का प्रतिशत	1.40%	0.32%	1.74%
7	कुल खरीद में महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से खरीद का प्रतिशत	4.53%	1.41%	5.53%

नोट: एमओएमएसएमई और एमओपी द्वारा दिए गए अपवादों पर विचार करते हुए, संबंध पोर्टल में अद्यतन डेटा।

जीईएम से रिकॉर्ड:
नीपको ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान जीईएम पोर्टल के माध्यम से 100% खरीद हासिल की है।

ट्रेड्स प्लेटफॉर्म्स पर ऑनबोर्डिंग:
डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन में, मार्च 2025 तक, नीपको ने ट्रेड्स के निम्नलिखित ऑपरेटिंग पोर्टलों पर ऑन–बोर्ड किया है:

(i) इनवॉइसमार्ट

(ii) एम1एक्सचेंज

(iii) आरएक्सआईएंल

(iv) सी2एफओ फैक्टरिंग सॉल्यूषंस प्राइवेट लिमिटेड।

इसके अलावा, मेसर्स क्रेडएक्स के टीआरईडीएस पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग प्रगति पर है।

सूचना का अधिकार (आरटीआइ) समझौता:

पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता:

नीपको सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के व्यापक अनुपालन के माध्यम से पारदर्षिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर सक्रिय सूचना प्रकटीकरण का अपना अभ्यास जारी रखा है, जिसमें सभी हितधारकों के लिए पहुंच बनाए रखते हुए औपचारिक आरटीआई अनुरोधों को काफी कम किया गया है।

अनुप्रयोग और प्रसंस्करण ढांचा:

कंपनी ने आरटीआइ आवेदनों के लिए एक मजबूत दोहरी–चौनल प्रणाली स्थापित की है:

डिजिटल प्लेटफॉर्म एकीकरण: नागरिक www.rtionline.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दाखिल कर सकते हैं, जिसमें नीपको को आवेदनों और पहली अपीलों के सुव्यवस्थित प्रसंस्करण के लिए आरटीआई अनुरोध और अपील प्रबंधन सूचना प्रणाली (आरटीआईएंमआईएंस) में पूरी तरह से एकीकृत किया जा रहा है।

ऑफलाइन सुलभता: पारंपरिक कागज–आधारित आवेदनों को स्वीकार किया जाना जारी है, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसी भी नागरिक को डिजिटल बाधाओं के कारण जानकारी प्राप्त करने से बाहर नहीं रखा गया है।

सूचना वास्तुकला और सुलभता: नीपको www.neepco.co.in/rti पर एक समर्पित आरटीआई पोर्टल रखता है, जो प्रथम अपीलीय प्राधिकरण, नोडल अधिकारी/लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) सहायक लोक सूचना अधिकारी और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों (केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी) सहित प्रमुख अधिकारियों का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। यह केंद्रीकृत दृष्टिकोण सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया में स्पष्टता सुनिश्चित करता है।

अनुपालन निगरानी:

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए सक्रिय प्रकटीकरण पर तृतीय–पक्ष लेखा परीक्षा शुरू की गई है, जो अनुपालन मानकों के स्टैंडअलोन सत्यापन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके अतिरिक्त, आरटीआइ अधिनियम, 2005 की धारा 4 (1)(बी) के तहत स्वत: प्रकटीकरण आवष्यकताओं को पूरा किया गया है।

प्रदर्शन मैट्रिक्स–वित्त वर्ष 2024–25:

कंपनी का आरटीआई प्रदर्शन कुशल प्रसंस्करण क्षमताओं को दर्षाता है:

- प्राप्त आवेदन/अपील: 169
- आवेदन/अपील निपटान: 169
- निपटान दर: 100%

यह पूर्ण निपटान दर सार्वजनिक सेवा वितरण के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए नागरिकों को समय पर और कुशल सूचना वितरण के लिए नीपको की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जोखिम प्रबंधन नीति:

नीपको ने फरवरी, 2016 में एक व्यापक और संरचित जोखिम प्रबंधन नीति (आरएमपी) लागू की, जिसमें तीन संशोधन किए गए थे, पहला मई 2019 में, दूसरा मई 2022 में और तीसरा अगस्त 2024 में।

इसके अलावा, सेबी (एलओडीआर) विनियमों के अनुसार, नीपको के निदेशक मंडल ने एक बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) का गठन किया था, जिसमें निदेशक (तकनीकी) अध्यक्ष के रूप में शामिल थे, जिसमें एनटीपीसी नामित निदेशक, एक स्टैंडअलोन निदेशक और निदेशक (कार्मिक) इसके सदस्य थे। आरएमसी की बैठक वर्ष में दो बार होती है और लगातार दो बैठकों के बीच 210 दिनों से अधिक नहीं होती है।

इसके अलावा, उपरोक्त सेबी विनियमों के संदर्भ में, अप्रत्याशित व्यवधानों के सामने इसके महत्वपूर्ण संचालन के लचीलेपन और स्थिरता की रक्षा के लिए एक व्यापक व्यापार निरंतरता योजना (बीसीपी) तैयार की गई थी।

बांध सुरक्षा माप और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली:

• बांध सुरक्षा इकाइयाँ:

व बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के अनुसार स्थापित परियोजना–वार

• जिम्मेदारियां: नियमित निरीक्षण, संचालन और रखरखाव की निगरानी, रिकॉर्ड–कीपिंग, तकनीकी दस्तावेज़ संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण।

बांध सुरक्षा समीक्षा पैनल (डीएसआरपी) व प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से बना है।

• निरीक्षण किए गए बांध:

तुइरियाल, खंडोंग, उमरोंग, पान्योर लोअर, पारे, दोयांग।

• निरीक्षण लंबित: बिचोम और तेंगा बांध (कामेंग एचपीएस)

• व सभी बांधों के लिए सामान्य मूल्यांकन पूरा किया गया।

• सिफारिषों को लागू किया जा रहा है।

निरीक्षण और रिपोर्टिंग:

मानसून से पहले और मानसून के बाद नियमित रूप से निरीक्षण किए जाते हैं।

• व राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) को प्रस्तुत रिपोर्ट

उन्नत निगरानी प्रणाली:

कुछ बांधों में लागू: जीएनएसएस, जियोडेटिक टोटल स्टेशन, डबल्यूएलएएन के साथ स्वचालित निगरानी सॉफ्टवेयर।

आपातकालीन तैयारी:

सभी संयंत्रों के लिए तैयार आपातकालीन कार्य योजनाएं (ईएपी) उपलब्ध हैं।

जलाषय संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) एड.

- बाढ़ चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई है।
- सुरक्षा नोटिस बोर्ड और सायरन लगाए गए हैं।

➢ मौसम अवसंरचना:

- 46 स्वचालित मौसम स्टेशन (एडब्ल्यूएस) और 4 डॉपलर आधारित डिजिटल जल स्तर रिकॉर्डर (डीडब्ल्यूएलआर) स्थापित किए गए हैं।
- कामेंग एचपीएस (2 संख्या) के लिए 5 एडब्ल्यूएस और 3 निर्वहन मापने वाले उपकरण लगाए जा रहे हैं। निर्वहन स्टेशन) और सियोम उप–बेसिन परियोजनाएं।

➢ सहयोगात्मक परियोजनाएं:

- पान्योर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश के लिए जलाषय प्रवाह पूर्वानुमान मॉडल को पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) उमियम, मेघालय के साथ विकसित किया गया है।
- पान्योर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश के लिए स्वचालित संचार प्रणाली पर आईआईटी गुवाहाटी के साथ अनुसंधान एवं विकास परियोजना: विकसित हाइड्रोडायनामिक मॉडल कार्यान्वयन के अधीन है

प्रशिक्षणऔर विकास (एचआरडी)

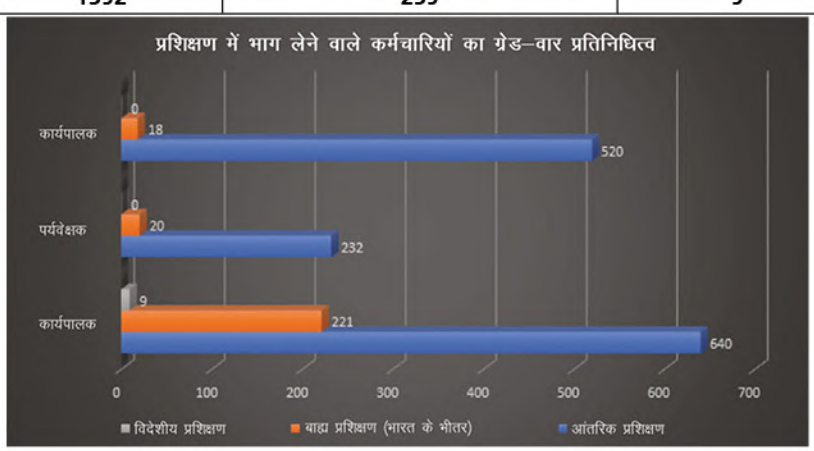
प्रशिक्षणऔर विकास (टीएंडडी) विभाग निरंतर सीखने की संस्कृति बनाकर और कर्मचारियों को उनके कौशल को बढ़ाने और मौजूदा लोगों को परिश्कृत करने के उद्देष्य से गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षणके अवसर प्रदान करके कंपनी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन पहलों को कर्मचारी प्रदर्शन, उत्पादकता और प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कामगारों की विविध जरूरतों को पूरा करने वाले समग्र संगठनात्मक विकास में योगदान मिलता है।

चाहे कार्यात्मक प्रषिक्षण, नेतृत्व विकास, या व्यवहार कार्यषालाओं के माध्यम से, प्रत्येक कार्यक्रम को प्रत्येक कर्मचारी को उनकी भूमिकाओं में बढ़ने के लिए सही उपकरणों से लैस करने और सीखने को व्यावहारिक, प्रासंगिक और समावेशी बनाने के लिए संगठन की सफलता में सार्थक योगदान देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

मुख्य अंश:

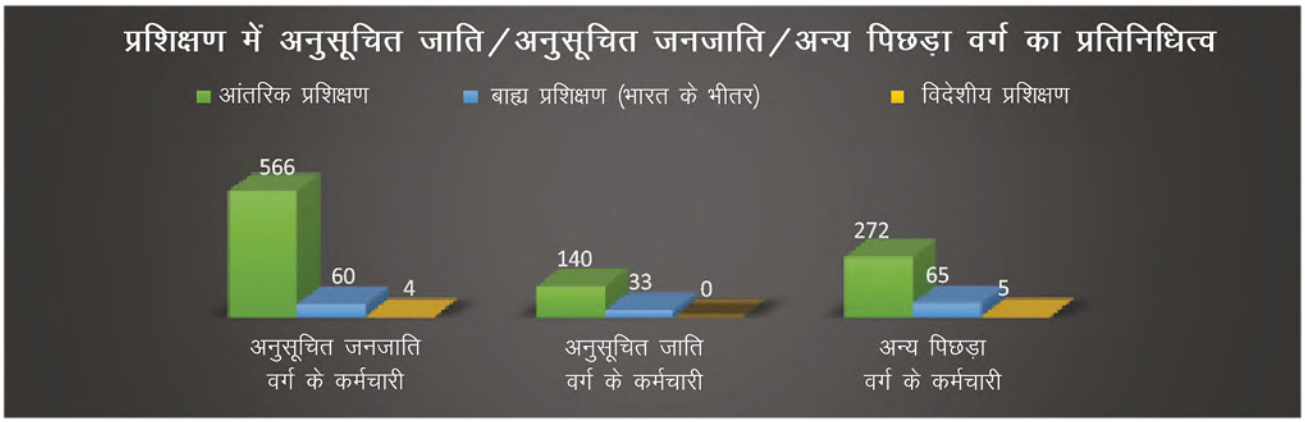
- अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में नीपको की आगामी (05) जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में तकनीकी व्यापार में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए शीयोमी जिले के टाटो में एक औद्योगिक प्रशिक्षणसंस्थान (आईटीआई) की स्थापना।
- अरुणाचल प्रदेश के षी योमी जिले के परियोजना प्रभावित परिवारों के छात्रों के लिए इलेक्ट्रीशियन, फिटर, प्लंबर और वेल्डर ट्रेड में आईटीआई रोइंग में अल्पावधि प्रशिक्षणपाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में है।
- नीपको ने एनटीपीसी के बिजली प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) के साथ एमओयू किया ताकि नीपको पीएमआई द्वारा पेश किए गए कैलेंडर कार्यक्रमों के माध्यम से नीपको अधिकारियों की प्रबंधकीय क्षमता के निर्माण के लिए पीएमआई के शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग कर सके।
- नीपको ने वित्त वर्ष 2024–2025 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने की तैयारी शुरू की, जिसमें नेरिस्ट छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शैक्षणिक सहायता प्रदान करता है, जिससे उच्च शिक्षा के लिए रोजगार और अवसर बढ़ाने के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के लिए उनकी तैयारी को सुविधाजनक बनाया जा सके। नीपको एनईआरआईएंसटी में गेट कोचिंग सेंटर के संचालन के लिए वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करेगा।
- नीपको ने विभाग के तकनीकी और गैर–तकनीकी कर्मियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए अपने सहयोग के प्रारंभिक दायरे को निर्धारित करने के उद्देष्य से अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेष करने की तैयारी शुरू की।

ग्रेड वाइज	प्रशिक्षणके प्रकार			
	घर में प्रशिक्षण	बाहरी प्रशिक्षण(भारत के भीतर)	विदेशों में प्रशिक्षण	कुल
कार्यकारी	640	221	9	**870**
पर्यवेक्षक	232	20	-	**252**
कामगार	520	18	-	**538**
कुल	**1392**	**259**	**9**	**1660**



- 2024–25 के दौरान कर्मचारियों को दिए गए प्रशिक्षणका विवरण (भाग लेने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या)

कर्मचारियों की श्रेणी	प्रशिक्षणके प्रकार			
	घर में प्रशिक्षण	बाहरी प्रशिक्षण(भारत के भीतर)	विदेशों में प्रशिक्षण	कुल
अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारी	566	60	04	630
अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मचारी	140	33	-	173
अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के कर्मचारी	272	65	05	342

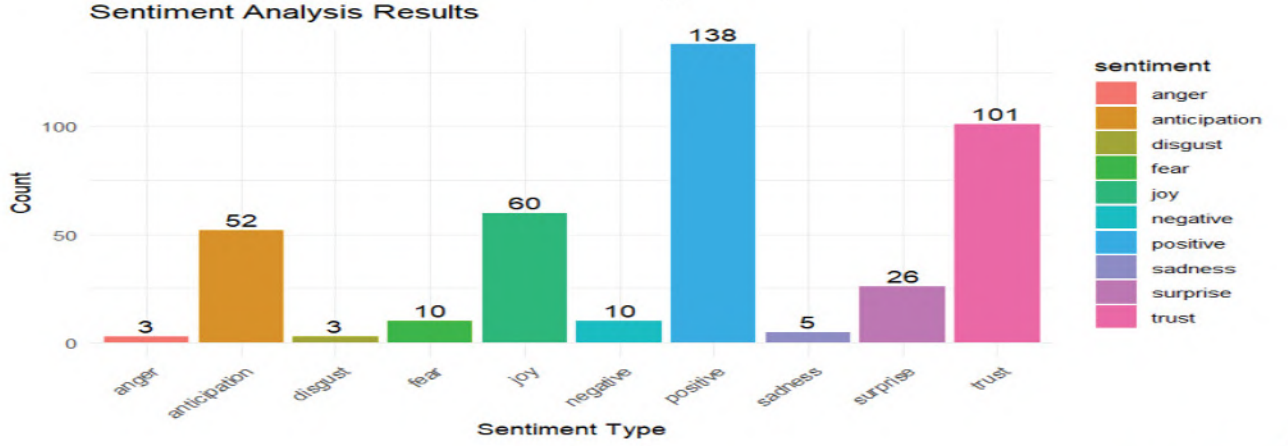


प्रशिक्षणमें महिला कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व	
आंतरिक प्रशिक्षण	303
बाह्य प्रशिक्षण (भारत के भीतर)	46
कुल	349

प्रशिक्षणप्राप्त मानव दिवस	6557

नीपको में प्रशिक्षुता प्रशिक्षणकी स्थिति	प्रशिक्षु अधिनियम 1961 और संशोधनों के अनुसार प्रशिक्षुओं की नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रतिशत के लक्ष्य बैंड के मुकाबले 4.88% की उपलब्धि हासिल की गई।

प्रशिक्षणकार्यक्रमों पर कर्मचारियों के सुझावों/टिप्पणियों का विश्लेषणरूत्रः वर्ष के दौरान आयोजित प्रशिक्षणकार्यक्रमों की प्रभावशीलता और स्वीकार्यता का आकलन करने के लिए, आंतरिक, बाह्य और विदेशी प्रशिक्षणमें भाग लेने वाले कर्मचारियों से प्रतिक्रियाएँ एकत्र की गईं। प्रशिक्षणपहलों से जुड़ी कर्मचारियों की अनुमानओं और भावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए भावना विश्लेषण का उपयोग करके कुल 130 टिप्पणियों का विश्लेषण किया गया। भावना विश्लेषण, भावनात्मक स्वर के आधार पर प्रतिक्रियाओं को वर्गीकृत करता है जैसे सकारात्मक, विष्वास, खुशी, भय, और अन्य। नीचे दिया गया चार्ट प्रतिक्रिया से प्राप्त विभिन्न भावनाओं के वितरण को दर्शाता है।



अनुमान

130 फीडबैक टिप्पणियों के मनोभाव विश्लेषण से पता चलता है कि प्रशिक्षणकार्यक्रमों के प्रति समग्र प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक थी। सबसे आम भावनाएँ सकारात्मक (138), विश्वास (101), और खुशी (60) थीं, जो दर्शाती हैं कि कर्मचारियों ने प्रशिक्षणको उपयोगी और प्रासंगिक पाया और सीखने व आगे बढ़ने के अवसर की सराहना की।

केवल कुछ ही टिप्पणियों में भय (10) और उदासी (5) जैसी नकारात्मक भावनाएँ दिखाई दीं, जो प्रशिक्षणके परिणामों या अपेक्षाओं के पूरा न होने को लेकर चिंताओं की ओर इषारा कर सकती हैं।

फीडबैक नियमित, व्यावहारिक और समावेशी प्रशिक्षणसत्रों की ज़ोरदार माँग को भी उजागर करता है। कई प्रतिभागियों ने लंबी अवधि, अधिक व्यावहारिक सामग्री और विभिन्न कर्मचारी श्रेणियों में व्यापक भागीदारी की इच्छा व्यक्त की।

नियम और नीतियाँ

प्रबंधन ने वर्ष 2024–25 के दौरान निम्नलिखित मानव संसाधन नीतियों/योजनाओं को लागू कियाः

1. आधिकारिक कार्य के लिए कर्मचारियों के आवास पर फर्नीचर और फिक्स्चर पर किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए योजना की मौद्रिक सीमा को संषोधित किया।
2. नीपको समान अवसर नीति के अंतर्गत खंड 4.1.1(i) के अनुसार संपर्क अधिकारियों की सूची को अद्यतन किया।
3. अधिकारियों के लिए नीपको पदोन्नति नीति और नियमों के खंड संख्या 8 में संशोधन किया।
4. गैर–अधिकारियों के लिए नीपको पदोन्नति नीति और नियमों के खंड II और खंड 8.1.7 के खंड iii में संशोधन किया।
5. "नीपको यात्रा भत्ता नियम" में संशोधन किया।
6. कर्मचारियों की मृत्यु पर प्रथागत नियमों के पालन हेतु सहायता प्रदान करने हेतु नीपको योजना की शुरुआत की।
7. कार्यपालकों के लिए नीपको पदोन्नति नीति और नियमों के खंड 9.1.2 और 9.1.3 में संशोधन।
8. कार्यभारित महिला कर्मचारियों को नियमित महिला कर्मचारियों के समान बाल देखभाल अवकाश का लाभ प्रदान करना।
9. वाहन (कार) और अन्य मदों की पुनर्खरीद के संबंध में आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत देय कोई भी कर, एनटीपीसी लिमिटेड के प्रावधानों के अनुरूप आयकर अधिनियम, 1961 की ध ारा 10(10 सीसी) के प्रावधानों के अनुसार कंपनी द्वारा वहन और भुगतान किया जाएगा।
10. नीपको कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजना में संशोधन किया गया।
11. श्रेणी II स्थानों के लिए विशेष मकान किराया भत्ता।
12. नीपको वसूली नियमों का प्रवर्तन।
13. प्रदर्शन–संबंधित वेतन की गणना के लिए इकाई रेटिंग और कार्यप्रणाली का कार्यान्वयन।

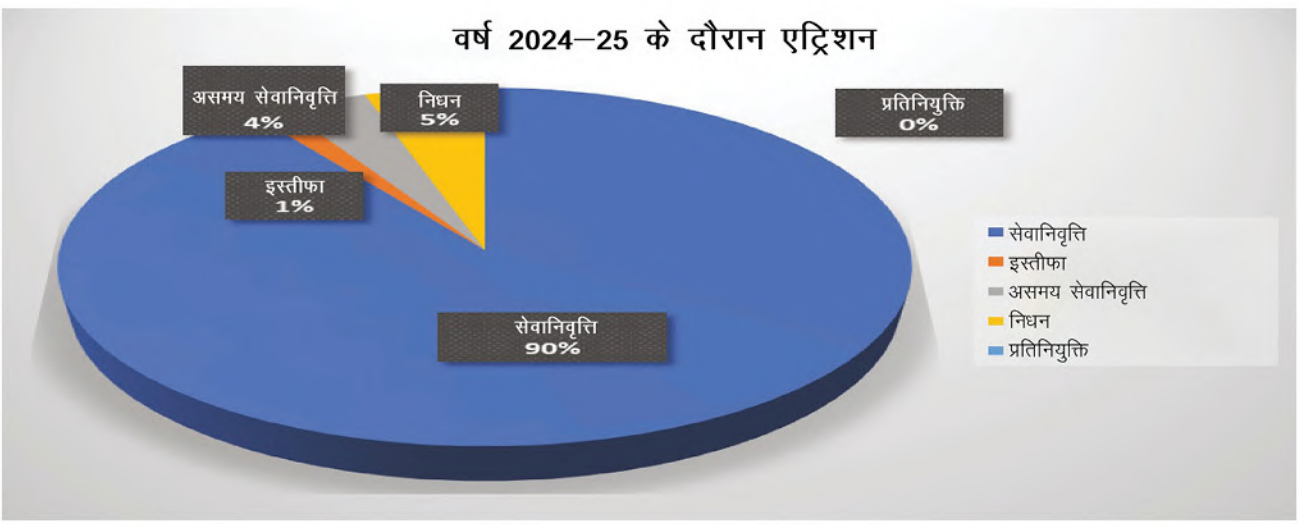
जनशक्ति शक्ति और भर्ती

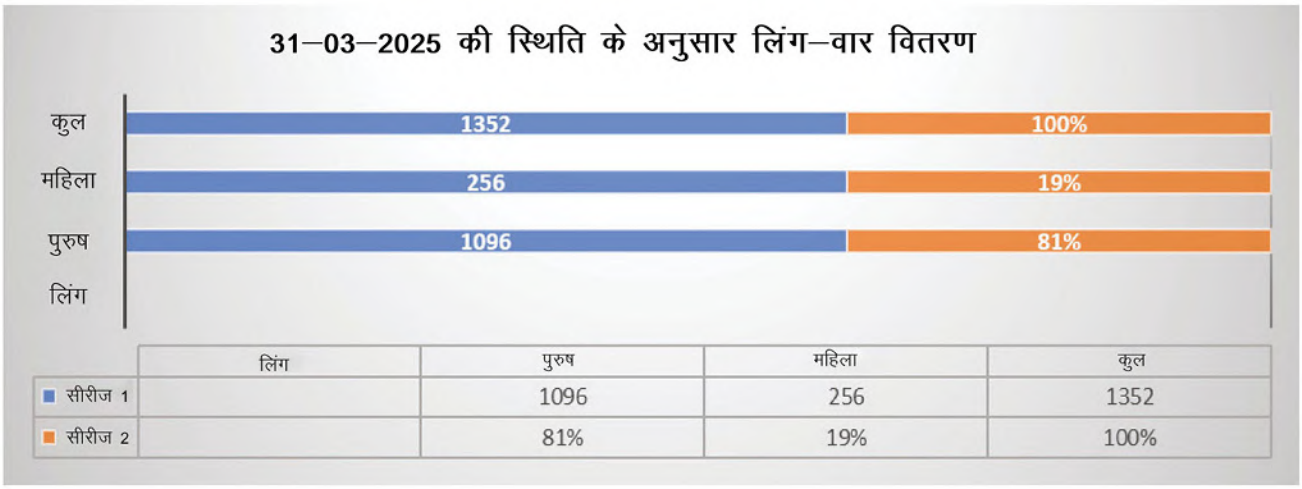
जनशक्ति शक्ति

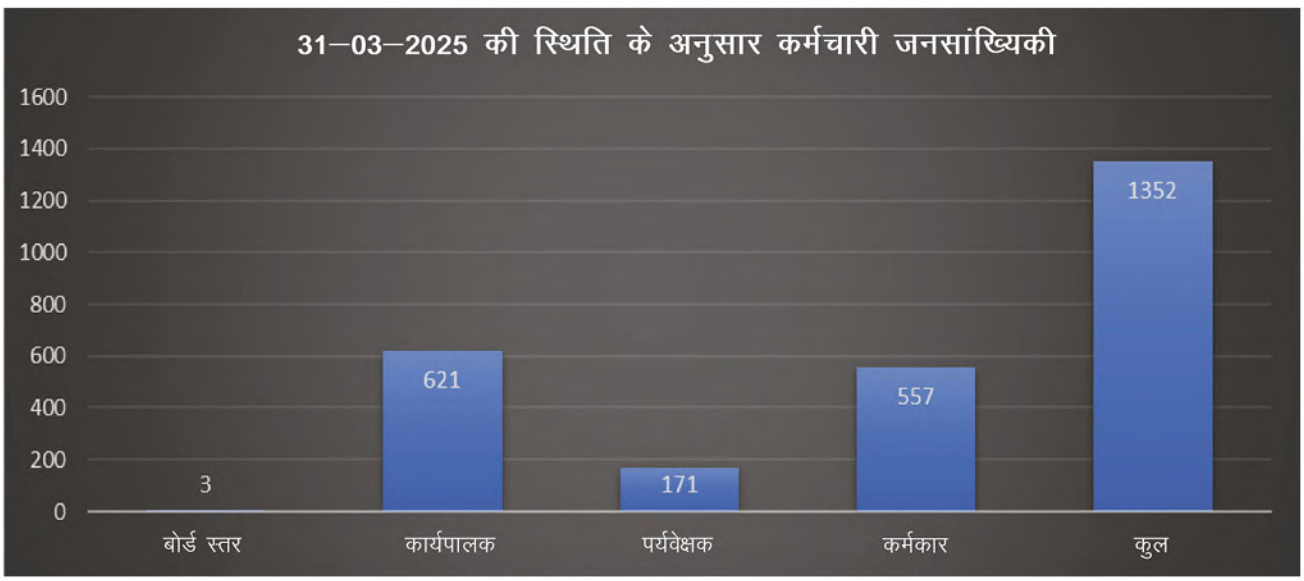
31.03.2025 तक कुल जनशक्ति 1351 नियमित कर्मचारी (सीवीओ को छोड़कर) थी। वर्ष के दौरान 42 (बयालीस) कर्मचारियों की भर्ती की गई, जबकि 141 कर्मचारी अलग हो गए, जैसा कि नीचे दिया गया विवरण हैं:

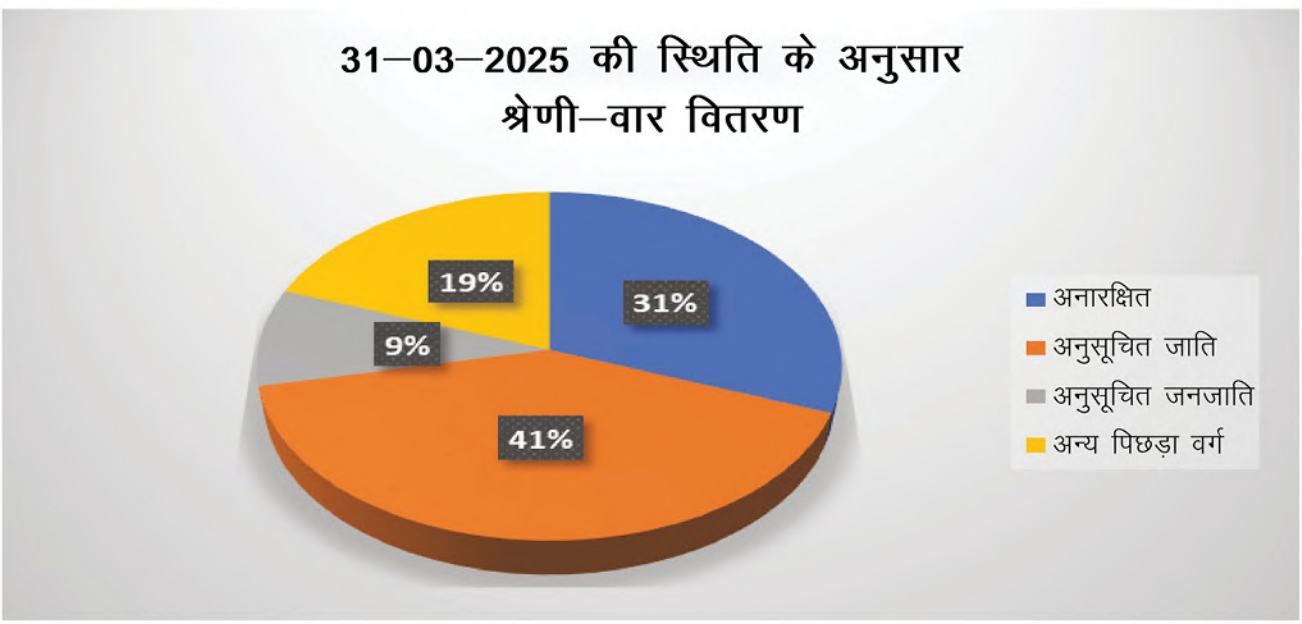
वर्ष के दौरान क्षति	
सेवानिवृत्ति	127
इस्तीफा	2
समय से पहले सेवानिवृत्ति	5
समाप्त	7
प्रतिनियुक्ति	0
कुल	**141**

वर्ष के दौरान भर्ती	
कर्मचारियों की संख्या	42




31–03–2025 की स्थिति के अनुसार लिंग–वार वितरण
कुल
महिला
पुरुष
लिंग
1352
100%
256
19%
1096
81%
लिंग
पुरुष
महिला
कुल
सीरीज 1
1096
256
1352
सीरीज 2
81%
19%
100%


31–03–2025 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी जनसांख्यिकी
1600
1400
1200
1000
800
600
400
200
0
3
621
171
557
1352
बोर्ड स्तर
कार्यपालक
पर्यवेक्षक
कर्मकार
कुल


31–03–2025 की स्थिति के अनुसार
श्रेणी–वार वितरण
19%
31%
9%
41%
अनारक्षित
अनुसूचित जाति
अनुसूचित जनजाति
अन्य पिछड़ा वर्ग

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़ा वर्गों के आरक्षण पर सांख्यिकीय जानकारी

31–03–2025 तक अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़ा वर्गों का प्रतिनिधित्व

समूह	रोल पर कर्मचारी	अनुसूचित जाति	%आय	अनुसूचित जनजाति	%आयु	अन्य पिछड़ा वर्ग	%आयु
क	526	73	13.88%	110	20.91%	125	23.76%
ख	441	24	5.44%	192	43.53%	93	21.08%
ग	315	23	7.3%	199	63.17%	38	12.06%
घ	66	01	1.5%	52	78.78%	05	7.57%
कुल	**1348**	**121**	**8.97%**	**553**	**41%**	**261**	**19.36%**

- उपरोक्त सांख्यिकीय जानकारी में निदेशक और सीवीओ की जानकारी शामिल नहीं है

वर्ष के दौरान भर्ती	
कार्यकारी प्रशिक्षु (ई/एम)	16
कार्यकारी प्रशिक्षु (सिविल)	19
कार्यकारी प्रशिक्षु (वित्त)	05
कार्यकारी प्रशिक्षु (मानव संसाधन)	01
जूनियर इंजीनियर (ई/एम)	01
कुल	**42**

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग वयक्तियों/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की भर्ती

समूह	कुल भर्ती	अनुसूचित जाति	%आयु	अनुसूचित जनजातियों	%आयु	ओबीसी	%आयु	विकलांग व्यक्तियों	%आयु	ईडब्ल्यूएस	%आयु
क	41	04	9.75	01	2.43	00	00	01	2.43	05	12.20
ख	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
ग	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
घ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	42	04	9.52	01	2.38	0	0	01	2.38	05	12.20

वित्त वर्ष 2024–2025 के दौरान एससी/एसटी/ओबीसी की पदोन्नति

समूह	कुल पदोन्नत व्यक्ति	अनुसूचित जाति	%आयु	अनुसूचित जनजाति	%आयु	ओबीसी	%आय
क	131	24	18.32	29	22.14	36	27.48
ख	4	1	25.00	2	50	0	0
ग	1	0	0	0	0	0	0
घ	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**136**	**25**	**43.32**	**31**	**72.14**	**36**	**27.48**

सामाजिक संचार

कॉर्पोरेट संचार अनुभाग ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर निगम की छवि को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और सद्भावना को बढ़ावा देने और हितधारकों की भागीदारी को मजबूत

करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ सहयोग किया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, अनुभाग ने निगम की पहलों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया, जिसका उद्देष्य इसके मिशन और विजन के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक आउटलेट्स के साथ विशेष कहानियों, साक्षात्कारों और मीडिया इंटरैक्षन को सुगम बनाया।

अनुभाग ने समय–समय पर कॉर्पोरेट और भारत सरकार के अभियान भी चलाए, इन–हाउस प्रकाषन तैयार किए और ब्रांड नीपको को मजबूत करने के लिए लक्षित ब्रांडिंग पहल शुरू की। एनटीपीसी के साथ सह–ब्रांडिंग प्रयास विशेष रूप से प्रभावषाली रहे हैं, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र में निगम की दृश्यता बढ़ी है और नीपको की ब्रांड पहचान और सार्वजनिक अनुमान को और मजबूत किया है।

औद्योगिक संबंध

वित्त वर्ष 2024–2025 के दौरान, संगठन के भीतर औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक बने रहे। यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की गई। निगम की नीतियों को मूल संगठन एनटीपीसी के साथ संरेखित करने के लिए गठित समिति में अधिक पारदर्षिता के लिए यूनियन प्रतिनिधि भी शामिल हैं। प्रबंधन ने कर्मचारी कल्याण, नीति कार्यान्वयन और कार्यस्थल की स्थितियों में सुधार से संबंधित मामलों पर नियमित बैठकों और चर्चाओं के माध्यम से कर्मचारी यूनियनों और संघों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना जारी रखा।

इन बातचीतों ने आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया, और दोनों पक्षों के कार्यान्वयन योग्य सुझावों पर विचार किया गया और उन्हें उचित रूप से लागू किया गया। सहयोगात्मक दृष्टिकोण ने एक स्थिर और सकारात्मक कार्य वातावरण में योगदान दिया।

उल्लेखनीय रूप से, वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंधों के मुद्दों के कारण शून्य मानव–दिवस की हानि हुई, जो सामंजस्यपूर्ण और उत्पादक कर्मचारी संबंध बनाए रखने के लिए संगठन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नीपको कर्मचारी दिवस समारोह

नीपको कर्मचारी दिवस, जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के साथ मेल खाता है, 01.05.2024 को निगम की सभी परियोजनाओं और कार्यालयों में मनाया गया।

उद्यम संसाधन नियोजन – मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम)

1. अवलोकन

उद्यम संसाधन नियोजन (ईआरपी) प्रणाली के अंतर्गत मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम) मॉड्यूल ने विभिन्न परिचालन स्थानों पर मानव संसाधन–संबंधी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और स्वचालित बनाने में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

2. प्रमुख उपलब्धियाँ

2.1 वेतन प्रबंधन

- एचसीएम टीम चौदह सक्रिय स्थानों पर वेतन संचालन का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रही है।
- वेतन प्रसंस्करण सटीकता के साथ किया जाता है, जिससे कर्मचारियों को समय पर और सटीक वेतन वितरण सुनिश्चित होता है।

2.2 कर्मचारी और प्रबंधक स्व–सेवा पोर्टल

- कर्मचारी स्व–सेवा (ईएसएस) और प्रबंधक स्व–सेवा (एमएसएस) प्लेटफॉर्म पूरी तरह कार्यात्मक हैं।
- इन पोर्टलों ने सभी कर्मचारी–संबंधी दावों के कुशल निपटान को संभव बनाया है, जिससे मैन्युअल हस्तक्षेप पर निर्भरता कम हुई है और प्रसंस्करण की पारदर्षिता और गति बढ़ी है।

2.3 प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस)

- प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली डब्ल्यू1 से ई9 तक सभी कर्मचारी ग्रेडों के लिए सक्रिय और क्रियाषील है।
- यह कार्यान्वयन निरंतर प्रदर्शन मूल्यांकन और संरचित प्रतिक्रिया तंत्र की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

2.4 उपस्थिति प्रबंधन

- उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली की निगरानी बारह स्थानों पर सक्रिय है।
- उपस्थिति की वास्तविक समय ट्रैकिंग और विश्लेषण ने कार्यबल प्रबंधन और परिचालन अनुषासन में सुधार किया है।

3. आगामी विकास

3.1 प्रशिक्षणऔर कार्यक्रम प्रबंधन (टीईएम)

- प्रशिक्षण और कार्यक्रम प्रबंधन मॉड्यूल को क्रियान्वित करने की योजनाएँ चल रही हैं।
- इससे डिजिटल षिक्षण प्लेटफॉर्म के माध्यम से कर्मचारी प्रषिक्षण, कौशल विकास और ज्ञान प्रबंधन में वृद्धि होगी।

4. डिजिटल परिवर्तन पहल

4.1 कर्मचारी सेवा पुस्तिका का डिजिटलीकरण

- कागज़ रहित कार्यालय में परिवर्तन के लक्ष्य के अनुरूप, कर्मचारी सेवा पुस्तिकाओं का डिजिटलीकरण शुरू कर दिया गया है और सभी सेवा पुस्तिकाओं को डिजिटल करके डीएमएस में अपलोड कर दिया गया है।
- यह प्रयास सुरक्षित, सुगम्य और केंद्रीकृत कार्मिक रिकॉर्ड सुनिश्चित करेगा।

4.2 सेवानिवृत्ति–पश्चात लाभ निपटान

- सेवानिवृत्ति–पश्चात लाभों के डिजिटल निपटान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एक स्टैंडअलोन पोर्टल तैयार किया गया है।
- इसका उद्देष्य कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति जीवनचक्र प्रबंधन में पारदर्षिता और दक्षता लाना है, तथा उन्हें परेषानी मुक्त अनुभव प्रदान करना है।

एचसीएम टीम ने ईआरपी प्रणाली के प्रमुख घटकों के कार्यान्वयन और स्थिरीकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। कई मुख्य कार्यात्मकताएँ पहले से ही सक्रिय हैं और भविष्य के मॉड्यूल जल्द ही लागू होने वाले हैं, जिससे संगठन पूरी तरह से एकीकृत और डिजिटल रूप से सशक्त मानव पूंजी पारिस्थितिकी तंत्र की ओर मज़बूती से अग्रसर है। स्वचालन, पारदर्षिता और कर्मचारी स्व–सेवा पर ध्यान आधुनिक

मानव संसाधन प्रथाओं और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कल्याणकारी गतिविधियाँ

निगम के विभिन्न संचालित विद्युत संयंत्रों और निर्माणाधीन परियोजनाओं में सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र/औशधालय हैं, जहाँ योग्य चिकित्सक और अर्ध–चिकित्सा कर्मचारी कार्यरत हैं। कार्यरत कर्मचारियों और उनके परिवारों की आवश्यकतानुसार चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। दूरस्थ क्षेत्रों और चिकित्सा सुविधाओं की कमी को देखते हुए, आस–पास के ग्रामीणों और अनुबंधित आउटसोर्स कर्मचारियों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करके समाज की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाता है।

निगम के स्वास्थ्य केंद्रों/औशधालय के अतिरिक्त, कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को अत्यधिक विशिष्ट उपचार सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, अखिल भारतीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है। निगम के कई सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार को भी प्राथमिकता दी गई है। नीपको ने अपने विभिन्न सूचीबद्ध अस्पतालों में सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए भी, आईपीडी और ओपीडी उपचार के मामले में, कैशलेस उपचार सुविधाओं का विस्तार किया है।

शिक्षा

निगम ने कल्याणकारी उपाय के रूप में दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित परियोजना स्थलों पर स्कूली शिक्षा की सुविधाएँ प्रदान करना जारी रखा है, जहाँ कर्मचारियों के बच्चों के साथ–साथ आस–पास के गाँवों/मोहल्लों के बड़ी संख्या में बच्चों को समान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। नीपको अपने 5(पाँच) संचालन एवं रखरखाव संयंत्रों में 5(पाँच) विवेकानंद केंद्र विद्यालय (वीकेवी) स्कूलों को प्रायोजित कर रहा है, जो "केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड" (सीबीएसई, दिल्ली से संबद्ध हैं।)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण

महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और समावेशी कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिएकृजो उनकी स्थिति और अवसर में समानता के अधिकार को बनाए रखता है। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की स्थापना की गई है।

आईसीसी को पीड़ति महिला कर्मचारियों से यौन उत्पीड़न की शिकायतें प्राप्त करने, ऐसे मामलों की जाँच करने और अपने निष्कर्षों के आधार पर नियोक्ता को उचित कार्रवाई की सिफारिश करने का कार्य सौंपा गया

वर्ष 2024–25 के दौरान, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

जन शिकायतें :

31.03.2025 तक लंबित शिकायतों की संख्या – शून्य

01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या – 14

31.03.2025 तक निपटाई गई शिकायतों की संख्या – 14

01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि के दौरान अपील के रूप में प्राप्त शिकायतों की संख्या – 6

31.03.2025 तक अपील के रूप में निपटाई गई शिकायतों की संख्या – 6

बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के बारे में जानकारी

एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक संगठन के रूप में अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देष्य से, कंपनी ने अपने कार्यबल में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी लेने का प्रयास किया है। इसे ध्यान में रखते हुए, वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान कुल 01 (एक) विकलांग वयक्तियों (बेंचमार्क विकलांग वयक्तियों) की भर्ती की गई। 31 मार्च, 2025 तक, 1352 विकलांग वयक्तियों (एचएच–11, ओहएच–21 और वीएच–12) में से (3.25%) कंपनी के रोल पर हैं। नियमों/नीति के अनुसार आरक्षण प्रदान किया गया है। कंपनी द्वारा पिछले कुछ वर्षों में विकलांग वयक्तियोंों के कल्याण के लिए की गई कुछ अन्य पहलें इस प्रकार हैं:

- विकलांग वयक्तियों अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, कंपनी ने 10.05.2023 से प्रभावी समान अवसर नीति लागू की है।
- मानक अवकाश पात्रताओं के अतिरिक्त, दिव्यांग कर्मचारियों को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में चार दिन का अतिरिक्त विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया जाता है। यह अवकाश विशेष रूप से उनकी दिव्यांगता से संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने और उनका प्रबंधन करने के लिए है।
- आधिकारिक दौरों या प्रशिक्षणके दौरान दिव्यांग कर्मचारी के साथ आने वाले परिचारक या अनुरक्षक को यात्रा भत्ता प्रदान किया जाता है।
- कंपनी ने सभी परियोजना स्थलों, स्टेशनों और क्षेत्रीय कार्यालयों में विकलांग वयक्तियोंों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए संपर्क अधिकारी और शिकायतनिवारण अधिकारी नियुक्त किए हैं। ये अधिकारी दिव्यांग कर्मचारियों की सहायता करने और उत्पन्न होने वाली किसी भी शिकायतयों समस्या का समाधान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिससे सभी स्थानों पर एक सहायक और उत्तरदायी वातावरण सुनिश्चित होता है।
- विजनबाधित (वीएच) कर्मचारियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए, नीपको सुलभ प्रौद्योगिकियाँ प्रदान करना सुनिश्चित करता है। पहुँच संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे कोई भी कर्मचारी स्थानीय आईटी सहायता टीम से संपर्क कर सकते हैं या संपर्क अधिकारी को लिख सकते हैं।
- विकलांग वयक्तियोंों के लिए बाधा–मुक्त पहुँच सुनिश्चित करने हेतु मौजूदा भवनों में संशोधन किए जा रहे हैं। इसमें व्हीलचेयर की सुगम आवाजाही के लिए रैंप की स्थापना भी शामिल है।
- कंपनी के चिकित्सा परिचर्या एवं उपचार (एमएटी) नियमों के अंतर्गत, कर्मचारी स्वयं और/या अपने आश्रित परिवार के सदस्यों के लिए कृत्रिम अंगों और उपकरणों की खरीद, प्रतिस्थापन, मरम्मत या समायोजन से संबंधित व्यय की प्रतिपूर्ति के पात्र हैं। इसके अतिरिक्त, विजनबाधित कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए अल्प विजन सहायक उपकरणों, साथ ही श्रवण

बाधित कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए श्रवण सहायक उपकरणों की प्रतिपूर्ति भी प्रदान की जाती है।

- कंपनी की विभिन्न परियोजनाओं में कृत्रिम अंग, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर और कैलीपर जैसे उपचार और सहायक उपकरण वितरित करने के लिए चिकित्सा षिविर आयोजित किए गए हैं।
- आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट और आयु में छूट: भारत सरकार के निर्देषों के अनुसार विकलांग वयक्तियों (बेंचमार्क विकलांग वयक्तियों) को आवेदन शुल्क के भुगतान और आयु में छूट से छूट दी गई है।

समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना:

समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना का नवीनीकरण 01.05.2024 से 30.04.2025 तक 1 (एक) वर्ष के लिए किया गया है।

खेल गतिविधियाँ:

"निगम विभिन्न अंतर–सीपीएसयू टूर्नामेंट जैसे ब्रिज, टेबल टेनिस, टी–20 क्रिकेट, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन आदि में भागीदारी के लिए पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड का एक सक्रिय सदस्य है। खिलाडियों को ऐसे टूर्नामेंटों में भाग लेने और अंततः सफल होने के लिए तैयार करने हेतु, निगम कर्मचारियों और निगम के हित में विभिन्न खेल विधाओं के लिए कोचिंग–सह–चयन शिविर आयोजित करता है, जिससे कर्मचारियों को प्रोत्साहित और आत्मविश्वास मिलता है। निगम पूरे संगठन में कर्मचारियों के बीच सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की इच्छा के साथ टीम वर्क और एकजुटता की भावना का निरंतर विकास कर रहा है।"

क्रम सं.	वर्ष 2024–25 में नीपको द्वारा पीएससीबी के तत्वावधान में भाग लेने वाले अंतर सीपीएसयू टूर्नामेंट का नाम
1.	टीएचडीसी द्वारा 18.06.2024 से 22.06.2024 तक उत्तराखंड में अंतर सीपीएसयू कैरम टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का आयोजन किया जाएगा।
2.	नीपको द्वारा 09.09.2024 से 13.09.2024 तक कॉर्पोरेट कार्यालय, शिलांग में अंतर सीपीएसयू शतरंज टूर्नामेंट (पुरुष) का आयोजन किया जाएगा।
3.	एनटीपीसी द्वारा 04.12.2024 से 07.12.2024 तक नोएडा, उत्तर प्रदेश में अंतर सीपीएसयू बैडमिंटन टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का आयोजन किया जाएगा।
4.	ग्रिड इंडिया द्वारा 07.01.2025 से 11.01.2025 तक कोलकाता में अंतर सीपीएसयू फुटबॉल टूर्नामेंट (पुरुष) का आयोजन किया जाएगा।
5.	आरईसी द्वारा 21.01.2025 से 24.01.2025 तक लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में अंतर सीपीएसयू टेबल टेनिस टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का आयोजन किया जाएगा।
6.	एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा 22.02.2025 से 27.02.2025 तक चंडीगढ़ में अंतर सीपीएसयू टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष) का आयोजन किया जाएगा।

निगम के सीएचक्यू शिलांग/गुवाहाटी कार्यालय द्वारा चौथे अंतर–परियोजना खेलकूद सम्मेलन, 2024–25 का आयोजन किया गया। आयोजित अंतर–परियोजना कार्यक्रम, जैसे टेबल टेनिस, बैडमिंटन, टी–20 क्रिकेट आदि, बेहद सफल रहे और निगम के सभी प्रतिभागी कर्मचारियों ने उनकी सराहना की। इस तरह के अंतर–परियोजना खेलकूद सम्मेलन, निगम की विभिन्न दूर–दराज परियोजनाओं/कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों के बीच परस्पर संवाद का एक यादगार अवसर होते हैं।

क्रम सं.	वर्ष 2024–25 में नीपको, शिलांगध्गुवाहाटी द्वारा आयोजित अंतर परियोजना टूर्नामेंट का ना
1	इंटर प्रोजेक्ट शतरंज टूर्नामेंट (पुरुष) नीपको, सीएचक्यू, शिलांग द्वारा दिनांक 05.09.2024 से 08.09.2024 तक सीएचक्यू, शिलांग में आयोजित किया जाएगा।
2	इंटर प्रोजेक्ट बैडमिंटन टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) नीपको, सीएचक्यू, शिलांग द्वारा दिनांक 18.11.2024 से 01.12.2024 तक जे.एन. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शिलांग में आयोजित किया जाएगा।
3	इंटर प्रोजेक्ट कोचिंग कैंप फुटबॉल (पुरुष) नीपको, सीएचक्यू, शिलांग द्वारा दिनांक 27.12.2024 से 04.01.2025 तक जे.एन. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शिलांग में आयोजित किया जाएगा।
4	इंटर प्रोजेक्ट टेबल टेनिस टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) नीपको, सीएचक्यू, शिलांग द्वारा दिनांक 04.09.2024 से 05.09.2025 तक 16.01.2025 से 18.01.2025 तक जे.एन. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, शिलांग में।
5	नीपको द्वारा आयोजित अंतर परियोजना टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष), 10.02.2025 से 17.02.2025 तक एनएफआरएसए स्टेडियम, मालीगांव, गुवाहाटी में।

टर्मिनल लाभ निपटान

01/04/2024 से 31/03/2025 तक तय की गई ग्रेच्युटी का विवरण				
श्रेणी	सेवानिवृत्ति (एनपीएस में)	इस्तीफा (एनपीएस में)	मृत्यु (एनपीएस में)	राशि (रु. में)
कार्यकारी	61	2	0	12,05,67,242
पर्यवेक्षक	22	0	0	4,40,00,000
कर्मचारी	56	0	7	10,45,98,405
कुल	139	2	7	26,91,65,647

01/04/2024 से 31/03/2025 तक निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत भुगतान की गई राशि		
क्रम सं.	सिर	राशि (रु. में)
1	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	10,76,34,788
2	नीपको कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजना	5,05,67,376
3	स्मृति चिन्ह (5 ग्राम सोने का सिक्का)	52,18,565
4	नीपको कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति योजना	36,28,56,669
5	नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना	28,00,000
6	नीपको समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना	44,70,765.5

देरी को कम करने और शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए नोडल अधिकारियों को नामित करने और उन्हें सुव्यवस्थित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन

राजभाषा

निगम अपने कॉर्पोरेट कार्यालय के साथ–साथ विद्युत संयंत्रों और अधीनस्थ कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) में उल्लिखित पत्रों को द्विभाषी रूप में जारी करने का प्रयास किया गया। विभिन्न विद्युत संयंत्रों/कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों को हिंदी प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ और पारंगत प्रशिक्षणपाठ्यक्रमों के लिए नामांकित किया गया। कर्मचारियों को हिंदी में अपना कार्यालयीन कार्य करने में सुविधा प्रदान करने के लिए हिंदी कार्यषालाओं का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के हिंदी शब्दकोश को समृद्ध करने के लिए श्आज का शब्द कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल बोर्ड पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा के साथ हिंदी में प्रमुख शब्दों को नियमित रूप से प्रदर्शित किया गया। नीपको की वेबसाइट भी हिंदी में उपलब्ध है।

कर्मचारियों को हिंदी में अपना कार्यालयीन कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने और जागरूकता पैदा करने हेतु कॉर्पोरेट कार्यालय के साथ–साथ विद्युत संयंत्रों और निगम के अन्य कार्यालयों में राजभाषा (हिंदी) पखवाड़ा मनाया गया और श्हिंदी दिवसश मनाया गया। इस दौरान हास्य कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रसिद्ध कवियों को आमंत्रित किया गया। इस वर्ष राजभाषा की हीरक जयंती के अवसर पर राजभाषा सेल्फी बूथ का निर्माण किया गया और हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हिंदी में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। हिंदी पखवाड़ा के दौरान निगम मुख्यालय, शिलांग के साथ–साथ पावर स्टेशन और अधीनस्थ कार्यालय से हिंदी ई–पत्रिका प्रकाषित की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), शिलांग द्वारा निगम मुख्यालय, शिलांग को वर्ष 2022–23 और 2023–24 के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। निगम के विभिन्न कार्यालयों को भी उनके संबंधित नराकां और अन्य संस्थानों द्वारा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में सराहनीय कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया।

हमारे अधिकारियों ने 03.08.2024 को विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में आरईसी, गुरुग्राम में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली (उद्दाम–2) द्वारा 23–24 अगस्त, 2024 को श्रीनगर (कश्मीर) में दो दिवसीय राजभाषा संगोश्ठियों का आयोजन किया गया, जिसमें हमारे निगम के अधिकारियों एवं राजभाषा संवर्ग के कार्मिकों ने भाग लिया। निगम के अधिकारियों सहित विभिन्न विद्युत संयंत्रों एवं कार्यालयों के राजभाषा कार्मिकों ने 14–15 सितम्बर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस 2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन कार्यों की समीक्षा की गई और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए गए।

नीपको सतर्कता गतिविधियाँ

01/04/2024 से 31/03/2025 की अवधि के दौरान, नीपको सतर्कता विभाग ने समय–समय पर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा जारी निर्देषों और दिशानिर्देशों के तहत सतर्कता तंत्र के विभिन्न पहलुओं पर काम किया है। सतर्कता विभाग के विशिष्ट और स्टैंडअलोन कामकाज के लिए, नीपको ने सतर्कता कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, निश्पक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित की है। वर्ष 2024–25 के दौरान 16 शिकायतें प्राप्त हुईं। उक्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा कर दिया गया है।

विभिन्न स्रोतों से प्राप्त शिकायतों की जांच के अलावा, सतर्कता विभाग ने विभिन्न मुद्दों का सक्रिय रूप से सत्यापन किया है। नियमों और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और सरल बनाने और विभिन्न मामलों की जांच के दौरान पाई गई खामियों को दूर करने के लिए सभी प्रयास करने हेतु निवारक सतर्कता के पहलू पर जोर दिया गया। इस अवधि के दौरान विभिन्न संयंत्रों/परियोजनाओं में साइट सतर्कता अधिकारियों द्वारा 62 (बासठ) आवधिक निरीक्षण किए गए हैं, सतर्कता विभाग द्वारा 6 (छह) सीटीई प्रकार के निरीक्षण और 28 (अट्ठाईस) औचक निरीक्षण किए गए हैं। निरीक्षणों, फ़ाइल जांच और प्रक्रियाओं और प्रथाओं की जांच से उत्पन्न 01/04/2024 से 31/3/2025 की अवधि के दौरान 14 (चौदह) प्रणालीगत सुधार सुझाव भी दिए गए थे।

सीटीईओ, सीवीसी द्वारा 20.05.24 से 25.05.24 तक शिलांग और केएचपीएस, उमरोंगसो में गहन जांच की गई। सीटीईओ से 24 पैराग्राफ वाली टिप्पणियां 27.08.24 को प्राप्त हुईं। सभी पैराग्राफों के उत्तर 18.10.24 को सीटीईओ को प्रस्तुत किए गए (60 दिनों की निर्धारित सीमा के भीतर)। ई–प्रोक्योरमेंट, ई–पेमेंट आदि जैसी तकनीक का लाभ उठाते हुए पहले ही कार्यान्वित किया जा चुका है। शिकायतों को दर्ज करने और उन पर नज़र रखने के लिए ऑनलाइन सतर्कता शिकायतप्रबंधन प्रणाली विकसित और शुरू की गई है। सभी वार्षिक संपत्ति रिटर्न नीपको के ईएसएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए गए हैं। इस अवधि के दौरान कुल 128 वार्षिक संपत्ति रिटर्न, जो कुल अधिकारियों का 20% है, की जाँच की गई।

इस अवधि के दौरान जारी किए गए सभी महत्वपूर्ण सीवीसी परिपत्रों और कार्यालय ज्ञापनों को भी सभी संबंधितों को परिचालित किया गया है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके और निगम में समग्र प्रणाली में सुधार हो सके।

विभिन्न उद्देश्यों जैसे डीपीसी, पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए एनओसी, पदोन्नति नियमितीकरण, निजी विदेश यात्रा, बाहरी रोजगार, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, सेवांत लाभ जारी करने आदि के लिए आवश्यक अधिकारियों के संबंध में सतर्कता मंजूरी निगम के संबंधित विभाग द्वारा मांगे जाने पर प्रदान की गई।

सीवीओ ने रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) और विद्युत मंत्रालय (एमओपी), भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न बैठकों में भी भाग लिया। भारत सरकार द्वारा तैयार किए गए एजेंडे पर विचार–विमर्ष किया गया और बैठकों में लिए गए निर्णयों के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

निगम में 28 अक्टूबर, 2024 से 3 नवंबर, 2024 तक सीवीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2024' मनाया गया। सभी स्थानों पर कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई। निगम की सभी 9 इकाइयों और कार्यालय स्थानों पर वाद–विवाद, निबंध लेखन, नारा लेखन आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, सप्ताह के दौरान आस–पास की परियोजना/कार्यालय स्थानों के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में वाद–विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता जैसी आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गईं। निगम के सभी स्थानों पर निवारक सतर्कता पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति/प्रणालीगत सुधार पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के पूर्वाभ्यास के रूप में 3 महीने की अभियान अवधि (16 अगस्त – 15 नवंबर 2024) के दौरान क्षमता निर्माण कार्यक्रम, परिपत्रों/दिशानिर्देशों/मैनुअलों का अद्यतनीकरण, नीपको वेबसाइट का अद्यतनीकरण और समीक्षा की जाएगी।

बोर्ड बैठक

वर्ष 2024–25 के दौरान निदेशक मंडल की कुल 08 (आठ) बैठकें आयोजित की गईं।

स्टैंडअलोन निदेशक

स्टैंडअलोन निदेशकों ने अपनी नियुक्ति के समय और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) के तहत निर्धारित स्टैंडअलोनता के मानदंडों को पूरा करने के संबंध में वार्षिक रूप से एक घोषणा प्रस्तुत की है। ये घोषणाएँ बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गईं। हमारी कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के नाते, स्टैंडअलोन निदेशकों की नियुक्ति और कार्यकाल भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। बोर्ड की राय में, स्टैंडअलोन निदेशकों के पास अपेक्षित विशेषज्ञता और अनुभव है। स्टैंडअलोन निदेशकों की नियुक्ति के नियम और शर्तें कंपनी की वेबसाइट https://neepco.co.in/ पर उपलब्ध हैं।

स्टैंडअलोन निदेशकों की अलग बैठक

स्टैंडअलोन निदेशक की अलग बैठक आमतौर पर वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाती है। हालाँकि, 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया। नए स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति विद्युत मंत्रालय (एमओपी) में प्रक्रियाधीन थी, लेकिन, 31 मार्च, 2025 तक कोई स्टैंडअलोन निदेशक नियुक्त नहीं किया गया था। इसलिए, वित्त वर्ष 2024–25 में स्टैंडअलोन निदेशक की कोई अलग बैठक नहीं हो सकी।

हालाँकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। तदनुसार, स्टैंडअलोन निदेशकों की एक अलग बैठक 18.06.2025 को आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों स्टैंडअलोन निदेशकों ने भाग लिया। इस बैठक में, स्टैंडअलोन निदेशकों ने विस्तार से विचार–विमर्ष किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कंपनी प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समयबद्धता, बोर्ड द्वारा अपने कर्तव्यों का प्रभावी और उचित ढंग से निर्वहन करने के लिए पर्याप्त थी। इसके अलावा, स्टैंडअलोन निदेशकों ने अध्यक्ष सहित निदेशक मंडल के सभी निदेशकों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की।

निदेशकों के चयन और नियुक्ति की नीति और उनका पारिश्रमिक

आपकी कंपनी एक सरकारी कंपनी है, इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(ई) के प्रावधान भारत सरकार, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर लागू नहीं होते हैं।

निदेशकों और बोर्ड का प्रदर्शन मूल्यांकन

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने 5 जून, 2015 के सामान्य परिपत्र के माध्यम से सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178(2) के प्रावधानों से छूट दी है, जिसके तहत नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा प्रत्येक निदेशक का कार्य–निष्पादन मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है। एमसीए के उपरोक्त परिपत्र ने सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(पी) के प्रावधानों से भी छूट दी है, जिसके तहत बोर्ड और उनकी समितियों तथा व्यक्तिगत निदेशक द्वारा अपने कार्य–निष्पादन के औपचारिक मूल्यांकन के तरीके का उल्लेख बोर्ड की रिपोर्ट में करना आवश्यक है, यदि निदेशकों का मूल्यांकन केंद्र सरकार के उस मंत्रालय या विभाग द्वारा किया जाता है जो कंपनी का प्रशासनिक प्रभारी है, या, जैसा भी मामला हो, राज्य सरकार अपनी मूल्यांकन पद्धति के अनुसार करती है।

इसके अलावा, 5 जुलाई, 2017 की एमसीए अधिसूचना के अनुसार, यदि कार्य–निष्पादन मूल्यांकन के मामले केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों या विभागों या, जैसा भी मामला हो, राज्य सरकारों द्वारा निर्दिष्ट किए जाते हैं और सरकारी कंपनियों द्वारा ऐसी आवश्यकताओं का अनुपालन किया जाता है, तो निदेशकों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन से संबंधित अनुसूची चतुर्थ के प्रावधानों से सरकारी कंपनियों को छूट दी जाती है।

इस संबंध में, लोक उद्यम विभाग (डीपीई) ने सभी कार्यात्मक निदेशकों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन हेतु पहले ही एक तंत्र निर्धारित कर दिया है। डीपीई ने स्टैंडअलोन निदेशकों का मूल्यांकन भी शुरू कर दिया है, जिसे नीपको द्वारा किया गया है और वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए प्रशासनिक मंत्रालय को भेज दिया गया है।

स्टैंडअलोन निदेशक की पृथक बैठक आमतौर पर वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाती है। हालांकि, 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया। नए स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति विद्युत मंत्रालय (डवच) में प्रक्रियाधीन थी, लेकिन 31 मार्च, 2025 तक कोई स्टैंडअलोन निदेशक नियुक्त नहीं किया गया था। इसलिए, वित्त वर्ष 2024–25 में स्टैंडअलोन निदेशक की कोई अलग बैठक नहीं हो सकी।

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के तहत श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक नियुक्त किया। तदनुसार, स्टैंडअलोन निदेशकों की एक अलग बैठक 18.06.2025 को आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों स्टैंडअलोन निदेशकों ने भाग लिया। इस बैठक में, स्टैंडअलोन निदेशकों ने अन्य बातों के साथ–साथ अध्यक्ष और निदेशक मंडल सहित निदेशकों के प्रदर्शन की समीक्षा की।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 203 के लागू प्रावधान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान निम्नलिखित को प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में नामित किया गया हैरू

1. श्री बैद्यनाथ महाराणा, मुख्य वित्तीय अधिकारी
2. श्री अबिनोम पानू रोंग, कंपनी सचिव

नियामकों या न्यायालयों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और भौतिक आदेश जो चल रही चिंता की स्थिति को प्रभावित करते हैं

नियामकों या न्यायालयों या न्यायाधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण आदेश पारित नहीं किया गया, जिससे कंपनी की चालू स्थिति और भविष्य में कंपनी के संचालन पर कोई प्रभाव पड़ता हो।

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ और उनकी पर्याप्त

नीपको के पास एक सुपरिभाषित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली है जो इसके सभी संचालन क्षेत्रों को समाहित करती है। इसके अंतर्गत लेन–देन और निर्णय षक्तियों के प्रत्यायोजन, प्रलेखित नीतियों, दिशानिर्देशों, नियमावलियों और परिपत्रों के साथ–साथ ऐसे संचालनों से संबंधित विभिन्न कानूनों और विनियमों के अनुसार संसाधित किए जाते हैं। कंपनी ने प्रमुख नियंत्रण गतिविधियों की पहचान करते हुए एक सुपरिभाषित आंतरिक नियंत्रण ढाँचा विकसित किया है।

नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता की निगरानी एक बोर्ड–स्तरीय लेखा परीक्षा समिति और एक स्टैंडअलोन आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग द्वारा की जाती है। सभी परियोजनाओं और कार्यालयों को कवर करते हुए नियमित और विस्तृत आंतरिक लेखा परीक्षा, चार्टर्ड अकाउंटेंट/लागत लेखाकारों की अनुभवी फर्मों द्वारा की जाती है, जिन्हें कंपनी के अपने आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग के समन्वय में उक्त उद्देश्यों के लिए नियुक्त किया गया है। आंतरिक लेखा परीक्षक कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्त और प्रभावशीलता की समीक्षा और मूल्यांकन करते हैं और उस पर रिपोर्ट देते हैं।

लेखापरीक्षा टिप्पणियों और कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) का सारांश नियमित अंतराल पर लेखापरीक्षा समिति के समक्ष रखा जाता है और तदनुसार इसकी सिफारिषों और निर्देषों का अनुपालन किया जाता है।

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन डीपीई के कार्यालय ज्ञापन संख्या 2(70)/08–डीपीई(डब्ल्यूग)–जीएल–XVI/08 दिनांक 26 नवंबर, 2008 के अनुसार किया गया है। इसके अतिरिक्त, वेतन संशोधन पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के कार्यालय ज्ञापन और सरकारी कंपनी पर लागू कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के अनुसार, नामांकन

एवं पारिश्रमिक समिति के विचारार्थ विशय निम्नानुसार हैं:

1. प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित सीमा के भीतर वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल प्रदर्शन–संबंधित वेतन (पीआरपी) और कार्यपालकों (बोर्ड स्तर के कार्यपालकों सहित) और गैर–संघीकृत पर्यवेक्षकों के बीच इसके वितरण की नीति तय करना।
2. निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किए जा सकने वाले व्यक्तियों की पहचान करना और निदेशक मंडल को उनकी नियुक्ति और निष्कासन की सिफारिश करना।
3. निगम द्वारा की जाने वाली किसी भी नई नियुक्तियों का अनुमोदन।

इसके अलावा, **नामांकन और पारिश्रमिक समिति** की भूमिका में अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:

(1) किसी निदेशक की योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं और स्टैंडअलोनता का निर्धारण करने के लिए मानदंड तैयार करना और निदेशक मंडल को निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति की सिफारिश करनाय

(1ए) किसी स्टैंडअलोन निदेशक की प्रत्येक नियुक्ति के लिए, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, निदेशक मंडल में कौशल, ज्ञान और अनुभव के संतुलन का मूल्यांकन करेगी और ऐसे मूल्यांकन के आधार पर, एक स्टैंडअलोन निदेशक के लिए अपेक्षित भूमिका और क्षमताओं का विवरण तैयार करेगी। स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए बोर्ड को अनुशंसित व्यक्ति में ऐसे विवरण में पहचानी गई क्षमताएँ होंगी। उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने के उद्देष्य से, समिति निम्नलिखित कार्य कर सकती है:

क. यदि आवश्यक हो, तो बाहरी एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करना।

ख. विविधता को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न पृष्ठभूमियों के उम्मीदवारों पर विचार करनाय और

ग. उम्मीदवारों की समय प्रतिबद्धताओं पर विचार करना।

(2) स्टैंडअलोन निदेशकों और निदेशक मंडल के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना।

(3) निदेशक मंडल की विविधता पर नीति तैयार करना।

(4) ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक बनने के योग्य हैं और जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है, और निदेशक मंडल को उनकी नियुक्ति और निश्कासन की सिफारिश करना।

(5) स्टैंडअलोन निदेशकों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन की रिपोर्ट के आधार पर, स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति की अवधि को बढ़ाना या जारी रखना।

(6) वरिष्ठ प्रबंधन को देय सभी पारिश्रमिक, चाहे किसी भी रूप में हो, की सिफारिशमंडल को करना।

इसके अलावा, निदेशक मंडल ने 10–08–2022 को आयोजित अपनी 272वीं बोर्ड बैठक में सुझाव दिया था कि वित्तीय निहितार्थ वाले सभी कर्मचारी/मानव संसाधन संबंधी एजेंडों को बोर्ड के अनुमोदन से पहले विस्तृत चर्चा के लिए नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की बैठक में रखा जाना चाहिए।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का पुनर्गठन किया गया। चूंकि 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया था, इसलिए 09–11–2024 तक नामांकन और पारिश्रमिक समिति निम्नानुसार था।

नाम	अध्यक्ष/सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1. डॉ विवेका नंद पासवान	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	सदस्य	स्टैंडअलोन
3. श्री वीरेन्द्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेकानंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक के रिक्त पद को भरने के लिए नियुक्ति हेतु आवश्यक कार्रवाई विद्युत मंत्रालय/लोक उद्यम विभाग में प्रक्रियाधीन थी। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अंतर्गत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती है। कंपनी पहले ही विद्युत मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति के लिए पत्र लिख चुकी है।

9 नवंबर, 2024 तक बोर्ड की समितियों का पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ विधिवत गठन किया गया था। हालाँकि, वित्त वर्ष 2024–25 में, 9 नवंबर, 2024 को नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेकानंद पासवान का कार्यकाल पूरा होने के बाद, नीपको के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं रहेगा। इसलिए, 31 मार्च, 2025 तक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति इस प्रकार थी:

नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1. श्री वीरेन्द्र मलिक	गैर–कार्यकारी
2. श्री बी.महाराणा, निदेशक (वित्त)	कार्यकारी
3. श्री आर. शर्मा, निदेशक (तकनीकी)	कार्यकारी
4. मेजर जनरल राजेश कुमार झा एवीएसएम'' (सेवा. निवृत्त), निदेशक (कार्मिक)	कार्यकारी

हालाँकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र द्वारा श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक नियुक्त किया है। इसी के मद्देनजर, वर्तमान में नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का विधिवत गठन किया गया है, जिसमें निम्नलिखित संख्या में स्टैंडअलोन निदेशक हैं:

नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1. श्री लखन लाल साहू	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	सदस्य	स्टैंडअलोन
3. श्री वीरेन्द्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

निगम के कर्मचारियों को पारिश्रमिक का भुगतान भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी प्रासंगिक दिशानिर्देषों द्वारा निर्देशित होता है।

सहायक कंपनियों / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं वाला विवरण

फॉर्म संख्या एओसी–1 के अनुसार प्रारूप में सहायक कंपनियों / सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं वाला विवरण वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए समेकित लेखापरीक्षित खातों का हिस्सा है और इस रिपोर्ट में संलग्न है।

संबंधित पक्षों के साथ अनुबंधों या व्यवस्थाओं का विवरण

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 के अनुसार अपने किसी भी संबंधित पक्ष के साथ कोई भी महत्वपूर्ण लेन–देन नहीं किया है। सभी संबंधित पक्ष लेन–देन सामान्य व्यावसायिक प्रक्रिया के अंतर्गत थे और एकांत में बातचीत के आधार पर किए गए थे। इनका उद्देष्य कंपनी के हितों को और बढ़ाना था। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप–धारा (1) में निर्दिष्ट अनुबंधों / व्यवस्थाओं के विवरणों का प्रकटीकरण, अधिनियम की धारा 134 की उप–धारा (3) के खंड (एच) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसार निम्नानुसार है:

प्रतिभागियों	रिकॉर्ड्स
अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन–देनों का विवरण जो हाथ की लंबाई के आधार पर नहीं है:	शून्य
अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन–देनों का विवरण जो हाथ की लंबाई के आधार पर नहीं है:	अनुबंधों या व्यवस्था या लेन–देन पर विस्तृत प्रकटीकरण **अनुबंध–1** के रूप में संलग्न फॉर्म एओसी–2 में प्रदान किया गया है और यह इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

इंड–एएस–24 के अंतर्गत संबंधित पक्ष प्रकटीकरण समेकित वित्तीय विवरणों के **नोट संख्या 38** और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के **नोट संख्या 38** में किए गए हैं।

निदेशक मंडल ने 22.12.2022 को आयोजित अपनी 275वीं बोर्ड बैठक में संबंधित पक्ष लेनदेन की महत्ता और संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने संबंधी नीति को मंजूरी दी है। यह वेबलिंक पर भी उपलब्ध है।: https://neepco.co.in/corporate-governance-updates

भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धता

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष, जिससे वित्तीय विवरण संबंधित हैं, और इस निदेशक रिपोर्ट की तिथि के बीच कोई भी भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धता नहीं हुई है, जो आपकी कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करती हो।

धारा 186 के अंतर्गत ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के अंतर्गत कोई ऋण, गारंटी या निवेश नहीं किया है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तृत प्रकटीकरण **अनुलग्नक–10** में संलग्न है और इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

वार्षिक विवरणी का अंश

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) के अनुसार कंपनी का वार्षिक विवरणी (ड्राफ्ट एमजीटी–7) कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 12 के साथ पठित, कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। वित्त वर्ष 2024–25 के वार्षिक रिटर्न तक पहुँचने के लिए वेबलिंक **https://neepco.co.in/investors/equity** है।

व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं स्थिरता रिपोर्ट

उत्कृष्ट कॉर्पोरेट प्रशासन पद्धति के एक भाग के रूप में, एक व्यावसायिक उत्तरदायित्व एवं स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) स्वेच्छा से तैयार की गई है और **अनुलग्नक–4** के रूप में संलग्न है, जो इस निदेशक रिपोर्ट का हिस्सा है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197(12) के अनुसरण में विवरण, कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5(1) के साथ पठित।

नीपको एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते हैं।

निदेशकों के चयन एवं नियुक्ति तथा उनके पारिश्रमिक हेतु नीति

नीपको एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(ई) के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते।

कॉर्पोरेट प्रशासन

नीपको अपने कार्यों के संचालन में अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के महत्व में दृढ़ विश्वास रखता है। यह अपने संचालन में पर्याप्त नियंत्रण प्रणालियों के साथ–साथ दक्षता बढ़ाने पर ज़ोर देता है। लेखा परीक्षा समिति तिमाही आधार पर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले सभी वित्तीय विवरणों की समीक्षा करती है। वार्षिक रिपोर्ट और अन्य विभिन्न संचार आम जनता की जानकारी के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। कॉर्पोरेट प्रशासन पर एक अलग विवरण इस रिपोर्ट के एक भाग के रूप में **अनुलग्नक–2** के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यरत कंपनी सचिव से कॉर्पोरेट प्रशासन पर प्रमाणपत्र इस रिपोर्ट के एक भाग के रूप में **अनुलग्नक–5ए** के रूप में संलग्न है।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

निदेशक रिपोर्ट में उल्लिखित मुद्दों के अतिरिक्त, कुछ मुद्दों को **अनुबंध–3** में दी गई प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट में भी उठाया गया है और यह इस निदेशक रिपोर्ट का हिस्सा है।

लेखापरीक्षा समिति

लेखापरीक्षा समिति निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले सभी वित्तीय विवरणों की नियमित रूप से समीक्षा करती है। लेखापरीक्षा और आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्त सुनिश्चित करने के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों और आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं। लेखापरीक्षा समिति की संरचना सहित लेखापरीक्षा समिति से संबंधित विवरण, इस रिपोर्ट के साथ **अनुबंध–2** में संलग्न कॉर्पोरेट प्रशासन रिपोर्ट का हिस्सा हैं।

निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (ग) के अंतर्गत निदेशकों के उत्तरदायित्व विवरण के संबंध में, यह पुष्टि की जाती है कि

(क) वार्षिक लेखा तैयार करते समय, लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है और उनसे कोई महत्वपूर्ण विचलन नहीं है।

(ख) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उन्हें सुसंगत रूप से लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं, ताकि 31 मार्च, 2024 को कंपनी की स्थिति और उस तिथि को समाप्त अवधि के लिए कंपनी के लाभ का सही और निश्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जा सके।

(ग) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव हेतु उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है।

(घ) निदेशकों ने कंपनी के वार्षिक लेखे चालू व्यवसाय के आधार पर तैयार किए हैं।

(ङ) निदेशकों ने आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए हैं जिनका कंपनी द्वारा पालन किया जा रहा है और ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं तथा प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं और

(च) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियाँ तैयार की हैं और ये प्रणालियाँ पर्याप्त हैं तथा प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं

निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों में परिवर्तन का विवरण

पिछली रिपोर्ट के बाद से, निम्नलिखित निदेशक नीपको के बोर्ड से निदेशक नहीं रहे

1. श्री जयकुमार श्रीनिवासन, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 31.07.2024 तक।

2. श्री शंभू नाथ त्रिपाठी, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 30.09.2024 तक।

3. श्री बिमल चंद ओसवाल, स्टैंडअलोन निदेशक, 09.11.2024 तक।

4. डॉ. विवेकानंद पासवान, स्टैंडअलोन निदेशक, 09.11.2024 तक।

5. श्री के. शणमुघा सुंदरम, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 25.04.2025 तक।

निदेशक मंडल ने उक्त निदेशकों द्वारा प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं के लिए अपनी गहरी सराहना दर्ज की।

पिछली रिपोर्ट के बाद से, नीपको के बोर्ड में निम्नलिखित निदेशक नियुक्त किए गए हैं:

1. श्री वीरेंद्र मलिक, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 31.07.2024 से।

2. श्री के. शणमुघा सुंदरम, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 30.09.2024 से।

3. श्री बिमल चंद ओसवाल, स्टैंडअलोन निदेशक, 18.04.2025 से।

4. श्री लखन लाल साहू, स्टैंडअलोन निदेशक, 18.04.2025 से।

5. श्री गौतम देब, एनटीपीसी के नामित निदेशक, 26.04.2025 से।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 और आपकी कंपनी के एसोसिएशन के अनुच्छेदों के प्रावधानों के अनुसार, श्री बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त) (डीआईएन: 09263864), आपकी कंपनी की वार्षिक आम बैठक में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने के नाते, पुनर्नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं।

सावधि जमा

कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कोई सावधि जमा स्वीकार नहीं किया है।

धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

वैधानिक लेखा परीक्षक, सचिवीय लेखा परीक्षक और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(12) के तहत निर्दिष्ट अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी के विरुद्ध की गई धोखाधड़ी के किसी भी मामले की रिपोर्ट नहीं की है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

कंपनी ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(एम) के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के अनुसार, वर्ष 2023–24 के दौरान ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय संबंधी जानकारी इस रिपोर्ट के एक भाग के रूप में **अनुबंध–9** में संलग्न है।

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के अंतर्गत लंबित कार्यवाही

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के अंतर्गत कोई आवेदन नहीं किया गया या कोई कार्यवाही लंबित नहीं है।

एकमुश्त निपटान और मूल्यांकन

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, ऐसी कोई घटना नहीं घटी है जिससे एकमुश्त निपटान के समय किए गए मूल्यांकन की राशि और बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण लेते समय किए गए मूल्यांकन के बीच अंतर के विवरण की रिपोर्टिंग की आवश्यकता पड़।

आभार

निदेशक भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, विशेष रूप से विद्युत मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नीति आयोग, लोक उद्यम विभाग, पूर्वोत्तर परिषद, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधान केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विद्युत बोर्ड के प्रति उनके निरंतर सहयोग और सहायता के लिए आभारी हैं।

निदेशकगण अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा की राज्य सरकारों द्वारा दिए गए सहयोग और सहायता के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। निदेशकगण उन राज्य सरकारों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने 2024–25 की अवधि के दौरान उनके वर्तमान देय राशि का पूरा भुगतान कर दिया था।

निदेशकगण बैंकरों, सांविधिक लेखा परीक्षकों, लागत लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के वाणिज्यिक लेखा परीक्षा विंग और कंपनी रजिस्ट्रार के भी आभारी हैं।

निदेशकगण होल्डिंग कंपनी, एनटीपीसी लिमिटेड के समर्थन और मार्गदर्शन के लिए भी अपना आभार व्यक्त करना चाहते हैं।

अंत में, निदेशकगण निगम के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निगम के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों की सराहना करते हैं।

निदेशक मंडल की ओर से
हस्ताक्षरकर्ता/–
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00307037

दिनांकः 12.08.2025
स्थानः नई दिल्ली

संलग्नक–1

फॉर्म संख्या एओसी–2

(अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ज) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसार)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप–धारा (1) में निर्दिष्ट संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र, जिसमें उसके तीसरे परंतुक के तहत कुछ आर्म लेंथ लेनदेन शामिल हैं।

	अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन–देन का विवरण जो कि दूरी के आधार पर नहीं है: शून्य		
	संबंधित पक्ष का नाम और संबंध की प्रकृति	लागू नहीं	
	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति	लागू नहीं	
	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की अवधि	लागू नहीं	
	अनुबंधों, व्यवस्थाओं या लेन–देनों की मुख्य शर्तें, जिनमें मूल्य भी शामिल है, यदि कोई हो	लागू नहीं	
	ऐसे अनुबंधों, व्यवस्थाओं या लेन–देनों में प्रवेश करने का औचित्य	लागू नहीं	
	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि	लागू नहीं	
	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:	लागू नहीं	
	धारा 188 के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अपेक्षित सामान्य बैठक में विशेष प्रस्ताव पारित होने की तिथि	लागू नहीं	
	सामग्री अनुबंधों या व्यवस्था या हाथ की लंबाई के आधार पर लेनदेन का विवरण		
क	**संबंधित पक्ष का नाम और संबंध की प्रकृति**	एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस (एनएसख) **संबंध–** होल्डिंग कंपनी (अर्थात एनटीपीसी लिमिटेड) एक प्रमोटर है। एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस (एनएसख)	एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) **संबंध–** होल्डिंग कंपनी (अर्थात एनटीपीसी लिमिटेड) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी
ख	**अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति**	उमरोंग एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज में फ्लोटिंग सोलर स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना	बिजली एक्सचेंजों पर बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र (ईएससीर्ट) का व्यापार
ग	**अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की अवधि**	उमरोंग एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज में फ्लोटिंग सोलर स्थापित करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना	
घ	**अनुबंधों, व्यवस्थाओं या लेन–देनों की मुख्य शर्तें, जिनमें मूल्य, यदि कोई हो, शामिल है:**	i) ₹20,00,000/– जीएसटी को छोड़कर ii) ₹28,000/– जीएसटी को छोड़कर	बिजली एक्सचेंजों पर बिजली का व्यापार (बिक्री और खरीद)रू 0.99 पैसे प्रति किलोवाट घंटा बिजली एक्सचेंजों पर आरईसी का व्यापार: 0.99 पैसे प्रति किलोवाट घंटा बिजली एक्सचेंजों पर ईएससीर्ट का व्यापार: 7 पैसे प्रति ईएससीर्ट

ङ	**बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि, यदि कोई हो:**	लागू नहीं	लागू नही
च	**अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:**	नहीं	नहीं
	सामग्री अनुबंधों या व्यवस्था या हाथ की लंबाई के आधार पर लेनदेन का विवरण		
क	संबंधित पक्ष का नाम और संबंध का नाम	एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस (एनएसख) नाता– होल्डिंग कंपनी (यानी। एनटीपीसी लिमिटेड) एक प्रमोटर है। एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस (एनएसख)	एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) संबंध– होल्डिंग कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (यानी एनटीपीसी लिमिटेड)
ख	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेन–देन की प्रकृति	उमरोंग और परामर्श सेवाओं में फ्लो. टिंग सोलर की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रीपोर्ट तैयार करना	बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईग) और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र का व्यापार (ईएससीटे) पावर एक्सचेंजों में
ग	अनुबंधों/व्यवस्थाओं/लेन–देन की अवधि	क. एचपीपीसी के साथ अगले पाँच वर्षों के लिए 300 मेगावाट तक / 5.38 रुपये/किलोवाट घंटा, 19/05/2023 से प्रभावी ख. टीपीडीडीएल के साथ अगले पाँच वर्षों के लिए हर वर्ष मई से अक्टूबर तक 200 मेगावाट / 5.63 रुपय/किलोवाट घंटा, 19/05/2023 से प्रभावी।	वित्तीय वर्ष 23–24 के लिए वार्षिक समेकित कारोबार: 4,23,956.74 लाख रुपये प्रस्तावित लेनदेन का मूल्य– 1,72,79,871 रुपये आवश्यक प्रतिशत = 1,72,79,871 रुपये/42,39,56,74,000*100 रुपये =0.04074%
घ.	अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन–देन की मुख्य शर्तें, जिसमें मूल्य भी शामिल है, यदि कोई हो:	क. एचपीपीसी के साथ अगले पांच वर्षों के लिए 300 मेगावाट तक /रु.5.38/किलोवाट घंटा 19/05/2023 से ख. टीपीडीडीएल के साथ अगले पांच वर्षों के लिए हर वर्ष मई से अक्टूबर तक 200 मेगावाट / रु.5.63/किलोवाट घंटा 19/05/2023 से	1,72,79,871/– + जीएसटी
ड.	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि, यदि कोई हो:	लागू नहीं	लागू नहीं
च.	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:	नहीं	नहीं

निदेशक मंडल की ओर से

हस्ताक्षरकर्ता/–
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00307037

दिनांकः 12.08.2025
स्थानः नई दिल्ली

अनुलग्नक–2

कॉर्पोरेट गवर्नेंस की रिपोर्ट

नीपको में कॉर्पोरेट गवर्नेंस सरकारी स्वामित्व वाले उद्यम की अपेक्षाओं के अनुरूप नैतिक आचरण, पारदर्शिता और जिम्मेदार प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें कानूनों, नीतियों और आंतरिक नियंत्रणों का एक संरचित ढांचा शामिल है जो कंपनी के निर्णय लेने को नियंत्रित करता है और शेयरधारकों, लेनदारों, कर्मचारियों, ग्राहकों और राज्य सहित सभी हितधारकों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) के रूप में, नीपको भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करता है और कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 और अन्य वैधानिक आवश्यकताओं के लागू प्रावधानों का अनुपालन करता है। निदेशक मंडल रणनीतिक दिशा प्रदान करने, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने और हितधारकों के हितों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप, नीपको अपने संचालन में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) विचारों को एकीकृत करता है। कंपनी मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रथाओं के माध्यम से दीर्घकालिक मूल्य निर्माण, संस्थागत अखंडता और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

शासन संहिता पर दर्शन

(i) संचालन में पर्याप्त नियंत्रण प्रणाली होना और पारदर्शी तरीके से समय पर बोर्ड को जानकारी प्रदान करना ताकि बोर्ड को प्रदर्शन की निगरानी करने और प्रबंधन की जवाबदेही सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया जा सके।

(ii) उद्यम और देश के धन के निर्माण के लिए व्यावसायिक उद्यम की दक्षता में वृद्धि करना।

(iii) यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर्मचारी और बोर्ड कॉर्पोरेट मूल्यों की सदस्यता लेते हैं और उन्हें अपने आचरण में लागू करते हैं।

1. बोर्ड की संरचना और निदेशकों का विवरणः

(i) बोर्ड की संरचनाः

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी के निदेशक मंडल ('बोर्ड') में 7 (सात) निदेशक शामिल हैं, यानी 1 (एक) सीएमडी, 3 (तीन) कार्यात्मक निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड के 2 (दो) नामित निदेशक यानी होल्डिंग कंपनी और 1 (एक) सरकारी अंशकालिक निदेशक जो भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालांकि, 09–11–2024 तक, कंपनी के निदेशक मंडल ('बोर्ड') की संरचना में 9 (नौ) निदेशक शामिल थे, अर्थात, 1 (एक) सीएमडी, 3 (तीन) कार्यात्मक निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड यानी होल्डिंग कंपनी के 2 (दो) नामित निदेशक,

1 (एक) भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी अंशकालिक निदेशक और 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक।

हालांकि, 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक, श्री बिमल चंद ओसवाल, स्टैंडअलोन निदेशक और नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेका नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया। विद्युत मंत्रालय/ भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग में स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक के रिक्त पदों को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रक्रियाधीन थी। नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेषन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती है। कंपनी पहले ही कई बार विद्युत मंत्रालय को पत्र लिखकर स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशकों की नियुक्ति का अनुरोध कर चुकी है।

तदनुसार, उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विद्युत मंत्रालय ने दिनांक 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया।

वर्ष के दौरान निदेशक मंडल का विवरण जैसे उनका नाम, पदनाम, अन्य पब्लिक लिमिटेड कंपनियों में उनके द्वारा धारित निदेशकों और समिति के अध्यक्ष/सदस्यता की संख्या और अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं के नाम जिनमें निदेशक 31 मार्च 2025 तक निदेशक हैं, इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	पदनाम	नहीं अन्य सार्वजनिक सीमित कंप. नियों में निदेष. कों की संख्या	इक्विटी सूचीबद्ध इकाई और श्रेणी में निदेशक	अन्य सार्वजनिक कंपनियों में अन्य समिति सदस्यताओं की संख्या ^^	
					अध्यक्ष के रूप में	सदस्य के रूप में
1	श्री गुरदीप सिंह	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	4	2	शून्य	शून्य
2	श्री बैद्यनाथ महाराणा	निदेशक (वित्त)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	श्री रनेन्द्र शर्मा	निदेशक (तकनीकी)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम** (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
5	श्री पीयूश सिंह	भारत सरकार के नाम–निदेशक	2	1	शून्य	शून्य
6	श्री के. शनमुघा सुंदरम$	एनटीपीसी के नामित निदेशक	8	2	शून्य	4
7	श्री वीरेंद्र मलिक$	एनटीपीसी के नामित निदेशक	4	शून्य	शून्य	1

^ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत विदेशी कंपनियों, वैकल्पिक निदेशकों और कंपनियों में निदेशकों को शामिल नहीं किया गया है।

^^ अन्य समिति की सदस्यता में केवल सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार अन्य कंपनियों की केवल लेखा परीक्षा समिति और हितधारक संबंध समिति की सदस्यता शामिल है।

वर्ष के दौरान बंद हो गया। $वर्ष के दौरान नियुक्त।

कंपनी का कोई भी निदेशक कंपनी के अन्य निदेशकों से संबंधित नहीं है।

(ii) गैर–कार्यकारी निदेशक का मुआवजा और प्रकटीकरण:

कंपनी ने स्टैंडअलोन निदेशकों को बैठने की फीस का भुगतान किया है।

(iii) बोर्ड की बैठकें, समिति की बैठकें और प्रक्रियाएं:

क. प्रत्येक वर्ष में कम से कम चार बोर्ड बैठकें आयोजित की जाती हैं। चार निर्धारित बोर्ड बैठकों के अलावा, उचित सूचना देकर अतिरिक्त बोर्ड बैठक बुलाई जा सकती है। व्यावसायिक आकस्मिकताओं या मामलों की तात्कालिकता के मामले में, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार प्रचलन द्वारा संकल्प पारित किया जाता है।

ख. निदेशक मंडल को प्रत्येक बोर्ड बैठक में परियोजना कार्यान्वयन और कंपनी के संचालन को कवर करते हुए प्रस्तुति दी जाती है। लागू दिशा–निर्देषों और अधिनियम के अनुसार बोर्ड के समक्ष सूचना प्रस्तुत की जा रही है।

ग. निदेशक मंडल ने कंपनी के परियोजनाओं/विभागों के प्रमुखों से प्राप्त अनुपालन प्रमाण पत्र के आधार पर कंपनी सचिव द्वारा प्रस्तुत कानूनों के अनुपालन प्रमाण पत्र की समय–समय पर समीक्षा की।

घ. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के बोर्ड की कुल 8 (आठ) बैठकें आयोजित की गईं। कंपनी ने प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बोर्ड बैठक आयोजित की है। बोर्ड की बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, नीपको के निदेशक मंडल की निम्नलिखित तिथियों पर 08 (आठ) बार बैठक हुई:

1 तिमाही	2 तिमाही	3 तिमाही	4 तिमाही
14-05-2024	10-08-2024	05-11-2024	11-02-2025
-	16-09-2024	17-12-2024	03-03-2025
-	-	-	22-03-2025

क्रम संख्या	बोर्ड की बैठक संख्या	खजूर	बोर्ड की ताकत	नहीं। उपस्थित निदेशकों की संख्या
1	287 वीं बोर्ड बैठक	14-05-2024	9	9
2	288 वीं बोर्ड बैठक	10-08-2024	9	9
3	289 वीं बोर्ड बैठक	16-09-2024	9	9
4	290 वीं बोर्ड बैठक	05-11-2024	9	9
5	291 वीं बोर्ड बैठक	17-12-2024	7	7
6	292 वीं बोर्ड बैठक	11-02-2025	7	6
7	293 वीं बोर्ड बैठक	03-03-2025	7	7
8	294 वीं बोर्ड बैठक	22-03-2025	7	7

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की बैठक और वार्षिक आम बैठक में निदेशकों की उपस्थिति इस प्रकार है:

नाम	बैठक की दिनांक								कार्यकाल के दौरान आयोजित कुल बैठकें	उपस्थित बैठकों की संख्या	एटेन–नृत्य का %	क्या पिछली एजीएम में भाग लिया था
	287वां बीएम	288वां बीएम	289वां बीएम	290वां बीएम	291वां बीएम	292वां बीएम	293वां बीएम	294वां बीएम				
	14-05-2024	10-08-2024	16-09-2024	05-11-2024	17-12-2024	11-02-2025	03-03-2025	22-03-2025				
श्री गुरदीप सिंह	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	8	8	100%	हाँ
श्री बैद्यनाथ महाराणा	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	8	8	100%	हाँ
श्री रनेन्द्र शर्मा	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	8	8	100%	हाँ
मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम** (सेवा. निवृत)	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	8	8	100%	हाँ
श्री पीयूश सिंह	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	8	8	100%	हाँ
श्री जयकुमार श्रीनिवासन#	✓	-	-	-	-	-	-	-	1	1	100%	नहीं
श्री के. शनमुघा सुंडा–राम#	-	-	-	✓	✓	X	✓	✓	5	4	80%	नहीं
श्री शंभू नाथ त्रिपाठी#	✓	✓	✓	-	-	-	-	-	3	3	100%	हाँ
श्री वीरेंद्र मलिक$	-	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	7	7	100%	हाँ
श्री बिमल चंद ओसवाल#	✓	✓	✓	✓	-	-	-	-	4	4	100%	हाँ
डॉ. विवेका नंद पासवान#	✓	✓	✓	✓	-	-	-	-	4	4	100%	हाँ

$वर्ष के दौरान नियुक्त किया गया।

#वर्ष के दौरान समाप्त।

निदेशकों के कौशल/योग्यता मैट्रिक्स

31 मार्च, 2024 तक निदेशक मंडल की विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्र नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं। हालांकि, किसी सदस्य के नाम के सामने टिक मार्क की अनुपस्थिति का जरूरी मतलब यह नहीं है कि उक्त निदेशक के पास संबंधित कौशल या विशेषज्ञता नहीं है।

निदेशक का नाम	पदनाम	तकनीकी / इंजी. नियरिंग	ऊर्जा एवं विद्युत क्षेत्र	वित्त एवं बैंकिंग	अर्थशास्त्र	मानव संसाधन प्रबंधन	नियामक ढाँचा	प्रबंधन	शैक्षणिक	अनुसंधान एवं विकास
श्री गुरदीप सिंह	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक	✓	✓					✓		
श्री बैद्यनाथ महाराणा	निदेशक (वित्त)		✓	✓			✓			
श्री रनेन्द्र शर्मा	निदेशक (तकनीकी)	✓	✓							✓
मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम * * (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)	✓				✓		✓		✓
श्री पीयूश सिंह	सरकार. भारत के नामित निदेशक	✓	✓				✓			
श्री जयकुमार श्रीनिवासन #	एनटीपीसी के नामित निदेशक		✓	✓			✓	✓		
श्री शंभू नाथ त्रिपाठी #	एनटीपीसी के नामित निदेशक	✓	✓							
श्री वीरेंद्र मलिक $	एनटीपीसी के नामित निदेशक			✓			✓			
श्री के. शनमुघा सुंदरम $	एनटीपीसी के नामित निदेशक	✓	✓				✓	✓		
श्री बिमल चंद ओसवाल #	स्टैंडअलोन निदेशक			✓			✓	✓		
डॉ. विवेक नंद पासवान #	स्टैंडअलोन निदेशक								✓	

$ वर्ष के दौरान नियुक्त।
#वर्ष के दौरान बंद कर दिया।

2. बोर्ड स्टैंडअलोनता

स्टैंडअलोन निदेशकों ने अपनी नियुक्ति के समय और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 (6) के तहत निर्धारित स्टैंडअलोनता के मानदंडों को पूरा करने के संबंध में वार्षिक रूप से एक घोषणा प्रस्तुत की है। घोषणाओं को बोर्ड के समक्ष रखा गया। हमारी कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते, स्टैंडअलोन निदेशकों की नियुक्ति और कार्यकाल भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। बोर्ड की राय में, स्टैंडअलोन निदेशकों के पास अपेक्षित विशेषज्ञता और अनुभव है और वे कंपनी के लिए लागू सीमा तक सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुसार निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं। स्टैंडअलोन निदेशकों की नियुक्ति के नियम और शर्तें कंपनी की वेबसाइट पर https://neepco.co.in/ पर उपलब्ध हैं।

3. बोर्ड सदस्यों का मूल्यांकन निष्पादन

निदेशकों और बोर्ड के मूल्यांकन में सुधार

कॉरपोसेवानिवृत कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने 5 जून, 2015 के सामान्य परिपत्र के माध्यम से सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 (2) के प्रावधानों से छूट दी है, जिसमें नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा प्रत्येक निदेशक के प्रदर्शन मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। एमसीए के उपरोक्त परिपत्र ने सरकार को और छूट दी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (पी) के प्रावधानों से कंपनियां, जिसके लिए बोर्ड की रिपोर्ट में बोर्ड और इसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशक द्वारा अपने स्वयं के प्रदर्शन के औपचारिक मूल्यांकन के तरीके का उल्लेख करना आवश्यक है, यदि निदेशकों का मूल्यांकन केंद्र

सरकार के मंत्रालय या विभाग द्वारा किया जाता है, जो कंपनी का प्रशासनिक रूप से प्रभारी है, या, जैसा भी मामला हो, राज्य सरकार अपनी मूल्यांकन पद्धति के अनुसार।

इसके अलावा, दिनांक 5 जुलाई, 2017 की एमसीए अधिसूचना के अनुसार, यदि प्रदर्शन मूल्यांकन के मामलों को केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों या विभागों द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है या जैसा भी मामला हो, तो राज्य सरकारें और ऐसी आवश्यकताओं का अनुपालन सरकारी कंपनियों द्वारा किया जाता है, अनुसूची के प्रावधान। निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन को सरकारी कंपनियों के लिए छूट दी गई है।

इस संबंध में, भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) ने पहले ही सभी कार्यात्मक निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक तंत्र निर्धारित कर दिया है। डीपीई ने स्टैंडअलोन निदेशकों का मूल्यांकन भी शुरू कर दिया है, जिसे नीपको द्वारा किया गया है और वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए प्रशासनिक मंत्रालय को भेजा गया है। इसके अलावा, चूंकि निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है, इसलिए बोर्ड स्तर पर उत्तराधिकार की योजना कंपनी द्वारा नहीं बनाई जाती है।

स्टैंडअलोन निदेशक की अलग बैठक आमतौर पर वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाती है। हालांकि, 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) में नए स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया में थी, लेकिन 31 मार्च, 2025 तक किसी भी स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति नहीं की गई थी। इसलिए, वित्त वर्ष 2024–25 में स्टैंडअलोन निदेशक की कोई अलग बैठक नहीं हो सकी।

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। तदनुसार, स्टैंडअलोन निदेशकों की एक अलग बैठक 18.06.2025 को आयोजित की गई थी। इस बैठक में दोनों स्टैंडअलोन निदेशक शामिल हुए। इस बैठक में स्टैंडअलोन निदेशकों ने अन्य बातों के साथ–साथ अध्यक्ष और निदेशक मंडल सहित निदेशकों के प्रदर्शन की समीक्षा की।

4. स्टैंडअलोन निदेशक की अलग बैठकै

स्टैंडअलोन निदेशक की अलग बैठक आमतौर पर वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाती है। हालांकि, 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) में नए स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया में थी, लेकिन 31 मार्च, 2025 तक किसी भी स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति नहीं की गई थी। इसलिए, वित्त वर्ष 2024–25 में स्टैंडअलोन निदेशक की कोई अलग बैठक नहीं हो सकी।

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। तदनुसार, स्टैंडअलोन निदेशकों की एक अलग बैठक 18.06.2025 को आयोजित की गई थी। इस बैठक में दोनों स्टैंडअलोन निदेशक शामिल हुए। इस बैठक में, स्टैंडअलोन निदेशकों ने विस्तार से विचार–विमर्श किया और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कंपनी प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समयबद्धता बोर्ड के लिए प्रभावी और उचित रूप से अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए पर्याप्त थी। इसके अलावा, स्टैंडअलोन निदेशकों ने अध्यक्ष और निदेशक मंडल सहित निदेशकों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की।

5. आचरण का कोडः

कंपनी के मामलों के प्रबंधन में नैतिक और पारदर्शी प्रक्रिया को बढ़ाने की विजन से बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए कंपनी के पास आचार संहिता है। कंपनी व्यावसायिक नैतिकता के उच्चतम मानकों के अनुसार और सभी लागू कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन में अपने व्यवसाय का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। आचार संहिता की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट पर वेब लिंक पर उपलब्ध है:

https://neepco.co.in/sites/default/files/Code%20of%20Conduct%20for%20Board%20Members.pdf

सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों से प्राप्त पुष्टि के आधार पर, संहिता के अनुपालन के संबंध में कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा एक घोषणा निम्नानुसार है:

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 और डीपीई दिशानिर्देशों की अनुसूची V के तहत घोषणा

बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

एसडी/–

स्थान: नई दिल्ली — **(गुरदीप सिंह)**

दिनांक: 12.08.2025 — अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक

6. बोर्ड को दी गई जानकारी

कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्य का आकलन करने और विकास की संभावनाओं और आकर्षक रिटर्न के साथ अवसरों की ओर पूंजी को तैनात करने या फिर से तैनात करने के लिए जानकारी तक पहुंच महत्वपूर्ण है।

नीपको के पास सभी विभागों और इकाइयों का एक ठोस ढांचा और एकीकरण है ताकि ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज दोनों तरह से सूचनाओं का निर्बाध और समय पर प्रवाह सुनिश्चित किया जा सके। बोर्ड के पास सभी आंकड़ों, दस्तावेजों, रिपोर्टों तक पूर्ण पहुंच है ताकि बोर्ड समय पर और सूचित निर्णय ले सके और संगठन पर नियंत्रण रख सके। बोर्ड को प्रदान की गई जानकारी में आम तौर पर कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी विनियम, ज्ञापन और एसोसिएशन के लेख, सचिवीय मानक, नीपको की शक्ति

का प्रत्यायोजन, और समय–समय पर जारी किए गए अन्य आवेदन कानून, विनियम और सरकारी दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार शामिल होते हैं।

7. जोखिम प्रबंधन नीतिः

कंपनी ने कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति को लागू किया है।

8. बोर्ड सदस्यों का प्रशिक्षणः

बोर्ड के सदस्यों को आवश्यक दस्तावेज/विवरणिका, रिपोर्ट और आंतरिक नीतियां प्रदान की जाती हैं ताकि वे कंपनी की प्रक्रिया और व्यवहार से परिचित हो सकें। बोर्ड के सदस्यों को प्रासंगिक विषयों पर कार्यशालाओं/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नामित किया जाता है। बोर्ड के सदस्यों के लिए परियोजना/संयंत्र स्थल का दौरा भी आयोजित किया जाता है।

9. लेखा समिति

लेखापरीक्षा समिति का गठन वर्ष 2001 में किया गया था और आवश्यकता पड़ने पर इसका पुनर्गठन किया गया है। चूंकि 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया था, इसलिए 09–11–2024 को लेखा परीक्षा समिति इस प्रकार थी:

क्र सं	नाम	अध्यक्ष/सदस्य श्रेणी	(स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1	श्री. बिमल चंद ओसवाल	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2	डॉ. विवेक नंद पासवान	सदस्य	स्टैंडअलोन
3	श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिलाओं की रिक्ति को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई उद्दाम। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने पहले ही बिजली मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था।

9 नवंबर, 2024 तक पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ बोर्ड की समितियों का विधिवत गठन किया गया था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024–25 में 9 नवंबर, 2024 को नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल पूरा होने के बाद नीपको के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं था। इसलिए, 31 मार्च, 2025 को लेखा परीक्षा समिति इस प्रकार थी:

क्र सं	नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी
2	श्री बी. महाराणा, निदेशक (वित्त)	कार्यकारी
3	श्री आर. शर्मा, निदेशक (तकनीकी)	कार्यकारी
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त)	कार्यकारी

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसी को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में निम्नलिखित स्टैंडअलोन निदेशकों की पर्याप्त संख्या के साथ लेखा परीक्षा समिति का विधिवत गठन किया गया है:

नाम	अध्यक्ष/सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1. श्री लखन लाल साहू	अध्यक्ष	स्वत
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	सदस्य	स्टैंडअलोन
3. श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

वर्ष 2024–25 के दौरान ऑडिट कमेटी की 6 बार बैठक हुई। बैठकों में निंदेशक (वित्त) प्रमुख ने भी भाग लिया विशेष आमंत्रितों के रूप में आंतरिक लेखा परीक्षा और सांविधिक लेखा परीक्षक। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है। वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति समीक्षा इस प्रकार है:

क्र. सं.	नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)	सदस्यों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	बैठकों में भाग लिया
1	श्री. बिमल चंद ओसवाल	स्टैंडअलोन	4	4
2	डॉ. विवेक नंद पासवान	स्टैंडअलोन	4	4
3	श्री जयकुमार श्रीनिवासन	गैर–कार्यकारी	1	1
4	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी	5	5

लेखापरीक्षा समिति के कार्यवृत्त को सूचना के लिए बोर्ड के समक्ष रखा गया था। लेखापरीक्षा समिति के संदर्भ की शर्तें इस प्रकार हैं:

1) बोर्ड को इसके निरीक्षण कार्यों में सहायता करने के लिए:
   (क) लेखापरीक्षित और गैर लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों में निहित प्रकटीकरणों की गुणवत्ता और सत्यनिष्ठा।
   (ख) कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन।
   (ग) बाहरी लेखा परीक्षकों की योग्यता, अनुभव, प्रदर्शन और स्टैंडअलोनता।
   (घ) समय–समय पर स्थापित आंतरिक नियंत्रणों की अखंडताय तथा।
   (ङ) कंपनी का निवेश।
2) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 में निर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में किसी भी मामले की जांच करने के लिए या बोर्ड द्वारा इसे संदर्भित करने के लिए और इस उद्देश्य के लिए, कंपनी के रिकॉर्ड में निहित जानकारी तक पूरी पहुंच होगी और यदि आवश्यक हो तो बाहरी पेशेवर सलाह लें।
3) इसके संदर्भ की शर्तों के भीतर किसी भी गतिविधि की जांच करना।
4) कर्मचारियों सहित किसी भी स्रोत से जानकारी प्राप्त करना।
5) यदि आवश्यक हो तो बाहरी कानूनी या अन्य पेशेवर सलाह प्राप्त करना।
6) प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले बाहरी लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करना, यदि यह आवश्यक समझता है।
7) सीटी बजाने वालों की रक्षा करना।
8) लेखा परीक्षा समिति की भूमिका में निम्नलिखित शामिल होंगे:
   क) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया और इसकी वित्तीय जानकारी के प्रकटीकरण की देखरेख करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय हैं।
   ख) अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले तिमाही/छमाही वित्तीय विवरणों की प्रबंधन के साथ समीक्षा करना।
   ग) अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन, वार्षिक वित्तीय विवरणों और लेखा परीक्षकों के साथ समीक्षा करना, विशेष संदर्भ के साथ:
   घ) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के खंड (3) (ग) के संदर्भ में बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले निदेशकों के उत्तरदायित्व विवरण में शामिल किए जाने वाले मामले।
   ङ) लेखांकन नीतियों और प्रथाओं में परिवर्तन, यदि कोई हो और उसके कारण।
   च) प्रबंधन द्वारा निर्णय के अभ्यास के आधार पर अनुमानों को शामिल करने वाली प्रमुख लेखा प्रविष्टियाँ।
   छ) लेखापरीक्षा निष्कर्षों से उत्पन्न वित्तीय विवरणों में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन।
   ज) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानकों का अनुपालन।
      (i) वित्तीय विवरणों से संबंधित कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन।
   झ) किसी भी संबंधित पार्टी लेनदेन का प्रकटीकरणय तथा।
   ट) लेखा परीक्षा रिपोर्ट के मसौदे में योग्यताएँ।

9) लेखापरीक्षा

क) आंतरिक लेखापरीक्षा:

- प्रबंधन के साथ आंतरिक लेखा परीक्षकों (बाहरी फर्मों) के प्रदर्शन और आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्त की समीक्षा करना।
- आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, कर्मचारीगण और विभाग प्रमुख अधिकारी की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और इस तरह के लेखापरीक्षा की आवृत्ति सहित आंतरिक लेखापरीक्षा (घर में) कार्य, यदि कोई हो, की पर्याप्त की समीक्षा करना।
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई।
- लेखा परीक्षा और अन्य सेवाओं, यदि कोई हो, के लिए आंतरिक लेखा परीक्षकों के लिए बोर्ड की नियुक्ति और शुल्क निर्धारित करने की सिफारिश करना।

ख) सांविधिक लेखापरीक्षा और शाखा लेखापरीक्षा:

- लेखापरीक्षा शुरू होने से पहले सांविधिक लेखापरीक्षकों और शाखा लेखापरीक्षकों के साथ किसी भी चिंता के क्षेत्र का पता लगाने के लिए लेखापरीक्षा की प्रकृति और दायरे के साथ–साथ लेखापरीक्षा के बाद की चर्चा के बारे में चर्चा करें।
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर सांविधिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई।
- बोर्ड को सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षा शुल्क निर्धारित करने की सिफारिश करना।
- वैधानिक लेखा परीक्षकों को उनके द्वारा प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवा (लेखा परीक्षा के अलावा) के लिए भुगतान की मंजूरी।

- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 144 और अन्य लागू प्रावधानों, यदि कोई हों, के अनुसार लेखा परीक्षक की नियुक्ति की शर्तों, लेखा परीक्षक द्वारा अन्य सेवाएं प्रदान करने के लिए अनुमोदन की सिफारिश करना।

ग) लागत लेखा परीक्षा और कर लेखा परीक्षाः

बोर्ड को सिफारिश करना, नियुक्ति, पुनः नियुक्ति और यदि आवश्यक हो, लागत लेखा परीक्षकों और कर लेखा परीक्षकों के प्रतिस्थापन या निष्कासन और लेखा परीक्षा शुल्क और नियुक्ति की अन्य शर्तों का निर्धारण।

10) लेखा परीक्षकों की स्टैंडअलोनता और प्रदर्शन और लेखा परीक्षा प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना।

11) प्रत्येक आरक्षण या उसमें निहित योग्यता पर पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण के साथ लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा करें और विचार के लिए बोर्ड को रिपोर्ट की सिफारिश करें।

12) स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक, आंतरिक लेखा परीक्षक और निदेशक मंडल के बीच संचार का एक खुला मार्ग प्रदान करें।

13) कवरेज की पूर्णता, अनावश्यक प्रयासों में कमी और सभी ऑडिट संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए ऑडिट प्रयासों के समन्वय की स्टैंडअलोन ऑडिटरों के साथ समीक्षा करें।

14) स्टैंडअलोन लेखा परीक्षकों और प्रबंधन के साथ निम्नलिखित पर विचार और समीक्षा करें:

क) कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रणाली नियंत्रण और सुरक्षा सहित आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्त, और

ख) प्रबंधन प्रतिक्रियाओं के साथ स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक और आंतरिक लेखा परीक्षक के संबंधित निष्कर्ष और सिफारिशें।

15) प्रबंधन, आंतरिक लेखा परीक्षक और स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक के साथ निम्नलिखित पर विचार और समीक्षा करें:

क) वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण निष्कर्ष, जिसमें पिछली लेखापरीक्षा सिफारिशों की स्थिति भी शामिल है।

ख) गतिविधियों के दायरे या आवश्यक जानकारी तक पहुंच पर किसी भी प्रतिबंध सहित ऑडिट कार्य के दौरान आने वाली कोई भी कठिनाइयाँ।

16) सरकारी लेखापरीक्षा–सी एंड एजी लेखापरीक्षा की लेखापरीक्षा टिप्पणियों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना।

17) आंतरिक लेखा परीक्षकोंध्वैधानिक लेखा परीक्षकों/अन्य एजेंसियों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा करना जहाँ धोखाधड़ी या अनियमितता या भौतिक प्रकृति की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की विफलता का संदेह है और बोर्ड को मामले की रिपोर्ट करना।

18) जमाकर्ताओं, डिबेंचर धारकों, शेयरधारकों (घोषित लाभांश का भुगतान न करने के मामले में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों की जांच करना।

19) व्हिसल ब्लोअर तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना।

20) संसद की लोक उपक्रम समिति (सीओपीयू) की सिफारिशों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना।

21) हमारी कंपनी में सभी संबंधित पार्टी लेनदेन की समीक्षा और पूर्व–अनुमोदन करें। इस उद्देश्य के लिए, लेखा परीक्षा समिति एक ऐसे सदस्य को नामित कर सकती है जो संबंधित पक्ष के लेन–देन को पूर्व–अनुमोदित करने के लिए जिम्मेदार होगा।

22) कंपनी की वित्तीय नीतियों, वाणिज्यिक नीतियों और जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करें।

23) आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली का मूल्यांकन।

24) प्रबंधन के साथ समीक्षा करना, किसी मुद्दे (सार्वजनिक मुद्दा, सही मुद्दा, तरजीही मुद्दा आदि) के माध्यम से जुटाई गई धनराशि के उपयोगध्आवेदन का विवरण। प्रस्ताव दस्तावेज/विवरण–पत्र/सूचना में बताए गए प्रयोजनों के अलावा अन्य प्रयोजनों के लिए उपयोग की गई निधियों का विवरण और किसी सार्वजनिक या सही मुद्दे की आय के उपयोग की निगरानी करने वाली निगरानी एजेंसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और इस मामले में कदम उठाने के लिए बोर्ड को उचित सिफारिशें करना।

25) अंतर–निगमित ऋणों और निवेशों की जांच।

26) कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहाँ भी आवश्यक हो।

27) संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन का अनुमोदन या कोई बाद में संशोधन।

28) निम्नलिखित जानकारी की समीक्षा करें:

क) वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों की प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण।

ख) प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत महत्वपूर्ण संबंधित पक्ष लेनदेन (लेखा परीक्षा समिति द्वारा परिभाषित) का विवरण।

ग) वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा जारी आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों के प्रबंधन पत्र।

घ) आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों से संबंधित आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

ङ) आंतरिक लेखा परीक्षकों/मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति, निष्कासन और पारिश्रमिक की शर्तेंय और

च) मुख्य कार्यपालक/मुख्य वित्त अधिकारी द्वारा वित्तीय विवरणों का प्रमाणन/घोषणा

29) बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों और वित्तीय विवरण की समीक्षा सहित आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों, लेखा परीक्षा के दायरे के बारे में लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों के लिए कॉल करना और आंतरिक और वैधानिक लेखा परीक्षकों और कंपनी के प्रबंधन के साथ किसी भी संबंधित मुद्दे पर चर्चा करना।

30) यदि लागू हो तो स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत निगरानी एजेंसी

की रिपोर्ट सहित विचलन के लिए त्रैमासिक विवरण की समीक्षा।

31) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 247 के अनुसार पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता की नियुक्ति और नियम और शर्तें निर्धारित करना।

32) इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के भंडारण, पुनर्प्राप्ति, प्रदर्शन या प्रिंटआउट के लिए एक उचित प्रणाली बनाए रखने पर सलाह और मूल्यांकन करें।

33) आंतरिक लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए दायरे, कार्यप्रणाली, आवधिकता और कार्यप्रणाली के निर्माण के लिए आंतरिक लेखा परीक्षक से परामर्श करें।

34) लेखा परीक्षा समिति कंपनी के लेखा परीक्षकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में सुनवाई का अधिकार देगी जब वह लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर विचार करेगी।

35) लेखा परीक्षा समिति वास्तविक चिंताओं या शिकायतों की रिपोर्ट करने के लिए निदेशकों और कर्मचारियों के लिए स्थापित सतर्कता तंत्र की देखरेख करेगी और ऐसे तंत्र का उपयोग करने वाले कर्मचारियों और निदेशकों के उत्पीड़न के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगी। लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष उपयुक्त और असाधारण मामलों में सीधे उपलब्ध होंगे। निदेशक या कर्मचारी द्वारा बार–बार तुच्छ शिकायतें दर्ज किए जाने के मामले में, लेखा परीक्षा समिति संबंधित निदेशक या कर्मचारी के खिलाफ फटकार सहित उपयुक्त कार्रवाई कर सकती है। समय–समय पर सीवीसी/डीपीई/अन्य प्राधिकरणों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के संदर्भ में नामांकन/प्रस्ताव के आधार पर दिए गए अनुबंधों की समीक्षा करें।

36) ऐसे अन्य कार्यों को पूरा करना जो विशेष रूप से कंपनी के निदेशक मंडल और/या निदेशक मंडल की अन्य समितियों द्वारा समिति को निर्दिष्ट किए जा सकते हैं।

37) कंपनी के बजट अनुमान, संशोधित अनुमान की समीक्षा करें और बोर्ड को विचार के लिए इसकी सिफारिश करें।

38) अधिनियमों, नियमों, सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 आदि के अनुसार ऐसी सभी अन्य भूमिकाएं। जो समय–समय पर लेखापरीक्षा समिति के लिए विहित किया जाए।

10. नामांकन और पुनरूद्धार समिति

नामांकन और पारिश्रमिक समिति का गठन भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के वेतन संशोधन पर ओएम और सरकारी कंपनी पर लागू कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के संदर्भ में किया गया है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के संदर्भ की शर्तें इस प्रकार हैं:

i) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित सीमा के भीतर अधिकारियों (बोर्ड स्तर के अधिकारियों सहित) और गैर–संघीकृत पर्यवेक्षकों में इसके वितरण के लिए वार्षिक बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल प्रदर्शन संबंधी वेतन (पीआरपी) और नीति तय करना।

ii) उन व्यक्तियों की पहचान करना जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है, और निदेशक मंडल को उनकी नियुक्ति और हटाने की सिफारिश करना।

iii) निगम द्वारा की जाने वाली किसी भी नई नियुक्ति के लिए अनुमोदन।

इसके अलावा, विनियमन 19 सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के संदर्भ में, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की भूमिका में अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:

(1) निदेशक की योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं और स्टैंडअलोनता को निर्धारित करने के लिए मानदंड तैयार करना और निदेशक मंडल को निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति की सिफारिश करनाय

(क) एक स्टैंडअलोन निदेशक की प्रत्येक नियुक्ति के लिए, नामांकन और पारिश्रमिक समिति बोर्ड में कौशल, ज्ञान और अनुभव के संतुलन का मूल्यांकन करेगी और ऐसे मूल्यांकन के आधार पर, एक स्टैंडअलोन निदेशक की आवश्यक भूमिका और क्षमताओं का विवरण तैयार करेगी। स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए बोर्ड को अनुशंसित व्यक्ति के पास इस तरह के विवरण में पहचानी गई क्षमताएं होंगी। उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने के उद्देश्य से, समिति निम्न कार्य कर सकती है:

क. यदि आवश्यक हो तो बाहरी एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करें।

ख. विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों पर विचार करें; और

ग. उम्मीदवारों की समय प्रतिबद्धताओं पर विचार करें।

(2) स्टैंडअलोन निदेशकों और निदेशक मंडल के निष्पादन के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना; निदेशक मंडल की विविधता पर एक नीति तैयार करनाय

(4) उन व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक बनने के योग्य हैं और जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है, और निदेशक मंडल को उनकी नियुक्ति और हटाने की सिफारिश करना।

(5) स्टैंडअलोन निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन की रिपोर्ट के आधार पर स्टैंडअलोन निदेशक की नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाना या जारी रखना।

(6) वरिष्ठ प्रबंधन को देय सभी पारिश्रमिक, किसी भी रूप में, बोर्ड को अनुशंसित करें।

सेबी एलओडीआर, 2015 के अनुसार, "वरिष्ठ प्रबंधन" का अर्थ सूचीबद्ध इकाई के अधिकारी और कर्मी होंगे, जो निदेशक मंडल को छोड़कर इसकी मुख्य प्रबंधन टीम के सदस्य हैं, और इसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी या प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंधक (मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंधक सहित, यदि वे निदेशक मंडल का हिस्सा नहीं हैं) से एक स्तर नीचे के प्रबंधन के सभी सदस्य भी शामिल होंगे और इसमें विशेष रूप से कार्यात्मक प्रमुख शामिल होंगे, चाहे उन्हें किसी भी नाम से जाना जाए और कंपनी सचिव और मुख्य वित्तीय अधिकारी।

इसके अलावा, निदेशक मंडल ने 10–08–2022 को आयोजित अपनी 272 वीं बोर्ड बैठक में सुझाव दिया था कि वित्तीय निहितार्थ वाले सभी कर्मचारी/जजमानव संसाधन संबंधी एजेंडों को पहले बोर्ड की मंजूरी से पहले विस्तृत चर्चा के लिए नामांकन और पारिश्रमिक समिति की बैठक पुनर्विचार किया गया था। 2 (दो)

स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा होने के बाद से 09–11–2024 को नामांकन और पारिश्रमिक समिति इस प्रकार थी:

नाम	अध्यक्ष/सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1. डॉ. विवेक नंद पासवान	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	सदस्य	स्टैंडअलोन
3. श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की रिक्ति को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई विद्युत मंत्रालय/भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग में चल रही थी। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने पहले ही बिजली मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था।

9 नवंबर, 2024 तक पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ बोर्ड की समितियों का विधिवत गठन किया गया था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024–25 में 9 नवंबर, 2024 को नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल पूरा होने के बाद नीपको के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं था। इसलिए, 31 मार्च, 2025 को नामांकन और पारिश्रमिक समिति इस प्रकार थी:

नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1. श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी
2. श्री बी. महाराणा, निदेशक (वित्त)	कार्यकारी
3. श्री आर. शर्मा, निदेशक (तकनीकी)	कार्यकार
4. मेजर जनरल राजेश कुमार झा एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त) निदेशक (कार्मिक)	कार्यकारी

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसी को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में बोर्ड की समितियों का विधिवत रूप से पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ गठन किया गया है:

नाम	अध्यक्ष/सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
श्री लखन लाल साहू	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
श्री बिमल चंद ओसवाल	सदस्य	स्टैंडअलोन
श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी

निगम के कर्मचारियों को पारिश्रमिक का भुगतान भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी प्रासंगिक दिशानिर्देशों द्वारा निर्देशित किया जाता है। वर्ष 2024–25 के दौरान नामांकन और पारिश्रमिक समिति की 4 (चार) बैठकें हुईं।

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान नामांकन और पारिश्रमिक समिति में निदेशकों की उपस्थिति निम्नानुसार है।

क्र. सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)	सदस्यों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	बैठकों में भाग लिया
1	डॉ. विवेक नंद पासवान	स्टैंडअलोन	4	4
2	श्री जयकुमार श्रीनिवासन *	गैर–कार्यकारी	1	1
3	श्री बिमल चंद ओसवाल	स्टैंडअलोन	4	4
4	श्री वीरेंद्र मलिक #	गैर–कार्यकारी	3	3

वर्ष के दौरान नियुक्त #

वर्ष के दौरान समाप्ति *

11. स्टाकहोल्डर्स संबंध समिति

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान हितधारक संबंध समिति पर पुनर्विचार किया गया था। चूंकि 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ, इसलिए 09–11–2024 तक हितधारक संबंध समिति इस प्रकार है:

क्र. सं.	नाम	अध्यक्ष/सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1	डॉ. विवेक नंद पासवान	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2	श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी
3	श्री बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त)	सदस्य	कार्यकारी
4	श्री पीयूश सिंह	सदस्य	गैर–कार्यकारी

नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की रिक्ति को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई विद्युत मंत्रालय/भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग में चल रही थी। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने पहले ही बिजली मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था।

9 नवंबर, 2024 तक पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ बोर्ड की समितियों का विधिवत गठन किया गया था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024–25 में 9 नवंबर, 2024 को नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल पूरा होने के बाद नीपको के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं था। इसलिए, 31 मार्च, 2025 को हितधारक संबंध समिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन/कार्यकारी/गैर–कार्यकारी)
1	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी
2	श्री बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त)	कार्यकारी
3	श्री पीयूश सिंह	कार्यकारी

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसी को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में हितधारक संबंध समिति का विधिवत रूप से पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ गठन किया गया है:

क्र. सं.	नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री लखन लाल साहू	अध्यक्ष	स्टैंडअलोन
2	श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी
3	श्री बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त)	सदस्य	कार्यकारी
4	श्री पीयूश सिंह	सदस्य	गैर–कार्यकारी

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान 05–11–2024 को हितधारक संबंध समिति की 1 (एक) बैठक आयोजित की गई थी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हितधारक संबंध समिति में निदेशकों की उपस्थिति निम्नानुसार है।

क्र. सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)	सदस्यों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	बैठकों में भाग लिया
1	डॉ. विवेक नंद पासवान #	स्टैंडअलोन	1	1
2	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी	1	1
3	श्री बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त)	कार्यकारी	1	1
4	श्री पीयूश सिंह	गैर–कार्यकारी	1	0

#वर्ष के दौरान बंद कर दिया।

हितधारक संबंध समिति की भूमिका में अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित शामिल होंगे: –

(1) सूचीबद्ध इकाई के प्रतिभूति धारकों की शिकायतों का समाधान करना जिसमें शेयरों के हस्तांतरण / संचरण से संबंधित शिकायतें, वार्षिक रिपोर्ट की प्राप्ति न होना, घोषित लाभांश की प्राप्ति न होना, नए / डुप्लिकेट प्रमाण पत्र जारी करना, आम बैठकें आदि शामिल हैं।

(2) शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकारों के प्रभावी प्रयोग के लिए किए गए उपायों की समीक्षा।

(3) रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में सूचीबद्ध इकाई द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के पालन की समीक्षा।

(4) गैर–दावा किए गए लाभांश की मात्रा को कम करने और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट / वार्षिक रिपोर्ट / वैधानिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सूचीबद्ध इकाई द्वारा किए गए विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा।

12. निगम कार्यालय का नाम और डिजाइन

निदेशक मंडल ने 10 जून, 2021 को आयोजित अपनी 264वीं बोर्ड बैठक में श्री अबिनोम पानू रोंग, कंपनी सचिव को सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियमन 6 के संदर्भ में कंपनी का कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी नियुक्त किया है। अनुपालन अधिकारी का संपर्क विवरण इस प्रकार है:

श्री अबिनोम पानू रोंग
कंपनी सचिव–सह–अनुपालन अधिकारी नीपको लिमिटेड।
ब्रूकलैंड कम्पाउंड
लोअर न्यू कॉलोनी
शिलांग–793003
मेघालय
फोन नंबर. 0364–2228652

ईमेल : *company&secy@neepco-co-in*

13. निवेशक शोक

कंपनी ने हमेशा अपने निवेशकों के संबंधों को महत्व दिया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान प्राप्त, हल की गई और निपटाई गई शिकायतों का विवरण इस प्रकार है:

वित्त वर्ष की शुरुआत में लंबित निवेशकों की शिकायतों की संख्या अर्थात 1 अप्रैल, 2024 को	शून्य
वित्त वर्ष की शुरुआत में लंबित निवेशकों की शिकायतों की संख्या अर्थात 1 अप्रैल, 2024 को	शून्य
वित्त वर्ष के दौरान निपटाई गई निवेशकों की शिकायतों की संख्या	शून्य
वित्त वर्ष के अंत में लंबित निवेशकों की शिकायतों की संख्या अर्थात 31 मार्च, 2025 का	शून्य

14. कॉरपोसेवानिवृत सामाजिक उत्तरदायित्व समिति

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति पर पुनर्विचार किया गया था। 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा होने के बाद से 09–11–2024 तक कॉरपोसेवानिवृत सामाजिक उत्तरदायित्व समिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री बिमल चंद ओसवाल	सभापति	स्टैंडअलोन निदेशक
2	डॉ. विवेक नंद पासवान	सदस्य	स्टैंडअलोन निदेशक
3	श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी
4	श्री रनेन्द्र शर्मा	सदस्य	निदेशक (तकनीकी)
5	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त)	सदस्य	निदेशक (कार्मिक)

नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की रिक्ति को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई विद्युत मंत्रालय / भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग में चल रही थी। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने पहले ही बिजली मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था।

9 नवंबर, 2024 तक पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ बोर्ड की समितियों का विधिवत गठन किया गया था। हालांकि, वित्त वर्ष 2024–25 में 9 नवंबर, 2024 को नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल पूरा होने के बाद नीपको के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं था। इसलिए, 31 मार्च, 2025 को सीएसआर समिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यकारी
2	श्री रनेन्द्र शर्मा	निदेशक (तकनीकी)
3	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसी को ध्यान में रखते हुए, अब सीएसआर समिति का विधिवत रूप से पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ गठन किया गया है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री बिमल चंद ओसवाल	सभापति	स्टैंडअलोन निदेशक
2	श्री लखन लाल साहू	सदस्य	स्टैंडअलोन निदेशक
3	श्री वीरेंद्र मलिक	सदस्य	गैर–कार्यकारी
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त)	सदस्य	निदेशक (कार्मिक)

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति ने 23–07–2024 और 03–03–2025 को वर्ष के दौरान 2 (दो) बार बैठक की। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति में निदेशकों की उपस्थिति निम्नानुसार है –

क्र. सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)	सदस्यों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	बैठकों में शिरकत की
1	श्री. बिमल चंद ओसवाल #	स्टैंडअलोन	1	1
2	डॉ. विवेक नंद पासवान #	स्टैंडअलोन	1	1
3	श्री रनेन्द्र शर्मा	कार्यकारी	2	2
4	श्री जयकुमार श्रीनिवासन #	गैर–कार्यकारी	1	1
5	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम ** (सेवानिवृत्त)	कार्यकारी	2	2
6	श्री वीरेंद्र मलिक $	गैर–कार्यकारी	1	1

#वर्ष के दौरान बंद कर दिया

वर्ष के दौरान नियुक्त

कॉरपोसेवानिवृत सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तृत प्रकटीकरण **संलग्नक–10** के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

15. जोखिम प्रबंधन समिति

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान जोखिम प्रबंधन समिति पर पुनर्विचार किया गया था। चूंकि 2 (दो) स्टैंडअलोन निदेशक का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हो गया था, इसलिए 09–11–2024 तक जोखिम प्रबंधन समिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री रनेन्द्र शर्मा , निदेशक (तकनीकी)	सभापति	निदेशक (तकनीकी)
2	श्री के. शनमुगा सुंदरम	सदस्य	गैर–कार्यकारी
3	डॉ. विवेका नंद पासवान	सदस्य	स्टैंडअलोन निदेशक
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम * * (सेवानिवृत्त)	सदस्य	निदेशक (कार्मिक)

हालांकि, नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ था। स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की रिक्ति को भरने के लिए नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई विद्युत मंत्रालय / भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग में चल रही थी। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के तहत एक सरकारी कंपनी होने के नाते, एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और निदेशकों की नियुक्ति में कंपनी की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने पहले ही बिजली मंत्रालय को कई बार स्टैंडअलोन निदेशकों और महिला निदेशक की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा था।

9 नवंबर, 2024 तक पर्याप्त संख्या में स्टैंडअलोन निदेशकों के साथ बोर्ड की समितियों का गठन किया गया था। हालांकि, नीपको के बोर्ड में स्टैंडअलोन निदेशक श्री बिमल चंद ओसवाल और स्टैंडअलोन निदेशक डॉ. विवेक नंद पासवान का कार्यकाल 9 नवंबर, 2024 को पूरा हुआ था। 31 मार्च, 2025 तक कंपनी के बोर्ड में कोई स्टैंडअलोन निदेशक नहीं था। इसलिए, 31 मार्च, 2025 को जोखिम प्रबंधन समिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री रनेन्द्र शर्मा , निदेशक (तकनीकी)	सभापति	निदेशक (तकनीकी)
2	श्री के. शणमुघा सुंदरम	सदस्य	गैर–कार्यकारी
3	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम * * (सेवानिवृत्त)	सदस्य	निदेशक (कार्मिक)

हालांकि, विद्युत मंत्रालय ने 17 अप्रैल, 2025 के पत्र के माध्यम से श्री बिमल चंद ओसवाल और श्री लखन लाल साहू को एक वर्ष की अवधि के लिए नीपको के स्टैंडअलोन निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उसी को ध्यान में रखते हुए, अब जोखिम प्रबंधन समिति का विधिवत गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित स्टैंडअलोन निदेशक पर्याप्त संख्या में हैं:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	अध्यक्ष / सदस्य	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)
1	श्री रनेन्द्र शर्मा , निदेशक (तकनीकी)	सभापति	निदेशक (तकनीकी)
2	श्री के. शणमुघा सुंदरम	सदस्य	गैर–कार्यकारी
3	श्री लखन लाल साहू	सदस्य	स्टैंडअलोन निदेशक
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम * * (सेवानिवृत्त)	सदस्य	निदेशक (कार्मिक)

जोखिम प्रबंधन समिति ने 08–04–2024 और 11–09–2024 को वर्ष के दौरान 2 (दो) बार बैठक की। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान जोखिम प्रबंधन समिति में निदेशकों की उपस्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	श्रेणी (स्टैंडअलोन / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)	सदस्यों के संबंधित कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	बैठकों में भाग लिया
1	श्री रनेन्द्र शर्मा	कार्यकारी	2	2
2	श्री शंभू नाथ त्रिपाठी #	गैर–कार्यकारी	2	2
3	डॉ. विवेक नंद पासवान #	स्टैंडअलोन	2	2
4	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम * * (सेवा. निवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)	2	2

#वर्ष के दौरान बंद कर दिया।

जोखिम प्रबंधन समिति के पास इच्छित परिणामों को प्राप्त करने के लिए संगठन के संचालन के साथ रणनीतिक उद्देश्यों को संरेखित करने की प्रमुख भूमिका है।

जोखिम प्रबंधन समिति की भूमिका में अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित शामिल होंगे:

(1) एक विस्तृत जोखिम प्रबंधन नीति तैयार करने के लिए जिसमें शामिल होंगे:

(क) सूचीबद्ध इकाई द्वारा विशेष रूप से सामना किए जाने वाले आंतरिक और बाहरी जोखिमों की पहचान के लिए एक रूपरेखा, विशेष रूप से वित्तीय, परिचालन, क्षेत्रीय, स्थिरता (विशेष रूप से, ईएसजी से संबंधित जोखिम) जानकारी, साइबर सुरक्षा जोखिम या कोई अन्य जोखिम जो समिति द्वारा निर्धारित किया जा सकता है।

(ख) पहचाने गए जोखिमों के आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं सहित जोखिम शमन के उपाय।

(ग) व्यवसाय निरंतरता योजना।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए कि कंपनी के व्यवसाय से जुड़े जोखिमों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए उपयुक्त कार्यप्रणाली, प्रक्रियाएं और प्रणालियां हैंय

(3) जोखिम प्रबंधन प्रणाली की पर्याप्त का मूल्यांकन करने सहित जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन की निगरानी और निरीक्षण करनाय

(4) जोखिम प्रबंधन नीति की समय–समय पर समीक्षा करना, कम से कम दो वर्षों में एक बार, जिसमें उद्योग की बदलती गतिशीलता और विकसित जटिलता पर विचार करना शामिल हैय

(5) निदेशक मंडल को अपनी चर्चाओं, सिफारिशों और की जाने वाली कार्रवाइयों की प्रकृति और सामग्री के बारे में सूचित करनाय

(6) मुख्य जोखिम अधिकारी (यदि कोई हो) की नियुक्ति, निष्कासन और पारिश्रमिक की शर्तें जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा के अधीन होंगी।

जोखिम प्रबंधन समिति अन्य समितियों के साथ अपनी गतिविधियों का समन्वय करेगी, ऐसे उदाहरणों में जहाँ निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित ढांचे के अनुसार ऐसी समितियों की गतिविधियों के साथ कोई ओवरलैप होता है।

16. 31–07–2025 को निदेशकों के बोर्ड की अन्य समितियाँ

क्र. सं.	समिति का नाम	नाम / डिजाइन	निदेशक पद की प्रकृति
1	**निदेशक मंडल की उप–समिति (सीओडी)**	श्री रनेन्द्र शर्मा श्री बिमल चंद ओसवाल श्री गौतम देब श्री बी. महाराणा	निदेशक (तकनीकी) स्टैंडअलोन निदेशक एनटीपीसी नामित निदेशक निदेशक (वित्त)
2	**नवीकरणीय ऊर्जा पर समिति**	श्री रनेन्द्र शर्मा श्री बिमल चंद ओसवाल श्री लखन लाल साहू श्री गौतम देब श्री बी. महाराणा	निदेशक (तकनीकी) स्टैंडअलोन निदेशक स्टैंडअलोन निदेशक एनटीपीसी नामित निदेशक निदेशक (वित्त)
3	**सतर्कता मामलों के लिए समिति**	श्री बिमल चंद ओसवाल श्री गौतम देब श्री रनेन्द्र शर्मा मेजर जनरल आर. के. झा, एवीएसएम * * (सेवानिवृत्त) सीवीओ स्थायी आमंत्रित के रूप में	स्टैंडअलोन निदेशक एनटीपीसी नामित निदेशक निदेशक (तकनीकी) निदेशक (कार्मिक) सीवीओ

क्र. सं.	समिति का नाम	नाम/डिजाइन	निदेशक पद की प्रकृति
4	**सरकार के नियमों और विनियमों के साथ समझौता सुनिश्चित करने के लिए समिति। भारत का**	श्री पीयूश सिंह श्री रनेन्द्र शर्मा मेजर जनरल आर.के. झा, एवीएसएम** (सेवानिवृत्त) श्री वीरेन्द्र मलिक श्री बिमल चंद ओसवाल	गोल नामांकित निदेशक निदेशक (तकनीकी) निदेशक (कार्मिक) एनटीपीसी नामित निदेशक स्टैंडअलोन निदेशक
5	**ठेकेदारों के साथ विवाद का विश्लेषण करने के लिए बोर्ड की उप–समिति**	श्री रनेन्द्र शर्मा श्री पीयूश सिंह श्री बी.महाराणा श्री गौतम देब श्री बिमल चंद ओसवाल	निदेशक (तकनीकी) गेल नामांकित निदेशक निदेशक (वित्त) एनटीपीसी नामित निदेशक स्टैंडअलोन निदेशक

17. निदेशकों की वापसी

हमारी कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते, निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक भारत के राष्ट्रपति द्वारा तय किया जाता है। इसलिए, निदेशक मंडल निदेशकों का पारिश्रमिक तय नहीं करता है। स्टैंडअलोन निदेशकों को बोर्ड की बैठकों के साथ–साथ समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित दर पर केवल बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है।

वर्ष 2024–25 के दौरान कंपनी के कार्यात्मक निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण नीचे दिया गया है:

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	नाम	पदनाम	वेतन और भत्ते	अंत में पीएफ और अन्य निधियों के लिए	अन्य लाभ	कुल
1	श्री गुरदीप सिंह	सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	श्री बैद्यनाथ महाराणा	निदेशक (वित्त)	97,07,093.00	8,92,236.00	5,63,365.00	1,11,62,694.00
4	श्री रनेन्द्र शर्मा	निदेशक (तकनीकी)	95,62,083.00	9,27,679.00	11,995.00	1,05,01,757.00
5	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम** (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)	63,72,729.00	8,59,185.00	7,93,494.00	80,25,408.00
कुल			**2,96,89,859.00**	**2,56,41,905.00**	**26,79,100.00**	**13,68,854.00**

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान स्टैंडअलोन निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के भुगतान का विवरण नीचे दिया गया है।

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक का विवरण	स्टैंडअलोन निदेशकों के नाम		कुल राशि
		श्री बिमल चंद ओसवाल	डॉ. विवेक नंद पासवान	
1	बैठक शुल्क	3,54,000.00	7,08,000.00	**10,62,000.00**

18. चर्चाएँ

निदेशकों या प्रबंधन आदि के साथ भौतिक प्रकृति का कोई लेन–देन नहीं होता था। जिनका बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव है। संबंधित पक्ष के प्रकटीकरण का विवरण खातों के हिस्से के रूप में नोटों में शामिल किया जाता है। कंपनी विनियामक प्राधिकरणों के कानूनों और दिशानिर्देशों के प्रावधानों का पालन करने में विशेष रही है।

19. आम सभा की बैठक

तिथि, समय और स्थान जहाँ पिछली तीन वार्षिक आम बैठकें आयोजित की गई थीं, वे इस प्रकार हैं:

वित्तीय वर्ष	एजीएम नं.	तिथि	समय.	स्थान
2021-22	46वीं एजीएम	19.09.2022	05:00 अपराह्न	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से
2022-23	47वीं एजीएम	15.09.2023	05:00 अपराह्न	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से
2023-24	48वीं एजीएम	16.09.2024	03:00 अपराह्न	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

कंपनी द्वारा अपनी पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) में पारित विशेष प्रस्ताव का विवरण इस प्रकार है:

एजीएम नं.	एजीएम की तिथि	विशेष प्रस्ताव पारित
46वीं एजीएम	19.09.2022	2023–24 के दौरान 1250 करोड़ रुपये के दीर्घकालिक उधार के लिए निगम की परिसंपत्तियों के बंधक और/या परिकल्पना के माध्यम से प्रतिभूति बनाना।
47वीं एजीएम	15.09.2023	2024–25 के दौरान 2100 करोड़ रुपये के दीर्घकालिक उधार के लिए निगम की परिसंपत्तियों के बंधक और/या परिकल्पना के माध्यम से प्रतिभूति बनाना।
48वीं एजीएम	16.09.2024	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 180 (1) (ग) के तहत चुकता पूंजी और मुक्त भंडार से अधिक बोर्ड की उधार लेने की शक्तियों को बढ़ाना।
		भुनाने योग्य गैर–परिवर्तनीय कर योग्य डिबेंचर के मुद्दे को मंजूरी देने के लिए अर्थात. नीपको पीएसयू बॉन्ड वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान रुपये.4000 करोड़ की सीमा तक लेकिन उससे अधिक नहीं और रुपये.4000.00 करोड़ के प्रस्तावित दीर्घकालिक उधार के लिए कंपनी की संपत्तियों के बंधक और/या हाइपोथेकेशन के माध्यम से प्रतिभूति बनाने के लिए।

20. सीईओ/सीएफओ प्रमाणन

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र इस रिपोर्ट के **अनुलग्नक–5बी** के रूप में संलग्न है।

21. संचार के साधन

कंपनी के वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और परिणाम द फाइनेंशियल एक्सप्रेस, जनसत्ता, द हिंदुस्तान टाइम्स, नवभारत टाइम्स आदि जैसे समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जाते हैं।

22. धोखाधड़ी और व्हिसटल ब्लावर नीति

कंपनी की एक धोखाधड़ी और व्हिसल ब्लोअर नीति है जो नीपको के कर्मचारियों और निदेशकों को किसी भी धोखाधड़ी या संदिग्ध धोखाधड़ी या आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने का अवसर प्रदान करती है। यह रिपोर्टर को उनकी रिपोर्टिंग के प्रतिशोध में किसी भी प्रतिकूल कार्रवाई से धोखाधड़ी या संदिग्ध धोखाधड़ी या आचार संहिता के उल्लंघन से भी बचाता है। इसके अलावा, यह नीति अपने कर्मचारियों और निदेशकों को ऑडिट समिति को अपनी वास्तविक चिंताओं या शिकायतों की रिपोर्ट करने का अवसर प्रदान करती है और ऑडिट समिति के अध्यक्ष तक सीधी पहुंच भी प्रदान करती है।

23. निदेशकों और कार्यालयों की देयता बीमा

नीपको के पास नीपको की एक निदेशक और अधिकारी देयता बीमा पॉलिसी है जो वर्तमान में ₹ 100 करोड़ की क्षतिपूर्ति सीमा/बीमित राशि के साथ शुरू की गई है।

24. शेयरहोल्डर्स जानकारी:

स्थापना के बाद से नीपको एक पूर्ण स्वामित्व वाला भारत सरकार का उद्यम था और भारत के राष्ट्रपति और इसके नामितों के पास कंपनी के 100% (सौ प्रतिशत) इक्विटी शेयर थे। हालांकि, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति (विक्रेता) और एनटीपीसी लिमिटेड (खरीदार) के बीच 25–03–2020 को एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। दिनांक 25–03–2020 के शेयर खरीद समझौते के अनुसरण में, नीपको के सभी शेयर भारत के राष्ट्रपति (अर्थात. भारत सरकार) और इसके नामित शेयरधारकों को 27–03–2020 को एनटीपीसी लिमिटेड और इसके नामित शेयरधारकों को स्थानांतरित कर दिया गया था। वर्तमान में एनटीपीसी लिमिटेड 6 (छह) अन्य शेयरधारकों के साथ संयुक्त रूप से नीपको विश्व आर्थिक मंच के 100% शेयर रखता है 27–03–2020।

25. संबंधित दलों के स्थानांतरण की सामग्री और संबंधित दलों के साथ लेनदेन पर नीति।

निदेशक मंडल ने 22.12.2022 को आयोजित अपनी 275वीं बोर्ड बैठक में संबंधित पार्टी लेनदेन की सामग्री और संबंधित पार्टी लेनदेन से निपटने पर नीति को मंजूरी दी है। वही वेबलिंक में भी उपलब्ध है: https://neepco-co-in/corporate&government&update

26. संपर्क विवरण के साथ 31.03.2024 को आश्रित न्यासियों के नाम

एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड
202, मेकर टावर 'ई', कफ परेड, मुंबई 400.005
फोन नंबर: 022–4302.5555, फैक्स नंबर: 022–4302.5500
ईमेल:: dt@sbicaptrustee.com

27. स्टैंडअलोन निदेशकों के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम

नेतृत्व के गुणों, ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए स्टैंडअलोन निदेशकों को समय–समय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उन्हें क्षेत्र के साथ–साथ कंपनी की बेहतर समझ प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है। शामिल किए जाने के समय, नए स्टैंडअलोन निदेशकों को प्रस्तुति, वार्षिक रिपोर्टों की प्रतियां, ज्ञापन और संघों के लेख, शक्ति प्रतिनिधिमंडल, ब्रोशर आदि प्रदान किए जाते हैं। समय–समय पर स्टैंडअलोन निदेशकों के लिए संयंत्र/परियोजना दौरे भी आयोजित किए जाते हैं। स्टैंडअलोन निदेशकों को दिए गए परिचित कार्यक्रम के विवरण का वेब–लिंक नीपका वेबसाइट में https://neepco.co.in/पर प्रदान किया गया है।

28. गैर–कार्यकारी निदेशकों द्वारा साझा और परिवर्तनीय निर्देश

गैर–कार्यकारी निदेशकों में से किसी के पास कंपनी में कोई शेयर या परिवर्तनीय साधन नहीं है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
एसडी/–
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 003070377

दिनांक: 12.08.2025

स्थान: नई दिल्ली

अनुलग्नक–3

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

आर्थिक और क्षेत्र दृष्टिकोणः

दुनिया के सबसे विविध क्षेत्रों में से एक होने के नाते, भारतीय बिजली क्षेत्र बढ़ती मांग, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन के जवाब में विकसित हुआ है। भारत के बिजली क्षेत्र ने 2024–25 में महत्वपूर्ण प्रगति देखी, जिसमें पीक डिमांड में पर्याप्त वृद्धि के माध्यम से हासिल की गई 250 गीगावाट की रिकॉर्ड–उच्च बिजली की मांग को पूरा करना शामिल है, जो 240 गीगावाट से बढ़कर 250 गीगावाट हो गया है। मांग में यह वृद्धि काफी हद तक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों द्वारा पूरी की गई, जिससे भारत विश्व स्तर पर तीसरे सबसे बड़ नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक के रूप में स्थापित हो गया। भारत 2031–32 तक गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन क्षमता को 5,00,000 मेगावाट से अधिक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

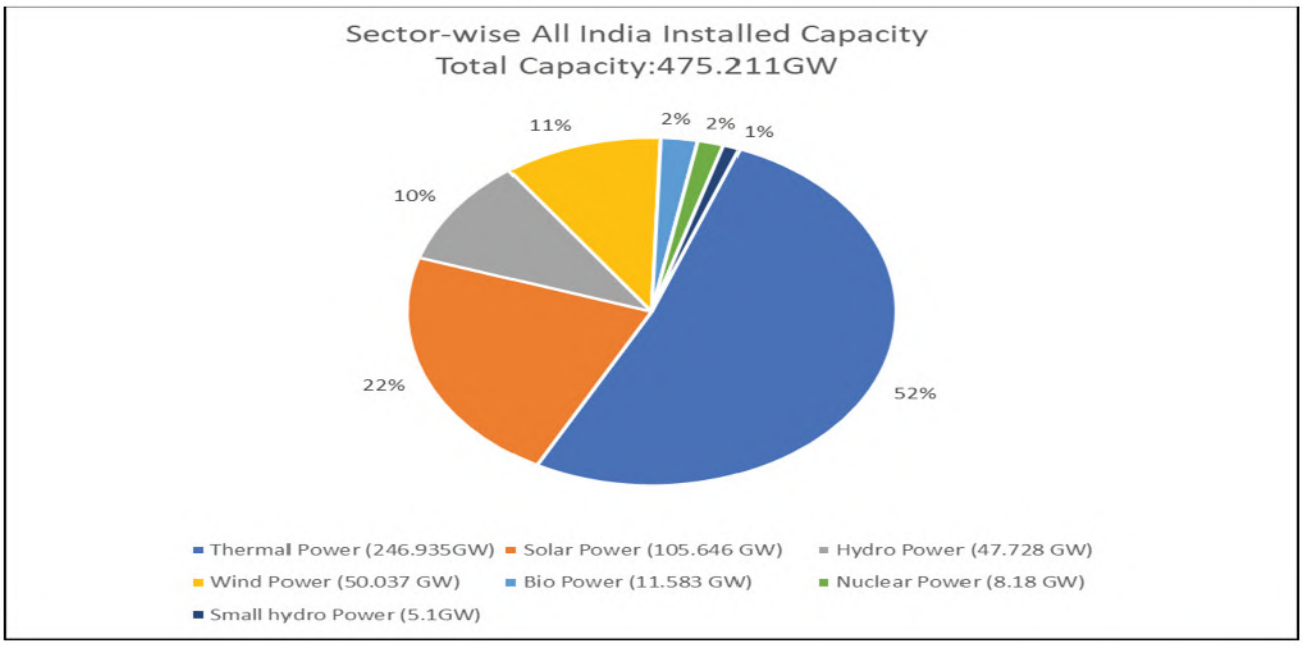
प्रत्येक देश की अपनी अनूठी विशेषताएँ और क्षेत्रीय शक्तियाँ होती हैं जो इसके समग्र आर्थिक विकास में योगदान करती हैं। 2023–24 में ₹176.51 लाख करोड़ की तुलना में 2024–25 में 187.95 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद के साथ, और 1 बिलियन से अधिक की आबादी द्वारा उत्पन्न, भारत दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या–आधारित अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसके अतिरिक्त, आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि 2024–25 में 6.2% और 2025–26 में 6.3% है। इससे पता चलता है कि अगले वित्तीय वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि सबसे तेज होगी और बढ़ती खपत और निवेश, घरेलू और विदेशी दोनों के साथ, भारत की स्थिति विश्व जीडीपी रैंकिंग सूची में अधिक बढ़ेगी।

अक्षय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि और एक मजबूत समग्र बिजली उत्पादन के साथ भारतीय बिजली क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस क्षेत्र ने पिछले वर्ष की तुलना में बिजली उत्पादन में 5.21% की वृद्धि के साथ एक मजबूत प्रदर्शन देखा। नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर और पवन ऊर्जा में प्रभावशाली वृद्धि देखी गई, जिसने भारत को स्वच्छ ऊर्जा मिश्रण की ओर ले जाने में योगदान दिया। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत का बिजली उत्पादन 1,829.69 बिलियन यूनिट (बीयू) के नए उच्च स्तर को छू गया, जो महामारी की मंदी के बाद से ऊपर की ओर प्रक्षेपवक्र की निरंतरता को दर्शाता है। यह वित्त वर्ष 2023–24 में उत्पन्न 1739.09 बीयू की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष 5.21% की वृद्धि दर्शाता है।

उद्योग निर्माण और विकासः

भारतीय बिजली क्षेत्र उद्योगों, घरों और बुनियादी ढांचे के लिए ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ–साथ औद्योगीकरण, शहरीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार का समर्थन करके देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का एक प्रमुख चालक है, जो औद्योगिक संचालन के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देता है।

भारत का बिजली क्षेत्र तेजी से विविध होता जा रहा है, जिसमें स्रोतों की एक विस्तृत श्रृंखला देश की बिजली की जरूरतों में योगदान दे रही है। भारत पारंपरिक और गैर–पारंपरिक दोनों स्रोतों से बिजली पैदा करता है। पारंपरिक स्रोतों में तापीय ऊर्जा (कोयला, लिग्नाइट, प्राकृतिक गैस और तेल) जलविद्युत और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। गैर–पारंपरिक या नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, बायोमास और अपशिष्ट से ऊर्जा शामिल हैं।



31 मार्च 2025 तक, भारत में कुल स्थापित क्षमता लगभग है। 475 गीगावॉट (स्रोतः सीईए कार्यकारी सारांश, मार्च 2025)

भारत ने पिछले 5 (पांच) वर्षों के दौरान 85 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि देखी है। सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता 2.63 गीगावॉट से बढ़कर 105.646 गीगावॉट हो गई है, जबकि पवन ऊर्जा की क्षमता 2015 से 2.36 गुना बढ़कर 21.136 गीगावॉट से 50. 037 गीगावॉट हो गई है।

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए, भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र ने 29.52 गीगावाट की रिकॉर्ड वार्षिक क्षमता वृद्धि दर्ज की है, और देश में कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता 31 मार्च 2025 तक 220.10 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 190.572 गीगावाट थी। यह प्रदर्शन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित "पंचामृत" लक्ष्यों के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में 2030 तक 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता प्राप्त करने के लक्ष्य की दिशा में भारत की निरंतर प्रगति को दर्शाता है।

सौर ऊर्जा में उल्लेखनीय वृद्धि सभी श्रेणियों में इस क्षेत्र के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। वर्ष के दौरान पवन ऊर्जा में भी निरंतर प्रगति देखी गई, जिसमें वित्त वर्ष 2023–24 में 3.25 गीगावॉट की तुलना में 4.15 गीगावॉट नई क्षमता जोड़ी गई। कुल संचयी स्थापित पवन क्षमता अब 50.04 गीगावॉट है, जो भारत के नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण में पवन ऊर्जा की भूमिका पर जोर देती है। जैव ऊर्जा और लघु जलविद्युत आवश्यक गति को बनाए रखना जारी रखती है और इस प्रकार सौर और पवन खंडों को पूरक बनाती है।

भारत 2030 तक अक्षय ऊर्जा से अपनी ऊर्जा आवश्यकता का 50% पूरा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसीएस) लक्ष्यों द्वारा निर्देशित स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश ने 2030 तक 500 गीगावॉट की गैर–जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता तक पहुंचने के लिए विशाल क्षमता वृद्धि की भी योजना बनाई है।

भारत के पारेषण और वितरण क्षेत्रों ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। वर्ष 2024–25 में 8,830 सीकेटी किलोमीटर और वर्ष 2024–25 के दौरान 86,433 एमवीए के अतिरिक्त 13,37,513 एमवीए परिवर्तन क्षमता के साथ 220 केवी और उससे अधिक की ट्रांसमिशन लाइनों की कुल लंबाई 4,94,374 सीकेटी किमी तक पहुंच गई है। 2014 से अंतर–क्षेत्रीय क्षमता 230% बढ़कर 1,18,740 मेगावाट हो गई है, जिससे देश भर में बेहतर बिजली वितरण की सुविधा है।

विद्युत क्षेत्र में प्रमुख सुधार, बिजली क्षेत्र में प्रमुख पहल और नियामक बदलावः

1. **जलविद्युत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायः** मांग में परिवर्तनों का तेजी से जवाब देने और आउटेज के दौरान बैकअप बिजली प्रदान करने की क्षमता के साथ हाइड्रो पावर के बहुआयामी लाभ एक स्थिर और विश्वसनीय ऊर्जा प्रणाली में इसके महत्व को और बढ़ाते हैं। इस क्षेत्र के लाभों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने लगभग 56.80 गीगावॉट (44.12 गीगावॉट की 31 पम्प भंडारण योजनाएं) की कुल स्थापित क्षमता के साथ 67 जलविद्युत योजनाओं को जोड़ने की परिकल्पना की है

   भारत सरकार द्वारा दूरदराज के स्थानों, पहाड़ी इलाकों, बुनियादी ढांचे की कमी, पर्यावरण संबंधी चिंताओं, भूमि अधिग्रहण, वित्तपोषण के मुद्दों और कानूनी बाधाओं आदि सहित जलविद्युत क्षेत्र के विकास में बाधा डालने वाले कारकों को दूर करने के लिए नीतिगत उपाय/पहल की गई हैं मार्च 2019 में, भारत सरकार ने उपायों को मंजूरी दी, अर्थात् बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के रूप में घोषित करना, हाइड्रो पावर परचेज ऑब्लिगेशंस (एचपीओ) टैरिफ युक्तिकरण उपायों के माध्यम से टैरिफ बढ़ाना, भंडारण एचईपी में बाढ़ मॉडरेशन के लिए बजटीय समर्थन और लागत के लिए बजटीय समर्थन सक्षम बुनियादी ढांचे, अर्थात, सड़कों और पुलों का निर्माण।

   11.09.2024 को, सरकार. भारत सरकार ने 12,461 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ जलविद्युत परियोजनाओं (एचईपी) के लिए आधारभूत संरचना को सक्षम बनाने की लागत के लिए बजटीय समर्थन की योजना में संशोधन को मंजूरी दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2024–25 से वित्त वर्ष 2031–32 तक लागू की जाएगी। इस योजना के तहत निम्नलिखित संशोधन किए गए थेः

   - सड़कों और पुलों के निर्माण के अलावा चार और वस्तुओं को शामिल करके सक्षम बुनियादी ढांचे की लागत के लिए बजटीय समर्थन का दायरा बढ़ाना अर्थात., के निर्माण के लिए होने वाली लागतः (i) राज्य/केंद्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी के पूलिंग सबस्टेशन के उन्नयन सहित पावर हाउस से निकटतम पूलिंग पॉइंट तक ट्रांसमिशन लाइन (ii) रोपवे (iii) रेलवे साइडिंग, और (iv) परियोजना की ओर जाने वाली मौजूदा सड़कों/पुलों को मजबूत करने सहित संचार बुनियादी ढांचा।
   - यह 25 मेगावाट से अधिक क्षमता की सभी जलविद्युत परियोजनाओं, निजी क्षेत्र की परियोजनाओं सहित कैप्टिव/मर्चेंट पीएसपी सहित सभी पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपीएस) पर लागू होगा, बशर्ते कि परियोजना को पारदर्शी आंधार पर आवंटित किया गया हो।
   - जिन परियोजनाओं के लिए 30.06.2028 तक पहला प्रमुख पैकेज का लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया गया
   - 200 मेगावाट तक की परियोजनाओं के लिए बजटीय सहायता की सीमा को संशोधित कर 1.0 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट और 200 मेगावाट से अधिक की क्षमता के लिए 200 करोड़ रुपये और 0.75 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट कर दिया गया है।

II. **पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं (एचईपी) के विकास के लिए राज्य सरकारों द्वारा इक्विटी भागीदारी की दिशा में केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) योजना को मंजूरी दी गई** 08.10.2024 को, भारत सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजनाओं (एचईपी) के विकास के लिए राज्य सरकारों को उनकी इक्विटी भागीदारी के लिए सीएफए को मंजूरी दी है, जो प्रति परियोजना अधिकतम 750 करोड़ रुपये के अधीन कुल परियोजना इक्विटी का 24% होगा। राज्य सरकार के साथ सीपीएसयू की सभी परियोजनाओं के लिए एक एकल संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी का गठन किया जाएगा। यह योजना वित्त वर्ष 2024–25 से वित्त वर्ष 2031–32 की अवधि के दौरान लागू की जाएगी।

III. विद्युत नियमों में 2024 का संशोधन बिजली उपभोक्ताओं को उनके

अधिकारों को निर्धारित करके और उन्हें लागू करने के लिए तंत्र प्रदान करके सशक्त बनाता है। नियम रूफटॉप सोलर अडॉप्शन और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) एकीकरण की सुविधा प्रदान करते हुए नए कनेक्शन, शिकायत निवारण और बिलिंग पारदर्शिता जैसी सेवाओं तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करते हैं।

खुली पहुंच वाले उपभोक्ता अब पूरे भारत में सबसे सस्ते स्रोतों से बिजली खरीद सकते हैं, न कि केवल अपने स्थानीय वितरण लाइसेंसधारी से। लगाए गए अतिरिक्त अधिभार को अब धीरे–धीरे कम किया जा रहा है और चार वर्ष के भीतर पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन बड़ उपभोक्ताओं ने अपने वितरण लाइसेंसधारी से कभी बिजली नहीं खरीदी है, उन्हें अतिरिक्त अधिभार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।

सितंबर 2024 में उद्घाटन की गई कंप्यूटर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया टीम–पावर (सीएसआईआरटी–पावर) सुविधा, इस क्षेत्र की साइबर रक्षा, घटना प्रतिक्रिया का समन्वय, एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा स्थापित करने और समग्र तैयारी और लचीलापन बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण उपायों को लागू करने की आधारशिला बनने के लिए तैयार है।

IV. **ऊर्जा संरक्षण:** ईवी चार्जिंग दिशानिर्देश 2024 एक मजबूत, सुरक्षित, विश्वसनीय और सुलभ ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाएगा, चार्जिंग स्टेशनों की व्यवहार्यता को बढ़ाएगा, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा और ईवी चार्जिंग की बढ़ती मांग को संभालने के लिए बिजली ग्रिड तैयार करेगा। वाणिज्यिक भवनों के लिए संशोधित ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता (ईसीएसबीसी) और आवासीय भवनों के लिए इको निवास संहिता (ईएनएस) 18% बिजली की खपत को कम करने में मदद करेगी और इसके अतिरिक्त प्राकृतिक शीतलन, वेंटिलेशन, पानी और अपशिष्ट जल निपटान से संबंधित स्थिरता सुविधाओं को शामिल करेगी।

V. बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना और संचालन के लिए एमओपी के नए दिशानिर्देशों का उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए एक मजबूत बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करना है, जो पारंपरिक चार्जिंग के विकल्प के रूप में बैटरी स्वैपिंग को बढ़ावा देता है और बैटरी–ए–ए–सर्विस मॉडल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे भविष्य में स्वच्छ गतिशीलता की दिशा में भारत के परिवर्तन में तेजी आएगी

VI. केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (विचलन निपटान तंत्र और संबंधित मामले) (प्रथम संशोधन) विनियमों से विचलन को कम करके और सहायक सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देकर अधिक स्थिर और विश्वसनीय बिजली ग्रिड में योगदान करने की उम्मीद है, जिससे बिजली बाजार की दक्षता में सुधार होगा और बाजार के माध्यम के रूप में डीएसएम के उपयोग को रोका जा सकेगा।

VII. सीईआरसी (भारतीय विद्युत ग्रिड संहिता) (प्रथम संशोधन) विनियम, 2024 से बिजली ग्रिड की दक्षता और विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे यह कमजोर बिजली इंजेक्शन की अवधि को कम करके, थर्मल संयंत्रों के लिए क्षतिपूर्ति तंत्र को इष्टतम स्तरों पर उनके संचालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मांग को बदलने के लिए अधिक उत्तरदायी बना देगा।

VIII. सीईआरसी (ट्रांसमिशन लाइसेंस और अन्य संबंधित मामलों के अनुदान के लिए प्रक्रिया, नियम और शर्तें) विनियम, 2024 का मुख्य ध्यान प्रतिस्पर्धी बोली और सरकार द्वारा नामित परियोजनाओं पर है जो अंतर–राज्यीय ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे में निवेश को आकर्षित कर सकते हैं। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके और स्पष्ट अपेक्षाओं को स्थापित करके, इन विनियमों से भारत में एक मजबूत और विश्वसनीय पारेषण नेटवर्क के विकास में सुविधा होने की उम्मीद है।

IX. अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2029 तक प्रभावी केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2024 में पहले संशोधनों का बिजली क्षेत्र पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, जिससे टैरिफ गणना, परिचालन दक्षता प्रोत्साहन और ईंधन सोर्सिंग निर्णय प्रभावित होंगे। मानक से कम पी. क. च. संचालन के लिए अधिभार हटाने के समायोजन और मुआवजे के संबंध में परिवर्तन विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं और यह उत्पादक कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। बाजार–आधारित कोयला मूल्य निर्धारण की ओर बदलाव और वैकल्पिक कोयला सोर्सिंग पर जोर भी कोयला बाजार में विकसित गतिशीलता को दर्शाता है।

X. सरकार. भारत सरकार ने निम्नलिखित पहल भी की है:

- 30 जून 2025 तक चालू होने वाली परियोजनाओं के लिए सौर और पवन ऊर्जा की अंतर–राज्यीय बिक्री के लिए अंतर–राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएंसटीएस) शुल्क में छूट।
- आईएंसटीएस की छूट नई जलविद्युत परियोजनाओं से बिजली के पारेषण पर शुल्क, जिसके लिए निर्माण कार्य प्रदान किया जाता है और पीपीए पर 30.06.2025 को या उससे पहले हस्ताक्षर किए जाते हैं। इसके बाद, एचईपी के लिए 01.07.2025 से 01.07.2028 तक 25% के चरणों में आईएंसटीएस शुल्क की आंशिक छूट को बढ़ा दिया गया है, जिसके लिए निर्माण कार्य प्रदान किया गया है और पीपीए पर 30.06.2028 तक हस्ताक्षर किए गए हैं।
- आईएंसटीएस शुल्कों की छूट को अन्य बातों के साथ–साथ पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं के लिए बढ़ा दिया गया है, जिनके लिए निर्माण कार्य कुछ शर्तों के अधीन 30.06.2025 तक दिया गया है। इसके बाद, 01.07.2025 से 01.07.2028 तक 25: के चरणों में आईएंसटीएस शुल्क की आंशिक छूट को पीएसपी के लिए बढ़ा दिया गया है, जिसके लिए निर्माण कार्य 30.06.2028 तक दिया गया है।

भारतीय ऊर्जा क्षेत्र का अवलोकन [स्रोत: सीईए कार्यकारी सारांश, मार्च 2025:

31 मार्च, 2025 तक अखिल भारतीय स्थापित क्षमता 475 गीगावॉट है, जिसमें 2024–25 के दौरान 33 गीगावॉट की क्षमता वृद्धि हुई है। विभिन्न ईंधन स्रोतों से स्थापित क्षमता (मेगावाट में) का क्षेत्रवार वितरण नीचे दी गई तालिका में विस्तृत है:

सेक्टर	तापीय					नाभि. कीय	हाइड्रो	आरईएस	कुल	ग्रैंड टोटल
	कोयला	लिग्ना. इट	गैस	डीजल	कुल					
राज्य	72757.5	1150	7382.11	280.31	81569.92	0	27454.44	2632.42	30086.86	111656.78
निजी	73095.5	1830	9913.24	308.89	85147.635	0	3931	168103.46	172034.46	257182.1
केंद्रीय	69340	3640	7237.91	0	80217.91	8180	16342.72	1632.3	17975.02	106372.93
अखिल भारत	**215193**	**6620**	**24533.26**	**589.2**	**246935.465**	**8180**	**47728.16**	**172368.18**	**220096.34**	**475211.8**

[स्रोत: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण]

भारत ने वर्ष 2024–25 के दौरान सभी क्षेत्रों में कुल 33,242 मेगावाट देखी, जिसमें 2023–24 के दौरान 25,911 मेगावाट की तुलना में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से 28,724 मेगावाट शामिल है, जो वर्ष–दर–वर्ष 28% की वृद्धि दर्ज करता है।

क्रम सं.	क्षेत्र	क्षमता वृद्धि (मेगावाट) –वित्त वर्ष 2024–25
1	नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र (आरईएस)	28723.67
2	तापीय क्षेत्र	3718.59
3	परमाणु क्षेत्र	0
4	जलविद्युत क्षेत्र	799.99

कुल सकल विद्युत उत्पादन:

- वित्त वर्ष 2024–25: 1829.69 बिलियन यूनिट (बीयू)
- वित्त वर्ष: 2023–24: 1739.09 बिलियन यूनिट (बीयू)
- वर्ष दर वर्ष वृद्धि: 5.21%
- वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, नीपको ने वित्त वर्ष 2023–24 में प्राप्त 8000.87 एमयू की तुलना में 8020.29 एमयू का बिजली उत्पादन हासिल किया, जो वित्त वर्ष 2023–24 की तुलना में 0.24% की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2023–24 और वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान क्षेत्रवार बिजली उत्पादन (अंतिम) नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

सेक्टर	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2024–25	23–24 के संबंध में % परिवर्तन
तापीय	1326.55	1363.89	2.81
परमाणु	47.94	56.68	18.23
जलविद्युत (बड़ा)	134.05	148.63	10.88
आरईएस सहित एसएचपी	225.83	255.01	12.92
भूटान आयात	4.72	5.48	16.10
अखिल भारतीय	**1739.09**	**1829.69**	**5.21**

[स्रोत: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण]

वर्ष 2024–25 के लिए बिजली उत्पादन का लक्ष्य 1900 बीयू निर्धारित किया गया था जिसमें 1444.943 बीयू थर्मलय 147.709 बीयू हाइड्रोय 55.348 परमाणु। भूटान से 8 बीयू आयात और 244 बीयू आरईएस (एक्सक्लूसिव) शामिल थे। बड़ा हाइड्रो) तापीय और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों स्रोतों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि तापीय उत्पादन में वृद्धि हुई, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि भी महत्वपूर्ण थी, जो बिजली क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है, जो उत्पादन में वृद्धि, कम कमी और ई क्षेत्र के विस्तार से चिह्नित है।

भारत की बिजली मांग और आपूर्ति विश्लेषण:

अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के लिए ऊर्जा की आवश्यकता और चरम मांग के संदर्भ में सीईए द्वारा प्रकाशित देश में क्षेत्रवार बिजली आपूर्ति की स्थिति नीचे दी गई तालिका में विस्तृत है:

क्षेत्र	ऊर्जा				शिखर			
	अनिवार्यता	आपूर्ति की गई	आपूर्ति नहीं की गई		मांगें	मुलाकात की	मांग पूरी नहीं हुई	
	(बीयू)	(बीयू)	(बीयू)	(%)	(जीडब्ल्यू)	(जीडब्ल्यू)	(जीडब्ल्यू)	(%)
उत्तर	518.869	517.917	0.952	0.2	91.592	90.747	0.845	0.9
पश्चिमी	528.924	528.701	0.223	0.0	80.861	80.523	0.338	0.4
दक्षिणी	425.373	425.349	0.024	0.0	69.938	69.934	0.004	0.0
पूर्व	200.180	199.806	0.374	0.2	31.488	31.399	0.089	0.3
उत्तर पूर्व	20.613	20.596	0.016	0.1	3.959	3.914	0.045	1.1
अखिल भारतीय	1693.959	1692.369	1.590	0.1	249.856	249.854	0.002	0.0

स्रोत: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

पिछले 10 वर्षों (2015–16 से 2024–25) में भारत में बिजली आपूर्ति की स्थिति नीचे दी गई है:

	ऊर्जा (बीयू)			पीक (जीडब्ल्यू)		
वर्ष	अनिवार्यता	उपलब्धता	घाटा (%)	सबसे ज्यादा मांग	पीक मेट	घाटा (%)
2015-16	1114.41	1090.85	2.1%	153.37	148.46	3.2%
2016-17	1142.93	1135.33	0.7%	159.54	156.93	1.6%
2017-18	1213.33	1204.70	0.7%	164.07	160.75	2.0%
2018-19	1274.60	1267.53	0.6%	177.02	175.53	0.8%
2019-20	1291.01	1284.44	0.5%	183.80	182.53	0.7%
2020-21	1275.53	1270.66	0.4%	190.20	189.40	0.4%
2021-22	1379.81	1374.03	0.4%	203.01	200.54	1.2%
2022-23	1511.85	1504.26	0.5%	215.89	207.23	4.0%
2023-24	1626.13	1622.02	0.3%	243.27	239.93	1.4%
2024-25	1693.96	1692.37	0.1%	249.86	249.85	0.0%

स्रोत: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

राष्ट्रीय सारांश:

1. ऊर्जा आवश्यकता: 1693.96 बीयू
2. ऊर्जा आपूर्ति: 1692.37 बीयू
3. बिजली की कमी: 1.590 बीयू
4. अधिकतम मांग: 249.86 गीगावॉट
5. अधिकतम मांग पूरी: 249.85 गीगावॉट
6. अनमेट पीक मांग: 0.002 गीगावॉट

क्षेत्रीय विश्लेषण:

- सभी क्षेत्रों में ऊर्जा की कमी 1% से कम रही।
- एनईआर (1.1%) को छोड़कर सभी क्षेत्रों में पीक कमी 1% से नीचे रही

पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशिष्टता:

1. ऊर्जा मांग: 20.613 बीयू
2. ऊर्जा आपूर्ति: 20.596 बीयू
3. ऊर्जा की कमी: 0.016 बीयू
4. अधिकतम मांग: 3.959 गीगावॉट
5. अधिकतम मांग पूरी: 3.914 गीगावॉट
6. अधिकतम कमी: 0.045 गीगावॉट

ताकत और रणनीति:

नीपको का अवलोकन:

- देश की एक प्रमुख बिजली उत्पादन कंपनी।
- मुख्य रूप से भारत के उत्तर पूर्व में काम कर रहा है।
- कुल मिलाकर 2057 मेगावाट का परिचालन पोर्टफोलियो जिसमें 8 हाइड्रो स्टेशनों से 74.14% प्रतिशत हाइड्रो, 3 गैस आधारित कंबाइंड–साइकिल पावर स्टेशनों से 25.62% प्रतिशत थर्मल (गैस) और 0.24% प्रतिशत सौर शामिल हैं।
- संचयी डिजाइन ऊर्जा 10.244 बीयू तक जोड़ती है।
- नीपको की पायलट 5 मेगावाट, ग्रिड–इंटरएक्टिव सौर परियोजना को 2015 की शुरुआत में विकसित किया गया था, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली परियोजना थी।

प्रमुख शक्तियाँ:

1. चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कुशल कार्यबल और विशेषज्ञता

- एनईआर के जटिल और चुनौतीपूर्ण इलाकों में व्यापक अनुभव के साथ कुशल कार्यबल।
- इस क्षेत्र में विकसित जलविद्युत स्टेशनों की संख्या नीपको के कार्यबल की प्रवीणता और उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाइड्रो के अलावा, नीपको गैस आधारित थर्मल स्टेशनों और सौर संयंत्रों के विविध पोर्टफोलियो को संभालने और लागू करने में अनुभवी कार्यबल होने पर गर्व करता है।
- अन्य शक्तियों में बुनियादी ढांचागत बाधाओं, भौगोलिक चुनौतियों और क्षेत्र के बहुत दूरदराज के स्थानों तक पहुंच से जुड़ी कठिनाइयों, डिजाइन, इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन में मजबूत इन–हाउस क्षमताओं पर काबू पाना शामिल है।

2. क्षेत्रीय लाभ:

- नीपको की मजबूत उपस्थिति है क्योंकि यह एनईआर की बिजली की मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- क्षेत्र के भूभाग और सांस्कृतिक बारीकियों के साथ परिचितता, परियोजना के निष्पादन को सुचारू बनाने, स्थानीय जरूरतों की बेहतर समझ और समुदायों के साथ बेहतर संचार की अनुमति देती है।
- नतीजतन, प्रभावी संचार के माध्यम से बिजली परियोजनाओं से प्रभावित समुदायों के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा देना।
- क्षेत्र के प्रासंगिक कानूनों और विनियमों के साथ परिचित होना त्वरित अनुपालन सुनिश्चित करता है।

3. कॉर्पोरेट संबंध:

- अपनी स्थापना के समय से ही नीपको भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाला उद्यम रहा है और भारत के राष्ट्रपति तथा उनके नामित व्यक्तियों के पास कंपनी के 100% इक्विटी शेयर थे। बाद में इसे अनुसूची–ए मिनी रत्न का दर्जा दिया गया और वर्तमान में एनटीपीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होने के नाते, नीपको ने इस क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल की है जिससे इसकी तीव्र वृद्धि में योगदान मिला है।
- नीपको ने सरकारी एजेंसियों और नियामक निकायों के साथ संबंध स्थापित किए हैं।
- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के साथ 2,626 मेगावाट की जलविद्युत परियोजनाओं के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन, नीपको के राज्य सरकारों के साथ संबंधों को स्पष्ट करता है और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि नीपको किस प्रकार परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन और किसी भी समस्या के शीघ्र समाधान के लिए उनके साथ मिलकर काम करता है।

नेतृत्व और सीएसआर:

- एक कुशल नेतृत्व में संचालन।
- सीएसआर के माध्यम से अपने संचालन और निर्णय लेने में सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक विचारों के एकीकरण ने नीपको को एक सकारात्मक ब्रांड छवि बनाने में मदद की है।

रणनीतिक विकास योजना:

- 2037 तक 30 गीगावाट कंपनी बनने के लिए आक्रामक और महत्वाकांक्षी रणनीतिक योजना।
- इस रणनीति में क्षेत्र की महत्वपूर्ण जल विद्युत क्षमता का दोहन करने को प्राथमिकता दी गई है।
- क्षेत्र में उपलब्ध उपयुक्त निकासी क्षमता तथा विद्युत मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और पोसोको द्वारा तैयार की गई व्यापक योजनाओं के आधार पर, नीपको की अनुमानित क्षमता वृद्धि से उत्पन्न उत्पादन को सुरक्षित रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र के बाहर अन्य क्षेत्रों में ले जाने की उम्मीद है।
- प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में एनटीपीसी की विशेषज्ञता का लाभ उठाना।

नीपको की उन्नत परिचालन क्षमता, विविध विद्युत उत्पादन पोर्टफोलियो, अनुभवी कार्यबल और अपनी होल्डिंग कंपनी से नीतिगत समर्थन की सहायता से, नीपको नए क्षेत्रों में प्रवेश कर सकता है और कार्यान्वयन के लिए व्यवहार्य परियोजनाएँ प्राप्त कर सकता है।

अवसर:

सीईए द्वारा प्रकाशित 20वीं ईपीएस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026–27 और 2031–32 के लिए क्षेत्रवार ऊर्जा आवश्यकता और अधिकतम माँग नीचे दी गई है:

क्षेत्र	ऊर्जा आवश्यकता (एमयू)		अधिकतम मांग (मेगावाट)	
	2026-27	2031-32	2026-27	2031-32
उत्तरी	5,92,312	7,73,545	97,898	1,27,553
पश्चिमी	5,96,793	7,63,198	89,457	1,14,766
दक्षिणी	4,60,853	5,96,557	80,864	1,07,259
ईस्ट	2,32,971	3,08,103	37,265	50,420
उत्तर ईस्ट	24,904	32,373	4,855	6,519
अखिल भारतीय	**19,07,835**	**24,73,776**	**2,77,201**	**3,66,393**

इसके अलावा, राष्ट्रीय विद्युत योजना के अंतर्गत किए गए उत्पादन नियोजन अध्ययनों के आधार पर, अनुमानित क्षमता वृद्धि आवश्यकता नीचे सारणीबद्ध है:

(आंकड़े मेगावाट में हैं)

क्षेत्र	2022–27 की अवधि के दौरान अनुमानित क्षमता वृद्धि आवश्यकता	वर्ष 2026–27 के लिए संभावित स्थापित क्षमता	वर्ष 2027–32 की अवधि के दौरान अनुमानित क्षमता वृद्धि आवश्यकता	वर्ष 2031–32 के लिए संभावित स्थापित क्षमता
कोयला	25580	235133	25480	259643
गैस	0	24824	0	24824
परमाणु	6300	13080	6600	19680
परंपरागत	**31880**	**273038**	**32080**	**304147**
बड़ी जलविद्युत	10462	52446	9732	62178
सौर	131570	185566	179000	364566
पवन	32537	72895	49000	121895
लघु जलविद्युत	352	5200	250	5450
बायोमास	2318	13000	2500	15500
पीएसपी	2700	7446	19240	26686
नवीकरणीय	**179939**	**336553**	**259722**	**596275**
कुल	**211819**	**609590**	**291802**	**900422**
बीईएसएस	8680	8680	38564	47244

1. भारत का ऊर्जा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है, जिसकी विशेषताएँ हैं:
   - तेज़ी से शहरीकरण और कृषि गतिविधियों का विस्तार।
   - सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर एक गतिशील बदलाव।
2. उभरती तकनीकी ज़रूरतें:
   - ऊर्जा भंडारण समाधान महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।
   - हरित हाइड्रोजन तकनीक का महत्व बढ़ रहा है।
3. बढ़ती घरेलू ऊर्जा माँग और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि
   - बड पैमाने पर क्षमता वृद्धि के अवसर पैदा करता है।

यह ऊर्जा परिवर्तन, बढ़ती माँग के साथ, ऊर्जा भंडारण सहित विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में आगे क्षमता वृद्धि के रास्ते खोल रहा है, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया हैरू

जल विद्युत

भारत का जल विद्युत क्षेत्र लक्ष्य और उत्पादन मिश्रण में इसकी हिस्सेदारी:

- 2030 तक भारत के 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य को पूरा करना।
- बड़ी जल विद्युत क्षमता 47.73 गीगावाट है।
- लघु जल विद्युत क्षमता 5.1 गीगावाट है।
- जलविद्युत क्षेत्र कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 220.096 गीगावाट में 24% का योगदान देता है।

यद्यपि जलविद्युत उत्पादन में वृद्धि हुई है, लेकिन कुल स्थापित क्षमता और उत्पादन मिश्रण में इसका योगदान कम हुआ है, जो अन्य नवीकरणीय स्रोतों की ओर रुझान को दर्शाता है।

जलविद्युत विकास के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा की गई पहल:

- बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं (25 मेगावाट से अधिक) को नवीकरणीय ऊर्जा घोषित करना (जिससे उन्हें अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलने वाले लाभों और रियायतों का लाभ मिल सके)।
- जलविद्युत दायित्व (एचपीओ) का कार्यान्वयन।
- टैरिफ युक्तिकरण उपाय।
- बाढ़ नियंत्रण और सक्षम अवसंरचना की लागत के लिए बजटीय सहायता।
- सस्ते नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के साथ जलविद्युत का संयोजन।
- प्रारंभिक वर्षों में आईएंसटीएस शुल्क में छूट।
- "स्टैंडअलोन इंजीनियर" (आईई) और "स्टैंडअलोन विशेषज्ञों" की सुलह समिति (सीसीआईई) आदि के माध्यम से "विवाद निवारण तंत्र।"
- जलविद्युत प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना।

नीपको के विकास के अवसरः

- महत्वपूर्ण, फिर भी बड़े पैमाने पर अप्रयुक्त, जलविद्युत क्षमता। यद्यपि इस क्षेत्र में कुछ विकसित जलविद्युत परियोजनाएँ हैं, फिर भी इसकी अधिकांश क्षमता का दोहन नहीं हुआ है।
- यह क्षेत्र नीपको के लिए हरित ऊर्जा विकास के अवसर प्रस्तुत करता है जो भारत के ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

पंप स्टोरेज परियोजनाएँ

ऊर्जा परिवर्तन पर ध्यान:

- पवन और सौर जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को ग्रिड में एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण।
- वीआरई एकीकरण के लिए पंप स्टोरेज योजनाओं का तीव्र विकास।
- ग्रिड स्थिरता के लिए बड़ पैमाने पर, दीर्घ–जीवन–चक्र समाधान प्रदान करता है।

भारत में पंप स्टोरेज संयंत्रों की क्षमता

- कुल अनुमानित क्षमता (नदी पर): 103 गीगावाट

स्थिति

नदी पर

- परिचालन में: 4745.6 मेगावाट
- निर्माणाधीन: 4850 मेगावाट
- सीईए द्वारा स्वीकृत डीपीआर: 2500 मेगावाट
- परियोजना और कार्यान्वयन के अंतर्गत: 640 मेगावाट

नदी से दूर

- निर्माणाधीन: 3120 मेगावाट
- सीईए द्वारा स्वीकृत डीपीआर: 1600 मेगावाट
- परियोजना और कार्यान्वयन के अंतर्गत: 61870 मेगावाट

विद्युत मंत्रालय की पहल

- नीतिगत दिशानिर्देश और नियामक सहायता।
- पीएसपी के लिए प्रारंभिक वर्षों में आईएंसटीएस शुल्क में छूट।
- "पंप स्टोरेज परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश" जारी करना।

नीपको के लिए अवसर

- पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण संभावनाएँ।
- देश के नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में गति प्राप्त करना।
- बढ़ते सरकारी समर्थन से विकास की संभावनाएँ।

सौर ऊजा

भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सरकार विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से सौर ऊर्जा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है।

- सौर पार्क योजना,
- वीजीएफ योजनाएँ,
- सीपीएसयू योजना,
- रक्षा योजना,
- नहर बैंक और नहर टॉप योजना,
- बंडलिंग योजना,
- ग्रिड से जुड़ी सौर रूफटॉप योजना

राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्य सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हैं।

हालिया पहल: प्रधानमंत्री–सूर्य घर: मुफ़्त बिजली योजना

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने हाल ही में प्रधानमंत्री–सूर्य घर:मुफ़्त बिजली योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य है:

- एक करोड़ घरों में रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियाँ स्थापित करना।
- भाग लेने वाले घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ़्त बिजली प्रदान करना।

अपेक्षित परिणाम

- आवासीय क्षेत्र में रूफटॉप सौर ऊर्जा के माध्यम से 30 गीगावाट सौर क्षमता का संवर्धन।
- 1000 बिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन और
- 25 वर्षों में 720 मिलियन टन सीओ 2 समतुल्य उत्सर्जन में कमी।

नीपको की सौर ऊर्जा पहल:

नीपको पूर्वोत्तर में सतत ऊर्जा प्राप्त करने के लिए सौर और पवन सहित गैर–पारंपरिक स्रोतों से बिजली उत्पादन पर विचार कर रहा है।

- लक्ष्य: 2037 तक 12,000 मेगावाट की वृद्धि।
- राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट की सौर परियोजना का विकास।
- मेघालय, मिज़ोरम और त्रिपुरा राज्यों में प्रधानमंत्री – सूर्य घर योजना का कार्यान्वयन।

फ्लोटिंग सौर परियोजनाएँ

भारत अपने विशाल जल निकायों का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए करते हुए, फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं की क्षमता का बड़े पैमाने पर दोहन कर रहा है। ये परियोजनाएँ कुछ स्थानों पर भूमि आधारित सौर फार्मों के विकल्प के रूप में लागत प्रभावी हो सकती हैं।

भारत की बढ़ती भूमि लागत और प्रचुर जल निकायों को देखते हुए, फ्लोटिंग सौर ऊर्जा निम्नलिखित के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रस्तुत करती है:

- 2030 तक 500 गीगावाट (जीडब्ल्यू) नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करना।
- 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना, जैसा कि सरकार ने अपने "पंचामृत" एजेंडे के तहत घोषित किया है।

संभावित और वर्तमान स्थिति

- अनुमानित क्षमता: 280–300 गीगावाट
- भारत में सबसे बड़ी फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं में शामिल हैं:
  - मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना,
  - तेलंगाना में रामागुंडम फ्लोटिंग सौर परियोजना, और
  - केरल में कायमकुलम फ्लोटिंग सौर संयंत्र।

नीपको की सौर ऊर्जा पहल: नीपको पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश के विभिन्न जल निकायों में ऊर्जा भंडारण संयंत्रों (एफएसपी) के विकास की संभावनाओं की खोज कर रहा है।

बैटरी ऊर्जा भंडारण योजनाएँ:

पावर ग्रिड में परिवर्तनशील और आंतरायिक नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण स्थिरता और निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ (ईएसएस) निम्नलिखित समाधान प्रदान करती हैं:

- नवीकरणीय स्रोतों से अतिरिक्त ऊर्जा का भंडारण।
- अधिकतम माँग के समय बिजली प्रदान करना।

ऊर्जा भंडारण के लाभ

- नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में परिवर्तनशीलता को कम करना।
- ग्रिड स्थिरता में सुधार।
- ऊर्जा/पीक शिफ्टिंग को सक्षम बनाना।
- सहायक सहायता सेवाएँ प्रदान करना।
- व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को सुगम बनाना।
- पीक डेफिसिट और पीक टैरिफ में कमी।
- कार्बन उत्सर्जन में कमी।
- ऊर्जा अंतरपणन।

अनुमानित ऊर्जा भंडारण आवश्यकताएँ (राष्ट्रीय विद्युत योजना 2023 के अनुसार)

2026–27: 82.37 गीगावाट घंटा

- पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) से 47.65 गीगावाट घंटा।
- बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीएसईएस) से 34.72 गीगावाट घंटा।

2031–32: 411.4 गीगावाट घंटा

- पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) से 175.18 गीगावाट घंटा।
- बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीएसईएस) से 236.22 गीगावाट घंटा।

2047: 2380 गीगावाट घंटा

- पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) से 540 गीगावाट घंटा।
- बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीएसईएस) से 1840 जीडब्ल्यूएच।

सरकारी पहल

- ऊर्जा भंडारण दायित्वों (ईसओ) के लिए एक दीर्घकालिक प्रक्षेप पथ
- व्यवहार्यता अंतराल निधि (वीजीएफ)
- लक्ष्य: 2030–31 तक 4000 एमडब्ल्यूएच बीएसईएस परियोजनाओं का विकास।
- उद्देश्य: सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की क्षमता का दोहन।
- लक्ष्य: नागरिकों को स्वच्छ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली उपलब्ध कराना।

ग्रीन हाइड्रोजन: भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की कुंजी

भारत के ऊर्जा लक्ष्य

- 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता।
- 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन।

ग्रीन हाइड्रोजन की भूमिका:

विभिन्न क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने की इसकी क्षमता के कारण इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होने की उम्मीद है

1. परिवहन: पारंपरिक जीवाश्म ईंधन का प्रतिस्थापन।
2. उद्योग:
   - अमोनिया और मेथनॉल का उत्पादन।
   - इस्पात निर्माण।
3. ऊर्जा भंडारण: नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए बैकअप, निरंतर और विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित करना।

सरकारी पहल: राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य है:

- एक हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना
- हरित हाइड्रोजन उत्पादन और प्रमाणन के लिए मानक विकसित करना
- इस उभरते क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों के लिए एक व्यवस्थित प्रतिक्रिया को उत्प्रेरित करना
- 2030 तक प्रति वर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन करना।

भारत में महत्वपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, जिसमें 220 गीगावाट से अधिक स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा, मजबूत सौर और पवन ऊर्जा क्षमता शामिल है, जो इसे हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए एक अनुकूल स्थान बनाती है।

नीपको का योगदान: नीपको ने आईआईटी गुवाहाटी के सहयोग से हरित हाइड्रोजन पर एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना शुरू की है।

खतरे/चिंताएँ/चुनौतियाँ:

नीपको द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न खतरे/चिंताएं/चुनौतियां इस प्रकार हैं:

परिचालन संबंधी चुनौतियाँ:

- भूवैज्ञानिक अनिश्चितताएँ और आश्चर्य
- बिजली के बुनियादी ढाँचे और संचालन को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदाएँ
- दुर्गम भूभाग
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में कुशल ठेकेदारों की कमी
- बार–बार आने वाली बाढ़ के साथ भारी और लंबे समय तक चलने वाला मानसून
- अस्थिर दूरसंचार कनेक्टिविटी बढ़ती तकनीक को अपनाने में बाधा बन रही है

सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियाँ

- कानून और व्यवस्था के मुद्दे
- स्थानीय समूहों का विरोध

आर्थिक और वित्तीय चुनौतियाँ

- लाभार्थियों की वित्तीय स्थिति
- बिजली खरीद समझौते (पीपीएएस) हासिल करने में कठिनाइयाँ
- गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव और इसकी अनियमित उपलब्धता
- जलविद्युत परियोजनाओं की उच्च प्रारंभिक लागत/शुल्क और वित्तपोषण संबंधी समस्याएँ

कानूनी और नियामक चुनौतियाँ

- संविदात्मक विवादों के कारण परियोजनाओं में देरी और लागत में वृद्धि
- समय लेने वाली मंजूरी प्रक्रियाएँ।

अन्य चुनौतियाँ:

- बिजली क्षेत्र में तेज़ी से बदलती गतिशीलता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा
- बढ़ती प्रतिस्पर्धा

भविष्य का दृष्टिकोण:

एक प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के जवाब में अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रमुख लक्ष्यों में शामिल हैं

1. 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करना (2005 के स्तर से)।
2. 2030 तक गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50% संचयी विद्युत स्थापित क्षमता प्राप्त करना।

बिजली खपत वृद्धि, तकनीकी विकास और ग्रिड एकीकरण चुनौतियों के आधार पर, नीपको का लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना और भारत के सतत ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों के अनुरूप जल विद्युत क्षेत्र में नीपको की स्थिति को मजबूत करना है।

बिजली खपत वृद्धि

- भारत में प्रति व्यक्ति बिजली खपत 2023–24 में बढ़कर 1,395 केडब्ल्यूएच हो गई है, जो 2013–14 के 957 केडब्ल्यूएच से 45.8% (438 केडब्ल्यूएच) की वृद्धि दर्शाती है।
- भारत अब वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बिजली बाजार है।
- आर्थिक विकास के साथ मांग बढ़ने की उम्मीद है।

तकनीकी विकास

- तापीय उत्पादन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने की प्रवृत्ति।
- पूरक ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियाँ।
- सौर पैनलों और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की लागत में कमी ग्रिड एकीकरण चुनौतियाँ:

ग्रिड एकीकरण चुनौतियाँ

- परिवर्तनशील नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का बड़े पैमाने पर एकीकरण।
- रुक–रुक कर होने वाले नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को संतुलित करने की आवश्यकता।
- इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है:
  - पम्प्ड भंडारण योजनाएं
  - बैटरी स्टोरेज
  - गैस आधारित उत्पादन का चक्रीय संचालन
  - जलविद्युत उत्पादन का अनुकूलन

2030 तक 500 गीगावॉट गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता के साथ, भारत स्वच्छ ऊर्जा में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए की गई पहलों में नीतिगत उपाय, क्षमता विस्तार और घरेलू विनिर्माण को बढावा देना शामिल है। प्रमुख कार्यों में पीएम सूर्य घर योजना और पीएम–कुसुम योजना के साथ–साथ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसे कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शामिल है। भारत में कार्यान्वयन और निविदा के तहत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन है, जिसमें हाइब्रिड सिस्टम, चौबीसों घंटे (आरटीसी) बिजली और थर्मल + आरई बंडलिंग परियोजनाएं शामिल हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने 2030 तक 500 गीगावॉट से अधिक गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन क्षमता के पारेषण प्रणाली एकीकरण पर एक रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें विभिन्न राज्यों में पारेषण योजनाओं की योजना भी शामिल है। मौजूदा पवन ऊर्जा परियोजनाओं के जीवनकाल को बढ़ाने के लिए "पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय पुनर्भुगतान और जीवन विस्तार नीति, 2023" जारी की गई है।

नीपको की रणनीतिक योजना:

- लक्ष्य: लगभग जोड़ें। वर्ष 2037 तक इसके पोर्टफोलियो में 29 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता।
- फोकस क्षेत्र:
  1. एचईपी का विकास,
  2. पी. एस. पी. का विकास।
  3. देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में और उससे बाहर सौर परियोजनाएं।
  4. बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली।
- देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में और उससे बाहर विस्तार।

जलविद्युत परियोजनाओं का विकास:

जल विद्युत ऊर्जा भारत के आरई परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो जीवाश्म ईंधन के लिए एक स्वच्छ और टिकाऊ विकल्प प्रदान करती है। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में अपने प्रचुर जल संसाधनों के साथ जलविद्युत विकास की अपार संभावनाएं हैं। नीपको, एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में, इस क्षमता का दोहन करने में सबसे आगे है, जो क्षेत्रों के बिजली क्षेत्र और राष्ट्र के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) की जलविद्युत क्षमता:

- 55,930 मेगावाट (25 मेगावाट से ऊपर) का अनुमान
- देश के कुल भंडार का 42% (1,33,410 मेगावाट)
- 50394 मेगावाट की क्षमता वाला अरुणाचल प्रदेश।
  - केवल 2% क्षमता (1115 मेगावाट) परिचालन में है
  - केवल 9.68% क्षमता (4880 मेगावाट) का निर्माण कार्य चल रहा है।
  - लगभग 90% का उपयोग किया जाना बाकी है।

नीपको की स्थिति:

- एनईआर की कुल स्थापित क्षमता (मार्च 2025 तक) 5107.36 मेगावाट है।
- एनईआर की कुल स्थापित क्षमता 40% (2057 मेगावाट) से थोड़ी अधिक है

1. नीपको की आगामी परियोजनाएं:

क. निर्माणाधीन परियोजनाएं:

- टाटो–I एचईपी (186 मेगावाट)
- हिओ एचईपी (240 मेगावाट)

स्थितिः

- दी गई परियोजनाओं और दिए गए प्रमुख अनुबंधों दोनों के लिए निवेश अनुमोदन।

ख. विकास के तहत परियोजनाएं:

- टाटो–II एचईपी (700 मेगावाट)
- नायिंग एचईपी (1000 मेगावाट)
- हिरोंग एचईपी (500 मेगावाट)

स्थितिः

- टाटो–II निवेश मंजूरी का इंतजार है और प्रमुख अनुबंधों के लिए निविदा प्रक्रिया में
- नायिंग: तकनीकी आर्थिक मंजूरी दी गई।
- पर्यावरण और वन प्रक्रियाधीन हैं।

हिरोंग: डीपीआर समीक्षा/संशोधन के अधीन है।

2. पाइपलाइन में परियोजनाएं:

क. जेवी मोडः

- कुरुंग एचईपी (320 मेगावाट)
- डिबिन एचईपी (120 मेगावाट)

ख. स्वामित्व आधारः

- अरुणाचल प्रदेश
- न्यू मेलिंग एचईपी (90 मेगावाट)
- नाफ्रा एचईपी (120 मेगावाट)

- **मेघालयः**

- वाह उमियम स्टेज–III एचईपी (85 मेगावाट)

स्थितिः एमओएएस पर हस्ताक्षर किए गए, मंजूरी/एफपीआर/डीपीआर तैयारी के विभिन्न चरण।

उपरोक्त परियोजनाओं के अलावा, नीपको ने 2037 तक जलविद्युत क्षेत्र में 6000+ मेगावाट की लक्षित क्षमता वृद्धि के साथ भविष्य के विकास के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई अन्य उच्च शिक्षा परियोजनाओं की भी पहचान की है।

पंप्ड स्टोरेजः

योजनाओं के कई लाभों के साथ, चाहे वह ग्रिड को स्थिरता प्रदान कर रहा हो या पीक डिमांड के दौरान बिजली का आसानी से उपलब्ध स्रोत हो या बिजली आउटेज के दौरान बैकअप की पेशकश कर रहा हो और विश्वसनीयता सुनिश्चित कर रहा हो क्योंकि ये प्रणालियां विस्तारित अवधि के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा का भंडारण कर सकती हैं। लचीली ऊर्जा उत्पादन परिसंपत्तियाँ जो कुशलतापूर्वक और आर्थिक रूप से बेस लोड और पीकिंग पावर दोनों की आपूर्ति कर सकती हैं, भविष्य की आवश्यकता हैं और भारत की गतिशील रूप से विकसित ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं।

नीपको की रणनीति और लक्ष्यः

ग. एनईआर के भीतर और बाहर पीएसपी के अवसरों की खोज करना।

घ. लक्ष्य: 2037 तक पी.एस.पी. क्षमता में 7800 मेगावाट की वृद्धि।

वर्तमान ध्यानः

ङ. कोपिली पीएसपी, असम (320 मेगावाट)

च. वाह उमियम पीएसपी, मेघालय (800 मेगावाट)

छ. वाह उमसोंग, लैटलम पीएसपी, मेघालय (1500 मेगावाट)

स्थितिः एमओएएस पर हस्ताक्षर किए गए,पीएफआर/डीपीआर तैयारी के विभिन्न चरण।

सौर ऊर्जाः

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों में शामिल हैं:

क. स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति,

ख. 30 जून 2025 तक चालू होने वाली परियोजनाओं के लिए सौर और पवन ऊर्जा की अंतर–राज्यीय बिक्री के लिए अंतर–राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएंसटीएस) शुल्क में छूट,

ग. वर्ष 2029–30 तक नवीकरणीय खरीद दायित्व (आरपीओ) के लिए प्रक्षेपवक्र की घोषणा,

घ. सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली/उपकरणों की तैनाती के लिए मानकों की अधिसूचना,

ङ. निवेश को आकर्षित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए परियोजना विकास प्रकोष्ठ की स्थापना,

च ग्रिड से जुड़ सौर पीवी और पवन परियोजनाओं से बिजली की खरीद के लिए टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के लिए मानक बोली दिशानिर्देश।

छ. सरकार ने आदेश जारी किए हैं कि आरई जनसेवानिवृतरों को वितरण लाइसेंसधारियों द्वारा समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) या अग्रिम भुगतान के खिलाफ बिजली भेजी जाएगी

ज. एक्सचेंज के माध्यम से सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा की बिक्री को सुविधाजनक बनाने के लिए ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (जीटीएएम) का शुभारंभ।

नीपको की सौर ऊर्जा पहलः

ग्राउंड माउंटेड सोलर पीवी परियोजनाएँः

नीपको की पहलः

- राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट की आईएंसटीएस से जुड़ी ग्राउंड माउंटेड सोलर पीवी परियोजना का विकास, जिसका ठेका मिल चुका है और निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।
- 2037 तक कुल 12000 मेगावाट सौर क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य।

फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँः

फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँः

एनडीसी लक्ष्यों के अनुरूप हैं और निम्नलिखित में योगदान देती हैं:

- नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य बिजली मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना।

- उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यः स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना।
- जल प्रबंधनः जल संरक्षण को बढ़ावा देना और वाष्पीकरण को कम करना।

भारत में फ्लोटिंग सोलर पावर की अपार संभावना है, जिसका अनुमान लगभग 280–300 गीगावाट है। वर्तमान में स्थापित क्षमता 500 मेगावाट से कम है।

वर्तमान एफएसपी पहलः

- कोपिली एचपीएस में 40 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सौर परियोजनाः डीपीआर तैयार।
- सेरलुई बी जलाशय, मिजोरमय उमियम झील, मेघालयय धंधारौल बांध, उत्तर प्रदेशय मूसाखंड बांध, उत्तर प्रदेशय पहुज बांध, उत्तर प्रदेश में फ्लोटिंग सौर परियोजनाः पीएफआर तैयार करने के लिए 14.02.2025 को कार्य आदेश प्रदान किया गया और मिजोरम में सेरलुई बी जलाशय तथा मेघालय में उमियम झील के लिए स्थल सर्वेक्षण पूरा हो गया है।

बैटरी ऊर्जा भंडारण योजना (बीईएसएस):

आने वाले वर्षों में, नीपको बीईएसएस क्षेत्र में भी योगदान देने का इरादा रखता है।

रूफटॉप सोलरः

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत और सौंपे गए निर्देशानुसार, नीपको ने संबंधित राज्यों के समन्वय से मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा, इन तीन राज्यों में आवासीय भवनों की रूफटॉप सोलर स्थापना की पहल की है।

भारत सरकार के अनुसार, रूफ टॉप सोलर की स्थापना हेतु सरकारी भवनों में 100% संतृप्ति की लक्ष्य तिथि दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है।

हरित हाइड्रोजन पर अनुसंधान एवं विकास पहल

हरित हाइड्रोजन पहल

1. **राष्ट्रीय नीति**
   - विद्युत मंत्रालय ने हरित हाइड्रोजन नीति जारी की है।
   - उद्देश्यः भारत को हरित हाइड्रोजन केंद्र बनाने की परिकल्पना।
   - लक्ष्यः 2030 तक प्रति वर्ष 50 लाख मीट्रिक टन उत्पादन।
   - नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और हितधारकों के अनुपालन का विवरण भी प्रदान करता है।
2. **नीपको की अनुसंधान एवं विकास परियोजना**
   - आईआईटी, गुवाहाटी के सहयोग से।
   - उद्देश्यः इलेक्ट्रोलाइजर असेंबली के लिए कम लागत वाली टिकाऊ और कुशल) इलेक्ट्रो–कैटेलिस्ट और बी) प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन का विकास।
   - उद्देश्यः हरित हाइड्रोजन का उत्पादन।
   - प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन का विकास।
   - समय–सीमाः
     - प्रारंभः नवंबर 2022
     - अवधिः 3 वर्ष।

विद्युत व्यापार और राजस्व अनुकूलन

वर्तमान स्थितिः

- नीपको की विद्युत बिक्री निम्नलिखित द्वारा नियंत्रित होती है
  1. विद्युत क्रय समझौते (पीपीए)।
  2. विद्युत मंत्रालय (एमओपी) द्वारा जारी विद्युत आवंटन आदेश।
  3. एनवीवीएन (एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड) के माध्यम से बिक्री।

भविष्य की रणनीतिः

- विद्युत एक्सचेंजों में प्रत्यक्ष भागीदारी
  1. इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स)।
  2. पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएंल)।
  3. हिंदुस्तान पावर एक्सचेंज (एचपीएक्स इंडिया)।
- हाजिर बाजार, वायदा अनुबंध और सहायक सेवाओं सहित विभिन्न बाजार खंडों में भागीदारी।
- डिस्कॉम के साथ द्विपक्षीय समझौते (अल्पावधि, मध्यम या दीर्घकालिक)।
- आगामी और वास्तविक समय के बाज़ारों में इष्टतम बोलियों और प्रस्तावों का निर्धारण करने के लिए वास्तविक समय बाज़ार विश्लेषण का उपयोग किया जा सकता है।
- अधिकतम माँग अवधि के दौरान बिक्री का अनुकूलन।
- बाज़ार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक समर्पित विद्युत व्यापार टीम का विकास।
- माँग और मूल्य प्रवृत्तियों का पूर्वानुमान लगाने हेतु पूर्वानुमान उपकरणों का लाभ उठाना।

इन पहलों का उद्देश्य नियामक ढाँचों का अनुपालन करते हुए नीपको की बाज़ार उपस्थिति को बढ़ाना, संयंत्र भार कारकों में सुधार करना और समग्र लाभप्रदता में वृद्धि करना है।

बेहतर भविष्य के प्रदर्शन के लिए शक्तियों का लाभ उठाना

परियोजना प्रबंधनः

नीपको ने अपनी परियोजना प्रबंधन क्षमताओं को निम्नलिखित के माध्यम से बढ़ाया है

1. एसएपी–ईआरपी का कार्यान्वयनः
   - प्रभावी परियोजना प्रबंधन को सुगम बनाता है जिससे पूरे संगठन में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सके।
2. एसएपी–पीएस मॉडयूल की कार्यक्षमताः
   - बेहतर सहयोग सुनिश्चित करता है।
   - निम्नलिखित के लिए एक एकीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।
     - नियोजन
     - समय–निर्धारण

- निगरानी
- कार्यान्वयन और संचालन दोनों के तहत परियोजनाओं के वर्तमान और सटीक डेटा तक पहुँच को सुगम बनाता है।

3. आंतरिक प्रबंधन तंत्र
   - अपनी स्वयं की परियोजना प्रबंधन प्रक्रियाओं और उपकरणों का उपयोग करता है।
4. विस्तारित आईटी आधारित निगरानी
   - आगामी परियोजनाओं में आईटी–आधारित निगरानी प्रणालियों के विस्तार की योजना।
   - सीईए, एमओपी और अन्य संबंधित प्राधिकरणों की आवश्यकताओं को पूरा करने का लक्ष्य।
5. उन्नति के प्रति प्रतिबद्धता
   - परियोजना प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को अधिकतम करने का प्रयास।

परिचालन दक्षता

नीपको का विकास और परिचालन अनुभव:

1. स्थापना और प्रारंभिक विकास
   - 1984 में अपने पहले विद्युत स्टेशन, अर्थात् 50 मेगावाट खांडोंग विद्युत स्टेशन का चालू होना।
   - पूर्वोत्तर क्षेत्र, जो अनेक चुनौतियों और बाधाओं वाला क्षेत्र है, में जलविद्युत और तापीय (गैस–आधारित) और ग्रिड–इंटरैक्टिव सौर परियोजनाओं की स्थापना करके 2057 मेगावाट की कंपनी का विकास।
2. परिचालन उत्कृष्टता:
   - जलविद्युत, तापीय और सौर विद्युत स्टेशनों के संचालन और रखरखाव में व्यापक अनुभव।
   - परिचालन प्रदर्शन और दक्षता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास।
   - नियमित नियोजित रखरखाव गतिविधियाँ।
3. नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम) पहल:
   - मानदंडों के अनुसार जीवन विस्तार (एलई) गतिविधियों के साथ आर एंड एम।
   - पूण कोपिली विद्युत स्टेशन (200 मेगावाट) 03.06.2024 को।
   - प्रगति पर: 50 मेगावाट का खांडोंग पावर स्टेशन, जुलाई 2025 तक चालू होने की उम्मीद है।
   - नियोजितरू असम और अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशनों के लिए ऊर्जा मंत्रालय के साथ नवीनीकरण एवं रखरखाव (आरएंडएम)
4. हालिया प्रदर्शन:
   - वित्त वर्ष 2024–25 में 8020.29 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन।

जलविद्युत विशेषज्ञता पूल आसानी से उपलब्ध:

नीपको का पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्यापक जलविद्युत अनुभव महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है:

1. स्थापित ट्रैक रिकॉड
   - पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अत्यंत चुनौतीपूर्ण भूभागों में 8 जलविद्युत परियोजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन।
2. विशेषज्ञता का विकास
   - इन परियोजनाओं के माध्यम से जलविद्युत क्षेत्र में विशेषज्ञों के एक विशाल समूह का निर्माण।
3. संसाधनों की उपलब्धता
   - परियोजना स्थलों पर अधिक संगठित और प्रभावी तैनाती।
4. प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त
   - यह विशेषज्ञता जलविद्युत के विकास में छम्च्ब्ब् को अतिरिक्त लाभ प्रदान करती है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में अनुभव और जनशक्ति:

पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में नीपको की विशिष्ट स्थिति निम्नलिखित विशेषताओं से चिह्नित है:

1. क्षेत्रीय कार्यबल
   - अधिकांश कार्यबल पूर्वोत्तर क्षेत्र से हैं।
2. क्षेत्रीय अनुभव का विस्तार
   - पूर्वोत्तर क्षेत्र में दीर्घकालिक उपस्थिति।
3. निम्नलिखित की व्यापक समझ
   - स्थानीय भूभाग।
   - संस्कृति और सामाजिक गतिशीलता।
4. मज़बूत सामुदायिक संबंध
   - स्थानीय भर्ती और प्रतिभा विकास।
   - स्थानीय आबादी के साथ मज़बूत तालमेल।
5. रणनीतिक लाभ
   - ये कारक क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास को महत्वपूर्ण रूप से सुगम बनाते हैं।
   - क्षेत्रीय आर्थिक विकास और कुशल कार्यबल विकास में योगदान देता है।

आंतरिक नियंत्रण

नीपको के आंतरिक नियंत्रण परिभाषित नीतियों और प्रक्रियाओं के एक समूह द्वारा शासित होते हैं, जो कुशल संचालन को बढ़ावा देने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

नियंत्रण निम्नलिखित है:

- सटीक और विश्वसनीय वित्तीय विवरण सुनिश्चित करने के लिऐ
- वांछित व्यावसायिक संचालन और परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रभावी तरीकों और प्रथाओं के उपयोग की वकालत करना।
- निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने की आवश्यकता की रक्षा करना।
- नियमित और व्यापक लेखा परीक्षा करने के लिए, कंपनी के अपने आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग के समन्वय में चार्टर्ड अकाउंटेंट/लागत लेखाकार नियुक्त किए गए हैं।
- वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया सहित आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्त और प्रभावशीलता की समीक्षा के लिए, आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों में

अवलोकन, अनुपालन रिपोर्ट और विस्तृत निष्कर्ष शामिल होते हैं, जो सिफारिशों सहित संचालन के सभी क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिससे सभी प्रासंगिक नियमों और नीतियों का पालन सुनिश्चित होता है।

कॉर्पोरेट प्रशासन

नीपको में कॉर्पोरेट प्रशासन इसकी निम्नलिखित क्षमताओं से प्रदर्शित होता है:

1. मूल विश्वास:
   - संचालन के सभी पहलुओं में अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन की मान्यता।
2. फोकस:
   - निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करना जिससे विश्वास और स्थरता को बढ़ावा मिले।
   - पर्याप्त नियंत्रण प्रणालियाँ बनाए रखना।
   - दक्षता बढ़ाने पर ज़ोर।
3. वित्तीय निरीक्षण:
   - लेखा परीक्षा समिति द्वारा बोर्ड के समक्ष प्रस्तुतीकरण से पहले सभी वित्तीय विवरणों की नियमित समीक्षा।
4. पारदर्शिता सुनिश्चित करना:
   - कंपनी के संचालन और प्रदर्शन के बारे में जानकारी निगम की वेबसाइट पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है।
5. प्रदर्शन मान्यता:
   - सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन संबंधी दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर नीपको की वार्षिक ग्रेडिंग।
   - वर्ष 2024–25 के लिए **"बहुत अच्छा"** रेटिंग प्राप्त की।

वित्तीय विशेषताएँ:

नीपको निम्नलिखित के माध्यम से मज़बूत वित्तीय प्रबंधन प्रदर्शित करता हैरू

1. विवेकपूर्ण संसाधन प्रबंधन:
   - पूँजी की लागत कम करने पर ध्यान केंद्रित।
2. उच्च क्रेडिट रेटिंग:
   - क्रिसिल, इक्रा, केयर और इंडिया रेटिंग्स जैसी कई एजेंसियों द्वारा उच्च ग्रेड प्रदान किया जाना।
3. वित्तीय मज़बूती
   - मज़बूत वित्तीय स्थिति
   - मज़बूत बैलेंस शीट
   - कम गियरिंग
   - अच्छा कवरेज अनुपात
4. प्रतिस्पर्धात्मक लाभ:
   - घरेलू बाज़ार में बेहद प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने की क्षमता।

पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग और अनुसंधान एवं विकास:

भविष्य की पीढ़ियों के लिए नाज़क पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने हेतु पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत विकास का मुद्दा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्वोत्तर भारत के मूल निवासियों और उनके आसपास उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के बीच संबंध बहुआयामी हैं। लोग अपनी आजीविका और आवास के लिए सामान्यतः इन प्रचुर संसाधनों और विशेष रूप से वनों पर निर्भर हैं। अनियोजित विकास से वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के विनाश के कारण उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपार संसाधन और ऊर्जा क्षमताएँ हैं, जिनका योजनाबद्ध और सतत विकास आवश्यक है, साथ ही अद्वितीय और अमूल्य प्राकृतिक पर्यावरण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को संरक्षित किया जाना चाहिए।

नीपको पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर संभावित प्रभाव का संज्ञान लेता है और अपनी परियोजनाओं के निष्पादन, संचालन और रखरखाव के दौरान पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त उपाय अपनाता है। पर्यावरण और पारिस्थितिक सुरक्षा उपायों के संबंध में देश के कानूनों के कार्यान्वयन और पालन हेतु हर संभव सावधानी बरती जाती है।

नीपको, पूर्वोत्तर की विशिष्ट पर्यावरणीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए, विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान और शमन के संबंध में, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) की सभी नीतियों और दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करता है। सतत विकास के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, प्रत्येक परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) किया जाता है। सभी पर्यावरणीय पहलुओं पर विचार किया जाता है और पर्यावरण प्रभाव आकलन एवं पर्यावरण प्रबंधन योजना रिपोर्ट में उचित रूप से उनका समाधान किया जाता है। इन रिपोर्टों का मूल्यांकन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी), भारत सरकार द्वारा किसी परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करते समय किया जाता है।

संयंत्र / परियोजना	पर्यावरण कार्य / पहल
पारे एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	» हरित पट्टी क्षेत्र विकास कार्य पूरा हो चुका है, जिसका कार्यभार अरुणाचल प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा लिया गया था। » जैव–विविधता संरक्षण योजना पूरी हो चुकी है, जिसका कार्यभार अरुणाचल प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा लिया गया था। » सभी पर्यावरणीय माध्यमों, जैसे वायु, जल, ध्वनि, की गुणवत्ता निगरानी 6 महीने के आधार पर की जाती है। » जैव–चिकित्सा अपशिष्ट निपटान स्थल आईएंसओ मानकों के अनुसार विकसित किया गया है। » 2024–2025 के दौरान परियोजना क्षेत्र में और उसके आसपास 80% जीवित रहने वाले 200 पौधे लगाए जाएँगे।
कामेंग एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश।	» सूक्ष्म वनस्पतियों और जीवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए जलमग्न क्षेत्र के संदर्भ में जैव विविधता और आवास संरक्षण पर अध्ययन किया गया। वन्यजीवों के प्रवासी मार्गों की पहचान पहले ही की जा चुकी है। » जलग्रहण क्षेत्र उपचार (कैट) योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग और समर्थन दिया गया। 2017 के दौरान एडहॉक कैम्पा फंड में ₹12930.00 लाख जमा किए जा चुके हैं। » नफरा के रेंज एवं बागवानी विभाग के परामर्श / सहायता से नर्सरी स्थापित करके ग्रीन बेल्ट कॉरिडोर का कार्यान्वयन किया जा रहा है। » मृदा अपरदन और भूमि क्षरण को रोकने के लिए सभी भौतिक और जैविक कदम उठाए / शुरू किए गए हैं। » दुर्लभ, लुप्तप्राय और औषधीय वनस्पतियों की प्रजातियों के पुनर्वास के लिए 1 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक वनस्पति उद्यान की स्थापना प्रक्रियाधीन है। » परियोजना स्थल पर वन्यजीवों के उचित संरक्षण के लिए राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग और समर्थन दिया गया है। » इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त मछली किस्मों के प्रसार और उत्पादन के उद्देश्य से जलाशयों का उपयोग करने का प्रस्ताव है। इस दिशा में और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी), भारत सरकार की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) की सलाह के अनुसार, नीपको ने अगस्त 2022 में बिचोम बांध के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में मछलियों के पुनर्वास के लिए हैचरी की योजना और डिजाइन करने के लिए केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआ. रआई) को नियुक्त किया। सीआईएफआरआई की एक टीम ने नमूना संग्रह और उद्देश्य आधारित गतिविधियों के लिए मई 2022, सितंबर 2022 और जनवरी 2023 के दौरान साइट का दौरा किया। सीआईएफआरआई ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट 10.10.2022 को और प्री–मानसून और मानसून सीजन सैंपलिंग रिपोर्ट 03.01.2023 को प्रस्तुत की है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम की अधिकृत फर्मों द्वारा परिवेशी वायु और जल की छमाही निगरानी की जाती है। » 2024–2025 के दौरान परियोजना क्षेत्र में और उसके आसपास 350 पौधे लगाए जाएंगे।
तुईरियल एचपीएस, मिजोरम	» हरित पट्टी के निर्माण सहित जलग्रहण क्षेत्र उपचार (कैट) के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग और समर्थन प्रदान किया गया। » वन विभाग, मिज़ोरम सरकार द्वारा प्रतिपूरक वनरोपण किया गया। » जलग्रहण क्षेत्र के जीव–जंतुओं और वनस्पतियों के संरक्षणध्सुरक्षा हेतु अवैध शिकार विरोधी योजना लागू की गई। » मिज़ोरम विश्वविद्यालय की सहायता से क्षेत्र में वनस्पतियों और जीव–जंतुओं का सर्वेक्षण पूरा हो गया है। » पर्यावरण सुरक्षा उपायों की प्रगति की निगरानी के लिए राज्य सरकार द्वारा एक बहु–विषयक समिति का गठन किया गया। » 2024–25 के दौरान 20 पौधे लगाए गए।
पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश।	» 2024–25 के दौरान 1555 नये पौधे लगाए गए।

संयंत्र / परियोजना	पर्यावरण कार्य / पहल
दोयांग एचपीएस, नागालैंड	» सीएटी का कार्यान्वयन पूरा हो चुका है। » नागालैंड सरकार के वन विभाग के माध्यम से 300 चेकडैम और गल्ली प्लगिंग जैसे इंजीनियरिंग उपाय किए गए। » वन विभाग के माध्यम से 20 गाँवों में नर्सरियाँ बनाई गईं। » वन विभाग की टिशू कल्चर लैब के उन्नयन के लिए सहयोग, जिसमें 3 वर्षों तक उसका रखरखाव और संचालन लागत शामिल है। » विभागीय स्तर पर हरित पट्टी का रखरखाव किया जा रहा है। » घरेलू, औद्योगिक और ई–कचरे का अपशिष्ट प्रबंधन लागू किया गया है। » पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को छमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की जा रही है। » 2024–25 के दौरान 65 पौधे लगाए गए।
कोपिली एचपीएस, असम	» पादप संसाधन केंद्र (वनस्पति उद्यान) और हरित उद्यान का रखरखाव किया जाता है। » पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को छमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है। » प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम की एक अधिकृत फर्म द्वारा वायु और जल की छमाही निगरानी की जाती है। » जहाँ भी लागू हो, घरेलू, औद्योगिक और ई–कचरे का अपशिष्ट प्रबंधन लागू किया गया है। » 2024–25 के दौरान 20 पौधे लगाए गए।
असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	» असम गैस आधारित पावर स्टेशन ने अपने कुल क्षेत्रफल का **50.68% हिस्सा हरियाली कवरेज के अंतर्गत** रखा है, जिसमें 10 (दस) हरित पट्टी और 2 (दो) पार्क शामिल हैं। कुल हरित पट्टी का क्षेत्रफल 20.95 हेक्टेयर है। » कॉलोनी क्षेत्र में हाल ही में विकसित दो फलों के बगीचों सहित बागवानी उद्यान भी विकसित किए गए हैं, जिससे बागवानी उद्यान का कुल क्षेत्रफल बढ़कर 1290 वर्ग मीटर हो गया है। हालाँकि, एजीबीपीएस का कुल वृक्षारोपण / हरियाली क्षेत्रफल 2,09,437 वर्ग मीटर है। » जैव विविधता के संरक्षण के अंतर्गत, ।ळठचै ने आर्किड की सभी स्थानीय रूप से उपलब्ध किस्मों के साथ एक आर्किड उद्यान विकसित किया है। » एजीबीपीएस ने अपनी कॉलोनी में उत्पन्न होने वाले जैव–निम्नीकरणीय कचरे के लिए साइट पर ही खाद बनाने को प्रोत्साहित किया है। » पीसीबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ता के माध्यम से निपटान योग्य नहीं होने वाले कचरे के निपटान के लिए एक खतरनाक अपशिष्ट गड्ढा विकसित किया गया है। » सीईएमएस (स्टैक उत्सर्जन) और ईटीपी से निकलने वाले अपशिष्ट जल के लिए ऑनलाइन निगरानी प्रणाली कार्यरत है और इसे सीपीसीबी और एसपीसीबी सर्वर से जोड़ा जा रहा है। » स्विचयार्ड के सतही अपवाह को एकत्रित करके कच्चे जल भंडार में पंप किया जाता है जिससे वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलता है। » एजीबीपीएस ने अपनी कॉलोनी से निकलने वाले पानी के लिए **75 केएलडी क्षमता का एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट** सफलतापूर्वक चालू किया है और इस प्रकार कॉलोनी से निकलने वाले सभी पानी, जिसमें ग्रे वाटर भी शामिल है, को प्राकृतिक जलधारा में छोड़ने से पहले उपचारित किया जा रहा है। » 2024–25 के दौरान 130 पौधे लगाए गए।
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	» वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा सर्वेक्षण किया गया और डीपीआर तैयार की गई। » ईटीपी (अपशिष्ट उपचार संयंत्र): ईटीपी के निर्माण का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। » वर्षा जल संचयन योजना: कार्य प्रगति पर है। » एसटीपी (सीवेज उपचार संयंत्र): कार्य प्रगति पर है। » सभी 10 बोरवेल जल पंपों में ऑनलाइन जल प्रवाह मापन प्रणाली शामिल की गई है » परिवेशी वायु गुणवत्ता का आवधिक मापन और निगरानी। » जल गुणवत्ता की आवधिक निगरानी। » नॉक्स, सॉक्स, सीओ2 और सीओ की निरंतर निगरानी के लिए सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (सीईएमएस)। सीईएमएस का एक भाग पूरा हो चुका है। » कार्यालय और कॉलोनी परिसर सहित पावर स्टेशन के चारों ओर 100 मीटर की औसत चौड़ाई वाली 49.40 हेक्टेयर की हरित पट्टी का रखरखाव किया जा रहा है, जिसमें लगभग 45743 पौधे लगाए गए हैं। » 2024–25 के दौरान 21 पौधे लगाए गए।
त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	» उपचार के बाद अपशिष्ट जल का निपटान 3.0 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के माध्यम से गुमटी नदी में किया जाता है। » 42.35 हेक्टेयर हरित पट्टी का विकास, वायु प्रदूषण नियंत्रण और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था की गई है। » एनओएक्स उत्सर्जन को सीमित करने के लिए गैस टर्बाइनों में शुष्क निम्न एनओएक्स (डीएलएन) बर्नर लगाए गए हैं। » नोक्स सोक्स कणिका तत्व और डिस्चार्ज अपशिष्ट जल को मापने के लिए स्टैक उत्सर्जन की ऑनलाइन निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। » संयंत्र के विभिन्न स्थानों का ध्वनि स्तर तिमाही आधार पर मापा जा रहा है। » 2024–25 के दौरान 100 पौधे लगाए गए।

पुनर्वास और पुनर्वास के पहलू:

पुनर्वास और पुनर्वास (आर एंड आर) योजना पर्यावरण प्रभाव आकलन और प्रबंधन योजना रिपोर्ट (ईआईएं और ईएमपी) का एक हिस्सा है और परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी के अनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) द्वारा इसका मूल्यांकन और अनुमोदन किया जाता है। चालू परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए अनुसंधान एवं विकास योजना राष्ट्रीय पुनर्वास और पुनर्वास नीति, 2003 और राष्ट्रीय पुनर्वास और पुनर्वास नीति, 2007 (एनआरआरपी–2007) के आधार पर तैयार की गई है

नई और आगामी परियोजनाओं के लिए, आर एंड आर योजना के प्रावधान भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार और समय–समय पर आने वाले इसके संशोधनों के अनुसार होंगे। आर एंड आर योजना को संबंधित राज्य सरकार, परियोजना प्रभावित परिवारों के प्रतिनिधियों और क्षेत्र के अन्य हितधारकों के सहयोग से लागू किया जाता है। उन लोगों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए जिन्होंने समाज के बड़े लाभ के लिए अपने संसाधनों का त्याग किया है, स्थायी विकास की दिशा में एक प्रयास के रूप में सामान्य रूप से उनके अधिकारों और विशेष रूप से कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए तरीकों और साधनों का पता लगाया जाना चाहिए और उन्हें लागू किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया में, नीपको विभिन्न व्यवहार्य विकल्पों की खोज करता है और कम से कम विस्थापन या प्रतिकूल प्रभाव पैदा करने वाले का चयन करता है। इसलिए, परियोजना प्रभावित परिवारों (पीज) के लिए अनुसंधान एवं विकास योजना तैयार करने से पहले एक विस्तृत सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया जाता है ताकि प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों की सामाजिक–आर्थिक और सामाजिक–सांस्कृतिक व्यवस्था का आकलन किया जा सके। भविष्य में, सामाजिक–आर्थिक पहलुओं के अलावा, क्षेत्र के नृजातीय अध्ययन के आधार पर सामाजिक–सांस्कृतिक पहलुओं पर एक अलग अध्याय शामिल किया जाएगा। किसी परियोजना की आर एंड आर योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए, नीपको ने संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से आर एंड आर (संबंधित राज्य सरकार के जिला कलेक्टर का पद) के लिए प्रशासक की अध्यक्षता में एक परियोजना आर एंड आर समिति का गठन किया है और परियोजना के प्रमुख समिति के सदस्य सचिव हैं।

विभिन्न परियोजनाओं में नीपको की आर एंड आर पहल इस प्रकार है:

संयंत्र / परियोजना	आर एंड आर कार्य / पहल
पारे एचपीएस अरुणाचल प्रदेश।	» सभी 277 प्रभावित परिवारों को पूर्ण मुआवज़ा। » सभी 35 परियोजना प्रभावित परिवारों का पुनर्वास और पुनर्वास किया जा चुका है। » सीएंडडी श्रेणी की नौकरियों में 32 स्थानीय आदिवासी लोगों की भर्ती की गई है। » परियोजना से प्रभावित 50 अन्य लोगों को दो वर्षों के लिए आईटीआई प्रशिक्षण दिया गया और 50 में से 48 को नीपको में विभिन्न श्रेणियों में समायोजित किया गया है। » परियोजना प्रभावित परिवारों के पात्र उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। » बेरोजगार शिक्षित युवाओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। » परियोजना के आसपास रहने वाले 50 परिवारों के लिए मशरूम की खेती पर क्लस्टर विकास आजीविका कार्यक्रम लागू किया गया है।
कामेंगे एचपीएस अरुणाचल प्रदेश।	» सभी 99 प्रभावित परिवारों को पूर्ण मुआवज़ा। » सभी 99 प्रभावित परिवारों का पुनर्वास और पुनर्वास किया जा चुका है। » अन्य पहलों और कार्यों में गाँव के बुनियादी ढाँचे का निर्माण, कृषि, बागवानी, डेयरी, मुर्गीपालन आदि के माध्यम से आर्थिक पुनर्वास और कृषि गतिविधियों पर किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है।
पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश।	» 108 भूमि प्रभावित लोगों को रोज़गार। » चुन और रूब गाँव में रहने वाले 27 परिवारों को पोटिन में स्थानांतरित किया जाएगा, जहाँ नए पुनर्वास स्थल का विधिवत विकास किया जाएगा, जिसमें जलापूर्ति, पहुँच मार्ग, स्कूल भवन, शिक्षकों के लिए आवास और झोपड़ियों का निर्माण शामिल होगा। » स्थानीय भूमि प्रभावित ठेकेदारों को छोटे–मोटे निर्माण कार्यों का आवंटन। » अन्य पहलों और कार्यों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, गाँव के बुनियादी ढाँचे का विकास (जैसे – जलापूर्ति, सड़कें, स्कूल, सामुदायिक भवन, आदि) शामिल हैं।
दोयांग एचपीएस, नागालैंड	» दोयांग एचपीएस, नीपको ने वोखा जिला प्रशासन और शिशोई ओशोम–उद्यमिता कार्य बल (ईटीएफ)–प्रकोष्ठ, और आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), वोखा और एनएसआरएलएम जैसी अन्य एजेंसियों के सहयोग से सीएसआर योजना के अंतर्गत वोखा जिले के विभिन्न गाँवों और समुदायों में प्राकृतिक रेशा निष्कर्षण और उत्पाद विकास के क्षेत्र में उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किए। आईसीएआर के सहयोग से केले के रेशे निष्कर्षण और उत्पाद विकास पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

वित्तीय चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको / कंपनी) के वित्तीय विवरणों की विस्तृत चर्चा और विश्लेषण नीचे दिया गया है।

वित्तीय स्थिति

बैलेंस शीट मदों की चर्चा नीचे की गई है

1. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई), पूंजीगत कार्य प्रगति

पर, अमूर्त संपत्तियां और विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां कंपनी के पीपीई, पूंजीगत कार्य प्रगति पर, अमूर्त संपत्तियां और विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां नीचे विस्तृत रूप से दी गई हैं

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च को		% बदलाव करें
	2025	2024	
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) का सकल ब्लॉक (नोट–2)	20,58,066.26	19,85,539.30	3.65 %
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) का नेट ब्लॉक (नोट–2)	12,84,562.32	12,93,125.26	(0.66 %)
कैपिटल वर्क–इन–प्रोग्रेस (सीडब्ल्यूआईपी) (नोट–3)	67,136.54	66482.49	0.98 %
अमूर्त परिसंपत्तियों का सकल ब्लॉक (नोट–4)	11,289.00	10,886.74	3.69 %
अमूर्त परिसंपत्तियों का शुद्ध खंड (नोट–4)	7,721.77	8,033.31	(3.88) %
विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां (नोट–4ए)	96.00	124.32	(22.78) %

वर्ष के दौरान, मुख्य रूप से नई वाणिज्यिक क्षमता को जोड़ने के कारण पीपीई के सकल ब्लॉक में ₹ 72526.96 लाख रुपये (अर्थात 3.65%) की वृद्धि हुई। शुद्ध ब्लॉक पिछले वर्ष की तुलना में 0.66% कम हो गया है।

सीडब्ल्यूआईपी को स्थिर परिसंपत्तियों में बदलने के प्रभाव के बाद खंडोंग, टाटो–I, टाटो– II और बीकानेर में सौर संयंत्र में चल रही निर्माण गतिविधियों के कारण कैपिटल वर्क–इन–प्रोग्रेस (सीडब्ल्यूआईपी) में 0.98% प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई।

वर्ष के दौरान, मुख्य रूप से ईआरपी/एसएपी से संबंधित सॉफ्टवेयर के पूंजीकरण के कारण अमूर्त परिसंपत्तियों के सकल ब्लॉक में पिछले वर्ष की तुलना में 402.26 लाख (यानी 3.69%) की वृद्धि हुई। इसके अलावा, ईआरपी/एसएपी से संबंधित "सॉफ्टवेयर" के पूंजीकरण के कारण चालू वित्त वर्ष के दौरान विकास के तहत अमूर्त संपत्ति में 28.32 लाख रुपये (अर्थात 22.78%) की कमी आई है।

2. सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश (नोट–5)

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च को	
	2025	2024
संयुक्त उद्यमों में निवेश कम: प्रावधान	2793.00 (2793.00)	2793.00 (2793.00)
कुल	**शून्य**	**शून्य**

31.03.2025 को संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश निम्नानुसार है:

(लाख रुपए में)

कंपनी का नाम	राशि
के. एस. के. डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड कम: प्रोविजन नेट	2793.00 (2793.00) शून्य

समझौते के अनुसार, कंपनी ने संयुक्त उद्यम कंपनी में 30% शेयरधारिता के बराबर ₹ 2,793.00 लाख का निवेश किया है। नीपको, संयुक्त उद्यम कंपनी मेसर्स केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विकल्पों और अवसरों की खोज कर रही है, जिसमें निवेश में कंपनी (नीपको) के हितों की रक्षा के लिए कानूनी विशेषज्ञों की नियुक्ति भी शामिल है। हालाँकि, कंपनी की अंतर–अनुशासनात्मक समिति द्वारा देखी गई, परियोजना के वर्तमान स्वरूप में व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य होने को देखते हुए, नीपको के बहीखातों में समतुल्य राशि का प्रावधान किया गया है।

3. गैर–चालू वित्तीय परिसंपत्तियाँ (नोट–6 और नोट–8)

गैर–चालू वित्तीय परिसंपत्तियों में मुख्यत: कर्मचारियों को दिए गए ऋण और अग्रिम, वापसी योग्य अग्रिम कर, पूंजीगत अग्रिम आदि शामिल हैं।

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च को		% बदलाव करें
	2025	2024	
कर्मचारियों को ऋण (नोट–6)	31.35	40.02	(21.66%)
अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (नोट–8)	62569.72	43529.96	43.74%
कुल	**62601.07**	**43569.98**	**43.68%**

कर्मचारियों को दिए जाने वाले ऋणों में कंप्यूटर अग्रिम, ब्याज मुक्त फर्नीचर अग्रिम और बहुउद्देशीय अग्रिम शामिल हैं। अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों में ठेकेदारों को पूंजीगत अग्रिम, वापसी योग्य अग्रिम कर और उन अग्रिमों पर उपार्जित ब्याज शामिल हैं जो बैलेंस शीट की दिनांक से 12 महीने की अवधि के बाद प्राप्त होने की उम्मीद है। अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों में पिछले वर्ष की तुलना में 43.74% की वृद्धि हुई, मुख्य रूप से मेसर्स को मोबिलाइजेशन एडवांस की दिशा में 17087.87 लाख रुपये के प्रमुख पूंजी अग्रिम भुगतान के कारण। बीकानेर में 300 मेगावाट ग्रिड से जुड़ी सौर पीवी परियोजना के निर्माण के लिए डब्ल्यूएएआरआईई रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, पीसीडीए (बीआर) सीमा सड़क संगठन को रुपये– ₹ 4000.00 लाख का भुगतान और हिओ हाइडल परियोजना और टाटो–I हाइडल परियोजना के लिए भूमि के लिए ₹ 52.50 लाख रुपये और ₹ 52.35 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान। पिछले वर्ष की तुलना में वापसी योग्य अग्रिम कर की राशि में कोई बदलाव नहीं किया गया है क्योंकि पूरा मामला अभी भी आयकर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित है। ₹ 826.57 लाख की राशि पर उपार्जित ब्याज मेसर्स से संबंधित है। पटेल इंजीनियरिंग

लिमिटेड हालांकि, ठेकेदार से वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए लेखा पुस्तकों में एक समकक्ष प्रावधान किया गया है।

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 की वर्तमान परिसंपत्तियों को नीचे सारणीबद्ध किया गया है।

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च तक		वर्ष–दर–वर्ष परिवर्तन	
वर्तमान संपत्तियाँ	2025	2024	(लाखों में)	% में
इन्वेंटरी (प्रावधान के बाद शुद्ध) (नोट–9)	14,508.30	12,457.35	2050.95	16.46%
व्यापारिक प्राप्य (नोट–10)	57280.59	83664.74	(26384.15)	(31.54) %
नकद और नकद समकक्ष (नोट–11)	126.11	240.10	(113.99)	(47.48) %
नकद और नकद समकक्ष के अलावा बैंक शेष (नोट–12)	602.98	276.46	326.52	118.11%
अन्य (नोट–13)	98366.95	32756.40	65610.55	200.30%
वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ/देयताएँ (शुद्ध) (नोट–14)	1557.63	2165.84	(3723.47)	(171.92) %
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ (नोट–15)	2663.17	2509.48	153.69	6.12 %
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**1,71,990.47**	**1,34,070.37**	**37920.10**	**28.28 %**

(क) इन्वेंटरी (नोट 9)

इन्वेंटरी का मूल्यांकन लागत या शुद्ध प्राप्ति योग्य मूल्य (एनआरवी), जो भी कम हो, पर किया जाता है। लागत में क्रय लागत, रूपांतरण लागत और इन्वेंटरी को उनके वर्तमान स्थान और स्थिति में लाने में होने वाली अन्य लागतें शामिल होती हैं। लागत का निर्धारण भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करके किया जाता है और एनआरवी, सामान्य व्यावसायिक क्रम में अनुमानित विक्रय मूल्य होता है, जिसमें से बिक्री के लिए आवश्यक अनुमानित लागतें घटा दी जाती हैं। इन्वेंटरी में मुख्य रूप से संयंत्र के संचालन के लिए रखे गए भंडार और पुर्जे शामिल होते हैं।

वित्त वर्ष 2024–25 में इन्वेंटरी में ₹ 2050.95 लाख की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण नई वाणिज्यिक क्षमता का जुड़ना है।

(ख) व्यापार प्राप्य (नोट 10)

यापार प्राप्य बिजली की बिक्री के लिए लाभार्थियों से देय राशि को दर्शाता है। 31 मार्च 2025 तक, व्यापार प्राप्य ₹36,323.54 लाख थे, जबकि 31 मार्च 2024 तक यह ₹42,025.55 लाख थे। 31.03.2025 और 31.03.2024 तक व्यापार प्राप्य में क्रमश: ₹20957.05 लाख और ₹41639.19 लाख की "बिना बिल वाली राशियाँ" शामिल नहीं हैं। वित्त वर्ष 2024–25 के लिए देनदार कारोबार अनुपात (बिना बिल वाली आय का शुद्ध) वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 36 दिनों के परिचालन राजस्व की तुलना में बढकर 31 दिनों का परिचालन राजस्व हो गया।

(ग) नकद एवं नकद समतुल्य तथा नकद एवं नकद समतुल्य के अतिरिक्त बैंक शेष (नोट 11 और नोट 12)

इसमें (i) बैंक में रखे गए चालू खाते, (ii) हस्तगत स्टाम्प और (iii) बैलेंस शीट तिथि पर प्रतिबंधित धन शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 तक, निगम की नकद एवं नकद समतुल्य (नकद एवं नकद समतुल्य के अतिरिक्त बैंक शेष सहित) क्रमश: ₹729.09 लाख और ₹516.56 लाख थी। इन आँकडों में क्रमश: ₹602.98 लाख और ₹276.46 लाख की प्रतिबंधित निधियाँ शामिल हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान शेष राशि में वृद्धि मुख्य रूप से वर्ष के दौरान सीएसआर की चालू देयताएँ और अप्रयुक्त राशियों के हस्तांतरण से संबंधित प्रतिबंधित निधियों में वृद्धि के कारण है।

(घ) अन्य (नोट 13)

अन्य में अन्य प्राप्य (असुरक्षित, अच्छे माने जाने वाले), दावा प्राप्य, अनुबंध परिसंपत्तियाँ, कर्मचारियों को अग्रिम और सुरक्षा जमा के कारण शेष राशि शामिल है, जिनका निपटान चालू वित्त वर्ष की समाप्ति से 12 महीनों के भीतर होने की उम्मीद है। 31 मार्च, 2025 तक, यह राशि 31 मार्च 2024 तक 32,756.40 लाख रुपये की तुलना में 98,366.95 लाख रुपये थी। पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 65,610.55 लाख रुपये (अर्थात 200.30%) की शुद्ध वृद्धि हुई है। वृद्धि का मुख्य कारण अनुबंध परिसंपत्तियों को माना जाता है, जिनमें सीईआरसी विनियमन 2019–24 के तहत संचालित बिजलीघरों के लिए याचिकाओं के सत्यापन के प्रावधान और सीईआरसी विनियमन 2024–29 के तहत एक नई याचिका के प्रावधान के बाद ₹64654.70 लाख की वृद्धि हुई है। अन्य प्राप्तियों में भी चालू वित्त वर्ष के दौरान ₹1143.88 लाख की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता से ₹984.16 लाख की अधिक वसूली और पीआरएमबी ट्रस्ट से ₹219.00 लाख की अधिक वसूली है। इसके अलावा, कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम में ₹186.25 लाख और सुरक्षा जमा में ₹1.78 लाख की कमी आई।

(ङ) चालू कर परिसंपत्तियाँ/(देयताएँ) (शुद्ध) (नोट 14)

चालू कर परिसंपत्तियों (शुद्ध) में वापसी योग्य अग्रिम कर, टीडीएस& टीसीएस सहित अग्रिम भुगतान किया गया कर – वर्तमान कर देयताएँ शामिल हैं। इन देयताओं में चालू वर्ष की कर देयताएँ (नियामक आस्थगित खाता शेष से संबंधित कर देयताओं सहित), पिछले वर्षों के समायोजन और अन्य व्यापक आय पर कर शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 तक नीपको की वर्तमान कर देयताएँ (शुद्ध)

₹1,557.63 लाख और 31 मार्च, 2024 तक ₹2165.84 लाख थीं।

(च) अन्य चालू संपत्तियाँ (नोट 15)

अन्य चालू संपत्तियों में पूर्व–भुगतान किए गए व्यय और बीमा, आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम (प्रावधान के बाद शुद्ध), स्क्रैप/अप्रचलित संपत्तियाँ (प्रावधान के बाद शुद्ध), निपटान के लिए रखी गई स्क्रैप/अप्रचलित संपत्तियाँ (एनआरवी पर) शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 तक नीपको की अन्य चालू संपत्तियाँ (प्रावधान के बाद शुद्ध) क्रमशः ₹2663.17 लाख और ₹2509.48 लाख थीं, जो 6.12% की वृद्धि दर्शाती हैं।

5. नियामक आस्थगित खातों का डेबिट शेष – नोट–16

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 तक नियामक आस्थगित खातों का डेबिट शेष (आरडीए डेबिट शेष) क्रमशः ₹ 135277.65 लाख और ₹ 114729.55 लाख था, जो वित्त वर्ष 2024–25 में 17.91% की वृद्धि दर्शाता है। नियामक आस्थगित खातों के डेबिट शेष में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मूल्यह्रास –तुईरियल एचपीएस राशि ₹ 30582.29 लाख (पिछले वर्ष: ₹ 26367.00 लाख),
- आस्थगित कर देयताऐं के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन राशि ₹ 64401.83 लाख (पिछले वर्ष: ₹ 47911.40 लाख),
- आस्थगित कर वसूली योग्य राशि ₹ 27633.33 लाख (पिछले वर्ष: ₹ 35581.70 लाख),
- मध्यस्थता निर्णय के कारण तुईरियल एचपीएस से संबंधित आरडीए राशि ₹ 11285.41 लाख (पिछले वर्ष: ₹ 4398.98 लाख),
- कोपिली से संबंधित आरडीए मध्यस्थता निर्णय के कारण एचपीएस की राशि ₹800.48 लाख (पिछले वर्ष: ₹470.47 लाख),
- मध्यस्थता निर्णय के कारण एजीजीबीपीएस से संबंधित आरडीए की राशि ₹574.31 लाख (पिछले वर्ष: शून्य)।

नियामक आस्थगित खाता शेष–मान्यता प्राप्त

(लाख रुपए में)

विवरण	विनियामक आस्थगित लेखा डेबिट शेष	
	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2025 तक
क. 1 अप्रैल को आरंभिक शेष राशि	1,14,729.55	99,295.21
ख. वर्ष के दौरान वृद्धि	28,496.47	17,024.13
ग. प्राप्त राशि	(6,143.41)	(1,589.79)
घ. वर्ष के दौरान समायोजन	**(1,804.96)**	**-**
ङ. अंतिम शेष (ए+बी+सी)	**1,35,277.65**	**1,14,729.55**

वर्ष के दौरान प्राप्त/समायोजन राशि ₹6143.41 लाख (पिछले वर्ष: ₹1589.79 लाख) है, जो ₹1804.96 लाख (पिछले वर्ष: ₹ शून्य) की राशि के भौतिक आस्थगित कर और आस्थगित कर प्रत्यावर्तन की वसूली से संबंधित है।

5.1 लाभार्थियों को हस्तांतरित किए जाने वाले एमएटी क्रेडिट के संबंध में नियामक आस्थगन खातों का क्रेडिट शेष – नोट–16.02

वर्ष के दौरान, कंपनी ने 1 अप्रैल, 2018 से प्रारंभ होने वाली अवधि के लिए ₹6923.33 लाख (पिछले वर्ष: ₹18128.66 लाख) की एमटी क्रेडिट पात्रता को मान्यता दी। एमएटी क्रेडिट के उपयोग के परिणामस्वरूप भविष्य के वर्षों में प्रभावी कर दर कम होगी।

तदनुसार, 31 मार्च, 2025 तक ₹25,051.99 लाख (पिछले वर्ष: ₹18,128.66 लाख) का "नियामक आस्थगित खाता शेष", जो उक्त एमएटी क्रेडिट पात्रता के अनुरूप है, को भी लाभार्थियों से वसूली योग्य माना गया है।

6. कुल इक्विटी (नोट–17 और नोट–18)

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 तक निगम की कुल इक्विटी क्रमशः **₹7,17,546.23** लाख और **₹6,86,789.38** लाख थी।

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 20254तक
1 अप्रैल को आरंभिक शेष	6,86,789.38	6,58,583.80
वर्ष का लाभ	58,468.51	54,812.21
अन्य व्यापक आय	(2711.66)	(1606.63)
चालू वर्ष का अंतरिम लाभांश	(20,000.00)	(25,000.00)
पिछले वर्ष का अंतिम लाभांश	(5000.00)	
समापन शेष	**7,17,546.23**	**6,86,789.38**

क) इक्विटी शेयर पूंजी (नोट 17)

31 मार्च 2025 तक निगम की इक्विटी शेयर पूंजी ₹3,60,981.04 लाख थी, जो 31 मार्च 2024 के समान ही है। एनटीपीसी लिमिटेड, 25 मार्च 2020 के शेयर खरीद समझौते के अनुसार शेयर हस्तांतरण के माध्यम से नीपको लिमिटेड में भारत सरकार की संपूर्ण इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के आधार पर, 31 मार्च 2025 तक नीपको लिमिटेड का 100% स्वामित्व रखती है।

ख) अन्य इक्विटी (नोट 18)

नीपको की अन्य इक्विटी में सामान्य आरक्षित निधि, प्रतिधारित आय और बॉन्ड मोचन आरक्षित निधि शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 तक अन्य इक्विटी **₹ 3,56,565.19 लाख** थी, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह ₹ 3,25,808.34 लाख थी। अन्य इक्विटी का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
सामान्य रिज़र्व	1,97,691.68	1,97,691.68
प्रतिधारित आय	93,819.34	63,062.49
बॉन्ड मोचन रिज़र्व	65,054.17	65,054.17
कुल	**3,56,565.19**	**3,25,808.34**

पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिधारित आय में 48.77% की वृद्धि हुई।

7. गैर–चालू और चालू देयताएँ

दीर्घकालिक उधार (नोट 19 और नोट 21)

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 तक दीर्घकालीन उधार (मूलधन) क्रमशः ₹7,19,232.57 लाख और ₹6,89,386.82 लाख था। दीर्घकालीन उधारों की वर्तमान परिपक्वता को चालू देयताऐं के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। कुल दीर्घकालीन उधारों (मूलधन) का विवरण इस प्रकार है।

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
गैर–वर्तमान उधार	6,34,261.48	5,90,470.25
गैर–वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वता (एक वर्ष या उससे कम में)	84971.09	98,916.57
कुल दीर्घकालिक ऋण #	**7,19,232.57**	**6,89,386.82**

#इसमें इंड–एएस के अनुसार उधार पर लेनदेन लागत के लिए समायोजन शामिल है।

क. बकाया दीर्घकालिक ऋणों (मूल राशि) का सारांश नीचे दिया गया है:

(लाख रुपए में)

विवरण	गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएँ (नोट–19)		वर्तमान वित्तीय देयताएँ (नोट–21)		कुल उधार		%
	2025	2024	2025	2024	2025	2024	बदलाव करें
सुरक्षित उधार							
बांड	1,39,951.33	2,04,921.22	50,000.00	62,000.00	1,89,951.33	2,66,921.22	(28.84%)
सावधि ऋण	2,51,800.00	2,80,500.00	27,200.00	29,300.00	2,79,000.00	3,09,800.00	(9.94%)
विदेशी मुद्रा ऋण (ईसीबी)	-	-	-	-	-	-	0.00%
उप–कुल	**3,91,751.33**	**4,85,421.22**	**77,200.00**	**91,300.00**	**4,68,951.33**	**5,76,721.22**	**(18.69%)**
असुरक्षित							
बांड	69,601.28	19,996.23	-	-	69,601.28	19,995.66	248.08%
सावधि ऋण	1,23,000.00	29,000.00	1,000.00	1,000.00	1,24,000.00	30000.00	313.33%
विदेशी मुद्रा ऋण (केएफडब्ल्यू)	20,780.20	26926.07	6,771.09	6,616.57	27,551.29	33,542.64	(17.86%)
भारत सरकार अधीनस्थ ऋण	29,128.67	29,126.73	-	-	29,128.67	29,126.73	0.01%
उप–कुल	**2,42,510.15**	**1,05,049.03**	**7,771.09**	**7,616.57**	**2,50,281.24**	**1,12,665.60**	**122.15%**
कुल	**6,34,261.48**	**5,90,470.25**	**84971.09**	**98,916.57**	**7,19,232.57**	**6,89,386.82**	**4.33%**

घरेलू ऋणों, विशेष रूप से बॉन्ड और टर्म लोन में क्रमशः 28.84% प्रतिशत और 9.94% प्रतिशत की कमी आई। असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण में 17.86% प्रतिशत की कमी

पट्टा देयताएँ (नोट 19ए और 21ए)

एमसीए अधिसूचना के अनुपालन में, कंपनी ने 01 अप्रैल, 2019 से प्रभावी रूप से इंड एएस 116 "पट्टों" को अपनाया है और इसे उस दिनांक को मौजूद सभी पट्टा अनुबंधों पर लागू किया है। नतीजतन, कंपनी ने प्रारंभिक आवेदन की दिनांक पर लागू वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके छूट वाले शेष पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर पट्टे की देनदारी दर्ज की।

पट्टा देयताऐं का विवरण इस प्रकार है:

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 20254तक
पट्टा देयताएँ–गैर–वर्तमान	775.87	1015.07
पट्टा देयताएँ–वर्तमान परिपक्वता (एक वर्ष या उससे कम में)	971.68	1000.48
कुल पट्टे की देयताएँ–पट्टे के तहत परिसंपत्तियाँ	**1747.55**	**2015.55**

पट्टा दायित्व के निपटान के कारण पट्टा देयताऐं में ₹ 268 लाख रुपये (शुद्ध) की कमी आई।

अन्य गैर–वर्तमान देयताएं:

(क) दीर्घकालिक प्रावधान (नोट 20)

31 मार्च, 2025 तक **₹397.04 लाख** (पिछले वर्ष: ₹303.28 लाख) के दीर्घकालिक प्रावधानों में बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कर्मचारी लाभों के प्रावधान शामिल हैं, जिनका निपटान बैलेंस शीट की तिथि से 12 महीने की अवधि के बाद होने की उम्मीद है। चालू वर्ष के दौरान प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि मुख्य रूप से वर्ष के लिए वृद्धिशील प्रभार के शुद्ध प्रभाव और वर्ष के दौरान भुगतान किए गए लाभों के कारण हुई है।

(ख) आस्थगित कर देयताएँ / (परिसंपत्ति) (नोट 7)

31 मार्च, 2025 तक आस्थगित कर देयताएँ (शुद्ध) **₹1,06,240.82** लाख हैं, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह ₹93,440.22 लाख थीं। आस्थगित कर देयता में वृद्धि, बही मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास के बीच **₹** 12,681.50 लाख के अंतर, आस्थगित कर परिसंपत्ति की वसूली के कारण अनवशोषित मूल्यह्रास में **₹9,753.67** लाख की कमी, बही में ₹9938.85 लाख की राशि के एमएटी क्रेडिट की मान्यता और अन्य मदों (प्रावधान, अवकाश नकदीकरण आदि) में **₹304.28** लाख की शुद्ध कमी के कारण हुई है, जिसके परिणामस्वरूप आस्थगित कर देयता शेष में **₹** 10,000 की वृद्धि हुई है। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष की तुलना में **₹ 12,800.60** लाख।

अन्य चालू देयताएँ

(क) व्यापार देय (नोट 22)

व्यापार देय सामान्य व्यावसायिक क्रम में खरीदी गई वस्तुओं या प्राप्त सेवाओं के कारण देय राशि को दर्शाते हैं। 31 मार्च, 2025 तक, व्यापार देय राशि **₹13,937.27** लाख थी, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह ₹17,775.74 लाख थी। उपरोक्त व्यापार देय राशि में एमएसएमई को देय राशि।

31 मार्च, 2024 तक **₹960.27** लाख (31 मार्च, 2024 तक ₹1,242.61 लाख) शामिल है और यह संबंधित वित्तीय वर्षों की संबंधित बैलेंस शीट तिथियों पर विक्रेताओं से दावों की प्राप्ति से 45 (पैंतालीस) दिनों से अधिक समय तक देय नहीं थी। पिछले वर्ष की तुलना में व्यापार देय राशि में कुल मिलाकर **₹**3838.47 लाख की कमी आई।

(ख) अन्य वित्तीय दायित्व (नोट 23)

इनमें उधार पर अर्जित लेकिन देय नहीं ब्याज और अन्य दायित्व शामिल हैं, जैसे कि पूंजीगत व्यय के लिए लेनदारों की राशि, कर्मचारी लाभ और प्रावधानों के लिए देय राशि, ठेकेदारों से प्रतिधारण राशि, और इन सभी का भुगतान या निपटान बैलेंस शीट की दिनांक से 12 महीनों के भीतर होने की उम्मीद है। 31 मार्च, 2025 तक अन्य वित्तीय दायित्व **₹**51,243.58 लाख थे, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह **₹**42,691.00 लाख थे। अन्य वित्तीय दायित्वों में शुद्ध वृद्धि **₹**8552.58 लाख थी। इस वृद्धि का कारण बांड पर अर्जित लेकिन देय नहीं ब्याज में वृद्धि – **₹**1438. 70 लाख, केएफडब्ल्यू से ऋण में **₹**41.57 लाख और मध्यम अवधि ऋण में **₹**86.27 लाख की कमी, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को पूंजीगत व्यय के लिए देय राशि में **₹**360.06 लाख की वृद्धि, सूक्ष्म और लघु विक्रेताओं के अलावा अन्य में **₹**852.12 लाख की वृद्धि, कर्मचारी लाभ के लिए देय राशि में **₹**1614.48 लाख की कमी, अन्य देय राशि और प्रावधानों में **₹**11199.07 लाख की वृद्धि और ठेकेदारों से प्राप्त प्रतिधारण राशि, ईएमडी, एसडी और अन्य अग्रिमों में **₹**3556.05 लाख की कमी है।

(ग) अन्य चालू देयताएँ (नोट 24)

इनमें लाभार्थियों से प्राप्त अग्रिम राशि, डीडीयूजीजेवाई सौभाग्य योजनाओं के लिए आरईसी से प्राप्त अग्रिम राशि, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर देय राशियाँ और देय अन्य वैधानिक बकाया राशियाँ (जैसे, सीपीएफ, एलआईपी, एनईएसएस आदि), परियोजना प्रभावित लोगों को मुफ्त बिजली, जिनका भुगतान बैलेंस शीट की तिथि से 12 महीनों के भीतर किया जाना है, शामिल हैं। 31 मार्च, 2025 तक अन्य चालू देयताएँ **₹**7,275.15 लाख थीं, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह **₹**6,228.16 लाख थीं।

अन्य चालू देयताऐं में **₹**1046.99 लाख (16.81%) की वृद्धि मुख्यतः लाभार्थियों से अग्रिम में **₹**1149.85 लाख की वृद्धि, देय वैधानिक देय राशि में **₹**119.48 लाख की कमी, और पारे एचपीएस के परियोजना प्रभावित लोगों को मुफ्त बिजली के लिए वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान **₹**16.62 लाख के प्रावधानों में वृद्धि के कारण हुई।

(घ) अल्पावधि प्रावधान (नोट 25)

31 मार्च, 2025 तक अल्पावधि प्रावधान **₹22,344.85** लाख रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को यह **₹19,930.75** लाख था, जो पिछले वर्ष की तुलना में ₹2414.10 लाख (12.11%) की वृद्धि दर्शाता है। अल्पावधि प्रावधानों में बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कर्मचारी लाभ शामिल हैं और इसमें ₹596.35 लाख की ग्रेच्युटी (पिछले वर्ष ₹361.48 लाख), सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा लाभ **₹4,162.28** लाख (पिछले वर्ष: ₹2,861.23 लाख), ₹17,533.64 लाख का अवकाश नकदीकरण (पिछले वर्ष: ₹16,670.42 लाख) और ₹52.58 लाख (पिछले वर्ष: ₹37.62 लाख) के अन्य सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं। इन प्रावधानों का निपटान बैलेंस शीट की तिथि से 12 महीनों के भीतर होने की उम्मीद है। चालू वर्ष के दौरान प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि मुख्य रूप से वर्ष के लिए वृद्धिशील प्रभार और वर्ष के दौरान देय लाभों के कारण है।

8. अन्य गैर–चालू देयताएँ: आस्थगित राजस्व (नोट–26 और 26ए)

आस्थगित राजस्व में निम्नलिखित दो मदें शामिल हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ लाख)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 20254तक
सरकारी अनुदानों से प्राप्त आस्थ. गित राजस्व		
चालू	1,640.74	1,586.70
गैर–चालू	17,930.30	19,627.01
आस्थगित विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव देयताएँ	9,623.88	9,978.04
कुल	**29,194.92**	**31,191.75**

सरकारी अनुदान से उत्पन्न आस्थगित राजस्व

★ एमडोनर से अनुदान:

विद्युत मंत्रालय द्वारा स्वीकृत निवेश अनुमोदन (पत्र संख्या 7/7/2009–एच–आई दिनांक 14 जनवरी 2011 के अनुसार) के अनुसार, तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन, मिज़ोरम के लिए स्वीकृत वित्तपोषण पैटर्न के एक भाग के रूप में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) द्वारा ₹30,000.00 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी। ₹300.00 करोड़ की यह राशि अनुदान सहायता में शामिल है और परियोजना के चालू होने की तिथि से उसके मानक उपयोगी जीवन काल में परिशोधित की जा रही है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिशोधित राशि ₹1584.00 लाख (पिछले वर्ष: ₹1584.00 लाख) है। वर्ष के लाभ–हानि विवरण में समतुल्य राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

★ सरकारी अधीनस्थ ऋण:

भारत सरकार ने तुईरियल एचपीएस के कार्यान्वयन के लिए नीपको को ₹ 29,196.42 लाख का अधीनस्थ ऋण स्वीकृत किया है, जिस पर 1% प्रति वर्ष की ब्याज दर है और यह परियोजना के "व्यावसायिक संचालन की तिथि" से देय है। स्वीकृत राशि में से, नीपको द्वारा 31 मार्च, 2015 तक ₹ 29,096.42 लाख प्राप्त किए गए और शेष ₹ 100.00 लाख वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त हुए। 31 मार्च, 2015 तक प्राप्त ऋण राशि (₹ 29,096.42 लाख) को 1 अप्रैल, 2015 (इंड एएस संक्रमण तिथि) तक नीपको की पुस्तकों में इंड एएस 101 (पूर्वव्यापी आवेदन के अपवाद) के अनुपालन में उसके वहन मूल्य पर मान्यता दी गई थी। वित्तीय वर्ष 2015–16 में, बाजार दर से कम ब्याज दर (जून 2015 तक एसबीआई की आधार दर 9.70% मानी गड) से प्राप्त ₹82.64 लाख के लाभ को सरकारी अनुदान माना गया है और तदनुसार नीपको की पुस्तकों में मान्यता दी गई है।

★ सहायता अनुदान से पुर्जे

केंद्र सरकार से प्राप्त "सहायता अनुदान" से खरीदे गए पुर्जों का कुल मूल्य ₹3659.53 लाख है, जिसे असम गैस आधारित पावर स्टेशन की पुस्तकों में मान्यता दी गई है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, "सहायता अनुदान" के अंतर्गत मरम्मत और रखरखाव को डेबिट किया गया और पुर्जों के स्टॉक को **₹56.74** लाख (पिछले वर्ष: ₹2.70 लाख) की राशि से क्रेडिट किया गया। वर्ष के दौरान लाभ और हानि विवरण में समान राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

★ आस्थगित विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव देयताएँ

कंपनी ने 31 मार्च, 2025 तक ₹9,623.88 लाख की "आस्थगित विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव देयता" (पिछले वर्ष: ₹9,978.04 लाख), जो 1 अप्रैल, 2016 से पहले लिए गए विदेशी ऋणोंकृविशेष रूप से, एसबीआई सिंगापुर से ईसीबी और केएफडब्ल्यू, जर्मनी से विदेशी मुद्रा ऋणकृपर विदेशी मुद्रा दर परिवर्तन (एफईआरवी) से संबंधित है।

परिचालन परिणाम

I. कुल राजस्व (नोट–27 और नोट–28)

(लाख रुपए में)

क्रम सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24	बदलाव करें
1	ऊर्जा की बिक्री	**3,36,105.92**	3,25,400.29	3.29%
2	व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री	**84,064.78**	85,097.19	(1.21)%
3	विद्युत शुल्क	**113.07**	412.07	(72.56%)
4	डीएसएम से राजस्व	**5139.29**	6,742.40	(23.78%)
5	आरआरएएस से राजस्व	**1,583.74**	1,088.68	45.47%
6	लाभार्थियों से एफईआरवी (शुद्ध)	**354.16**	659.69	(46.31%)
7	फाइलिंग शुल्क	**63.89**	127.78	(50.00%)
8	लाभार्थियों से एनईआरएलडीसी शुल्क और अन्य शुल्क	**767.60**	895.86	(14.32%)
9	आस्थगित राजस्व – सरकारी अनुदान	**1,640.74**	1,586.70	3.41%
10	लाभार्थियों से ब्याज	**(125.49)**	1,911.04	(106.57%)
11	प्रतिक्रियाशील ऊर्जा की बिक्री	**71.25**	35.04	103.33%
परिचालन से राजस्व		**4,29,778.95**	**4,23,956.74**	**1.37%**
12	अन्य कमाई	4,408.26	2,466.09	78.76%
कुल मुनाफा		**4,34,187.21**	**4,26,422.83**	**1.82%**

परिचालन से राजस्व (नोट 27)

नीपको, पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) (सिक्किम को छोड़कर) में राज्य के स्वामित्व वाली बिजली कंपनियों और बिजली विभागों के साथ–साथ एनईआर (कामेंग एचपीएस से) के बाहर के बिजली विभागों सहित थोक उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के तहत और प्रत्येक लाभार्थी राज्य के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा किए गए आवंटन के अनुसार बिजली बेचती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी, कामेंग एचपीएस द्वारा उत्पादित व्यापारिक बिजली और गैर–अधिग्रहित ऊर्जा (यूआरएस) के कारण कंपनी को उपलब्ध अधिशेष बिजली के लिए मेसर्स एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) के माध्यम से बिजली व्यापार में लगी हुई है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिचालन से कुल राजस्व ₹4,29,778.95 लाख (पिछले वर्ष: ₹4,23,956.74 लाख) था, जो कंपनी की कुल आय का 98.98% (पिछले वर्ष: 99.42%) था।

2057 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ, कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान 8020.29 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हासिल किया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 8,001.00 मिलियन यूनिट थाकृ जो 0.24% की वृद्धि है। हालाँकि, नीपको का एक उत्पादन केंद्र, खांडोंग चरण–I (स्थापित क्षमतारू 50 मेगावाट), चल रहे नवीनीकरण और आधुनिकीकरण कार्य के कारण वर्ष के दौरान पूरी तरह से बंद रहाँ

अन्य आय (नोट 28)

अन्य आय का ब्यौरा इस प्रकार है:

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24	बढ़ाएँ / (घटाएँ)
बैंक में जमा राशि पर ब्याज	373.19	358.77	14.42
निष्पादन से आय	-	211. 00	(211.00)
अन्य विविध प्राप्तियाँ	3284.54	595.42	2689.12
अशक्त शक्ति	299.11	159.10	140.01
अन्य	57.14	493.32	(296.17)
विलंबित भुगतान अधिभार	720.47	848.88	(128.41)
पीपीई के निपटान पर लाभ / (हानि)	7.49	45.74	(38.25)
निर्माण हेतु आवंटन	(333.68)	(247.04)	(86.64)

'अन्य आय' में मुख्य रूप से बैंक जमा पर ब्याज, विलंब भुगतान अधिभार, लिखित वापसी का प्रावधान और विविध प्राप्तियां शामिल हैं।

कंपनी के लिए लाभ और हानि के विवरण को प्रभावित करने वाली अन्य आय वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान ₹4,408.26 लाख रुपये थी, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में यह ₹2,466.09 लाख रुपये थी। ₹1942.17 लाख की अन्य आय में शुद्ध वृद्धि मुख्य रूप से अन्य विविध आय में वृद्धि के कारण है। द्वारा प्राप्तियां। ₹2689.12 लाख रुपये, विलंब भुगतान अधिभार में 128.41 लाख रुपये की कमी, बैंक जमा पर ब्याज में ₹14.42 लाख रुपये की वृद्धि, अन्य की आय में ₹436.18 लाख रुपये की कमी, जमा कार्यों के निष्पादन में 211.90 लाख रुपये की कमी और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के निपटान पर ₹38.25 लाख रुपये का लाभ और अन्य की ओर ₹53.37 लाख रुपये की वृद्धि।

व्यय (नोट–29 से नोट–33)

पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2024–25 में कुल व्यय में 0.66% की कमी आई है, जो मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से है: कर्मचारी लाभ व्यय में 12.34% की वृद्धि, वित्त लागत में 0.71% की वृद्धि, अन्य खर्चों में 7.42% की वृद्धि और ईंधन लागत में (7.91%) की कमी और मूल्यह्रास और परिशोधन में (2.83%) की कमी क्रमशः।

(लाख रुपए में)

विवरण	2024-25	2023-24	बढ़ाएँ (घटाएँ)	परिवर्तन (%)
ईंधन लागत (नोट 29)	1,15,709.36	1,25,642.24	(9,932.88)	(7.91) %
कर्मचारी लाभ व्यय (टिप्पणी 30)	48,628.07	43,285.78	5,342.29	12.34 %
वित्तीय लागत (नोट 31)	53,213.15	52,838.05	375.10	0.71 %
मूल्यह्रास और परिशोधन खर्च (नोट 32)	83,059.16	85,480.64	(2421.48)	(2.83)%
अन्य खर्च (टिप्पणी 33)	61,183.06	56,957.35	4,225.71	7.42%
कुल खर्च	**3,61,792.80**	**3,64,204.06**	**(2,411.26)**	**(0.66%)**

ईंधन लागत

नीपको के ताप विद्युत उत्पादन संयंत्रों में प्रयुक्त ईंधन (प्राकृतिक गैस) की कीमत भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) द्वारा निर्धारित और अधिसूचित दरों द्वारा नियंत्रित होती है, सिवाय त्रिपुरा गैस आधारित विद्युत संयंत्र (टीजीबीपीएस) के, जहाँ लागू मूल्य ईंधन आपूर्ति हेतु नीपको और ओएनजीसी के बीच हुए समझौते के आधार पर निर्धारित किया जाता है। कुल ईंधन लागत में गैस की कुल लागत और उस पर परिवहन व्यय शामिल होता है।

प्राकृतिक गैस की कीमत (पीएनजीआरबी द्वारा अधिसूचित) अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 के लिए @$6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू, अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के लिए @$6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू, अप्रैल 2023 से सितंबर 2023 के लिए @$6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू और अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 के लिए @$6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी। इस प्रकार, तुलनात्मक अवधि के दौरान प्रति एमएमबीटीयू (एजीबीपीएस और एजीजीबीपीएस के लिक) औसत ईंधन मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। हालांकि, अप्रैल–मार्च 2024 की तुलना में अप्रैल–मार्च 2025 के दौरान एजीजीबीपीएस के लिए परिवहन लागत (पीएनजीआरबी द्वारा निर्धारित) में उल्लेखनीय कमी आई। एलपीपीएफ (औसत) दरों में ₹20.00 प्रति एससीएम (एजीबीपीएस के लिक) और ₹27.75 प्रति एससीएम (एजीबीपीएस के लिक) तथा ₹31.75 एससीएम (टीजीबीपीएस के लिक) की शुद्ध वृद्धि हुई।

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान ईंधन (गैस) व्यय कुल व्यय का 31.98% रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 34.50% था। ईंधन लागत व्यय में ₹9,932.88 लाख करोड़ की कमी मुख्य रूप से समीक्षाधीन अवधि के दौरान गैस की कम निकासी के कारण मात्रा में 86.85 मिमीएससीएम की कमी के कारण हुई है।

कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ

कर्मचारियों के पारिश्रमिक और लाभों में वेतन और मजदूरी, भविष्य निधि में अंशदान और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ, अवकाश नकदीकरण और कर्मचारी कल्याण व्यय शामिल हैं। ये व्यय वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान नीपको के कुल व्यय का 13.44% थे, जबकि पिछले वर्ष यह 11.89% था। चालू वित्त वर्ष के दौरान कर्मचारी व्यय में ₹5,342.29 लाख की वृद्धि मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से हुई हैरू वेतन और मजदूरी भुगतान में शुद्ध वृद्धि और कम छूट दर के कारण बीमांकिक मूल्यांकन में भिन्नता, सेवा लागत में वृद्धि और पिछले वर्ष की तुलना में ब्याज लागत में कमी, हालाँकि वर्ष के दौरान भर्तियों की तुलना में सेवानिवृत्ति की संख्या अधिक होने के कारण कर्मचारियों की संख्या में कमी आई।

वित्तीय लागत

नीपको की वित्तीय लागत में उधार पर ब्याज व्यय और अन्य वित्तीय शुल्क, जैसे विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क और विनिमय दर में उतार–चढ़ाव आदि शामिल हैं। लेखांकन उद्देश्यों के लिए। विदेशी मुद्रा उधार सहित सभी उधार भारतीय रुपये में हैं।

वर्ष के दौरान, राजस्व खाते में प्रभारित वित्तीय लागत 0.71% बढ़कर ₹53213.15 लाख हो गई, जो पिछले वर्ष ₹52,838.05 लाख थी। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान वित्तीय लागत में पिछले वर्ष की तुलना में ₹375.10 लाख की वृद्धि मुख्य रूप से ब्याज शुल्क में ₹255.66 लाख की वृद्धि और विनिमय दर में उतार–चढ़ाव–हानि में ₹119.44 लाख की वृद्धि के कारण हुई है। वर्ष के दौरान वित्तीय लागत नीपको के कुल व्यय का 14.71% रही, जबकि पिछले वर्ष यह 14.51% थी।

मूल्यह्रास

मूल्यह्रास, 15 मार्च, 2024 को अधिसूचित केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (शुल्क की शर्तें और नियम) विनियम 2024 और उसके बाद के संशोधनों द्वारा निर्धारित दरों और कार्यप्रणाली के अनुसार, सीधी रेखा पद्धति के आधार पर लगाया जाता है – नीपको की अनुमोदित सामग्री लेखा नीति में उल्लिखित कुछ विशिष्ट अपवादों को छोड़कर। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, मूल्यह्रास 2.83% घटकर ₹83059.16 लाख हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में यह ₹85,480.64 लाख था। मूल्यह्रास में शुद्ध कमी मुख्यत: अनुमान में परिवर्तन के कारण एजीबीपी में ₹5172.96 लाख मूल्यह्रास में कमी और अन्य संयंत्रों में ₹2751.47 लाख की शुद्ध वृद्धि के कारण हुई है।

चालू वर्ष के दौरान नीपको के कुल व्यय में मूल्यह्रास का योगदान 22.96% रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 23.47% था।

अन्य व्यय नोट संख्या 33

अन्य व्यय (उत्पादन और प्रशासनिक व्यय सहित) में संयंत्र परिसंपत्तियों की मरम्मत और रखरखाव, सामान्य स्थापना/प्रशासनिक व्यय, बीमा शुल्क, व्यापार व्यय, एनईआरएलडीसी शुल्क और प्रभार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय, सुरक्षा व्यय, परिवहन व्यय, विद्युत शुल्क, राइट–ऑफ और अन्य विविध शुल्क शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, ये व्यय नीपको के कुल व्यय का लगभग 16.91% थे, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में यह 15.64% था। निरपेक्ष रूप से, अन्य व्यय पिछले वर्ष की तुलना में ₹ 4,225.71 लाख बढ़े, जिसका मुख्य कारण मरम्मत और रखरखाव शुल्क में ₹ 2274.00 लाख की वृद्धि, देय विद्युत शुल्क में ₹ 154.47 लाख की वृद्धि, मध्यस्थता पुरस्कार–ब्याज में ₹ 571.43 लाख की वृद्धि, राइट ऑफ के प्रावधान में ₹ 857.39 लाख की वृद्धि, सीएसआर व्यय में ₹ 421.77 लाख की वृद्धि, विज्ञापन व्यय में ₹ 511.53 लाख की कमी और प्रचार व्यय में ₹ 341.78 लाख की कमी, कानूनी शुल्क में ₹ 559.99 लाख की वृद्धि और ट्रेडिंग व्यय में ₹ 724.69 लाख की कमी, बीमा शुल्क में ₹ 268.00 लाख की कमी, परामर्श शुल्क में वृद्धि है। ₹ 278.21 लाख, यात्रा व्यय में ₹ 221.28 लाख की वृद्धि, दरों और करों में ₹ 456.29 लाख की वृद्धि और अन्य (शुद्ध) में ₹ 259.12 लाख की कमी।

नियामक आस्थगित खातों की शेष राशि में परिवर्तन (नियामक आय) (नोट संख्या 37)

भारतीय लेखा मानक 114 – नियामक आस्थगित खातों के अनुपालन में और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी "दर विनियमित गतिविधियों का लेखाकरण" पर मार्गदर्शन नोट के अनुरूप, "नियामक संपत्तियाँ" बनाई गई हैं और संबंधित "नियामक आय" को नीपको लिमिटेड की पुस्तकों में मान्यता दी गई है।

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, कंपनी ने लाभ और हानि विवरण में "नियामक आस्थगित खाता शेष में गतिविधि" (कर के बाद: ₹10170.87 लाख और ₹ 2501.34 लाख) के रूप में क्रमशः कुल ₹13624.77 लाख (पिछले वर्ष: ₹ (2694.32) लाख) को "नियामक आय" के रूप में मान्यता दी। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान मान्यता प्राप्त "नियामक आय" निम्नलिखित प्रमुख कारकों के कारण है

मूल्यह्रास – तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन: सीईआरसी दरों की अनुसूची के अनुसार मूल्यह्रास और सीईआरसी टैरिफ आदेश दिनांक 09.10.2018 द्वारा अनुमत @ 2% मूल्यह्रास

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने नीपको के तुईरियल हाइड्रो पावर स्टेशन (टीएचपीएस) के लिए वार्षिक स्थिर लागत (एफसी) का निर्धारण सीओडी के बाद पहले 15 वर्षों में 2% की दर से मूल्यह्रास के आधार पर किया है। यह निर्धारण भारत सरकार के सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) द्वारा उत्पादन स्टेशन (टीएचपीएस) के लिए संशोधित लागत अनुमान (आरसीई) निर्धारित करने के निर्णय के अनुसार किया गया है।

सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार दरें और कार्यप्रणाली, जिसके आधार पर टीएचपीएस के लिए मूल्यह्रास की गणना की गई है और विचाराधीन अवधि के लिए नीपको के लाभ–हानि विवरण में प्रभारित की गई है, सीईआरसी आदेश के अनुसार टैरिफ के माध्यम से वसूल करने की अनुमति से भिन्न है। सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार मूल्यह्रास की उच्च दर के कारण, उत्पादन केंद्र (टीएचपीएस) के संचालन के पहले 12 (बारह) वर्षों के लिए उसके "वाणिज्यिक संचालन की तिथि (सीओडी)" से लाभ–हानि खाते के विवरण में लगाया गया मूल्यह्रास, टैरिफ के माध्यम से वसूल किए जाने वाले मूल्यह्रास से अधिक होगा, जिसे संयंत्र के सीओडी के 13वें वर्ष से उसके मानक उपयोगी जीवन की शेष अवधि के दौरान भविष्य में उलट दिया जाएगा। तदनुसार, उत्पादन केंद्र के संचालन की पूर्व अवधि (12वें वर्ष तक) के दौरान "राजस्व" के रूप में वसूल किया गया कम मूल्यह्रास उसके बाद की उपयोगी अवधि के दौरान वसूल/समायोजित किया जाएगा।

उपर्युक्त के मद्देनजर, भविष्य की अवधि में वसूल/समायोज्य सीमा तक मूल्यह्रास के अंतर को "नियामक आस्थगित खाता शेषों के संचलन" में जमा करके "नियामक आस्थगित खाता डेबिट शेष" के रूप में अछूते

आधार पर मान्यता दी गई है। भविष्य की अवधि में वसूली योग्य/समायोज्य सीमा तक मूल्यह्रास का अंतर, जिसे वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान अछूते आधार पर मान्यता प्राप्त है, ₹4,215.29 लाख (पिछले वर्ष ₹4,173.70 लाख) "नियामक आय" के रूप में है।

आस्थगित कर देयताएँ के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन (नोट संख्या 16.01)

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, बिजली की बिक्री से उत्पन्न आय पर उपार्जित आस्थगित कर और भविष्य की अवधियों में आगे समायोज्य/प्रत्यावर्तन, जब संबंधित आस्थगित कर देयता वर्तमान कर का हिस्सा बन जाएगी और लाभार्थियों से वसूली योग्य राशि ₹16,490.43 लाख को वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान "आस्थगित कर देयता के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन" के रूप में (पिछले वर्ष ₹7980.98 लाख) हिसाब में लिया गया है, जिसे "नियामक आय" के रूप में मान्यता दी गई है और कंपनी की पुस्तकों में "नियामक आस्थगित खाता शेष" में एक गतिविधि के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

लाभार्थियों से वसूली योग्य आस्थगित कर देयताएँ

सीईआरसी (शुल्क विनियमन के नियम एवं शर्तें) 2019 के विनियम 67 के अनुसार, 31 मार्च, 2009 तक की अवधि से संबंधित आस्थगित कर देयताएँ, जब भी वे वास्तविक हों, उत्पादन कंपनियों या पारेषण लाइसेंसधारियों द्वारा लाभार्थियों या दीर्घकालिक ग्राहकों से, जैसा भी लागू हो, सीधे वसूली योग्य होंगी। 1 अप्रैल, 2024 तक, कंपनी के पास ष्वसूली योग्य आस्थगित करष् के अंतर्गत ₹35,581.70 लाख का शेष था। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, ₹6,143.41 लाख की राशि वसूल की गई और ₹1,804.96 लाख की राशि समायोजित की गई। इसके अलावा, पिछले वित्तीय वर्ष में प्राप्त ₹1,589.79 लाख की राशि को चालू वर्ष के दौरान उचित रूप से उलट/समायोजित कर दिया गया है।

तुईरियल एचपीएस–मध्यस्थता निर्णय के संबंध में नियामक आस्थगन खाता शेष

निर्माण गतिविधियों के दौरान, 2004 में, तुईरियल क्षतिपूर्ति दावेदार संघ द्वारा बंद और सड़क जाम का आह्वान किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप परियोजना स्थल पर निर्माण कार्य स्थगित कर दिया गया था। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने शुरुआत में नीपको को केवल प्रारंभिक कार्य ही करने का निर्देश दिया था। बाद में, विद्युत मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया कि परियोजना से संबंधित निर्माण कार्य 09.06.2004 से अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। यद्यपि उक्त अवधि के दौरान निर्माण गतिविधियाँ स्थगित रहीं, फिर भी परियोजना में सभी प्रशासनिक गतिविधियाँ जारी रहीं। विद्युत मंत्रालय द्वारा दिनांक 14.11.2011 को जारी सीसीईए की मंजूरी के बाद, परियोजना का निर्माण कार्य 14.01.2011 से पुनः प्रारंभ हुआ। अंततः परियोजना वित्त वर्ष 2017–18 में चालू हुई।

संयंत्र में कार्य स्थगित होने के कारण, ठेकेदार ने मध्यस्थता के मामले दायर किए। दिनांक 21–08–2016 (लॉट–I/II/III) और 14–10–2016 (2– सड़कें) के मध्यस्थता निर्णय और तत्पश्चात माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 30–05–2023 को ठेकेदार के पक्ष में दिए गए अनुकूल आदेशों के आधार पर, ठेकेदार को दिए गए ब्याज के लिए कंपनी की 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार कंपनी की बही में एक प्रावधान बनाया गया है। यह राशि 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लाभ–हानि विवरण में जोड़ दी गई है।

15.03.2024 को अधिसूचित सीईआरसी (शुल्क की शर्तें और नियम) विनियम 2024 के विनियम 91 के अनुसार, मध्यस्थता पुरस्कार से जुड़ी और वास्तव में भुगतान की गई कोई भी ब्याज राशि, वहन लागत के साथ, किश्तों में दीर्घकालिक लाभार्थियों से वसूल की जाएगी। तदनुसार, तुईरियल एचपीएस के लिए मध्यस्थता पुरस्कार से संबंधित ₹ 6886.43 लाख का ब्याज लाभार्थियों से वसूलने योग्य है क्योंकि यह नियामक प्रावधानों के अनुसार ग्राहक से वसूले जाने के योग्य है और इसे 31 मार्च, 2025 तक नीपको की बही में "नियामक आस्थगित खाता डेबिट शेष" के रूप में दर्ज किया गया है। मध्यस्थता पुरस्कार के संबंध में आरडीए शेष के रूप में मान्यता प्राप्त संचयी राशि 31 मार्च, 2025 तक ₹11,285.41 लाख है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹43898.98 लाख थी, जिसे लाभार्थियों से वसूल किया जाना है।

कोपिली एचपीएस–मध्यस्थता पुरस्कार के संबंध में नियामक आस्थगन खाता शेष

कोपिली जलविद्युत परियोजना के लिए कोपिली नदी पर खांडोंग बांध और उमरोंग धारा पर उमरोंग बांध के निर्माण का ठेका वित्तीय वर्ष 1977–78 के दौरान दिया गया था।

कार्यों के निष्पादन के दौरान, लंबी दूरी से रेत लाने और नई खदान की स्थापना के कारण अतिरिक्त/अतिरिक्त व्यय को लेकर ठेकेदार के साथ विवाद उत्पन्न हो गया। दावों के निपटारे के लिए मामला मध्यस्थता के पास भेज दिया गया।

इस बीच, ठेकेदार ने विवाद से विश्वास–II योजना (वीएसवी–II) के तहत अपने दावे प्रस्तुत किए। उक्त प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और एक समझौता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। दावा की गई राशि ठेकेदार को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान भुगतान कर दी गई।

15.03.2024 को अधिसूचित सीईआरसी (शुल्क की शर्तें और नियम) विनियम 2024 के विनियम 91 में प्रावधान है कि मध्यस्थता निर्णय से जुड़ी और वास्तव में भुगतान की गई कोई भी ब्याज राशि दीर्घकालिक लाभार्थियों से वहन लागत सहित किश्तों में वसूल की जाएगी। तदनुसार, कोपिली एचपीएस के लिए मध्यस्थता पुरस्कार से संबंधित 330.01 लाख रुपये की ब्याज राशि – जो लाभार्थियों से वसूली योग्य है और दर नियामक द्वारा अनुमत ग्राहक से वसूलने के योग्य है, को 31 मार्च, 2025 तक नीपको की पुस्तकों में "नियामक आस्थगित खाता डेबिट शेष" के रूप में मान्यता दी गई है। मध्यस्थता पुरस्कार के संबंध में आरडीए की संचयी राशि 31 मार्च, 2025 तक 800.48 लाख रुपये है, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 470.47 लाख रुपये थी।

एजीजीबीपी के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष–अधिनिर्णय

वर्ष 2024–25 में, अगरतला गैस टर्बाइन पावर प्रोजेक्ट से संबंधित पावर

हाउस (सिविल कार्य) के निर्माण हेतु मेसर्स एस्ट्रा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को वीएसवी–II योजना के माध्यम से एक विवाद के निपटारे हेतु 574.31 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया गया। इस राशि को "नियामक आस्थगित खाता शेष" के अंतर्गत मान्यता दी गई है क्योंकि यह लाभार्थियों से वसूली योग्य है।

न्यूनतम वैकल्पिक कर (वौटाड) क्रेडिट और उस पर प्रमाणित आस्थागित (क्रेडिट) शेष की प्रामाणिकता नोट संख्या 7 और नोट संख्या 37

निपाको में वर्तमान में न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) के अंतर्गत अपनी ऋण देयता वसूली जारी है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, कंपनी ने ₹34464.15 लाख के हिसाब से कर्जा लागू किया, क्रेडिट पात्रता को मान्यता दी गई है। कुल प्राप्त मैटी क्रेडिट से, ₹25051.99 लाख की राशि लागू टैरिफ विनियमों के अनुसार ईसाइयों को वैधानिक जाना उचित है। संस्था, इस राशि को कंपनी की मान्यता में भारतीय लेखा मानक 114 – प्रमाणित आस्थगित खाते (क्रेडिट) शेष के रूप में प्रमाणित किया गया है, ताकि मान्यता से वैधानिक रूप से तय की जा सके।

आस्थगित कर वसूली योग्य समायोजन

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान, नियामक आस्थगित खाता शेष के अंतर्गत ₹ (1804.96) लाख की राशि की पहचान की गई है। यह पहचान आस्थगित कर परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन से उत्पन्न हुई है, जो संबंधित परिसंपत्तियों की संशोधित परिचालन चक्र आवश्यकताओं के अनुरूप परिसंपत्तियों के पूंजीकरण और विपूंजीकरण के कारण आवश्यक थी। पिछले वर्ष 2023–24 में ऐसा कोई समायोजन मान्यता प्राप्त नहीं था, जहाँ संबंधित राशि शून्य थी।

कर–पूर्व लाभ

वित्तीय वर्ष के लिए कर और असाधारण मदों से पहले कंपनी का लाभ निम्नानुसार सारणीबद्ध है:

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024तक
कुल आय	4,34,187.21	4,26,422.83
घटाएँ:		
परिचालन से संबंधित व्यय	2,25,520.49	2,25,885.37
वित्तीय लागत	53,213.15	52,838.05
मूल्यह्रास, परिशोधन और हानि व्यय	83,059.16	85,480.64
कर पूर्व लाभ (अपवादात्मक मदों और नियामक आस्थगित खातों की शेष राशि में परिवर्तन को छोड़कर)	**72,394.41**	**62,218.77**

कर प्रावधान का विवरण

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25		
	वर्तमान कर	आस्थगित कर	कुल
वित्तीय वर्ष 2024–25 डीएस वित्तीय वर्ष, प्रावधान	14,454.87	12800.60 (डीटीए का शुद्ध)	27,255.47
पूर्व वर्षों के लिए समायोजन	295.20	0.00	295.20
लाभ और हानि के विवरण के अनुसार शुद्ध प्रावधान	14,750.07	12800.60 (डीटीए का शुद्ध)	27550.67

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2023–24		
	वर्तमान कर	आस्थगित कर	कुल
वित्तीय वर्ष 2024–2025 के लिए प्रावधान	10,059.97	(5347.73) (डीटीए का शुद्ध)	4712.24
पिछले वर्षों के लिए समायोजन	0.00	0.00	0.00
लाभ–हानि विवरण के अनुसार शुद्ध प्रावधान	10059.97	(5347.73) (डीटीए का शुद्ध)	4712.24

कर–पश्चात लाभ

कंपनी का कर–पश्चात लाभ नीचे सारणीबद्ध है:

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
कर–पूर्व लाभ (अपवादात्मक मदों और नियामक आस्थगित खाता शेष में परिवर्तन को छोड़कर)	72,394.41	62,218.77
अपवाद मदें – आय/(व्यय)	-	-
कर–पूर्व लाभ (नियामक आस्थगित खाता शेष में परिवर्तन को छोड़कर)	72,394.41	62,218.77
जोड़ें: नियामक आस्थगित खाता शेष में परिवर्तन (सकल)	13,624.77	(2,694.32)
घटाएँ: कर व्यय	27,550.67	4712.24
कर–पश्चात लाभ	**58,468.51**	**54812.21**

अन्य समग्र आय

वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अन्य समग्र आय (कर–मुक्त) ₹ (2711.66) लाख है, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2023–24 में यह ₹ (1606.63) लाख थी। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कुल समग्र आय ₹ 55756.85 लाख है, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वर्ष में यह ₹ 53205.58 लाख थी।

नकदी प्रवाह

नकदी और नकद समकक्ष, विभिन्न गतिविधियों से नकदी प्रवाह के साथ, नीचे दिए गए हैं:

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
आरंभिक नकदी और नकदी समकक्ष	**240.10**	**1461.34**
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी अंतर्वाह/(बहिर्वाह)	1,58,348.79	1,54,103.75
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी अंतर्वाह/(बहिर्वाह)	(89,297.70)	(1,07,617.09)
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी अंतर्वाह/(बहिर्वाह)	(69,165.08)	(47,707.90)
नकदी और नकदी समकक्ष में शुद्ध वृद्धि/(कमी) समापन नकदी और नकदी समकक्ष	**(113.99)**	**(1221.44)**
	126.11	**240.10**

नकदी प्रवाह विवरण में परिचालन गतिविधियों, निवेश गतिविधियों और वित्तीय गतिविधियों से प्राप्त नकदी प्रवाह शामिल होता है।

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिचालन गतिविधियों से नीपको का शुद्ध नकदी प्रवाह ₹1,58,348.79 लाख था, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह ₹1,54,103.75 लाख था। परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी गैर–नकद मदों के समायोजन के बाद प्राप्त की गई है जैसः ₹ 83,059.16 लाख का मूल्यह्रास, ₹ 53,000.15 लाख की वित्त लागत, ₹ –13,624.77 लाख के विनियामक आस्थगित खातों के शेष में गतिविधि, ₹ 213.00 लाख की विदेशी मुद्रा हानि, ₹ 64.23 लाख की परिसंपत्तियों (शुद्ध) की मान्यता रद्द करने पर हानि, ₹ 8,548.22 लाख की राशि का प्रावधान/राइट ऑफ, ₹ (1,996.83) लाख का आस्थगित राजस्व, ₹ (57.14) लाख का प्रावधान वापस लिखा गया, ₹ (373.19) लाख की ब्याज/निवेश आय और ₹ (720.47) लाख की राशि का विलंबित भुगतान अधिभार। परिचालन परिसंपत्तियों और देयताऐं में परिवर्तन के परिणामस्वरूप ₹ (45748.27) लाख का शुद्ध नकदी बहिर्वाह हुआ, जो इन्वेंट्री, व्यापार प्राप्य, अन्य प्राप्य, ऋण और अग्रिम, अन्य वित्तीय देयताऐं और प्रावधानों में वृद्धि/(कमी) के प्रभाव के कारण हुआ। इसके अतिरिक्त, ₹ 10,027.00 लाख का अग्रिम आयकर वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए चुकाया गया।

नीपको का निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी बहिर्वाह वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान ₹ (89,297.70) लाख था, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह ₹ (1,07,617.09) लाख था। निवेश गतिविधियों से मुख्य नकदी बहिर्वाह संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अधिग्रहण के कारण हुआ, जिसकी राशि ₹ (90,145.90) लाख थी। अन्य घटकों में ₹373.19 लाख के निवेश पर ब्याज आय, ₹16.60 लाख की परिसंपत्तियों के निपटान से प्राप्ति, ₹784.93 लाख की विलंबित भुगतान अधिभार के कारण प्राप्ति, और नकदी और नकदी समकक्षों के अलावा बैंक शेष में ₹(326.52) लाख का परिवर्तन शामिल है।

वित्त वर्ष 2024–25 में वित्तपोषण गतिविधियों से शुद्ध नकदी बहिर्वाह ₹(69,165.08) लाख था, जबकि पिछले वर्ष यह ₹(47,707.90) लाख था। निगम ने बैंकों से सावधि ऋण के रूप में ₹1,44,635 लाख की धनराशि जुटाई और क्रमशः ₹(1,15,347.83) लाख और ₹(55,297.80)

लाख की ऋण चुकौती और ब्याज भुगतान किया। वर्ष के दौरान, निगम ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए ₹5000.00 लाख के अंतिम लाभांश के अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2024–25 के लिए ₹20000.00 लाख का अंतरिम लाभांश दिया। इसके अतिरिक्त, वित्त पट्टा दायित्वों का भुगतान ₹1150.01 लाख था और चालू उधारी के कारण शुद्ध अंतर्वाह ₹1000.00 लाख था। (17004.44) लाख।

तुलन–पत्र से इतर मदें

आकस्मिक देयताएँ:

वित्त वर्ष 2024–25 और 2023–24 के लिए आकस्मिक देयताओं के घटक इस प्रकार हैं:

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
कंपनी के विरुद्ध निम्नलिखित के संबंध में ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए दावे:		
पूंजीगत कार्यों के विरुद्ध लंबित मुकदमेबाजी	2,37,904.68	2,86,685.70
भूमि मुआवजा मामले	33,741.62	638.00
विवादित आयकर मांग	1,992.06	1,992.06
अन्य	26,218.20	23,295.00
कुल	**2,99,856.56**	**3,12,610.76**

भूमि मुआवजे से संबंधित मामलों में ₹33103.62 लाख की शुद्ध वृद्धि हुई है। सबसे बड़ी वृद्धि टाटो–II के लिए भूमि मुआवजे में वृद्धि से संबंधित है, जिसमें ₹33639.62 लाख की राशि शामिल है। इसके अतिरिक्त, ₹102.00 लाख ज्ञाभ्च के संबंध में भूमि मुआवजे में वृद्धि की अपील से संबंधित हैं।

प्रतिबद्धताएँ

(लाख रुपए में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
पूंजीगत अनुबंधों पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि, जिनके लिए प्रावधान नहीं किया गया है (अग्रिम और जमा को घटाकर)	-	-
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	**27,014.30**	**11,708.02**

संयुक्त उद्यम कंपनियों की वित्तीय समीक्षा

31 मार्च 2025 तक, नीपको की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

- केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड,
  8–2–293/82/ए/431/ए, रोड नंबर 22, जुबली हिल्स,
  हैदराबाद – 500 033, भारत

उपरोक्त संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी भारत में निगमित है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण, उक्त जेवी कंपनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर, इक्विटी लेखांकन पद्धति का उपयोग करके तैयार किए गए हैं।

समेकित वित्तीय परिणाम पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट नीचे दी गई है:

(लाख रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
कुल राजस्व	4,34,187.21	4,26,422.83
कुल व्यय	3,61,792.80	3,64,204.06
अपवाद मदें – आय/(व्यय)		
संयुक्त उद्यम के लाभ/(हानि) का हिस्सा	(0.09)	1.87
दर विनियमित गतिविधियों और कर से पहले का लाभ	72,394.32	62,220.64

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
कर व्यय	24,096.74	4,905.80
दर–विनियमित गतिविधियों से पहले लाभ	48,297.58	57,314.84
दर–विनियमित गतिविधियों में उतार–चढ़ाव (कर–मुक्त)	10,170.87	(2,501.34)
वर्ष के लिए लाभ/हानि	58,468.45	54,813.50
अन्य व्यापक आय (कर–मुक्त)	(2711.66)	(1606.63)
कुल व्यापक आय (कर–मुक्त)	55,756.79	53206.87
कुल इक्विटी	717,897.14	6,87,140.35

मानव संसाधन (एमपीपी) और मानव संसाधन विकास

31.03.2025 तक, निगम में 3 (तीन) बोर्ड स्तरीय कार्यकारी (सीवीओ को छोड़कर) सहित 1351 नियमित कर्मचारी थे। इनमें से 621 कार्यकारी, 171 पर्यवेक्षक और 557 कर्मचारी हैं।

नियमित कर्मचारियों की आयु प्रोफ़ाइल का विश्लेषण और उसके निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

आयु वर्ग	कुल	कर्मचारियों का प्रतिशत
30 वर्ष तक	60	4%
31–40 वर्ष	188	14%
41–50 वर्ष	249	18%
51–60 वर्ष	854	63%

अगले 5 (पांच) वर्षों में सेवानिवृत्ति प्रोफाइल:						
संवर्ग	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29	कुल
बोर्ड स्तर	-	2	-	1	0	3
कार्यकारी	50	56	54	46	30	236
पर्यवेक्षक	29	18	23	13	18	101
कर्मचारी	43	31	44	49	62	229
कुल	**122**	**107**	**121**	**109**	**110**	**569**

उपरोक्त निष्कर्षों से पता चलता है कि निगम में 63% जनशक्ति 51 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में है और मार्च 2029 तक लगभग 568 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। यह आंकड़ा बताता है कि निगम में कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर अधिक है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

निदेशक मंडल की ओर से

हस्ताक्षरकर्ता
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक: 12.08.2025
स्थान: नई दिल्ली

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बी.आर.एसए.आर)

एक व्यावसायिक इकाई में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) समावेशिता के लिए सही दृष्टिकोण एक स्वस्थ, उत्पादक और टिकाऊ संस्थान की ओर ले जाता है। नीपको ने हमेशा अपनी व्यावसायिक गतिविधियों में स्थिरता को केंद्र बिंदु पर रखा है। अपने हितधारकों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता हमारी प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। हमने हमेशा पर्यावरण और अपने हितधारकों की आवश्यकता के अनुसार सर्वोत्तम प्रथाओं और सशासन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने व्यवसाय को संतुलित किया है।

ईएसजी के संबंध में प्रकटीकरण के संबंध में वैश्विक विकास को ध्यान में रखते हुए, भारत में शीर्ष 1000 सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा बीआरएसआर, अर्थात व्यवसाय उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग के रूप में ईएसजी प्रकटीकरण प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया था। हालांकि नीपको के शेयर किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं, हालांकि, नीपको बिजली क्षेत्र में एक जिम्मेदार इकाई होने के नाते और पर्यावरण, समाज के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और एक सुशासन अभ्यास के रूप में, 2022–23 से हम स्वेच्छा से बीआरएसआर प्रारूप में ईएसजी प्रकटीकरण की रिपोर्ट कर रहे हैं।

खंड एः सामान्य विवरण

I. सूचीबद्ध समुदाय के विवरण

1.	**सूचीबद्ध संस्था की निगमित पहचान संख्या (सीआईएन)**	**U40101ML1976GOI001658**
2.	**सूचीबद्ध संस्था का नाम**	नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड
3.	**निगमन का वर्ष**	1976
4.	**पंजीकृत कार्यालय का पता**	ब्रूकलैंड कम्पाउंड, लोअर न्यू कॉलोनी, शिलांग–793 003
5.	**निगम का पता**	ब्रूकलैंड कम्पाउंड, लोअर न्यू कॉलोनी, शिलांग–793 003
6.	**ई–मेल**	company-secy@neepco.co.in
7.	**टेलीफोन**	0364-2228652
8.	**वेबसाइट**	https://neepco.co.in
9.	**रिपोर्टिंग के लिए वित्तीय वर्ष**	वित्तिय वर्ष 2024–25
10.	**स्टॉक एक्सचेंज का नाम**	शेयर सूचीबद्ध नहीं हैं
11.	**चुकता पूंजी**	₹.3609.81 करोड़
12.	**बी.आर.एसए.आर रिपोर्ट पर किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किए जाने वाले व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (टेलीफोन, ईमेल पता):**	नामः श्री हादी आलम पदनामः उप महाप्रबंधक (तकनीकी) सीपी संपर्क विवरणः + 91 881806957 ईमेल–आईडीः planning@neepco.co.in
13.	रिपोर्टिंग सीमा–इस रिपोर्ट के तहत प्रकटीकरण एक स्टैंडअलोन आधार पर किए गए हैं (अर्थात केवल इकाई के लिक) या समेकित आधार पर (अर्थात इकाई और सभी संस्थाओं के लिए जो इसके समेकित वित्तीय विवरणों का एक हिस्सा हैं, एक साथ लिया जाता है)	रिपोर्ट में किए गए प्रकटीकरण एकल आधार पर हैं।
14.	आवासन प्रदाता का नाम	लागू नहीं होता है
15.	प्राप्त आश्वासन का प्रकार	लागू नहीं होता है

II. उत्पाद/सेवाएं

16. व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (कारोबार का 90%)

क्र.सं.	मुख्य गतिविधि का विवरण	व्यावसायिक गतिविधि का विवरण	इकाई के टर्नओवर का %
1	**विद्युत उत्पादन**	**विद्युत उत्पादन**	**100%**

17. इकाई द्वारा बेचे गए उत्पाद/सेवाएं (इकाई के टर्नओवर का 90%)

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	एन. आई. सी. कोड	कुल परिवर्तक का % नियंत्रित
1	**विद्युत उत्पादन**	**351**	**100%**

III. ऑपरेशन

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	एन. आई. सी. कोड	कुल परिवर्तक का % नियंत्रित
1	**विद्युत उत्पादन**	**351**	**100%**

18. उन स्थानों की संख्या जहाँ इकाई के संयंत्र और/या संचालन/कार्यालय स्थित हैं:

स्थान	पौधों की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	10	12	**22**
अंतरराष्ट्रीय	-	-	-

19. इकाई द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले बाजार:

क. स्थानों की संख्या

स्थान	संख्या
राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या)	**10**
अंतराष्ट्रीय (देशों की संख्या)	-

ख. स्थान इकाई के कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में निर्यात का योगदान क्या है?

हम एक बिजली उत्पादन संगठन हैं और देश के भीतर डिस्कॉम के माध्यम से सेवा प्रदान करते हैं।

ग. ग्राहकों के प्रकारों पर संक्षिप्त विवरण:

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत संचालित एक बिजली उत्पादन उद्यम है। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र के सबसे बडे जलविद्युत संयंत्र सहित कई बिजली संयंत्रों का प्रबंधन करता है। नीपको बिजली आवंटन दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न राज्य के स्वामित्व वाली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को बिजली की आपूर्ति करता है। इसका ग्राहक आधार दस राज्यों में फैला है: असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, छत्तीसगढ, उत्तर प्रदेश और हरियाणा। इसके अतिरिक्त, कामेंग हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर स्टेशन से उत्पन्न बिजली के एक हिस्से का विपणन एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) के माध्यम से या तो बिजली एक्सचेंज के माध्यम से या अल्पावधि और मध्यम अवधि के अनुबंध समझौतों के माध्यम से किया जाता है।

IV. कर्मचारी

20. वित्तीय वर्ष के अंत में विवरण:

क. कर्मचारी और श्रमिकें (विकलांगों सहित)

क्रं. सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)
कर्मचारी						
1.	स्थायी (डी)	620	559	**90.16%**	61	**9.84%**
2.	स्थायी (ई) के अलावा	10	10	100%	0	**0**

क्रं. सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)
3.	**कुल कर्मचारी (डी+ई)**	**630**	**569**	**90.32%**	**61**	**9.68%**
श्रमिक						
4.	स्थायी (एफ)	728	534	**73.35%**	194	**26.65%**
5.	स्थायी (जी) के अलावा	1,159	**1,025**	88.44%	**134**	**11.56%**
6.	**कुल कर्मचारी (एफ+जी)**	**1,887**	**1,559**	**82.62%**	**328**	**17.38%**

ख. भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारी और कर्मचारी:

क्रं. सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)
भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारी						
1.	स्थायी (डी)	17	14	82.35%	3	**17.65%**
2.	स्थायी (ई) के अलावा	-	-	**-**	-	**-**
3.	**कुल भिन्न रूप से सक्षम कर्मचारी (डी+ई)**	**17**	**14**	**82.35%**	**3**	**17.65%**
अलग–अलग रूप से सक्षम श्रमिक						
4.	स्थायी (एफ)	27	21	77.78%	6	**22.22%**
5.	स्थायी (जी) के अलावा	-	-	**-**	-	**-**
6.	कुल भिन्न रूप से सक्षम श्रमिक (एफ+जी)	**27**	**21**	**77.78%**	**6**	**22.22%**

21. महिलाओं की भागीदारी/समावेश/प्रतिनिधित्व

	कुल (ए)	संख्या और महिलाओं का प्रतिशत	
		संख्या (बी)	% (बी/ए)
निदेशक मंडल*	7	0	**0**
मुख्य प्रबंधकीय कर्मी	**1**	**0**	**0**

*निदेशक मंडल में एनटीपीसी और सरकार के कार्यात्मक निदेशक, नामांकित निदेशक शामिल हैं। भारत के नामित निदेशक

#निदेशक मंडल के अलावा

22. स्थायी कर्मचारियों और श्रमिकें के लिए टर्नओवर दर

	वित्त वर्ष 2024–25			वित्त वर्ष 2023–24			वित्त वर्ष 2022–23		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	8.92%	12.70%	9.30%	9.81%	10.29%	9.86%	8.97%	2.82%	**8.34%**
स्थायी कर्मचारी	19.06%	10.50%	16.81%	7.21%	3.81%	7.27%	7.27%	8.95%	**7.62%**

होल्डिंग, सहायक और सहयोगी कंपनियां (संयुक्त उद्यम सहित)

23. (क) होल्डिंग/सहायक/सहयोगी कंपनियों/संयुक्त उद्यमों के ना

क्र. सं.	होल्डिंग/सहायक/सहयोगी कंपनियों/संयुक्त उद्यमों का नाम (क)	इंगित करें कि क्या होल्डिंग/सहायक/सहयोगी/संयुक्त उद्यम	सूचीबद्ध इकाई द्वारा रखे गए शेयरों का%	क्या कॉलम ए में इंगित इकाई, सूचीबद्ध इकाई की व्यावसायिक उत्तरदायित्व पहल में भाग लेती है? (हाँ/नहीं)
1	एनटीपीसी लिमिटेड	होल्डिंग	नीपको के 100% शेयर एनटीपीसी के पास	नहीं एनटीपीसी एक सूचीबद्ध इकाई है जो अपनी व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) तैयार करती है, जिसके लिए नीपको के इनपुट प्रदान किए जाते हैं।
2	केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड	सहयोगी	30%	नहीं

VI. सीएसआर विवरण

24. (i) क्या सीएसआर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार लागू है: हाँ

(ii) टर्नओवर (रुपये में): 4,297.78 करोड़

(iii) निवल मूल्य (रुपये में): 7,175.46 करोड़

VII. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालन

25. जिम्मेदार व्यवसाय आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के तहत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत 1 से 9) पर शिकायतें

हितधारक समूह जिनसे शिकायतप्राप्त होती है	जगह में शिकायतनिवारण तंत्र (हाँ/नहीं)	वित्त वर्ष 2024–25			वित्त वर्ष 2023–24		
	(यदि हाँ, तो शिकायतनिवारण नीति के लिए वेब–लिंक प्रदान करें)	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में समाान लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां
समुदाय	हाँ सीपीजीआरएएम पोर्टल https://pgportal.gov.in/	2	0	सीएसआर और भर्ती संबंधी शुल्क	0	0	-
निवेशक (शेयरधारकों के अलावा)	हाँ, https://www.scores.gov.in/admin/Welcome.html	0	0	-	0	0	-
शेयरधारक	Yes, https://www.scores.gov.in/admin/Welcome.html	0	0	-	0	0	-

हितधारक समूह जिनसे शिकायतप्राप्त होती है	जगह में शिकायतनिवारण तंत्र (हाँ/नहीं)	वित्त वर्ष 2024–25			वित्त वर्ष 2023–24		
	(यदि हाँ, तो शिकायतनिवारण नीति के लिए वेब–लिंक प्रदान करें)	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में समाान लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां
कर्मचारी और श्रमिकें	हाँ, नीपको कर्मचारी शिकायत निवारण तंत्र आधिकारिक वेबसाइट पर कर्मचारी लॉगिन के तहत उपलब्ध है	0	0	-	0	0	-
ग्राहक	हाँ, वार्षिक फीडबैक फॉर्म और डिस्कॉम, सीपीजीआरएएम के अधिकारियों के साथ एक–से–एक बैठक के माध्यम से	1	0	भुगतान से संबंधित	5	0	नियुक्ति में सामान्य कोटा से एसटी/एससी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी में परिवर्तन के संबंध में नियमित नियुक्ति के संबंध में शिकायतें।
मूल्य श्रृंखला भागीदार	हाँ, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत के माध्यम से, सीपीजीआरएएम	0	0	-	5	0	निविदा बोली दस्तावेज
अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)	सीपीजीआरएएमएस के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारी शिकायत	6	0	भविष्य निधि और ई–ऑफिस से संबंधित	0	0	-

26. इकाई की सामग्री का अवलोकन जिम्मेदार व्यवसाय आचरण के मुद्दे

क्र. सं.	भौतिक समस्या की पहचान की गई	इंगित करें कि क्या जोखिम या अवसर (आर/ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, अनुकूलन या कम करने का दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ इंगित करें)
1	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा	जोखिम	परियोजनाओं के निर्माण और संचालन से संबंधित खतरनाक कार्य स्थितियाँ, विशेष रूप से भूमिगत संरचनाओं से संबंधित।	सभी बिजली संयंत्र व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए आईएंसओ 45001 प्रमाणित हैं। बांध सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा बांध के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। 5एस, अग्नि सुरक्षा और पीपीई उपयोग पर जागरूकता प्रशिक्षणके साथ–साथ नियमित सुरक्षा निरीक्षण, नौकरी सुरक्षा विश्लेषण और ऑडिट आयोजित किए जाते हैं।	नकारात्मक
2	विनियामक अनुपालन	जोखिम	विकसित पर्यावरण और ऊर्जा नियमों के गैर–अनुपालन से उत्पन्न होने वाले दंड और परिचालन में देरी की संभावना।	कंपनी एमओईएफ और सीसी दिशानिर्देषों का पालन करती है, सभी परियोजनाओं के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) का संचालन करती है और व्यापक पर्यावरण प्रबंधन योजनाएं तैयार करती है।	नकारात्मक
3	भूमि और संसाधन अधिकार	जोखिम	जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में शामिल जटिलताएं, अक्सर सामुदायिक अधिकारों और चिंताओं से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे परियोजना के निष्पादन में महत्वपूर्ण देरी हो सकती है।	भूमि अधिग्रहण के लिए भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास में उचित मुआवजा और पारदर्षिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया गया है।	नकारात्मक
4	जीएचजी उत्सर्जन	जोखिम	कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने से जुड़े संक्रमण जोखिम। गैर–अनुपालन से महत्वपूर्ण वित्तीय निहितार्थ, प्रतिष्ठा को नुकसान और निवेशक के विश्वास की हानि हो सकती है।	भविष्य के पोर्टफोलियो में हाइड्रो, सोलर, पीएसपी, बीईएसएस आदि के माध्यम से क्षमता वृद्धि की परिकल्पना की गई है। एलईडी लैंप, रूफ टॉप सोलर सिस्टम की स्थापना। हरित हाइड्रोजन के कम लागत वाले विकास के लिए भी अनुसंधान एवं विकास जारी ह	नकारात्मक
5.	स्थानीय समुदाय	मौका	उनके साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने से संचालन के लिए एक सामाजिक लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है, जो परियोजनाओं के सुचारू निष्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय समुदायों के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देकर, नीपको उनका समर्थन प्राप्त कर सकता है, विरोध और संभावित देरी को कम कर सकता है		सकारात्मक

क्र. सं.	भौतिक समस्या की पहचान की गई	इंगित करें कि क्या जोखिम या अवसर (आर/ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने के लिए तर्क	जोखिम के मामले में, अनुकूलन या कम करने का दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय निहितार्थ (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ इंगित करें)
6.	आर्थिक मूल्य सृजन	मौका	दीर्घकालिक आर्थिक मूल्य का निर्माण हितधारकों के विश्वास, व्यवसाय की निरंतरता और बाजार प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। नवाचार, दक्षता और जिम्मेदार विकास में निवेश सीधे उद्यम मूल्य में वृद्धि में योगदान करते हैं।		सकारात्मक
7.	जलवायु परिवर्तन	जोखिम	सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं का कारण बनने की संभावना, जो जलविद्युत संयंत्रों को काफी प्रभावित कर सकती है। वर्षा के स्वरूप और अपवाह में परिवर्तन से पानी की कमी हो सकती है, जिससे बिजली उत्पादन के लिए पानी की उपलब्धता कम हो सकती है	जलविद्युत संयंत्रों के बांधों को संभावित अधिकतम बाढ़ (अत्यधिक बाढ़) से गुजरने और ऐसी बाढ़ों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अलावा, जहाँ भी आवश्यकता हो, हाइड्रोलिक संरचनाओं को डिजाइन करने से पहले जीएलओएफ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड) अध्ययनों का भी मूल्यांकन किया जाता है।	नकारात्मक
8.	ऊर्जा प्रबंधन	मौका	गैर–जीवाष्म क्षमता और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता ने सौर, पवन, जलविद्युत, पीएसपी आदि जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर जोर दिया है। पर्याप्त रुक–रुक कर आरई क्षमता की शुरूआत ने ग्रिड सुरक्षा के वांछित स्तर को सुनिश्चित करने के लिए उत्पादन लचीलेपन के साथ जलविद्युत और पीएसपी के महत्व को भी बढ़ाया है।		सकारात्मक

खंड बीः प्रबंधन और प्रक्रिया विवरण

इस खंड का उद्देश्य व्यवसायों को एनजीआरबीसी सिद्धांतों और मुख्य तत्वों को अपनाने की दिशा में बनाई गई संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में मदद करना है।

प्रकटीकरण प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9

नीति और प्रबंधन प्रक्रियाएँ	
1. (क) क्या आपकी इकाई की नीति/नीतियां एनजीआरबीसी के प्रत्येक सिद्धांत और इसके मूल तत्वों को शामिल करती हैं। (हाँ/नहीं)	हाँ
(ख) क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? (हाँ/नहीं)	हाँ

	(ग) यदि उपलब्ध हो तो नीतियों का वेब लिंक	**स्थिरता नीति** स्थिरता नीति नीपको के व्यापक नीतिगत ढांचे के अनुरूप काम करती है, जो हमारे निर्णय लेने के मूल में स्थिरता को शामिल करती है। यह परस्पर जुड़ा हुआ दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि हमारी पर्यावरण, सामाजिक और शासन प्रतिबद्धताएं हमारे संचालन के सभी पहलुओं में लगातार परिलक्षित होती हैं, जो जिम्मेदार और आगे की सोच वाली व्यावसायिक प्रथाओं को चलाती हैं। https://neepco.co.in/sites/default/files/Sustainability%20Policy%20of%20NEEPCO.pdf
2.	क्या संस्था ने नीति को प्रक्रियाओं में परिवर्तित किया है। (हाँ/नहीं)	हाँ

3.	क्या सूचीबद्ध पॉलिसियों का विस्तार आपके मूल्य श्रृंखला भागीदारों तक है? (हाँ/नहीं)	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	हाँ

4.	आपकी इकाई द्वारा अपनाए गए और प्रत्येक सिद्धांत के साथ मैप किए गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड/प्रमाणन/लेबल/मानक (जैसेः फॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल, फेयरट्रेड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ट्रस्टी) और मानक (जैसेः एसए 8000, ओएचएसएएस, आईएसओ, बीआईएस) के नाम।	नीपको लगातार अपने संचालन को उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित करने का प्रयास करता है और आईएंसओ 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन) आईएंसओ 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन) आईएंसओ 45001:2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा) आईएंसओ 50001:2018 (ऊर्जा प्रबंधन) और आईएंसओ 27001:2013 (सूचना सुरक्षा) सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत प्रमाणन रखता है।
5.	निर्धारित समयसीमा, यदि कोई हो, के साथ इकाई द्वारा निर्धारित विशिष्ट प्रतिबद्धताएं, लक्ष्य और लक्ष्य।	हम पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और जलवायु–लचीला ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत सरकार के दृष्टिकोण के साथ अपने लक्ष्यों को संरेखित कर रहे हैं। नीपको ने एक परिभाषित समयसीमा और कार्यान्वयन रोडमैप द्वारा समर्थित गैर–जीवाष्म ईंधन–आधारित उत्पादन के विस्तार के लिए स्पश्ट लक्ष्यों का पूरी तरह से मूल्यांकन और स्थापना की है।
6.	विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों और लक्ष्यों के खिलाफ इकाई का प्रदर्शन–साथ ही कारणों के मामले में उन्हें पूरा नहीं किया जाता है।	स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य की अनुसूची के अनुसार प्रगति करना।
	शासन, नेतृत्व और निरीक्षण	
7.	ईएसजी संबंधी चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाष डालते हुए व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक द्वारा वक्तव्य (सूचीबद्ध इकाई के पास इस प्रकटीकरण के स्थान के संबंध में लचीलापन है)	नीपको, पूर्वोत्तर भारत में एक अग्रणी बिजली उपयोगिता के रूप में, अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य की दिशा में प्रगति को आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखता है। 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के दृष्टिकोण और 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता के एनटीपीसी के लक्ष्य के अनुरूप, नीपको ने अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वर्ष के दौरान, नीपको ने रणनीतिक संयुक्त उद्यमों के माध्यम से जलविद्युत विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया, अनुमोदन प्राप्त किया और अरुणाचल प्रदेश में 240 मेगावाट की हिओ और 186 मेगावाट की टाटो–I जलविद्युत परियोजनाओं जैसी प्रमुख परियोजनाओं को शुरू किया। ये पहल अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए हमारे रोडमैप को रेखांकित करती हैद

	पूर्वोत्तर में ऊर्जा की पहुंच और लचीलापन बढ़ाने के साथ–साथ क्षेत्रीय विकास लक्ष्यों के साथ सामंजस्य। नीपको ने राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट की सौर फोटोवोल्टिक परियोजना के शुभारंभ के साथ अपने पारंपरिक परिचालन क्षेत्र से आगे बढ़कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह पहल न केवल हमारे नवीकरणीय ऊर्जा पदचिह्न का विस्तार करती है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के प्रति हमारे समर्पण को भी मजबूत करती है। इस परियोजना से अपने जीवनकाल में 17,000 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली पैदा होने की उम्मीद है। हमारी परियोजनाएं सामाजिक जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ तैयार की गई हैं, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर, बुनियादी ढांचे के उत्थान और समर्पित स्थानीय विकास आवंटन के माध्यम से मेजबान समुदायों को ठोस लाभ प्रदान करती हैं। नीपको अपने हितधारकों के लिए साझा मूल्य बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में दृढ़ है। शासन उत्कृष्टता और स्थिरता मानकों को सुदृढ़ करने के लिए, नीपको भविष्य की जलविद्युत परियोजनाओं को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त ईएसजी मानकों के साथ संरेखित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय जलविद्युत संघ का सदस्य बन गया। यह पर्यावरण प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और हमारी मूल्य श्रृंखला में जिम्मेदार विकास के प्रति हमारी व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगे देखते हुए, नीपको स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश करना, लचीली साझेदारी बनाना और क्षेत्र में ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाना जारी रखेगा। स्थिरता की हमारी खोज हमारे संचालन के लिए केंद्रीय बनी हुई है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम सभी को विश्वसनीय, सस्ती और हरित बिजली प्रदान करते हैं।	
8.	व्यवसाय उत्तरदायित्व नीति (आईईएस) के कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च प्राधिकरण का विवरण	नाम–श्री गुरदीप सिंह पदनाम: अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संपर्क: 0364 2224487 ईमेल आईडी: cmdneepco@neepco.co.in
9.	क्या संस्था के पास बोर्ड–निदेशक की एक निर्दिष्ट समिति है जो स्थिरता से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो विवरण प्रदान करें।	नीपको ने अपने बोर्ड के तहत एक सीएसआर समिति और एक जोखिम प्रबंधन समिति की स्थापना की है। सीएसआर समिति निदेशक (कार्मिक) को रिपोर्ट करती है जबकि जोखिम प्रबंधन समिति निदेशक (तकनीकी) को रिपोर्ट करती है। स्थिरता से संबंधित निर्णय संबंधित निदेशकों द्वारा देखे जाते हैं।
	सिद्धांत 1 सिद्धांत 2 सिद्धांत 3 सिद्धांत 4 सिद्धांत 5 सिद्धांत 6 सिद्धांत 7 सिद्धांत 8 सिद्धांत 9	https://neepco.co.in/sites/default/files/Sustainability%20Policy%20of%20NEEPCO.pdf नीति जिम्मेदार व्यापार आचरण (एनजीबीआरसी) और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी) पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के साथ संरेखित है।

कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरणः

समीक्षा के लिए विषय	इंगित करें कि क्या बोर्ड के निदेशक/समिति/किसी अन्य समिति द्वारा समीक्षा की गई थी									आवृत्ति (वार्षिक/छमाही/तिमाही/कोई अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें)								
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी5	पी6	पी7	पी8
10. (क) उपरोक्त नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन और अनुवर्ती कार्रवाई	कंपनी की सभी पॉलिसियों की आवश्यकता पड़ने पर संबंधित निदेशकों द्वारा समीक्षा की जाती है।																	
(ख) सिद्धांतों के लिए प्रासंगिकता की वैधानिक आवश्यकताओं के साथ अनुपालन, और, किसी भी गैर–अनुपालन के सुधार	कंपनी सभी लागू नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करती है। प्रत्येक संबंधित निदेशक वैधानिक आवश्यकताओं के पालन की निगरानी करने और प्रासंगिक सिद्धांतों के साथ संरेखण में गैर–अनुपालन के किसी भी उदाहरण को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार है।																	
11. क्या संस्था ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अपनी नीतियों के कामकाज का स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन किया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो एजेंसी का नाम दें।	नीतियों और प्रक्रियाओं का कार्य संगठन द्वारा आंतरिक मूल्यांकन के अधीन है। इसके अलावा, कंपनी ने मेसर्स आईआरसीएलएएसएस सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस (पी) लिमिटेड और मेसर्स को नियुक्त किया था। वेक्सिल बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड आईएंसओ–9001, आईएंसओ–14001, आईएंसओ–27001 और आईएंसओ–45001 के मानकों के अनुसार अनुपालन के लिए प्रासंगिक मौजूदा नीतियों के कामकाज की समीक्षा/मूल्यांकन करेगा।																	

12. यदि ऊपर दिए गए प्रश्न (1) का उत्तर "नहीं" है, यानी सभी सिद्धांत किसी नीति के अंतर्गत शामिल नहीं हैं, तो इसके कारणों का उल्लेख किया जाना चाहिए।

सवाल–जवाब	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
संस्था अपने व्यवसाय के लिए सिद्धांतों की सामग्री पर विचार नहीं करती है (हाँ/नहीं)	लागू नहीं होता। धारा बी के प्रश्न 1 में उल्लिखित हमारी नीतियों में सभी सिद्धांत शामिल हैं।								
इकाई उस स्तर पर नहीं है जहाँ वह निर्दिष्ट सिद्धांतों (हाँ/नहीं) पर नीतियों को तैयार करने और लागू करने की स्थिति में हो।									
इकाई के पास कार्य के लिए वित्तीय याध्मानव और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हाँ/नहीं)									
इसे अगले वित्तीय वर्ष (हाँ/नहीं) में करने की योजना है।									
कोई अन्य कारण (कृपया निर्दिष्ट करें)									

खंड सीः प्रिंसिपल वाइज परफॉर्मेंस डिसक्लोजर

इस खंड का उद्देष्य प्रमुख प्रक्रियाओं और निर्णयों के साथ सिद्धांतों और मूल तत्वों को एकीकृत करने में संस्थाओं को अपने प्रदर्शन को प्रदर्शित करने में मदद करना है। माँगी गई जानकारी को आवश्यक और श्नेतृत्व के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जबकि इस रिपोर्ट को दाखिल करने

के लिए अनिवार्य प्रत्येक इकाई द्वारा आवश्यक संकेतकों का खुलासा किए जाने की उम्मीद है, नेतृत्व संकेतकों का स्वैच्छिक रूप से उन संस्थाओं द्वारा खुलासा किया जा सकता है जो सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक रूप से जिम्मेदार होने की अपनी खोज में उच्च स्तर तक प्रगति करने की आकांक्षा रखते।

सिद्धांत 1: व्यवसायों को ईमानदारी के साथ और नैतिक, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से खुद का संचालन और शासन करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर प्रशिक्षणऔर जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा प्रतिशत कवरेज:

क्र.सं.	खंड	आयोजित प्रशिक्षणऔर जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षणऔर इसके प्रभाव के अंतर्गत आने वाले विशय/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवर की गई संबंधित श्रेणी में व्यक्तियों की% आयु
1	निदेशक मंडल	1	कॉरपोरेट गवर्नेंस, वित्त, जोखिम प्रबंधन, ईएसजी, रणनीतिक प्रबंधन आदि के क्षेत्र में सीपीएसई के कार्यात्मक निदेशकों/सीएमडी के क्षमता निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रम।	14.28%
2	प्रमुख प्रबंधन कर्मी	1	तीन दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण और प्रमाणन कार्यक्रम–ईएसजी	100%
3	बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी	115	• नैतिकता, शासन, आचरण नियम और सतर्कता जागरूकता। • सार्वजनिक खरीद, जीईएम, अनुबंध प्रबंधन और प्रशासनिक प्रक्रियाएं • सीपीएसयू में आरक्षण नीतियां और रोस्टर प्रबंधन। • नवीकरणीय ऊर्जा, सर्कुलर इकोनॉमी, कार्बन फुटप्रिंट और ईएसजी अनुपालन। • सौर पीवी सिस्टम, एआई अनुप्रयोग और जनसेवानिवृत संचालन। • बांध सुरक्षा, अवसादन प्रबंधन और जोखिम मूल्यांकन। • अग्नि सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, साइबर स्वच्छता और रोगी सुरक्षा। • डेटा एनालिटिक्स, एसएपी एस4 हाना, और डिजिटल उपकरण। • परियोजना योजना, अवसंरचना वित्त और एफआईडीआईसी अनुबंध। • एचआर एनालिटिक्स, सॉफ्ट स्किल्स, जेंडर इनक्लूसिविटी और वर्कप्लेस ट्रेंड। • पॉश अधिनियम प्रशिक्षणऔर जागरूकता। • सांस्कृतिक और कल्याण पहल–योग दिवस, हिंदी कार्यशालाएं, लाइनमैन दिवस और ग्रिडकोन।	18.55%

क्र.सं.	खंड	आयोजित प्रशिक्षणऔर जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षणऔर इसके प्रभाव के अंतर्गत आने वाले विशय / सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवर की गई संबंधित श्रेणी में व्यक्तियों की% आयु
4	कामगारों	69	• नैतिकता, शासन, आचरण नियम और निवारक सतर्कता (गैर–सतर्कता कर्मचारियों के लिक) • सीपीएसयू में आरक्षण प्रावधान और रोस्टर प्रबंधन। • ई–खरीद और खरीद प्रणाली प्रशिक्षण (जेम पोर्टल सहित) • लैंगिक समावेशिता और पॉश जागरूकता कार्यक्रम। • उत्पादकता में सुधार और आधुनिक कार्यालय प्रबंधन। • उत्पादकता में सुधार और आधुनिक कार्यालय प्रबंधन। • बुनियादी कंप्यूटर पाठ्यक्रम और पीएमएस सहित डिजिटल कौशल प्रशिक्षण। • हिंदी कार्यषालाओं और तकनीकी भाषा प्रशिक्षण के माध्यम से आधिकारिक भाषा को बढ़ावा देना। • नए कर्मचारियों के लिए प्रेरण कार्यक्रम।	9.48%

वित्तीय वर्ष में नियामकों / कानून प्रवर्तन एजेंसियों / न्यायिक संस्थानों के साथ कार्यवाही (इकाई द्वारा या निदेशकों / केएमपी द्वारा) में भुगतान किए गए जुर्माने / दंड / सजा / पुरस्कार / चक्रवृद्धि शुल्क / निपटान राशि का विवरण, निम्नलिखित प्रारूप में (नोटः इकाई सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण दायित्व) विनियम, 2015 के विनियमन 30 में निर्दिष्ट भौतिकता के आधार पर और इकाई की वेबसाइट पर खुलासा किया गया है)

मौद्रिक					
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	नियामक / प्रवर्तन एजेंसियों / न्यायिक संस्थानों के नाम	राशि (आईएंनआर में)	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील को प्राथमिकता दी गई है? (हाँ / नहीं)
जुर्माना / जुर्माना		जिला और सत्र न्यायालय, पासीघाट / आलो, अरुणाचल प्रदेश	₹ 336.40 करोड़	700 मेगावाट के टाटो–II एचईपी के विकास के लिए अगस्त 2023 में नीपको और अरुणाचल प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। वर्ष 2023 में, नीपको ने राज्य सरकार के आकलन के आधार पर भूमि अधिग्रहण के लिए 219.93 करोड़ रुपये जमा किए। हालांकि, 71 भूमि प्रोपराइटरों ने कम मूल्यांकन और उचित प्रक्रिया की कमी का हवाला देते हुए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्षिता के अधिकार के तहत मुआवजे का विरोध किया। जिला और सत्र न्यायालय, पासीघाट ने 17 अक्टूबर 2024 के अपने फैसले में समायोजन के बाद कुल 336.40 करोड़ रुपये के 84.63 करोड़ रुपये (ऋण, ब्याज और वैधानिक लाभों को छोड़कर) के बढ़े हुए मुआवजे का आदेश दिया।	हाँ, अपील माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय, ईटानगर पीठ के समक्ष लंबित है
निपटान	लागू नहीं होता है				
चक्रवृद्धि शुल्क	लागू नहीं होता है				

गैर–मौद्रिक				
प्रकार	एनजीआरबीसी सिद्धांत	नियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील को प्राथमिकता दी गई है? (हाँ/नहीं)
कारावास	ऐसा कोई उदाहरण नहीं बताया गया था कि सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण दायित्व) विनियम, 2015 के विनियम 30 में निर्दिष्ट भौतिकता के आधार पर प्रकटीकरण की आवश्यकता थी।			
सजा				

3. उपरोक्त प्रश्न 2 में प्रकट किए गए उदाहरणों में से, उन मामलों में अपील/संशोधन के विवरण को प्राथमिकता दी गई है जहाँ मौद्रिक या गैर–मौद्रिक कार्रवाई की अपील की गई है।

क्र. सं.	मामले का विवरण	नियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के नाम
1	700 मेगावाट के टाटो–II एचईपी के विकास के लिए अगस्त 2023 में नीपको और अरुणाचल प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। वर्ष 2023 में, नीपको ने राज्य सरकार के आकलन के आधार पर भूमि अधिग्रहण के लिए 219.93 करोड़ रुपये जमा किए। हालांकि, 71 भूमि प्रोपराइटर ों ने कम मूल्यांकन और उचित प्रक्रिया की कमी का हवाला देते हुए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार के तहत मुआवजे का विरोध किया। जिला और सत्र न्यायालय, पासीघाट ने 17 अक्टूबर 2024 के अपने फैसले में समायोजन के बाद कुल 336.40 करोड़ रुपये के 84.63 करोड़ रुपये (ऋण, ब्याज और वैधानिक लाभों को छोड़ कर) के बढ़े हुए मुआवजे का आदेश दिया।	माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय, ईटानगर पीठ के समक्ष अपील लंबित है

4. क्या संस्था के पास भ्रष्टाचार विरोधी या रिश्वत विरोधी नीति है? यदि हाँ, तो संक्षिप्त में विवरण प्रदान करें और यदि उपलब्ध हो, तो पॉलिसी के लिए एक वेब–लिंक प्रदान करें।

नीपको उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखता है और अपने संचालन में निगमित शासन को एकीकृत करता है। कंपनी सभी कर्मचारियों, विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों पर लागू नीपको धोखाधड़ी और व्हिसल ब्लोअर नीति के अनुसार भ्रष्टाचार–रोधी और रिश्वत–रोधी मानदंडों का सख्ती से पालन करती है। नीति वेबसाइट पर उपलब्ध है: https://neepco.co.in/sites/default/files/NFWBPolicy_150523.pdf

5. निदेशकों/केएमपी/कर्मचारियों/श्रमिकें की संख्या जिनके खिलाफ रिश्वत/भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए किसी भी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी:

श्रेणी	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
निदेशकों	नहीं	नहीं
केएमपीएस	नहीं	नहीं
कर्मचारी	नहीं	नहीं
कामगारों	नहीं	नहीं

6. हितों के टकराव से संबंधित शिकायतों का विवरण:

	वित्त वर्ष 2024–25		वित्त वर्ष 2023–24	
	संख्या	टिप्पणियां	संख्या	टिप्पणियां
निदेशकों के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	-	0	-
केएमपी के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	-	0	-

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों में नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों द्वारा किए गए जुर्माने/दंड/कार्रवाई से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

वित्त वर्ष 2024–25 में ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है।

8. देय खातों के दिनों की संख्या ((देय खाते * 365)/खरीदी गई वस्तुओं/सेवाओं की लागत) निम्नलिखित प्रारूप में

	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
देय खातों के दिनों की संख्या	32	17.81

9. कारोबार का खुलापन

निम्नलिखित प्रारूप में संबंधित पक्षों के साथ व्यापारिक घरानों, डीलरों और संबंधित पक्षों के साथ–साथ ऋण और अग्रिम और निवेश के साथ खरीद और बिक्री के केंद्रीकरण का विवरण प्रदान करें:

पैरामीटर	मेट्रिक्स	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
खरीद पर ध्यान केंद्रित करना	क. कुल खरीद के प्रतिशत के रूप में व्यापारिक घरानों से खरीद	-	-
	ख. व्यापारिक घरानों की संख्या जहाँ से खरीदारी की जाती है	लागू नहीं	लागू नहीं
	ग. व्यापारिक घरानों से कुल खरीद के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 व्यापारिक घरानों से खरीद	लागू नहीं	लागू नहीं
बिक्री पर एकाग्रता	क. कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में विक्रेताओं/वितरकों को बिक्री	-	-
	ख. विक्रेताओं/वितरकों की संख्या जिन्हें बिक्री की जाती है	-	-
	ग. डीलरों/वितरकों को कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 डीलरों/वितरकों को बिक्री	-	-
आरपीटी में हिस्सेदारी	क. खरीद (संबंधित पक्षों के साथ खरीद/कुल खरीद)	-	-
	ख. बिक्री (संबंधित पक्षों को बिक्री /कुल बिक्री)	₹ 84,064.78 लाख (20%)	₹ 85,097.19 लाख (20%)
	ग. ऋण और अग्रिम (संबंधित पक्षों को दिए गए ऋण और अग्रिम/कुल ऋण और अग्रिम)	-	-
	घ. निवेश (संबंधित पक्षों में निवेशधकिए गए कुल निवेश)	-	-

* एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री जो व्यापार मंच के रूप में कार्य करती है

नेतृत्व संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रमः

आयोजित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण और इसके प्रभाव के अंतर्गत आने वाले विषय/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा कवर की गई मूल्य श्रृंखला में व्यक्तियों की % आयु
वित्त वर्ष 2024–25 में मूल्य श्रृंखला के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया		

2. क्या बोर्ड के सदस्यों से जुड़े हितों के टकराव से बचने/प्रबंधन के लिए संस्था के पास प्रक्रियाएं हैं? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो उसी का विवरण प्रदान करें।

हाँ, नीपको के पास बोर्ड के सदस्यों से जुड़ हितों के टकराव को प्रबंधित करने और रोकने के लिए एक संरचित प्रक्रिया है। बोर्ड के सदस्यों को नियमित रूप से अपने हितों में किसी भी बदलाव या किसी वास्तविक या संभावित संघर्ष का खुलासा करने की आवश्यकता होती है। कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों के लिए एक आचार संहिता और एक सामग्री नीति लागू की है, जो दोनों इस तरह के संघर्शों के प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करते हैं। ये दस्तावेज नीपको की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

https://neepco.co.in/sites/default/files/CODE_OF_CONDUCT_FOR_DIRECTORS.pdf

https://neepco.co.in/sites/default/files/NEEPCO-RPMCY;w-Vh-iholicy.pdf

बोर्ड के सदस्य, वार्षिक आधार पर, इस बात की पुष्टि करते हैं कि स्टैंडअलोन निदेशकों और कंपनी के बीच कोई सामग्री, वित्तीय और/या वाणिज्यिक लेनदेन नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के साथ बड़े पैमाने पर हितों का टकराव हो सकता है।

सिद्धांत 2 व्यवसायों को वस्तुओं और सेवाओं को ऐसे तरीके से प्रदान करना चाहिए जो टिकाऊ और सुरक्षित हो

आवश्यक संकेतक

1. उत्पाद और प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को सुधारने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेश का प्रतिशत, क्रमशः इकाई द्वारा किए गए कुल अनुसंधान और विकास और कैपेक्स निवेश तक।

	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24	पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों में सुधार का विवरण
आर एंड डी	100%	100%	**405 मेगावाट में डाउनस्ट्रीम बाढ चेतावनी के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से स्वचालित संचार प्रणाली के लिए मॉडल पान्योर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेशः** पीएलएचपीएस में हाइड्रोडायनामिक मॉडल का कार्यान्वयन प्रगति पर है। एक बार पूरा होने के बाद, यह प्रणाली बांध के फाटकों के माध्यम से पानी छोड जाने की स्थिति में बांध के निचले इलाकों में यात्रा के समय और इससे जुड़े नदी के जल स्तर के बारे में अग्रिम जानकारी देने में मदद करेगी। यह उन्नत जानकारी निचले इलाकों की आबादी के लिए आवश्यक सावधानी/उपाय करने में सहायक होगी। उन्नत जानकारी निचले इलाकों की आबादी के लिए आवश्यक सावधानी/उपाय करने में सहायक होगी। **अग्नि पहचान प्रणाली पर अनुसंधान एवं विकासः** हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर असेंबली के लिए कम लागत वाले टिकाऊ और कुशल विद्युत–उत्प्रेरक और प्रोटॉन विनिमय झिल्ली का विकासः **यह परियोजना प्रगति पर है और सफलतापूर्वक पूरा होने पर, हरित हाइड्रोजन के कम लागत वाले उत्पादन के लिए उपयोगी होगी।** कम लागत वाला हाइड्रोजन जीवाष्म ईंधन को बदलने और ऊर्जा सुरक्षा लाने के लिए उपयोगी होगा जो पर्यावरण के अनुकूल भी है।
केपेक्स	100%	100%	नीपको का कैपेक्स ज्यादातर नई परियोजनाओं के विकास के साथ–साथ चालू परियोजनाओं के आर एंड एम/ओ एंड एम के लिए था। इन परियोजनाओं/गतिविधियों से बिजली की मांग को पूरा करने, हरित ऊर्जा को बढ़ाने, वनीकरण और नई परियोजनाओं के लिए जलग्रहण क्षेत्र उपचार आदि द्वारा पर्यावरणीय और सामाजिक लाभों में सुधार होगा।

2. क. क्या संस्था के पास स्थायी सोर्सिंग के लिए प्रक्रियाएं हैं? (हाँ/नहीं)

हाँ, नीपको सक्रिय रूप से अपने संचालन के सभी चरणों में स्थिरता को एकीकृत कर रहा है। कंपनी मजबूत विक्रेता संबंधों पर जोर देती है और एक संरचित, टिकाऊ सोर्सिंग प्रक्रिया का पालन करती है। विक्रेताओं का चयन जीईएम पोर्टल पर एक खुली निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें श्रम कानूनों, पर्यावरण और सामाजिक मानकों और टिकाऊ उत्पाद सोर्सिंग के अनुपालन के लिए जांच शामिल है। केवल वे विक्रेता जो विभागीय आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और इन मानकों को बनाए रखते हैं, उन्हें ऑनबोर्ड आपूर्तिकर्ताओं के रूप में अनुमोदित किया जाता है।

ख. यदि हाँ, तो कितने प्रतिषत इनपुट स्थायी रूप से प्राप्त किए गए थे?

100%

3. प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) के लिए जीवन के अंत में पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और निपटान के लिए अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का वर्णन करें। (बी) ई–कचरा (सी) खतरनाक कचरा और (डी) अन्य कचरा।

नीपको के व्यावसायिक संचालन की प्रकृति को देखते हुए जीवन चक्र के अंत में उत्पादों की पैकेजिंग को पुनः प्राप्त करने की कोई गुंजाइश नहीं है। अतः यह बात लागू नहीं होती।

4. क्या विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) इकाई की गतिविधियों पर लागू होता है (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो क्या अपशिष्ट संग्रह योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को प्रस्तुत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो इससे निपटने के लिए उठाए गए कदम बताएँ।

विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व नीपको के व्यावसायिक संचालन के लिए लागू नहीं है।

नेतृत्व संकेतक

1. **क्या संस्था ने अपने किसी भी उत्पाद (विनिर्माण उद्योग के लिक) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग के लिक) के लिए जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन (एलसीए) का संचालन किया है? यदि हाँ, तो निम्नलिखित प्रारूप में विवरण प्रदान करें?**

एनआईसी कोड	उत्पाद/सेवा का नाम	कुल कारोबार का % योगदान दिया	सीमा जिसके लिए जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन आयोजित किया गया था	चाहे स्टैंडअलोन बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित किया गया हो	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेशित परिणाम (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो वेब–लिंक प्रदान करें
जलविद्युत और तापीय परियोजनाओं का निर्धारित जीवन क्रमशः 40 वर्ष और 25 वर्ष माना जाता है। समान आवश्यक एलसीए प्राप्त करने पर और अन्य आवश्यक अध्ययन आवश्यक पूंजी डालकर प्रणाली के उन्नयन के लिए किए जाते हैं। इस वर्ष कोई एलसीए नहीं किया गया है।					

2. **यदि आपके उत्पादों/सेवाओं के उत्पादन या निपटान से उत्पन्न होने वाली कोई महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय चिंताएं और/या जोखिम हैं, जैसा कि जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/मूल्यांकन (एलसीए) में या किसी अन्य माध्यम से पहचाना गया है, तो इसे कम करने के लिए की गई कार्रवाई के साथ संक्षेप में इसका वर्णन करें।**

उत्पाद/सेवा का नाम	जोखिम और चिंता का विवरण	की गई कार्रवाई
लागू नहीं		

3. **उत्पादन (विनिर्माण उद्योग के लिक) या सेवाएं प्रदान करने (सेवा उद्योग के लिक) में उपयोग की जाने वाली कुल सामग्री (मूल्य द्वारा) के लिए पुनर्नवीनीकरण या पुनः उपयोग की जाने वाली इनपुट सामग्री का प्रतिशत**

इनपुट सामग्री इंगित करें	कुल सामग्री के लिए पुनर्नवीनीकरण या पुनः उपयोग की गई इनपुट सामग्री	
	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
नीपको के व्यावसायिक संचालन पर लागू नहीं		

4. **उत्पादों के जीवन के अंत में पुनः प्राप्त किए गए उत्पादों और पैकेजिंग की राशि (मीट्रिक टन में) निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार पुनः उपयोग, पुनर्नवीनीकरण और सुरक्षित रूप से निपटाई गई है:**

	वित्त वर्ष 2024–25		वित्त वर्ष 2024–25			
	पुनः उपयोग किया जाता है	सुरक्षित रूप से निपटाया गया	सुरक्षित रूप से निपटाया गया	पुनः उपयोग किया जाता है	पुनर्नवीनीकरण	पुनः उपयोग किया जाता है
प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित)	नीपको के व्यावसायिक संचालन पर लागू नहीं					
ई–कचरा						
खतरनाक अपव्यय						
अन्य कचरा						

5. **प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए पुनः दावा किए गए उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री (बेचे गए उत्पादों के प्रतिशत के रूप में)।**

उत्पाद श्रेणी इंगित करें	संबंधित श्रेणी में बेचे गए कुल उत्पादों के: के रूप में पुनः दावा किए गए उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री
इलेक्ट्रॉनिक कचरा निपटान	नीपको के व्यावसायिक संचालन पर लागू नहीं
प्रशासनिक अपशिष्ट निपटान	

सिद्धांत 3 व्यवसायों को अपनी मूल्य श्रृंखलाओं सहित सभी कर्मचारियों की भलाई का सम्मान करना चाहिए और बढ़ावा देना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. क. कर्मचारियों की भलाई के लिए उपायों का विवरणः

श्रेणी	द्वारा कवर किए गए कर्मचारियों का प्रतिशत										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं।	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)	संख्या (घ)	% (घ/क)	संख्या (ङ)	% (ङ/क)	संख्या (च)	% (च/क)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	559	559	100%	559	100%	-	-	559	100%	-	-
महिला	61	61	100%	61	100%	61	100%	-	-	-	-
कुल	620	620	100%	620	100%	61	9.84%	559	90.16%	-	-
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	10	10	100%	10	100%	-	-	10	100%	-	-
महिला	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	10	10	100%	10	100%	-	-	10	100%	-	-

ख. श्रमिकें की भलाई के लिए उपायों का विवरणः

श्रेणी	द्वारा कवर किए गए कर्मचारियों का प्रतिशत										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं।	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)	संख्या (घ)	% (घ/क)	संख्या (ङ)	% (ङ/क)	संख्या (च)	% (च/क)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	534	534	100%	534	100%	-	-	534	100%	-	-
महिला	194	194	100%	194	100%	194	100%	-	-	-	-
कुल	**728**	**728**	**100%**	**728**	**100%**	**194**	**26.65%**	**534**	**73.35%**	-	-
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	1,025	1,025	100%	1,025	100%	-	-	1,025	100%	-	-
महिला	134	134	100%	134	100%	134	100%	-	-	-	-
कुल	**1,159**	**1,159**	**100%**	**1,159**	**100%**	**134**	**11.56%**	**1,025**	**88.44%**	-	-

ग. निम्नलिखित प्रारूप में कर्मचारियों और श्रमिकें (स्थायी और स्थायी के अलावा अन्य सहित) की भलाई के उपायों पर खर्चः

	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
कंपनी के कुल राजस्व के प्रतिशत के रूप में कल्याण उपायों पर होने वाली लागत	**0.052%**	**0.021%**

2. चालू वित्त वर्ष और पिछले वित्त वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति लाभों का विवरण।

फायदे	वित्त वर्ष 2024–25			वित्त वर्ष 2023–24		
	कुल कर्मचारियों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकें के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए श्रमिकें की संख्या	कटौती और प्राधिकरण के साथ जमा (हाँ/नहीं/नहीं)	कुल कर्मचारियों के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकें के प्रतिशत के रूप में कवर किए गए श्रमिकें की संख्या	कटौती और प्राधिकरण के साथ जमा (हाँ/नहीं/नहीं)
पीएफ	100%	100%	हाँ	100%	100%	हाँ
ग्रैच्युटी	100%	100%	हाँ	100%	100%	हाँ
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. कार्यस्थलों की पहुंच

क्या संस्था के परिसर/कार्यालय विकलांग वयक्तियों अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार दिव्यांग कर्मचारियों और श्रमिकें के लिए सुलभ हैं? यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में संस्था द्वारा कोई कदम उठाए जा रहे हैं।

हाँ, सभी नीपको कार्यालय परिसरों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित अभिगम्यता मानकों के पूर्ण अनुपालन में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए सुलभ होने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

4. क्या संस्था के पास दिव्यांगजन के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार समान अवसर नीति है? यदि ऐसा है, तो पॉलिसी के लिए एक वेब–लिंक प्रदान करें।

हाँ, नीपको दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के साथ संरेखित एक समान अवसर नीति का पालन करता है। कंपनी नस्ल, रंग, लिंग, लिंग, राष्ट्रीय मूल, आयु, विकलांगता या किसी अन्य कानूनी रूप से संरक्षित विशेषता की परवाह किए बिना समान रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नीपको सक्रिय रूप से विविधता और समावेश को बढ़ावा देता है, एक सुरक्षित, समावेशी और भेदभाव मुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए। यह नीति कंपनी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है: https://neepco.co.in/sites/default/files/Equal_Opportunity_Policy_Jun19.pdf

5. काम पर लौटें और स्थायी कर्मचारियों और माता–पिता की छुट्टी लेने वाले श्रमिकें की प्रतिधारण दरें।

लिंग	स्थायी कर्मचारी		स्थायी कर्मचारी	
	काम की दर पर वापसी	प्रतिधारण दर	काम की दर पर वापसी	प्रतिधारण दर
पुरुष	100%	100%	100%	**100%**
महिला	100%	100%	100%	**100%**
कुल	**100%**	**100%**	**100%**	**100%**

क्या निम्नलिखित श्रेणियों के कर्मचारियों और श्रमिकें की शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निवारण के लिए कोई तंत्र उपलब्ध है? यदि हाँ, तो तंत्र का विवरण संक्षेप में दें।

	हाँ/नहीं (यदि हाँ, तो तंत्र का विवरण संक्षेप में दें)
स्थायी कर्मचारी	हाँ, नीपको के पास एक मजबूत आंतरिक कर्मचारी शिकायत निवारण प्रणाली है। स्थायी कर्मचारी और कर्मचारी एक समर्पित शिकायत पोर्टल के माध्यम से या अपने संबंधित विभागों के प्रमुखों से संपर्क करके शिकायत कर सकते हैं।
स्थायी कर्मचारियों के अलावा	
स्थायी कर्मचारी	निवारण तंत्र एक संरचित तीन–स्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से संचालित होता है।
स्थायी कर्मचारियों के अलावा	यदि कोई कर्मचारी प्रस्ताव से असंतुश्ट रहता है, तो वे मामले को अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पास पहुंचा सकते हैं। अनुबंधित या गैर–स्थायी कर्मचारी अपने संबंधित ठेकेदारों या नियंत्रण अधिकारियों के माध्यम से शिकायतदर्ज करा सकते हैंए

7. सूचीबद्ध संस्था द्वारा मान्यता प्राप्त संघों या संघों में कर्मचारियों और श्रमिकें की सदस्यताः

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25			वित्तीय वर्ष 2023–24		
	कुल कर्मचारी / संबंधित श्रेणी (क) में श्रमिक	संख्या संबंधित श्रेणी के कर्मचारियों/श्रमिकें का, जो संघ (संघों) या संघ (ख) का हिस्सा हैं	% (ख/क)	कुल कर्मचारी /संबंधित श्रेणी (ग) में श्रमिकें	संख्या संबंधित श्रेणी के कर्मचारियों/श्रमिकें का, जो संघ (संघों) या संघ (घ) का हिस्सा हैं	% (घ/ग)
स्थायी कर्मचारी						
पुरुष	559	525	93.92%	573	508	88.66%
महिला	61	60	98.36%	66	31	46.97%
कुल	**620**	**585**	**94.35%**	639	539	84.35%

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25			वित्तीय वर्ष 2023–24		
	कुल कर्मचारी / संबंधित श्रेणी (क) में श्रमिक	संख्या संबंधित श्रेणी के कर्मचारियों / श्रमिकें का, जो संघ (संघों) या संघ (ख) का हिस्सा हैं	% (ख / क)	कुल कर्मचारी /संबंधित श्रेणी (ग) में श्रमिकें	संख्या संबंधित श्रेणी के कर्मचारियों / श्रमिकें का, जो संघ (संघों) या संघ (घ) का हिस्सा हैं	% (घ / ग)
स्थायी श्रमिके						
पुरुष	534	534	100%	591	591	100%
महिला	194	194	100%	207	207	100%
कुल	**728**	**728**	**100%**	798	798	100%

8. कर्मचारियों और श्रमिकें को दिए गए प्रशिक्षणका विवरणः

श्रेणी	वित्त वर्ष 2024–25					वित्त वर्ष 2023–24				
	कुल (ए)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन पर		कुल (डी)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन पर	
		संख्या (ख)	% (बी / ए)	संख्या (सी)	% (सी/ए)		संख्या (ई)	% (ई/डी)	संख्या (च)	% (एफ / डी)
स्थायी कर्मचारी										
पुरुष	559	185	33.09%	-	-	573	145	25.31%	155	27.05%
महिला	61	17	27.87%	-	-	66	13	19.70%	5	7.58%
कुल	**620**	**202**	**32.58%**	-	-	**639**	**158**	**24.73%**	**160**	**25.04%**
स्थायी श्रमिके										
पुरुष	534	289	54.12%	**22**	4.12%	591	149	25.21%	22	3.72%
महिला	194	106	54.64%	-	-	207	32	15.46%	-	-
कुल	**728**	**395**	**54.26%**	**22**	**3.02%**	**798**	**181**	**22.68%**	**22**	**2.76%**

9. कर्मचारियों और श्रमिकें के प्रदर्शन और कैरियर विकास समीक्षाओं का विवरणः

श्रेणी	वित्त वर्ष 2024–25			वित्त वर्ष 2023–24		
	कुल(ए)	संख्या(बी)	% (बी / ए)	कुल(सी)	संख्या (डी)	%(डी / सी)
स्थायी कर्मचारी						
पुरुष	559	559	100%	573	573	100%
महिला	61	61	100%	66	66	100%
कुल	**620**	**620**	**100%**	**639**	**639**	**100%**
स्थायी श्रमिके						
पुरुष	534	534	100%	591	591	100%
महिला	194	194	100%	207	207	100%
कुल	**728**	**728**	**100%**	**798**	**798**	**100%**

10. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणालीः

क. क्या इकाई द्वारा एक व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है? (हाँ / नहीं) यदि हाँ, तो कवरेज ऐसी प्रणाली है?

नीपको आईएंसओ 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली) आईएंसओ 45001:2018 (व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) के तहत प्रमाणित है जो गुणवत्ता, स्वास्थ्य और सुरक्षा में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी कार्यालय और संयंत्र ओएचएस प्रोटोकॉल का पालन करते हैं, जिसमें सुरक्षा को व्यावसायिक संचालन के मुख्य घटक के रूप

में मान्यता दी जाती है। एन–कंपनी ने एक समर्पित सुरक्षा लागू की है नीति–पर उपलब्ध हसाइट वेबसाइट–और सभी कर्मचारियों और श्रमिकें द्वारा ओएचएस नियमों का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करता है। प्रबंधन नियमित निरीक्षणों के माध्यम से सुरक्षा प्रथाओं की सक्रिय रूप से निगरानी करता है।

ख. संस्था द्वारा नियमित और गैर–नियमित आधार पर काम से संबंधित खतरों की पहचान करने और जोखिमों का आकलन करने के लिए किन प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है?

नीपको एक संरचित खतरों की पहचान और जोखिम विश्लेषण (एचआईआरए) प्रक्रिया के माध्यम से काम से संबंधित खतरों की पहचान करता है। सुरक्षा अधिकारी, जोखिम अधिकारी के साथ समन्वय में, प्रत्येक कार्य चरण में नौकरी सुरक्षा विश्लेषण (जेएसए) को एकीकृत करते हुए अंतर्निहित खतरों का आकलन करता है। इसमें इंजीनियरिंग नियंत्रणों, प्रशासनिक उपायों और अग्नि सुरक्षा प्रणालियों का मूल्यांकन करना शामिल है।

प्रत्येक संयंत्र में खतरनाक घटनाओं, सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों और प्रशिक्षणसत्रों के रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को नामित किया गया है। कार्यकारी निदेशक (ओ एंड एम) समग्र जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया की देखरेख करते हैं। इसके अतिरिक्त, जोखिमों की सक्रिय रूप से पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए नियमित रूप से सुरक्षा निरीक्षण, नौकरी सुरक्षा विश्लेषण और सुरक्षा ऑडिट किए जाते हैं।

ग. क्या आपके पास श्रमिकें के लिए काम से संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने और ऐसे जोखिमों से खुद को दूर करने की प्रक्रियाएं हैं। (हाँ/नहीं)

हाँ, नीपको के पास एक समर्पित सुरक्षा समिति है जो काम से संबंधित जोखिम प्रबंधन की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। समिति के प्रमुख कार्यों में श्रमिकें के बीच सुरक्षा जागरूकता को बढावा देना, स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वेक्षण करना, घटनाओं के कारणों की पहचान करना और सभी संयंत्रों में तिमाही सुरक्षा निरीक्षण करना शामिल है। यह सुरक्षा प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की भी समीक्षा करता है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करने पर रणनीति बनाने के लिए समय–समय पर बैठक करता है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारी सीधे अपने संबंधित प्रभागों में सुरक्षा विभाग के प्रमुख को चिंताओं की रिपोर्ट कर सकते हैं।

घ. क्या संस्था के कर्मचारियों/श्रमिके की गैर–व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है? (हाँ/नहीं)

हाँ, नीपको अपने सभी परिचालन संयंत्रों और कार्यालयों में कर्मचारियों और श्रमिकें दोनों के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करता है। कंपनी औषधालयों सहित अपनी स्वयं की स्वास्थ्य सुविधाओं का रखरखाव करती है, जहाँ कर्मचारियों, उनके आश्रितों और आस–पास के समुदायों के निवासियों को भी मुफ्त में चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाता है।

11. निम्नलिखित प्रारूप में सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरणः

सुरक्षा घटना/संख्या	श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
खोया समय चोट आवृत्ति दर (एलटीआईएफआर) (प्रति दस लाख व्यक्ति घंटे काम किया)	कर्मचारियों	0	0
	श्रमिक	0	0
कुल	कर्मचारियों	0	0
	श्रमिक	1	0
मरने वालों की संख्या	कर्मचारियों	0	0
	श्रमिक	0	0
उच्च परिणाम कार्य संबंधी चोट या खराब स्वास्थ्य (मृत्यु को छोड़ कर)	कर्मचारियों	0	0
	श्रमिक	0	1

12. एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए संस्था द्वारा किए गए उपायों का वर्णन करें।

नीपको, आईएंसओ 45001:2018 के तहत प्रमाणित, सभी कर्मचारियों और श्रमिकें के लिए न्यूनतम जोखिम जोखिम के साथ एक सुरक्षित और स्वच्छ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी अपने परिसरों में स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखती है और सुरक्षा प्रथाओं का आकलन करने और बढ़ाने के लिए नियमित रूप से ऑडिट करती है। प्रमुख सुरक्षा उपायों में शामिल हैं:

- **अग्नि सुरक्षा प्रणालियों की स्थापनाः** फायर हाइड्रेंट, सीओ 2 फ्लडिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर, फायर टेंडर और पोर्टेबल फायर एक्सटिंगुइशर।
- **पीपीई और एसओपी का उपयोगः** व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य उपयोग और मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन।
- **प्रशिक्षण और अभ्यासः** जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित सुरक्षा प्रशिक्षणसत्र और अग्निधनकली अभ्यास।
- **अभिगम नियंत्रणः** बिजली संयंत्र क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध।
- **आवधिक सुरक्षा समीक्षाः** संभावित खतरों की पहचान करने, संबंधित जोखिमों का आकलन करने और सुरक्षा जोखिमों के निरंतर मूल्यांकन और शमन और महत्वपूर्ण स्थानों पर चेतावनी सूचना के प्रदर्शन के साथ नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए खतरे की पहचान और जोखिम विश्लेषण (एचआईआरए) का उपयोग।

- **ऑन–साइट चिकित्सा सुविधाएं:** तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए योग्य डॉक्टरों और पैरामेडिक्स के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र और डिस्पेंसरी।

ये पहल अपने सभी कार्यों में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए नीपको के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

13. कर्मचारियों और श्रमिकें द्वारा की गई निम्नलिखित शिकायतों की संख्या:

	वित्तीय वर्ष 2024–25			वित्तीय वर्ष 2023–24		
	वर्ष के दौरान दाखिल किया गया	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दाखिल किया गया	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां
काम करने की शर्तें	0	0	-	0	0	-
स्वास्थ्य और सुरक्षा	0	0	-	0	0	-

14. वर्ष के लिए मूल्यांकन:

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का % जिनका मूल्यांकन किया गया था (इकाई या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्षों द्वारा)
स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएं	100%
काम करने की शर्तें	100%

15. सुरक्षा संबंधी घटनाओं (यदि कोई हो) और स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और काम करने की स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

ऐसी किसी घटना की पहचान नहीं की गई है। किसी भी सुरक्षा संबंधी घटना की स्थिति में, नीपको दुर्घटना या गैर–अनुरूपता में योगदान करने वाले अंतर्निहित कारकों की पहचान करने के लिए एक संपूर्ण मूल कारण विश्लेषण **(आरसीए)** आयोजित करता है। लेखापरीक्षा निष्कर्षों के आधार पर, कंपनी मूल कारणों को समाप्त करने और पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपयुक्त सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई **(सीएपीए)** शुरू करती है। इसके अतिरिक्त, नीपको यह सुनिश्चित करता है कि सभी कर्मचारियों और श्रमिकें के लिए काम करने की स्थितियों को ठीक से बनाए रखा जाए, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों में निरंतर सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया जा सके।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या संस्था (ए) कर्मचारियों (हाँ/नहीं) (बी) श्रमिकें (हाँ/नहीं) की मृत्यु की स्थिति में किसी भी जीवन बीमा या किसी भी क्षतिपूर्ति पैकेज का विस्तार करती है?

क. कर्मचारियों (हाँ/नहीं)	हाँ नीपको समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना और नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त, स्थायी श्रमिकें के अलावा अन्य श्रमिक मुआवजा अधिनियम, 1923 के अंतर्गत आते हैं।
ख. श्रमिकें (हाँ/नहीं)	

2. यह सुनिश्चित करने के लिए इकाई द्वारा किए गए उपाय प्रदान करें कि मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा वैधानिक बकाया की कटौती और जमा किया गया है।

नीपको अनिवार्य करता है कि सभी मूल्य श्रृंखला भागीदार निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कानूनी और संविदात्मक दायित्वों का पालन करें। कर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी सभी विक्रेताओं से स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) एकत्र करती है, जिससे लागू करों को उचित रूप से जमा करने में सुविधा होती है।

3. उन कर्मचारियों/श्रमिकें की संख्या प्रदान करें जिन्हें काम से संबंधित चोट/खराब स्वास्थ्य/मृत्यु (जैसा कि उपरोक्त आवश्यक संकेतकों की क्यू11 में बताया गया है) का उच्च परिणाम भुगतना पड़ा है, जिनका पुनर्वास किया गया है और उपयुक्त रोजगार में रखा गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार में रखा गया है:

	प्रभावित कर्मचारियों/श्रमिकों की कुल संख्या		संख्या ऐसे कर्मचारी/कामगार जिनका पुनर्वास किया गया है और उपयुक्त रोजगार में रखा गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार में रखा गया है	
	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
कर्मचारी	0	0	0	0
श्रमिकें	0	1	0	1

4. क्या इकाई निरंतर रोजगार योग्यता और सेवानिवृत्ति या रोजगार की समाप्ति के परिणामस्वरूप कैरियर समाप्ति के प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने के लिए संक्रमण सहायता कार्यक्रम प्रदान करती है? (हाँ/नहीं)

हाँ. नीपको रोजगार की सुविधा के लिए भविष्य की निवेश योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

5. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन पर विवरण:

	मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य से) जिनका मूल्यांकन किया गया था
स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएं	नीपको की परियोजनाओं और संयंत्रों में स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं की नियमित रूप से निगरानी की जाती है ताकि अनुपालन और निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, वर्तमान में इन प्रथाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए कोई मात्रात्मक मूल्यांकन या औपचारिक मेट्रिक्स दर्ज नहीं किया गया है।
काम करने की शर्तें	

6. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और मूल्य श्रृंखला भागीदारों की कार्य स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

कोई कार्रवाई नहीं की गई क्योंकि कोई महत्वपूर्ण जोखिम/चिंता की पहचान नहीं की गई थी।

सिद्धांत 4: व्यवसायों को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. इकाई के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान करने की प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

नीपको में, हितधारकों को व्यक्तियों या समूहों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो सामूहिक रूप से हमारे एकीकृत मिशन और विजन में योगदान करते हैं। प्रमुख हितधारकों की पहचान संगठन पर नीपको के भौतिक वित्तीय और गैर–वित्तीय प्रभाव द्वारा निर्देशित होती है, और इसके विपरीत। नीपको ने विभिन्न आंतरिक और बाहरी हितधारकों की पहचान की है जिनमें कर्मचारी, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, समुदाय, सरकारी नियामक, मीडिया आदि शामिल हैं। पहचान कई प्रमुख कारकों पर आधारित है जो परियोजना के दायरे और प्रभाव को समझने में मदद करते हैं। इनमें मोटे तौर पर शामिल हैं:

- परियोजना का प्रकार: परियोजना की श्रेणी जैसे हाइड्रो, थर्मल, सोलर आदि के आधार पर, परियोजनाएं विभिन्न हितधारकों को अलग–अलग रुचियों और चिंताओं के साथ आकर्शित करेंगी।
- परियोजना का स्थान: परियोजना की भौगोलिक स्थिति हितधारकों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्थानीय समुदाय, पर्यावरण समूह और परियोजना स्थान के लिए विशिष्ट नियामक निकाय विचार करने वाले प्रमुख हितधारक हैं।
- वित्तपोशण: परियोजना के लिए धन स्रोतों और तंत्र के आधार पर, परियोजना के वित्तपोशण या प्रायोजन में शामिल हितधारकों का महत्वपूर्ण प्रभाव और रुचि होगी।
- परियोजना प्रभावित परिवार: परियोजनाओं का अक्सर परियोजना क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय समुदायों और परिवारों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इन प्रभावित परिवारों की पहचान करना और उनके साथ जुड़ना उनकी चिंताओं को दूर करने और प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुसार उचित मुआवजा या पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- निगम और परियोजना दल का प्रबंधन: निगम का प्रबंधन, परियोजना के निर्माण और संचालन में शामिल समर्पित परियोजना दल के साथ, प्रमुख हितधारक हैं। उनका नेतृत्व, निर्णय लेने और विशेषज्ञता परियोजना की प्रगति और सफलता को प्रेरित करती है।

अंत में, प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो परियोजना के प्रकार, स्थान, वित्त पोषण और इसकी योजना, निष्पादन और प्रभाव में शामिल सभी पक्षों पर विचार करता है। इन हितधारकों के साथ जल्दी जुड़ना और पूरे परियोजना जीवनचक्र में खुला संचार बनाए रखना विश्वास बनाने, अपेक्षाओं के प्रबंधन और परियोजना की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

2. अपनी इकाई के लिए महत्वपूर्ण के रूप में पहचाने गए हितधारक समूहों और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ जुड़ाव की आवृत्ति को सूचीबद्ध करें।

क्र.सं.	हितधारक समूह	क्या वंचित एवं पार्श्ववर्ती समूह के रूप में चिन्हित हैं? (हाँ/नहीं)	संचार के चौनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पर्चे, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, सूचना बोर्ड, वेबसाइट) अन्य	नियोजन की आवृति (वार्षिक/छमाही/तिमाही/अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह के जुड़ाव के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और चिंताओं सहित जुड़ाव का उद्देश्य और दायरा
1	भारत सरकार	नहीं	• ईमेल • समीक्षा बैठकें • ऑनलाइन पोर्टल	जब भी जरूरत पड़े	• **नई परियोजनाओं की मंजूरी और अनुमोदन** • **प्रगति समीक्षा, विदेशी ऋण, भारत सरकार की योजनाएं, सार्वजनिक नीति** • **सामाजिक विकास**
2	एनटीपीसी	नहीं	• ईमेल • बैठकें • प्रस्तुतियाँ • वेबसाइट विज़िट	वार्षिक रूप से जब भी आवश्यकता हो	• **निष्पादन समीक्षा** • **मंजूरी और मंजूरी** • **वैधानिक आवश्यकताएं** • **इक्विटी फंडिंग**

क्र.सं.	हितधारक समूह	क्या वंचित एवं पार्श्ववर्ती समूह के रूप में चिन्हित हैं? (हाँ/नहीं)	संचार के चौनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पर्चे, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, सूचना बोर्ड, वेबसाइट) अन्य	नियोजन की आवृति (वार्षिक/छमाही/तिमाही/अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह के जुड़ाव के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और चिंताओं सहित जुड़ाव का उद्देश्य और दायरा
3	राज्य सरकार	नहीं	• ईमेल • बैठकों की समीक्षा • ऑनलाइन पोर्टल	जब भी जरूरत पड़े	• नई परियोजनाओं का आवंटन • भूमि अधिग्रहण • वन मंजूरी • बिजली/आरआर की बिक्री
4	कर्मचारी	नहीं	• प्रतिभागी मंच • प्रकाशन पत्रिकाएँ • शिकायत निवारण तंत्र • परिपत्र और कार्यालय आदेश • सांप्रदायिक कार्यक्रम	जब भी जरूरत पड़े	• व्यावसायिक विकास • कार्य–जीवन संतुलन • स्वास्थ्य, सुरक्षा • शिकायतनिवारण • संस्कृति और मूल्य
5	ग्राहक	नहीं	• ईमेल • प्रतिक्रिया सर्वेक्षण • पीपीए पर हस्ताक्षर • पत्राचार	जब भी जरूरत पड़े	• तकनीकी समस्याओं का समाधान • व्यावसायिक मुद्दों को हल करना
6	आपूर्तिकर्ता और ठेकेदार	नहीं	• निविदा • खुली बोली चर्चा • **आपूर्तिकर्ताओं से मुलाकात** • ईमेल, पत्र	जब भी जरूरत पड़े	• पारदर्शी लेन–देन • समय पर भुगतान/मूल्य निर्धारण और बातचीत • परियोजना कार्यान्वयन • सतत आपूर्ति श्रृंखला • सामग्री की खरीद आदि
7	समुदाय और गैर सरकारी संगठन	हाँ	• सीएसआर कार्यक्रम • परियोजना आधारित हितधारकों की बैठकें • शिकायत निवारण • पत्रिकाएँ • पर्चे/वेबसाइट • सार्वजनिक सूचना केंद्र	जब और जब वार्षिक रूप से आवश्यकता हो	• रोजगार के अवसर • बुनियादी ढांचे का विकास • सीएसआर परियोजनाए • स्थानीय समुदाय का विकास। • भूमि अधिग्रहण और आर एंड आर मुद्दे
8	मीडिया	नहीं	• प्रेस ब्रीफिंग • कार्यक्रमों के लिए निमंत्रण	जब भी जरूरत पड़े	• सूचना साझा करना • पारदर्शिता में वृद्धि • वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन • जन जागरूकता
9	वित्तीय संस्थान, बैंक,बीमा कंपनियां	नहीं	• ईमेल • बैठकें	जब भी जरूरत पड़	• ऋण • जमा • बीमा

नेतृत्व संकेतक

1. आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच परामर्श के लिए प्रक्रियाएं प्रदान करें या यदि परामश सौंपा जाता है, तो बोर्ड को इस तरह के परामर्षों से प्रतिक्रिया कैसे प्रदान की जाती है।

आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक मामलों पर नीपको में हितधारकों के परामर्श उनकी प्रत्यायोजित शक्तियों के अनुरूप संबंधित निदेशकों या अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के अधिकार के तहत आवश्यकतानुसार आयोजित किए जाते हैं। उच्च–स्तरीय मूल्यांकन या निर्णयों की आवश्यकता वाले मुद्दों या प्रतिक्रिया को निदेशक मंडल को भेजा जाता है और बोर्ड की बैठकों के दौरान संबोधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा करता है और संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए समय पर मार्गदर्शन और दिशा प्रदान करता है।

2. क्या हितधारक परामर्ष का उपयोग पर्यावरण और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन का समर्थन करने के लिए किया जाता है (हाँ/नहीं) यदि ऐसा है, तो उदाहरणों का विवरण दें कि इन विषयों पर हितधारकों से प्राप्त इनपुट को संस्था की नीतियों और गतिविधियों में कैसे शामिल किया गया था।

हाँ, सामाजिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने में हितधारकों की भागीदारी और परामर्श नीपको के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग हैं। ये परामर्श पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रक्रिया के भीतर अंतर्निहित हैं और पर्यावरण मंजूरी (ईसी) शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए परियोजना–विशिष्ट पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं (ईएमपी) को आकार देने में मदद करते हैं।

प्रमुख प्रथाओं में शामिल हैं:

- वन अधिकार अधिनियम अनुपालन: वन अधिकार अधिनियम, 2006 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पारंपरिक वनवासियों के बीच सार्वजनिक सुनवाई भी आयोजित की जाती है।
- राज्य सरकार की सुविधा: सभी सार्वजनिक सुनवाई संबंधित राज्य सरकारों के माध्यम से आयोजित की जाती हैं।
- भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार के तहत बिजली परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान किए गए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए)।
- सार्वजनिक सुनवाई: 2006 की ईआईए अधिसूचना और इसके संशोधनों के अनुरूप आयोजित की गई, जिससे ईआईए/ईएमपी में यथासंभव सार्वजनिक प्रतिक्रिया को शामिल करने की अनुमति मिलती है।

यह संरचित जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि पर्यावरण और सामाजिक चिंताओं को पूरे परियोजना जीवनचक्र में पारदर्शी और जिम्मेदारी से संबोधित किया जाए।

3. कमजोर/हाशिए पर पड़े हितधारक समूहों की चिंताओं को दूर करने के लिए उनके साथ जुड़ाव के उदाहरणों और किए गए कार्यों का विवरण प्रदान करें।

नीपको विशिष्ट परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) प्राप्त करने से पहले आयोजित संरचित सार्वजनिक सुनवाई के माध्यम से हितधारकों के साथ जुड़ता है। ये जुड़ाव सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं और वन अधिकार अधिनियम (एचआरए) मंजूरी के दौरान परामर्श के लिए भी हैं।

नियामक आवश्यकताओं से परे, नीपको हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने और कॉरपोसेवानिवृत सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है कंपनी कानूनी अनुपालन, सामुदायिक कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता पर जोर देती है।

सिद्धांत 5: व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. जिन कर्मचारियों और श्रमिकें को निम्नलिखित प्रारूप में मानवाधिकारों के मुद्दों और संस्था की नीतियों पर प्रशिक्षणप्रदान किया गया है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25			वित्तीय वर्ष 2023–24		
	कुल (क)	संख्या कवर किए गए कर्मचारियों / श्रमिकें की संख्या (ख)	% (ख / क)	कुल (ग)	संख्या कवर किए गए कर्मचारियों / श्रमिकें (घ)	% (घ / ग)
कर्मचारी						
स्थायी	620	39	6.29%	639	18	**2.82%**
स्थायी के अलावा	10	0	-	4	0	**-**
कुल कर्मचारी	**630**	**39**	**6.19%**	**643**	**18**	**2.80%**
श्रमिकें						
स्थायी	728	43	5.91%	798	23	**2.88%**
स्थायी के अलावा	1,159	0	-	813	0	**-**
कुल श्रमिक	**1,887**	**43**	**2.28%**	**1,611**	**23**	**1.43%**

2. निम्नलिखित प्रारूप में कर्मचारियों और श्रमिकें को दिए जाने वाले न्यूनतम वेतन का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25					वित्तीय वर्ष 2023–24				
	कुल (क)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक	
		संख्या (ख)	% (ख / क)	संख्या (ग)	% (ग / क)		संख्या (ङ)	% (ङ / घ)	संख्या (च)	% (च / घ)
कर्मचारी										
स्थायी	620	0	-	620	100%	639	0	-	630	**100%**
पुरुष	559	0	-	559	100%	573	0	-	573	**100%**
महिला	61	0	-	61	100%	66	0	-	66	**100%**
स्थायी के अलावा	10	0	-	10	100%	4	0	-	4	**100%**
पुरुष	10	0	-	10	100%	4	0	-	4	**100%**
महिला	0	0	-	0	-	0	0	-	0	**-**
श्रमिकें										
स्थायी	728	0	-	728	100%	798	0	-	798	**100%**
पुरुष	534	0	-	534	100%	591	0	-	591	**100%**
महिला	194	0	-	194	100%	207	0	-	207	**100%**

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25					वित्तीय वर्ष 2023–24				
	कुल (क)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम मजदूरी से अधिक	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)		संख्या (ङ)	% (ङ/घ)	संख्या (च)	% (च/घ)
स्थायी के अलावा	1,159	870	75.06%	289	24.94%	813	0	-	813	**100%**
पुरुष	1,025	795	77.56%	230	22.44%	736	0	-	736	**100%**
महिला	**134**	**75**	**55.97%**	**59**	**44.03%**	**77**	**0**	**-**	**77**	**100%**

3. पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण

क. औसत पारिश्रमिक/वेतनः

क्र.सं.	कर्मचारी का प्रकार	लिंग	कुल संख्या	औसत पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी (भारतीय रुपये में)
1	निदेशक मंडल (बीओडी)	**पुरुष**	3	5,19,373
		महिला	0	-
2	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक (केएमपी)	**पुरुष**	1	2,10,006
		महिला	0	-
3	बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी	**पुरुष**	555	2,56,444
		महिला	61	2,64,150
4	श्रमिकें	**पुरुष**	534	1,73,060
		महिला	194	1,44,882

ख. निम्नलिखित प्रारूप में संस्था द्वारा भुगतान किए गए कुल वेतन के प्रतिशत के रूप में महिलाओं को भुगतान किया गया सकल वेतनः

महिलाओं को कुल मजदूरी के प्रतिशत के रूप में भुगतान किया गया सकल मजदूरी	वित्त वर्ष 2024–25 (चालू वित्त वर्ष)	वित्त वर्ष 2023–24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
	16.12%	16.00%

4. क्या आपके पास एक केंद्र बिंदु (व्यक्ति/समिति) है जो मानवाधिकारों के प्रभावों या व्यवसाय के कारण या योगदान के मुद्दों को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार है? (हाँ/नहीं)

हाँ, आंतरिक शिकायतसमिति (आईसीसी) मानवाधिकारों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार है।

5. मानवाधिकारों के मुद्दों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक तंत्रों का वर्णन करें।

नीपको के पास एक व्यापक शिकायत निवारण तंत्र है जिसमें मानवाधिकारों से संबंधित चिंताओं को दूर करने के प्रावधान शामिल हैं। स्थायी कर्मचारी और कर्मचारी आंतरिक कर्मचारी शिकायत प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से या अपने संबंधित विभागों के प्रमुखों से संपर्क करके मानवाधिकारों से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। अनुबंधित कर्मचारी अपने ठेकेदारों या नियंत्रण अधिकारियों के माध्यम से शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं।

मानवाधिकारों के मुद्दों को आचार संहिता और समान अवसर नीति जैसी प्रमुख नीतियों के माध्यम से भी संबोधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुपालन में, सभी नीपको कार्यालयों और संयंत्रों ने आंतरिक शिकायतसमितियों (आईसीसी) की स्थापना की है। ये समितियाँ कार्यस्थल पर उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों को संभालने के लिए जिम्मेदार हैं। घटना के तीन महीने के भीतर शिकायतें प्रस्तुत की जानी चाहिए, और आईसीसी को मामले

की पूरी तरह से जांच करने, संबंधित पक्षों से परामर्श करने और उचित कार्रवाई निर्धारित करने का काम सौंपा गया है।

नीपको यह सुनिश्चित करता है कि सभी शिकायतों को पारदर्षिता, निश्पक्षता और कानूनी और नैतिक मानकों के अनुसार निपटाया जाए।

6. कर्मचारियों और श्रमिकें द्वारा की गई निम्नलिखित शिकायतों की संख्याः

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25			वित्तीय वर्ष 2023–24		
	वर्ष के दौरान दाखिल किया गया	वर्ष के अंत में लंबित संकल्प	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दाखिल किया गया	वर्ष के अंत में लंबित संकल्प	टिप्पणियां
यौन उत्पीड़न	0	0	-	0	0	-
कार्यस्थल पर भेदभाव	0	0	-	0	0	-
बाल श्रम	0	0	-	0	0	-
जबरन श्रम/अनैच्छिक श्रम	0	0	-	0	0	-
मजदूरी	0	0	-	0	0	-
मानवाधिकारों से संबंधित अन्य मुद्दे	0	0	-	0	0	-

7. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत निम्नलिखित प्रारूप में दायर की गई शिकायतें

	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश) के तहत दर्ज कुल शिकायतें	0	0
महिला कर्मचारियों/श्रमिकें के प्रतिशत के रूप में पॉश पर शिकायतें	-	-
पॉश पर शिकायतें बरकरार	0	0

8. भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ता को प्रतिकूल परिणामों को रोकने के लिए तंत्र।

नीपको का शिकायत निवारण तंत्र यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि शिकायतकर्ताओं को शिकायतदर्ज करने के लिए किसी भी प्रतिकूल परिणाम का सामना न करना पड़े। कार्यस्थल पर भेदभाव या उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की सूचना सीधे संबंधित स्थान पर आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को दी जा सकती है। आईसीसी ऐसे मामलों को गोपनीयता, निश्पक्षता और कानूनी प्रावधानों के अनुसार, सभी के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।।

9. क्या मानवाधिकार संबंधी आवश्यकताएँ आपके व्यावसायिक समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा हैं? (हाँ/नहीं)

हाँ, नीपको अपने सभी व्यावसायिक समझौतों और अनुबंधों में मानवाधिकार आवश्यकताओं को शामिल करता है। बाल श्रम, जबरन श्रम, भेदभाव, पॉश, मजदूरी आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए निविदा बोली दस्तावेजों में मानवाधिकार खंड अंतर्निहित हैं।

10. वर्ष के लिए मूल्यांकनः

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का % जिनका मूल्यांकन किया गया था (इकाई या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्षों द्वारा)
बाल श्रम	100%
जबरन/अनैच्छिक श्रम	100%
यौन उत्पीड़न	100%
कार्यस्थल पर भेदभाव	100%
मजदूरी	100%
अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें	-

11. उपरोक्त प्रश्न 10 के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

चालू वर्ष में ऐसी कोई घटना दर्ज नहीं की गई।

नेतृत्व संकेतक

1. मानवाधिकार शिकायतों/शिकायतों को संबोधित करने के परिणामस्वरूप संशोधित/शुरू की जा रही व्यावसायिक प्रक्रिया का विवरण।

किसी व्यावसायिक प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नीपको में, मूल्य–आधारित लोकाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारी आचार संहिता में सन्निहित है और यह हमारी कार्य संस्कृति और दिन–प्रतिदिन के काम से संबंधित गतिविधियों में निहित है।

2. किए गए किसी भी मानवाधिकार के दायरे और कवरेज का विवरण।

मानवाधिकारों की उचित जांच नहीं की गई। हालांकि, नीपको एक सुरक्षित और सकारात्मक कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी के पास एक प्रबंधन है जो किसी भी प्रतिक्रिया को प्राप्त करने के लिए हमेशा अपने दरवाजे खुले रखता है। नीपको के मूल्यों और आचार संहिता के बारे में जागरूकता, जिसमें मानवाधिकारों पर हमारा रुख निहित है, दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है।

3. क्या संस्था का परिसर/कार्यालय विकलांग वयक्तियों अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार दिव्यांग आगंतुकों के लिए सुलभ है?

हाँ, नीपको के सभी कार्यालय परिसर भारत सरकार द्वारा निर्धारित अभिगम्यता मानकों के पालन में अलग–अलग सक्षम कर्मचारियों के लिए सुलभ हैं।

4. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन पर विवरणः

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का % जिनका मूल्यांकन किया गया था (इकाई या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्षों द्वारा)
यौन उत्पीड़न	हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी आपूर्तिकर्ता बाल श्रम, जबरन श्रम, यौन उत्पीड़न, भेदभाव आदि से संबंधित खंडों का पालन करें जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेख किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में कोई अलग मूल्य श्रृंखला आकलन नहीं किया गया था।
कार्यस्थल पर भेदभाव	
बाल श्रम	
जबरन/अनैच्छिक श्रम	
मजदूरी	
अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें	

5. उपरोक्त प्रश्न 4 के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

कोई कार्रवाई नहीं की गई क्योंकि कोई महत्वपूर्ण जोखिम/चिंता की पहचान नहीं की गई थी।

सिद्धांत 6: व्यवसायों को पर्यावरण की रक्षा और पुनर्स्थापना के लिए सम्मान करना चाहिए और प्रयास करना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. क. कुल ऊर्जा खपत (जूल या गुणकों में) और ऊर्जा तीव्रता का विवरण, निम्नलिखित प्रारूप में:

पैरामीटर	वित्तीय वर्ष 2024–25 (चालू वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023–24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
नवीकरणीय स्रोतों (टीजे) से		
कुल बिजली की खपत (क)	10.63	8.59*
कुल ईंधन खपत (ख)	0	0
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा की खपत (ग)	0	0
नवीकरणीय स्रोतों से खपत कुल ऊर्जा (ए+बी+सी)	10.63	8.59*
गैर–नवीकरणीय स्रोतों से		
कुल बिजली की खपत (डी)	29.92	16.18*
कुल ईंधन खपत (ई)	28994.25	31983
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा खपत (एफ)	0	0
नवीकरणीय स्रोतों से खपत कुल ऊर्जा (डी+ई+एफ)	29024.17	31999.35*
नवीकरणीय स्रोतों से खपत कुल ऊर्जा (डी+ई+एफ)	29034.80	32007.95*
नवीकरणीय स्रोतों से खपत कुल ऊर्जा (डी+ई+एफ)	6.76	7.55*
क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के लिए समायोजित कारोबार के प्रति रुपये की ऊर्जा तीव्रता (कुल ऊर्जा की खपत/पीपीपी के लिए समायोजित संचालन से राजस्व)	139.57	154.53#
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में ऊर्जा की तीव्रता	3.62	4.01*
ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक)–प्रासंगिक मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है		

*पुनर्कथन: कुल बिजली खपत डेटा को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संषोधित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप कुल ऊर्जा खपत और इसके परिणामस्वरूप, ऊर्जा की तीव्रता के अद्यतन आंकड़े सामने आए हैं।

#पुनर्कथन: 20 दिसंबर, 2024 के सेबी परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी–पीओडी –1/पी/सीआईआर/2024/177 के अनुसार, आईएमएफ पीपीपी डेटा पर उपलब्ध भारत की अद्यतन (updated) पीपीपी दरों का उपयोग करके पीपीपी–समायोजित राजस्व की पुनर्गणना की गई है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को तदनुसार संशोधित किया गया है।

ख. इंगित करें कि क्या कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किसी बाहरी एजेंसी द्वारा किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताइए।

हाँ, मेसर्स गंगा कंसल्टेंसी, कानपुर (मान्यता प्राप्त ऊर्जा लेखा परीक्षक) को दिसंबर 2024 में एजीबीपीएस के लिए ऊर्जा लेखा परीक्षा करने के लिए लगाया गया था।

2. क्या संस्था के पास भारत सरकार की निश्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में पहचानी गई कोई साइट/सुविधाएं हैं? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बताएँ कि क्या पीएटी योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य हासिल किए गए हैं। यदि लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया गया है, तो उपचारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो, प्रदान करें।

असम गैस आधारित पावर स्टेान वर्तमान में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत पीएटी चक्र VII (2022–2025) में भाग ले रहा है। 2025 में इसके पूरा होने के बाद इस चक्र के लिए निगरानी और सत्यापन किया जाएगा।

इस बीच, त्रिपुरा गैस आधारित बिजली स्टेशन अपने पीएटी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाया है। इससे निपटने के लिए, समग्र परिचालन दक्षता और प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से गैस टर्बाइन और स्टीम टर्बाइन दोनों की व्यापक सर्विसिंग 2024 के लिए निर्धारित की गई थी।

3. क. जल से संबंधित निम्नलिखित विवरणों का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में दें:

पैरामीटर	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
स्रोत द्वारा जल निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतह का पानी	43,62,94,635.75	60,24,20,607*
(ii) भूमिगत जल	5,49,204.75	7,87,172
(iii) तीसरे पक्ष का पानी	7,040	7,750*
(iv) समुद्री जल/विलवणीकृत जल	0	0
(v) अन्य	0	0
जल निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में) (i + ii + iii + iv + v)	43,68,50,880.50	60,32,15,528.59*
पानी की कुल खपत (किलोलीटर में)	43,55,85,932.00	60,13,23,461.20*
पानी की तीव्रता प्रति रुपये कारोबार (कुल पानी की खपत/संचालन से राजस्व) (केएल/आईएंनआर करोड़ में)	1,01,351.4	1,41,836*
क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) (पीपीपी के लिए समायोजित कुल जल खपत/संचालन से राजस्व) (केएल/आईएंनआर करोड़ में) के लिए समायोजित कारोबार के प्रति रुपये की जल तीव्रता)	20,93,919.5	28,97,708.57#
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में जंल तीव्रता (केएल/एमयू)	54,310.5	75,157.3*
जल तीव्रता (वैकल्पिक)–संबंधित मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है		

*पुनर्कथन: विभिन्न स्रोतों से कुल जल निकासी को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संशोधित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप कुल जल निकासी और खपत और इसके परिणामस्वरूप, जल की तीव्रता के अद्यतन आंकड़े सामने आए हैं।

#पुन: विवरण: सेबी के परिपत्र सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी–पीओडी–1/पी/सीआईआर/2024/177 दिनांक 20 दिसंबर, 2024 के अनुसार, आईएंमएफ पीपीपी डेटा पर उपलब्ध भारत के लिए अद्यतन पीपीपी दरों का उपयोग करके पीपीपी–समायोजित राजस्व की पुन: गणना की गई है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को तदनुसार संशोधित किया गया है।

ख. इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन जल निकासी और उपभोग डेटा किया गया है? (हाँ/नहीं)

नहीं

4. छोड़े गए पानी से संबंधित निम्नलिखित विवरण प्रदान करें:

पैरामीटर	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार जल निर्वहन (किलोलीटर में)		
(i) सतह के पानी तक		
- कोई इलाज नहीं	4,88,925.50	3,79,694*
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	6,05,907	7,10,620*
(ii) भूजल के लिए		
- कोई इलाज नही	0	29,704
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट कर	1,03,197	82,408
(iii) समुद्री जल के लिए		
- कोई इलाज नही	0	0
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट कर	0	0
(iv) तीसरे पक्ष को भेजा गया		
- कोई इलाज नही	450	495*
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
(v) अन्य		
- कोई इलाज नही	0	0
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	66,469	66,856
कुल पानी का निर्वहन (किलोलीटर में)	12,64,948.50	12,69,777

*पुनर्कथन: कुल जल निर्वहन डेटा को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संशोधित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप कुल छोड़े गए पानी के अद्यतन आंकड़े सामने आए हैं।

नोटः इंगित करें कि क्या कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किसी बाहरी एजेंसी द्वारा किया गया है? (हाँ/नहीं)

5. क्या इकाई ने शून्य तरल निर्वहन के लिए एक तंत्र लागू किया है? यदि हाँ, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का विवरण प्रदान करें।

नहीं

6. क. कृपया निम्नलिखित प्रारूप में इकाई द्वारा वायु उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन के अलावा) का विवरण प्रदान करें:

	इकाई	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
एनओएक्स	मीट्रिक टन	1,478.54	2,970.18*
एसओएक्स	मीट्रिक टन	0	0
पार्टिकुलेट मैटर (पीएम)	मीट्रिक टन	123.53	158.30*
स्थायी जैविक प्रदूशक (पीओपी)	मीट्रिक टन	0	0
वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओग)	मीट्रिक टन	0	0
खतरनाक वायु प्रदूशक (एचएपी)	मीट्रिक टन	0	0
अन्य–कृपया निर्दिष्ट करें	मीट्रिक टन	0	0

* पुनर्कथनः एनओएक्स और पीएम डेटा को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संशोधित किया गया है।

ख. इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा वायु उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन के अलावा) के लिए कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/नहीं)

हाँ, एजीबीपीएस में, असम के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला, मैसर्स ग्रीन टेक एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स एंड कंसलटेंट, गुवाहाटी, जीएचजी के अलावा वायु उत्सर्जन को मापने में लगी हुई है।

7. क. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें:

पैरामीटर	इकाई	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
कुल दायरा 1 उत्सर्जन (यदि उपलब्ध हो तो जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3 में विभाजन)	सीओ2 समतुल्य का मीट्रिक टन	14,32,692	15,82,864
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (यदि उपलब्ध हो तो सीओ2, सीएच4, एन2ओ, ,चएफसी, पीएफसी, सएफ6, ,स एफ6 में जीएचजी का विभाजन)	सीओ2 समतुल्य का मीट्रिक टन	5,950.87	3,218.03*
कुल दायरे 1 और दायरे 2 उत्सर्जन तीव्रता प्रति मिलियन रुपये कारोबार (कुल दायरे 1 और दायरे 2 जीएचजी उत्सर्जनध्संचालन से राजस्व)	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य/आईएंनआर करोड़	381.23	425.52*
क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) (कुल दायरा 1 और दायरा 2) **के लिए समायोजित प्रति रुपये कारोबार का कुल दायरा 1 और दायरा 2 उत्सर्जन तीव्रता** पीपीपी के लिए समायोजित संचालन से जीएचजी उत्सर्जन/राजस्व	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य/आईएंनआर करोड़	7,876.29	8,693.28#
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में कुल क्षेत्र 1 और क्षेत्र 2 उत्सर्जन तीव्रता	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य/मिलियन किलोवाट	204.29	225.48*
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक)–प्रासंगिक मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है			

*पुनर्कथनः कुल स्कोप 2 उत्सर्जन डेटा को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संशोधित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप कुल उत्सर्जन के लिए अद्यतन आंकड़े और परिणामस्वरूप, कुल दायरा 1 और दायरा 2 की तीव्रता है।
#पुनः विवरणः सेबी के परिपत्र सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी–पीओडी–1/पी/सीआईआर/2024/177 दिनांक 20 दिसंबर, 2024 के अनुसार, आईएंमएफ पीपीपी डेटा पर उपलब्ध भारत के लिए अद्यतन पीपीपी दरों का उपयोग करके पीपीपी–समायोजित राजस्व की पुनः गणना की गई है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को तदनुसार संशोधित किया गया है।

ख. इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कुल जीएचजी उत्सर्जन के लिए कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हाँ/नहीं)

नहीं

8. क्या संस्था के पास ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हाँ, तो विवरण प्रदान करें।

नीपको ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करने के लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारी को मान्यता देता है। कंपनी ने जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए स्वच्छ तकनीकों, मुख्य रूप से जलविद्युत और सौर को अपनाया है। यह अपने पोर्टफोलियो में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- जलविद्युत, सौर, पंप भंडारण परियोजनाओं (पीएसपी) और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) के माध्यम से नियोजित क्षमता वृद्धि
- एलईडी लैंप और रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना।
- इलेक्ट्रोलाइज़र असेंबली के लिए लागत प्रभावी, टिकाऊ विद्युत–उत्प्रेरक और प्रोटॉन विनिमय झिल्ली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए हरित हाइड्रोजन पर चल रहे अनुसंधान और विकास।

9. इकाई द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें:

पैरामीटर	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
कुल अपशिष्ट उत्पन्न (मीट्रिक टन में)		
प्लास्टिक अपशिष्ट **(ए)**	2.80	4.45*
ई–कचरा **(बी)**	8.19	8.8
जैव–चिकित्सा अपशिष्ट (सी)	0.33	0.19
निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट (डी)	175.20	132.2
बैटरी अपशिष्ट (ई)	1.16	1.47
रेडियोधर्मी अपशिष्ट (एफ)	0	0
अन्य खतरनाक अपशिष्ट। यदि कोई हो तो कृपया निर्दिष्ट करें। (छ)	71.22	112
अन्य गैर–खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न (एच) यदि कोई हो तो कृपया निर्दिष्ट करें। (रचना द्वारा ब्रेक–अप अर्थात क्षेत्र के लिए प्रासंगिक सामग्री द्वारा)	4,972.80	4,941.50
कुल (ए+बी + सी + डी + ई + एफ + जी + एच)	5231.83	5200.65*
अपशिष्ट की तीव्रता कारोबार के प्रति रुपये (कुल अपशिष्ट उत्पन्न/संचालन से राजस्व)	1.22	1.23
क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के लिए समायोजित टर्नओवर के प्रति रुपये अपशिष्ट की तीव्रता (कुल अपशिष्ट उत्पन्न/पीपीपी के लिए समायोजित संचालन से राजस्व)	25.15	25.34*
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में अपशिष्ट की तीव्रता	0.65	0.65
अपशिष्ट तीव्रता (वैकल्पिक)–संबंधित मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है		
उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या अन्य वसूली कार्यों के माध्यम से बरामद किया गया कुल कचरा (मीट्रिक टन में)		
कचरे की श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
(i) पुनर्नवीनीकरण	-	37
(ii) पुनः उपयोग किया जाता है	4663.13	4665
(iii) अन्य मरम्मत कार्य	0	0
कुल	4663.13	4702
उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि की प्रकृति द्वारा निपटाया गया कुल कचरा (मीट्रिक टन में)		
कचरे की श्रेणी		
(i) भस्मीकरण	0.07	0.085
(ii) लैंडफिलिंग	332.01	295
(iii) अन्य निपटान कार्य	15.91	53
कुल	348.0	348

*पुनर्कथन: प्लास्टिक अपशिष्ट डेटा को बेहतर डेटा सटीकता और वर्गीकरण के आधार पर संशोधित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न कुल अपशिष्ट के लिए अद्यतन आंकड़े सामने आए हैं, परिणामस्वरूप, अपशिष्ट की तीव्रता।

#पुनः विवरणः सेबी परिपत्र सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी–पीओडी–1/पी/सीआईआर/2024/177 दिनांक 20 दिसंबर, 2024 के अनुसार, पीपीपी–और समायोजित राजस्व को भारत के लिए अद्यतन पीपीपी दरों का उपयोग करके पुनः गणना की गई है, जो आईएंमएफ पीपीपी डेटा पर उपलब्ध है। पिछले वर्ष के आंकड़ों को तदनुसार संशोधित किया गया है।

ख. इंगित करें कि क्या कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किसी बाहरी एजेंसी द्वारा किया गया है?

नहीं

10. अपने प्रतिष्ठानों में अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में खतरनाक और विशाक्त रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए अपनी कंपनी द्वारा अपनाई गई रणनीति और ऐसे कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई गई प्रथाओं का वर्णन करें।

नीपको अपने सभी कार्यों में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी, सामाजिक रूप से जागरूक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी की निपटान प्रथाएं केंद्रीय प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीख) के दिशानिर्देषों के अनुरूप हैं इसकी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

- **ई–कचरा प्रबंधनः** हार्डवेयर और बैटरी जैसी उपभोग्य सामग्रियों का निपटान नीपको की ई–कचरा नीति के अनुसार किया जाता है। बैटरियों का निपटान बाय–बैक पॉलिसी के माध्यम से किया जाता है और खाली प्रिंटर और टोनर कारतूसों का निपटान एचपी पीपीआर (प्लैनेट पार्टनर्स रिवॉर्ड) कार्यक्रम के माध्यम से किया जाता है।
- **गैर–खतरनाक अपशिष्टः** पुराने कालीन, खिड़कियों के पर्दे और कार्यालयों और अतिथि गृहों से घरेलू अपशिष्ट जैसी वस्तुओं को निर्दिष्ट डिब्बे में एकत्र किया जाता है और जलाने के लिए नगर निगम के अधिकारियों को सौंप दिया जाता है।
- **बायोडिग्रेडेबल अपशिष्टः** नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) के **ऑन–साइट कम्पोस्टिंग** के माध्यम से प्रबंधित
- **निर्माण और विध्वंस अपशिष्टः** बुनियादी ढांचे के उपयोग के लिए पुनर्निर्मित, जैसे कि फुटपाथ बनाना और संपर्क सड़कें बनाना।

11. यदि संस्था का पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, जीवमंडल भंडार, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र आदि) में/उसके आसपास संचालन/कार्यालय हैं। जहाँ पर्यावरणीय अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, कृपया निम्नलिखित प्रारूप में विवरण निर्दिष्ट करें:

क्र.सं.	संचालन/कार्यालयों का स्थान	ऑपरेशन का प्रकार	क्या पर्यावरण अनुमोदन/मंजूरी की शर्तों का पालन किया जा रहा है? (हाँ/नहीं)	यदि नहीं, तो उसके कारण और सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो।
नीपको पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों जैसे राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, जीवमंडल भंडारों, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट या तटीय विनियमन क्षेत्रों में या उनके आसपास काम नहीं करता है। हालाँकि, इसकी कुछ परियोजनाएं वन क्षेत्रों में स्थित हैं। इनके लिए, नीपको वन संरक्षण अधिनियम, 1980 (और इसके संशोधनों) के तहत वन भूमि को गैर–वन उद्देश्यों के लिए मोड़ने के लिए, क्षतिपूर्ति वनीकरण के प्रावधानों के साथ आवश्यक वन मंजूरी प्राप्त करता है। इसके अतिरिक्त, वन भूमि के मोड़ की आवश्यकता वाली सभी नीपको परियोजनाओं को वैध वन मंजूरी द्वारा समर्थित किया जाता है। कंपनी भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) द्वारा जारी पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना के अनुसार पर्यावरण मंजूरी भी प्राप्त करती है।				

12. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर इकाई द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन का विवरणः

क्र. सं.	परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	तिथि	चाहे स्टैंडअलोन बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित (हाँ/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेशित परिणाम (हाँ/नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक
1.	कुरुंग एचईपी (330 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश	जीईएमसी 511687792745396*	05/07/2023	**हाँ**	प्रक्रिया में प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	नहीं।
2.	नायिंग एचईपी (1000 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश	जीईएमसी 511687738603930*	02/09/2024	**हाँ**	प्रक्रिया में प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	नहीं।

*अनुबंध आदेश संख्याएँ

13. क्या संस्था भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करती हैय जैसे कि जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके तहत नियम (हाँ/नहीं) यदि नहीं, तो निम्नलिखित प्रारूप में ऐसे सभी गैर–अनुपालनों का विवरण प्रदान करें:

क्रं. सं	कानून/विनियमन/दिशानिर्देश निर्दिष्ट करें जिनका पालन नहीं किया गया था	गैर–अनुपालन का विवरण प्रदान करें	नियामक एजेंसियों जैसे प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों या अदालतों द्वारा कोई जुर्माना/जुर्माना/कार्रवाई	सुधारात्मक कार्रवाई की गई, यदि कोई हो
नीपको सभी आवश्यक पर्यावरण कानूनों और विनियमों का अनुपालन करता है।				

नेतृत्व संकेतक

1. क. पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी, खपत और निर्वहन (किलोलीटर में)

जल संकट वाले क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक सुविधा/संयंत्र के लिए निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

(i) क्षेत्र का नाम नीपको का कोई भी स्थान जल संकट वाले क्षेत्र में नहीं आता है।

(ii) संचालन की प्रकृति: लागू नहीं

(iii) निम्नलिखित प्रारूप में पानी की निकासी, खपत और निर्वहन:

पैरामीटर	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
स्रोत द्वारा जल निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	लागू नहीं होता है	
(ii) भूमिगत जल		
(iii) तीसरे पक्ष का पानी		
(iv) समुद्री जल/विलवणीकृत जल		
(v) अन्य		
जल निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में)		
पानी की कुल खपत (किलोलीटर में)		
पानी की तीव्रता प्रति रुपया कारोबार (पानी की खपत/कारोबार?		
जल तीव्रता (वैकल्पिक)–संबंधित मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है		
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार जल निर्वहन (किलोलीटर में)		
(i) सतह के पानी तक	कोई इलाज नहीं	
- कोई इलाज नहीं		
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें		
(ii) भूजल के लिए		
- कोई इलाज नहीं		
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें		
(iii) समुद्री जल के लिए		
- कोई इलाज नहीं		
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें		
(iv) तीसरे पक्ष को भेजा गया		
- कोई इलाज नहीं		
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें		
(v) अन्य		
- कोई इलाज नहीं		
- उपचार के साथ–कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें		
कुल पानी का निर्वहन (किलोलीटर में)		

ख. इंगित करें कि क्या कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किसी बाहरी एजेंसी द्वारा किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताइए।

कोई इलाज नहीं

2. कृपया निम्नलिखित प्रारूप में कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें:

पैरामीटर	इकाई	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
कुल दायरा 3 उत्सर्जन (यदि उपलब्ध हो तो जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3 में विभाजन)	नीपको वर्तमान में स्कोप 3 उत्सर्जन पर नज़र नहीं रख रहा है।		
कारोबार का कुल दायरा 3 उत्सर्जन प्रति रुपया			
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक)–प्रासंगिक मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है			

नोट: इंगित करें कि क्या कोई स्टैंडअलोन मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किसी बाहरी एजेंसी द्वारा किया गया है? (हाँ/नहीं) यदि हाँ, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताइए। लागू नहीं होता है

3. उपरोक्त आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 11 में सूचित पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, रोकथाम और उपचार गतिविधियों के साथ–साथ ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर इकाई के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण प्रदान करें।

नीपको पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में या उसके आसपास काम नहीं करता है। हालाँकि, इसकी कुछ परियोजनाएं वन क्षेत्रों में स्थित हैं, जो भूमि, वायु, जल, शोर, मिट्टी, वनस्पतियों, जीवों और जलीय जीवन जैसे विभिन्न पर्यावरणीय घटकों को प्रभावित कर सकती हैं।

इन संभावित प्रभावों को दूर करने के लिए, प्रत्येक परियोजना के लिए व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) आयोजित किए जाते हैं। लागू होने पर, एक जैव विविधता प्रबंधन योजना (पर्यावरण प्रबंधन योजना के हिस्से के रूप में) विकसित की जाती है, जो विशिष्ट परियोजना के अनुरूप होती है। यह योजना भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) द्वारा जारी अनुमोदित संदर्भ शर्तों के अनुसार तैयार की गई है।

एक बार अंतिम रूप दिए जाने के बाद, जैव विविधता प्रबंधन योजना की समीक्षा की जाती है और पर्यावरण मंजूरी के साथ–साथ एमओईएफ एंड सीसी द्वारा अनुमोदित किया जाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि जैव विविधता और पारिस्थितिक विचार पूरी तरह से परियोजना योजना और निष्पादन में एकीकृत हैं।

4. एक बार अंतिम रूप दिए जाने के बाद, जैव विविधता प्रबंधन योजना की समीक्षा की जाती है और पर्यावरण मंजूरी के साथ–साथ एमओईएफ एंड सीसी द्वारा अनुमोदित किया जाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि जैव विविधता और पारिस्थितिक विचार पूरी तरह से परियोजना योजना और निष्पादन में एकीकृत हैं:

क्र. सं.	पहल की गई	पहल का विवरण (वेब–लिंक, यदि कोई हो, तो सारांश के साथ प्रदान किया जा सकता है)	पहल का परिणाम
1	सौर ऊर्जा का उपयोग	• एजीबीपीएस के पास कार्यालय बिजली की जरूरतों के लिए प्रशासनिक भवन में 50 के.डब्ल्यू.पी. ग्रिड से जुड़ा रूफटॉप सौर संयंत्र और रोशनी के उद्देश्यों के लिए पम्पहाउस भवन में बैटरी बैकअप के साथ 20 के.डब्ल्यू.पी. रूफटॉप सौर संयंत्र है। • एजीबीपीएस ने गेस्ट हाउस–I और II में 6के. डब्ल्यू. पी. प्रत्येक सौर पैनल स्थापित किया है और उनका उपयोग पानी को गर्म करने और अन्य कार्यों के लिए किया है। • टीजीबीपीएस में, प्रशासनिक भवन में बैक–अप बैटरी बैंक के साथ 10 केडब्ल्यूपी रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किया गया है सौर संयंत्र प्रशासन भवन की रोशनी, पंखे और कंप्यूटरों को बिजली की आपूर्ति कर रहा है	जीवाष्म ईंधन से उत्पन्न बिजली की खपत में कमी।
2	वर्षा जल संचयन	एजीबीपीएस 220 केवी स्विचयार्ड क्षेत्र से सतह के अपवाह को एकत्र करता है और इसे कच्चे पानी के जलाशय में पंप करता है, जिससे बुरिदिहिंग नदी पर निर्भरता कम हो जाती है। इसी तरह, टीजीबीपीएस में एक वर्षा जल संचयन तालाब है जो बिजली संयंत्र, अतिथि गृह, प्रशासनिक भवन, इरेक्टर्स छात्रावास और कॉलोनी के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न सुविधाओं से अपवाह एकत्र करता है। कटाई के पानी का उपयोग बागवानी, वृक्षारोपण, नागरिक कार्यों और आपातकालीन रिजर्व के रूप में किया जाता है।	नदी से निकाले जाने वाले पानी में कमी दफन/भूजल निकासी।

3	उत्सर्जित अपशिष्ट का उपयोग	एजीबीपीएस, नीपको लिमिटेड अपने एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) से उपचारित अपशिष्ट के एक हिस्से का उपयोग अपने परिसर के भीतर बागवानी के लिए करता है।	ईटीपी से निकलने वाले अपशिष्ट की मात्रा में कमी
4.	कॉलोनी निर्वहन जल में कमी	एजीबीपीएस ने प्राकृतिक धारा में छोड़े जाने से पहले अपनी कॉलोनी से छोड़े गए पानी (ग्रे वाटर) के उपचार के लिए एमबीबीआर प्रौद्योगिकी के 75 के.एल.डी. क्षमता वाले सीवेज उपचार संयंत्र को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है	पर्यावरण का संरक्षण (जल प्रदूषण की रोकथाम)
5.	एलईडी लाइट्स की स्थापना	टीजीबीपीएस पर, 150 वाट/400 वाट के सोडियम वेपर लैंप के 67 नंबरों को 45 वाट एलईडी बल्ब/100 वाट एलईडी स्ट्रीट लाइट/200 वाट एलईडी फ्लड लाइट से बदल दिया गया। इससे 2024–25 में 6 मेगावाट से अधिक ऊर्जा की बचत हुई है।	जीवाष्म ईंधन से उत्पन्न बिजली की खपत में कमी
6.	स्मार्ट की स्थापना प्रदीपन नियंत्रक	नीपको के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा विकसित स्मार्ट इल्युमिनेशन कंट्रोलर को टीजीबीपीएस, एजिजीबीपीएस एस. और शिलांग कार्यालय परिसर में इरेक्टर्स के छात्रावास में स्थापित किया गया है जो पूर्व निर्धारित समय के बाद लगभग दस संख्या में अनावश्यक रोशनी को बंद कर देता है।	बिजली की बचत में योगदान दिया।

5. क्या संस्था के पास व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है? 100 शब्दों/वेब लिंक में विवरण दें।

मई 2024 में, नीपको ने अप्रत्याशित व्यवधानों के दौरान परिचालन लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए सेबी विनियमों के अनुपालन में एक व्यापक व्यापार निरंतरता योजना (बीसीपी) लागू की। इसके अतिरिक्त, अधिकांश बिजली स्टेशनों ने परियोजना–विशिष्ट आपदा प्रबंधन योजनाएं (डीएमपी) स्थापित की हैं

6. इकाई की मूल्य श्रृंखला से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव का खुलासा करें। इस संबंध में इकाई द्वारा क्या शमन या अनुकूलन उपाय किए गए हैं।

किसी भी परियोजना को शुरू करने से पहले, नीपको संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक व्यापक पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) आयोजित करता है। इस मूल्यांकन के आधार पर, एक पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) विकसित की जाती है, जिसमें निर्माण चरण के दौरान और ठेकेदार गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने के लिए विशिष्ट शमन उपायों का विवरण दिया जाता है।

पर्यावरण मंजूरी देने से पहले इन योजनाओं की समीक्षा और अनुमोदन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) द्वारा किया जाता है। सभी निर्धारित शर्तों और शमन उपायों को प्रत्येक परियोजना की अनूठी आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित किया जाता है और पर्यावरणीय अनुपालन और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सख्ती से लागू किया जाता है।

7. पर्यावरणीय प्रभावों के लिए मूल्यांकन किए गए मूल्य श्रृंखला भागीदारों (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य से) का प्रतिशत।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में पर्यावरणीय प्रभावों पर मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए कोई मूल्यांकन नहीं किया गया था।

8. कितने ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न किए गए हैं या खरीदे गए हैं:

i. सूचीबद्ध इकाई द्वारा: लागू नहीं होता है

* नीपको द्वारा कोई ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न नहीं किया गया है। हालांकि, कामेंग एचपीएस से कुल 2830457 आरईसी उत्पन्न किया गया है और 5 एमडब्ल्यूपी मोनारचक सौर संयंत्र से कुल 27229 आरईसी उत्पन्न किया गया है।

ii. शीर्ष दस (क्रमशः खरीद और बिक्री के संदर्भ में) मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा:

लागू नहीं होता है

सिद्धांत 7 व्यवसायों को सार्वजनिक और विनियामक नीति को प्रभावित करने में संलग्न होने पर ऐसा इस तरह से करना चाहिए जो जिम्मेदार और पारदर्शी हो

आवश्यक संकेतक

1. क. व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों के साथ संबद्धताओं की संख्याः 14

ख. शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) की सूची बनाएं, जिसमें इकाई एक सदस्य/संबद्ध है।

क्र. सं.	व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों का नाम	व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (राज्य/राष्ट्रीय) की पहुंच
1	सीआईजीआरई–कॉन्सिल इंटरनेशनल डेस ग्रैंड्स रिसॉक्स इलेक्ट्रिक्स (इंटरनेशनल काउंसिल ऑन लार्ज इलेक्ट्रिक सिस्टम्स)	अंतरराष्ट्रीय
2	आईकोल्ड (बड़े बांधों पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग)	अंतरराष्ट्रीय
3	सीबीआईपी–केंद्रीय सिंचाई और बिजली बोर्ड	राष्ट्रीय
4	राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए)	राष्ट्रीय
5	टीएआई–टनलिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	राष्ट्रीय
6	आईटीए इंटरनेशनल टनलिंग एसोसिएशन	अंतरराष्ट्रीय
7	आईईईएमए इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन	राष्ट्रीय
8	आईएसआरएम (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर रॉक मैकेनिस एंड रॉक इंजीनियरिंग)	अंतरराष्ट्रीय
9	इंटरनेशनल हाइड्रोपावर एसोसिएशन लिमिटेड	अंतरराष्ट्रीय
10	नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टीट्यूट एएस (एनजीआई)	अंतरराष्ट्रीय

नियामक प्राधिकरणों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर संस्था द्वारा प्रतिस्पर्धा–विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
वित्त वर्ष 2024–25 में प्रतिस्पर्धा–विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मामले की पहचान नहीं की गई		

नेतृत्व संकेतक

1. संस्था द्वारा समर्थित सार्वजनिक नीति पदों का विवरणः

क्र. सं.	सार्वजनिक नीति की वकालत की गई	इस तरह की वकालत के लिए तरीका अपनाया गया	क्या जानकारी सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है? (हाँ/नहीं)	बोर्ड द्वारा समीक्षा की आवृत्ति (वार्षिक/छमाही/तिमाही/अन्य– कृपया निर्दिष्ट करें	यदि उपलब्ध हो तो वेब लिंक
नीपको अक्षय ऊर्जा पर विशेष जोर देने के साथ बिजली क्षेत्र में नीतिगत विकास की वकालत करने के लिए प्रमुख उद्योग मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। कंपनी प्रासंगिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण, संशोधन और वृद्धि में योगदान देती है। यह उद्योग के साथियों के साथ हितधारक परामर्श में भी भाग लेता है और प्रभावी नीति ढांचे को आकार देने में सरकारी प्रयासों का समर्थन करता है।					

सिद्धांत 8 व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास को बढ़ावा देना चाहिए

आवश्यक संकेतक

t चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर इकाई द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) का विवरण।

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना संख्या	अधिसूचना की तिथि	चाहे स्टैंडअलोन बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित (हाँ / नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में संप्रेशित परिणाम (हाँ / नहीं)	प्रासंगिक वेब लिंक
नायिंग एचईपी (1000 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश	एलएमडी–13011 / 52 / 2024 / 1904 दिनांक 16.01.2025	16.01.2025	हाँ*	नही	नही

*भूमि प्रबंधन विभाग, सरकार द्वारा संचालित। जी बी पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट, एनईआर सेंटर, ईटानगर के माध्यम से।

2. उन परियोजनाओं (परियोजनाओं) के बारे में जानकारी प्रदान करें जिनके लिए आपकी संस्था द्वारा चल रहे पुनर्वास और पुनर्वास (आर एंड आर) निम्नलिखित प्रारूप में किया जा रहा है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम जिसके लिए आर एंड आर चल रहा है	राज्य	जिला	संख्या परियोजना प्रभावित परिवारों (पीज)	आर एंड आर द्वारा कवर किए गए पीएएफ का %	वित्त वर्ष में पीएफ को दी गई राशि (आई एन आर में)
वर्ष 2024–25 में कोई आर एंड आर गतिविधि नहीं थी।						

3. समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निवारण के लिए तंत्रों का वर्णन करें।

नीपको ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट (https://neepco.co.in/) और सरकारी ई–मार्केटप्लेस (https://gem.gov.in) सहित कई प्लेटफार्मों के माध्यम से सुलभ शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया है, जिसमें स्थानीय बोलीदाताओं और परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (पीएपी) की चिंताओं को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया गया है इसके अलावा, कंपनी अपने संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (https://pgportal.gov.in/) के माध्यम से स्थानीय समुदायों द्वारा शिकायतों को प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करती है।

4. आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री (मूल्य के आधार पर कुल इनपुट) का प्रतिशतः

	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
सीधे एमएसएमई / छोटे उत्पादकों से प्राप्त	25.09%	28.79%
सीधे भारत के भीतर से	100%	100%

5. छोटे शहरों में रोजगार सृजन–निम्नलिखित स्थानों पर नियोजित व्यक्तियों (स्थायी या गैर–स्थायी / अनुबंध के आधार पर नियोजित कर्मचारियों या श्रमिकें सहित) को कुल मजदूरी लागत के: के रूप में भुगतान किए गए वेतन का खुलासा करें।

स्थान	वित्तीय वर्ष 2024–25	वित्तीय वर्ष 2023–24
ग्रामीण	68.60%	68.18%
अर्ध–शहरी	0.30%	0.42%
शहरी	29.30%	29.65%
महानगर	1.80%	1.75%

नेतृत्व संकेतक

1. सामाजिक प्रभाव आकलन में पहचाने गए किसी भी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव को कम करने के लिए की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रदान करें (संदर्भः उपरोक्त आवश्यक संकेतकों का प्रश्न 1):

नकारात्मक सामाजिक प्रभाव के विवरण की पहचान की गई	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
कोई नकारात्मक प्रभाव दर्ज नहीं किया गया है	

2. **सरकारी निकायों द्वारा पहचाने गए नामित आकांक्षी जिलों में अपनी संस्था द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं के बारे में निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:**

क्र.सं.	राज्य	आकांक्षी जिला	खर्च की गई राशि (आईएंनआर में)
1	मेघालय	रिबोई	51,18,250

(क) क्या आपकी कोई अधिमान्य खरीद नीति है जिसमें आप पार्श्ववर्ती समूह/कमजोर समूहों वाले आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को प्राथमिकता देते हैं? (हाँ/नहीं)

नीपको सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को बढ़ावा देने पर ध्यान देने के साथ भारत सरकार की तरजीही खरीद नीतियों का पालन करता है। कंपनी ने अपने खरीद ढांचे में एमएसई आदेश, 2012 के लिए सार्वजनिक खरीद नीति और सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश, 2017 के प्रावधानों को शामिल किया है। एमएसई के आदेश, 2012 के लिए पीपीपी के साथ संरेखण में, नीपको का लक्ष्य विशिष्ट खरीद लक्ष्यों को प्राप्त करना है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से 4% और महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसई से 3%, एमएसई से कुल 25% खरीद लक्ष्य के भीतर शामिल हैं।

(ख) आप किन पार्श्ववर्ती समूह/कमजोर समूहों से खरीदते हैं?

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) और महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसई।

(सी) यह कुल खरीद (मूल्य के हिसाब से) का कितना प्रतिशत है?

वित्त वर्ष 24–25 में, नीपको ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से 1.74% और महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसई से 5.53% की खरीद की है।

4. **पारंपरिक ज्ञान के आधार पर आपकी संस्था द्वारा (चालू वित्त वर्ष में) स्वामित्व या अर्जित बौद्धिक संपदाओं से प्राप्त और साझा किए गए लाभों का विवरण:**

क्र.सं.	पारंपरिक ज्ञान पर आधारित बौद्धिक संपदा	स्वामित्व/अर्जित (हाँ/नहीं)	साझा लाभ (हाँ/नहीं)	लाभ हिस्सेदारी की गणना का आधार
लागू नहीं होता है				

5. **बौद्धिक संपदा संबंधी विवादों में किसी भी प्रतिकूल क्रम के आधार पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाइयों का विवरण, जिसमें पारंपरिक ज्ञान का उपयोग शामिल है।**

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं होता है		

6. **सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों का विवरण:**

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और हाशिए के समूहों के लाभार्थियों का प्रतिशत
1	शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देना	9,460	92%
2	स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देना	19,200	84%
3	स्वच्छ भारत अभियान	15,415	79%
4	ग्रामीण/अन्य पिछड़े क्षेत्र का विकास	14,550	90%
5	ईडीपी/कौशल विकास कार्यक्रम	720	71%

सिद्धांत 9: व्यवसायों को जिम्मेदार तरीके से अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए और उन्हें मूल्य प्रदान करना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. उपभोक्ता की शिकायतों और प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने और उनका जवाब देने के लिए तंत्रों का वर्णन करें।

नीपको विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के साथ संरेखण में एक मजबूत और उत्तरदायी शिकायत निवारण तंत्र रखता है। राज्य के स्वामित्व वाली वितरण कंपनियों के साथ सीधे जुड़ी एक उत्पादक कंपनी के रूप में, नीपको यह सुनिश्चित करती है कि सभी उपभोक्ता शिकायतों का तुरंत और प्रभावी ढंग से समाधान किया जाए।

ऑनलाइन पोर्टल, गूगल रिव्यू, फोन कॉल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और लिखित पत्राचार सहित कई चौनलों के माध्यम से शिकायतें प्राप्त होती हैं। प्रत्येक शिकायत को स्वीकार किया जाता है, प्रलेखित किया जाता है और एक संरचित प्रक्रिया के माध्यम से हल किया जाता है जो पारदर्षिता, जवाबदेही और समय पर समाधान पर जोर देती है।

संगठन ग्राहकों की प्रतिक्रिया को निरंतर सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में महत्व देता है। प्रत्येक बातचीत को उचित गंभीरता के साथ माना जाता है, और मुद्दे की प्रकृति और तात्कालिकता के आधार पर अनुरूप प्रतिक्रियाएं प्रदान की जाती हैं। सेवा वितरण और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए ग्राहकों की शिकायतों से प्राप्त अंतर्दृष्टि का नियमित रूप से विश्लेषण किया जाता है।

2. उन सभी उत्पादों/सेवाओं से टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में उत्पादों और/सेवाओं का टर्नओवर जिनके बारे में जानकारी होती है:

	कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में
उत्पाद के लिए प्रासंगिक पर्यावरणीय और सामाजिक पैरामीटर	लागू नहीं होता है
सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग	
पुनर्चक्रण और/या सुरक्षित निपटान	

3. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ता शिकायतों की संख्या:

	वित्तीय वर्ष 2024–25		टिप्पणियां	वित्तीय वर्ष 2023–24		टिप्पणियां
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित समाधान		वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	
डेंटा गोपनीयता	0	0	-	0	0	-
विज्ञापन	0	0	-	0	0	-
साइबर सुरक्षा	0	0	-	0	0	-
आवश्यक सेवाओं का वितरण	0	0	-	0	0	-
प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार	0	0	-	0	0	-
अनुचित व्यापार व्यवहार	0	0	-	0	0	-
अन्य	0	0	-	0	0	-

4. सुरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद के उदाहरणों का विवरण याद किया जाता है:

	संख्या	याद करने के कारण
स्वैच्छिक स्मरण	लागू नहीं होता है	
जबरन वापस बुलाना		

5. क्या संस्था के पास साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों पर कोई रूपरेखा/नीति है? (हाँ/नहीं) यदि उपलब्ध हो, तो पॉलिसी का एक वेब–लिंक प्रदान करें।

नीपको ने अपनी नीपको साइबर सुरक्षा नीति (एनसीएसपी) के माध्यम से एक व्यापक साइबर सुरक्षा ढांचा लागू किया है। संगठन ने 15 स्थानों पर अपनी सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएंसएमएस) के लिए आईएंसओ 27001:2013 प्रमाणन हासिल किया है, जिसमें सभी

परिचालन और रखरखाव स्टेशन, कॉर्पोरेट मुख्यालय और अन्य महत्वपूर्ण कार्यालय शामिल हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एनसीएसपी दस्तावेज़ को केवल आंतरिक उपयोग के लिए वर्गीकृत किया गया है और यह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं है।

6. **विज्ञापन, और आवश्यक सेवाओं के वितरण से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करेंय साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयताय उत्पाद वापस लेने के उदाहरणों की पुनरावृत्तिय उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा पर नियामक अधिकारियों द्वारा जुर्माना/कार्रवाई।**

नीपको ने सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा को नियंत्रित करने के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित नीतिगत ढांचा स्थापित किया है। संगठन ने विज्ञापन प्रथाओं, आवश्यक सेवाओं के प्रावधान में व्यवधान, साइबर सुरक्षा में उल्लंघन या ग्राहक डेटा की गोपनीयता से संबंधित उल्लंघनों से संबंधित किसी भी घटना की सूचना नहीं दी है।

7. **डेटा उल्लंघन से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:**

क. डेटा उल्लंघन के मामलों की संख्या:

ख. ग्राहकों की व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी से जुड़े डेटा उल्लंघनों का प्रतिशत:

ग. डेटा उल्लंघनों का प्रभाव, यदि कोई हो तो: नही

नेतृत्व संकेतक

1. **चौनल/प्लेटफॉर्म जहाँ इकाई के उत्पादों और सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है (यदि उपलब्ध हो तो वेब लिंक प्रदान करें)**

नीपको द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की श्रृंखला के बारे में विवरण कंपनी की वेबसाइट पर पाया जा सकता है

https://neepco.co.in/about-us/company-profile

https://neepco.co.in/power-generation/hydro-power

2. **उत्पादों और/या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए उठाए गए कदम।**

नीपको बिजनेस–टू–बिजनेस (बी2बी) मॉडल के तहत काम करता है और सीधे उपभोक्ता सेवा वितरण में शामिल नहीं होता है। फिर भी, कंपनी कार्यशालाओं और सेमिनारों के आयोजन के माध्यम से स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहक सहायता प्रदान करती है। सामुदायिक जुड़ाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, सुरक्षा निर्देशों को स्थानीय भाषाओं में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता है ताकि पहुंच और जागरूकता सुनिश्चित की जा सके।

3. **आवश्यक सेवाओं के व्यवधान/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने के लिए तंत्र।**

नीपको अपने जलविद्युत स्टेशनों के नेटवर्क के साथ–साथ सौर और ताप विद्युत संयंत्रों के माध्यम से वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति करता है। कंपनी बिजली बाधित होने या बंद होने के संबंध में डिस्कॉम के साथ सीधे संचार में शामिल नहीं होती है। इसके बजाय, उत्पादन कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र (एनईआरएलडीसी) को अग्रिम रूप से प्रस्तुत किए जाते हैं। घोषित उत्पादन अनुसूची में किसी भी आवश्यक संशोधन के बारे में भारतीय विद्युत ग्रिड संहिता (आईईजीसी) के प्रावधानों के अनुसार एनईआरएलडीसी को सूचित किया जाता है। ग्रिड–इंडिया के तहत एनईआरएलडीसी क्षेत्रीय समन्वय और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।

4. **क्या इकाई स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य के अलावा उत्पाद पर उत्पाद की जानकारी प्रदर्शित करती है? (हाँ/नहीं/लागू नहीं) यदि हाँ, तो संक्षेप में विवरण दें। क्या आपकी इकाई ने इकाई के प्रमुख उत्पादों/सेवाओं, इकाई के संचालन के महत्वपूर्ण स्थानों या समग्र रूप से इकाई से**
संबंधित उपभोक्ता संतुष्टि के बारे में कोई सर्वेक्षण किया है? (हाँ/नहीं)

नीपको के व्यवसाय पर लागू नहीं है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता/-

(गुरदीप सिंह)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डीआईएन: 00307037

दिनांक : 12.08.2025

स्थान: नई दिल्ली

अनुलग्नक–5ए

कॉर्पोरेट प्रशासन अनुपालन प्रमाणपत्र

सेवा में
सदस्यों

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

ब्रूकलैंड कंपाउंड लोअर न्यू कॉलोनी,

जिला: ईस्ट खासी हिल्स, शिलांग,

मेघालय, पिन: 793003

हमने **नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड** (जिसे आगे "कंपनी" कहा जाएगा) द्वारा 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन की जाँच की है, जैसा कि मई 2010 में भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों में निर्धारित है।

कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जाँच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो एक लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने उपर्युक्त डीपीई दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन किया है, सिवाय इसके किरू

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कंपनी में स्टैंडअलोन निदेशकों की न्यूनतम संख्या नहीं थी।

हम आगे बताते हैं कि ऐसा अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता का जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

नारायण शर्मा एंड एसोसिएट्स के लिए
कार्यरत कंपनी सचिव

सीएस नारायण शर्मा
हस्ताक्षरकर्ता
सीएस नारायण शर्मा
स्वामी
जनसंपर्क संख्या: 1563/2021
एफसीएस–5117, सीपी संख्या 3844
यूडीआईएन: F005117G000933836

स्थान: गुवाहाटी
दिनांक: 5 अगस्त, 2025,

प्रमुख कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रमुख वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) प्रमाणन

हम, गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एव प्रबंध निदेशक और बैद्यनाथ महाराणा, निदेशक (वित्त) नीपको लिमिटेड, प्रमाणित करते हैं कि:

(क) हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और नकदी प्रवाह विवरण (अकेले खड़ और समेकित) की समीक्षा की है और अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार:

(i) इन बयानों में कोई भी भौतिक रूप से असत्य बयान नहीं है या किसी भी भौतिक तथ्य को नहीं छोड़ा गया है या ऐसे बयान नहीं हैं जो भ्रामक हो सकते हैं।

(ii) ये कथन एक साथ कंपनी के मामलों का एक सच्चा और निश्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और मौजूदा लेखा मानकों, लागू कानूनों और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान कोई भी लेनदेन नहीं किया गया है, जो धोखाधड़ी, अवैध या कंपनी की विभिन्न आचार संहिताओं का उल्लंघन है।

(ग) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए अभिन्न नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं और हमने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को खुलासा किया है, आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन या संचालन में कमियां, यदि कोई हो, जिनके बारे में हम जानते हैं और इन कमियों को ठीक करने के लिए हमने क्या कदम उठाए हैं या प्रस्ताव किया है।

(घ) हमने कंपनी के लेखा परीक्षकों और नीपको के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति को संकेत दिया है:

(i) वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर अभिन्न नियंत्रण में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो।

(ii) वर्ष के दौरान लेखांकन पॉलिसियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो और उनका वित्तीय विवरणों के नोटों में खुलासा किया गया है, और

(iii) महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के उदाहरण जिनके बारे में हम जागरूक हो गए हैं और इसमें प्रबंधन या एक कर्मचारी की संलिप्तता, यदि कोई हो, वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है।

हस्ता/-
(बैद्यनाथ महाराणा)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 09263864

हस्ता/-
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 00307037

दिनांक: 16–05–2025
स्थान: नई दिल्ली

अनुलग्नक–6ए

स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सदस्य

स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

राय

हमने **नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ("कंपनी")** के साथ स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2025 को बैलेंस शीट, लाभ और हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण और वित्तीय विवरणों के नोट्स शामिल हैं, जिसमें सामग्री लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (इसके बाद "स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित)

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा आवश्यक तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और अधिनियम की धारा 133 ("इंड एएस") के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों और भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए अन्य लेखा सिद्धांतों, 31 मार्च, 2025 को कंपनी की स्थिति (वित्तीय स्थिति) और उसके लाभ (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन) इक्विटी में परिवर्तन और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए इसके नकदी प्रवाह के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

राय के लिए आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के स्टैंडअलोन फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स के ऑडिट के लिए ऑडिटर की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ("आईसीएआई") द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्टैंडअलोन हैं, साथ ही उन नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

विषय वस्तु पर जोर

हम स्टैंडअलोन फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स के नोट्स में निम्नलिखित मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं:

1. नोट संख्या 10 (v) सामग्री लेखा नीति संख्या के साथ पढ़ गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए। 1 (बी)(4) टीएसईसीएल (त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड) से 10368.44 लाख रुपये (तीन (3) वर्षों से अधिक के लिए देय) की विवादित व्यापार प्राप्य राशि के संबंध में कंपनी को उम्मीद है कि यह रिपोर्टिंग तिथि से 12 महीने के भीतर प्राप्त हो जाएगी और तदनुसार इसे वर्तमान परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इस आधार पर किसी भी अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) के लिए भी प्रावधान नहीं किया है कि इसकी व्यावसायिक गतिविधियाँ सीईआरसी विनियमों, बिजली खरीद समझौतों, त्रिपक्षीय समझौतों और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा जारी विभिन्न दिशानिर्देशों/अधिसूचनाओं द्वारा नियंत्रित होती हैं और उपरोक्त ग्राहक भी राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित इकाई है। कंपनी द्वारा लिए गए दृष्टिकोण का समर्थन बाहरी विशेषज्ञ की सलाह से किया जाता है, जिसका विचार है कि गुण–दोष के आधार पर इसका एक मजबूत मामला है।
2. सामग्री लेखा नीति सं. 22 और 23 के साथ पढ़े गए एकल वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी करें। 1 (सी) (1.1) उपयोग में लाई गई परिसंपत्तियों के लिए अंतिम आधार के तहत मान्यता प्राप्त राशि के संबंध में, लेकिन ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन, अंतिम आधार पर देय राशि दर्ज की जाती है।

   इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर दृष्टिकोण से वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा परीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

क्र. सं.	प्रमुख लेखापरीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
1)	**ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और मापन** कंपनी केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित टैरिफ के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व दर्ज करती है और जहाँ अंतिम टैरिफ को सीईआरसी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है, अस्थायी राजस्व को टैरिफ याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत एएफसी में वृद्धि और कमी के लिए वार्षिक निश्चित लागत (एएफसी) के 90% और 110% के आधार पर मान्यता प्राप्त है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 24–29 की नियंत्रण अवधि के लिए दायर टैरिफ याचिका और अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (600 मेगावाट) के लिए पहले लंबित आदेश के लिए 25,131.94 लाख रुपये और सभी परियोजनाओं के लिए 19–24 की नियंत्रण अवधि के लिए 34,428.92 लाख रुपये की पहचान की गई। जहाँ न तो स्वीकृत टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी के पास याचिका लंबित है, ऊर्जा की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों द्वारा सहमत टैरिफ के आधार पर किया जाता है। (पृथक वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 27 को महत्वपूर्ण लेखांकन नीति संख्या सी 10.1 के सारांश के साथ पढ़ा जाए)	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया:** हमने क्षमता शुल्क और ऊर्जा शुल्क सहित ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और माप के संबंध में सीईआरसी टैरिफ नियमों, आदेशों, परिपत्रों, दिशानिर्देशों और कंपनी के आंतरिक परिपत्रों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त की है और निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया है: 1. ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और माप से संबंधित कंपनी के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और परीक्षण किया। 2. कंपनी द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों के अनुसार संगणित अंतिम टैरिफ के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व के लेखांकन के साथ–साथ ऊर्जा की बिक्री से अंतिम राजस्व के लेखांकन को सत्यापित किया।
2)	**उत्पादन केन्द्रों के नियंत्रण से परे ऊर्जा उत्पादन में कमी के कारण ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और मापन।** 15 मार्च 2024 को ज्ञापन संख्या एल–1/268/2022/सीईआरसी के माध्यम से 2024–29 की टैरिफ अवधि के लिए सीईआरसी टैरिफ नियमों में बदलाव और अधिसूचना के अनुसार, कंपनी ने कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (600 मेगावाट)–76.78 लाख, रंगानदी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (405 मेगावाट)–1,530.14 लाख, तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (60 मेगावाट)–101.70 लाख, कोपिली हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (200 मेगावाट)–3,113.00 लाख की उत्पादन स्टेशनों (हाइड्रो) के नियंत्रण से परे कारणों से बिजली उत्पादन में कमी के कारण ऊर्जा की बिक्री से राजस्व दर्ज किया। हम इसे एक महत्वपूर्ण ऑडिट मामला मानते हैं क्योंकि राजस्व में अप्रैल 2025 के महीने में सीधे लाभार्थियों को बिल किए गए 2024–25 की अवधि के लिए कमी शामिल है, साथ ही सीईआरसी के समक्ष दायर याचिका के अनुसार एएफसी में बदलाव के कारण लेखा पुस्तकों में अस्थायी राजस्व शामिल है। इसके अलावा, यह कंपनी द्वारा दायर की जाने वाली बाद की याचिकाओं में सच्चाई के अधीन होगा.	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया:** हमने क्षमता शुल्क और ऊर्जा शुल्क सहित ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और माप के संबंध में सीईआरसी टैरिफ नियमों, आदेशों, परिपत्रों, दिशानिर्देशों और कंपनी के आंतरिक परिपत्रों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त की है और निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया है: 1. ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और माप से संबंधित कंपनी के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और परीक्षण किया। 2. हमने एक अन्य विशेषज्ञ के काम पर भरोसा किया है जिसने गणना के साथ–साथ नियंत्रणीय और अनियंत्रित के बीच ऊर्जा में कमी को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग की जाने वाली संबंधित मान्यताओं/विचारों का मूल्यांकन किया है। हमने गणनाओं का परीक्षण किया है और उक्त राजस्व पर पहुंचने के लिए अंतर्निहित गणनाओं और कार्यप्रणाली को समझा है।

क्र. सं.	प्रमुख लेखापरीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
	(संदर्भ नोट संख्या 27 सामग्री लेखा नीति संख्या 27 के सारांश के साथ पढ़े गए एकल वित्तीय विवरणों के लिए सी 10.1)	3. हमने जनसेवानिवृत रों के चालान (पीआरएएपीटीआई पोर्टल) में पारदर्शिता लाने के लिए बिजली खरीद में भुगतान अनुसमर्थन और विश्लेषण से प्राप्त राशि का भी मिलान किया है और पता लगाया है कि बिलिंग अप्रैल 2025 के महीने में की गई है।
3)	**संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के वहन मूल्य का हानि मूल्यांकन** कंपनी के पास बिजली उत्पादन से संबंधित एक सामग्री परिचालन परिसंपत्ति आधार (पीपीई) है और सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार टैरिफ निर्धारित करने के लिए घटकों में से एक है, जो हानि के लिए असुरक्षित हो सकता है। कंपनी के पास बिजली उत्पादन से संबंधित एक सामग्री परिचालन परिसंपत्ति आधार (पीपीई) है और सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार टैरिफ निर्धारित करने के लिए घटकों में से एक है, जो हानि के लिए असुरक्षित हो सकता है। (नोट संख्या सामग्री लेखा नीति संख्या 50 के साथ पढ़े गए एकल वित्तीय विवरण सी 15)	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया:** हमने निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रिया को अपनाया है: 1. इंड एएस 36 "संपत्ति की हानि" के अनुसार हानि के संबंध में कंपनी की लेखा नीतियों को प्राप्त करें और पढ़ें। 2. साक्ष्य के निरीक्षण के माध्यम से लेखांकन, मूल्यांकन और परिसंपत्तियों की वसूली से संबंधित प्रमुख वित्तीय नियंत्रणों पर नियंत्रण का परीक्षण किया। 3. निष्पादित सारवान लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ जिनमें शामिल हैं: i) प्रबंधन की हानि का मूल्यांकन प्राप्त किया। ii) अनुमानित उत्पादन, ईंधन की कीमतों, विनिमय दर, ऊर्जा की कीमतों और जहाँ उपलब्ध हो वहाँ बिजली खरीद समझौते सहित प्रमुख अनुमानओं का मूल्यांकन किया। 4. रिलायंस को पूरा होने की समय सीमा, उत्पादन की मात्रा और अपेक्षित शुल्क के आधार पर परिणामी राजस्व के लिए प्रबंधन अनुमानों पर रखा गया है।
4)	**आकस्मिक देयता** विभिन्न मंचों के समक्ष कंपनी के खिलाफ कई मुकदमे/दावे लंबित हैं। कंपनी के खिलाफ किए गए दावे महत्वपूर्ण हैं और इसमें शामिल राशि का अनुमान लगाने और उनके उचित प्रकटीकरण के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता होती है। उसी के प्रकटीकरण में मामलों की व्याख्या करने में प्रबंधन के निर्णय की एक महत्वपूर्ण डिग्री और दायित्व की घटना की संभावना का मूल्यांकन शामिल है जो प्रबंधन पूर्वाग्रह के अधीन हो सकता है। (नोट संख्या सामग्री लेखा नीति संख्या 36 के साथ पढ़ गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण सी 8)	हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया: 1. हमने विभिन्न न्यायालयों/मध्यस्थता/अर्ध–न्यायिक मंचों आदि के समक्ष लंबित मामलों/विवादों/दावों का विवरण प्राप्त कर लिया है। 31.03.2025 को प्रबंधन से नवीनतम स्थिति और उसी के लिए प्रबंधन के मूल्यांकन के साथ। 2. हमने इस संबंध में कंपनी की लेखा नीति भी प्राप्त की है और उसी के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में नोटों में उनका खुलासा किया है। 3. हमने लंबित मुकदमेबाजी/मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया। 4. हमने प्रबंधन के साथ उनके मूल्यांकन के आधार और किसी भी भौतिक विकास और दावों/विवादों के संभावित परिणामों के बारे में चर्चा की।

क्र. सं.	प्रमुख लेखापरीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
5)	**एमएटी ऋण पात्रता और संबंधित विनियामक आस्थगित देयता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्ति** कंपनी ने एमएटीऋण पात्रता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी है। एमएटी क्रेडिट के उपयोग के परिणामस्वरूप भविष्य के वर्षों में आयकर का बहिर्वाह कम होगा और तदनुसार उक्त एमएटी क्रेडिट पात्रता के अनुरूप नियामक आस्थगित देयता को भी मान्यता दी गई है, जो सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों को देय है। एमएटीऋण पात्रता से संबंधित इस आस्थगित कर परिसंपत्ति की वसूली आयकर अधिनियम, 1961 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर इस तरह की पात्रता का उपयोग करने के लिए भविष्य में पर्याप्त कर योग्य लाभ के सृजन पर निर्भर है। हमने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए इस मामले के महत्व और इसकी भौतिकता के कारण इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में पहचानाय और आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अनुमत समय सीमा के भीतर ऐसे कर क्रेडिट की वसूली पर विचार करते हुए एमएटी क्रेडिट पात्रता की मान्यता के लिए भविष्य के कर योग्य लाभों के पूर्वानुमान में निर्णय की आवश्यकता। (नोट संख्या 7,16,37 और 48 स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए, सामग्री लेखा नीति संख्या सी.13)	हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ 1. हमने प्रबंधन के निर्णय सहित नियामक आस्थगित खाते में एमएटी क्रेडिट पात्रता और उसी के संबंधित देयता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता के लिए एक समझ प्राप्त की है। 2. हमने आगे एक अन्य विशेषज्ञ के काम पर भरोसा किया है जिसने भविष्य के कर योग्य लाभों के संबंधित पूर्वानुमानों का मूल्यांकन किया है और बाद की अवधि में लाभार्थियों को देय उक्त एमएटी क्रेडिट के अनुरूप नियामक स्थगन खाता शेष के साथ इन पूर्वानुमानों को तैयार करने में अंतर्निहित विचारों/ मान्यताओं की तर्कसंगतता का मूल्यांकन किया है। हालाँकि, हमने अंतर्निहित अनुमानओं के साथ गणनाओं की व्यापक रूप से समीक्षा की है। 3. निष्पादित उपरोक्त प्रक्रियाओं के आधार पर, एमएटी ऋण पात्रता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता और माप और लाभार्थियों के प्रति संबंधित विनियामक आस्थगित देयता को पर्याप्त और उचित माना जाता है।

वित्तीय विवरण और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट, निदेशक की रिपोर्ट सहित निदेशक की जिम्मेदारी विवरण, कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट में शामिल अन्य जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है। ऊपर बताई गई अन्य जानकारी इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की दिनांक के बाद हमें उपलब्ध कराई जाने की उम्मीद है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को शामिल नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ने और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करने की है कि क्या अन्य जानकारी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों या हमारे लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त हमारे ज्ञान के साथ भौतिक रूप से असंगत है या अन्यथा भौतिक रूप से गलत तरीके से दिखाई देती है।

जब हम ऊपर बताई गई अन्य जानकारी को पढ़ते हैं और यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें कोई भौतिक गलत कथन है, तो हमें इस मामले को शासन के साथ आरोपित लोगों को सूचित करने और लागू कानूनों और विनियमों के अनुसार आवश्यक कार्यों का वर्णन करने की आवश्यकता होती है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के साथ प्रभारित लोगों की जिम्मेदारियां

कंपनी का निदेशक मंडल इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में अधिनियम की धारा 134 (5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की इक्विटी और नकदी प्रवाह में परिवर्तन, जिसमें अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानक (इंड एएस), विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत और उसके अनुसार जारी प्रासंगिक नियमों और प्रासंगिक केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) विनियमों और अन्य मान्यता प्राप्त लेखा प्रथाओं और नीतियों के साथ पढ़ा जाता है।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल हैय उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोगय निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैंय और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो एक स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलत कथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण।

एकल वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन और निदेशक मंडल एक चालू कंपनी के रूप में जारी रखने की कंपनी की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, चालू कंपनी से संबंधित मामलों का खुलासा करते हुए और लेखा के चालू कंपनी आधार का उपयोग करते हुए, जब तक कि निदेशक मंडल या तो कंपनी को समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है।

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भौतिक गलत कथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार किया गया ऑडिट हमेशा एक भौतिक गलत कथन का पता लगाएगा जब वह मौजूद होगा। गलत कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें सामग्री माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित रूप से उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार ऑडिट के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट के दौरान पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम भी:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत कथन के जोखिमों की पहचान करें और उनका आकलन करें, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप एक भौतिक गलत कथन का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप एक की तुलना में अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभुगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत प्रतिनिधित्व या आंतरिक नियंत्रण की ओवरराइड शामिल हो सकती है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को तैयार करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करें। अधिनियम की धारा 143 (3) (i) के तहत, हम इस बारे में अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के चालू सरोकार के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या शर्तों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो एक चालू सरोकार के रूप में जारी रखने की कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों की ओर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करने की आवश्यकता है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की दिनांक तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या शर्तों के कारण कंपनी एक चालू चिंता के रूप में जारी नहीं रह सकती है।
- एकल वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, जिसमें प्रकटीकरण शामिल हैं, और क्या एकल वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व इस तरह से करते हैं जिससे उचित प्रस्तुति प्राप्त हो।

भौतिकता स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में गलत विवरणों का परिमाण है, जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, यह संभव बनाता है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के उचित रूप से जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं

i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाना और हमारे कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करना तथा

ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत कथन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों में कोई महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम शासन के प्रभारी लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं कि हमने स्टैंडअलोनता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है, और उनके साथ उन सभी संबंधों और अन्य मामलों को संप्रेषित करने के लिए जो हमारी स्टैंडअलोनता पर उचित रूप से विचार किए जा सकते हैं, और जहाँ लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय।

शासन के प्रभारी लोगों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के ऑडिट में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख ऑडिट मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन तब तक करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को प्रतिबंधित नहीं करता है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में सूचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम उचित रूप से इस तरह के संचार के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक होने की उम्मीद की जाएगी।

अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") द्वारा आवश्यक है और कंपनी की पुस्तकों और रिकॉर्ड की ऐसी जांच के आधार पर जो हम उचित समझते हैं और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक बयान **"अनुलग्नक ए"** में देते हैं, लागू सीमा तक।
2. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:
   - क. हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को माँगा और प्राप्त किया है जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए आवश्यक थे।
   - ख. हमारी राय में, जहाँ तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, कंपनी द्वारा कानून द्वारा आवश्यक उचित लेखा पुस्तकें रखी गई हैं।
   - ग. बैलेंस शीट, अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाया गया नकदी प्रवाह का विवरण लेखा पुस्तकों के साथ सहमत हैं।
   - घ. हमारी राय में, उपरोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट इंड एएस का अनुपालन करते हैं।
   - ङ. एक सरकारी कंपनी होने के नाते, अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई) डीटीडी। कॉरपोसेवानिवृत कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 जून 2015 को जारी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 की उप–धारा (2) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
   - च. अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई) डीटीडी। 5 जून 2015 को कॉरपोसेवानिवृत कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिनियम की धारा 197, प्रबंधकीय पारिश्रमिक के संबंध में, सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं है। तदनुसार, अधिनियम की धारा 197 (16) के प्रावधानों की आवश्यकताओं के अनुसार रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
   - छ. कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्त और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, **"अनुलग्नक बी"** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।
   - ज. कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, जैसा कि हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार संशोधित किया गया है:
     - कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है। 36 स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए।
     - कंपनी ने दीर्घकालिक अनुबंधों पर भौतिक पूर्वानुमेय नुकसान, यदि कोई हो, के लिए लागू कानून या भारतीय लेखा मानकों के तहत आवश्यक प्रावधान किया है।
     - कंपनी के पास अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निवेशक, शिक्षा और संरक्षण कोष में किसी भी राशि को स्थानांतरित करने का कोई मामला नहीं है।
       - क) प्रबंधन ने अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार, किसी भी निधि (जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से सामग्री है) को कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी इकाई ('मध्यवर्ती संस्थाएं') भी शामिल है, को या उसमें लिखित रूप में या अन्यथा अभिलिखित समझ के साथ अग्रिम या ऋण या निवेश (या तो उधार ली गई निधियों या

शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोतों या प्रकार की निधियों से) नहीं किया गया है, कि मध्यस्थ, चाहे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, कंपनी द्वारा या उनकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ("अंतिम लाभार्थियों") को उधार देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या ऐसा ही प्रदान करेगा।

ख) प्रबंधन ने अपनी जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा किसी भी व्यक्ति या संस्था से, जिसमें विदेशी इकाई ("वित्तपोषण करने वाली पार्टियां") भी शामिल हैं, इस समझ के साथ कोई धनराशि (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर सामग्री है) प्राप्त नहीं की गई है, चाहे वह लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज की गई हो, कि कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्तपोषण करने वाले पक्ष द्वारा या उनकी ओर से किसी भी तरह से ("अंतिम लाभार्थी") पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगी या निवेश करेगी या अंतिम लाभार्थियों से या उनकी ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी।

- उन लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ई) के उपखंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन, जैसा कि ऊपर (ए) और (बी) के तहत प्रदान किया गया है, में कोई भौतिक गलत कथन है।
- वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार लागू होता है।
- वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की दिनांक तक कंपनी द्वारा घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुपालन में है।
- हमारी जांच के आधार पर, जिसमें परीक्षण जांच शामिल है, कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपनी लेखा पुस्तकों को बनाए रखने के लिए लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (लॉग संपादित करें) सुविधा दर्ज करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष संचालित होता है। इसके अलावा, हमारे ऑडिट के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई उदाहरण नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार कंपनी द्वारा ऑडिट ट्रेल को संरक्षित किया गया है।

3. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (5) द्वारा आवश्यक है, कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की ऐसी जांच के आधार पर जो हम उचित समझते हैं और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम **"अनुलग्नक सी"** में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर एक रिपोर्ट देते हैं।

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फार्म का रजिस्ट्रेशन संख्या 309128ई)

सीए मनीश गोयल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या: 061194)
यूडीआईएन: 25061194बीएमएलसीडीबी1109

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 16 मई, 2025

स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक 'ए'

(नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यों को हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' अनुभाग के तहत पैराग्राफ 1 में संदर्भित)

हमारी सर्वोत्तम जानकारी और कंपनी द्वारा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों और लेखा परीक्षा के सामान्य क्रम में हमारे द्वारा जांचे गए लेखा पुस्तकों और रिकॉर्ड के अनुसार, हम कहते हैं कि:

i. कंपनी की संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, उपयोग के अधिकार और अमूर्त संपत्तियों के संबंध में:

(क) (क) कंपनी ने आम तौर पर पूर्ण विवरण दिखाने वाले उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं, जिसमें मात्रात्मक विवरण और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की स्थिति और उपयोग के अधिकार की संपत्तियों के प्रासंगिक विवरण शामिल हैं।

(ख) कंपनी ने अमूर्त परिसंपत्तियों का पूरा विवरण दिखाने वाले उचित रिकॉर्ड बनाए रखे हैं।

(ख) कंपनी के पास प्रबंधन द्वारा वार्षिक आधार पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) और उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन का एक नियमित कार्यक्रम है। हालांकि, वर्ष के दौरान बाहरी एजेंसियों को प्रबंधन द्वारा भौतिक सत्यापन के लिए लगाया गया था। इस प्रक्रिया के दौरान विसंगतियों की पहचान की गई, जो वर्तमान में प्रबंधन द्वारा सुलह के अधीन हैं। हमारे आकलन के आधार पर, इन विसंगतियों को कंपनी के पीपीई के समग्र आकार और वहन मूल्य के संदर्भ में सामग्री नहीं माना जाता है।

(ग) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई सभी अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेख (उन संपत्तियों के अलावा जहाँ कंपनी पट्टेदार है और पट्टा समझौतों को पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित किया जाता है) निम्नलिखित मामलों को छोड़कर कंपनी के नाम पर रखे जाते हैं:

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ लाख में)	के नाम पर आयोजित	चाहे प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी	जहाँ उपयुक्त हो वहाँ अवधि सीमा को इंगित करने में सहायता करती है	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण
नीपको परियोजना–कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन–स्टेज II के लिए 183.19 हेक्टेयर भूमि पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय में	102.00	श्रीमती. इबिल डखार और अन्य (9 संख्या याचिकाकर्ताओं)	नहीं	10.09.1984	यह भूमि 9 भूमि प्रोपराइटरों द्वारा भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए किए गए दावे के कारण मुकदमे के अधीन है। यह मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय के पास लंबित है
लैटकोर, शिलांग में सीएमडी क्वार्टर/ डायरेक्टर्स गेस्ट हाउस की भूमि और भवन	भवन का मूल्य–222.88	उपलब्ध नहीं है	नहीं	उपलब्ध नहीं है	लैतकोर (मेघालय) में स्थित 1.88 एरेस की भूमि नीपको के स्वामित्व में है, हालांकि कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं

(घ) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति सहित) और अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

(ङ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 'बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988' और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।

ii. (क) वार्षिक आधार पर इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन का एक नियमित कार्यक्रम है। हमारी राय में, प्रबंधन द्वारा इस तरह के सत्यापन का कवरेज और प्रक्रिया उचित है और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, इस तरह के भौतिक सत्यापन पर इन्वेंट्री के प्रत्येक वर्ग के लिए कुल मिलाला 10% की विसंगतियां नहीं देखी गईं। हालांकि, हमारी राय में, इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन के संबंध में रखे गए विवरण और रिकॉर्ड में सुधार की आवश्यकता है।

(ख) कंपनी को वर्ष के दौरान चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कुल मिलाकर **₹ 5** करोड़ रुपये से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत की गई है और कंपनी द्वारा ऐसे बैंकों या वित्तीय संस्थानों के साथ दाखिल किए गए तिमाही रिटर्न या विवरण कंपनी के लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।

iii. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान, कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या किसी अन्य पक्ष को सुरक्षित या असुरक्षित ऋण की प्रकृति में निवेश नहीं किया है, या कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान नहीं की है या कोई ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किया है। तदनुसार, खंड (III) (क) (क) और (ख) (ख) (ग) (घ) (ड़) और (च) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं और इसलिए इस पर टिप्पणी नहीं की जाती है।

iv. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के तहत कोई ऋण नहीं दिया है या कोई गारंटी और प्रतिभूति नहीं दी है। संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश के संबंध में, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।

v. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों की धारा 73 से 76 या किसी अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत आने वाली किसी भी जमा या राशि को स्वीकार नहीं किया है।

vi. हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उपधारा (I) के तहत लागत रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार कंपनी द्वारा बनाए गए खातों और रिकॉर्ड की व्यापक रूप से समीक्षा की है, जिसे कंपनी (लागत अभिलेख और लेखा कानून) नियम, 2014 के साथ पढ़ा गया है, जैसा कि संशोधित किया गया है, और हमारी राय है कि, प्रथम दृष्टया, निर्धारित खाते और रिकॉर्ड बनाए और बनाए रखे गए हैं। हालाँकि, हमने अभिलेखों की विस्तृत जाँच नहीं की है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे सटीक और पूर्ण हैं या नहीं।

vii. वैधानिक देय राशियों के संबंध में:

(क) हमारी राय में, कंपनी आम तौर पर वस्तु और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया जमा करने में नियमित रही है।

वस्तु और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और अन्य वैधानिक बकाया के संबंध में 31 मार्च, 2025 को देय होने की दिनांक से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया राशि का भुगतान किया गया था।

(ख) वस्तु और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और अन्य वैधानिक बकाया के संबंध में 31 मार्च, 2025 को देय होने की दिनांक से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया राशि का भुगतान किया गया था।

संविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	फोरम जहाँ विवाद लंबित है	अवधि जिससे राशि संबंधित है	राशि ₹ लाख
आय कर अधिनियम, 1961	आय कर	निर्धारण अधिकारी	2020-21	1992.06

जैसा कि सूचित किया गया है, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में समर्पित या प्रकट की गई पूर्व अभिलिखित आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं था

viii. (क) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने ऋणों या अन्य उधारों के पुनर्भुगतान या किसी भी ऋणदाता को ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।

(ख) जैसा कि सूचित किया गया है, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या किसी सरकारी प्राधिकरण द्वारा जानबूझकर चूककर्त्ता घोषित नहीं किया गया है।

(ग) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, सावधि ऋण उस उद्देश्य के लिए लागू किए गए थे जिसके लिए ऋण प्राप्त किए गए थे।

(घ) जैसा कि सूचित किया गया है और कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, अल्पावधि आधार पर जुटाई गई धनराशि का, प्रथम दृष्टया, वर्ष के दौरान दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया गया है।

(ड़) जैसा कि सूचित किया गया है और कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी संस्था या व्यक्ति से कोई धन नहीं लिया है।

(च) जैसा कि सूचित किया गया है और कंपनी की पुस्तकों और अभिलेखों की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में आयोजित प्रतिभूतियों की गिरवी पर वर्ष के दौरान ऋण नहीं जुटाया है।

ix. (क) कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या आगे सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से धन नहीं जुटाया है और इसलिए आदेश के खंड 3 (x) (क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(ख) वर्ष के दौरान, कंपनी ने शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचरों (पूरी तरह से या आंशिक रूप से या वैकल्पिक रूप से) का कोई अधिमान्य आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है और इसलिए आदेश के खंड 3 (ग) (ख) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

x. (क) हमें दी गई जानकारी और प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत स्पस्ष्टीकरण के अनुसास, कंपनी द्वारा सामग्री धोखाधड़ी का कोई मामला नहीं है और वर्ष के दौरान कंपनी पर कोई सामग्री धोखाधड़ी नहीं देखी गई है या रिपोर्ट नहीं की गई है।

(ख) कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप–धारा (12) के तहत कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत निर्धारित फॉर्म एडीटी–4 में वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की दिनांक तक केंद्र सरकार के साथ कोई रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है।

(ग) जैसा कि प्रबंधन द्वारा सूचित किया गया है, कंपनी को वर्ष के दौरान कोई व्हिसलब्लोअर शिकायत नहीं मिली है।

xi. कंपनी निधि कंपनी नहीं है और इसलिए आदेश के खंड (xii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xii. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी संबंधित पक्षों के साथ लागू लेनदेन के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 का अनुपालन कर रही है और संबंधित पक्ष लेनदेन के विवरण का खुलासा किया गया है।

xiii. (क) कंपनी ने अपनी इकाइयों और कार्यालयों की आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की फर्मों को नियुक्त किया है। हमारी राय में, कंपनी के पास अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप एक पर्याप्त आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है।

(ख) हमने अपनी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने के लिए वर्ष के दौरान और अब तक कंपनी को जारी की गई लेखापरीक्षा के तहत वर्ष के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।

xiv. हमारी राय में हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या अपने निदेशकों से जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर–नकद लेनदेन नहीं किया है और इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

xv. (क) हमारी राय में, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45–आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3 (xvi) (क) (ख) और (ग) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

(ख) हमारी राय में, समूह के भीतर कोई मुख्य निवेश कंपनी नहीं है (जैसा कि मुख्य निवेश कंपनियों (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2016 में परिभाषित किया गया है) और तदनुसार आदेश के खंड 3 (xvi) (क) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है

(ग) जैसा कि सूचित किया गया है और हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई गैर–बैंकिंग वित्तीय या आवास वित्त गतिविधियों का संचालन नहीं किया है।

xvi. कंपनी ने हमारे ऑडिट द्वारा कवर किए गए वित्तीय वर्ष और तुरंत पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान नकद नुकसान नहीं किया है।

xvii. वर्ष के दौरान कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों का कोई इस्तीफा नहीं दिया गया है।

xviii. वित्तीय अनुपात, वृद्धावस्था और वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति की अपेक्षित तिथियों और वित्तीय देयताएं के भुगतान, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी के आधार पर, हमारी राय है कि ऑडिट रिपोर्ट की दिनांक तक कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है कि कंपनी बैलेंस शीट की तिथि से एक वर्ष की अवधि के भीतर अपनी देयताएं को पूरा करने में सक्षम है और जब वे बैलेंस शीट की दिनांक से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होती हैं।

xix. (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने उक्त अधिनियम की धारा 135 की उप–धारा (5) के दूसरे परंतुक के अनुपालन में कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण की आवश्यकता वाली चल रही परियोजनाओं के अलावा शेष खर्च न की गई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व ("सीएसआर") राशि हस्तांतरित कर दी है।

(ख) कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की उप–धारा 5 के तहत खर्च नहीं की गई शेष राशि को जारी परियोजनाओं के अनुसार, उक्त अधिनियम की धारा 135 की उप–धारा 6 के प्रावधानों के अनुपालन में एक विशेष खाते में स्थानांतरित कर दिया है।

xx. इस कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल संयुक्त उद्यम कंपनी के वित्तीय विवरणों का ऑडिट नहीं किया गया है, इसलिए उसी की सीएआरओ रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। इसे देखते हुए, हम इस खंड पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट

(फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई)

हस्ता/–

सीए मनीश गोयल

पार्टनर

(सदस्यता संख्या 061194)

यूडीआईएनः 25061194बीएमएलसीडीबी1109

स्थानः दिल्ली

दिनांक : 16 मई, 2025

स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए संलग्नक "बी"

(पैराग्राफ 2 (जी) में सम तिथि के नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यों को हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' अनुभाग के तहत संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2025 तक नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर लिमिटेड ("कंपनी") के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है, उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के साथ संयोजन में है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करता है। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जिसमें कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाना, लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और अधिनियम के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर गाइडेंस नोट ("मार्गदर्शन नोट") और अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित ऑडिट पर मानकों के अनुसार स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर लागू सीमा तक अपना ऑडिट किया। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें और योजना बनाएं और ऑडिट करें ताकि इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि क्या स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे लेखापरीक्षा में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्त के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं शामिल हैं। स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे ऑडिट में स्टैंडअलोन फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का मूल्यांकन शामिल है।

हमारा मानना है कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर हमारी ऑडिट राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

एकल वित्तीय विवरण के संदर्भ में एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए एकल वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो उचित विस्तार से, कंपनी की संपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैंय (2) उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक रूप से दर्ज किए गए हैं, और कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं और (3) कंपनी की संपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव डाल सकते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रणों की मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलत कथन हो सकते हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री बिगड़ सकती है।

राय

हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने सभी महत्वपूर्ण मामलों में, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण बनाए रखा है और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2025 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कंपनी द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रणों के घटकों पर विचार करते हुए आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में कहा गया था।

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई)

हस्ता/–
सीए मनीश गोयल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या 061194)
यूडीआईएनः 25061194बीएमएलसीडीबी1109

स्थानः दिल्ली
दिनांक : 16 मई, 2025

स्टैंडअलोन लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए संलग्नक "सी"

(नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यों को हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' अनुभाग के तहत पैराग्राफ 3 में संदर्भित)

क्र. सं	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के अधीन निर्देश	निर्देश पर की गई कार्रवाई पर लेखा परीक्षकों का जवाब	एफएस पर प्रभाव
1.	**क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखा लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभावों, यदि कोई हो, के साथ–साथ खातों की अखंडता पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के प्रभावों को बताया जा सकता है।**	हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखा लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली है।	शून्य
2.	**क्या मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन है या ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/बट्टेबाजी के मामले हैं। कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिया गया ऋण? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है। क्या ऐसे मामलों का उचित हिसाब रखा जाता है?**	हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन या ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/राइट ऑफ नहीं है। कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिया गया था।	शून्य
3.	**क्या निधि (अनुदान/सब्सिडी आदि) केंद्र/राज्य सरकार या इसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य का इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित रूप से लेखा/उपयोग किया गया था? विचलन के मामले को सूचीबद्ध करें।**	हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने अपने नियमों और शर्तों के अनुसार केंद्र/राज्य सरकार या उनकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त धन का हिसाब रखा है और उसका उपयोग किया है। हालांकि, सरकार से 25.30 लाख रुपये की राशि प्राप्त की जा रही है। तीन वर्ष से अधिक समय के लिए पीएम कुसुम योजना के लिए भारत सरकार से।	शून्य

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई)

हस्ता/–
सीए मनीश गोयल
पार्टनर
(सदस्यता संख्या 061194)
यूडीआईएनः 25061194बीएमएलसीडीबी1109

स्थानः दिल्ली
दिनांक : 16 मई, 2025

भाग–I स्टैंडअलोन बैलेंस शीट 31 मार्च 2025 तक

(लाख में रु)

क्र.सं.	विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	परिसंपत्तियाँ			
1	**गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ**			
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2	12,84,562.32	12,93,125.25
	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर है	3	67,136.54	66,482.49
	(ग) अमूर्त संपत्ति	4	7,721.77	8,033.31
	(घ) विकास के अंतर्गत अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4ए	96.00	124.32
	(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
	(च) सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश	5	-	-
	(ii) ऋण	6	31.35	40.02
	(छ) आस्थगित कर परिसंपत्ति (निवल)	7		
	(ज) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ	8	62,569.72	43,529.96
	उप कुल–गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ		**14,22,117.71**	**14,11,335.35**
2	वर्तमान परिसंपत्तियाँ			
	(क) भंडार	9	14,508.30	12,457.35
	(ख) वित्तीय संपत्तियाँ			
	(ग) व्यापार प्राप्य	10	57,280.59	83,664.74
	(ii) नकद और नकद समकक्ष	11	126.11	240.10
	(iii) उपरोक्त (ii) के अलावा अन्य बैंक शेश	12	602.98	276.46
	(iv) अन्य	13	98,366.95	32,756.40
	सी) वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	14	-	2,165.84
	डी) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	15	2,663.17	2,509.48
	ई) बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति	15	-	-
	उप–कुल–वर्तमान परिसंपत्तियाँ		**1,73,548.10**	**1,34,070.36**
3	**विनियामक आस्थगित खाते डेबिट शेष**	16.01	1,35,277.65	1,14,729.55
	कुल संपत्ति (1 + 2 + 3)		**17,30,943.46**	**16,60,135.27**
	समानताएँ और दायित्व			
4	**इक्विटी**			
	(क)इक्विटी शेयर पूंजी	17	3,60,981.04	3,60,981.04
	(ख) अन्य इक्विटी	18	3,56,565.19	3,25,808.34
	उप–कुल–इक्विटी		**7,17,546.23**	**6,86,789.38**
	दायित्व			
5	**गैर–वर्तमान देयताएँ**			
	(क) वित्तीय देनंदारियाँ			
	(i) उधारी	19	6,34,261.48	5,90,470.25
	(ii) पट्टा देयताएँ	19ए	775.87	1,015.07
	(iii) व्यापार देय			
	(क) सूक्ष्म का कुल बकाया उद्यम और लघु उद्यम		-	-
	(ख) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया		-	-

क्र.सं.	विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	(ख) दीर्घकालिक प्रावधान	20	397.04	303.28
	(ग) आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)	7	1,06,240.82	93,440.22
	(घ) अन्य गैर–वर्तमान देयताएँ	26	17,930.30	19,627.01
	उप कुल गैर–वर्तमान देयताएँ		**7,59,605.51**	**7,04,855.83**
6	**वर्तमान देयताएँ**			
	(क) वित्तीय देयताएँ			
	(i) उधार	21	1,20,144.95	1,51,170.54
	(ii) पट्टा देयताएँ	21A	971.68	1,000.48
	(iii) व्यापार देय			
	(क) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	22	960.27	1,242.61
	(ख) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया		12,977.00	16,533.13
	(iv) अन्य वित्तीय देयताएँ	23	51,243.58	42,691.00
	(ख) अन्य वर्तमान देयताएँ	24	7,275.15	6,228.16
	(ग) प्रावधान	25	22,344.85	19,930.75
	(घ) वर्तमान कर देनंदारियाँ (शुद्ध)	14	1,557.63	-
	(ङ) आस्थगित राजस्व	26A	11,264.62	11,564.74
	6. कुल वर्तमान देयताएँ		**2,28,739.73**	**2,50,361.41**
7	**विनियामक आस्थगित खाते ऋण शेष**	16.02	25,051.99	18,128.66
	कुल इक्विटी और देयताएँ (4+5+6+7)		**17,30,943.46**	**16,60,135.27**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश–नोट संख्या1

1 से 51 तक के नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई)

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक: **16-05-2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीश गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
		डीआईएन: 09263864	डीआईएन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

भाग–II 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का स्टैंडअलोन विवरण

(लाख में रु)

क्र.सं.	विवरण	नोट्स	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
1	**आमदनी**			
	(क) संचालन से राजस्व	27	4,29,778.95	4,23,956.74
	(ख) अन्य आय	28	4,408.26	2,466.09
	कुल आय (क+ख)		**4,34,187.21**	**4,26,422.83**
2	**खर्च**			
	(क) ईंधन की लागत	29	1,15,709.36	1,25,642.24
	(ख) कर्मचारी लाभ व्यय	30	48,628.07	43,285.78
	(ग) वित्तीय व्यय	31	53,213.15	52,838.05
	(घ) मूल्यह्रास और परिषोधन व्यय	32	83,059.16	85,480.64
	(ङ) अन्य व्यय	33	61,183.06	56,957.35
	कुल व्यय (क+ख+ग+घ+ङ)		**3,61,792.80**	**3,64,204.06**
3	**असाधारण मदों से पहले लाभ/(हानि), कर और विनियामक स्थगन लेखा शेष (1–2)**		**72,394.41**	**62,218.77**
4	असाधारण वस्तुएं–(आय)व्यय			
5	**कर और विनियामक स्थगन खाता शेष राशि से पहले लाभ/(हानि) (3–4)**		**72,394.41**	**62,218.77**
6	कर खर्च:			
	(क) वर्तमान कर			
	चालू वर्ष		11,000.97	10,252.95
	पहले के वर्षों में		295.20	-
	कुल वर्तमान कर		11,296.17	10,252.95
	(ख) आस्थगित कर (डी+टी+ए. का शुद्ध)		12,800.60	(5,347.73)
	कुल कर व्यय (ए+ख)		24,096.77	4,905.22
7	**नियामक स्थगन खाता शेष राशि से पहले लाभ/(हानि) (5–6)**		**48,297.64**	**57,313.55**
8	विनियामक स्थगन खाता शेष (कर का शुद्ध) में शुद्ध उतार–चढ़ाव	37	10,170.87	(2,501.34)

क्र.सं.	विवरण	नोट्स	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
9	**वर्ष के लिए लाभ/(हानि) (7+8)**		**58,468.51**	**54,812.21**
10	**अन्य व्यापक आय/(व्यय)**			
	(क) ऐसी वस्तुएँ जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(i) परिभाषित लाभ योजनाओं की भरपाई		(3,285.75)	(1,946.77)
	(ii) अन्य–एफवी हानि समायोजन			-
			(3,285.75)	(1,946.77)
	(iii) कम: उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगां		(574.09)	(340.14)
	(ख) जिन वस्तुओं को लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा			
	(i) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा			
	कुल अन्य व्यापक आय (कर का शुद्ध) = (क+ख)		**(2,711.66)**	**(1,606.63)**
11	**वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (9+10)**		**55,756.85**	**53,205.58**
12	प्रति इक्विटी शेयर आय (बराबर मूल्य 10 प्रत्येक)	35		
	मूल और तनूकृत (₹) (नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध संचलन सहित)		1.62	1.52
	मूल और तनूकृत (₹) (नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध संचलन को छोड़कर)		1.34	1.59

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश–नोट संख्या 1

1 से 51 तक के नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक:**16-05-2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीश गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
		डीआईएन: 09263864	डीआईएन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

वर्ष 31 मार्च 2025 के लिए इक्विटी में परिवर्तनों का स्टैंडअलोन स्टेटमेंट

(क.) इक्विटी शेयर पूंजी

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	राशि
1 अप्रैल 2024 को षेश राशि	**3,60,981.04**
पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्स्थापित षेश राशि	-
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
31 मार्च, 2025 को शेष राशि	3,60,981.04

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	राशि
1 अप्रैल 2023 को शेष राशि	**3,60,981.04**
पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्स्थापित शेष राशि	-
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
31 मार्च, 2024 को शेष राशि	3,60,981.04

(ख) अन्य इक्विटी

31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			कुल
	बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व	जनरल रिजर्व	बरकरार रखी गई कमाई	
1 अप्रैल 2024 को शेष राशि	65,054.17	1,97,691.68	63,062.49	3,25,808.34
लेखांकन नीतियों में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण अन्य इक्विटी में परिवर्त	-	-	-	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्स्थापित शेष राशि	-	-	-	-
इस अवधि के लिए लाभ	-	-	58,468.51	58,468.51
अन्य व्यापक आय	-	-	(2,711.66)	(2,711.66)
कुल व्यापक आय	-		55,756.85	55,756.85
वित्त वर्ष 2023–24 के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान			(5,000.00)	(5,000.00)
अंतिम लाभांष पर कर				-
वित्त वर्ष 2024–25 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			(20,000.00)	(20,000.00)
अंतरिम लाभांष पर कर				-
31 मार्च, 2025 को शेष राशि	65,054.17	1,97,691.68	93,819.34	3,56,565.19

31 मार्च 24 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			कुल
	बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व	जनरल रिजर्व	बरकरार रखी गई कमाई	
1 अप्रैल 2023 को शेष राशि	65,054.17	1,97,691.68	34,856.91	2,97,602.76
लेखांकन नीतियों में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण अन्य इक्विटी में परिवर्तन	-	-	-	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्स्थापित शेष राशि	-	-	-	-
इस अवधि के लिए लाभ	-	-	54,812.21	54,812.21
अन्य व्यापक आय	-	-	(1,606.63)	(1,606.63)
कुल व्यापक आय	-	-	53,205.58	53,205.58
वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान		-	-	-
अंतिम लाभांश पर कर				-
वित्त वर्ष 2022–23 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			-	-
वित्त वर्ष 2023–24 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			(25,000.00)	(25,000.00)
अंतरिम लाभांश पर कर				
31 मार्च, 2024 को शेष राशि	**65,054.17**	**1,97,691.68**	**63,062.49**	**3,25,808.34**

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी एंड कंपनीचार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक:**16-05-2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीश गोयल**
स्थान:**नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
		डीआईएन: 09263864	डीआईएन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का स्टैंडअलोन विवरण

(लाख में रु)

विवरण		31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
क	**परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह**				
	कर से पहले लाभ		72,394.41		62,218.77
	जोड़ें: नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध चालें (कर का शुद्ध)	10,170.87		(2,501.34)	
	जोड़: नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध चालों पर कर	3,453.90		(192.98)	
			13,624.77		**(2,694.32)**
	नियामक स्थगन खाता शेष में उतार–चढ़ाव सहित कर से पहले लाभ		**86,019.18**		**59,524.45**
	के लिए समायोजन:				
	मूल्यह्रास, परिशोधन और अवमूल्यन व्यय	83,059.16		85,480.64	
	प्रावधान/बख्शा करें	8,548.22		7,109.36	
	विनियामक आस्थगित खाता षेश	(13,624.77)		2,694.32	
	आस्थगित राजस्व	(1,996.83)		(1,210.52)	
	विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	213.00		93.56	
	वित्तीय खर्च	53,000.15		52,744.49	
	सावधि जमा/बॉन्ड/निवेश से ब्याज/आय	(373.19)		(358.77)	
	प्रावधानों को वापस लिखा गया	(57.14)		(493.32)	
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता रद्द करने पर लाभ	(7.49)		(45.74)	
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता रद्द करने पर नुकसान	64.23		63.96	
	विलंबित भुगतान अधिभार	(720.47)		(848.88)	
			1,28,104.87		**1,45,229.10**
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ		**2,14,124.06**		**2,04,753.55**
	के लिए समायोजन:				
	व्यापार प्राप्य	26,319.69		10,909.37	
	भंडार	(2,050.95)		58.70	
	व्यापार देय, प्रावधान, अन्य वित्तीय देयताएँ और अन्य देयताएँ	(5,430.20)		(40,522.39)	
	ऋण, अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ	(64,586.81)		(10,695.48)	
			(45,748.27)		**(40,249.80)**
	संचालन से उत्पन्न नकदी		**1,68,375.79**		**1,64,503.75**
	आय कर (भुगतान)/रिफंड		**(10,027.00)**		**(10,400.00)**
	परिचालन गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–ए		**1,58,348.79**		**1,54,103.75**

विवरण		31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
ख	निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों की खरीद	(90,145.90)	(1,08,766.59)
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों का निपटान	16.60	71.14
	सावधि जमा/बॉन्ड/प्राप्त निवेश पर ब्याज/आय	373.19	358.77
	लाभांश प्राप्त हुआ	-	-
	नकद और नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष राशि में परिवर्तन	(326.52)	15.04
	विलंबित भुगतान अधिभार प्राप्त हुआ	784.93	704.55
	निवेश गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–बी	**(89,297.70)**	**(1,07,617.09)**
ग.	वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	कंपनी के इक्विटी उपकरणों के निर्गम से प्राप्त आय	-	-
	गैर–वर्तमान ऋणों से प्राप्त आय	1,44,635.00	1,25,000.00
	गैर–वर्तमान ऋणों की अदायगी	(1,15,347.83)	(1,20,462.09)
	वर्तमान ऋणों से प्राप्त आय	(17,004.44)	30,056.76
	वित्त पट्टा दायित्वों का भुगतान	(1,150.01)	(1,056.94)
	ब्याज का भुगतान	(55,297.80)	(56,245.63)
	लाभांश का भुगतान	(25,000.00)	(25,000.00)
	लाभांश पर कर		
	वित्तपोषण गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–सी	**(69,165.08)**	**(47,707.90)**
	नकद और नकद समकक्ष (क+ख+ग) में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	**(113.99)**	**(1,221.24)**
	वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष (नीचे नोट 1 और 2 देखें)	**240.10**	**1,461.34**
	वर्ष के अंत में नकद और नकद समकक्ष (नीचे नोट 1 और 2 देखें) '	**126.11**	**240.10**

* कृपया नोट संख्या 11 देखें

टिप्पणियाँ:

1 नकद और नकद समतुल्य में चेक, ड्राफ्ट, हाथ में टिकट, बैंक के साथ षेश राशि और तीन महीने तक की मूल परिपक्वता के साथ जमा शामिल हैं।

2 नकद और नंकद समतुल्य का सामंजस्य:

नोट संख्या 11 के अनुसार नकद और नकद समकक्ष

3 नकद और नकद समतुल्य में वर्ष के लिए सीएसआर खर्च नहीं की गई राशि के मुकाबले शून्य राशि शामिल है।

4 वित्तपोशण गतिविधियों से उत्पन्न होने वाली देयताऐं के लिए बैलेंस शीट में प्रारंभिक और समापन षेश राशि के बीच सामंजस्य।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ा के लिए (लाख में रु)

विवरण	गैर–वर्तमान ऋण**	वित्त पट्टा दायित्व	वर्तमान ऋण
1 अप्रैल 2024 को प्रारंभिक शेष राशि	6,89,379.71	2,015.55	52,056.76
इस अवधि के दौरान नकदी प्रवाह	1,44,635.00	(1,150.01)	(17,004.44)
इस अवधि के दौरान नकदी प्रवाह	(1,15,347.83)		
निम्नलिखित के कारण गैर–नकद परिवर्तन			
वित्त पट्टा के तहत अधिग्रहण		1,811.25	
विनिमय दर में अंतर	556.33		
उधार पर लेन–देन लागत	-		
31 मार्च, 2025 को बंद होने वाली शेष राशि	**7,19,223.21**	**2,676.79**	**35,052.32**

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए (लाख में रु)

विवरण	गैर–वर्तमान ऋण *	वित्त पट्टा दायित्व	वर्तमान ऋण
1 अप्रैल 2023 को प्रारंभिक शेष राशि	6,84,525.74	1,086.31	22,000.00
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	1,25,000.00	(1,056.94)	30,056.76
इस अवधि के दौरान मूल पुनर्भुगतान	(1,20,462.09)		
निम्नलिखित के कारण गैर–नकद परिवर्तन			
वित्त पट्टा के तहत अधिग्रहण		1,986.18	
विनिमय दर में अंतर	316.06		
उधार पर लेन–देन लागत	-		
31 मार्च 2024 को बंद होने वाली शेष राशि	**6,89,379.71**	**2,015.55**	**52,056.76**

** इसमें दीर्घकालिक उधारों की वर्तमान परिपक्वता शामिल है

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म का पंजीकरण क्रमांक 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक:**16-05-2025**
स्थान:**नई दिल्ली**

ए. पी. रोंग
कंपनी सचिव

बी.महाराणा
निदेशक
(वित्त)–सह–सीएफओ
डीआईएन: 09263864

गुरदीप सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 00307037

सीए मनीश गोयल
पार्टनर
सदस्यता संख्या–061194

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाले नोट

नोट 1. कंपनी सूचना और सामग्री लेखांकन नीतियाँ

क. रिपोर्टिंग इकाई

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ("नीपको लिमिटेड"/"कंपनी") भारत में अधिवासित एक कंपनी है और शेयरों द्वारा सीमित है (सीआईएन–U40101ML1976GOI001658) कंपनी एक प्रमुख बिजली उपयोगिता है, जो मुख्य रूप से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में काम कर रही है। नीपको एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है और एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसे भारत सरकार द्वारा अनुसूची ए–मिनीरत्न श्रेणी–I सीपीएसई का दर्जा दिया गया है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का पता ब्रूकलैंड कम्पाउंड, लोअर न्यू कॉलोनी, लैतमखराह, शिलांग 793003, मेघालय है। कंपनी मुख्य रूप से राज्य विद्युत उपयोगिताओं को थोक बिजली के उत्पादन और बिक्री में शामिल है।

नीपको लिमिटेड का ऋण (बॉन्ड XI से XXIV को इशू किया गया) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध है

ख. तैयारी का आधार

1. अनुपालन का वक्तव्य

ये स्टैंडलोन वित्तीय विवरण लेखांकन की संचय प्रणाली का अनुसरण करते हुए चालू चिंता के आधार पर तैयार किए जाते हैं और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) का अनुपालन करते हैं, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के साथ लागू होता है।

2. मापन का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किए गए हैं सिवाय इसके कि:

- कुछ वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ (व्युत्पन्न साधनों सहित) जो उचित मूल्य पर मापी जाती हैं और
- उचित मूल्य पर मापी जाने वाली कर्मचारियों द्वारा परिभाषित लाभ योजनाओं के मामले में परिसंपत्तियों की योजना बनाएं।

3. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

ये वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा है। (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय जानकारी को निकटतम लाख (दो दशमलव तक) के लिए गोल किया गया है, सिवाय इसके कि जब अन्यथा संकेत दिया गया हो।

4. वर्तमान और गैर–वर्तमान वर्गीकरण

कंपनी अपनी परिसंपत्तियों और देयताऐं को सामान्य परिचालन चक्र के रूप में 12 महीने की अवधि पर विचार करते हुए बैलेंस शीट में वर्तमानध्गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करती है।

ग. सामग्री लेखांकन नीतियाँ

वित्तीय विवरण तैयार करने में लागू सामग्री लेखांकन नीतियों का सारांश नीचे दिया गया है। इन लेखांकन नीतियों को वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए लगातार लागू किया गया है।

कंकंपनी ने आईएनडी एएस 101–"पहली बार भारतीय लेखा मानकों को अपनाना" के तहत विकल्प का उपयोग करने का चुनाव किया है। इंडस्ट्रीज़ एएस 16–"संपत्ति, संयंत्र और उपकरण" और इंडस्ट्रीज़ एएस 38– "अमूर्त संपत्ति" के प्रावधानों को पूर्वव्यापी रूप से लागू करना और जारी रखना इंडस्ट्रीज़ एएस में परिवर्तन की तिथि यानी 1 अप्रैल 2015 को इंड एएस के तहत पिछली जीएएपी वहन राशि को डीम्ड लागत के रूप में उपयोग करने के लिए। इसलिए, 1 अप्रैल 2015 को पिछले जीएएपी के अनुसार संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों की अग्रणीत राशि, यानी कंपनी की आईएनडी एएस में परिवर्तन की तारीख, आईएनडी एएस में परिवर्तन पर कायम रखी गई थी।

1. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

1.1. प्रारंभिक पहचान और माप

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु को एक परिसंपत्ति के रूप में तभी मान्यता दी जाती है जब यह संभव हो कि उस वस्तु से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

क. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की वस्तुओं को शुरू में लागत पर पहचाना जाता है। अनुवर्ती माप लागत कम संचित मूल्यह्रास/परिशोधन और संचित हानि नुकसान पर किया जाता है।

ख जब संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु के हिस्से जो मूल्य में महत्वपूर्ण हैं और मुख्य संपत्ति की तुलना में अलग–अलग उपयोगी जीवन हैं, उन्हें अलग से पहचाना जाता है।

ग. मुआवजे, पुनर्वास और कब्जे वाली भूमि से संबंधित अन्य खर्चों के लिए अस्थायी रूप से किए गए जमा, भुगतान/देयताऐं को भूमि की लागत माना जाता है।

घ. उपयोग में लाई गई परिसंपत्तियों के मामले में, जहाँ ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है, पूंजीकरण अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन अस्थायी आधार पर किया जाता है।

ङ. एक से अधिक उत्पादन इकाई के लिए सामान्य परिसंपत्तियों और प्रणालियों को इंजीनियरिंग अनुमानों/आकलन के आधार पर पूंजीकृत किया जाता है।

च. स्पेयर पार्ट्स, स्टैंड–बाय उपकरण और सर्विसिंग उपकरण जो संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की परिभाषा को पूरा करते हैं, उन्हें पूंजीकृत किया जाता है। अन्य स्पेयर पार्ट्स को इन्वेंट्री के रूप में रखा जाता है और उपभोग पर लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

छ. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की कुछ वस्तुओं का अधिग्रहण या निर्माण, हालांकि संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की किसी विशेष मौजूदा वस्तु के भविष्य के आर्थिक लाभों में प्रत्यक्ष रूप से वृद्धि नहीं करता है, कंपनी के लिए अपनी अन्य संपत्तियों से भविष्य के आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो सकता है। ऐसी वस्तुओं को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में मान्यता दी जाती है।

ज. शुद्ध बिक्री की अधिकता संपत्ति को उस स्थान पर लाते समय उत्पादित वस्तुओं की कार्यवाही और प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से काम करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थिति को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वस्तु के हिस्से के रूप में मानी जाने वाली प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लागत से घटाया जाता है।

1.2. बाद की लागतें

क बाद के व्यय को परिसंपत्ति की वहन राशि में मान्यता दी जाती है जब यह संभावना होती है कि की गई लागत से प्राप्त भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ख प्रमुख निरीक्षण और उत्पादन इकाई के ओवरहाल पर व्यय को पूंजीकृत किया जाता है, जब यह परिसंपत्ति मान्यता मानदंडों को पूरा करता है। पिछले निरीक्षण और ओवरहाल की लागत की किसी भी शेष वहन राशि की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वस्तु के प्रमुख हिस्से को बदलने की लागत को वस्तु की वहन राशि में पहचाना जाता है यदि यह संभावना है कि उस हिस्से के भीतर सन्निहित भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और इसकी लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रतिस्थापित हिस्से की वहन राशि की पहचान इस बात की परवाह किए बिना की जाती है कि प्रतिस्थापित हिस्से का अलग से अवमूल्यन किया गया है या नहीं। यदि प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि निर्धारित करना व्यावहारिक नहीं है, तो कंपनी प्रतिस्थापन की लागत का उपयोग इस बात के संकेत के रूप में करती है कि प्रतिस्थापित भाग की लागत उस समय क्या थी जब इसे अधिग्रहित या निर्मित किया गया था। संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की दिन–प्रतिदिन की सर्विसिंग की लागत को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

1.3. लागतों को कम करना

यदि किसी प्रावधान के लिए मान्यता मानदंडों को पूरा किया जाता है तो इसके उपयोग के बाद परिसंपत्ति के विघटन के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

1.4. मान्यता रद्द करना

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता तब रद्द कर दी जाती है जब उनके उपयोग से या उनके निपटान पर भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होती है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु की मान्यता रद्द करने पर लाभ और हानि का निर्धारण निपटान से बिक्री आय, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है और लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है।

1.5. मूल्यह्रास/परिशोधन

क. बिजली व्यवसाय के उत्पादन की परिसंपत्तियों और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग बी के तहत कंपनी के कॉर्पोरेट और अन्य कार्यालयों की परिसंपत्तियों पर अवमूल्यन, निम्नलिखित परिसंपत्तियों के अपवाद के साथ केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए सीधी–रेखा विधि पर लिया जाता है:

ख. प्रमुख ओवरहाल और निरीक्षण लागत जो पूंजीकृत की गई है, अगले निर्धारित आउटेज या वास्तविक प्रमुख निरीक्षण/ओवरहाल, जो भी पहले हो, तक की अवधि में अवमूल्यन किया जाता है।

ग. संयंत्र और मशीनरी के साथ खरीदे गए पुर्जों के पुर्जे या बाद में जिन्हें पूंजीकृत किया जाता है और ऐसी वस्तु की वहन मात्रा में जोड़ा जाता है, सीईआरसी द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली पर संबंधित संयंत्र और मशीनरी के अवशिष्ट उपयोगी जीवन पर अवमूल्यन किया जाता है।

घ. सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा शासित बिजली व्यवसाय के उत्पादन से संबंधित उपयोग का अधिकार भूमि और भवनों का पट्टा अवधि या संबंधित संयंत्र के जीवनकाल में, जो भी कम हो, सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए पूरी तरह से सीधी रेखा पद्धति से परिशोधन किया जाता है।

ङ. उपयोग का अधिकार भूमि और बिजली व्यवसाय के उत्पादन से संबंधित भवन जो सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा शासित नहीं हैं, उन्हें पट्टे की अवधि या संबंधित संयंत्र के जीवनकाल, जो भी कम हो, पर सीधी रेखा विधि पर पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

च. उपयोग के अधिकार वाली भूमि और कॉरपोसेवानिवृत और अन्य कार्यालयों से संबंधित भवनों का पट्टा अवधि या पच्चीस वर्षों में, जो भी कम हो, सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए सीधी रेखा विधि पर पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

छ. वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों से परिवर्धन/कटौती पर मूल्यह्रास उस महीने से/तक अनुपात के आधार पर लिया जाता है जिसमें संपत्ति उपयोग/बिक्री, निपटान के लिए उपलब्ध है या निपटान के लिए निर्धारित है।

ज. जहाँ विनिमय में उतार–चढ़ाव और शुल्कों में मूल्य समायोजन परिवर्तन या इसी तरह के कारकों के कारण दीर्घकालिक देयताऐं (31 मार्च, 2016 तक मान्यता प्राप्त) में वृद्धि/कमी के कारण वर्ष के दौरान अवमूल्यन योग्य परिसंपत्तियों की लागत में परिवर्तन हुआ है, तो ऐसी परिसंपत्ति का अनमोर्टाइज्ड बैलेंस अवमूल्यन/परिशोधन से संबंधित लागू लेखा नीतियों के बाद निर्धारित शेष उपयोगी जीवन के दौरान संभावित रूप से चार्ज किया जाता है।

झ. जहाँ यह संभावना है कि किए गए व्यय से प्राप्त होने वाले भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है, वहाँ संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर बाद के व्यय के साथ–साथ इसकी गैर–परिषोधन योग्य मूल्यह्रास राशि को तकनीकी मूल्यांकन द्वारा निर्धारित संशोधित उपयोगी जीवन पर संभावित रूप से प्रभारित किया जाता है।

ञ. किसी परिसंपत्ति का मूल्यह्रास उस दिनांक से पहले समाप्त हो जाता है जब परिसंपत्ति को बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है (या एक निपटान समूह में शामिल किया जाता है जिसे बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है) इंड एएस 105 और उस दिनांक के अनुसार जब परिसंपत्ति की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

ट स्थापित परिसंपत्तियां/खरीद की गई, जिनकी व्यक्तिगत लागत रु 5000/– या उससे कम लेकिन रुपये से अधिक 750/– (इसके बाद इसे मामूली मूल्य की परिसंपत्तियां कहा जाता है) 12 महीने की अवधि के दौरान अवमूल्यन किया जाता है, जिसमें रुज 1/– मात्र।

ठ. आईटी उपकरण (व्यक्तिगत कंप्यूटर और लैपटाप जिसमें परिधीय उपकरण भी शामिल हैं) तीन वर्ष की अवधि में अवमूल्यन हो जाते हैं।

ड. जआधिकारिक कार्य के लिए कर्मचारियों के निवास पर प्रदान किए गए फर्नीचर, फिक्स्चर और अन्य सुविधाओं का 10% के अवशिष्ट मूल्य के साथ पांच वर्षों में अवमूल्यन किया जाता है।

ध. अस्थायी निर्माण/संरचनाएं 12 महीने की अवधि में पूरी तरह से कम हो जाती हैं।

2. पूंजी कार्य प्रगति पर

क संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए की गई लागत जो रिपोर्टिंग तिथि पर उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को पूंजी कार्य–प्रगति के तहत वर्गीकृत किया जाता है।

ख स्व–निर्मित परिसंपत्तियों की लागत में सामग्री और प्रत्यक्ष श्रम की लागत, परिसंपत्तियों को उस स्थान पर लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार कोई अन्य लागत और प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालन करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थिति और योग्यता संपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण के लिए जिम्मेदार उधार लागत शामिल हैं।

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से होने वाले खर्चों की पहचान की जाती है और संबंधित परिसंपत्तियों की लागत के आधार पर व्यवस्थित आधार पर आवंटित किया जाता है।

घ. जमा कार्य/लागत और अनुबंधों का हिसाब ठेकेदारों से प्राप्त लेखा विवरणों के आधार पर किया जाता है।

ङ. अनुबंधों के मामले में मूल्य भिन्नता/विनिमय दर भिन्नता के लिए अनसुलझी देयताऐं को अनुबंधों की शर्तों के अनुसार अनुमानित आधार पर गिना जाता है।

3. विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ और अमूर्त परिसंपत्तियाँ

3.1. प्रारंभिक पहचान और माप

क. कंपनी द्वारा अर्जित अमूर्त परिसंपत्तियां, जिनका जीवनकाल सीमित है, उन्हें लागत पर मान्यता दी जाती है। अनुवर्ती माप लागत कम संचित परिशोधन और संचित हानि नुकसान पर किया जाता है।

ख. बैलेंस शीट की दिनांक पर इसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं होने वाली अमूर्त संपत्तियों को "विकास के तहत अमूर्त संपत्तियों" के रूप में मान्यता दी जाती है।

3.2. बाद की लागतें

बाद के व्यय को परिसंपत्ति की वहन राशि में वृद्धि के रूप में मान्यता दी जाती है जब यह संभावना होती है कि व्ययित लागत से प्राप्त भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

3.3. मान्यता रद्द करना

एक अमूर्त संपत्ति की मान्यता तब रद्द कर दी जाती है जब उनके उपयोग से या उनके निपटान पर भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होती है। किसी अमूर्त संपत्ति की मान्यता रद्द होने पर लाभ या हानि का निर्धारण शुद्ध निपटान आय, यदि कोई हो, और अमूर्त संपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है और लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है।

3.4 परिशोधन

क. अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर की लागत का उपयोग करने के कानूनी अधिकार की अवधि या 3 वर्ष, जो भी कम हो, के लिए सीधी–रेखा विधि पर परिशोधन किया जाता है।

ख. "उपयोग का भूमि अधिकार" पूरी तरह से वाणिज्यिक संचालन की दिनांक (सीओडी) से परियोजनाओं के उपयोगी जीवन की अवधि में परिशोधन किया जाता है। पट्टाहोल्ड भूमि का परियोजना के पट्टा या उपयोगी जीवन की अवधि में, जो भी कम हो, उसके सीओडी से परिशोधन किया जाता है। प्रशासनिक कार्यालयों के मामले में पट्टा भूमि का पट्टा अवधि के दौरान परिशोधन किया जाता है।

ग. एक सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त परिसंपत्तियों की परिशोधन अवधि और परिशोधन विधि की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और जहाँ भी आवश्यकता होती है, संभावित रूप से समायोजित किया जाता है।

4. विनियामक आस्थगित खाता शेष

क. सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय/आय को शनियामक स्थगन खाता शेष राशिश के रूप में मान्यता दी जाती है।

ख. विनियामक स्थगन खाता शेष राशि को उस वर्ष समायोजित किया जाता है जिसमें वह लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय हो जाती है।

ग. नियामक स्थगन खाता शेष का मूल्यांकन प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतर्निहित गतिविधियाँ मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं और यह संभव है कि इस तरह की शेष राशि से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ इकाई को प्राप्त होंगे। यदि इन मानदंडों को पूरा नहीं किया जाता है, तो नियामक स्थगन खाता शेष की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

5. उधार लेने की लागत

क उधार लेने की लागत में शामिल हैं (क) प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके गणना की गई ब्याज व्यय जैसा कि इंड एएस 109 में वर्णित है–'वित्तीय साधन' (ख) इंड एएस 116–'पट्टों' के अनुसार मान्यता प्राप्त पट्टा देयताऐं पर ब्याज व्यय और (ग) विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर इस हद तक कि उन्हें ब्याज लागतों के समायोजन के रूप में माना जाता है।

ख उधार लेने वाली लागतें जो सीधे तौर पर अधिग्रहण, निर्माणधविकास या योग्य परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें ऐसी परिसंपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में तब तक पूंजीकृत किया जाता है जब तक कि ऐसी परिसंपत्तियां अपने इच्छित उपयोग के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हो जाती हैं। योग्य परिसंपत्तियाँ ऐसी परिसंपत्तियाँ हैं जो अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लेती हैं।

ग. जब कंपनी विशेष रूप से एक योग्य परिसंपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से धन उधार लेती है, तो उधार लेने की लागत को पूंजीकृत किया जाता है। जब कंपनी आम तौर पर धन उधार लेती है और उन्हें एक योग्य संपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से उपयोग करती है, तो उधार लागत के पूंजीकरण की गणना उन सभी उधारों की भारित औसत लागत के आधार पर की जाती है जो अवधि के दौरान बकाया हैं और अधिग्रहण, निर्माण या निर्माण के लिए उपयोग की जाती हैं। हालांकि, विशेष रूप से एक योग्य संपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से किए गए उधार पर लागू उधार लागत को इस गणना से तब तक बाहर रखा गया है, जब तक कि उस संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक सभी गतिविधियाँ पूरी नहीं हो जाती हैं।

घ. अर्हता प्राप्त परिसंपत्तियों पर व्यय के लिए लंबित उपयोग से किए गए उधार से किए गए अस्थायी निवेश पर अर्जित आय को पूंजीकरण के लिए पात्र उधार लागत से घटाया जाता है।

ङ. उधार लागत का पूंजीकरण तब बंद हो जाता है जब योग्य परिसंपत्तियों को उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक सभी गतिविधियाँ पूरी हो जाती हैं।

च. अन्य उधार लागतों को उस वर्ष के व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए जाते हैं।

छ. कंपनी एक विस्तारित अवधि के दौरान उधार लागत वहन कर सकती है जिसमें वह अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए एक संपत्ति तैयार करने के लिए आवश्यक गतिविधियों को निलंबित करती है। ऐसी लागतें आंशिक रूप से पूरी की गई परिसंपत्तियों को रखने की लागतें हैं और पूंजीकरण के लिए पात्र नहीं हैं। हालांकि, कंपनी आम तौर पर उस अवधि के दौरान उधार लागत को पूंजीकृत करने को निलंबित नहीं करती है जब वह पर्याप्त तकनीकी और प्रशासनिक कार्य करती है। कंपनी उधार लेने की लागत को पूंजीकृत करने पर भी रोक नहीं लगाती है जब एक अस्थायी देरी एक परिसंपत्ति को उसके इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार करने की प्रक्रिया का एक आवश्यक हिस्सा है।

6. भंडार

क. इन्वेंट्री का मूल्य कम लागत और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है। लागत भारित औसत आधार पर निर्धारित की जाती है।

ख. दुकानों और पुर्जों की गैर–चलती वस्तुओं की समीक्षा की जाती है और अप्रचलित, अनुपयोगी, अधिशेष पुर्जों के मूल्य में कमी का पता लगाया जाता है और इसके लिए प्रावधान किया जाता है।

7. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब मान्यता दी जाती है जब उचित आश्वासन होता है कि उन्हें प्राप्त किया जाएगा और कंपनी अनुदान से जुड़ी शर्तों का पालन करेगी। अवमूल्यन योग्य परिसंपत्ति की लागत के लिए कंपनी को क्षतिपूर्ति करने वाले अनुदानों को अवधि के दौरान व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में आय के रूप में मान्यता दी जाती है और उस अनुपात में जिसमें अवमूल्यन लगाया जाता है। कंपनी को किए गए खर्चों की भरपाई करने वाले अनुदानों को उस अवधि के दौरान मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित लागतें की जाती हैं और उसी को संबंधित खर्चों से काट लिया जाता है।

8. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

क एक प्रावधान को मान्यता दी जाती है यदि, पिछली घटना के परिणामस्वरूप, कंपनी का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी। यदि मुद्रा के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक है, तो प्रावधानों को कर–पूर्व दर पर अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है जो मुद्रा के समय मूल्य और देयता के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। जब छूट का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में वृद्धि को वित्तीय लागत के रूप में मान्यता दी जाती है।

ख एक प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त राशि, दायित्व के आसपास के जोखिमों और अनिश्चितताओं पर विचार करते हुए, रिपोर्टिंग तिथि पर वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए आवश्यक विचार का सबसे अच्छा अनुमान है।

ग. जब किसी प्रावधान को निपटाने के लिए आवश्यक कुछ या सभी आर्थिक लाभों की किसी तीसरे पक्ष से वसूली की उम्मीद की जाती है, तो प्राप्य को एक संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि यह लगभग निश्चित है कि प्रतिपूर्ति प्राप्त की जाएगी और प्राप्य की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रावधान से संबंधित व्यय को प्रतिपूर्ति के लाभ और हानि शुद्ध, यदि कोई हो, के विवरण में प्रस्तुत किया जाता है।

घ. आकस्मिक देयताएँ संभावित दायित्व हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होते हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक भविष्य की घटनाओं की घटना या गैर–घटना से की जाएगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं है। जहाँ यह संभावना नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, या राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, दायित्व को एक आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकट किया जाता है, जब तक कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की संभावना कम न हो। आकस्मिक देयताऐं का खुलासा प्रबंधन/स्टैंडअलोन विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर किया जाता है। इनकी समीक्षा प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

ङ. आकस्मिक परिसंपत्तियाँ संभावित परिसंपत्तियाँ हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं की घटना या गैर–घटना से की जाएगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। आकस्मिक परिसंपत्तियों का खुलासा वित्तीय विवरणों में किया जाता है जब प्रबंधन के निर्णय के आधार पर आर्थिक लाभों का प्रवाह संभावित होता है। इनका लगातार मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरणों में विकास उचित रूप से परिलक्षित हो रहा है।

च. भारी अनुबंधों के तहत उत्पन्न होने वाले वर्तमान दायित्वों को प्रावधानों के रूप में मान्यता दी जाती है और मापा जाता है। एक भारी अनुबंध अस्तित्व में माना जाता है जहाँ कंपनी के पास एक अनुबंध होता है जिसके तहत अनुबंध के तहत दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत अनुबंध से प्राप्त होने वाले अपेक्षित आर्थिक लाभों से अधिक होती है।

9. विदेशी मुद्रा लेनदेन और अंतरण

क. विदेशी मुद्राओं में लेन–देन शुरू में कार्यात्मक मुद्रा हाजिर विनिमय दरों पर उस दिनांक को दर्ज किए जाते हैं जब लेन–देन पहले मान्यता के लिए योग्य होता है।

ख. रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताऐं का अनुवाद उस तिथि पर प्रचलित विनिमय की कार्यात्मक मुद्रा स्पॉट दरों पर किया जाता है। मौद्रिक वस्तुओं के निपटान या अनुवाद पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर को उस वर्ष में लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है जिसमें यह इस अपवाद के साथ उत्पन्न होता है कि 31 मार्च 2016 तक मान्यता प्राप्त संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अधिग्रहण से संबंधित दीर्घकालिक मौद्रिक वस्तुओं पर विनिमय अंतर को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की वहन लागत के साथ समायोजित किया जाता है।

ग. विदेशी मुद्रा में अंकित गैर–मौद्रिक वस्तुएं जिन्हें ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, उन्हें लेन–देन की दिनांक पर विनिमय दर का उपयोग करके दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा में प्राप्त या भुगतान किए गए अग्रिम प्रतिफल के मामले में, संबंधित संपत्ति, व्यय या आय (या इसके हिस्से) की प्रारंभिक मान्यता पर उपयोग करने के लिए विनिमय दर निर्धारित करने के उद्देश्य से लेनदेन की दिनांक तब होती है जब कंपनी शुरू में भुगतान या अग्रिम प्रतिफल की प्राप्ति से उत्पन्न गैर–मौद्रिक संपत्ति या गैर–मौद्रिक दायित्व को मान्यता देती है।

10. राजस्व

कंपनी का राजस्व मुख्य रूप से ऊर्जा की बिक्री, पट्टे के तहत परिसंपत्तियों पर आय और अन्य आय से उत्पन्न होता है। अन्य आय से होने वाले राजस्व में बैंकों, कर्मचारियों, ठेकेदारों आदि से ब्याज, म्यूचुअल फंड निवेश से लाभांश, विलंबित भुगतान के लिए लाभार्थियों से प्राप्त अधिभार, स्क्रैप की बिक्री, अन्य विविध आय आदि शामिल हैं।

10.1. ऊर्जा की बिक्री से होने वाला राजस्व

क भारत में कंपनी के अधिकांश परिचालन विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत विनियमित हैं। तदनुसार, सीईआरसी समय–समय पर लागू टैरिफ नियमों में निर्धारित मानदंडों के आधार पर कंपनी के बिजली संयंत्रों के लिए टैरिफ निर्धारित करता है। टैरिफ एक विशिष्ट बिजली संयंत्र के लिए पूंजीगत लागत पर आधारित है और इसमें मुख्य रूप से दो घटक शामिल हैं: क्षमता शुल्क अर्थात। एक निश्चित शुल्क जिसमें मूल्यह्रास, इक्विटी पर वापसी, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, परिचालन और रखरखाव व्यय, ऋण पर ब्याज और ऊर्जा शुल्क अर्थात शामिल हैं। मुख्य रूप से ईंधन लागत के आधार पर एक परिवर्तनीय प्रभार।

ख ऊर्जा की बिक्री से होने वाले राजस्व का हिसाब सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ दरों (अंतिम के रूप में इंगित वस्तुओं को छोड़कर) के आधार पर किया जाता है, जैसा कि बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेशों द्वारा लागू सीमा तक संशोधित किया गया है। बिजली स्टेशनों के मामले में जहाँ टैरिफ दरों को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है/सीईआरसी द्वारा उनके आदेशों में अंतिम रूप से इंगित वस्तुओं के मामले में, लागू सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अंतिम दरों को अपनाया जाता है। बिजली के लाभार्थी तक पहुँच जाने के बाद ऊर्जा की बिक्री से होने वाले राजस्व को पहचाना जाता है और उपयोग मीटरों की नियमित समीक्षा के माध्यम से मापा जाता है। लाभार्थियों को समय–समय पर और नियमित आधार पर बिल दिया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर, ऊर्जा की बिक्री से राजस्व में लाभार्थियों को दी गई बिक्री के लिए एक संचय शामिल है, लेकिन अभी तक बिल नहीं किया गया है अर्थात। अनुबंध परिसंपत्तियाँ/गैर–बिल राजस्व।

ग. प्रोत्साहनों/प्रोत्साहनों का लेखा–जोखा सीईआरसी द्वारा अधिसूचित/अनुमोदित मानदंडों के आधार पर इंड एएस 115–'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार किया जाता है। बिजली स्टेशनों के मामलों में जहाँ उन्हें अधिसूचित/अनुमोदित नहीं किया गया है, अंतिम आधार पर प्रोत्साहन/प्रोत्साहन का हिसाब रखा जाता है।

घ. ऊर्जा बिक्री से राजस्व का एक हिस्सा जहाँ सीईआरसी टैरिफ विनियम लागू नहीं हैं, लाभार्थियों के साथ पारस्परिक रूप से सहमत दरों, नियमों और शर्तों और बिजली विनिमय के माध्यम से बिजली के व्यापार के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

ङ. सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक विदेशी मुद्रा में अंकित मौद्रिक वस्तुओं के निपटान/अनुवाद से उत्पन्न विनिमय अंतर को 'नियामक आस्थगित खाता शेष राशि' के रूप में गिना जाता है और ऐसी शेष राशि को उस वर्ष में समायोजित किया जाता है जिसमें वह लाभार्थियों को वसूली योग्य/देय हो जाती है।

च. 31 मार्च 2016 तक मान्यता प्राप्त विदेशी मुद्रा उधारों के रूपांतरण के कारण विनिमय अंतर, सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक, 'विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव से आस्थगित आय' के अनुरूप क्रेडिट के साथ 'आस्थगित विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव वाली संपत्ति' के रूप में गिना जाता है। विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव खाते से आस्थगित आय का परिशोधन उस अनुपात में किया जाता है जिसमें ऐसे विनिमय अंतरों पर मूल्यह्रास लगाया जाता है और इसे मूल्यह्रास व्यय के खिलाफ समायोजित किया जाता है। सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार लाभार्थियों से वसूली योग्य/देय डेरिवेटिव के लिए अग्रिम विनिमय अनुबंधों के संबंध में उचित मूल्य परिवर्तन, बिक्री में मान्यता प्राप्त हैं।

व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से राजस्व को नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार लाभार्थियों के साथ पारस्परिक रूप से सहमत दरों, नियमों और शर्तों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ज. लाभार्थियों को शीघ्र भुगतान प्रोत्साहन के रूप में छूट की अनुमति राजस्व की राशि से काट ली जाती है।

झ. ऊर्जा बचत प्रमाणपत्रों की बिक्री से होने वाले राजस्व को बेचे जाने पर गिना जाता है।

ञ प्रोत्साहन/प्रोत्साहन/वसूली योग्य को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा अधिसूचित मानदंडों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

10.2. अन्य आय

क प्रभावी ब्याज दर विधि (ईआईआर) का उपयोग करते हुए, बकाया राशि और लागू ब्याज दर पर विचार करते हुए समय अनुपात के आधार पर, मापनीयता या संग्रहण के रूप में कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद नहीं होने पर ब्याज आय को मान्यता दी जाती है। ऋण उपकरणों के लिए या तो परिशोधन लागत पर या अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, ब्याज आय को वित्तीय संपत्ति की सकल वहन राशि के लिए ईआईआर का उपयोग करके पहचाना जाता है और लाभ और हानि के विवरण में अन्य आय में शामिल किया जाता है। खरीदे गए या उत्पन्न क्रेडिट–बाधित (पीओसीआई) वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए ब्याज आय को क्रेडिट–समायोजित ईआईआर की गणना करके और उस दर को परिसंपत्ति की परिशोधन लागत पर लागू करके पहचाना जाता है।

ख लाभ की हानि के लिए बीमा दावों को स्वीकृति के वर्ष में गिना जाता है। अन्य बीमा दावों का हिसाब प्राप्ति की निश्चितता के आधार पर किया जाता है।

ग. किराए और परिचालन पट्टों से प्राप्त राजस्व को संबंधित समझौते के सार के अनुसार संचय के आधार पर मान्यता दी जाती है।

घ. ऊर्जा की बिक्री के लिए विलंबित भुगतान/अतिदेय व्यापार प्राप्तियों पर ब्याज/अधिभार को तब मान्यता दी जाती है जब मापनीयता या संग्रहण के बारे में कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद नहीं होती है।

ङ. ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए अग्रिमों पर वसूली योग्य ब्याज/अधिभार के साथ–साथ वारंटी दावों को जहाँ भी प्राप्ति/स्वीकृति की अनिश्चितता है, उपार्जित नहीं माना जाता है और इसलिए प्राप्ति/स्वीकृति पर इसका हिसाब रखा जाता है।

च. लाभांश आय को लाभ या हानि में तभी पहचाना जाता है जब प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है, यह संभव है कि लाभांश से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे, और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

11. कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ

11.1. परिभाषित अंशदान योजनाएं

एक परिभाषित अंशदान योजना एक रोजगार के बाद की लाभ योजना है जिसके तहत एक संस्था अलग–अलग संस्थाओं को निश्चित योगदान का भुगतान करती है और आगे की राशि का भुगतान करने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होगा। परिभाषित अंशदान योजनाओं में योगदान के लिए दायित्वों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है, जिसके दौरान कर्मचारियों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। प्रीपेड योगदान को उस हद तक एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब तक कि नकद वापसी या भविष्य के भुगतानों में कमी उपलब्ध हो। एक परिभाषित योगदान योजना में योगदान जो उस अवधि की समाप्ति के 12 महीने से अधिक समय के बाद देय है जिसमें कर्मचारी सेवा प्रदान करते हैं, उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है।

11.2. परिभाषित लाभ योजनाएं

क एक परिभाषित लाभ योजना एक परिभाषित योगदान योजना के अलावा एक रोजगार के बाद की लाभ योजना है। ग्रेच्युटी के प्रति कंपनी की देनदारी, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) सेवानिवृत्ति पर विदाई उपहार, और भविष्य निधि योगदान पर ब्याज देनदारी की सीमा तक भविष्य निधि योजना परिभाषित लाभ योजनाओं की प्रकृति में हैं।

ख परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना प्रत्येक योजना के लिए अलग से भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले में अर्जित किया हैय उस लाभ को इसके वर्तमान मूल्य को निर्धारित करने के लिए छूट दी जाती है। किसी भी योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में कटौती की जाती है। छूट दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों की प्रचलित बाजार उपज पर आधारित होती है, जिसमें कंपनी के दायित्वों की शर्तों को अनुमानित करने वाली परिपक्वता तिथियां होती हैं और जो उसी मुद्रा में अंकित होती हैं जिसमें लाभों का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

ग. बीमांकिक गणना प्रतिवर्ष एक योग्य बीमांकिक द्वारा अनुमानित इकाई ऋण विधि का उपयोग करके की जाती है। जब गणना के परिणामस्वरूप कंपनी को लाभ होता है, तो मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति योजना से किसी भी भविष्य के रिफंड या योजना में भविष्य के योगदान में कमी के रूप में उपलब्ध आर्थिक लाभों के वर्तमान मूल्य तक सीमित होती है। कंपनी के लिए एक आर्थिक लाभ उपलब्ध है यदि यह योजना के जीवनकाल के दौरान या योजना देयताऐं के निपटान पर प्राप्त किया जा सकता है। बीमांकिक लाभ और हानि, योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल परिभाषित देयता पर निवल ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और परिसंपत्ति सीमा के प्रभाव (निवल परिभाषित देयता पर निवल ब्याज में शामिल राशि को छोडकर) सहित पुनर्भुगतान और उन्हें उस अवधि में अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता प्राप्त है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

घ. पिछली सेवा लागतों को योजना संशोधन या कटौती की दिनांक से पहले लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है, और उस दिनांक को जब कंपनी संबंधित पुनर्गठन लागतों को मान्यता देती है। यदि कोई योजना संशोधन, कटौती या निपटान होता है, तो वर्तमान सेवा लागत और पुनः मापन के बाद की अवधि के लिए शुद्ध ब्याज का निर्धारण पुनः मापन के लिए उपयोग की जाने वाली अनुमानओं का उपयोग करके किया जाता है।

11.3. अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

क. कंपनी की छुट्टी नकदीकरण और ग्रेच्युटी योजना के तहत लाभ अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों का गठन करते हैं।

ख. इन दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना प्रत्येक योजना के लिए अलग से भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले में अर्जित किया है। उस लाभ को इसके वर्तमान मूल्य को निर्धारित करने के लिए छूट दी जाती है और किसी भी संबंधित संपत्ति के उचित मूल्य की कटौती की जाती है। छूट दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों की प्रचलित बाजार उपज पर आधारित होती है, जिसमें कंपनी के दायित्वों की शर्तों को अनुमानित करने वाली परिपक्वता तिथियां होती हैं और जो उसी मुद्रा में अंकित होती हैं जिसमें लाभों का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

ग. बीमांकिक गणना प्रतिवर्ष एक योग्य बीमांकिक द्वारा अनुमानित इकाई ऋण विधि का उपयोग करके की जाती है। बीमांकिक लाभ और हानि, योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध परिभाषित देयता पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव (शुद्ध परिभाषित देयता पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और उन्हें उस अवधि में लाभ और हानि खाते के विवरण में मान्यता दी जाती है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

घ. दायित्वों को बैलेंस शीट में वर्तमान देयताऐं के रूप में प्रस्तुत किया जाता है यदि इकाई को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए निपटान को स्थगित करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है, भले ही वास्तविक निपटान कब होने की उम्मीद हो।

11.4. अल्पावधि लाभ

क. अल्पावधि कर्मचारी लाभ दायित्वों को अघोषित आधार पर मापा जाता है और संबंधित सेवा प्रदान किए जाने पर खर्च किया जाता है।

ख. यदि कंपनी के पास कर्मचारी द्वारा प्रदान की गई पिछली सेवा के परिणामस्वरूप इस राशि का भुगतान करने का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है और दायित्व का विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है, तो प्रदर्शन संबंधी वेतन के तहत भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि के लिए एक देयता को मान्यता दी जाती है।

12. अन्य खर्चे

क. प्रशिक्षण और भर्ती पर होने वाला खर्च वर्ष में हुए लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है।

ख. व्यवहार्यता रिपोर्ट/तकनीकी आर्थिक मंजूरी के अनुमोदन से पहले की गई नई परियोजनाओं के कारण होने वाले प्रारंभिक खर्चों को लाभ और हानि के विवरण के रूप में लिया जाता है।

ग. शुद्ध पूर्व–कमीशन आय/व्यय को सीधे संबंधित परिसंपत्तियों और प्रणालियों की लागत में समायोजित किया जाता है।

13. आय कर

क आयकर व्यय में वर्तमान और आस्थगित कर शामिल हैं। वर्तमान कर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि यह सीधे ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है, जिस मामले में इसे क्रमशः ओसीआई या इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

ख वर्तमान कर आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार संगणित वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय अपेक्षित कर है, जिसमें रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित कर दरों और पिछले वर्षों के संबंध में देय कर के किसी भी समायोजन का उपयोग किया जाता है।

ग. आस्थगित कर को बैलेंस शीट विधि का उपयोग करके, वित्तीय रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए परिसंपत्तियों और देयताऐं की वहन राशि और परिसंपत्तियों और देयताऐं के कर आधार के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर को उन कर दरों पर मापा जाता है जो अस्थायी अंतरों पर लागू होने की उम्मीद की जाती है जब वे अमल में आते हैं, उन कानूनों के आधार पर जो रिपोर्टिंग की दिनांक तक अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित किए गए हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देयताऐं को ऑफसेट किया जाता है यदि वर्तमान कर देयताऐं के खिलाफ वर्तमान कर परिसंपत्तियों को ऑफसेट करने का कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार है, और वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित हैं।

घ. आस्थगित कर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि यह सीधे ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है, जिस मामले में इसे क्रमशः ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त है।

ङ. आस्थगित कर देयता को सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि जब आस्थगित कर देयता किसी ऐसे लेन–देन में सद्भावना या संपत्ति या देयता की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न होती है जो एक व्यावसायिक संयोजन नहीं है और लेन–देन के समय, (i) न तो लेखांकन को प्रभावित करता है और न ही कर योग्य लाभ या हानि और (ii) समान कर योग्य और कटौती योग्य अस्थायी अंतर को जन्म नहीं देता है।

च. एक आस्थगित कर परिसंपत्ति को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिसके खिलाफ कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है और उन्हें इस हद तक कम कर दिया जाता है कि यह संभावना नहीं है कि भविष्य में सभी या आस्थगित कर परिसंपत्तियों के हिस्से का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे।

छ. आस्थगित कर परिसंपत्तियों में भारत में कर कानूनों के अनुसार भुगतान किया गया न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) शामिल है, जो भविष्य में आयकर देयता के खिलाफ सेट ऑफ की उपलब्धता के रूप में भविष्य में आर्थिक लाभ देने की संभावना है। एमएटी क्रेडिट को बैलेंस शीट में आस्थगित कर संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है और यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके खिलाफ एमएटी क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है।

ज. जब आयकर उपचार के बारे में अनिश्चितता होती है, तो कंपनी इस बात का आकलन करती है कि क्या कोई कर प्राधिकरण अनिश्चित कर उपचार को स्वीकार करने की संभावना रखता है। यदि यह निष्कर्ष निकालता है कि कर प्राधिकरण के अनिश्चित कर उपचार को स्वीकार करने की संभावना नहीं है, तो कर योग्य आय, कर आधार और अप्रयुक्त कर नुकसान और अप्रयुक्त कर क्रेडिट पर अनिश्चितता के प्रभाव को मान्यता दी जाती है। अनिश्चितता के प्रभाव को उस विधि का उपयोग करके पहचाना जाता है जो, प्रत्येक मामले में, अनिश्चितता के परिणाम को सबसे अच्छी तरह से दर्शाती है: सबसे संभावित परिणाम या अपेक्षित मूल्य। प्रत्येक मामले के लिए, कंपनी इस दृष्टिकोण के आधार पर मूल्यांकन करती है कि क्या प्रत्येक अनिश्चित कर उपचार पर अलग से विचार किया जाए, या किसी अन्य या कई अन्य अनिश्चित कर उपचारों के साथ संयोजन में, जो अनिश्चितता के समाधान का सबसे अच्छा उपसर्ग है।

14. पट्टा

क. कंपनी इस बात का आकलन करती है कि अनुबंध की शुरुआत में किसी अनुबंध में पट्टा शामिल है या नहीं। एक अनुबंध एक पट्टा है, या इसमें शामिल है, यदि अनुबंध विचार के बदले में एक समय अवधि के लिए एक पहचानी गई संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। यह आकलन करने के लिए कि क्या कोई अनुबंध किसी चिन्हित संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, कंपनी इस बात का आकलन करती है कि क्या: (1) संपर्क में किसी चिन्हित संपत्ति का उपयोग शामिल है (2) कंपनी को पट्टे की अवधि के दौरान संपत्ति के उपयोग से पर्याप्त रूप से सभी आर्थिक लाभ हैं और (3) कंपनी को संपत्ति के उपयोग को निर्देशित करने का अधिकार है।

ख. कंपनी उन सभी पट्टा व्यवस्थाओं के लिए उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति और संबंधित पट्टा देयता को मान्यता देती है जिसमें वह पट्टेदार है, बारह महीने या उससे कम (अल्पावधि पट्टे) की अवधि वाले पट्टों और कम मूल्य वाली अंतर्निहित संपत्तियों के लिए पट्टों को छोड़कर। इन अल्पावधि और कम मूल्य की अंतर्निहित परिसंपत्तियों के लिए पट्टे के लिए, कंपनी पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा के आधार पर पट्टे के भुगतान को परिचालन व्यय के रूप में मान्यता देती है।

ग. पट्टे की कुछ व्यवस्थाओं में पट्टे की अवधि समाप्त होने से पहले पट्टे को बढ़ाने या समाप्त करने के विकल्प शामिल हैं। उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों और पट्टे की देयताऐं में ये विकल्प शामिल होते हैं जब यह उचित रूप से निश्चित होता है कि पट्टे को बढ़ाने के विकल्प का प्रयोग किया जाएगा/पट्टे को समाप्त करने के विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

घ. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों (भूमि और भवनों के अलावा) को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है, जिसमें पट्टे की शुरुआत की दिनांक पर या उससे पहले किए गए किसी भी पट्टे के भुगतान के लिए समायोजित पट्टे की देयता की प्रारंभिक राशि और किसी भी पट्टे के प्रोत्साहन से कम कोई भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल होती है। उन्हें बाद में लागत कम संचित मूल्यह्रास/परिशोधन और हानि नुकसान पर मापा जाता है और पट्टे की देयताऐं के किसी भी पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजित किया जाता है।

ङ. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का अवमूल्यन/परिशोधन प्रारंभ तिथि से अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व को स्थानांतरित करता है या यदि उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों की लागत दर्शाती है कि खरीद विकल्प का प्रयोग किया जाएगा। अन्यथा, उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का अवमूल्यन/परिशोधन प्रारंभ तिथि से पट्टे की अवधि के छोटे और अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर सीधे आधार पर किया जाता है।

च. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यांकन वसूली के लिए किया जाता है जब भी घटनाएं या परिस्थितियों में परिवर्तन इंगित करते हैं कि उनकी वहन राशि वसूली योग्य नहीं हो सकती है। हानि परीक्षण के उद्देश्य के लिए, वसूली योग्य राशि (अर्थात उचित मूल्य से अधिक निपटान की कम लागत और उपयोग में मूल्य) का निर्धारण व्यक्तिगत परिसंपत्ति के आधार पर किया जाता है जब तक कि परिसंपत्ति नकदी प्रवाह उत्पन्न नहीं करती है जो काफी हद तक अन्य परिसंपत्तियों से स्टैंडअलोन होती है। ऐसे मामलों में, वसूली योग्य राशि उस कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के लिए निर्धारित की जाती है जिससे संपत्ति संबंधित होती है।

छ. पट्टा देनदारी को शुरू में भविष्य के पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर परिशोधन लागत पर मापा जाता है। वर्तमान मूल्य की गणना में, पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके या यदि आसानी से निर्धारित नहीं किया जा सकता है, तो वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके पट्टे के भुगतान में छूट दी जाती है। पट्टा देयताऐं को संबंधित उपयोग के अधिकार की संपत्ति के अनुरूप समायोजन के साथ फिर से मापा जाता है यदि कंपनी अपना मूल्यांकन बदलती है कि क्या वह विस्तार या समाप्ति विकल्प का प्रयोग करेगी।

15. गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों का नुकसान

क. कंपनी की गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह निर्धारित करने के लिए की जाती है कि क्या इंड एएस 36–'परिसंपत्तियों की हानि' के प्रावधानों पर विचार करते हुए हानि का कोई संकेत है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है।

ख. किसी परिसंपत्ति या नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई की वसूली योग्य राशि उसके उचित मूल्य से उतनी ही अधिक होती है जितना कि निपटान की लागत और उपयोग में उसके मूल्य से कम होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। हानि परीक्षण के उद्देश्य से, जिन परिसंपत्तियों का व्यक्तिगत रूप से परीक्षण नहीं किया जा सकता है, उन्हें परिसंपत्तियों के सबसे छोटे समूह में एक साथ समूहीकृत किया जाता है जो निरंतर उपयोग से नकदी प्रवाह उत्पन्न करते हैं जो काफी हद तक अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्तियों के समूहों ('नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई' या 'सीजीयू') के नकदी प्रवाह से स्टैंडअलोन होते हैं।

ग. हानि की पहचान तब की जाती है जब किसी परिसंपत्ति या उसके सीजीयू की वहन राशि उनकी अनुमानित वसूली योग्य राशि से अधिक हो। हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है। सीजीयू के संबंध में मान्यता प्राप्त हानि को सीजीयू की परिसंपत्तियों की वहन राशि से कम किया जाता है।

घ. पूर्व अवधि में पहचाने गए हानि हानियों का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किसी भी संकेत के लिए किया जाता है कि हानि कम हो गई है या अब मौजूद नहीं है। यदि वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले अनुमानों में कोई बदलाव किया गया है तो हानि को उलट दिया जाता है। एक हानि हानि को केवल इस हद तक उलट दिया जाता है कि संपत्ति की वहन राशि उस वहन राशि से अधिक नहीं होती है जो निर्धारित की गई होती, संचित मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध, यदि कोई हानि हानि की पहचान नहीं की गई थी।

16. लाभांश

कंपनी के शेयरधारकों को देय लाभांश और अंतरिम लाभांश को उस अवधि में इक्विटी में परिवर्तन के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें उन्हें क्रमशः शेयरधारकों और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है

17 सामग्री पूर्व अवधि त्रुटि

सामग्री पूर्व अवधि की त्रुटियों को पूर्वव्यापी रूप से उन पूर्व अवधियों के लिए तुलनात्मक मात्राओं को फिर से प्रस्तुत करके ठीक किया जाता है जिसमें त्रुटि हुई थी। यदि त्रुटि प्रस्तुत प्रारंभिक अवधि से पहले हुई है, तो प्रस्तुत प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देयताएँ और इक्विटी की प्रारंभिक शेष राशि को फिर से प्रस्तुत किया जाता है।

18. वित्तीय साधन

एक वित्तीय साधन कोई भी अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय संपत्ति और दूसरी इकाई के वित्तीय दायित्व या इक्विटी साधन को जन्म देता है। कंपनी किसी वित्तीय संपत्ति या वित्तीय दायित्व को तभी मान्यता देती है जब वह लिखत के संविदात्मक प्रावधानों में पक्षकार बन जाती है।

18.1. वित्तीय संपत्ति

प्रारंभिक पहचान और माप

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, सिवाय व्यापार प्राप्तियों के जिन्हें शुरू में लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है। लेन–देन लागतें जो वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सीधे जिम्मेदार हैं, जिनका लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मूल्यांकन नहीं किया जाता है, उन्हें प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य में जोड़ा जाता है।

अनुवर्ती माप

परिशोधन लागत पर ऋण उपकरण

एक 'ऋण साधन' को परिशोधन लागत पर मापा जाता है यदि निम्नलिखित दोनों शर्तों को पूरा किया जाता है:

(क) परिसंपत्ति को एक व्यवसाय मॉडल के भीतर रखा जाता है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने के लिए परिसंपत्तियों को रखना है, और

(ख) परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो बकाया मूल राशि पर केवल मूलधन और ब्याज (एसपीपीआई) का भुगतान होती हैं।

प्रारंभिक मापन के बाद, ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि का उपयोग करके परिशोधन लागत पर मापा जाता है। परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम पर विचार करके की जाती है

जो ईआईआर का एक अभिन्न हिस्सा हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्तीय आय में शामिल किया जाता है। हानि से होने वाले हानियों को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है। यह श्रेणी आम तौर पर व्यापार और अन्य प्राप्तियों पर लागू होती है।

एफवीटीओसीआई पर ऋण साधन (ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य)

'ऋण लिखत' को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि निम्नलिखित दोनों मानदंड पूरे होते हैं:

(क) व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने दोनों द्वारा प्राप्त किया जाता है, और

(ख) परिसंपत्ति का संविदात्मक नकदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है।

एफवीटीओसीआई श्रेणी के भीतर शामिल ऋण उपकरणों को शुरू में और साथ ही प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य पर मापा जाता है। ओसीआई में उचित मूल्य संचलन को मान्यता दी जाती है। हालांकि, कंपनी लाभ और हानि के विवरण में ब्याज आय, हानि और प्रतिवर्तन और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को मान्यता देती है। परिसंपत्ति की मान्यता रद्द होने पर, ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को इक्विटी से लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। एफवीटीओसीआई ऋण साधन धारण करते समय अर्जित ब्याज को ईआईआर विधि का उपयोग करके ब्याज आय के रूप में सूचित किया जाता है।

एफटीवीपीएल में ऋण साधन (लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य)

एफटीवीपीएल ऋण साधनों के लिए एक अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, को एफटीवीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

इसके अलावा, कंपनी एक ऋण साधन को वर्गीकृत करने का विकल्प चुन सकती है, जो अन्यथा परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई मानदंडों को पूरा करता है, जैसा कि एफवीटीपीएल में है। हालांकि, इस तरह के चुनाव की अनुमति केवल तभी दी जाती है जब ऐसा करने से किसी माप या मान्यता की विसंगति को कम या समाप्त कर दिया जाता है (जिसे 'लेखांकन बेमेल' कहा जाता है) एफटीवीपीएल श्रेणी के भीतर शामिल ऋण साधनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। ऐसे निवेशों पर ब्याज आय को 'अन्य आय' के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

व्यवसाय मॉडल मूल्यांकन

कंपनी के पास वित्तीय परिसंपत्तियाँ हैं जो उसके व्यापार और निवेश संपत्ति के सामान्य पाठ्यक्रम से उत्पन्न होती हैं। इन वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य कंपनी की प्राप्तियों से देय राशि एकत्र करना और एकत्र की गई राशि पर संविदात्मक ब्याज आय अर्जित करना है।

इक्विटी साधनों में निवेश

सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों के अलावा अन्य संस्थाओं में सभी इक्विटी निवेशों को उचित मूल्य पर मापा जाता है। व्यापार के लिए रखे जाने वाले इक्विटी उपकरणों को एफटीवीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अन्य सभी इक्विटी साधनों के लिए, कंपनी एफवीटीओसीआई या एफटीवीपीएल के समान वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है। कंपनी इस तरह का चुनाव एक उपकरण के आधार पर करती है। वर्गीकरण प्रारंभिक मान्यता पर किया जाता है और अपरिवर्तनीय है।

यदि कंपनी किसी इक्विटी साधन को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है, तो लाभांश को छोड़कर साधन पर सभी उचित मूल्य परिवर्तनों को ओसीआई में मान्यता दी जाती है। ओसीआई से लाभ और हानि के विवरण के लिए राशि का पुनर्चक्रण नहीं होता है, यहाँ तक कि निवेश की बिक्री/निपटान पर भी। हालांकि, कंपनी निवेशों की बिक्री/निपटान पर संचयी लाभ या हानि को इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है।

एफटीवीपीएल श्रेणी के भीतर शामिल इक्विटी साधनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। ऐसे निवेशों पर लाभांश श्अन्य आयश के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में इक्विटी निवेश को लागत कम हानि, यदि कोई हो, पर गिना जाता है।

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर निवेश के वहन मूल्य की समीक्षा करती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या हानि का कोई संकेत है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो निवेश की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है। यदि वसूली योग्य राशि वहन राशि से कम है, तो हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय संपत्ति (या, जहां लागू हो, एक वित्तीय संपत्ति का एक हिस्सा या समान वित्तीय संपत्तियों के समूह का हिस्सा) मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त है (अर्थात कंपनी की बैलेंस शीट से हटा दिया गया) जब:

- परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार समाप्त हो गए हैं, या

- कंपनी ने संपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को स्थानांतरित कर दिया है या 'पास–थ्रू' व्यवस्था के तहत किसी तीसरे पक्ष को भौतिक देरी के बिना प्राप्त नकदी प्रवाह का पूरा भुगतान करने का दायित्व ग्रहण किया हैय और या तो (ए) कंपनी ने संपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को काफी हद तक स्थानांतरित कर दिया है, या (बी) कंपनी ने संपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को न तो स्थानांतरित किया है और न ही बनाए रखा है, लेकिन संपत्ति के नियंत्रण को स्थानांतरित कर दिया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का नुकसान

आईएंनडी एएस 109–'वित्तीय साधनों' के अनुसार, कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों और क्रेडिट जोखिम जोखिम पर हानि के मापन और मान्यता के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ईसीएल) मॉडल लागू करती हैः

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो ऋण साधन हैं, और जिन्हें परिशोधन लागत पर मापा जाता है।

(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो ऋण के साधन हैं और जिन्हें एफवीटीओसीआई में मापा जाता है।

(ग) आईएनडी एएस 116 के अंतर्गत प्राप्तियों को पट्टे पर देना।

(घ) आईएनडी एएस 115 के अधीन प्राप्य, गैर–बिल राजस्व और अनुबंध परिसंपत्तियों का व्यापार।

(ङ) ऋण प्रतिबद्धताएँ जो एफटीवीपीएल में मापी नहीं जाती हैं।

(च) वित्तीय गारंटी अनुबंध जिन्हें एफटीवीपीएल में नहीं मापा गया है।

व्यापार प्राप्तियों और अनुबंध परिसंपत्तियों/अनबिल राजस्व के लिए, कंपनी इंड एएस 109 फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा आवश्यक सरलीकृत दृष्टिकोण को लागू करती है, जिसके लिए प्रारंभिक मान्यता से आजीवन अपेक्षित नुकसान को मान्यता देने की आवश्यकता होती है।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की पहचान और जोखिम जोखिम (खरीदी गई या उत्पन्न ऋण बाधित वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) के लिए कंपनी यह निर्धारित करती है कि क्या प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यदि ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो हानि के लिए 12 महीने के ईसीएल का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यदि ऋण जोखिम में काफी वृद्धि हुई है, तो आजीवन ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यदि, बाद की अवधि में, साधन की ऋण गुणवत्ता में इस तरह से सुधार होता है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होती है, तो इकाई 12 महीने के ईसीएल के आधार पर हानि भत्ते को पहचानने के लिए वापस आ जाती है।

खरीदी गई या उत्पन्न क्रेडिट बाधित वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, प्रारंभिक मान्यता के बाद से जीवनकाल में अपेक्षित क्रेडिट नुकसान में संचयी परिवर्तनों के लिए एक हानि भत्ता मान्यता प्राप्त है।

18.2. वित्तीय देयताएँ

प्रारंभिक पहचान और माप

वित्तीय देयताऐं को, प्रारंभिक मान्यता पर, लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताऐं और यथोपयुक्त परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताऐं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। सभी वित्तीय देयताऐं को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और देयताऐं के मामले में बाद में प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लेन–देन लागत के परिशोधन लागत शुद्ध पर मापा जाता है। कंपनी की वित्तीय देयताऐं में व्यापार और अन्य देय, बैंक ओवरड्राफ्ट सहित उधार, वित्तीय गारंटी अनुबंध और व्युत्पन्न वित्तीय साधन शामिल हैं।

अनुवर्ती माप

वित्तीय देयताऐं का मापन उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है, जैसा कि नीचे वर्णित हैः

परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारंभिक मापन के बाद, ऐसी वित्तीय देयताऐं को बाद में ईआईआर विधि का उपयोग करके परिशोधन लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है जब देयताऐं की मान्यता रद्द कर दी जाती है और साथ ही ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है जो ईआईआर का एक अभिन्न हिस्सा हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत में शामिल किया जाता है। यह श्रेणी आम तौर पर उधार, व्यापार देय और अन्य संविदात्मक देयताऐं पर लागू होती है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताऐं में व्यापार के लिए रखी गई वित्तीय देयताएं और लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताएं शामिल हैं। वित्तीय देयताऐं को व्यापार के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के उद्देश्य से किए जाते हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज किए गए व्युत्पन्न वित्तीय साधन भी शामिल हैं जिन्हें इंड एएस 109 द्वारा परिभाषित हेज संबंधों में हेजिंग साधनों के रूप में नामित नहीं किया गया है। अलग–अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव्स को भी व्यापार के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित नहीं किया जाता है।

व्यापार के लिए रखी गई देयताऐं पर लाभ या हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताऐं को मान्यता की प्रारंभिक तिथि पर नामित किया जाता है, और केवल तभी जब इंड एएस 109 में मानदंड संतुष्ट हों। एफटीवीपीएल के रूप में नामित देयताऐं के लिए, अपने स्वयं के ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण उचित मूल्य लाभ/हानि को ओसीआई में मान्यता प्राप्त है। इन लाभों/हानि को बाद में लाभ और हानि में स्थानांतरित नहीं किया जाता है। हालांकि, कंपनी संचयी लाभ या हानि को निपटान पर इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है। इस तरह के दायित्व के उचित मूल्य में अन्य सभी परिवर्तनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है। कंपनी ने लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर किसी भी वित्तीय दायित्व को नामित नहीं किया है। मान्यता रद्द करना

मान्यता रद्द करना

वित्तीय दायित्व की मान्यता तब समाप्त हो जाती है जब दायित्व के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या रद्द कर दिया जाता है या समाप्त हो जाता है। जब किसी मौजूदा वित्तीय दायित्व को एक ही ऋणदाता से काफी अलग शर्तों पर दूसरे द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, या किसी मौजूदा दायित्व की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल दायित्व की मान्यता और एक नए दायित्व की मान्यता के रूप में माना जाता है। संबंधित वहन राशि में अंतर को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

18.3. ब्याज दर बेंचमार्क सुधार

जब ब्याज दर बेंचमार्क सुधार के परिणामस्वरूप किसी वित्तीय संपत्ति या परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय देयता के संविदात्मक नकदी प्रवाह को निर्धारित करने का आधार बदल जाता है, तो कंपनी ने वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता की प्रभावी ब्याज दर को सुधार द्वारा आवश्यक परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए अद्यतन किया। यदि निम्नलिखित शर्तों को पूरा किया जाता है तो ब्याज दर बेंचमार्क सुधार के लिए संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के आधार में बदलाव की आवश्यकता होती है:

– सुधार के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में परिवर्तन आवश्यक है। और

– संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के लिए नया आधार आर्थिक रूप से पिछले आधार के बराबर है–अर्थात। परिवर्तन से तुरंत पहले आधार।

जब ब्याज दर बेंचमार्क सुधार द्वारा आवश्यक संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के लिए आधार में परिवर्तन के अलावा किसी वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता में परिवर्तन किए गए थे, तो कंपनी पहले वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता की प्रभावी ब्याज दर को ब्याज दर बेंचमार्क सुधार द्वारा आवश्यक परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए अपडेट करती है और लाभ और हानि विवरण में संशोधन लाभ या हानि को मान्यता नहीं देती है। उसके बाद, कंपनी अतिरिक्त परिवर्तनों में संशोधन के लिए लेखांकन पर नीतियों को लागू करती है।

18.4. व्युत्पन्न वित्तीय साधन

प्रारंभिक पहचान और बाद में मापन

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों और विदेशी मुद्रा ऋणों के ब्याज दर जोखिमों को कम करने के लिए अग्रिम मुद्रा अनुबंधों और ब्याज दर अदला–बदली जैसे व्युत्पन्न वित्तीय साधनों का उपयोग करती है। इस तरह के व्युत्पन्न वित्तीय साधनों को शुरू में उस दिनांक को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है जिस दिन एक व्युत्पन्न अनुबंध किया जाता है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्न को वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में तब लिया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देयताऐं के रूप में जब उचित मूल्य नकारात्मक होता है। व्युत्पन्नों के उचित मूल्य में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि के विवरण में लिया जाता है।

18.5. वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताऐं की ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताऐं को ऑफसेट किया जाता है और शुद्ध राशि को बैलेंस शीट में प्रस्तुत किया जाता है यदि मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार है और परिसंपत्तियों को प्राप्त करने और देयताऐं का निपटान करने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है।

19. बिक्री के लिए रखी गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ

कंपनी गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों और निपटान समूहों को बिक्री के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत करती है यदि उनकी वहन राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से वसूल की जाएगी और बिक्री को अत्यधिक संभावित माना जाता है।

प्रबंधन को बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे बिक्री के लिए आयोजित वर्गीकरण की दिनांक से एक वर्ष के भीतर पूर्ण बिक्री के रूप में मान्यता के लिए अर्हता प्राप्त करने की उम्मीद की जानी चाहिए, और बिक्री की योजना को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई से यह संकेत मिलना चाहिए कि यह संभावना नहीं है कि योजना में महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे या योजना को वापस ले लिया जाएगा।

बिक्री और निपटान समूहों के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों को उनकी वहन राशि से कम और निपटान की उचित मूल्य कम लागत पर मापा जाता है।

एक बार बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों को मूल्यह्रास या परिशोधन के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

ऐसी परिस्थितियों में, जहाँ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति की एक वस्तु को स्थायी रूप से छोड़ दिया जाता है और सक्रिय उपयोग से सेवानिवृत्त कर दिया जाता है, हालांकि 'बिक्री के लिए आयोजित गैर–वर्तमान संपत्ति' के मानदंडों को पूरा नहीं किया जाता है, ऐसी वस्तुओं को बिक्री के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है और उनके संशोधित उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास जारी रखा जाता है, जैसा कि मूल्यांकन किया गया है। ऐसी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इस सामग्री लेखांकन नीति के अनुसार हानि के लिए किया जाता है।

20. अनुमानों और प्रबंधन निर्णयों का उपयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, अनुमान और अनुमानएं बनाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देयताऐं, राजस्व खर्चों और संबंधित वस्तुओं के साथ–साथ आकस्मिक परिसंपत्तियों और देयताऐं के संबंधित प्रकटीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। अनुमान और प्रबंधन के निर्णय पिछले अनुभव और परिस्थितियों में उचित और विवेकपूर्ण माने जाने वाले अन्य कारकों पर आधारित होते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमानों और अंतर्निहित अनुमानओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधनों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें अनुमानों को संशोधित किया जाता है और भविष्य की किसी भी अवधि में प्रभावित किया जाता है।

वित्तीय विवरणों की समझ बढ़ाने के लिए, वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में आकलन, अनिश्चितता और महत्वपूर्ण निर्णयों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में जानकारी निम्नानुसार है:

i. लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियों को इस तरह से तैयार किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय विवरणों में लेन–देन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी होती है जिन पर वे लागू होते हैं। उन पॉलिसियों को तब लागू करने की आवश्यकता नहीं है जब उन्हें लागू करने का प्रभाव महत्वहीन हो।

ii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों का उपयोगी जीवन

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन अप्रचलन, मांग, प्रतिस्पर्धा और अन्य आर्थिक कारकों (जैसे उद्योग की स्थिरता और ज्ञात तकनीकी प्रगति) और परिसंपत्ति से अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह को प्राप्त करने के लिए आवश्यक रखरखाव व्यय के स्तर सहित कई कारकों पर आधारित है।

बिजली व्यवसाय के उत्पादन की परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन (जहाँ टैरिफ विनियमित किया जाता है) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के अनुसार सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

iii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों की वसूली योग्य राशि

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों की वसूली योग्य राशि विशेष रूप से अपेक्षित बाजार दृष्टिकोण और बिजली संयंत्रों से जुड़ भविष्य के नकदी प्रवाह के बारे में अनुमानों और अनुमानओं पर आधारित है। इन मान्यताओं में किसी भी बदलाव का वसूली योग्य राशि के मापन पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप हानि हो सकती है।

iv. परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ दायित्वों को बीमांकिक मान्यताओं के आधार पर मापा जाता है जिसमें मृत्यु दर और निकासी दर के साथ–साथ छूट दरों में भविष्य के विकास, वेतन वृद्धि की दर और मुद्रास्फीति दर से संबंधित अनुमानएं शामिल हैं। कंपनी का मानना है कि उसके दायित्वों को मापने के लिए उपयोग की जाने वाली अनुमानएं उचित और प्रलेखित हैं। हालांकि, इन अनुमानओं में किसी भी बदलाव का परिणामी गणनाओं पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता है

v. आमदनी

कंपनी आईएंनडी एएस 115 के तहत प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेशों द्वारा संशोधित सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ दरों के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व दर्ज करती है। हालांकि, ऐसे मामलों में जहाँ टैरिफ दरों को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है, अंतिम दरों को लागू सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अपनाया जाता है।

vi. पट्टे कानूनी रूप में नहीं हैं

यह निर्धारित करने में कि क्या किसी व्यवस्था में पट्टा शामिल है, इंड एएस 116 के अनुसार पट्टा लेखा नियमों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होती है। कंपनी द्वारा की गई व्यवस्थाओं का आकलन करने में, प्रबंधन ने अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अधिकार, कानूनी रूप से लागू करने योग्य समझौतों सहित लेनदेन के सार और व्यवस्थाओं के अन्य महत्वपूर्ण नियमों और शर्तों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णय का प्रयोग किया है ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि क्या व्यवस्था इंड एएस 116 के अनुसार मानदंडों को पूरा करती है।

vii. बिक्री के लिए रखी गई संपत्तियाँ

इंड एएस 105 के तहत बिक्री के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों के लेखांकन को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होती है–'बिक्री के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां और बंद किए गए संचालन'। प्रयोज्यता का आकलन करने में, प्रबंधन ने तत्काल बिक्री के लिए परिसंपत्ति की उपलब्धता, बिक्री के लिए प्रबंधन की प्रतिबद्धता और एक वर्ष के भीतर बिक्री की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए निर्णय लिया है ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि क्या उनकी वहन राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री लेनदेन के माध्यम से वसूल की जाएगी।

ix. विनियामक आस्थगित खाता शेष

नियामक स्थगन खाता शेष की मान्यता में भविष्य के टैरिफ नियमों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं क्योंकि ये भविष्य में टैरिफ के माध्यम से वसूली योग्य/देय होने वाली राशि के अनुमान पर आधारित हैं।

x. प्रावधान और आकस्मिकताएँ

प्रावधानों और आकस्मिकताओं को पहचानने में किए गए आकलन इंड एएस 37–'प्रावधान, आकस्मिक देयताऐं और आकस्मिक परिसंपत्तियों' के अनुसार किए गए हैं। आकस्मिक घटनाओं की संभावना के मूल्यांकन के लिए संभावित नुकसान की संभावना के संबंध में प्रबंधन द्वारा सर्वोत्तम निर्णय की आवश्यकता होती है। यदि अप्रत्याशित घटनाओं के बाद परिस्थितियाँ बदलती हैं, तो यह संभावना बदल सकती है।

xi. आय कर

वर्तमान और आस्थगित कर के प्रावधान को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण अनुमान शामिल हैं, जिसमें अनिश्चित कर स्थितियों के लिए भुगतान/वसूली की अपेक्षित राशि भी शामिल है।

नोट संख्या 2 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

31 मार्च 2025 तक

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेटब्लॉक	
	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2025 तक
जमीन										
फ्री होल्ड	2,668.73	22,016.32	(2.29)	**24,682.76**	-	-	-	**-**	2,668.73	**24,682.76**
पट्टा होल्ड	8,807.14	-	-	**8,807.14**	3,621.75	217.61	-	**3,839.35**	5,185.39	**4,967.78**
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	9,365.07	1,297.48	-	**10,662.56**	3,159.63	298.36	-	**3,458.00**	6,205.44	**7,204.56**
भवन–फ्रीहोल्ड	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
मुख्य संयंत्र	1,44,868.33	1,202.56		**1,46,070.89**	40,420.39	4,349.97	-	**44,770.36**	1,04,447.94	**1,01,300.53**
अन्य	30,739.35	2,584.79	-	**33,324.14**	11,403.62	977.88	-	**12,381.51**	19,335.73	**20,942.64**
उपयोग का अधिकार (पट्टाहोल्ड)	1,153.50	237.38	(56.41)	**1,334.47**	298.23	351.72	(22.98)	**626.97**	855.27	**707.50**
अस्थायी इरेक्शन	4,361.66	10.75	(131.11)	**4,241.29**	4,352.39	19.12	(131.11)	**4,240.40**	9.27	**0.90**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	3,058.99	346.60	(5.48)	**3,400.12**	1,214.92	90.68	(2.26)	**1,303.35**	1,844.08	**2,096.77**
रेलवे साइडिंग	10.65	-	-	**10.65**	9.11	0.20	-	**9.31**	1.54	**1.33**
हाइड्रोलिक कार्य, बैराज, बांध, सुरंग और बिजली चौनल	10,31,555.41	3,996.53	-	**10,35,551.94**	2,87,218.40	48,105.81	-	**3,35,324.21**	7,44,337.01	**7,00,227.72**
संयंत्र और उपकरण	7,18,765.98	40,763.41	(1,443.69)	**7,58,085.70**	3,21,675.47	26,094.30	(675.37)	**3,47,094.40**	3,97,090.51	**4,10,991.30**
फर्नीचर और फिक्सर	2,755.36	351.38	(47.39)	**3,059.35**	1,086.14	235.92	(13.20)	**1,308.85**	1,669.23	**1,750.50**
वाहन	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
स्वामित्व में।	763.62	157.06	(1.45)	**919.23**	519.82	44.76	(1.31)	**563.27**	243.80	**355.96**
उपयोग करने का अधिकार	1,983.17	626.93	(540.64)	**2,069.46**	960.87	761.20	(573.96)	**1,148.11**	1,022.30	**921.35**
कार्यालय उपकरण	1,388.51	262.91	(34.11)	**1,617.31**	797.44	48.74	(5.81)	**840.37**	591.08	**776.95**
ईडीपी, डब्ल्यूपी मशीनें और सैटकॉम उपकरण	3,210.20	239.69	(171.10)	**3,278.79**	2,677.77	316.49	(156.83)	**2,837.42**	532.43	**441.37**
निर्माण उपकरण	6,875.31	339.22	(17.32)	**7,197.21**	3,190.44	256.87	(3.02)	**3,444.30**	3,684.87	**3,752.92**
बिजली की स्थापनाएँ	13,578.13	232.04	(11.34)	**13,798.84**	8,247.59	463.89	(10.43)	**8,701.05**	5,330.54	**5,097.79**
संचार उपकरण	473.43	20.97	(6.12)	**488.28**	331.86	10.31	(2.05)	**340.12**	141.57	**148.16**
संचार उपकरण	77.81	2.94	(0.68)	**80.06**	28.16	3.18	(0.45)	**30.89**	49.65	**49.17**
प्रयोगशाला और कार्यशाला उपकरण	231.38	87.97	(0.30)	**319.05**	60.56	10.06	(0.11)	**70.51**	170.82	**248.54**
अन्य उपकरण	1,507.77	253.88	(47.87)	**1,713.77**	757.03	60.12	(31.79)	**785.36**	750.73	**928.40**
कम मूल्य की परिसंपत्तियाँ	382.86	21.22	(7.77)	**396.31**	382.45	10.45	(7.06)	**385.83**	0.41	**10.48**
कुल	**19,88,582.35**	**75,052.03**	**(2,525.07)**	**20,61,109.32**	**6,92,414.04**	**82,727.65**	**(1,637.75)**	**7,73,503.93**	**12,96,168.31**	**12,87,605.38**
प्रावधान के लिए समायोजन	**(3,043.06)**			**(3,043.06)**	-				**(3,043.06)**	**(3,043.06)**
निवल कुल	**19,85,539.29**	**75,052.03**	**(2,525.07)**	**20,58,066.26**	**6,92,414.04**	**82,727.65**	**(1,637.75)**	**7,73,503.93**	**12,93,125.25**	**12,84,562.32**

31 मार्च 2024 तक

विवरण	ग्रासब्लॉक								नेटब्लॉक	
	1 अप्रैल 2023 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2024 तक	1 अप्रैल 2023 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक	31 मार्च 2024 तक
जमीन										
फ्री होल्ड	2,600.25	89.32	(20.85)	**2,668.73**	-	-	-	-	2,600.25	**2,668.73**
पट्टा होल्ड	8,807.13	-	0.00	**8,807.14**	3,404.14	217.61	0.00	**3,621.75**	5,402.99	**5,185.39**
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	8,540.47	810.40	14.21	**9,365.07**	2,858.96	288.69	11.98	**3,159.63**	5,681.51	**6,205.44**
भवन–फ्रीहोल्ड		-	-			-	-			
मुख्य संयंत्र	1,77,661.96	1,536.92	(34,330.55)	**1,44,868.33**	51,932.21	4,407.39	(15,919.21)	**40,420.39**	1,25,729.75	**1,04,447.94**
अन्य	-	3,529.40	27,209.95	**30,739.35**	-	972.64	10,430.98	**11,403.62**	-	**19,335.73**
उपयोग का अधिकार (पट्टाहोल्ड)	249.65	1,032.96	(129.11)	**1,153.50**	65.45	321.45	(88.66)	**298.23**	184.20	**855.27**
अस्थायी इरेक्शन	-	20.67	4,340.98	**4,361.66**	-	22.48	4,329.90	**4,352.39**	-	**9.27**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	-	319.10	2,739.90	**3,058.99**	-	108.37	1,106.55	**1,214.92**	-	**1,844.08**
रेलवे साइडिंग	-	-	10.65	**10.65**	-	0.09	9.02	**9.11**	-	**1.54**
हाइड्रोलिक कार्य, बैराज, बांध, सुरंग और बिजली चौनल	-	59,676.61	9,71,878.80	**10,31,555.41**	-	47,752.99	2,39,465.41	**2,87,218.40**	-	**7,44,337.01**
संयंत्र और उपकरण	16,35,686.92	65,039.15	(9,81,960.09)	**7,18,765.98**	5,38,798.41	28,845.88	(2,45,968.82)	**3,21,675.47**	10,96,888.51	**3,97,090.51**
फर्नीचर और फिक्सर	1,877.39	1,176.23	(298.26)	**2,755.36**	1,181.15	161.74	(256.75)	**1,086.14**	696.24	**1,669.23**
वाहन	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
स्वामित्व में।	795.55	0.24	(32.16)	**763.62**	515.12	33.62	(28.92)	**519.82**	280.43	**243.80**
उपयोग करने का अधिकार	1,586.92	767.81	(371.56)	**1,983.17**	766.52	581.84	(387.49)	**960.87**	820.40	**1,022.30**
कार्यालय उपकरण	7,408.69	288.14	(6,308.31)	**1,388.51**	5,010.30	88.65	(4,301.51)	**797.44**	2,398.39	**591.08**
ईडीपी, डब्ल्यूपी मशीनें और सैटकॉम उपकरण	-	459.77	2,750.43	**3,210.20**	-	262.20	2,415.57	**2,677.77**	-	**532.43**
निर्माण उपकरण	6,987.45	235.33	(347.47)	**6,875.31**	2,987.81	258.50	(55.87)	**3,190.44**	3,999.64	**3,684.87**
बिजली की स्थापनाएँ	2,020.44	705.65	10,852.04	**13,578.13**	1,208.45	635.52	6,403.62	**8,247.59**	811.99	**5,330.54**
संचार उपकरण	-	28.67	444.76	**473.43**	-	11.35	320.52	**331.86**	-	**141.57**
संचार उपकरण	-	7.50	70.31	**77.81**	-	5.94	22.22	**28.16**	-	**49.65**
प्रयोगशाला और कार्यशाला उपकरण	-	54.08	177.29	**231.38**	-	8.04	52.52	**60.56**	-	**170.82**
अन्य उपकरण	216.44	214.83	1,076.49	**1,507.77**	162.20	80.02	514.81	**757.03**	54.24	**750.73**
कम मूल्य की परिसंपत्तियाँ	-	7.68	375.18	**382.86**		21.61	360.84	**382.45**	-	**0.41**
कुल	**18,54,439.26**	**1,36,000.45**	**(1,857.36)**	**19,88,582.35**	**6,08,890.72**	**85,086.61**	**(1,563.30)**	**6,92,414.04**	**12,45,548.54**	**12,96,168.31**
प्रावधान के लिए समायोजन	**(3,043.06)**			**(3,043.06)**				-	**(3,043.06)**	**(3,043.06)**
निवल कुल	**18,51,396.20**	**1,36,000.45**	**(1,857.36)**	**19,85,539.29**	**6,08,890.72**	**85,086.61**	**(1,563.30)**	**6,92,414.04**	**12,42,505.48**	**12,93,125.25**

2(i) निर्माण और संचालन एवं रखरखाव परियोजनाओं की वर्तमान और भविष्य की अचल संपत्तियों को सुरक्षित, मोचनीय गैर–परिवर्तनीय बांड जारी करने के लिए बंधक रखा गया है। चौदहवें से बाईसवें अंक तक जारी होने वाले बांडों का मूल्य ₹190000.00 लाख है और आरओसी के पास चार्ज आईडी 100394348 है, जो ₹50000.00 लाख के लिए 100151868 है, और ₹90000.00 लाख के लिए 10603635 है। सुरक्षित मध्यम और दीर्घकालिक ऋण राशि ₹279000.00 लाख है। अरुणाचल प्रदेश में पारे जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए केएफडब्ल्यू, जर्मनी से प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी जाती है।

2(ii) कोपिली चरण II के लिए अधिग्रहित 183.19 हेक्टेयर भूमि, जिसका मूल्य ₹102.00 लाख है, भूमि मुआवजे में वृद्धि के संबंध में 9 भूमि स्वामियों (31.03.2025 तक 303 दावों में से 294 दावों का निपटारा) द्वारा दायर दावे के कारण मुकदमेबाजी के अधीन है और मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक), पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय के समक्ष लंबित है।

2(iii) निर्माण परियोजनाओं से संबंधित ब्याज और वित्त प्रभार, ₹3432.23 लाख (तुलनात्मक अवधि ₹4236.46 लाख) की राशि आईईडीसी को हस्तांतरित कर दी गई है (संदर्भ नोट संख्या–34 बी)। रिपोर्टिंग तिथि पर विदेशी मुद्रा ऋण असुरक्षित है।

2(iv) तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के मानदंडों को पूरा करने वाले घटक और पुर्जों, जिनका मूल्य ₹5.00 लाख और उससे अधिक है, को पुस्तकों में पीपीई के रूप में मान्यता दी गई है।

2(v) कंपनी के नाम पर न रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेखों के बारे में प्रकटीकरण इस नोट के अनुलग्नक–I के रूप में प्रदान किया गया है।

2(vi) परिचालन के तहत उत्पादन स्टेशनों के संबंध में विनिमय अंतर को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के साथ समायोजित किया जाता है और उधार लागत को सीडब्ल्यूआईपी और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के प्रमुख शीर्षों की लागत में नीचे दिए गए 'जोड़' या 'कटौती/समायोजन' कॉलम के माध्यम से शामिल किया जाता है:

(लाख में ₹)

विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
	पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल विनिमय अंतर	ऋण लेने की लागत पीपीईध सीडब्ल्यूआईपी में शामिल है	पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल विनिमय अंतर	उधार लेने की लागत पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल है
मुख्य संयंत्र भवन	33.76	-	22.40	-
हाइड्रोलिक कार्य, जलाशय, बांध, सुरंग	225.49	-	144.88	-
संयंत्र और उपकरण	84.08	-	55.23	-
लंबित आवंटन सहित अन्य	-	4,102.74	-	4,236.46
कुल	**343.33**	**4,102.74**	**222.51**	**4,236.46**

2 (vii) संयंत्र और मशीनरी की शुद्ध वहन मात्रा में शामिल हैं: (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वित्त पट्टों के तहत रखी गई परिसंपत्तियाँ		
लागत	-	-
संचित मूल्यह्रास और हानि	-	-
शुद्ध वहन राशि	-	-
स्वामित्व वाली संपत्तियाँ	12,82,933.47	12,91,247.70
शुद्ध वहन राशि	**12,82,933.47**	**12,91,247.70**

उपरोक्त पीपीई (स्वामित्व वाली संपत्ति) की शुद्ध वहन राशि में भारतीय लेखा मानक 116 के अनुसार पुस्तकों में मान्यता प्राप्त 'उपयोग का अधिकार (भवन और वाहन)' के अंतर्गत संपत्तियां शामिल नहीं हैं, जिनकी राशि ₹ 1004.60 लाख (पिछले वर्ष ₹ 939.38 लाख) है।

2(viii) वर्ष के लिए सकल ब्लॉक और मूल्यह्रास से कटौती/समायोजन में शामिल हैं

(लाख में ₹)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए सकल ब्लॉक		समाप्त वर्ष के लिए मूल्यह्रास	
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
परिसंपत्तियों का निपटान	(88.34)	(566.44)	(70.32)	(506.56)
परिसंपत्तियों की सेवानिवृत्ति	(301.41)	(57.97)	(283.13)	(48.48)
विनिमय अंतर के कारण लागत समायोजन	-	222.51	-	-
पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ पूंजीकृत परिसंपत्तियाँ/अतिरिक्त पूंजीकरण को वापस लिखें	(1449.11)	(837.34)	(671.46)	(511.12)
अन्य	(686.20)	(618.12)	(612.84)	(497.14)
कुल	**(2525.06)**	**(1857.36)**	**(1637.75)**	**(1563.30)**

अनुलग्नक–I से नोट 2 (v) 31 मार्च 2025 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेख

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ लाख में)	के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक का प्रवर्तक, निदेशक या रिश्तेदार हो */निदेशक या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी हो	किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण **
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–मुक्त भूमि	नीपको परियोजना–कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन–स्टेज II के लिए पश्चिम जंतिया हिल्स, मेघालय में 183.19 हेक्टेयर भूमि	102.00	9 याचिकाकर्ता	नहीं	10.09.1984	यह भूमि 9 भूमि प्रोपराइटरों द्वारा भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए किए गए दावे के कारण मुकदमे के अधीन है। यह मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतई हिल्स, मेघालय के पास लंबित है
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–भूमि	लैटकोर (मेघालय) में 1.88 एकड़ भूमि	-	कृपया नीचे टिप्पणी देखें '	नहीं		

लैटकोर (मेघालय) में स्थित 1.88 एरेस की भूमि नीपको के स्वामित्व में है।

अनुलग्नक–I से नोट 2 (v) 31 मार्च 2024 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेख

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ लाख में)	के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक का प्रवर्तक, निदेशक या रिश्तेदार हो */ निदेशक या प्रवर्तक/ निदेशक का कर्मचारी हो	किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण **
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–मुक्त भूमि	नीपको परियोजना–कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन–स्टेज II के लिए पश्चिम जंतिया हिल्स, मेघालय में 183.19 हेक्टेयर भूमि	452.68	श्रीमती इबिल डखर और अन्य (संख्या 160)। याचिकाकर्ता का)	नहीं	10.09.1984	यह भूमि 58 भूमि प्रोपराइटरों द्वारा भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए किए गए दावे के कारण मुकदमे केइअधीन है। यह मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतई हिल्स, मेघालय के पास लंबित है
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–मुक्त भूमि	15633.50 वर्ग किमी. तेजू (अरुण ाचल प्रदेश) में एम भूमि	-				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–भूमि	लैटकोर (मेघालय) में 1.88 एकड़ भूमि	-	कृपया नीचे टिप्पणी देखें '	नहीं		

*लैतकोर (मेघालय) में स्थित 1.88 क्षेत्र की भूमि नीपको के स्वामित्व में है।

नोट संख्या 3: सीडब्ल्यूआईपी का विवरण

31 मार्च 2025 तक

विवरण	1 अप्रैल 2024 को खुला	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	अवधि के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2025 तक
जमीनी सड़कों, पुलों, पुलियों और हेलीपैडों का विकास	-	3,750.00	-	-	**3,750.00**
मुख्य पादप इमारतें अन्य इमारतें	472.00	1,257.77	(1.36)	(867.44)	**860.97**
सीडब्ल्यूआईपी–पट्टाहोल्ड इमारतें	14.18	227.01	-	(227.01)	**14.18**
अस्थायी इरेक्शन	391.70	1,565.18	-	(1,250.80)	**706.08**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	-	-	-	-	**-**
रेलवे साइडिंग	-	-	-	-	**-**
बांध, डाइक, जलाशय और अन्य हाइड्रोलिक कार्य	11.21	119.16	(30.24)	(54.26)	**45.87**
संयंत्र और मशीनरी	-	-	-	-	**-**
फर्नीचर और फिक्स्चर	4,767.28	8,692.41	-	(2,754.15)	**10,705.54**
कार्यालय के अन्य उपकरण	25,409.91	9,708.79	(0.14)	(26,293.66)	**8,824.90**
ईडीपी डब्ल्यूपी सैटकॉम	-	-	-	-	**-**
निर्माण उपकरण विद्युत प्रतिष्ठान	-	-	-	-	**-**
संचार उपकरण	-	-	-	-	**-**
पूंजीगत व्यय कंपनी के स्वामित्व में नहीं है अन्य उपकरण	-	-	-	-	**-**
पाइलिंग एंड फाउंडेशन अन्य सिविल कार्य	-	854.39	-	(172.16)	**682.23**
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	-	-	-	-	**-**
सर्वेक्षण और जांच	-	-	-	-	**-**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	8.74	249.28	-	(17.41)	**240.61**
पाइलिंग और फाउंडेशन	-	-	-	-	**-**
अन्य सिविल कार्य	249.57	1,260.61	-	(1,494.40)	**15.78**
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	-	-	-	-	**-**
सर्वेक्षण एवं जांच	1,442.63	-	-	-	**1,442.63**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	32,568.76	15,208.38	-	(7,561.09)	**40,216.05**
	65,335.98	**42,892.98**	**(31.74)**	**(40,692.38)**	**67,504.84**
सीडब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान [संदर्भ नोट 3 (v)]	1,024.45	-	26.57	-	**1,051.02**
निर्माण की भण्डार	2,170.96	136.83	(1,625.07)	-	**682.72**
कुल	**66,482.49**	**43,029.81**	**(1,683.38)**	**(40,692.38)**	**67,136.54**

31 मार्च 2024 तक

विवरण	1 अप्रैल 2023 को खोला जा रहा है	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	अवधि के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2024 तक
जमीनी सड़कों, पुलों, पुलियों और हेलीपैडों का विकास	-				-
मुख्य पादप इमारतें अन्य इमारतें	0.99	933.05	13.44	(475.48)	**472.00**
सीडब्ल्यूआईपी–पट्टाहोल्ड इमारतें	393.65	96.42	(88.13)	(387.76)	**14.18**
अस्थायी इरेक्शन	424.69	1,247.32	47.07	(1,327.38)	**391.70**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	-	-	-	-	-
रेलवे साइडिंग	-	-	-	-	-
बांध, डाइक, जलाशय और अन्य हाइड्रोलिक कार्य	185.97	35.27	(92.80)	(117.23)	**11.21**
संयंत्र और मशीनरी	-	-	-	-	-
फर्नीचर और फिक्स्चर	36,344.97	13,903.51	1,603.39	(47,084.59)	**4,767.28**
कार्यालय के अन्य उपकरण	45,306.06	26,064.38	(2,708.59)	(43,251.94)	**25,409.91**
ईडीपी डब्ल्यूपी सैटकॉम	-	-	-	-	-
निर्माण उपकरण विद्युत प्रतिष्ठान	-	726.77	-	(726.77)	-
संचार उपकरण	-	-	-	-	-
पूंजीगत व्यय कंपनी के स्वामित्व में नहीं है अन्य उपकरण	-	-	33.76	(33.76)	-
पाइलिंग एंड फाउंडेशन अन्य सिविल कार्य	77.53	421.77	(38.74)	(460.56)	-
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	-	-	-	-	-
सर्वेक्षण और जांच	-	-	-	-	-
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	-	-	34.96	(26.22)	**8.74**
पाइलिंग और फाउंडेशन	-	-	-	-	-
अन्य सिविल कार्य	79.23	364.36	(79.22)	(114.80)	**249.57**
पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	-	-	-	-	-
सर्वेक्षण एवं जांच	1,828.78	-	(386.15)	-	**1,442.63**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	27,432.11	26,678.58	(599.96)	(20,941.97)	**32,568.76**
	112,073.98	**70,471.43**	**(2,260.97)**	**(114,948.46)**	**65,335.98**
सीडब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान [संदर्भ नोट 3 (v)]	1,709.50	-	(685.05)	-	**1,024.45**
निर्माण की दुकानें	3,829.96	826.14	(1,754.73)	(730.41)	**2,170.96**
कुल	**114,194.44**	**71,297.57**	**(3,330.65)**	**(115,678.87)**	**66,482.49**

3 (i) सीडब्ल्यूआईपी अवधि अनुसूची

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2025 तक				
	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	20,746.47	9,090.56	36,402.72	860.16	**67,099.91**
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

3 (ii) सीडब्ल्यूआईपी अवधि अनुसूची

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2024 तक				
	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	50,788.68	13,030.46	739.33	1,924.02	**66,482.49**
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3 (iii) सीडब्ल्यूआईपी समापन अनुसूची–जिसका पूरा होना अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2025 तक			
	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियां:*				
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3 (iv) सीडब्ल्यूआईपी समापन अनुसूची–जिसका पूरा होना अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2024 तक			
	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियां:*				
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* वाणिज्यिक संचालन में बिजली संयंत्रों के लिए पूंजीगत कार्यों के तहत परिसंपत्तियां प्रगति पर हैं

3 (v) बट्टेबाजी का प्रावधान

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
भवन (मुख्यालय)	0.27	0.27
भवन (तुईरियल एचईपी)		
जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी (तुईरियल एचईपी)	-	-
पर्यावरण और पारिस्थितिकी (टिपाईमुख एचईपी)		
सर्वेक्षण और जांच	-	-
तिपाईमुख एचईपी	-	-
सियांग एचईपी		
सलीम एचईपी	-	-
तुइवाई एचईपी	246.45	246.45
गारो हिल्स तापीय परियोजना	-	-
मार्गेरिटा एचईपी	-	-
रोखिया और बारामुरा जीटी पावर प्लांट	-	-
गुमती एचईपी	-	-
डब्ल्यूके हिल्स एचईपी		
लेह और कारगिल एचईपी	-	-
केएचईपी		
किलिंग एचईपी	44.95	44.95
बंदू एचईपी	43.90	17.33
रंगित एचईपी	-	-
सौर ऊर्जा		
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	-	-
तिपाईमुख एचईपी		
बिचोम बेसिन	253.53	253.53
किलिंग एचईपी		
सियांग एचईपी	461.92	461.92
कुल	**1,051.02**	**1,024.45**

नोटः

लेह और कारगिल एचईपी प्रावधान ईआरपी/एसएपी में मुख्यालय लाभ केंद्र 1400081000 में शेष राशि शामिल है।

नोट संख्या 4: अमूर्त संपत्ति

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
राशि वहन करना:		
सॉफ्टवेयर	425.68	528.88
उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	7,296.09	7,504.43
कुल	**7,721.77**	**8,033.31**

31 मार्च 2025 तक

(₹ लाख में)

विवरण	सॉफ्टवेयर	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	कुल
1 अप्रैल, 2024 को सकल ब्लॉक	2,499.87	8,386.87	10,886.74
जोड़	402.26	-	402.26
अवधि के लिए समायोजन	-	-	-
31 मार्च, 2025 को सकल ब्लॉक	**2,902.13**	**8,386.87**	**11,289.00**
1 अप्रैल, 2024 को संचित हानि			
अवधि के लिए शुल्क			
31 मार्च, 2024 को संचित हानि			
1 अप्रैल, 2024 को संचित परिशोधन	1,970.99	882.44	2,853.43
अवधि के लिए शुल्क	505.46	208.34	713.80
अवधि के लिए समायोजन	-	-	-
31 मार्च, 2025 को संचित परिशोधन	**2,476.45**	**1,090.78**	**3,567.23**
31 मार्च, 2025 तक कुल संचयी परिशोधन और हानि	**2,476.45**	**1,090.78**	**3,567.23**
31 मार्च, 2025 को नेट ब्लॉक	**425.68**	**7,296.09**	**7,721.77**

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

विवरण	सॉफ्टवेयर	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	कुल
1 अप्रैल, 2023 को सकल ब्लॉक	2,418.60	8,386.87	10,805.47
जोड़	86.13	-	86.13
अवधि के लिए समायोजन	(4.86)	-	(4.86)
31 मार्च, 2024 को सकल ब्लॉक	**2,499.87**	**8,386.87**	**10,886.74**
1 अप्रैल, 2023 को संचित हानि			
अवधि के लिए शुल्क			
31 मार्च, 2024 को संचित हानि			
1 अप्रैल, 2023 को संचित परिशोधन	1,466.73	674.10	2,140.83
अवधि के लिए शुल्क	509.12	208.34	717.46
अवधि के लिए समायोजन	(4.86)	-	(4.86)
31 मार्च, 2024 को संचित परिशोधन	**1,970.99**	**882.44**	**2,853.43**
31 मार्च, 2024 तक कुल संचयी परिशोधन और हानि	**1,970.99**	**882.44**	**2,853.43**
31 मार्च, 2024 को नेट ब्लॉक	**528.88**	**7,504.43**	**8,033.31**

4 (i) परियोजनाओं (कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, पारे हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट और तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट) की स्थापना के लिए कब्जे/उपयोग (5967.24 हेक्टेयर) में वन भूमि के लिए भुगतान किए गए मुआवजे को "उपयोग का अधिकार" माना जाता है।

4 (ii) वार्षिक रूप से देय सॉफ्टवेयर प्रणाली के रखरखाव पर होने वाला खर्च राजस्व से लिया जाता है।

4 (iii) कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई पट्टा भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन के बारे में प्रकटीकरण इस नोट के अनुलग्नक–I के रूप में प्रदान किया गया है।

नोट करने के लिए अनुलग्नक–I 4 (iii) पट्टा भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन/31 मार्च 2025 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई भूमि का उपयोग करने का अधिकार।

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)
संपत्ति की वस्तु का विवरण	5380 हेक्टेयर	552.24 हेक्टेयर	552.24 हेक्टेयर
सकल वहन मूल्य (लाख ₹ में)	1933.25	5, 389.40	5, 389.40
के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	सरकार मिजोरम का	अरुणाचल प्रदेश सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार
चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक, निदेशक या प्रवर्तक/निदेशक का रिश्तेदार हो या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी हो	नहीं	नहीं	नहीं
किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	16.03.2000	मई 2005	मई 2005
कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण	वन भूमि	वन भूमि	वन भूमि

अनुलग्नक–I से नोट 4 (iii) पट्टाधारक भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन/31 मार्च 2024 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई भूमि का उपयोग करने का अधिकार

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)
संपत्ति की वस्तु का विवरण	5380 हेक्टेयर	552.24 हेक्टेयर	35.17 हेक्टेयर
सकल वहन मूल्य (लाख ₹ में)	1933.25	5, 389.40	1, 064.23
के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	मिजोरम सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार
चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक, निदेशक या प्रवर्तक/निदेशक का रिश्तेदार हो या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी हो	नहीं।	नहीं।	नहीं।
किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	16.03.2000	मई 2005	नवंबर 2009
कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई

नोट संख्या 4ए: विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2024 तक	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रसंस्करण शुल्क सहित अग्रिम प्रीमियम	10,096.00	-		-	10,096.00	10,096.00
सॉफ्टवेयर	28.32	309.72	-	338.04	-	28.32
	10,124.32	**309.72**	**-**	**338.04**	**10,096.00**	**10,124.32**
कम: छूट का प्रावधान	10,000.00				10,000.00	10,000.00
कुल	**124.32**	**309.72**	**-**	**338.04**	**96.00**	**124.32**

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2023 तक	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक
प्रसंस्करण शुल्क सहित अग्रिम प्रीमियम	10,096.00	-		-	10,096.00	10,096.00
सॉफ्टवेयर		71.15	-	42.83	28.32	-
कम: छूट का प्रावधान	**10,096.00**	**71.15**	**-**	**42.83**	**10,124.32**	**10,096.00**
	10,000.00				10,000.00	10,000.00
कुल	**96.00**	**71.15**	**-**	**42.83**	**124.32**	**96.00**

क. विकास वृद्धावस्था अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ in lakhs)

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2025 तक				
	की अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	-	-	96.00	-	96.00
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

ख. विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां–

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2024 तक				
	एक अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियाँ *	28.32	96.00	-	-	124.32
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

ग. विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां–जिनका पूरा होना अतिदेय है या अपनी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2025 तक			
	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

घ. विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां–जिनका पूरा होना अतिदेय है या अपनी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2024 तक			
	में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियाँ	28.32	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* एसएपीईआरपी नीपको में कार्यान्वयन के अधीन था।

नोट संख्या 5: सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश

(लाख में ₹)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक		31 मार्च, 2024 तक	
	मात्रा	राशि	मात्रा	राशि
उद्धृत निवेश	उद्धृत निवेश			
कुल एग्रीगेट कोटेड निवेश (क)				
बिना उद्धृत निवेश (सभी पूरी तरह से भुगतान किए गक)				
इक्विटी साधनों में निवेश				
– संयुक्त उद्यम–संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं				
– केएसके डिबिन हाइड्रो पावर (इक्विटी शेयर पूरी तरह से चुकाया गया)	27930000	2,793.00	27930000	2793.00
कुल प्रश्नहीन निवेश (ख)	**27930000**	**2,793.00**	**27930000**	**2,793.00**
अन्य निवेश				
कुल अन्य निवेश (ग)	-	-	-	-
कुल निवेश (क)+(ख)+(ग)	**27930000**	**2,793.00**	**27930000**	**2,793.00**
कम: निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि		2,793.00		2,793.00
– संयुक्त उद्यम–संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं				
कुल प्रभाव मूल्य (घ)				
कुल निवेश वहन मूल्य (क)+(ख)+(ग)–(घ)	**27930000**	**-**	**27930000**	**-**

संयुक्त उद्यमों में निवेश

(i) उद्धृत न किए गए निवेशों की वहन राशि और बाजार मूल्य इस प्रकार है:

(लाख में ₹)

कंपनियों के नाम	स्वामित्व ब्याज का अनुपात	
	31.03.2025	31.03.2024
केएसके डिबिन हाइड्रो पावर	30%	30%

खास तौर पर	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
(क) उद्धृत नहीं		
बिना उद्धृत निवेशों की कुल वहन राशि	-	-
कुल वहन राशि	**-**	**-**

5 (i) उद्धृत निवेशों की लागत उचित मूल्य का अनुमान लगाती है क्योंकि उचित मूल्य माप की एक विस्तृत श्रृंखला है और लागत उस सीमा के भीतर उचित मूल्य के अनुमान का प्रतिनिधित्व करती है।

5 (ii) केएसके डिबिन हाइड्रो पावर में निवेश:–अरुणाचल प्रदेश में जलविद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए केएसके एनर्जी वेंचर्स और नीपको लिमिटेड के बीच संयुक्त उद्यम।

नीपको मेसर्स केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दायरे और अवसरों की खोज करने की प्रक्रिया में है। संयुक्त उद्यम कंपनी, जिसमें किए गए निवेश के लिए निगम (नीपको) के हितों की रक्षा के लिए कानूनी विशेषज्ञ की भागीदारी शामिल है। हालांकि, कंपनी की अंतर–प्रतिलिपि समिति द्वारा देखे गए अनुसार परियोजना के वर्तमान रूप में वाणिज्यिक गैर–व्यवहार्यता पर विचार करते हुए, उक्त निवेश के लिए समतुल्य राशि का प्रावधान किया गया है।

नोट संख्या 6: ऋण

(लाख में ₹)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
कर्मचारियों को ऋण और अग्रिम		
– सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
– असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	31.35	40.02
– जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-
– कर्ज में कमी		
कम: खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	-	-
कुल	**31.35**	**40.02**

6 (i) कर्मचारियों को दिए जाने वाले ऋण और अग्रिमों में ब्याज वाले कंप्यूटर अग्रिम शामिल हैं। कर्मचारियों से 60 समान किश्तों में कंप्यूटर अग्रिम की वसूली की जाती है।

6 (ii) 31.03.2025 (पिछले वर्ष शून्य) को कंपनी के निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों से कोई बकाया ऋण नहीं है।

6 (iii) उपरोक्त ऋण और अग्रिम निगम के मानदंडों के अनुसार वसूली योग्य आधार पर दिए गए हैं।

नोट संख्या 7: आस्थगित कर शेष

(लाख में ₹)

विवरण	31 मार्च 2025 तकं	31 मार्च 2024 तक
आस्थगित कर देयता		
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	182,002.44	169,320.94
कम: आस्थगित कर परिसंपत्ति		
अवशोषित अवमूल्यन **[संदर्भ नोट 7 (i)]**	24,388.01	34,141.68
प्रावधान	10,703.50	10,143.16
वैधानिक देय राशि	183.17	126.31
नकदीकरण छोड़े	5,868.62	5,825.31
एमएटीक्रेडिट पात्रता **[संदर्भ नोट 7 (ii)]**	34,464.15	24,525.30
अन्य **[नोट 7 (iii) का संदर्भ लें]**	154.17	1,118.96
निवल आस्थगित कर (परिसंपत्ति)/देयता	**106,240.82**	**93,440.22**

31.03.2025 को आस्थगित कर

(₹ लाख में)

आस्थगित कर सुलह	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक	पीएल में प्रभाव
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर देयता	(182,002.44)	(169,320.94)	12,681.50
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर परिसंपत्ति	75,761.62	75,880.72	119.10
निवल आस्थगित कर देयता	(106,240.82)	(93,440.22)	12,800.60
इंड एएस के अनुसार निवल (देयता)/परिसंपत्ति	(106,240.82)	(93,440.22)	12,800.60
पीएल में प्रभाव			**12,800.60**

31.03.2024 को आस्थगित कर **(₹ लाख में)**

आस्थगित कर सुलह	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक	पीएल में प्रभाव
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर देयता	(169,320.94)	(151,326.48)	17,994.46
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर परिसंपत्ति	75,880.72	52,538.53	(23,342.19)
निवल आस्थगित कर देयता	(93,440.22)	(98,787.95)	(5,347.73)
इंड एएस के अनुसार निवल (देयता)/ परिसंपत्ति	(93,440.22)	(98,787.95)	(5,347.73)
पीएल में प्रभाव			**(5,347.73)**

7 (i) नीपको बिजली उत्पादन और बिक्री के व्यवसाय में है। कंपनी के विभिन्न बिजली संयंत्रों द्वारा उत्पन्न बिजली को दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों के तहत विभिन्न लाभार्थियों को बेचा जाता है। उत्पादन स्टेशनों के लिए शुल्क केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर "लागत प्लस आधार" पर जारी किए गए सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुपालन में निर्धारित किए जाते हैं। नीपको के लाभार्थियों पर बिलिंग के लिए सीईआरसी द्वारा निर्धारित टैरिफ के साथ–साथ भारत में प्रचलित बिजली बाजार और उत्पादन स्टेशनों के संयंत्र प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए, यह उम्मीद की जाती है कि भविष्य के वर्षों में कंपनी को पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

आईएंनडी एएस 12–आयकर के अनुपालन में, कंपनी ने "गैर–अवशोषित मूल्यह्रास" के संबंध में 31.03.2025 को समाप्त वर्ष तक 24,388.01 लाख रुपये की आस्थगित कर संपत्ति (डीटीक) को इस बात के ठोस साक्ष्य के साथ मान्यता दी है कि भविष्य में पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगी, जिसके अंतर्गत इस तरह के डीटीए की प्राप्ति की जा सकती है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 9,753.67 लाख रुपये की राशि के समायोजन पर, 31.03.2025 को "अनबसबेड मूल्यह्रास" के संबंध में डीटीए 24,388.01 लाख रुपये है। कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 143 (1) के तहत आदेश/सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें आयकर अधिकारियों ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और दाखिल किए गए आयकर रिटर्न के बीच विसंगति के कारण एक अतिरिक्त किया है, जिसके परिणामस्वरूप 7046 लाख रुपये (2462.15 लाख रुपये का डीटीक) की राशि में कमी आई है। आकलन वर्ष 2021–22 और आकलन वर्ष 2023–24 के लिए क्रमशः 2328 लाख (813.50 लाख रुपये का डीटीक)। हालांकि, कंपनी की मजबूत राय है कि परिवर्धन केवल तकनीकी त्रुटियों के कारण किए गए थे और एक अनुकूल आदेश नियत समय में पारित किया जाएगा।

7 (ii) 31.03.2025 को कंपनी के लिए उपलब्ध एमएटी क्रेडिट की राशि 34,464.15 लाख (पिछले वर्ष 24525.30 लाख) है, जो धारा 115 जेएए के तहत टैक्स क्रेडिट की गणना के अनुसार राशि है।

7 (iii) नोट संख्या 7, में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वर्ण सिक्का प्रदान करने के प्रावधान पर बनाई गई आस्थगित कर परिसंपत्तियां शामिल हैं।

7 (iv) विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 48 का संदर्भ लें।

आस्थगित कर शेष में उतार–चढ़ाव

31 मार्च 2025 तक

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2024 तक	लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त	ओसीआई में मान्यता प्राप्त	अन्य	31 मार्च 2025 तक
आस्थगित कर देयता					
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	169,320.94	12,681.50			182,002.44
कम: आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	-				
अवशोषित मूल्यह्रास नहीं	34,141.68	(9,753.67)			24,388.01
प्रावधान	10,143.16	560.34			10,703.50
वैधानिक देय राशि	126.31	56.86			183.17
नकदीकरण छोड़ें	5,825.31	43.31			5,868.62
एमएटीऋण पात्रता	24,525.30	9,938.85			34,464.15
अन्य	1,118.96	(964.79)			154.17
शुद्ध कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ	**93,440.22**	**12,800.60**	**-**	**-**	**106,240.82**

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

खास बात	1 अप्रैल 2023 तक	लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त	ओसीआई में मान्यता प्राप्त	अन्य	31 मार्च 2024 तक
आस्थगित कर देयता					
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	151,326.48	17,994.46	-	-	169,320.94
कम: आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	-			-	
अवशोषित मूल्यह्रास नहीं	35,550.49	(1,408.81)	-	-	34,141.68
प्रावधान	10,278.85	(135.69)	-	-	10,143.16
वैधानिक देय राशि	-	126.31	-	-	126.31
नकदीकरण छोड़ें	5,728.29	97.02	-	-	5,825.31
एमएटीऋण पात्रता		24,525.30			24,525.30
अन्य	980.90	138.06			1,118.96
शुद्ध कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ	**98,787.95**	**(5,347.73)**	**-**	**-**	**93,440.22**

नोट संख्या 8: अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
पूंजी अग्रिम		
सुरक्षित:		
असुरक्षित:		
बैंक गारंटी द्वारा कवर किया गया **[संदर्भ नोट 8 (i)]**	12,278.17	12,278.17
अन्य **[नोट 8 (iii) का संदर्भ लें]**	47,433.25	27,479.59
संदिग्ध माना जाता है	255.22	255.22
कम: खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ते	255.22	255.22
कुल	**59,711.42**	**39,757.76**
अन्य:		
अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	826.57	913.90
कम: अग्रिमों पर अर्जित खराब और संदिग्ध ब्याज के लिए भत्ते	(826.57)	-
अग्रिम कर वापसी योग्य [संदर्भ नोट 8 (ii)]	2,858.30	2,858.30
कुल	**62,569.72**	**43,529.96**

8 (i) पूंजी अग्रिमों में परियोजनाओं के संबंध में एस्क्रो खाते में जमा किए गए मोबिलाइजेशन एडवांस और मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ अग्रिम शामिल हैं।

8 (ii) आय वर्ष 2015–16, आय वर्ष 2016–17, आय वर्ष 2018–19 से संबंधित कर वापसी योग्य क्रमश: ₹ 439.85 लाख, ₹ 872.26 लाख और ₹ (1597.55) लाख हैं, जिनके लिए आयकर अधिकारियों के पास प्रभाव देने वाले अपील आदेश लंबित हैं। आकलन वर्ष 2020–21 के लिए रिफंडेबल टैक्स की राशि ₹ 2628.90 आयकर अधिकारियों के समक्ष अपील के लिए लंबित है। 'विवाद से विश्वास योजना' और अन्य के तहत आय वर्ष 2009–10, आय वर्ष 2011–12 से आय वर्ष 2014–15 और आय वर्ष 2021–22 से संबंधित कर वापसी की राशि 4.87 लाख रुपये, 3.13 लाख रुपये, 153.60 लाख रुपये और 19.07 लाख रुपये है। 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के दौरान क्रमश: ₹ 333.48 लाख और ₹ 0.69 लाख का आकलन किया गया।

8 (iii) अन्य में ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को भूमि और अन्य अग्रिमों के लिए अग्रिम शामिल हैं।

8 (iv) 31.03.2025 को निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों को अग्रिम राशि शून्य (पिछले वर्ष शून्य) है

नोट संख्या 9: इन्वेंट्री (लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में से जो भी कम हो)

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
परिवालन भंडार		
स्टोर और स्पेयर्स	12,361.04	10,737.61
उपभोग्य वस्तुएँ	1,188.98	815.67
अन्य	958.28	904.07
अप्रचलित/स्क्रैप	761.03	812.73
कुल	**15,269.33**	**13,270.08**
कम: कमी के लिए प्रावधान		
अप्रचलित/अनुपयोगी वस्तुओं के लिए प्रावधान	761.03	812.73
कुल इन्वेंट्री	**14,508.30**	**12,457.35**
ऊपर शामिल, माल–पारगमन		
स्टोर और स्पेयस	-	-
पारगमन में कुल माल	-	-

9 (i) सुरक्षित, कार्यशील पूंजी मांग ऋण ₹ 35052.32 लाख (पिछले वर्ष ₹ 22056.76 लाख) का भंडारों और कलपुर्जों के स्टॉक के परिकल्पना के विरुद्ध और कंपनी के बही ऋण से आहरण की सीमा तक आहरण किया गया था।

9 (ii) कंपनी नियामक वातावरण में काम कर रही है और सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार, ईंधन और अन्य इन्वेंट्री वस्तुओं की लागत मौजूदा टैरिफ विनियमों के अनुसार वसूल की जाती है। तदनुसार, इन्वेंट्री का वास्तविक मूल्य लागत से कम नहीं है। स्टोर और पुर्जों में मरम्मत और रखरखाव के लिए 847.33 लाख रुपये (पिछले वर्ष 904.06 लाख रुपये) की सहायता अनुदान के लिए स्टोर शामिल हैं।

9(iii) स्कार्प / ओबोसलेट स्टोर और इन्वेंट्री

संयंत्र / परियोजना / कार्यालय	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अगरतला जीबीपीएस	168.87	168.87
कोपिली एचपीएस	445.91	445.91
पीएलएचपीएस	82.74	82.74
तुईरियल एचपीएस	63.51	115.21
कुल	**761.03**	**812.73**
कम: प्रावधान	761.03	812.73

नोट संख्या 10: व्यापार प्राप्य।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
व्यापार प्राप्तियों को अच्छा माना जाता है–सुरक्षित		
व्यापार प्राप्तियां अच्छी मानी जाती हैं–असुरक्षित	57,280.59	83,664.74
व्यापार प्राप्तियां जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		
संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता		
व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित		
कुल	**57,280.59**	**83,664.74**

10 (i) व्यापार प्राप्य, बेचे गए माल या व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में देय राशि है।

10 (ii) जहाँ कोई नियत दिनांक पर विशेष रूप से सहमति नहीं है, कंपनी द्वारा दी गई सामान्य क्रेडिट अवधि सीईआरसी विनियमों / मार्गदर्शन के अनुपालन में है।

10 (iii) जहाँ प्राप्य व्यापार का प्रावधान किया गया है, वहाँ ऐसा प्रावधान विवेक द्वारा निर्धारित किया जा सकता है, लेकिन कोई भी अभी भी बैलेंस शीट की दिनांक से 12 महीने के भीतर राशि प्राप्त करने की उम्मीद कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में, उक्त प्राप्य व्यापार को वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, जहाँ अगले बारह महीने की अवधि के भीतर राशि प्राप्त करने की कोई उम्मीद नहीं है, वहाँ उसे गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करने की आवश्यकता है, इसके लिए किए गए प्रावधान के साथ, यदि कोई हो।

10 (iv) संबंधित पक्षों से प्राप्त होने वाली राशि ₹ 4098.53 लाख है।

अवधि अनुसार व्यापार प्राप्य

31 मार्च 2025 तक

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक							
	बिल रहित	देय नहीं (अर्थात 45 दिनों तक)	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					
			> 45 दिन से 6 महीने से कम	6 महीने से 01 वर्ष	01 वर्ष से 02 वर्ष	02 वर्ष से 03 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
ए	**बी**	**सी**	**डी**	**इ**	**एफ**	**जी**	**एच**	**आई= बी से एच**
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	20,957.05	11,510.98	4,396.10	7,274.46	(0.17)	2,773.73	-	46,912.15
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
(घ) व्यापार प्राप्य वस्तुएं							10,368.44	10,368.44
(इ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
कुल	**20,957.05**	**11,510.98**	**4,396.10**	**7,274.46**	**(0.17)**	**2,773.73**	**10,368.44**	**57,280.59**

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2024 तक							
	बिना बिल वाला	देय नहीं (अर्थात., 45 दिनों तक)	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					
			> 45 दिन से 6 महीने से कम	6 महीने से 01 वर्ष	01 वर्ष से 02 वर्ष	02 वर्ष से 03 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
ए	**बी**	**सी**	**डी**	**इ**	**एफ**	**जी**	**एच**	**आई= बी से एच**
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	41,639.19	20,052.17	6,966.97	(106.39)	(106.41)			**68,445.53**
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुएं				2,189.74	2,660.28		10,369.19	**15,219.21**
(इ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
कुल	**41,639.19**	**20,052.17**	**6,966.97**	**2,083.35**	**2,553.87**	**-**	**10,369.19**	**83,664.74**

10 (v) प्राप्त करने योग्य विवादित व्यापार पर टिप्पणियाँ:

(क) विवादित व्यापार प्राप्यों में शामिल हैं (i) रु प्रभावी कर दर के आधार पर प्रतिपूर्ति के दावे के विरुद्ध 431.94 लाख रु. वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर परिवर्तन (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के दावे के लिए 1399.45 लाख (ii) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर परिवर्तन (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के लिए 1399.45 लाख रु (iii) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर भिन्नता (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के लिए दावे के खिलाफ 1399.45 लाख रु (iv) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर भिन्नता (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के लिए दावे के खिलाफ 1399.45 लाख रु (v) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर भिन्नता (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के लिए दावे के खिलाफ 1399.45 लाख रुपये। 2017–18 और 2018–19 के लिए सीईआरसी द्वारा टीजीबीपीएस के टैरिफ के निर्धारण से उत्पन्न बकाया बिलों के खिलाफ 5799.78 लाख रु एसटीजी इकाई के सीओडी से पहले 2015–16 और 2016–17 के दौरान जीटीजी इकाई के बिलों के खिलाफ 2737.27 लाख रुपये (vi) सीईआरसी द्वारा 1 अप्रैल 2019 से 31 जुलाई 2022 के लिए टीजीबीपीएस के वार्षिक निश्चित शुल्क आदेश के संशोधन के निर्धारण से उत्पन्न बकाया बिलों के खिलाफ 2663.72 लाख रु और (vii) 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर परिवर्तन (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के दावे के खिलाफ 2189.74 लाख रुपये।

(ख) टीएसईसीएल ने एपीटीईएल के समक्ष 10368.44 लाख रुपये के उपर्युक्त बिलों के खिलाफ अपील की है। याचिका को एपीटीईएल द्वारा लिया गया है और सुनवाई के लिए 'अंतिम सूची' में शामिल किया गया है। कानूनी विशेषज्ञों द्वारा यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त कानूनी/नियामक आधार हैं कि टीएसईसीएल की याचिका को खारिज कर दिया जाएगा और एपीटीईएल द्वारा नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा।

(ग) नीपको ने विद्युत मंत्रालय (भारत सरकार) को मंजूरी दे दी है। टीपीए के आह्वान के लिए, और नीपको के अनुरोध के आधार पर, भारत सरकार ने भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौते के भुगतान सुरक्षा खंड के आह्वान के संबंध में त्रिपुरा सरकार को नोटिस दिया है। जो भारत सरकार को टी. एस. ईसीएल द्वारा नीपको को देय देय राशि को समाप्त करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ रखे गए राज्य के खाते से धन निकालने में सक्षम बनाता है, जिसमें बकाया राशि पर विलंबित भुगतान अधिभार भी शामिल है। हालांकि, 01 अप्रैल 2022 के आदेश के अनुसार, माननीय एपीटीईएल ने नीपको को निर्देश दिया है कि वह अपील के लंबित रहने के दौरान बकाया के भुगतान के लिए टीएसईसीएल के खिलाफ कोई त्वरित कार्रवाई न करे और जिसके लिए टीपीए आह्वान की प्रक्रिया को मामले पर निर्णय तक स्थगित कर दिया गया है।

(घ) टीएसईसीएल ने 10368.44 लाख रुपये के बिलों के संबंध में उपर्युक्त विवाद के अदालत के बाहर निपटान की पेशकश की है, जिसे नीपको द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है क्योंकि प्रस्ताव में विवादित राशि को 50–50 के आधार पर साझा करना शामिल है।

(ङ) इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण में टीईएससीएल द्वारा दायर विवाद के तहत दावा रु 5547.46 लाख (रु 3357.72 लाख और रु 2189.74 लाख) एपीटीईएल ने अपने एपीएल नं. 2024 का 39 और झ. क. नं. दिनांक 29.01.2024 को 2023 के 1809 ने नीपको को निर्देश दिया था कि वह अपील के लंबित रहने के दौरान अपीलार्थी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई न करे, इस शर्त पर कि टीएसईसीएल 1 फरवरी 2024 से शुरू होने वाली आठ मासिक किश्तों में टैरिफ ब्लॉक 2019–24 के लिए नीपको को बकाया का 50% भुगतान करता है। 31.03.2025 को समाप्त अवधि के लिए टीएसईसीएल ने रु। नीपको को 2773.73 लाख रुपये और टीएसईसीएल द्वारा भुगतान की गई आठ मासिक किश्तों के समायोजन के बाद विवाद के तहत वर्तमान दावा रु। 2773.73 लाख। इसके अलावा, बकाया के शेष 50% की भी बाद में जांच की जाएगी जब अपील की अंतिम सुनवाई होगी।

(च) 4 नवंबर, 2024 को: अपीलार्थी द्वारा बार–बार गैर–उपस्थिति के कारण अपील को माननीय एपीटीईएल द्वारा खारिज कर दिया गया था। 4 नवंबर, 2024 को फिर से मामला सूचीबद्ध किया गया, हालांकि, अपीलार्थी की ओर से कोई उपस्थिति नहीं थी। यह देखते हुए कि यह तीसरी बार है जब अपीलार्थी का प्रतिनिधित्व 12 नवंबर, 2024 को व्यक्तिगत रूप से या किसी अधिवक्ता के माध्यम से नहीं किया गया था, अपील को गैर–अभियोजन के लिए खारिज कर दिया गया था। हालाँकि, अपीलार्थी 19 नवंबर 2024 को अपील की बहाली के लिए फिर से एपीटीईएल के पास गया। एपीटीईएल ने अपीलार्थी की याचिका स्वीकार कर ली और मामले को बहाल कर दिया।

(छ) यह मामला 18 दिसंबर 2024,11 फरवरी, 21 मार्च 2025 को सूचीबद्ध किया गया था। दिनांक 25 मार्च 2025 के आदेश में माननीय एपीटीईएल ने उल्लेख किया कि ष्अपीलार्थी के लिए विद्वान वकील के अनुरोध पर, मामले को आगे की सुनवाई के लिए 07.04.2025 को पोस्ट करें। यह स्पष्ट किया जाता है कि उस दिन आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। लिखित प्रस्तुति, यदि कोई हो, सुनवाई की अगली दिनांक से पहले दूसरे पक्ष को अग्रिम प्रति के साथ दाखिल की जाएगी। मामला 07/04/2025 को सूचीबद्ध किया गया था, हालांकि अंत में इसे तकनीकी आधार के लिए 15/05/2025 पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

(ज) उपरोक्त पर विचार करते हुए, 10368.44 लाख रुपये की राशि के विवादित व्यापार को अच्छा माना गया है और बही में कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कोई महत्वपूर्ण ऋण जोखिम नहीं है। इसके अलावा, हम उम्मीद करते हैं कि मामले की सुनवाई और निपटान चालू कैलेंडर वर्ष में किया जाएगा और उपरोक्त राशि की प्राप्ति बैलेंस शीट की दिनांक से 12 महीने की अवधि के भीतर होने की उम्मीद है।

10 (vi) गैर–बिल राजस्व के कारण गैर–बिल राजस्व–देनदारों पर टिप्पणियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
ऊर्जा की बिक्री (सामान्य)	16,738.37	17,709.74
ऊर्जा की बिक्री (उत्पादन की कमी)	-	19,245.69
ऊर्जा की बिक्री (व्यापार)	4,098.53	4,527.68
ऊर्जा की बिक्री (खुला चक्र)	-	34.50
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	57.07	59.01
विलंबित भुगतान अधिभार	42.42	62.57
अन्य बकाया बिलिंग	20.66	-
कुल	**20,957.05**	**41,639.19**

व्यापार प्राप्तियों में परिवर्तन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रारंभिक जमा	83,664.74	94,429.78
जोड़: शुद्ध राजस्व वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त लेकिन साकार नहीं किया गया	(26,384.15)	(10,765.04)
जमा शेष	57,280.59	83,664.74

व्यापार प्राप्तियों का आगे इस प्रकार विश्लेषण किया जाता है:

(₹ लाख में)

31 मार्च 2025 तक	सकल ऋण जोखिम राशि	ऋण हानि के लिए भत्ता	निवल ऋण जोखिम राशि
अभी तक देय राशि नहीं	32,468.03	-	32,468.03
45 दिनों से अधिक से लेकर छह महीने तक	4,396.10	-	4,396.10
छह महीने से अधिक	20,416.46	-	20,416.46
कुल	**57,280.59**	**-**	**57,280.59**

(₹ लाख में)

31 मार्च 2024 तक	सकल ऋण जोखिम राशि	ऋण हानि के लिए भत्ता	निवल ऋण जोखिम राशि
अभी तक देय राशि नहीं	61,691.36	-	61,691.36
45 दिनों से अधिक से लेकर छह महीने तक	6,966.97	-	6,966.97
छह महीने से अधिक	15,006.41	-	15,006.41
कुल	**83,664.74**	**-**	**83,664.74**

कंपनी 31 मार्च, 2025 को ग्राहकों के संबंध में क्रेडिट जोखिम के लिए अपने अधिकतम जोखिम को 57,280.59 लाख रुपये (31 मार्च, 2024: 83,664.74 लाख रुपये) मानती है, जो क्रेडिट नुकसान के लिए भत्ते के बाद व्यापार प्राप्तियों का उचित मूल्य है। ग्राहकों के लिए कंपनी का एक्सपोजर विविध है और टीएसईसीएल (त्रिपुरा) और पी एंड ई मिजोरम को छोड़कर, कोई अन्य ग्राहक बकाया राशि के 10% से अधिक का योगदान नहीं करता है। 45 दिनों से अधिक) 31 मार्च, 2025 तक प्राप्य खाते।

व्यापार प्राप्तियों के संबंध में ऋण हानि के लिए भत्ते में परिवर्तनः

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अवधि की शुरुआत में संतुलन	-	-
अवधि के दौरान जोड़	-	-
अवधि के दौरान उपयोग किया गया	-	-
अवधि के अंत में संतुलन	-	-

संदिग्ध व्यापार प्राप्तियों के लिए भत्तों का निर्धारण करने में कंपनी ने एक प्रावधान मैट्रिक्स के आधार पर व्यापार प्राप्तियों के लिए अपेक्षित ऋण हानि भत्ते की गणना करके एक व्यावहारिक समीचीन का उपयोग किया है। प्रावधान मैट्रिक्स ऐतिहासिक ऋण हानि अनुभव को ध्यान में रखता है और भविष्य की जानकारी के लिए समायोजित किया जाता है। अपेक्षित ऋण हानि भत्ता देय प्राप्तियों की उम्र बढ़ने और प्रावधान मैट्रिक्स में उपयोग की जाने वाली दरों पर आधारित है।

नोट संख्या 11: नकद और नकद समकक्ष

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(क) बैंकों के पास शेष राशि	-	-
बैंकों में अप्रतिबंधित शेष	-	-
(i) चालू खाते में	125.41	239.49
(ii) जमा खाते में (मूल परिपक्वता अवधि 3 महीने से कम)		
(ख) पास में चेक, ड्राफ्ट		
(ग) हाथ में नकदी		
(क) अन्य **नोट 11 (i) का संदर्भ लें**	0.70	0.61
बैलेंस शीट के अनुसार नकद और नकदी समकक्ष	126.11	240.10
नकद और बैंक शेष के संबंध में प्रकटीकरण		
(क) बैंकों के पास निर्धारित शेष राशि		
बैंकों के पास निर्धारित शेष राशि		
(i) चालू खाते में		
(ii) जमा खाते में		
कुल	**126.11**	**240.10**

11 (i) अन्य में डाक और राजस्व टिकट शामिल हैं।

नोट संख्या 12: नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रतिबंधित धन **[संदर्भ नोट 12 (i)]**	602.98	276.46
कुल	**602.98**	**276.46**

12 (i) प्रतिबंधित धन का विभाजन

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
भारत सरकार की सौभाग्य योजना	0.47	24.22
पीएम–कुसुम (एमएनआरई–भारत सरकार)	1.19	1.19
रूफ–टॉप सोलर स्कीम	3.10	3.10
सीएसआर चालू परियोजनाएं/सीएसआर खर्च नहीं	598.22	247.95
कुल	**602.98**	**276.46**

12 (ii) नकद और नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य योजना) पीएम–कुसुम और रूफ–टॉप सोलर योजना और सीएसआर अप्रयुक्त खर्च की शेष राशि से संबंधित सीमित धन शामिल है।

12 (iii) उपरोक्त नकद और बैंक शेष मुख्य रूप से भारतीय रुपये में रखे जाते हैं।

नोट संख्या 13: अन्य

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अन्य प्राप्य हैं		
सुरक्षित, अच्छा माना जाता है		
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है [नोट 13 (ii) का संदर्भ लें]	1,574.28	430.40
प्राप्य दावा (असुरक्षित)	35.19	35.19
कम–प्रावधान	(35.19)	(35.19)
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	99,340.21	34,685.51
कम: एलपीएस के खिलाफ प्रावधान	3,636.25	3,636.25
शुद्ध अनुबंध परिसंपत्तियाँ	95,703.96	31,049.26
एसटीडीआर पर उपार्जित ब्याज	-	-
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	945.69	1,131.94
कर्मचारियों के लिए खराब और संदिग्ध प्रगति	8.19	-
कम: प्रावधान–कर्मचारी अग्रिम/पुनर्प्राप्त करने योग्य	(8.19)	-
प्रतिभूति जमा	143.02	144.80
कुल	**98,366.95**	**32,756.40**

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
जमाओं और ऋणों पर अर्जित ब्याज	-	-
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
असुरक्षित, संदिग्ध माना जाता है	-	-
कम: ऋण हानि के लिए भत्ता	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	945.69	1,131.94
प्रतिभूति जमा	143.02	144.80

13 (i) शुद्ध अनुबंध परिसंपत्तियों में निम्नलिखित शामिल हैं –

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अंतिम राजस्व	93,841.95	29,459.47
प्रभावी कर दर	-	-
आस्थगित कर का कार्यान्वयन	1,862.01	1,589.79
कुल	**95,703.96**	**31,049.26**

13 (ii) अन्य प्राप्य–असुरक्षित अच्छे माने जाने वाले में निम्नलिखित शामिल हैं

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
पीएम कुसुम, डीडीयूजीजेवाई और सौभाग्य	25.30	91.81
पी. आर. एम. बी. ट्रस्ट से प्राप्त	393.72	174.72
एनटीपीसी से प्राप्त करने योग्य	15.73	5.54
टीडीएस के लिए प्राप्त करने योग्य एनवीवीएन	0.75	0.33
बीएसई से प्राप्त करने योग्य	-	3.03
एसबीआई से प्राप्त किया जा सकता है	-	0.35
एल.आई. सी से प्राप्त	0.65	0.65
ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता और अन्य से वसूली योग्य	1,138.13	153.97
कुल	**1,574.28**	**430.40**

13 (iii) कंपनी के निदेशकों का कोई बकाया ऋण नहीं है।

13 (iv) कर्मचारियों के लिए ऋण और अग्रिम में बहुउद्देशीय अग्रिम शामिल हैं। बहुउद्देशीय अग्रिम की वसूली 10 से 12 किश्तों में की जाती है।

13 (v) प्रतिभूति जमा में मुख्य रूप से बीएसएनएल लाइनों पर जमा, गैस कनेक्शन, केबल कनेक्शन आदि शामिल हैं जो सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के समर्पण पर वापस कर दिया जाएगा।

13 (vi) अनुबंध परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2025 तक

विवरण.	31 मार्च 2025 तक			
	0–1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष
क	**ख**	**ग**	**घ**	**ड**
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	66,244.48	12,009.57	8,689.05	8,760.86
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुएं				
(इ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
कुल	**66,244.48**	**12,009.57**	**8,689.05**	**8,760.86**

13 (vii) अनुबंध परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2024 तक

विवरण.	31 मार्च 2024 तक			
	0–1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष
क	**ख**	**ग**	**घ**	**ड**
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	13,599.35	8,689.05	7,083.48	1,677.38
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुएं				
(इ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
कुल	13,599.35	8,689.05	7,083.48	1,677.38

नोट संख्या 14: वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ / देयताएँ

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अग्रिम कर वापसी योग्य [संदर्भ नोट 14 (ii) देखें]	719.59	-
टीडीएस / टीसीएस सहित अग्रिम कर का भुगतान	10,744.45	11,071.50
कमः वर्तमान कर देयताएँ		
चालू वर्ष	11,296.17	10,252.95
पहले के वर्षों के लिए समायोजन	70.94	70.94
अन्य अनुमानित आय	(1,799.34)	(1,225.25)
नियामक स्थगन खाता शेष से संबंधित	3,453.90	(192.98)
चालू कर परिसंपत्ति / (देयताएँ) (शुद्ध)	**(1,557.63)**	**2,165.84**

14 (i) आयकर पर विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या–48 देखें।

14 (ii) वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आयकर की गणना के अनुसार वापसी योग्य 719.59 लाख रुपये है

नोट संख्या 15: अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रीपेड बीमा सहित प्रीपेड खर्च	2,266.78	2,068.99
आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को अग्रिम–असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	408.41	458.07
कमः संदिग्धों के लिए भत्ते	12.02	17.58
स्क्रैप / अप्रचलित संपत्ति **नोट 15 (v) का संदर्भ लें,**	13,096.22	13,245.48
कमः प्रावधान	13,096.22	13,245.48
शुद्ध	-	-
कुल	**2,663.17**	**2,509.48**
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियाँ संदर्भ [नोट 15 (iv) देखें]		-
अग्रिम कर वापसी योग्य	-	
कुल	**2,663.17**	**2,509.48**

15 (i) प्रीपेड खर्चों में प्रीपेड बीमा, लाइसेंस शुल्क (प्रदूषण नियंत्रण) और इंटरनेट के लिए बीएसएनएल पट्टालाइन के संबंध में अग्रिम भुगतान की गई राशि शामिल है, जिसका लाभ अभी तक रिपोर्टिंग तिथि पर समाप्त नहीं हुआ है। ₹20000 / – और उससे कम की वस्तुओं के पूर्व–भुगतान व्यय खातों के प्राकृतिक प्रमुख से लिए जाते हैं।

15 (ii) आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम बिलों से 12 महीने के भीतर वसूल किए जाने वाले अल्पावधि अग्रिम हैं। अग्रिम कार्य / आपूर्ति आदेश के तहत निर्धारित के अनुसार दिए जाते हैं।

15 (iii) 31.03.2025 को निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों को अग्रिम राशि शून्य है। (पिछला वर्ष शून्य)

15 (iv) निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों में निम्नलिखित वस्तुएं शामिल हैं –

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
संयंत्र और उपकरण	-	-
वाहन	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-
उपकरण और पौधे	-	-
विविध। उपकरण	-	-
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों का मूल्य	-	-
कमः प्रावधान	-	-
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के लिए एनआरवी	-	-

15 (v) स्क्रैप/अप्रचलित परिसंपत्तियां (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
असम जीबीपीएस	208.39	440.04
अगरतला जीबीपीएस	561.25	424.89
कोपिली एचपीएस	12,011.65	12,009.36
रंगानदी एचपीएस	86.53	86.53
त्रिपुरा जीबीपीएस	62.46	62.46
तुईरियल एचपीएस	7.50	70.95
शिलांग	12.17	12.17
गुवाहाटी	-	0.01
दोयांग एचपीएस	146.27	139.07
कुल	**13,096.22**	**13,245.48**
कम: प्रावधान	13,096.22	13,245.48

नोट संख्या 16: नियामक आस्थगित लेखा शेष

नोट–16.01: विनियामक आस्थगन खाता डेबिट–बैलेंस

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(i) अवमूल्यन–तुईरियल एचपीएस		
प्रारंभिक जमा	26,367.00	22,193.30
अवधि के दौरान जोड़	4,215.29	4,173.70
जमा शेष	**30,582.29**	**26,367.00**
(ii) आस्थगित कर देयताऐं के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन		
प्रारंभिक शेष	47,911.40	39,930.42
अवधि के दौरान जोड़	16,490.43	7,980.98
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन		-
संतुलन को बंद करना	**64,401.83**	**47,911.40**
(iii) आस्थगित कर वसूली योग्य		
प्रारंभिक शेष	35,581.70	37,171.49
अवधि के दौरान महसूस किया	(6,143.41)	(1,589.79)
अवधि के दौरान समायोजन	(1,804.96)	-
संतुलन को बंद करना	**27,633.33**	**35,581.70**
(iv) मध्यस्थता पुरस्कार के कारण तुईरियल एचपीएस के संबंध में आरडीए		
प्रारंभिक शेष	4,398.98	
अवधि के दौरान जोड़	6,886.43	4,398.98
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	
संतुलन को बंद करना	**11,285.41**	**4,398.98**
(v) आर्बिट्रल अवार्ड के कारण कोपिली एचपीएस के संबंध में आरडीए		
प्रारंभिक शेष	470.47	
अवधि के दौरान जोड़	330.01	470.47
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोज	-	
संतुलन को बंद करना	**800.48**	**470.47**

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(vi) मध्यस्थता पुरस्कार के कारण एजिजीबीपीएस के संबंध में आरडीए अवार्ड		
प्रारंभिक शेष	-	
अवधि के दौरान जोड़	574.31	
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	
संतुलन को बंद करना	**574.31**	**-**
विनियामक स्थगन खाता डेबिट बैलेंस	**135,277.65**	**114,729.55**

नोट संख्या 16.02 विनियामक आस्थगित लेखा ऋण शेष

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
लाभार्थियों को दिया जाएगा मैट क्रेडिट		
प्रारंभिक जमा	18,128.66	-
अवधि के दौरान जोड़	6,923.33	18,128.66
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	-
प्रतिलोम	-	-
जमा शेष	**25,051.99**	**18,128.66**

आस्थगित नियामक खाता शेष को लेखा नीति संख्या–4 के अनुरूप समायोजित किया गया है। विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या. 37 देखें।

नोट संख्या 17: इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
इक्विटी शेयर पूंजी	360,981.04	360,981.04
कुल	**360,981.04**	**360,981.04**

अधिकृत और जारी शेयर पूंजी

(₹ लाख में)

विवरण.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अधिकृत शेयर पूंजी	**500,000.00**	**500,000.00**
5,00,00,00,000 नंबर। प्रत्येक ₹ 10/– के इक्विटी शेयरों की (पिछले वर्ष 5,00,00,00,000 संख्या। ₹ 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयरों का) जारी की गई, अभिदत्त और पूर्णत: चुकता पूंजी में शामिल हैं:		
3,60,98,10,400। (पिछली अवधि 3,60,98,10,400 संख्या) ₹10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयरों का	360,981.04	360,981.04
कुल	**360,981.04**	**360,981.04**

17 (i) अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में उतार–चढ़ाव नीचे दिया गया है:

विवरण.	31 मार्च 2025 तक					
	01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि		2024–25 के दौरान बदलाव		31.03.2025 को बंद होने वाली शेष राशि	
	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में
प्रत्येक ₹10 के सामान्य शेयर						
वर्ष की शुरुआत में	3,609,810,400	360,981.04	-	-	3,609,810,400	360,981.04
वर्ष के दौरान आवंटित शेयर	-	-	-	-		
	3609810400	**360981.04**	**-**	**-**	**3609810400**	**360981.04**

विवरण.	31 मार्च 2024 तक					
	01.04.2023 को प्रारंभिक शेष राशि		2023–24 के दौरान बदलाव		31.03.2024 को बंद होने वाली शेष राशि	
	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में
प्रत्येक ₹10 के सामान्य शेयर						
वर्ष की शुरुआत में	3,609,810,400	360,981.04	-	-	3,609,810,400	360,981.04
वर्ष के दौरान आवंटित शेयर	-	-	-	-		
	3,609,810,400	**360,981.04**	**-**	**-**	**3,609,810,400**	**360,981.04**

17 (ii) प्रवर्तक/होल्डिंग कंपनी की शेयरधारिता का विवरण

विवरण.	31 मार्च 202 तक			31 मार्च 2024 तक		
प्रवर्तक/होल्डिंग कंपनी का नाम	नं. रखे गए शेयरों का (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 रुपये)	कुल शेयरों का%	वर्ष के दौरान% परिवर्तन	नं. रखे गए शेयरों का (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 रुपये)	कुल शेयरों का%	वर्ष के दौरान% परिवर्तन
एनटीपीसी लिमिटेड	3,609,810,400	100.00	-	3,609,810,400	100.00	-

17 (iii) निगम के पास शेयरों का केवल एक वर्ग है जिसे इक्विटी शेयरों के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिसका मूल्य ₹ 10/– है जो पूरी तरह से एनटीपीसी लिमिटेड के स्वामित्व में है। इक्विटी शेयरों के धारक समय–समय पर घोषित लाभांश प्राप्त करने के हकदार होते हैं और शेयरधारकों की बैठकों में अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में मतदान के अधिकार के हकदार होते हैं।

17 (iv) प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने नीपको में भारत सरकार की 100% हिस्सेदारी के स्टारेजिक विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

17 (iv) तदनुसार, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा नीपको लिमिटेड में भारत सरकार की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण 27 मार्च 2020 को खरीद समझौते को साझा करने के लिए शेयर हस्तांतरण के माध्यम से पूरा किया गया। भारत सरकार और एनटीपीसी लिमिटेड के बीच 25 मार्च 2020 एनटीपीसी लिमिटेड की 31 मार्च 2025 तक नीपको लिमिटेड में 100% स्वामित्व हिस्सेदारी है।

17 (v) तत्काल पूर्ववर्ती पांच वर्षों के दौरान, कंपनी ने न तो नकद भुगतान प्राप्त किए बिना अनुबंध करने के लिए किसी भी शेयर को आवंटित किया है, न ही बोनस शेयर के रूप में और न ही किसी भी शेयर को वापस खरीदा है।

नोट संख्या 18: अन्य इक्विटी

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
सामान्य रिजर्व	197,691.68	197,691.68
प्रतिधारित कमाई	93,819.34	63,062.49
बांड मोचन आरक्षित	65,054.17	65,054.17
कुल	**356,565.19**	**325,808.34**

18.1 जनरल रिजर्व

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की आरंभ में शेष राशि	197,691.68	197,691.68
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**197,691.68**	**197,691.68**

18.2 बनी हुई आय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की आरंभ में शेष राशि	63,062.49	34,856.91
कंपनी के प्रोपराइटर ों को मिलने वाला लाभ	58,468.51	54,812.21
आयकर के परिभाषित लाभ दायित्व के पुनर्भुगतान से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय	(2,711.66)	(1,606.63)
पिछले वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान	(5,000.00)	-
चालू वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश	(20,000.00)	(25,000.00)
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**93,819.34**	**63,062.49**

(i) पिछले वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम लाभांश। 10.08.2024 को आयोजित 288वीं बीओडी बैठक में ₹ 5000.00 लाख की राशि 2023–24 को मंजूरी दी गई थी और इसका भुगतान 09.10.2024 को किया गया है।

(ii) वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश 03.03.2025 को आयोजित 293वीं बोर्ड बैठक में 20000.00 लाख रुपये की राशि 2024–25 को मंजूरी दी गई थी और 28.03.2025 को इसका भुगतान कर दिया गया है।

प्रतिधारित आय कंपनी द्वारा आज तक अर्जित विनियोग का शुद्ध लाभ है।

18.3 बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की शुरुआत में शेष राशि	65,054.17	65,054.17
वर्ष/अवधि के दौरान संचलन	-	-
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**65,054.17**	**65,054.17**

भंडारों की प्रकृति इस प्रकार है:

(क) सामान्य आरक्षित:—पूर्ववर्ती कंपनी अधिनियम 1956 के तहत, लागू नियमों के अनुसार एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर शुद्ध लाभ के वार्षिक हस्तांतरण के माध्यम से एक सामान्य आरक्षित राशि का सृजन किया गया था। कंपनी अधिनियम 2013 की शुरूआत के परिणामस्वरूप, सामान्य आरक्षित निधि में अनिवार्य रूप से शुद्ध लाभ के एक निर्दिष्ट प्रतिशत को हस्तांतरित करने की आवश्यकता को वापस ले लिया गया है।

(ख) बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व:—कंपनी अधिनियम 2013 के लागू प्रावधानों के संदर्भ में, कंपनी (शेयर कैपिटल और डिबेंचर) नियम, 2014 के साथ पढ़ें, कंपनी को बॉन्ड/डिबेंचर रिडेम्पशन रिजर्व के संबंध में आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। बांड/डिबेंचर रिडेम्पशन रिजर्व की पर्याप्तता बकाया डिबेंचरों के मूल्य का दस प्रतिशत होना आवश्यक है। 31.03.2025 तक, कंपनी ने 31.03.2025 करोड़ रुपये का बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व बनाए रखा है। 65054.17 लाख, जो इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त है। इसलिए, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई और बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व नहीं बनाया है।

गैर–वर्तमान देयताएँ

वित्तीय देयताएँ

नोट संख्या. 19: दीर्घकालिक उधार

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
क. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड		
1. सुरक्षित उधार		
i. बाईसवां अंक	50,000.00	50,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	16.31	21.50
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,158.36	1,165.51
बॉन्ड–बाईसवां अंक (नेट)	51,142.05	51,144.01
8 वर्ष नीपको 7.55% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, रुपये-10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 10–12–2026,10–06–2027,10–12–2027 और 10–06–2028 को अंकित मूल्य के 25% पर प्रतिदेय कॉल विकल्प के साथ 10–06–2025,10–12–2025,10–06–2026,10–12–2026,10–06–2027,10–12–2027। भूमि से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति की पहचान एक न्यास विलेख के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभार के सृजन के लिए की गई है। प्रभार आईडी संख्या-100394348		
ii. इक्कीसवाँ अंक	-	15,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	-	12.97
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	21.37
बॉन्ड–इक्कीसवां अंक (नेट)	-	15,008.40
8 वर्ष नीपको 8.69% सुरक्षित, प्रतिदेय, नॉन–कन्वर्टिबल, टैक्सेबल बॉन्ड प्रत्येक ₹.10,00,000 के डिबेंटर्स की प्रकृति में, 26–09–2026 को अंकित मूल्य के 50% पर प्रतिदेय, 26–09–2027 को कॉल विकल्प के साथ 26–09–2024,26–03–2025,26–09–2025,26–03–2026,26–09–2026 और 26–03–2027। भूमि से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति पर नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टी के साथ एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में शुल्क लिया गया है।		
v अठारहवाँ अंक	50,000.00	50,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	4.26	9.96
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,441.32	1,447.87
बॉन्ड–अठारहवाँ अंक (नेट)	51,437.06	51,437.91
8 वर्ष नीपको 7.68% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 रुपये के कर योग्य बांड, 15–11–2025 और 15–11–2025 को अंकित मूल्य के 50% पर प्रतिदेय, 15–11–2022,15–05–2023,15–11–2023,15–05–2024,15–11–2024,15–05–2025 पर कॉल विकल्प के साथ।		
(पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ पारे जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)	90,000.00	90,000.00
vi. सोलहवाँ अंक	28.10	34.35
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	2,290.09	2,305.18
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	92,261.99	92,270.83
बॉन्ड–सोलहवाँ अंक (नेट)		

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
15 वर्ष नीपको 8.68% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000/– प्रत्येक के कर योग्य बांड, 30–09–2026य 30–09–2027य 30–09–2028' 30–09–2029 और 30–09–2030 को अंकित मूल्य के 20% पर प्रतिदेय। (मिजोरम में तुइरियाल जलविद्युत परियोजना, असम में कोपिली जलविद्युत परियोजना और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों से जुड़ी संपत्तियों को नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टी के साथ एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से गिरवी रखा गया है)		
vii- पंद्रहवाँ अंक	-	12,000.00
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं		21.00
बॉन्ड–पंद्रहवां (नेट)		12,021.00
10 वर्ष नीपको 9.15% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000/– प्रत्येक के कर योग्य बांड, 25–03–2021 को अंकित मूल्य के 20% पर प्रतिदेयय 25–03–2022 या 25–03–2023य 25–03–2024 और 25–03–2025। (त्रिपुरा में अगरतला गैस टर्बाइन परियोजना (मूल ओपन–साइकिल संयंत्र) की परिसंपत्तियां, असम गैस आधारित परियोजना, असम में गैस टर्बाइन और स्टीम टर्बाइन को छोड़कर परिसंपत्तियां, रंगानदी हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना, अरुणाचल प्रदेश में उत्पादन स्टेशन में संयंत्र और मशीनरी को छोड़कर परिसंपत्तियां और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)		
viii. चौदहवाँ मुद्दा	-	50,000.00
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	–	–
बॉन्ड–चौदहवां (नेट)	-	50,000.00
10 वर्ष नीपको 9.60% सुरक्षित, प्रतिदेय, नॉन–कन्वर्टिबल, टैक्सेबल बॉन्ड प्रत्येक ₹ 10,00,000, अंकित मूल्य के 20% पर 01–10–2020, 01–10–2021य 01–10–2022य 01–10–2023 और 01–10–2024 को प्रतिदेय। (कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की संपत्तियों के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भू–संपत्तियों को एक न्यास विलेख के माध्यम से ऋणपत्र न्यासी के साथ समान रूप से गिरवी रखा गया है)		
उप–कुल: निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड (क)	**194,841.10**	**271,882.15**
बी. सुरक्षित अवधि ऋण		
i. रुपया ऋण:	-	12,500.00
(ए) केनरा बैंक से मध्यम अवधि का ऋण	-	87.16
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	12,587.16
केनरा बैंक (शुद्ध) से मध्यम अवधि का कॉर्पोरेट ऋण अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित। यह ऋण 03–02–2020 को पहली निकासी से 1 वर्ष की मोहलत के बाद 16 संरचित तिमाही किस्त में चुकाया जा सकता है।		
(बी) पंजाब नेशनल बैंक से कॉर्पोरेट टर्म लोन	68,000.00	74,800.00
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	–	–
पंजाब नेशनल बैंक (शुद्ध) से मध्यम अवधि का कॉर्पोरेट ऋण	68,000.00	74,800.00
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित। पहली निकासी से 2 वर्ष की मोहलत के बाद ऋण निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जा सकता है: रुपये की 12 समान किश्तें। 30.12.2022 से शुरू होने वाली प्रत्येक योजना के लिए 17 करोड़ रुपये, 8 करोड़ रुपये की समान किश्तों के लिए 8 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इस मद में 30.12.2025 से शुरू होने वाली प्रत्येक मद में 34 करोड़ रुपये और 30.12.2027 से शुरू होने वाली प्रत्येक मद में 93.50 करोड़ रुपये की 4 समान किस्तें शामिल हैं।		

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(सी) भारतीय स्टेट बैंक से रुपया सावधि ऋण	87,500.00	97,500.00
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	30.54	-
एस. बी. आई. से रुपया सावधि ऋण (शुद्ध)	87,530.54	97,500.00
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग जलविद्युत परियोजना (600 मेगावाट) की संपत्तियों पर अन्य ऋणदाताओं के साथ समानुपाती प्रभार द्वारा सुरक्षित। ऋण का भुगतान पहली निकासी तिथि से 2 वर्ष के स्थगन के बाद निम्नलिखित त्रैमासिक किस्तों में किया जाना हैरू 9वीं से 20वीं तिमाही के अंत तक प्रत्येक किस्त में 25.00 करोड़ रुपयेय 21वीं से 28वीं तिमाही के अंत तक प्रत्येक किस्त में 50.00 करोड़ रुपयेय 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत तक प्रत्येक किस्त में 75.00 करोड़ रुपये।		
(डी) एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण	48,827.06	50,356.71
[पारे जलविद्युत संयंत्र – अरुणाचल प्रदेश में स्थित संपत्ति की अचल परिसंपत्तियों के समांतर आधार पर बंधक द्वारा सुरक्षित, रंगनाडी एचपीएस (405 मेगावाट) में संयंत्र और मशीनरी और असम गैस आधारित विद्युत संयंत्र (291 मेगावाट) के गैस टर्बाइन]। ऋण का भुगतान निम्नलिखित त्रैमासिक किस्तों में किया जाना है, जो पहली निकासी (06.10.2022) से 2 वर्ष की स्थगन अवधि से शुरू होती हैरू 9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में 15.00 करोड़ रुपये, 21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में 25.00 करोड़ रुपये, और 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में 30.00 करोड़ रुपये।		
जोड़ें: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	327.06	356.71
एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण (शुद्ध)	48,827.06	50,356.71
(ई) एक्सिस बैंक से सावधि ऋण (त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में स्थित त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन की चल अचल संपत्तियों (पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों सहित) पर प्रथम प्रभार द्वारा सुरक्षित। पहली निकासी (29.09.2023) की दिनांक से 2.25 वर्ष की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है 9वीं से 18वीं तिमाही के अंत में रु. 10.00 करोड़ प्रत्येकय 19वीं से 27वीं तिमाही के अंत में रु. 20 करोड़ प्रत्येकय 28वीं से 36वीं तिमाही के अंत में रु. 30 करोड़ प्रत्येकय 37वीं से 40वीं तिमाही के अंत में रु. 50 करोड़ प्रत्येक।	75,000.00	75,000.00
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	-
एक्सिस बैंक (नेट) से सावधि ऋण	75,000.00	75,000.00
उप–कुल सुरक्षित सावधि ऋण (ख)	**279,357.60**	**310,243.87**
कुल: सुरक्षित उधार (ए.बी.)	**474,198.70**	**582,126.02**
2.असुरक्षित उधार:		
1. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड		
चौबीसवां अंक	49,635.00	
कम: बॉन्ड व्यय परिशोधन	30.56	
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,509.77	
बॉन्ड–ट्वेंटी फोर्थ इश्यू (नेट)	51,114.21	
10 वर्ष की अवधि के लिए नीपको के 7.71% ब्याज दर वाले असुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, कर योग्य बांड प्रत्येक 1,00,000 रुपये मूल्य के, अंकित मूल्य के 25% पर प्रतिदेय। दिनांक 08–11–2032 ,06–05–2033,08–11–2033 और 08–05–2034 को अंकित मूल्य के 25% पर भुनाने योग्य और 08 –05–2029,08–11–2029,08–05–2030,08–11–2030,08–05–2031,08–11–2031,08–05–2032,08 –11–2032, 08–05–2033, 08–11–2033.		

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
तेइसवां अंक	20,000.00	20,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	3.16	3.77
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	31.30	31.21
बॉन्ड–तेइसवां अंक (नेट)	20,028.14	20,027.44
8 वर्ष नीपको 7.14% असुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, रुपये 10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 22–09–2028 को अंकित मूल्य के 25% पर प्रतिदेय 23–03–2029, 24–09–2029 ; 22–03–2030 पर कॉल विकल्प के साथ 24–03–2026,24–09–2026, 24–03–2027, 24–09–2027, 24–03–2028य 22–09–2028, 23–03–2029य 24–09–2029।		
(i) रुपया ऋण		
भारत सरकार से अधीनस्थ ऋण	29,196.42	29,196.42
कमः ऋण व्यय परिशोधन	67.75	69.69
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	-
भारत सरकार से अधीनस्थ ऋण (शुद्ध)	29,128.67	29,126.73
(भारत सरकार ने 1% प्रति वर्ष की ब्याज दर पर 29196.42 लाख रुपये के अधीनस्थ ऋण को मंजूरी दी है। 6 जुलाई, 2015 को अंतिम निकासी के साथ विभिन्न तिथियों पर ऋण स्वीकृत किया गया था। 30 जनवरी 2018 से तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, मिजोरम) के चालू होने के बाद 16 वें वर्ष से 15 समान वार्षिक किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है।		
(ii) विदेशी मुद्रा ऋण		
केएफडब्ल्यू, जर्मनी से ऋण	27,391.79	33,383.29
कमः उचित मूल्य (80 मिलियन और 20 मिलियन)	(159.50)	(159.35)
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	170.67	212.24
केएफडबल्यू जर्मनी से ऋण (शुद्ध)	27,721.96	33,754.88
(भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)		
अरुणाचल प्रदेश में पारे जलविद्युत परियोजना (110 मेगावाट) के निर्माण के लिए ऋण स्वीकृत।		
(भारत–जर्मन द्विपक्षीय विकास सहयोग कार्यक्रम के तहत केएफडब्ल्यू, जर्मनी से 8 करोड़ और 2 करोड़ यूरो का ऋण स्वीकृत किया गया था। ऋण समझौता 80 मिलियन और 20 मिलियन यूरो 11 दिसंबर 2008 और 20 दिसंबर 2017 को 3.46% प्रति वर्ष की निश्चित ब्याज दर पर निष्पादित किया गया था। क्रमशः 0.85% प्रति वर्ष की। इस ऋण की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी जाती है। 80 मिलियन यूरो की अंतिम ऋण किस्त 03.03.2016 को प्राप्त हुई थी और 20 मिलियन यूरो 16.08.2018 को प्राप्त हुई थी। ऋण 30 बराबर अर्ध–वार्षिक किश्तों में चुकाने योग्य हैं। 30–12–2013 और 20 बराबर छमाही किस्त प्रभावि 30–12–2020 क्रमशः)		
(iii) मध्यम अवधि का ऋण		
पीएनबी से ऋण	29,000.00	30,000.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	-
पीएनबी (नेट) से ऋण	29,000.00	30,000.00
29.11.2023 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण पहली निकासी की दिनांक से 7 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ 30000 लाख। ऋण पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें वर्ष के अंत में 1000 लाख रुपये प्रत्येक के लिए 29.11.2024,29.11.2025,29.11.2026,29.11.2027,29.11.2028 और रु। 6 वें और 7 वें वर्ष के अंत में 12500 लाख अर्थात. 28.11.2029 और 28.11.2030 को। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.75% प्रति वर्ष है। @पीएनबी आरएलएलआर–ईएलआईटीई योजना		

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(iv) कॉर्पोरेट सावधि ऋण		
पीएनबी से ऋण	95,000.00	
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	
पीएनबी (नेट) से ऋण	95,000.00	
10.07.2024 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण प्रथम आहरण की तिथि से 10 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ 100000 लाख। पहली निकासी से 2 वर्ष की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है:		
रुपये की 10 समान किश्तें। 05.08.2026 से शुरू होने वाले प्रत्येक 20 करोड़ रुपये, 18 करोड़ रुपये के बराबर निवेश। 05.02.2029 से शुरू होने वाली प्रत्येक 30 करोड़ रुपये और 05.08.2033 से शुरू होने वाली 52 करोड़ की 5 समान किश्तें। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.95% प्रति वर्ष है। अर्थात्, रेपो सेवानिवृत (6.50%). स्प्रेड (1.45%)		
कुल असुरक्षित उधार (i + ii)	**251,992.98**	**112,909.05**
कुल (1.+ 2)	**726,191.68**	**695,035.07**
कमः की वर्तमान परिपक्वता (नोट 21 का संदर्भ लें)	50,000.00	62,000.00
बांड	27,200.00	29,300.00
रुपया सावधि ऋण–सुरक्षित	1,000.00	1,000.00
रुपया सावधि ऋण–असुरक्षित	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण–सुरक्षित	6,771.09	6,616.57
विदेशी मुद्रा ऋण–असुरक्षित	6,959.11	5,648.25
अर्जित किया गया लेकिन देय नहीं		
कुल राशिः गैर–वर्तमान देयताएँ	**634,261.48**	**590,470.25**

एन.बी. – बॉन्ड खर्चों का गिरवीकरण संबंधित बॉन्डों के ब्याज पुनर्भुगतान अनुसूची के साथ पुस्तकों में किया जाता है।

उधारी की परिपक्वता रूपरेखा इस प्रकार है: (₹ लाख में)

संविदागत की परिपक्वताएं	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
एक वर्ष या उससे कम या मांग पर	92,939.56	106,071.93
एक से दो वर्ष के बीच	123,371.09	86,816.57
दो और वृक्ष वर्षों के बीच	112,771.09	81,716.57
तीन से चार वर्ष के बीच	101,508.79	114,616.57
चार से पांच वर्ष के बीच	85,346.49	116,410.46
पाँच वर्ष से अधिक	210,254.67	189,402.95
कुल संविदात्मक नकदी प्रवाह	**726,191.68**	**695,035.07**
कुल उधार	**726,191.68**	**695,035.07**

नोटः

क. कंपनी ने अपनी उधार ली गई निधि का उपयोग केवल ऋण समझौते की शर्तों के अनुसार विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया है।

ख. कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों में दाखिल की गई तिमाही विवरणी या चालू परिसंपत्तियों के विवरण लेखा पुस्तकों के अनुरूप होते हैं।

ग. कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाताओं द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

वित्तीय देयताएँ

नोट संख्या 19 ए गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएँ–पट्टा देयताएँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
पट्टा देयता–पट्टा के तहत परिसंपत्ति	1747.55	2015.55
कम: पट्टा देयताऐं की वर्तमान परिपक्वता	971.68	1000.48
कुल	**775.87**	**1015.07**

नोट संख्या 20: दीर्घकालिक प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	397.04	303.28
कुल	**397.04**	**303.28**

कर्मचारी लाभों के प्रावधान में ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्ति पर सोने का सिक्का शामिल हैं। चालू वर्ष के लिए प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि/कमी मुख्य रूप से चालू वर्ष के लिए वृद्धिशील शुल्क के शुद्ध प्रभाव और चालू वर्ष में भुगतान किए गए लाभों के कारण है।

20 (i) परिभाषित अंशदान योजना

कंपनी संबंधित कर्मियों की ओर से कई परिभाषित योगदान योजनाओं में भाग लेती है। इन योजनाओं के संबंध में मान्यता प्राप्त कोई भी व्यय उन योजनाओं के नियमों द्वारा निर्दिष्ट दरों पर उनके द्वारा अवधि के दौरान देय योगदान के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। बैलेंस शीट में केवल वे राशियाँ शामिल हैं जो पूर्व महीनों के अंशदानों से संबंधित हैं जिनका रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के बाद तक भुगतान नहीं किया जाना था। कंपनी द्वारा संचालित प्रमुख परिभाषित योगदान योजनाएं इस प्रकार हैं:

क) भविष्य निधि

भारतीय कानून के अनुसार, कंपनी के योग्य कर्मचारी भविष्य निधि के संबंध में लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं, एक परिभाषित योगदान योजना, जिसमें कर्मचारी और कंपनी दोनों कवर किए गए कर्मचारियों के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर मासिक योगदान करते हैं। कंपनी भविष्य निधि न्यास को पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करती है, जो सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमत प्रतिभूतियों में निधि का निवेश करती है। इस अवधि के लिए कोष में कंपनी का योगदान 3375.47 लाख रुपये (पिछली अवधि में 3469.50 लाख रुपये) था निवेश ने भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट दर के अनुसार सदस्यों को भुगतान करने के लिए पर्याप्त ब्याज अर्जित किया है।

ख) अधिवर्षिता निधि

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के कार्यालय ज्ञापन संख्या 2 (70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी) / जीएल–xiv/08 दिनांक 26.11.2008 और कार्यालय ज्ञापन संख्या 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–vii/09 दिनांक 02.04.2009 के तहत जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार कंपनी ने नीपको कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति लाभ योजना तैयार की है।

इस योजना का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट में वर्ष के लिए कंपनियों का योगदान 2321.71 लाख रुपये था (पिछले वर्ष 2389.13 लाख रुपये)

20 (ii) परिभाषित लाभ योजनाएं

क. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना

कंपनी के पास सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं के लिए एक अंशदायी योजना है। इस योजना के तहत सेवानिवृत्त/मृत कर्मचारी और सेवानिवृत्त/मृतक के पति/पत्नी को अंशदायी आधार पर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं जो इस प्रकार हैं:

इनडोर उपचार के लिए किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति निकटतम अधिकृत/अनुमोदित अस्पताल की दरों तक सीमित है।

पैनल में शामिल अस्पतालों में किए गए बाह्य रोगी/अधिवासी उपचार के लिए, नैदानिक परीक्षणों, जांच, दवाओं की लागत और अन्य ओपीडी खर्चों के लिए प्रतिपूर्ति की अनुमति है, जो प्रति वर्ष अंतिम मूल की अधिकतम सीमा के अधीन है, जो भी कम हो। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ख. सेवानिवृत्ति पर अन्य सेवानिवृत्ति लाभ

एक अच्छी संगठनात्मक संस्कृति को पोषित करने और कर्मचारी द्वारा प्रदान की जाने वाली ईमानदार सेवाओं की सराहना करने के लिए, निगम सेवानिवृत्ति की दिनांक पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को एक सोने का सिक्का प्रदान कर रहा है। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

20.(iii) कर्मचारी को मिलने वाले अन्य लाभ

सामाजिक सुरक्षा योजना

अनुकंपा नियुक्ति के बदले कंपनी की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। कंपनी इस योजना में समान योगदान देती है। इस योजना का उद्देश्य कंपनी के किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित लाभार्थियों को नकद लाभ प्रदान करना है, जिसमें स्थायी पूर्ण विकलांगता भी शामिल है जिससे रोजगार की समाप्ति हो जाती है।

नोट संख्या 20ए

आईएंनडी एएस 19 के अनुसार प्रकटीकरण

ग्रेच्युटी देनदारी का बीमाकृत मूल्यांकन

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क	दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44
ख	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97
ग	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति/(देयता)	-596.35	-361.47

सदस्यता डेटा का सारांशः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
क)	कर्मचारियों की संख्या	1592	1666
ख)	कुल मासिक वेतन (लाख)	2137.02	2156.15
ग)	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
घ)	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
ङ)	औसत शेष (वर्ष)	9.56	9.13
च)	भारित औसत अवधि	9.24	8.83

आर्थिक अनुमानः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i)	छूट की दर	6.81	7.10
ii)	भविष्य में वेतन वृद्धि	6.50	6.50

जनसांख्यिकीय अनुमानः

(₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i)	सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii)	विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर '	आईएलम का 100% (2012–14)	आईएलम का 100% (2012–14)
iii)	आयुवर्ग में अवसाद	**निकासी**	**निकासी**
		दर (%)	**दर (%)**
	30 वर्ष तक	0.01	0.01
	31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
	44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06

लाभों का पैमानाः

क)	ग्रेच्युटी की गणना के लिए वेतन	अंतिम अर्हता वेतन।
ख)	निधान अवधि	5 वर्ष की सेवा।
ग)	सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 के भुगतान के प्रावधानों के अनुसार, जैसा कि संशोधित किया गया है।
घ)	शीघ्र सेवानिवृत्ति/निकासी/त्यागपत्र पर लाभ	बाहर निकलने की दिनांक तक सेवा के आधार पर सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान।
ङ)	सेवा में मृत्यु होने पर लाभ	मृत्यु की दिनांक तक सेवा के आधार पर सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान और कोई निहित शर्तें लागू नहीं होती हैं।
च)	सीमा	20.00 लाख।

योजना दायित्वः

(₹ लाख में)

समाप्ति तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44

सेवा लागतः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान सेवा लागत	498.50	708.48
ख)	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग)	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ)	कुल सेवा लागत	498.50	708.48

शुद्ध ब्याज लागतः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,280.73	1,366.66
ख)	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	1,255.06	1,377.99
ग)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	25.66	-11.33

लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	18,038.44	18,468.36
ख)	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग)	ब्याज लागत	1,280.73	1,366.66
घ)	सेवा लागत	498.50	708.48
ङ)	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
च)	भुगतान किए गए लाभ	-2,596.86	-2,275.70
छ)	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	159.33	-229.36
ज)	दायित्व का वर्तमान मूल्य अवधि का अंत	17,380.14	18,038.44

बीमांकिक लाभ/दायित्व पर हानि का द्विविभाजनः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख)	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	256.55	280.41
ग)	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	-97.23	-509.77

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अपेक्षित ब्याज आय	1,255.06	1,377.99
ख)	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	1,342.20	1,331.13
ग)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	87.14	-46.86

बैलेंस शीट और संबंधित विश्लेषणः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97
ग)	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-596.35	-361.47

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	कुल सेवा लागत	498.50	708.47
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	25.66	-11.33
ग)	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	524.17	697.14

अन्य व्यापक आय (ओसीई) (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	पीबीओ पर वर्ष के लिए बीमाकृत लाभ / (हानि)	-159.33	229.36
ख)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ / (हानि)	87.14	-46.86
ग)	वर्ष के लिए गैर–मान्यता प्राप्त बीमांकिक लाभ / (हानि)	-72.19	182.50

योजना परिसंपत्तियों में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	17,676.97	18,621.53
ख)	योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	1,342.20	1,331.13
ग)	नियोक्ता का योगदान	361.48	-
घ)	भुगतान किए गए लाभ	-2,596.86	-2,275.69
ङ)	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97

योजना परिसंपत्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में) (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ख)	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ग)	उच्च गुणवत्ता वाले कारपोरेट बॉन्ड	–	–
घ)	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	–	–
ङ)	संपत्ति	–	–
च)	बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ	100%	100%
छ)	बैंक बैलेंस	–	–
	कुल	100%	100%

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	361.48	-153.17
ख)	अधिग्रहण समायोजनः	–	–
ग)	कुल सेवा लागत	498.50	708.47
घ)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	25.66	-11.33
ङ)	पुनः मापन	72.19	-182.50
च)	कोष में दिया गया योगदान	-361.48	–
छ)	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया ला	–	–
ज)	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	596.35	361.47

वर्ष के अंत में पीबीओ का वर्तमान और गैर वर्तमान में विभाजन होनाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान देयता (एक वर्ष के भीतर देय राशि)	2,406.92	2,404.81
ख)	गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष से अधिक की देय राशि)	14,973.22	15,633.63
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**17,380.14**	**18,038.44**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	सेवा लागत	712.00	719.18
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	40.61	25.66
ग)	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	752.61	744.84

परिभाषित लाभ दायित्व का संवेदनशीलता विश्लेषणः (₹ लाख में)

कं) छूट दर में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14
क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-437.66
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	462.19

ख) वेतन वृद्धि में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14
क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	114.63
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	-123.07

परिभाषित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखाः

	वर्ष	राशि
क)	0 से 1 वर्ष	2,406.92
ख)	1 से 2 वर्ष	2,326.31
ग)	2 से 3 वर्ष	2,007.88
घ)	3 से 4 वर्ष	1,888.87
ङ)	4 से 5 वर्ष	1,715.22
च)	5 से 6 वर्ष	1,552.63
छ)	6 वर्ष के बाद	5,482.31

छुट्टी नकदीकरण का बीमाकृत मूल्यांकन

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क)	दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–	–
ग)	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-17,533.64	-16,670.42

सदस्यता डेटा का सारांशः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
क)	कर्मचारियों की संख्या	1592	1666
ख)	कुल मासिक वेतन (लाख)	2137.02	2156.15
ग)	नकदीकरण छोड़े		
	कुल मासिक वेतन (लाख)	3846.64	4312.29
	छुट्टी का लाभ		
घ)	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
ङ)	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
च)	औसत शेष (वर्ष)	9.56	9.13
छ)	कामकाजी जीवन		
	मूल्यांकन तिथि पर लीव बैलेंस पर विचार किया जाता है	350,827	356,234
ज)	पीबीओ की भारित औसत अवधि	9.24	8.83

आर्थिक अनुमानः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i)	छूट की दर	6.81	7.10
ii)	भविष्य में वेतन वृद्धि	6.50	6.50

जनसांख्यिकीय अनुमानः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i)	सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii)	विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर **	आईएलम का 100% (2012–14)	आईएलम का 100% (2012–14)
iii)	आयु.	**निकासी**	**निकासी**
		दर (%)	**दर (%)**
	30 वर्ष तक	0.01	0.01
	31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
	44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06
iv)	छोड़ दें।		
	अवकाश प्राप्ति दर	2.50%	2.50%
	सेवा में रहते हुए लीव लैप्स सेवानिवृत	शून्य	शून्य
	बाहर निकलने पर लैप्स सेवानिवृत छोड़ दें	शून्य	शून्य
	सेवा में रहते हुए छुट्टी नकदीकरण दर	15.00%	15.00%

आयु के लिए विकलांगता सहित मृत्यु दर (₹ लाख में)

आयु.	दर	आयु.	दर
15	0.000698	60	0.011162
20	0.000924	65	0.015932
25	0.000931	70	0.024058
30	0.000977	75	0.038221
35	0.001202	80	0.061985
40	0.00168	85	0.100979
45	0.002579	90	0.163507
50	0.004436	95	0.259706
55	0.007513	100	0.397733

लाभों का पैमानाः

क)	अर्जित अवकाश की गणना के लिए वेतन	अंतिम अर्हता वेतन।
ख)	निधान अवधि	शून्य
ग)	फायदे	
1	वार्षिक संचय	30 दिन
2	अधिकतम संचय	300 दिन
3	कुल छुट्टी के दिन	350827
4	सेवा में लाभ (क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति)	हां।
5	सेवा में नकदीकरण छोड़	हां।
6	बाहर निकलने पर नकदी को छोड़ दें	हां।
7	माना जाने वाला महीना	30 दिन
घ)	सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	नीति के अनुसार वास्तविक संचय
ङ)	शीघ्र सेवानिवृत्ति/निकासी/त्यागपत्र/मृत्यु पर लाभ	सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान।

योजना दायित्वः (₹ लाख में)

समाप्ति तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42

सेवा लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ख)	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग)	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ)	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13

शुद्ध ब्याज लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,183.60	1,213.07
ख)	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	–	–
ग)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	1,183.60	1,213.07

लाभ दायित्व में परिवर्तन दिखाने वाली तालिकाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	16,670.42	16,392.78
ख)	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग)	ब्याज लागत	1,183.60	1,213.06
घ)	सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ङ)	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
च)	भुगतान किए गए लाभ	-3,468.61	-2,877.15
छ)	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	1,080.98	232.60
	दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42
ज)	अवधि का अंत		

दायित्व पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख)	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	308.44	302.92
ग)	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	772.54	-70.32

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अपेक्षित ब्याज आय	–	–
ख)	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	–	–
ग)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	–	–

बैलेंस शीट और संबंधित विश्लेषणः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–	–
ग)	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-17,533.64	-16,670.42

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	1,183.60	1,213.06
ग)	अवधि में मान्यता प्राप्त शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,080.98	232.60
घ)	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	4,331.83	3,154.79

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	16,670.42	16,392.78
ख)	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग)	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
घ)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	1,183.60	1,213.06
ङ)	पुनः मापन	1,080.98	232.60
च)	कोष में दिया गया योगदान	–	–
छ)	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-3,468.61	-2,877.15
ज)	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	17,533.64	16,670.42

वर्ष के अंत में पीबीओ का वर्तमान और गैर वर्तमान में विभाजन होनाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान देयता (एक वर्ष के भीतर देय राशि)	2,484.43	2,128.80
ख)	गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष से अधिक की देय राशि)	15,049.21	14,541.62
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	17,533.64	**16,670.42**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	सेवा लागत	815.61	752.86
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	1,194.04	1,183.60
ग)	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	2,009.65	1,936.46

परिभाषित लाभ दायित्व का संवेदनशीलता विश्लेषणः (₹ लाख में)

क) छूट दर में बदलाव का असर		
	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17533.64**
क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-523.47
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	556.71

ख) वेतन वृद्धि में बदलाव का असर

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17533.64**
क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	555.28
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	-525.78

परिभाषित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखाः

	वर्ष	राशि
क)	0 से 1 वर्ष	248,443,456
ख)	1 से 2 वर्ष	218,614,562
ग)	2 से 3 वर्ष	173,912,115
घ)	3 से 4 वर्ष	156,004,882
ङ)	4 से 5 वर्ष	163,156,993
च)	5 से 6 वर्ष	143,706,125
छ)	6 वर्ष के बाद	649,526,092

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ देयता का बीमाकृत मूल्यांकन

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क)	दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	15,690.74
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51
ग)	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-4,162.28	-2,861.23

सदस्यता डेटा का सारांशः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
इन सर्विस एम्प			
क)	कर्मचारियों की संख्याः	1592	1666
ख)	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
ग)	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
घ)	औसत शेष (वर्ष)	9.56	9.13
ङ)	कामकाजी जीवनः		
	भारित औसत शेष कार्य जीवन।	7.58	8.83
सेवानिवृत्त एम्प			
क)	सेवानिवृत्त कर्मचारी की संख्या	1987	1853
ख)	औसत आयु (वर्ष)	67.98	67.52
	प्रति सेवानिवृत्त व्यक्ति वार्षिक लागत		
	(क) बाह्य रोगी उपचार लागत	₹ 54,156 /–	₹ 39456/
	(ख) रोगी में उपचार की लागत		

आर्थिक अनुमानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	छूट दरः	6.81	7.10
ख)	भविष्य में चिकित्सा लागत में वृद्धि		
	क) बाह्य उपचार	6.00	5.00
	ख) इंडोर ट्रीटमेन		

जनसांख्यिकीय अनुमानः (₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i)	सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii)	विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर **	आईएलम का 100% (2012–14)	आईएलम का 100% (2012–14)
iii)	आयु.	**निकासी**	**निकासी**
		दर (%)	**दर (%)**
	30 वर्ष तक	0.01	0.01
	31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
	44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06

मृत्यु दर और रुग्णता दरः

क) सेवा में रहते हुए–आईएएलएम (2012–14) दरों का 100% माना गया है जिसमें विकलांगता लाभ के लिए भत्ता भी शामिल है

आयु.	मृत्यु दर	आयु.	मृत्यु दर
15	0.000698	40	0.00168
20	0.000924	45	0.002579
25	0.000931	50	0.004436
30	0.000977	55	0.007513
35	0.001202	60	0.011162

ख) सेवानिवृत्ति के बाद–(1996–98) दरों का 100% मान लिया गया है

आयु.	मृत्यु दर	आयु.	मृत्यु दर
0.004243	80	0.070802	0.070802
0.010907	85	0.106891	0.106891
0.01389	90	0.151539	0.151539
0.024301	100	0.266511	0.266511
0.043272			

योजना दायित्वः (₹ लाख में)

समापि तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	15,690.74

सेवा लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान सेवा लागत	745.57	548.69
ख)	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग)	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ)	कुल सेवा लागत	745.57	548.69

शुद्ध ब्याज लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,114.04	962.07
ख)	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	910.90	778.72
ग)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	203.15	183.35

वर्तमान लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	15,690.74	13,001.02
ख)	ब्याज लागत		
ग)	सेवा लागतः	745.57	548.69
घ)	भुगतान किए गए लाभ	-1,076.28	-1,018.05
ङ)	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	3,390.89	2,197.00

च)	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	19864.97	15690.74

दायित्व पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख)	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	2,339.84	1,832.56
ग)	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,051.05	364.45

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अपेक्षित ब्याज आय	910.90	778.72
ख)	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	1,088.23	846.54
ग)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	177.33	67.82

बैलेंस शीट और संबंधित विश्लेषणः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	15,690.74
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51
ग)	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-4,162.28	-2,861.23
घ)	बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त वित्त पोषित दायित्व	-4,162.28	-2,861.23

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	सेवा लागत	745.57	548.69
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	203.15	183.35
ग)	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	948.72	732.04

अन्य व्यापक आय (ओसीई) (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	शुद्ध संचयी गैर–मान्यता प्राप्त बीमांकिक लाभ/(हानि) उद्घाटन		
ख)	पीबीओ पर वर्ष के लिए बीमाकृत लाभ/(हानि)	-3,390.89	-2,197.00
ग)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	177.33	67.82
घ)	वर्ष के अंत में अप्रमाणित बीमांकिक लाभ/(हानि)	-3,213.56	-2,129.18

योजना परिसंपत्तियों में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	12,829.51	10523.26
ख)	योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	1,088.23	846.54
ग)	नियोक्ता का योगदान	2,861.23	2,477.76

घ)	भुगतान किए गए लाभ	-1,076.28	-1,018.05
ङ)	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51

योजना परिसंपत्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में) (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ख)	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ:	–	–
ग)	उच्च गुणवत्ता वाले कारपोरेट बॉन्ड	–	–
घ)	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	–	–
ङ)	संपत्ति	–	–
च)	बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ	100%	100%
छ)	बैंक बैलेंस	–	–
	कुल	**100%**	**100%**

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलाव: (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	2,861.23	2,477.76
ख)	सेवा लागत	745.57	548.69
ग)	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	203.15	183.35
घ)	पुनः मापन	3,213.56	2,129.18
ङ)	कोष में दिया गया योगदान	-2,861.23	-2,477.76
च)	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	–	–
छ)	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	4,162.28	2,861.23

वर्ष के अंत में पीबीओ का वर्तमान और गैर वर्तमान में विभाजन होना: (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	वर्तमान देयता (एक वर्ष के भीतर देय राशि)	1,190.30	1,067.34
ख)	गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष से अधिक की देय राशि)	18,674.67	14,623.40
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**19,864.97**	**15,690.74**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदान: (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क)	सेवा लागत	717.13	582.44
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	283.45	203.15
ग)	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	1,000.58	785.59

परिभाषित लाभ दायित्व का संवेदनशीलता विश्लेषण: (₹ लाख में)

क) छूट दर में बदलाव का असर		
	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**19864.97**

क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-922.61
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	954.79

ख) चिकित्सा लागत दर का प्रभाव		
	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**19864.97**
क)	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	968.16
ख)	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	-938.59

परिभाषित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखा:

	वर्ष	राशि
क)	0 से 1 वर्ष	119,030,392
ख)	1 से 2 वर्ष	129,107,774
ग)	2 से 3 वर्ष	141,449,503
घ)	3 से 4 वर्ष	151,562,861
ङ)	4 से 5 वर्ष	163,917,052
च)	5 से 6 वर्ष	178,919,725
छ)	6 वर्ष के बाद	1,102,509,601

सेवानिवृत्ति पर स्वर्ण पुरस्कार

परिणामों का सारांश:

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025
क)	दायित्व का वर्तमान मूल्य	449.62
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–
ग)	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-449.62

सदस्यता डेटा का सारांश:

	स्थितिनुसार	31-03-2025
क)	कर्मचारियों की संख्या	1592
ख)	कुल मासिक वेतन (लाख)	N/A
ग)	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95
घ)	औसत आयु (वर्ष)	50.44
ङ)	औसत शेष कार्य जीवन (वर्ष)	9.56

आर्थिक अनुमान:	
	31-03-2025
(i) छूट दर	6.81%
(ii) सोने के सिक्कों की वृद्धि दर	6.50%
जनसांख्यिकीय अनुमान:	
(i) सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60
(ii) मृत्यु तालिका	आईएएलएम(2012-14)
(iii) आयु	निकासी
	दर

30 वर्ष तक	0.01
31 से 44 वर्ष तक	0.03
44 वर्ष से अधिक	0.06
बीमाकृत मूल्यः	
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य (31/03/2025)	449.62

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार वर्ष के अंत में पीबीओ का द्विभाजनः

		31-03-2025
क)	वर्तमान देयता (एक वर्ष के भीतर देय राशि)	52.58
ख)	गैर–वर्तमान देयता (एक वर्ष से अधिक की देय राशि)	397.04
ग)	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**449.62**

वित्तीय देयताएँ

नोट संख्या 21: वर्तमान उधार

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्तमान ऋण		
मांग पर चुकाने योग्य ऋण		
बैंकों से–सुरक्षित	35,173.86	52,253.97
बैंक से–असुरक्षित	-	-
कुल (क)	**35,173.86**	**52,253.97**
गैर–वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वताएं		
बांड–सुरक्षित	50,000.00	62,000.00
विदेशी मुद्रा ऋण–सुरक्षित	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण–असुरक्षित	6,771.09	6,616.57
बैंक ऋण–सुरक्षित	27,200.00	29,300.00
बैंक ऋण–असुरक्षित	1,000.00	1,000.00
कुल (ख)	**84,971.09**	**98,916.57**
कुल योग (क+ख)	**120,144.95**	**151,170.54**

वर्तमान वित्तीय उधारी–उधारी के लिए टिप्पणियाँ		
i. वर्तमान ऋणः		
कार्यशील पूंजी सुविधाएं		
(i) भारतीय स्टेट बैंक, शिलांग		
कार्यशील पूंजी मांग ऋण (शुद्ध)	-	-

पुस्तक ऋणों और कंपनी के वर्तमान और भविष्य दोनों के अन्य सभी इन्वेंट्री के अनुमान के खिलाफ निकासी की सीमा तक सुरक्षित। एसबीआई, शिलांग द्वारा 01.03.2024 को कार्यशील पूंजी मांग ऋण (डब्ल्यूसीडीएल) सुविधा का नवीनीकरण किया गया था और यह 31.03.2025 तक वैध थी। ब्याज दर 91 दिनों के टी–बिल प्लस स्प्रेड पर आधारित है। 31.03.2025 को अंतिम टी–बिल लिंक्ड ब्याज दर 7.15% चं. थी। इसी सुविधा का 25.03.2026 तक नवीनीकरण किया गया है।	22,000.00	20,100.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	121.54	34.47
	22121.54	**20,134.47**
(ii) नकद ऋण पुस्तक ऋणों और कंपनी के वर्तमान और भविष्य दोनों के अन्य सभी इन्वेंट्री के अनुमान के खिलाफ निकासी की सीमा तक सुरक्षित। एसबीआई, शिलांग द्वारा 01–03–2024 को कार्यशील पूंजी मांग ऋण (डब्ल्यूसीडीएल) सुविधा का नवीनीकरण किया गया है। ब्याज दर 6 महीने के एमसीएलआर प्लस शून्य मार्जिन पर तय की गई है। 25–02–2025 को सीसी खाते की वर्तमान ब्याज दर 8.90% चं. है। इस सुविधा की वैधता 31–03–2025 तक है। इसी सुविधा का 25.03.2026 तक नवीनीकरण किया गया है।	13,052.32	1,956.76
(iii) एसबीआई से एसटीएल	-	30,000.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	162.74
अल्पावधि ऋण (शुद्ध) (एसबीआई से 03.02.2024 को लिया गया 30000 लाख रुपये का ऋण पहली निकासी की दिनांक से 1 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ असुरक्षित प्रकृति का है। ऋण पहली निकासी की दिनांक से प्रत्येक ₹100.00 करोड़ के लिए निकासी की 6 वीं, 9 वीं और 12 वीं मासिक वर्षगांठ पर देय है। ऋण की ब्याज दर 7.54% पर ईयर है। (91–दिन का कुल–बिल. 0.50%)	**-**	**30,162.74**
कुल	**35,173.86**	**52,253.97**

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
II. गैर–वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वताएं		
I. सुरक्षित उधार		
क. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड	50,000.00	
v- अठारहवाँ अंक 8 वर्ष के लिए नीपको 7.68% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, कर योग्य बांड, प्रत्येक ₹10,00,000 मूल्य के बॉन्ड, अंकित मूल्य के 50% पर 15–05–2025 और 15–11–2025 को प्रतिदेय, 15–11–2022, 15–05–2023, 15–11–2023, 15–05–2024, 15–11–2024 और 15–05–2025 को कॉल विकल्प के साथ। अरुणाचल प्रदेश स्थित पारे जलविद्युत परियोजना की भूमि से जुड़ी संपत्तियों और अन्य चल संपत्तियों के साथ–साथ गुजरात के मेहसाना जिले में निगम की भूमि संपत्ति को नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टी के पास एक ट्रस्ट विलेख के माध्यम से बंधक के रूप में रखा गया है।		
क. पंद्रहवां अंक 10 वर्ष नीपको 9.15% सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर–परिवर्तनीय, ₹10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 25–03–2021 को अंकित मूल्य के 20% पर प्रतिदेयय 25–03–2022 ; 25–03–2023य 25–03–2024 और 25–03–2025। (त्रिपुरा में अगरतला गैस टर्बाइन परियोजना (मूल ओपन–साइकिल संयंत्र) की परिसंपत्तियां, असम गैस आधारित परियोजना, असम में गैस टर्बाइन और स्टीम टर्बाइन को छोड़कर परिसंपत्तियां, रंगानदी हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना, अरुणाचल प्रदेश में उत्पादन स्टेशन में संयंत्र और मशीनरी को छोड़कर परिसंपत्तियां और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)	-	12,000.00
ख. चौदहवाँ अंक 10 वर्ष नीपको 9.60% सुरक्षित, प्रतिदेय, नॉन–कन्वर्टिबल, टैक्सेबल बॉन्ड प्रत्येक ₹ 10,00,000, अंकित मूल्य के 20% पर 01–10–2020य 01–10–2021य 01–10–2022य 01–10–2023 और 01–10–2024 को प्रतिदेय। (कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की संपत्तियों के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भू–संपत्तियों को एक न्यास विलेख के माध्यम से ऋणपत्र न्यासी के साथ समान रूप से गिरवी रखा गया है)	-	50,000.00

ख. सुरक्षित अवधि ऋण **i. रुपया ऋण:** **क. केनरा बैंक से मध्यम अवधि का सहकारी ऋण** अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित। यह ऋण 03–02–2020 को पहली निकासी से 1 वर्ष की मोहलत के बाद 16 संरचित तिमाही किस्त में चुकाया जा सकता है। विदेशी मुद्रा ऋण	-	12,500.00
ख. पंजाब नेशनल बैंक से कारपोरेट टर्म लोन **पी. एन. बी. (निवल) से मध्यम अवधि का सह–ऋण** अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित। पहली निकासी से 2 वर्ष की मोहलत के बाद ऋण निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जा सकता है: रुपये की 12 समान किश्तें। 30.12.2022 से शुरू होने वाली प्रत्येक योजना के लिए 17 करोड़ रुपये, 8 करोड़ रुपये की समान किश्तों के लिए 8 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इस मद में 30.12. 2025 से शुरू होने वाली प्रत्येक मद में 34 करोड़ रुपये और 30.12.2027 से शुरू होने वाली प्रत्येक मद में 93.50 करोड़ रुपये की 4 समान किस्तें शामिल हैं।	10,200.00	6,800.00
ग. भारतीय स्टेट बैंक से रुपया सावधि ऋण अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर अन्य ऋणदाताओं के साथ समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित। ऋण निकासी की पहली दिनांक से 2 वर्ष की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जाता है: 9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 25.00 करोड़ रु 21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 50.00 करोड़ रु 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 75.00 करोड़ रुपये।	10,000.00 6,000.00	10,000.00 -
घ. एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण **(**पारे जलविद्युत संयंत्र – अरुणाचल प्रदेश में स्थित अचल संपत्तियों के समांतर आधार पर बंधक द्वारा सुरक्षित रंगनाडी जलविद्युत संयंत्र (405 मेगावाट) में स्थित संयंत्र एवं मशीनरी और असम गैस आधारित विद्युत संयंत्र (291 मेगावाट) में स्थित गैस टर्बाइन**)**। पहली निकासी (06.10.2022) से 2 साल की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किस्त में ऋण चुकाया जाता है–9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में 15.00 करोड़ रुपये–21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में 25.00 करोड़ रुपये: 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में 30.00 करोड़ रुपये।	6,000.00	-
ङ. एक्सिस बैंक से सावधि ऋण (त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में स्थित त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन की चल अचल संपत्तियों (पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों सहित) पर प्रथम प्रभार द्वारा सुरक्षित। पहली निकासी (29.09.2023) की दिनांक से 2.25 वर्ष की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है 9वीं से 18वीं तिमाही के अंत में रु. 10.00 करोड़ प्रत्येकय 19वीं से 27वीं तिमाही के अंत में रु. 20 करोड़ प्रत्येकय 28वीं से 36वीं तिमाही के अंत में रु. 30 करोड़ प्रत्येकय 37वीं से 40वीं तिमाही के अंत में रु. 50 करोड़ प्रत्येक।	1,000.00	-
उप–कुल	**77,200.00**	**91,300.00**
II असुरक्षित उधार **(i) विदेशी मुद्रा ऋण** **केएफडब्ल्यू, जर्मनी से**	6,771.09	6,616.57

भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत) (भारत–जर्मन द्विपक्षीय विकास सहयोग कार्यक्रम के तहत केएफडब्ल्यू, जर्मनी से 8 करोड़ और 2 करोड़ यूरो का ऋण स्वीकृत किया गया था। ऋण समझौता 80 मिलियन और 20 मिलियन यूरो 11 दिसंबर 2008 और 20 दिसंबर 2017 को 3.46% चं. की निश्चित ब्याज दर पर निष्पादित किया गया था। – 0.85% वार्षिक क्रमशः। इस ऋण की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी जाती है। 80 मिलियन यूरो की अंतिम ऋण किस्त 03.03.2016 को प्राप्त हुई थी और 20 मिलियन यूरो 16.08.2018 को प्राप्त हुई थी। ऋण 30 बराबर छमाही किश्तों में चुकाने योग्य हैं। 30–12–2013 और 20 बराबर छमाही किस्त प्रभावि 30–12–2020 क्रमशः)		
(ii) मध्यम अवधि का ऋण **पीएनबी (नेट) से ऋण** 29.11.2023 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण पहली निकासी की दिनांक से 7 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ 30000 लाख। ऋण पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें वर्ष के अंत में 1000 लाख रुपये प्रत्येक के लिए 29.11.2024,29.11.2025,29.11.2026,29.11.2027,29.11.2028 और रु। 6 वें और 7 वें वर्ष के अंत में 12500 लाख अर्थात. 28.11.2029 और 28.11.2030 को। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.75% चं. है। /पीएनबी आरएलएलआर–ईएलआईटीई योजना।	1,000.00	1000.00
उप–कुल	**7,771.09**	**7,616.57**
कुल उधार	**84,971.09**	**98,916.57**
(iii) उपार्जित लेकिन देय नहीं ब्याजः		
बांड	6,430.84	4,992.14
केएफडबल्य से ऋण	170.67	212.24
बाहरी वाणिज्यिक उधार	-	-
मध्यम अवधि का ऋण	357.60	443.87
अधीनस्थ ऋण	-	-
टीसीएस अर्जित हुआ लेकिन वस्तुओं की बिक्री पर देय नहीं		-
उप–कुल	**6,959.11**	**5,648.25**

नोट संख्या–21ए वर्तमान पट्टा देयताएं

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
पट्टा देयताएँ	971.68	1,000.48
कुल	**971.68**	**1,000.48**

नोट संख्या 22: व्यापार देय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	960.27	1,242.61
सूक्ष्म उद्यमों और छोटे उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया	12,977.00	16,533.13
कुल	**13,937.27**	**17,775.74**

देय व्यापार में मार्च 2025 के लिए ईंधन लागत का भुगतान और मार्च 2025 के लिए ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं पर किए गए प्रावधान शामिल हैं।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
आपूर्ति और सेवाओं के लिए लेनदार	17,775.74	19,140.46

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में परिभाषित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय राशि का निर्धारण कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया गया है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

वर्णन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
i. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया मूल राशि	960.27	1242.61
ii. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया ब्याज का भुगतान नहीं किया गया	शून्य	शून्य
iii. एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज राशि और निर्धारित तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	शून्य	शून्य
iv. भुगतान करने में विलम्ब की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान इस अवधि के दौरान नियत दिन से अधिक किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	शून्य	शून्य
v. उपार्जित और अवैतनिक ब्याज की राशि।	शून्य	शून्य
vi. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय अतिरिक्त ब्याज की राशि, उस दिनांक तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।	शून्य	शून्य

31 मार्च, 2025 तक एमएसएमई को देय राशि विक्रेताओं से दावों की प्राप्ति के 45 दिनों से अधिक के लिए बकाया नहीं है और तदनुसार उक्त बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है।

व्यापार देयताओं की समय–सीमा

विवरण	31 मार्च 2025 तक						
	बकाया राशि	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
क	ख	ग	ड	च	छ	ज	झ= ख से ज
(i) एमएसएमई	877.34	82.93	-	-	-	-	**960.27**
(ii) अन्य	643.07	4,312.35	7,259.84	176.16	75.11	510.47	**12,977.00**
(iii) विवादित बकाया–एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित देय–अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,520.41**	**4,395.28**	**7,259.84**	**176.16**	**75.11**	**510.47**	**13,937.27**

विवरण	31 मार्च 2025 तक						
	बकाया राशि	देय नहीं	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	

क	ख	ग	ड	च	छ	ज	झ= ख से ज
(i) एमएसएमई	1,144.54	98.07	-	-	-	-	**1,242.61**
(ii) अन्य	5,119.32	9,158.23	1,643.46	89.05	23.73	499.34	**16,533.13**
(iii) विवादित बकाया–एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	**-**
(iv) विवादित देय–अन्य	-	-	-	-	-	-	**-**
कुल	**6,263.86**	**9,256.30**	**1,643.46**	**89.05**	**23.73**	**499.34**	**17,775.74**

वर्तमान देयताएँ

नोट संख्या 23 अन्य वित्तीय देयताएँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
I. अर्जित लेकिन देय नहीं ब्याजः		
बांड	6,430.84	4,992.14
केएफडबल्यू से ऋण	170.67	212.24
बाहरी वाणिज्यिक उधार	-	-
मध्यम अवधि का ऋण	357.60	443.87
अधीनस्थ ऋण	-	-
उप–कुल	**6,959.11**	**5,648.25**
II. अन्य देयताएं		
पूँजीगत व्यय के लिए देय		
(i) सूक्ष्म और लघु उद्यम	482.49	122.43
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा	5,669.59	4,816.47
कर्मचारियों के लिए देय राशि के लाभ	6,287.70	7,902.18
अन्य देय राशियाँ और प्रावधान	21,065.19	9,866.12
ठेकेदारों, ईएमडी, एसडी और अन्य अग्रिमों से प्राप्त प्रतिधारण राशि	10,779.50	14,335.55
उप–कुल	**44,284.47**	**37,042.75**
कुल	**51,243.58**	**42,691.00**

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में परिभाषित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय राशि का निर्धारण कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया गया है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

वर्णन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
i. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया मूल राशि	482.49	122.43
ii. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया ब्याज का भुगतान नहीं किया गया		
iii. एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज राशि और निर्धारित तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।		

iv. भुगतान करने में विलम्ब की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान इस अवधि के दौरान नियत दिन से अधिक किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना		
v. उपार्जित और अवैतनिक ब्याज की राशि।		
vi. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय अतिरिक्त ब्याज की राशि, उस दिनांक तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।		

31 मार्च, 2025 को एमएसएमई को देय राशि विक्रेताओं से दावों की प्राप्ति के 45 दिनों से अधिक के लिए बकाया नहीं है और तदनुसार उक्त बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है।

नोट संख्या 24: अन्य वर्तमान देयताएँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अन्य वैधानिक देय राशि:		
i) देय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर	3,345.33	3,427.03
ii) अन्य वैधानिक देय (सीपीएफ,एलआईपी एनईएसएस आदि)	1,419.80	1,457.58
लाभार्थियों से अग्रिम	2,396.45	1,246.60
परियोजना प्रभावित लोगों को मुफ्त बिजली	113.57	96.95
कुल	**7,275.15**	**6,228.16**

24 (i) ठेकेदारों और अन्य लोगों से प्राप्त प्रतिधारण राशि प्रतिभूति जमा, कार्यों/आपूर्ति बिल से काटे गए बयाना धन से संबंधित है, जिसे अनुबंध/आपूर्ति आदेश की शर्तों द्वारा निर्धारित दोष देयता अवधि के बाद काम पूरा होने पर निपटाया जाएगा।

24 (ii) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में 31 मार्च 2025 तक किया गया टीडीएस और अप्रत्यक्ष कर जैसे जीएसटी शामिल है जो मार्च 2025 के कार्यों/आपूर्ति बिल से काटा गया है और रिपोर्टिंग की दिनांक तक जमा नहीं किया गया है।

24 (iii) देय अन्य सांविधिक देय राशियों में भविष्य निधि में निगम का अंशदान, एलआईसी प्रीमियम में कटौती, पेंशन अंशदान, भविष्य निधि में कर्मचारियों का अंशदान और मार्च के दौरान की गई अन्य कटौती शामिल है जो देय नहीं है और रिपोर्टिंग तिथि तक जमा नहीं की गई है।

नोट संख्या 25: अल्पावधि प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ		
ग्रैच्युटी	596.35	361.48
सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा लाभ	4,162.28	2,861.23
नकदीकरण छोड़े	17,533.64	16,670.42
अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	52.58	37.62
कुल	**22,344.85**	**19,930.75**

कर्मचारी लाभों के प्रावधान में ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्ति पर सोने का सिक्का शामिल हैं। चालू वर्ष के लिए प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि/कमी मुख्य रूप से चालू वर्ष के लिए वृद्धिशील शुल्क के शुद्ध प्रभाव और चालू वर्ष में भुगतान किए गए लाभों के कारण है।

25 (i) परिभाषित अंशदान योजना

कंपनी संबंधित कर्मियों की ओर से कई परिभाषित योगदान योजनाओं में भाग लेती है। इन योजनाओं के संबंध में मान्यता प्राप्त कोई भी व्यय

उन योजनाओं के नियमों द्वारा निर्दिष्ट दरों पर उनके द्वारा अवधि के दौरान देय योगदान के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। बैलेंस शीट में केवल वे राशियाँ शामिल हैं जो पूर्व महीनों के अंशदानों से संबंधित हैं जिनका रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के बाद तक भुगतान नहीं किया जाना था। कंपनी द्वारा संचालित प्रमुख परिभाषित योगदान योजनाएं इस प्रकार हैं:

(क) भविष्य निधि

भारतीय कानून के अनुसार, कंपनी के योग्य कर्मचारी भविष्य निधि के संबंध में लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं, एक परिभाषित योगदान योजना, जिसमें कर्मचारी और कंपनी दोनों कवर किए गए कर्मचारियों के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर मासिक योगदान करते हैं। कंपनी भविष्य निधि न्यास को पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करती है, जो सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमत प्रतिभूतियों में निधि का निवेश करती है। वर्ष के लिए कोष में कंपनी का योगदान ₹ 3375.47 लाख (पिछले वर्ष ₹ 3469.50 लाख) था निवेश ने भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट दर के अनुसार सदस्य को भुगतान करने के लिए पर्याप्त ब्याज अर्जित किया है।

(ख) अधिवर्षिता निधि

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार (जीओआई) के ओ.एम. द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार। क्रमांक 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–xiv/08 दिनांक 26.11.2008 एवं कार्यालय ज्ञापन। नंबर 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी) /जीएल–vii/09 दिनांक 02.04.2009, कंपनी ने नीपको कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति लाभ योजना तैयार की है।

वर्ष के लिए इस योजना का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट में कंपनियों का योगदान ₹ 2321.71 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2389.13 लाख) था।

25 (ii). परिभाषित लाभ योजनाएं

क. सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी

कंपनी के पास एक परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है, वह सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन (15/26 x अंतिम रूप से प्राप्त मूल वेतन और महंगाई भत्ता) पर ग्रेच्युटी प्राप्त करने का हकदार है, जो अधिकतम रु। 20.00 लाख, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

निदेशक मंडल ने 01.04.2013 को आयोजित अपनी बैठक में निगम की सेवाओं से अलग किए गए कर्मचारियों को ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए धन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने संकल्प संख्या 195/16 कज. 1.4.2013 के माध्यम से ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट के निर्माण को मंजूरी दी है। तदनुसार नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट का गठन 25 जून 2013 को किया गया था और एक मास्टर पॉलिसी, जिसे नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी–सह–जीवन बीमा (नकद संचय) योजना के रूप में नामित किया गया है, को भारतीय जीवन बीमा निगम से 5 अगस्त 2013 को लिया गया है।

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 31.03.2025 को फंड बैलेंस का आकलन करने के लिए एलआईसी के साथ लेन–देन नीपको की पुस्तकों के अनुसार हैं।

एल.आई.सी. के साथ वित्त पोषित परिसंपत्तियों का विवरण (₹ लाख में)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
प्रारंभिक शेष	17,676.97	18,621.54
वर्ष के दौरान लेन–देन (नेट डेबिट)	2,596.86	2,275.70
वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज (शुद्ध ऋण)	1,703.68	1,331.13
समापन शेष राशि	**16,783.79**	**17,676.97**

ख. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना

कंपनी के पास सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं के लिए एक अंशदायी योजना है। इस योजना के तहत सेवानिवृत्त/मृत कर्मचारी और सेवानिवृत्त/मृतक के पति/पत्नी को अंशदायी आधार पर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं जो इस प्रकार हैं:

इनडोर उपचार के लिए किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति निकटतम अधिकृत/अनुमोदित अस्पताल की दरों तक सीमित है।

पैनल में शामिल अस्पतालों में किए गए बाह्य रोगी/अधिवासी उपचार के लिए, नैदानिक परीक्षणों, जांच, दवाओं की लागत और अन्य ओपीडी खर्चों के लिए प्रतिपूर्ति की अनुमति है, जो प्रति वर्ष अंतिम मूल की अधिकतम सीमा के अधीन है, जो भी कम हो। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ग. अधिवर्षिता पर अन्य सेवानिवृत्ति लाभ

एक अच्छी संगठनात्मक संस्कृति को पोषित करने और कर्मचारी द्वारा प्रदान की जाने वाली ईमानदार सेवाओं की सराहना करने के लिए, निगम सेवानिवृत्ति की दिनांक पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को एक सोने का सिक्का प्रदान कर रहा है। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

25 (iii) कर्मचारी को मिलने वाले अन्य लाभ

क. छोड़ दें।

कंपनी कंपनी के कर्मचारियों को अर्जित अवकाश लाभ (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित) और आधा वेतन अवकाश प्रदान करती है जो क्रमशः 30 दिनों और 20 दिनों में वार्षिक रूप से प्राप्त होता है। अर्जित अवकाश खाता केवल एक खंड यानी अर्थात में बनाए रखा जाता है। कैश करने योग्य। निगम से कर्मचारी की सेवानिवृत्ति/अलगाव पर, 300 दिनों की अधिकतम सीमा के अधीन पूरी छुट्टी (अर्जित छुट्टी और अधिकतम 240 दिन आधा वेतन अवकाश) नकद योग्य होगी। आधा वेतन अवकाश परिवर्तित नहीं किया जा सकता है। आधा वेतन अवकाश के लिए देय नकद समतुल्य आधा वेतन और महंगाई भत्ते के लिए स्वीकार्य छुट्टी वेतन के बराबर होगा। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ख. सामाजिक सुरक्षा योजना

अनुकंपा नियुक्ति के बदले कंपनी की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। कंपनी इस योजना में समान योगदान देती है। इस योजना का उद्देश्य कंपनी के किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित लाभार्थियों को नकद लाभ प्रदान करना है, जिसमें स्थायी पूर्ण विकलांगता भी शामिल है जिससे रोजगार की समाप्ति हो जाती है।

नोट संख्या 26: अन्य गैर–वर्तमान देयताएँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
आस्थगित राजस्व		
सरकारी अनुदान से उत्पन्न विलंबित राजस्व	**19,571.04**	21,213.71
कम: वर्ष के दौरान समायोजित	**1,640.74**	1,586.70
कुल	**17,930.30**	**19,627.01**

नोट संख्या 26ए: आस्थगित राजस्व चालू

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
क) सरकारी अनुदान से उत्पन्न होने वाला आस्थगित राजस्व	1,640.74	1,586.70
जोड: वर्ष के दौरान जोड़	1,640.74	1,586.70
कम: वर्ष के दौरान समायोजित	1,640.74	1,586.70
उप–कुल	**1,640.74**	**1,586.70**
ख) आस्थगित विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव देयताएँ	9,623.88	9,978.04
कुल	**11,264.62**	**11,564.74**

सरकारी अनुदान पर टिप्पणी (आईएंनडी एएस 20)

नीपको की अनुमोदित लेखा नीति में "सरकारी अनुदान" की मान्यता और लेखांकन की नीति शामिल है (नोट 1 का पैरा 14–महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश)

सरकार भारत सरकार ने तुईरियल एचईपी के कार्यान्वयन के लिए नीपको को परियोजना के "वाणिज्यिक संचालन की तिथि" से 1% प्रति वर्ष की दर से देय ब्याज के साथ ₹ 29196.42 लाख रुपये के उप–ऋण को मंजूरी दे दी है। उपरोक्त ऋण राशि में से, नीपको को 31.03.2015 तक ₹ 29096.42 लाख प्राप्त हुए हैं और शेष ₹ 100.00 लाख वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त हुए हैं। 31.03.2015 तक प्राप्त ऋण राशि (₹ 29096.42 लाख) को 01.04.2015 (इंड एएस ट्रांज़िशन तिथि) के अनुसार नीपको की पुस्तकों में इंड एएस 101 (पूर्वव्यापी आवेदन के अपवाद) के अनुपालन में इसके मूल्य पर मान्यता दी गई है। हालाँकि, वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त ऋण राशि (₹100.00 लाख) के लिए, बाजार ब्याज दर से कम होने के कारण ऋण का लाभ (जून 2015 तक प्रभावी एसबीआई आधार दर/9.70% माना जाता है) ₹ 82.64 लाख की राशि को सरकारी माना गया है। अनुदान और तदनुसार नीपको की पुस्तकों में मान्यता प्राप्त।

सहायता में अनुदान से बाहर के पुर्जे

केंद्र सरकार से प्राप्त "सहायता अनुदान" से खरीदे गए पुर्जों का कुल मूल्य। ₹ 3659.53 लाख की राशि और तदनुसार, असम गैस आधारित की

पुस्तकों में मान्यता प्राप्त है। वर्तमान अवधि के दौरान, मरम्मत और रखरखाव को डेबिट कर दिया गया है और "अनुदान सहायता" के तहत पुर्जों के स्टॉक में 56.74 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2.70 लाख रुपये) की राशि जमा की गई है वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में एक समतुल्य राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय से अनुदान

विद्युत मंत्रालय के पत्र संख्या 7/7/2009– दिनांक 14 जनवरी, 2011 के अनुसार स्वीकृत निवेश अनुमोदन के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) द्वारा तुईरियल जलविद्युत परियोजना, मिजोरम के लिए स्वीकृत वित्त पोषण पैटर्न के एक भाग के रूप में 30000.00 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। 300.00 करोड़ रुपये की कुल राशि अनुदान सहायता में शामिल है जो परियोजना के चालू होने के बाद से मानक उपयोगी जीवन के दौरान परिशोधन के अधीन है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिशोधन राशि ₹ 1584.00 लाख (पिछले वर्ष ₹ 1584.00 लाख) वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में एक समतुल्य राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

नोट संख्या 27: संचालन से राजस्व

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
ऊर्जा की बिक्री	336,105.92	325,400.29
व्यापार के जरिए ऊर्जा की बिक्री	84,064.78	85,097.19
बिजली शुल्क	113.07	412.07
डी.एस.एम से आय	5,139.29	6,742.40
आरआरएएस/टीआरएएस से राजस्व	1,583.74	1,088.68
अन्य:		
लाभकारी संस्थाओं से एफईआरवी (नेट)	354.16	659.69
फीस भरें	63.89	127.78
लाभार्थियों से एनईआरएलडीसी शुल्क और अन्य शुल्क	767.60	895.86
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा की बिक्री	71.25	35.04
बिजली की बिक्री (शुद्ध)	**428,263.70**	**420,459.00**
अन्य परिचालन राजस्व:		
लाभार्थियों का ब्याज	(125.49)	1,911.04
आस्थगित राजस्व से मान्यता–''सरकारी अनुदान''	1,640.74	1,586.70
संचालन से शुद्ध राजस्व	**429,778.95**	**423,956.74**

क. बिजली की बिक्री का हिसाब केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित शुल्क के आधार पर किया जाता है बिजली स्टेशनों के मामले में जहां अंतिम टैरिफ को अभी तक सीईआरसी द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ की शर्तें और शर्तें) विनियम 2024 में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार टैरिफ याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अनंतिम दर के आधार पर ऊर्जा की बिक्री प्रदान की जाती है। जिन परियोजनाओं के लिए न तो सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी के पास याचिका लंबित है, ऊर्जा की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों द्वारा सहमत टैरिफ के आधार पर किया जाता है। बिजली की बिक्री से होने वाले राजस्व में ग्राहकों को दी गई बिक्री शामिल है, लेकिन अभी तक बिल नहीं दिया गया है, जिसे आमतौर पर 'अनबिल राजस्व' के रूप में जाना जाता है।

ख. बिजली की बिक्री में शामिल हैं: –

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
चालू वर्ष मासिक बिलिंग	264808.38	287174.33
वार्षिक नियत लागत (टैरिफ आदेश लंबित)	25131.94	9,911.12
ट्रुइंग–अप ऑर्डर लंबित (कंट्रोल पी ख्मतपवक 2019–24)	34428.92	-
ऊर्जा प्रभारों की कमी के कारण वसूली	4821.63	19,245.69
बिजली की बकाया बिक्री	39.28	2,060.92

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
सीईआरसी द्वारा आदेशित ईंधन गैस की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण क्षमता शुल्क के नुकसान के लिए मुआवजा	-	4,622.92
तापीय संयंत्रों के लिए खुले चक्र के कारण चालू वित्त वर्ष में बकाया राशि प्राप्त	-	131.04
तुईरियल एचपीएस के लिए सहायक खपत और एनएपीएएफ में संशोधन।	-	1,048.45
मजदूरी पर असर	-	304.70
ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र	1745.04	69.09
वर्ष 2009 तक की अवधि से संबंधित विलंबित कर देनदारी के लिए लाभार्थियों से सीधे वसूली योग्य राशि	6143.46	1,637.33
पावर एक्सचेंज के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री	85359.56	86,619.72
विचलन निपटान तंत्र	5139.30	6,742.40
आरक्षित विनियमन सहायक सेवाएँ (आरआरएएस)	0.00	26.96
तृतीयक आरक्षित सहायक सेवाएँ (टीआरएएस)	1583.74	1,061.73
विदेशी मुद्रा दर में परिवर्तन। (एफईआरवी)	354.16	659.69
आवृत्ति प्रतिक्रिया प्रोत्साहन	523.35	-
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	767.60	895.86
शुल्क प्रतिपूर्ति दाखिल करना	63.89	127.78
विद्युत शुल्क प्रतिपूर्ति	113.07	412.07
लाभार्थियों से ब्याज	-125.49	1,911.04
एड्स में अनुदान	1640.74	1,586.70
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार	71.25	35.04
लाभार्थियों को छूट की अनुमति	(2830.85)	(2,327.82)
कुल	**429,778.95**	**423,956.74**

ख. 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए ऊर्जा की बिक्री में 25131.95 लाख रुपये (पिछले वर्ष 9911.11 लाख रुपये) शामिल हैं, जो आदेश जारी होने तक सीईआरसी को प्रस्तुत याचिका के अनुसार वार्षिक निश्चित लागत के आधार पर मान्यता प्राप्त वर्ष के लिए राजस्व है।

ग. 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में 39.28 रुपये (शुद्ध) (पिछले वर्ष 2060.92 लाख रुपये) शामिल हैं। इसके अलावा, 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में "निपको की याचिका संख्या में सीईआरसी द्वारा आदेशित ईंधन गैस की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण एजीबीपीएस के क्षमता शुल्क के नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में शून्य (पिछले वर्ष 4622.92 लाख रुपये) शामिल हैं। 225/एमपी/2017। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में प्राप्त बकाया क्रमशः क. छ. ख. पी. एस., एजिजीबीपीएस एस. के लिए ओपन साइकिल के कारण "शून्य" है (पिछले वर्ष क्रमशः 52.45 लाख और 78.59 लाख रुपये)। तुईरियल एचपीएस के लिए चालू वित्त वर्ष में सहायक खपत और एनएपीएएफ के संशोधन के कारण शून्य (पिछले वर्ष 1048.45 लाख रुपये) की राशि प्राप्त हुई थी।

घ. वर्ष के दौरान पहचाने गए ऊर्जा शुल्कों की कमी के कारण वसूली 4821.63 लाख रुपये (पिछले वर्ष 19245.69 लाख रुपये) थी

ड. विनियमन के संदर्भ में। सीईआरसी (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2019 की धारा 67 के अनुसार 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के लिए विलंबित कर देयताऐं की वसूली सीधे उत्पादक कंपनियों या पारेषण लाइसेंसधारियों या लाभार्थियों या दीर्घकालिक पारेषण ग्राहकों/डीआईसी द्वारा की जाएगी। तदनुसार, 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में 6143.46 लाख रुपये (पिछले वर्ष 1637.33 लाख रुपये) शामिल हैं

च. एनईआरपीसी द्वारा जारी साप्ताहिक विवरणों के अनुसार 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए डीएसएम और आरआरएएस का लेखा–जोखा है।

नोट संख्या 28: अन्य आय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अन्य गैर–परिवालन आय (ऐसी आय के लिए सीधे जिम्मेदार खर्चों का शुद्ध)		
बैंकों में जमा राशि पर ब्याज	373.19	358.77
जमा कार्यों के निष्पादन से आय	-	211.90
अन्य विविध रसीदें	3,284.54	595.42
कमजोर शक्ति	299.11	159.10
देयता/प्रावधान वापस लिखा गया		
अन्य	57.14	493.32
भुगतान में देरी लाभार्थियों से अधिभार	720.47	848.88
उप–कुल	**4,734.45**	**2,667.39**
अन्य लाभ और हानि		
पीपीई के निपटान पर लाभ/(हानि)	7.49	45.74
	4,741.94	2,713.13
कमः निर्माण के दौरान व्यय में स्थानांतरित नोट 34 (ई) और 34(एफ) (आई)	333.68	247.04
कुल	**4,408.26**	**2,466.09**

28 (i) अन्य विविध। प्राप्तियों में पारगमन छात्रावास किराया, ठेकेदारों से वसूली, जब्त ईएमडी, परियोजना परामर्श से आय, आवासीय/गैर–आवासीय भवन से किराए की वसूली, ऋण पर कर्मचारियों से ब्याज, ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अन्य वसूली, निविदा पत्र की बिक्री आदि शामिल हैं।

28 (ii) देयता/प्रावधान वापस लिखा गया–अन्य में वित्त वर्ष 2019–20 से संबंधित पीआरपी देय (365.81 लाख रुपये) के संबंध में अतिरिक्त प्रावधान और मरम्मत और रखरखाव कार्यों के लिए अन्य प्रावधान (127.51 लाख रुपये) शामिल हैं।

नोट संख्या 29: ईंधन लागत

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
गैस की खरीद	114,768.05	124,616.69
गैस के लिए परिवहन शुल्क	941.31	1,025.55
कुल	**115,709.36**	**125,642.24**

नोट संख्या 30: कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभ व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वेतन और मजदूरी	45,124.98	38,994.51
भविष्य निधि में योगदान	3,375.46	3,469.50
ग्रैच्युटी	524.17	723.62

एनईडीसीएसएस में योगदान	2,321.71	2,389.13
लीव एनकैशमेंट	4,331.83	3,154.79
कर्मचारी कल्याण व्यय	222.04	101.84
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	948.72	732.04
कुल	**56,848.91**	**49,565.43**
आईईडीसी को हस्तांतरित राशि–नोट 34 (क) और 34 (च) (ii)	8,220.84	6,279.65
लाभ और हानि के विवरण को आगे बढ़ाया गया	**48,628.07**	**43,285.78**

30 (i) हाउस बिल्डिंग एडवांस पर ब्याज सब्सिडी योग्य कर्मचारियों को देय है, बशर्ते कि वे निर्धारित प्रक्रिया का विधिवत पालन करते हुए अपना आवेदन जमा करें और सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकार करें। तदनुसार ब्याज सब्सिडी को वास्तविक भुगतान के आधार पर लेखा पुस्तकों में मान्यता दी जाती है जैसा कि उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा अनुमति दी जाती है।

30 (ii) कर्मचारियों के पारिश्रमिक और लाभों में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित निदेशकों के लिए निम्नलिखित शामिल हैं।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वेतन और भत्ते	256.42	140.58
भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	26.79	20.71
अन्य लाभ	13.69	27.53
कुल	**296.90**	**188.82**

30 (iii) कर्मचारी कल्याण खर्चों में कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ, अन्य सेवा कल्याण लाभ (सोने का सिक्का, मकान निर्माण ऋण पर ब्याज सब्सिडी, पट्टे पर आवास आदि) शामिल हैं।

नोट संख्या 31: वित्तीय लागत

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
क. ब्याज व्यय		
सीसी और डब्ल्यूसीडीएल सहित अल्पावधि उधार पर ब्याज	2,069.73	2,807.56
बॉन्ड पर ब्याज	24,394.72	29,477.83
दीर्घ, मध्यम और कॉर्पोरेट अवधि के ऋण पर ब्याज	29,098.63	23,407.05
केएफडबल्य ऋण पर ब्याज	753.62	949.38
भारत सरकार से ऋण पर ब्याज	291.96	291.96
ईसीबी ऋण पर ब्याज	-	-
विनिमय दर में उतार–चढ़ाव–हानि / (लाभ)	213.00	93.56
ब्याज व्यय–पट्टे के तहत परिसंपत्ति	17.69	210.01
ब्याज व्यय–अन्य	-	-
ख. वित्त प्रभार		
ईआईआर के विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क	403.15	496.15
ग. अन्य उधार लागत	73.39	72.42
कुल	**57,315.89**	**57,805.92**
आईईडीसी को हस्तांतरित राशि–नोट 34 (ख) और 34 (च) (iv)	4,102.74	4,967.87

लाभ और हानि के विवरण के लिए अग्रेषित राशि	**53,213.15**	**52,838.05**

नोट संख्या 32: मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
पीपीई मूल्यह्रास (टिप्पणी संख्या–2)	82,727.65	85,086.61
अमूर्त परिसंपत्तियाँ (नोट संख्या–4)	713.80	717.46
उप–कुल	**83,441.45**	**85,804.07**
आईईडीसीको हस्तांतरित राशि–नोट 34 (ग) और 34 (च) (iii)	382.29	323.43
लाभ और हानि के विवरण को आगे बढ़ाया गया	**83,059.16**	**85,480.64**

नोट संख्या 33: अन्य व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
जनरेशन व्यय		
मरम्मत और रखरखाव:		
सड़कें और इमारतें	3,952.69	4,270.84
पावर हाउस	12,357.66	10,558.69
हाइड्रोलिक कार्य	2,581.61	2,507.14
लाइन और सब–स्टेशन	369.02	423.51
अन्य	1,386.15	1,570.70
स्टोर और पुर्जे (अनुदान सहायता के खिलाफ)	56.74	2.70
कमः निर्माण के दौरान व्यय में स्थानांतरित नोट संख्या – 34 (घ)	556.67	**1,460.38**
उप–कुल	**20,147.19**	**17,873.19**
प्रशासन व्यय	814.33	593.05
यात्रा व्यय	42.66	554.19
विज्ञापन खर्च	7,592.45	7,324.45
बीमा शुल्क	70.26	56.10
किराया	478.52	22.23
दरें और कर	228.93	178.40
मनोरंजन खर्च	22.98	23.48
लेखा परीक्षा शुल्क और व्यय **{संदर्भ नोट 33 (i)}**	1,536.33	1,574.30
परिवहन खर्च	-	-
किराया शुल्क	68.27	69.68
मुद्रण और लेखन सामग्री	4.16	3.39
डाक	1,611.72	1,690.98
चिकित्सकीय खर्च	45.69	30.68
लाइसेंस और पंजीकरण	0.69	0.44
समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	469.22	516.54
वर्दी और लीवर	1.87	11.96
मानदेय	371.11	321.01

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
पानी और बिजली शुल्क	5.42	26.53
बैंक शुल्क	1,489.56	1,386.77
समाज कल्याण	706.73	428.52
परामर्श शुल्क	114.65	137.82
पेशेवर शुल्क	244.52	10,955.68
प्रारंभिक खर्च	5,149.60	4,874.84
सुरक्षा के इंतजाम	405.36	260.43
प्रशिक्षण खर्च	204.32	39.04
कर्मचारियों की भर्ती पर खर्च	50.45	71.52
अस्पताल की सुविधाएं	14.11	441.11
सब्सक्रिप्शन और सदस्यता शुल्क	315.84	312.56
संचार व्यय	32.13	34.52
विविध व्यय	553.45	555.07
आई.बी खर्च	472.78	372.93
प्रयोगशाला और मीटर परीक्षण शुल्क	1.96	2.13
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	241.41	453.93
फोटोग्राफिक रिकॉर्ड	1.99	1.55
स्टॉक का नुकसान/अग्रिम बट्टे खाते में डाल दिया गया **{संदर्भ नोट 33 (ii)}**	4.90	1.81
ईडीपी व्यय	1,006.72	1,119.94
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	64.23	63.96
कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजना	505.67	454.42
आकस्मिक व्यय सौभाग्य	-	-
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तियाँ **{संदर्भ नोट 33 (ii)}**	402.66	395.71
मुआवजा	20.29	265.95
बोर्ड की बैठकों का खर्च	55.34	70.92
प्रचार का खर्च	246.64	588.42
कानूनी आरोप	1,470.25	910.26
सीईआरसी को शुल्क दाखिल करना	178.94	146.81
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	940.10	1,089.21
अनुसंधान और विकास व्यय	18.53	2.92
कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और एसडी **{संदर्भ नोट 46}**	1,185.97	764.20
आरआरएएस/टीआरएएस/एसआरएएस–व्यय	4,489.86	4,418.31
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार	54.11	12.70
लाभार्थी राज्यों का हित	-	-
व्यापार व्यय	198.63	923.32
ऊर्जा संरक्षण व्यय	9.48	8.66
निविदा व्यय	0.25	0.05
कोविड 19 के खर्च	-	-
स्वच्छ भारत व्यय	9.98	10.18
विलंबित भुगतान अधिभार देर से भुगतान पर ब्याज	0.01	0.50
कमः निर्माण के दौरान व्यय में स्थानांतरित नोट संख्या – 34 (घ)	**2,279.52**	**13,894.29**

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
कुल योग	**31,946.53**	**30,679.79**
उप–कुल		
अन्य खर्च	-	-
स्नेहक, तेल आदि	351.51	197.04
बिजली शुल्क	593.78	1,488.41
घ. एस. एम. शुल्क/देय	-	-
ट्रांसमिशन शुल्क	-	-
पीएम कुसुम	-	-
पीएम विश्वकर्मा योजना	7,283.27	6,711.84
मध्यस्थता पुरस्कार संदर्भ नोट 33 (ii)	-	-
रूफ–टॉप सौर कार्यक्रम		
आजादी का अमृत महोत्सव	3.39	7.08
राइट ऑफ के लिए प्रावधान–अन्य **{संदर्भ नोट 33 (ii)}**	857.39	-
उप–कुल	**9,089.34**	**8,404.37**
कुल	**61,183.06**	**56,957.35**

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास

क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली सकल राशि: 1176.50 लाख

ख) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि: 1185.97 लाख

विवरण		
i किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	₹ 732.55 लाख	
ii उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	₹ 453.42 लाख	
कुल	₹ 1185.97 लाख	

33 (i) लेखापरीक्षा व्यय के संबंध में विवरण (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
लेखा परीक्षक के रूप में:		
लेखा परीक्षा शुल्क	15.16	14.96
सीमित समीक्षा ।	7.29	6.81
अन्य क्षमता में:		
अन्य सेवाएं (प्रमाणन शुल्क)	0.53	1.71
कुल	**22.98**	**23.48**

33 (ii) के लिए प्रावधान (₹ लाख में)

विवरण	31 गार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 गार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
हानि/स्टॉक की कमी/संदिग्ध ऋण और अग्रिम	4.90	1.81
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तिया	402.66	395.71
मध्यस्थता मामले	7,283.27	6,711.84
अन्य लेखों के लिए प्रावधान '	857.39	-
कुल	**8,548.22**	**7,109.36**

** अन्य लेखों के लिए प्रावधान में मुख्य रूप से ठेकेदार को भुगतान किए गए प्रारंभिक अग्रिम पर अर्जित संदिग्ध ब्याज के खिलाफ प्रावधान शामिल है, जिसका मामला विचाराधीन है।

नोट संख्या 34 निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
(क) कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ व्यय		
वेतन और मजदूरी	2,022.14	2383
भविष्य निधि में योगदान	141.45	223.4
ग्रैच्युटी	20.63	40.47
एनईडीसीएसएस में योगदान	98.98	149.27
लीव एनकैशमेंट	375.66	165.28
कर्मचारी कल्याण व्यय	9.54	6.75
उप–कुल	**2,668.40**	**2,968.17**
(ख) ब्याज और वित्त प्रभार		
झ. ब्याज व्यय		
सीसी और डब्ल्यूसीडीएल सहित अल्पावधि उधार पर ब्याज		
बॉन्ड पर ब्याज	1,457.46	
दीर्घ, मध्यम और कॉर्पोरेट अवधि के ऋण पर ब्याज	1,973.11	4,227.28
केएफडबल्यू ऋण पर ब्याज		
सरकार से ऋण पर ब्याज। भारत का		
ईसीबी ऋण पर ब्याज		
विनिमय दर में उतार–चढ़ाव–हानि / (लाभ)		
ब्याज व्यय–पट्टे के तहत परिसंपत्ति	1.07	9.18
ब्याज व्यय–अन्य		
ii. वित्त प्रभार		
ईआईआर के विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क		
iii. अन्य उधार लागतें	0.59	
उप–कुल	**3,432.23**	**4,236.46**
ग. मूल्यह्रास उप–कुल	**89.56**	**116.27**
घ. सामान्य व्यय		
मरम्मत और रखरखाव:		
सड़कें और इमारतें	54.58	318.58
पावर हाउस, अन्य संयंत्र और उपकरण	231.52	563.42
अन्य	270.57	578.38
उप–कुल	**556.67**	**1,460.38**
ङ. प्रशासन व्यय		
यात्रा व्यय	42.67	46.16
बीमा शुल्क	712.94	838.58
किराया	26.82	41.81
दरें और कर	0.01	0.11
मनोरंजन खर्च	17.26	4.89
लेखा परीक्षा शुल्क और व्यय	-	-
परिवहन खर्च	116.06	160.84
किराया शुल्क	-	-
मुद्रण और लेखन सामग्री	3.02	5.01
डाक	0.15	0.06
चिकित्सकीय खर्च	46.03	77.69
लाइसेंस और पंजीकरण	-	0.67

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	0.08	0.07
वर्दी और लीवर	18.90	27.08
मानदेय	0.03	-
बिजली और पानी के शुल्क	24.13	259.43
बैंक शुल्क	0.64	0.38
समाज कल्याण	14.74	7.61
परामर्श शुल्क	-	-
पेशेवर शुल्क	204.95	99.92
प्रारंभिक खर्च	166.06	10,949.26
सुरक्षा के इंतजाम	82.49	447.00
प्रशिक्षण खर्च	7.84	10.05
कर्मचारियों की भर्ती पर खर्च	-	-
अस्पताल की सुविधाएं	0.29	4.06
सदस्यता और सदस्यता शुल्क	-	-
संचार व्यय	23.20	20.29
कार्यालय साज–सज्जा	0.02	0.08
विविध व्यय	30.70	41.53
आई.बी खर्च	43.24	4.58
प्रयोगशाला और मीटर परीक्षण शुल्क	-	-
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	64.97	284.39
फोटोग्राफिक रिकॉर्ड	-	-
स्टॉक की हानि/अग्रिम बट्टे खाते में	-	-
ईडीपी व्यय	10.63	10.00
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	-	-
कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजना	-	-
आकस्मिक व्यय सौभाग्य	-	-
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तियों को लिखा जाता है	-	-
मुआवजा	-	-
बोर्ड की बैठकों का खर्च	-	-
प्रचार का खर्च	-	-
कानूनी आरोप	9.06	-
सीईआरसी को शुल्क दाखिल करना	-	-
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	-	-
अनुसंधान और विकास व्यय	-	-
कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और एसडी	-	-
आरआरएएस/टीआरएएस–व्यय	-	-
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार		
लाभार्थी राज्यों का हित	-	-
व्यापार व्यय	-	-
ऊर्जा संरक्षण व्यय	-	-
निविदा व्यय	0.05	-
कोविड 19 के खर्च	-	-
स्वच्छ भारत व्यय	-	
विलंबित भुगतान अधिभार		
देर से भुगतान पर ब्याज	-	
उप–कुल	**1,666.97**	**13,341.55**

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
च. निगमित कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय व्यय		
i. अन्य आय	(15.56)	(1.88)
ii. कर्मचारी लाभ व्यय	5,552.44	3,311.48
iii. मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	292.73	207.16
iv. ब्याज और वित्त व्यय	670.51	731.41
v. अन्य व्यय	612.55	552.74
उप–कुल	**7,112.67**	**4,800.91**
कुल योग	**15,526.50**	**26,923.74**
छ. कमः गैर–परिचालन प्राप्तियां		
अग्रिमों से ब्याज		
पारगमन छात्रावास की वसूली	0.05	0.18
किराए की वसूली	0.52	14.30
विविध आय '	18.44	71.58
कमजोर शक्ति	299.11	159.10
उप–कुल	**318.12**	**245.16**
शुद्ध योग	**15,208.38**	**26,678.58**

विविध आय में ठेकेदार से वसूली, निविदा पत्र की बिक्री, कंप्यूटर अग्रिम और फर्नीचर अग्रिम का परिशोधन आदि शामिल हैं।

नोट संख्या 35: प्रति शेयर आय

नोट संख्या निम्नलिखित तालिका प्रति शेयर गणना में मूल और कमजोर आय में उपयोग की जाने वाली आय और शेयर डेटा को दर्शाती है।
35रू प्रति शेयर आय

(₹ लाख में)

	विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
(क)	**कर के बाद और नियामक आस्थगित खातों से पहले लाभ (₹ लाख में)**	48,297.64	57,313.55
(ख)	**कर के बाद और नियामक आस्थगित खातों के बाद लाभ (₹ लाख में)**	58,468.51	54,812.21
	कमः पतला भाग (कर का शुद्ध) के लिए भुगतान की जाने वाली राशि		
	सामान्य शेयरधारकों को दिया जाने वाला लाभ–बुनियादी ईपीएस के लिए	58,468.51	54,812.21
	सामान्य शेयरधारकों को दिया जाने वाला लाभ–पतला ईपीएस के लिए	58,468.51	54,812.21
(घ)	भारित औसत नं. बुनियादी ईपीएस के लिए सामान्य शेयरों की संख्या	3609810400	3609810400
	भारित औसत नं. डाइल्यूटेड–ईपीएस के लिए सामान्य शेयरों का	3609810400	3609810400
(इ)	साधारण शेयरों का नाममात्र मूल्य (₹)	10.00	10.00
(च)	नियामक आस्थगित खातों से पहले प्रति इक्विटी शेयर कमाई:		
	(i) बेसिक (इन ₹) (वार्षिक नहीं)	1.34	1.59
	(ii) पतला (में ₹)	1.34	1.59
(छ)	नियामक आस्थगित खातों के बाद प्रति इक्विटी शेयर कमाई:		
	(i) बेसिक (इन ₹) (वार्षिक नहीं)	1.62	1.52
	(ii) पतला (में ₹)	1.62	1.52

नोट संख्या 36 आकस्मिक देयताएँ और प्रतिबद्धताएँ (उस सीमा तक जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है

(₹ लाख में)

विवरण	स्थितिनुसार	
	31 मार्च–25	31 मार्च–24
आकस्मिक देयताएँ:		
कंपनी के खिलाफ दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है:		
– कैपिटल वर्क्स के खिलाफ लंबित मुकदमेबाजी:	237,904.68	286,685.70
– भूमि मुआवजे के मामले:	33,741.62	638.00
– विवादित आयकर मांग:	1,992.06	1,992.06
– अन्य **संदर्भ नोट 36 (i)**	26,218.20	23,295.00
कुल	**299,856.56**	**312,610.76**
प्रतिबद्धताएं:		
पूंजी अनुबंधों पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों की अनुमानित राशि और इसके लिए प्रदान नहीं की गई है (अग्रिमों और जमाओं का शुद्ध)		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	27,014.30	11,708.02

36 (i) 31 मार्च, 2025 तक ऋण के रूप में स्वीकार नहीं की गई कंपनी के खिलाफ दावों में शामिल हैं –

(i) आर्बिट्रेशन ट्रिब्यूनल/न्यायालयों के समक्ष कैपिटल वर्क्स के विरुद्ध लंबित मुकदमों के लिए कुछ मामले हैं, जिनके लिए दावों की राशि अभी तक रु। एक लाख रु. 237904.68 लाख

(ii) भूमि मुआवजे के मामलों में केएचईपी परियोजना के निर्माण के लिए भूमि मुआवजे में वृद्धि शामिल है। 102.00 लाख और भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए रु। 33639.62 लाख मौजूदा बाजार दर के अनुसार और टाटो–II एचईपी, अरुणाचल प्रदेश के लिए एलएआरआर अधिनियम, 2012 के अनुसार

(iii) ए.वाई के लिए अपने कर निर्धारण के पूरा होने पर कर के भुगतान के लिए आयकर अधिकारियों से मांग। 31.03.2025 को समाप्त अवधि के लिए 1992.06 लाख की राशि 2020–21

(iv) 31.03.2025 तक अन्य में 32.00 लाख रुपये की ग्रेच्युटी से संबंधित अदालती प्रक्रिया के कारण लंबित विभिन्न मामले शामिल हैं, ईपीएफ की राशि 64.00 लाख रुपये है। न्यू मेलिंग एचईपी और सेव नाफ्रा पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अरुणाचल प्रदेश सरकार के आयुक्त/सचिव (बिजली) द्वारा पारित समाप्ति नोटिस को चुनौती देने वाली रिट याचिका और त्रिपुरा राज्य के दो जिलों में ग्रामीण विद्युतीकरण के पूरा होने के खिलाफ नीपको से दिए गए अनुबंधों और शेष राशि के वास्तविककरण के खिलाफ 25457.20 लाख रुपये।

(v) कंपनी मांग का विरोध कर रही है और उसके कर सलाहकारों सहित प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उनकी स्थिति को बरकरार रखा जाएगा। प्रबंधन का मानना है कि इन कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम से कंपनी की वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़गा।

(vi) कंपनी कानूनी कार्यवाही और दावों के अधीन है, जो व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में उत्पन्न हुए हैं। कंपनी का प्रबंधन उचित रूप से यह उम्मीद नहीं करता है कि इन कानूनी कार्रवाइयों का, जब अंततः निश्कर्ष निकाला जाता है और निर्धारित किया जाता है, तो कंपनी के संचालन के परिणामों या वित्तीय स्थिति पर भौतिक और प्रतिकूल प्रभाव पड़गा।

नोट संख्या 37 विनियामक स्थगन लेखा शेष में परिवर्तन

दर विनियमित गतिविधियों की प्रकृति

कंपनी मुख्य रूप से बिजली उत्पादन और बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है। जिस टैरिफ के आधार पर कंपनी अपने लाभार्थियों को बेची गई बिजली के लिए बिल देती है, वह केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर लागू होने वाले सीईआरसी (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियमों के अनुपालन में निर्धारित किया जाता है। उक्त विनियम कंपनी को सामान या सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी लागत और उचित रिटर्न की वसूली करने की अनुमति देते हैं।

पहचान और माप

- केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा 2019–2024 की नियंत्रण अवधि के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) के तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (टीआरएचईपी) की वार्षिक निश्चित लागत (एएफसी) के निर्धारण के दौरान, जिसके लिए 16.04.2021 को आदेश जारी किया गया था, माननीय आयोग ने सार्वजनिक निवेश के निर्णय के अनुरूप उक्त उद्देश्यों के लिए नीपको द्वारा प्रस्तुत याचिका के आधार पर 2% मूल्यह्रास की अनुमति दी है। सरकार का बोर्ड (पीआईबी)। परियोजना की आरसीई (टीआरएचईपी) पर विचार करने के लिए दिनांक 04.06.2010 को आयोजित बैठक के दौरान भारत सरकार।
- सीईआरसी टैरिफ नियमों के अनुसार दरें और कार्यप्रणाली, जिसके आधार पर टीआरएचईपी के लिए मूल्यह्रास की गणना की गई है और विचाराधीन अवधि के लिए नीपको के लाभ और हानि के विवरण पर शुल्क लगाया गया है, सीईआरसी आदेश के अनुसार टैरिफ के माध्यम से वसूली की अनुमति से भिन्न है। सीईआरसी विनियमों के अनुसार मूल्यह्रास की उच्च दर के कारण, टीआरएचईपी के वाणिज्यिक संचालन की दिनांक (सीओडी) के बाद से संचालन के पहले 12 (बारह) वर्षों के लिए लाभ और हानि खाते के विवरण में प्रभारित मूल्यह्रास टैरिफ के माध्यम से वसूली योग्य मूल्यह्रास से अधिक होगा, जिसे उत्पादन स्टेशन के मानक जीवन की शेष अवधि के दौरान भविष्य की अवधि में उलट दिया जाएगा। तदनुसार, इसके संचालन की पूर्व अवधि के दौरान उत्पादन स्टेशन के लिए राजस्व के रूप में प्राप्त कम मूल्यह्रास को बाद की अवधि के दौरान वसूल/समायोजित किया जाएगा।
- उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, भविष्य की अवधि में वसूली योग्य/समायोज्य सीमा तक मूल्यह्रास के अंतर को विनियामक आस्थगित खाता शेष की आवाजाही के लिए क्रेडिट/डेबिट द्वारा विनियामक आस्थगित खाता डेबिट/क्रेडिट शेष के रूप में पहचाना गया है।
- 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के दौरान उपरोक्त के लिए मान्यता प्राप्त विनियामक स्थगन खाता डेबिट शेष निम्नानुसार है:

(₹ लाख में)

विवरण	राशि (लाख में ₹)
सीईआरसी अनुसूची के अनुसार मूल्यह्रास	7,054.21
दिनांक 09.10.2018 के टैरिफ आदेश के तहत सीईआरसी द्वारा अनुमत मूल्यह्रास @2%	2,838.92
अंतर (नियामक स्थगन शेष के रूप में मान्यता प्राप्त)	**4,215.29**

विनियामक आस्थगित लेखा चालू परियोजनाओं के लिए आस्थगित कर देयताएँ पर आस्थगित समायोजन के संबंध में शेष राशि:

नीपको ने अपने उत्पादन स्टेशनों से उत्पन्न बिजली को बेचने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों (लाभार्थियों के रूप में संदर्भित) के साथ दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। नीपको के उत्पादन स्टेशनों के लिए टैरिफ का निर्धारण केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर जारी किए गए उनके अधिसूचित टैरिफ नियमों के अनुपालन में किया जाता है। सीईआरसी टैरिफ विनियम 2019 के अनुसार, आरओई को संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए लागू प्रभावी कर दर के साथ अर्जित किया जाता है। तदनुसार, बिजली की बिक्री से उत्पन्न आय पर वर्ष के दौरान उपार्जित आस्थगित कर और भविष्य की अवधि में आगे समायोज्य/प्रतिवर्ती, जब संबंधित आस्थगित कर देयता वर्तमान कर का एक हिस्सा बनेगी और लाभार्थियों से वसूली योग्य होगी, को आस्थगित कर देयता के खिलाफ आस्थगित कर समायोजन के रूप में गिना गया है, जिसे नियामक आय के रूप में मान्यता दी गई है और नियामक आस्थगित लेखा शेष में एक संचलन के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसे भारतीय मानक 114 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुपालन में एक अलग लाइन आइटम के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

लाभार्थियों से वसूली योग्य आस्थगित कर के पुनर्वर्गीकरण के कारण विनियामक आस्थगित खाता शेष

सीईआरसी (टैरिफ विनियमों के नियम और शर्तें) 2019 के विनियम 67 के अनुसार, 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के लिए आस्थगित कर देयताएं की जब भी वे अमल में आती हैं, उत्पादन करने वाली कंपनियों या ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों द्वारा तत्कालीन लाभार्थियों या दीर्घकालिक ग्राहकों से सीधे वसूली की जाएगी। 31 मार्च, 2019 तक भविष्य के वर्षों में लाभार्थियों से वसूली योग्य आस्थगित कर को आस्थगित कर देयता के समायोजन के रूप में प्रस्तुत किया गया था और इसे नियामक आस्थगित लेखा शेष के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। इसकी समीक्षा वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान आईएंनडी एएस 114 के अनुरूप की गई है और इसे विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। भविष्य की अवधि में लाभार्थियों से वसूल की जाने वाली या उन्हें देय पुस्तकों में मान्यता प्राप्त विनियमित परिसंपत्तियां (+)/देयता (–) इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

क्र.सं.	विवरण	विनियामक आस्थगित खाता शेष
क.	01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि	35,581.70
ख.	31.03.2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान जोड़ (संपत्ति (+)/देयता (–)	-
ग.	अवधि के दौरान एकत्र की गई राशि (–)/वापसी (+)	(7,948.37)
घ.	लाभ और हानि के विवरण (ख–ग) में मान्यता प्राप्त विनियामक आय/(व्यय)	(7,948.37)
ड.	**31.03.2025 को बंद होने वाली शेष राशि (क–घ)**	**27,633.33**

लाभार्थियों को दिए जाने वाले एमएटीक्रेडिट के संबंध में विनियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

वर्ष के दौरान, कंपनी ने 1 अप्रैल 2018 से शुरू होने वाली अवधि के लिए 34,464.15 लाख रुपये (पिछले वर्ष रु। 24, 525.30) एमएटी क्रेडिट के उपयोग से आने वाले वर्षों में प्रभावी कर की दर कम होगी।

तदनुसार, लाभार्थियों से संबंधित उक्त मैट क्रेडिट पात्रता के अनुरूप 25,051.99 लाख रुपये (पिछले वर्ष 19,143.61 रुपये) के 'नियामक स्थगन खाता शेष' को भी मान्यता दी गई है।

तुईरियल एचपीएस –आर्बिट्रल पुरस्कारों के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

क. विचाराधीन मामला नीपको और डी.ए के बीच मध्यस्थता कार्यवाही से संबंधित है। खुमा तुईरियाल एचपीएस में स्थायी आवासीय भवन पर किए गए कार्य के लिए मुआवजे के संबंध में। नीपको ने शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में धारा 34 के तहत मध्यस्थता निर्णय को चुनौती देने का विकल्प चुना। वाणिज्यिक न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2023 को अपने फैसले में न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए पुरस्कार–पूर्व ब्याज को दरकिनार करने का फैसला किया, जबकि शेष पुरस्कार को बरकरार रखा। वीएसवी II के तहत एक निपटान के प्रयासों के विफल होने के बावजूद, नीपको ने 30 अक्टूबर, 2024 को उस दिनांक तक की गणना ब्याज सहित रुपये 1,75,48,330/– की राशि का चेक जारी करके अदालत के फैसले का पालन किया। अदालत द्वारा मेसर्स खुमा का प्रतिनिधित्व करने वाले कानूनी वकील को चेक सौंपा गया। इस प्रकार, नीपको ने रु। 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 175.48 लाख रु.

ठेकेदार द्वारा दायर निष्पादन याचिका के जवाब में, नीपको ने दावेदार को जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया। इसके बाद, मामले को 7 मई, 2025 को आगे की कार्यवाही के लिए निर्धारित किया गया था, जहां शामिल पक्षों द्वारा सुनवाई समाप्त हुई और एक निर्णय सुरक्षित रखा गया था, अगली अदालत की दिनांक 17 जून, 2025 के लिए निर्धारित की गई थी।

ख. 1 अक्टूबर, 2005 से 14 जनवरी, 2011 तक किसी परियोजना की निलंबन अवधि के दौरान श्रमशक्ति और मशीनरी के निष्क्रिय होने के दावों से संबंधित मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस विवाद में लॉट–I, लॉट–II, लॉट–III से संबंधित पांच मामले और 17.60 किमी और 13.00 किमी मापने वाले दो सड़क कार्य शामिल हैं। मध्यस्थता 29 अक्टूबर, 2018 को शुरू हुई। कुल दावा की गई राशि 479.95 करोड़ रुपये थी, जिसमें 18% पर पूर्व–संदर्भ ब्याज शामिल था, साथ ही उसी दर पर लंबित–लाइट और पुरस्कार के बाद के ब्याज की मांग भी शामिल थी। मध्यस्थता का समापन 11 नवंबर, 2024 को घोषित एक पुरस्कार के साथ हुआ, जिसमें पांच अनुबंध शामिल थे, जिसके बाद 20 दिसंबर, 2024 को एक सही पुरस्कार प्रकाशित किया गया। कुल राशि 63.57 करोड़ रुपये है, जिसमें 61.07 करोड़ रुपये की मूल राशि और 2.5 करोड़ रुपये की मध्यस्थता लागत शामिल है। विशेष रूप से, पूर्व–पुरस्कार ब्याज को मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा अलग रखा गया था, जबकि पुरस्कार के बाद का ब्याज पुरस्कार की दिनांक से भुगतान होने तक 15% निर्धारित किया गया है। इस प्रकार, नीपको ने 31.03.2025 तक उपार्जित ब्याज के साथ विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 67.10 करोड़ रुपये की राशि दर्ज की।

कोपिली एचपीएस –मध्यस्थ पुरस्कारों के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

क. 27 अगस्त, 2013 को, एक मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने मेसर्स पी दास एंड कंपनी को 2.52 करोड़ रुपये की राशि के साथ–साथ 1 नवंबर, 2013 से 19.5% की दर से पुरस्कार के बाद ब्याज दिया। निगम ने शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में धारा 34 के तहत इस पुरस्कार का विरोध किया। 28 जून, 2019 को वाणिज्यिक न्यायालय ने निगम के आवेदन के संबंध में ठेकेदार के पक्ष में फैसला सुनाया।

इसके बाद, मेसर्स पी. दास ने दी गई राशि और उपार्जित ब्याज दोनों का दावा करने के लिए एक निष्पादन मामला शुरू किया। जवाब में, निगम ने 28 जून, 2019 के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की, जिसे 23 अप्रैल, 2021 को अनुमति दी गई थी, जिससे पिछले फैसले को वापस ले लिया गया और धारा 34 याचिका की नई सुनवाई के लिए मामले को बहाल किया गया।

अंतरिम में, ठेकेदार ने 15 दिसंबर, 2023 को जीईएम पोर्टल के माध्यम से 4,09,33,126 रुपये का दावा प्रस्तुत करते हुए वीएसवी II योजना के तहत मामले को निपटाने का फैसला किया। नीपको ने 3,16,24,686 रुपये की निपटान राशि का प्रस्ताव रखा, जिसे मेसर्स पी. दास ने स्वीकार कर लिया, जो 18 अप्रैल, 2024 को हस्ताक्षरित निपटान समझौते में समाप्त हुआ। बाद में 8 अप्रैल, 2024 को मेसर्स पी. दास द्वारा वाणिज्यिक न्यायालय से मामला वापस ले लिया गया।

इस प्रकार, नीपको ने रु। 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 316.25 लाख।

ख. जोवाई में विशेष न्यायिक अधिकारी (एलक) की अदालत में लंबित भूमि अधिग्रहण मामलों में सफाई गांव के 303 भूमि प्रोपराइटर शामिल हैं, जिन्होंने कोपिली एच.ई के लिए अपनी भूमि के अधिग्रहण से संबंधित बढ़ हुए मुआवजे के लिए दायर किया था। परियोजना. उनका तर्क है कि कलेक्टर द्वारा दिया गया मुआवजा बाजार मूल्य से काफी कम था, जिसमें 4 अक्टूबर, 2001 से 9% प्रति वर्ष के ब्याज के साथ ₹50 से ₹100 प्रति वर्ग मीटर की वृद्धि की मांग की गई थी। प्रारंभ में शिलांग में दायर किए गए मामलों को जोवाई में स्थानांतरित कर दिया गया और एल. क. केस नं. 03/2015 से 306/2015 तक। कार्यवाही के दौरान, कई मूल भूमि प्रोपराइटर ों की मृत्यु हो गई, जिसके परिणामस्वरूप 136 मामले खारिज कर दिए गए, जबकि 167 मामले अभी भी साक्ष्य के लिए लंबित हैं।

सक्षम प्राधिकारी ने इन भूमि अधिग्रहण मामलों के लिए अदालत के बाहर निपटान को मंजूरी दी है। नीपको के प्रतिनिधियों और भूमि प्रोपराइटर ों के बीच एक समझौता समझौता हुआ, जिसे बाद में जोवाई में विशेष न्यायिक अधिकारी के पास दायर किया गया। 22 अप्रैल, 2024 को 26 दावेदारों के लिए 8 मई, 2024 को आदेश जारी किए गए, जिसके परिणामस्वरूप ₹13,75,867.00 की 50% बढ़ी हुई क्षतिपूर्ति जमा हुई।

इस प्रकार, नीपको ने रु। 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 13.76 लाख रु.

एजिजीबीपीएस एस.–आर्बिट्रल अवार्ड के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

इस मामले में अगरतला गैस टर्बाइन बिजली परियोजना से संबंधित सिविल कार्य और 10 रुपये के दावे शामिल हैं। 24 करोड़। एक मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 7 रुपये का फैसला सुनाया। 92 करोड़ रुपये ब्याज के साथ मेसर्स अस्त्र को। निगम ने इस फैसले को शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में चुनौती दी। मेसर्स अस्त्र ने 14 दिसंबर, 2022 को फांसी की याचिका दायर की। 15 फरवरी, 2024 को वाणिज्यिक न्यायालय ने मध्यस्थता पुरस्कार को बरकरार रखा, लेकिन पुरस्कार–पूर्व ब्याज को हटा दिया। नीपको ने इस फैसले को स्वीकार करने और विवाद को निपटाने का फैसला किया। मेसर्स अस्त्र ने वीएसवी–II योजना के माध्यम से निपटान का अनुरोध किया।

19 जून, 2024 तक, आगे की सुनवाई जारी रही, और नीपको के वकील ने अदालत की अगली दिनांक के लिए निर्देश मांगे। फरवरी के फैसले को चुनौती नहीं देने का निर्णय लिया गया, जिससे मामले के लिए 5.74 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इस प्रकार, नीपको ने रु। 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 574.31 लाख रु.

16 अप्रैल, 2025 को उच्च न्यायालय की नवीनतम सुनवाई ने दोनों पक्षों को 30 अप्रैल, 2025 से पहले एक समझौते का प्रयास करने का निर्देश दिया, जिसमें समझौता विफल होने पर निर्णय की संभावना है। निपटान प्रक्रिया की समय सीमा 20 मई, 2025 तक बढ़ा दी गई थी।"

नियामक आस्थगित खातों की शेष राशि–मान्यता प्राप्त (नोट 16 का संदर्भ लें)

भविष्य की अवधि में लाभार्थियों से वसूल की जाने वाली/देय होने वाली पुस्तकों में मान्यता प्राप्त नियामक परिसंपत्तियां इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
क. प्रारंभिक शेष	96,600.89	99,295.21
ख. वर्ष के दौरान संचलन के कारण		
(i) तुईरियल अवमूल्यन	4,215.29	4,173.70
(ii) आस्थगित कर देयता के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन	16,490.43	7,980.98
(iii) आस्थगित कर वसूली योग्य	(6,143.41)	(1,589.79)
(iv) आस्थगित कर वसूली योग्य समायोजन	(1,804.96)	-
(v) तुईरियल एचपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	6,886.43	4,398.98
(vi) कोपिली एचपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	330.01	470.47
(vii) एजीजीबीपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	574.31	-
(viii) लाभार्थियों को एमएटी क्रेडिट दिया जाएगा	(6,923.33)	(18,128.66)
वर्ष के दौरान कुल संचलन	**13,624.77**	**(2,694.32)**
ग. वर्ष के दौरान एकत्रित/वापसी की गई राशि	-	-
घ. लाभ और हानि के विवरण (बी–सी) में मान्यता प्राप्त नियामक आस्थगित खाता शेष	13,624.77	(2,694.32)
ङ. समापन शेष (ए+डी)	**110,225.66**	**96,600.89**
च. नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध उतार–चढ़ाव (I)	13,624.77	(2,694.32)
छ. नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध गतिविधियों पर कर (II)	3,453.90	(192.98)
ज. वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल राशि (IऔरII)	**10,170.87**	**(2,501.34)**

नियामक आस्थगित खाता शेष की मान्यता के लिए विचार की जाने वाली वापसी/छूट दर शून्य जोखिम/नियामक आस्थगित खाता शेष की भविष्य में वसूली से जुड़ी अनिश्चितता है

- **मांग जोखिमः** नियामक स्थगन शेष की वसूली अपने लाभार्थियों के लिए बिलिंग के अधीन है और तदनुसार संबंधित सामान्य जोखिमों से जुड़ी है, जैसे कि ग्राहकों का बकाया के निपटान के प्रति रवैया, आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत की उपलब्धता आदि।
- **विनियामक जोखिमः** विनियमों में परिवर्तन, यदि कोई हो, और दर निर्धारण आवेदन के प्रस्तुत या अनुमोदन या अपेक्षित भविष्य के नियामक कार्यों पर इकाई के मूल्यांकन के कारण। जिस अवधि में ठीक होने की उम्मीद है
- **अन्यः** कंपनी से परियोजनाओं/उत्पादन स्टेशनों के मानक उपयोगी जीवन की अवधि के दौरान नियामक स्थगन खाता शेष की वहन राशि की वसूली/समायोजन करने की उम्मीद है।

नोट संख्या 38: संबंधित पार्टी प्रकटीकरण

आईएंनडी एएस–24 के अनुसार संबंधित पक्ष के प्रकटीकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी निम्नानुसार दी गई है:

(क) संबंधित दलों की सूची

क. होल्डिंग कंपनीः एनटीपीसी लिमिटेड।

भारत सरकार के पास 26 मार्च 2020 तक नीपको लिमिटेड में 100% स्वामित्व हित था। हालांकि, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा नीपको लिमिटेड में भारत सरकार की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण 27 मार्च 2020 को खरीद समझौते को साझा करने के लिए शेयर हस्तांतरण के माध्यम से पूरा किया गया। भारत सरकार और एनटीपीसी लिमिटेड के बीच 25 मार्च 2020 31 मार्च, 2025 तक नीपको लिमिटेड में एनटीपीसी लिमिटेड की 100% स्वामित्व हिस्सेदारी है।

ख. संयुक्त उद्यमः

केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड, 8–2–293/82/ए/431/ए, रोड नंबर.22, जुबली हिल्स, हैदराबाद–500.033, भारत। नीपको लिमिटेड के पास है इस संयुक्त उद्यम में 30% हिस्सेदारी।

ग. कंपनियों/निगमित निकायों के नाम जो होल्डिंग कंपनी की सहायक/संयुक्त उद्यम हैं

1. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड
2. एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड
3. एनटीपीसी ईडीएमसी वेस्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
4. भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड
5. पत्रातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
6. मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड
7. एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड
8. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
9. ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड
10. हिंदुस्तान उवारक एंड रसायन लिमिटेड
11. झाबुआ पावर लिमिटेड
12. रत्नागिरि गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड
13. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
14. टस्को लिमिटेड
15. यूटिलिटी पावरटेक लिमिटेड
16. एनटीपीसी–जीई पावर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
17. एनटीपीसी–सेल पावर कंपनी लिमिटेड
18. एनटीपीसी तमिलनाडु एनर्जी कंपनी लिमिटेड
19. अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
20. एनटीपीसी भेल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
21. ट्रांसफॉर्मर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स केरल लिमिटेड
22. नेशनल हाई पावर टेस्ट लेबोरात्री प्राइवेट लिमिटेड
23. सीआईएल एनटीपीसी ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड
24. अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड
25. त्रिंकोमाली पावर कंपनी लिमिटेड
26. बांग्लादेश–भारत फ्रेंडशिप पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

घ. जिन कंपनियों के सीएमडी/निदेशकों में कंपनियां/फार्म सीएमडी/अध्यक्ष/निदेशक हैं

1. नॉर्थ ईस्ट इंडिया आयुष कंसोर्टियम लिमिटेड
2. एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड
3. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
4. गैंडा अनुसंधान उत्पाद, धुबरी, असम
5. पन्नालाल ओसवाल एंड संस, एचयूएफ

6. बिमल ओसवाल एंड संस, एचयूएफ
7. एनटीपीसी यूपी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
8. एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड
9. अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
10. एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड
11. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड
12. एनटीपीसी राजस्थान ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
13. एपी एनजीईएल हरित अमृत लिमिटेड
14. अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड
15. पत्रातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
16. एनटीपीसी लिमिटेड
17. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
18. एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड
19. मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड
20. अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड
ङ. नीपको के निदेशक और प्रमुख प्रबंधक

(i) पूर्णकालिक निदेशकः

1. श्री गुरदीप सिंह	सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभालना
2. श्री बी. महाराणा	निदेशक (वित्त) सह मुख्य वित्त अधिकारी
3. श्री रनेन्द्र शर्मा	निदेशक (तकनीकी)
4. मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)
(ii) स्वतंत्र निदेशकः	
1. डॉ. विवेक नंद पासवान	स्वतंत्र निदेशक 09.11.2024 तक
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	स्वतंत्र निदेशक 09.11.2024 तक
(iii) नामांकित निदेशक	
1. श्री पीयूष सुरेंद्रपाल सिंह	सरकार के नामित निदेशक। भारत का
2. श्री जय कुमार श्रीनिवासन	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 31.07.2024 तक
3. शंभू नाथ त्रिपाठी	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 30.09.2024 तक
4. श्री विरेंद्र मलिक	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 31.07.2024
5. श्री के. शन्मुघा सुंदरम	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 30.09.2024
(iv) कंपनी सचिव	
श्री अबिनोम पानू रोंग	कंपनी सचिव

ख) संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन (₹ लाख में)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री और खरीद		
व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्रीः एनवीवीएन	85,097.19	
	85,097.19	
अन्य लेनदेन		
एनटीपीसी लिमिटेड को लाभांश के रूप में भुगतान/देय		
(क) वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश। 2023–24	-	25,000.00

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
(ख) वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश 2024–25 तक	20,000.00	-
(ग) वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम लाभांश 2023–24	5,000.00	-
व्यापार खर्चों के लिए एन. वी. वी. एन. लिमिटेड–व्यावसायिक शुल्क	102.75	75.65
एनटीपीसी लिमिटेड को परामर्श के लिए भुगतान किया गया	40.82	-
एनटीपीसी लिमिटेड	84.77	56.46
किराया शुल्क के लिए ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ई–वाहन	4.42	8.01
नीपको कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	9453.18	9,707.39
नीपको लिमिटेड. कर्मचारी परिभाषित अंशदान अधिवर्षिता योजना न्यास	3621.42	3,724.08
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	2861.23	2,477.76
नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट	361.48	-
नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट	39.08	41.71
सहायकों/जेवी को ऋण की प्रकृति में ऋण और अग्रिम	-	-
कंपनियाँ/फर्म और कॉ. निदेशक किसमें रुचि रखते हैं		
कुल	**41,569.16**	**41,091.06**

ग) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के लिए मुआवजा (₹ लाख में)

विवरण	31.03.2025	31.03.2024
वेतन और भत्ते	287.48	163.21
भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	30.34	24.00
अन्य लाभ	15.21	31.07
बैठने की फीस	10.62	16.99
कुल	**343.65**	**235.27**

घ) संबंधित पक्षों के साथ बकाया शेष (₹ लाख में)

(i) से वसूली योग्य राशि	31.03.2025	31.03.2024
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	393.72	174.71
खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए एनटीपीसी लिमिटेड	15.73	5.54
टीडीएस के लिए एनवीवीएन लिमिटेड	0.75	0.33
एन. वी. वी. एन. से प्राप्त	4,098.53	4,527.68

(₹ लाख में)

(ii) देय राशि	31.03.2025	31.03.2024
नीपको कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	867.46	875.14
नीपको लिमिटेड. कर्मचारी परिभाषित अंशदान अधिवर्षिता योजना न्या	297.97	305.12
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	4,162.28	2,861.23
नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट	596.35	361.48
नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट	3.19	3.39
किराया शुल्क के लिए ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ई–वाहन	-	1.38
व्यापार खर्चों के लिए एन. वी. वी. एन. लिमिटेड–व्यावसायिक शुल्क	1.03	-
एनटीपीसी लिमिटेड	63.81	43.76

एक ही सरकार के तहत कंपनी पर संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव वाली अन्य संस्थाएं:

सरकार के साथ संबंधों का नाम और प्रकृति

(₹ लाख में)

कंपनी का नाम	रिश्ते की प्रकृति
भारत सरकार	कंपनी पर नियंत्रण रखने वाली होल्डिंग कंपनी में शेयरधारक
एनटीपीसी लिमिटेड	होल्डिंग कंपनी (100%)

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन जो उसी सरकार के नियंत्रण में हैं जिसका होल्डिंग कंपनी (एनटीपीसी लिमिटेड) पर नियंत्रण है

(₹ लाख में)

कंपनी का नाम	कम्पनी द्वारा लेन–देन की प्रकृति	31.03.2025	31.03.2024
ऑयल इंडिया लिमिटेड	गैस की खरीद	78074.43	80829.20
बीएचईएल	पुर्जों की आपूर्ति	6433.40	5298.93
आईओसी लिमिटेड	गैस/एचएसडी/स्नेहक की खरीद	335.15	189.01
ओएनजीसी	गैस की खरीद	12190.26	15862.41
गेल (इंडिया) लिमिटेड	गैस की खरीद	24642.72	28165.56
कुल		**121675.96**	**130345.11**

(₹ लाख में)

सरकार के साथ महत्वपूर्ण लेन–देन जिसका होल्डिंग कंपनी (एनटीपीसी लिमिटेड) पर नियंत्रण है	31.03.2025	31.03.2024
भारत सरकार को विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क (जीओआइ)	403.15	491.03
कंपनी द्वारा भारत सरकार को दिए गए अधीनस्थ ऋण पर ब्याज	291.96	291.96

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन के नियम और शर्तें

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन सामान्य वाणिज्यिक नियमों और शर्तों पर और व्यावहारिक मूल्य पर किए जाते हैं

नोट संख्या 39 अतिरिक्त प्रकटीकरण

क. कंपनी ने बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों से उधार का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया है जिसके लिए इसे रिपोर्टिंग तिथि पर लिया गया था।

ख. बंद कंपनियों के साथ संबंधः चालू वित्त वर्ष और पिछले वित्त वर्ष के दौरान बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन और बकाया शेष राशि नहीं।

(₹ लाख में)

क्र.सं	बंद की गई कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ लेन–देन की प्रकृति	31 मार्च 2025 तक बकाया शेष राशि	31 मार्च 2024 तक बकाया राशि	बंद की गई कंपनी के साथ संबंध
शून्य					

ग. (i) कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों में दाखिल की गई तिमाही विवरणी या चालू परिसंपत्तियों के विवरण लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।
(ii) कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाताओं द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है।

घ. कंपनी ने प्रवर्तकों, निदेशकों, के. एम. पी. और संबंधित पक्षों को कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है जो मांग पर या पुनर्भुगतान की किसी भी शर्त या अवधि को निर्दिष्ट किए बिना पुनर्भुगतान योग्य हैं।

ङ. बेनामी लेन–देन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित है।

च. कंपनी के पास अभी तक किसी भी शुल्क या संतुष्टि का कोई मामला नहीं है जिसे वैधानिक समय सीमा से परे आरओसी के साथ पंजीकृत किया जाना है।

छ. कंपनी (परतों की संख्या पर प्रतिबंध) नियम, 2017 के साथ पठित अधिनियम की धारा 2 के खंड (87) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि यह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के अनुसार एक सरकारी कंपनी है।

ज. कंपनी अपने खातों में कोई निवेश संपत्ति नहीं रखती है, इसलिए निवेश संपत्ति का उचित मूल्यांकन लागू नहीं होता है।

झ. वर्ष के दौरान कंपनी ने अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

ञ. वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपनी किसी भी अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है

ट. कंपनी ने किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को इस समझ के साथ न तो कोई ऋण या अग्रिम प्रदान किया है और न ही लिया है कि लेन–देन का लाभ किसी तीसरे पक्ष, अंतिम लाभार्थी को जाएगा।

ठ. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा कोई योजना या व्यवस्था अनुमोदित नहीं की गई है।

ड़. अघोषित आयः कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय या किसी भी लेनदेन के रूप में आत्मसमर्पण या खुलासा नहीं किया है। वर्ष के दौरान आयकर अधिनियम ₹1961 के तहत कोई तलाशी या सर्वेक्षण नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनी के पास पहले से कोई गैर–अभिलिखित आय और संबंधित संपत्ति (पिछले वर्ष शून्य) नहीं है

ढ़. क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसीः कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (पिछले वर्ष शून्य) के दौरान क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसी में कारोबार या निवेश नहीं किया है।

ण. अनुपात का प्रकटीकरण

(₹ लाख में)

अनुपात	अंकक	डिनॉमिनेटर	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	% भिन्नता	विचलन का कारण
वर्तमान अनुपात	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देयताएँ	0.759	0.536	41.67	वर्तमान वित्तीय वर्ष वर्तमान परिसंपत्तियां अधिक हैं जबकि वर्तमान देयताएं पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कम हैं।
ऋण–इक्विटी अनुपात	चुकता ऋण पूंजी (दीर्घकालिक उधार. अल्पावधि उधार)	शेयरधारक की इक्विटी (कुल इक्विटी)	1.061	1.088	(2.49)	वर्तमान वित्तीय वर्ष में, पिछले वर्ष की तुलना में कुल ऋण में वृद्धि हुई, जबकि कुल इक्विटी पिछली अवधि में बढ़ी, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अनुपात में कमी आई है।
ऋण सेवा कवरेज अनुपात	वर्ष के लिए लाभ. वित्त लागत. मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय. असाधारण वस्तुएँ	वित्त लागत. पट्टा भुगतान. दीर्घकालिक ऋणों का अनुसूचित मूलधन पुनर्भुगतान	1.316	1.142	15.24	पिछले वित्तीय वर्ष पर ऋण सेवाओं में कमी के कारण। और कमाई की उपलब्धता में वृद्धि, अनुपात में सुधार हुआ है
इक्विटी अनुपात पर प्रतिफल	वर्ष के लिए लाभ	औसत शेयरधारक की इक्विटी	0.08	0.08	1.67	पिछले वर्ष की तुलना में लाभ में वृद्धि के कारण, अनुपात बेहतर है
इन्वेंट्री कारोबार अनुपात	संचालन से आय	औसत सूची	31.83	33.95	(6.25)	पिछले वर्ष की तुलना में औसत सूची में कमी के कारण, अनुपात में सुधार हुआ है
व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात	संचालन से आय	औसत व्यापार प्राप्य	6.09	4.76	27.91	औसत देनदारों में कमी और वर्तमान अवधि के लिए बिक्री में वृद्धि के कारण अनुपात उच्च पक्ष पर है
व्यापार देय टर्नओवर अनुपात	कुल खरीद (ईंधन लागत . अन्य खर्च. बंद करने वाली इन्वेंट्री–ओपनिंग इन्वेंट्री)	व्यापार देय राशि को बंद करना	11.28	9.83	14.69	शुद्ध ऋण खरीद में कमी और देय औसत व्यापार में कमी के कारण, अनुपात उच्च पक्ष पर है
शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात	संचालन से आय	कार्यशील पूंजी. दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता	7.77	3.65	113.26	पिछले वर्ष की तुलना में कार्यशील पूंजी में कमी और संचालन से राजस्व में वृद्धि के लिए, अनुपात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में उच्च पक्ष पर दिखाई दिया
शुद्ध लाभ अनुपात	वर्ष के लिए लाभ	संचालन से आय	0.14	0.13	4.84	पिछले वर्ष की तुलना में पी ए टी में वृद्धि के कारण, वर्तमान वित्तीय वर्ष में अनुपात बेहतर है।
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	ब्याज और करों से पहले की कमाई	नियोजित पूंजी (i)	0.09	0.07	18.82	पिछली अवधि की तुलना में ईबीआईटी की वृद्धि के परिणामस्वरूप अनुपात में वृद्धि हुई
निवेश पर प्रतिफल (ii)–सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश	{एमवी(टी1)–एमवी(टी0) – योग (सी(टी1),}	{एमवी(टी0)+योग (डब्ल्यू(टी) * सी(टी2),}	-	-	-	नीपको के लिए निवेश दोनों वित्तीय वर्ष के लिए शून्य है

अनुपात	अंकक	डिनॉमिनेटर	31.03.2025 तक	31.03. 2024 तक	% भिन्नता	विचलन का कारण
निवेश पर प्रतिफल (ii)–अन्य में निवेश ॥	{एमवी(टी1)–एमवी(टी0) – योग (सी(टी1))}	{एमवी(टी0)+योग (डब्ल्यू(टी) * सी(टी2),}	-	-	-	नीपको के लिए निवेश (या तो एसटीडीआर या अन्य निवेशों में) दोनों वित्तीय वर्ष के लिए शून्य है।

* * डिनॉमिनेटर नकारात्मक है

(i) नियोजित पूंजी = वास्तविक निवल मूल्य. कुल ऋण. आस्थगित कर देयताएँ

(ii) निवेश पर प्रतिफल जहां

टी1 = समय अवधि का अंत

अनुसूचित जनजाति = टी1 और टी0 के बीच आने वाली विशिष्ट तिथि

एमवी (टी1) = टी1 पर बाजार मूल्य

एमवी (टी0) = टी0 पर बाजार मूल्य

सी (टी1) = नकद प्रवाह, प्राप्त लाभांश सहित विशिष्ट तिथि पर नकद बहिर्वाह

सी (टी2) = नकद अंतर्वाह, प्राप्त लाभांश को छोड़कर विशिष्ट तिथि पर नकद बहिर्वाह

(टी) = शुद्ध नकदी प्रवाह का वजन (अर्थात. या तो शुद्ध अंतर्वाह या शुद्ध बहिर्वाह) दिन 'टी' पर, [टी1–टी,/टी1 के रूप में गणना की गई

अन्य सामग्री जानकारीः

रूफटॉप सोलर (आरटीएस) और ग्राउंड माउंटेड सोलर (जीएमएस) परियोजनाएं

सतत ऊर्जा प्रथाओं को अपनाने और पारंपरिक बिजली स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए, नीपको 3.451 मेगावाट क्षमता की छत पर और नीपको के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत/उसके स्वामित्व वाले परिसरों पर 3.980 मेगावाट क्षमता की भूमि पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करना चाहता है। एनवीवीएन द्वारा अनुमानित संभावित क्षमता लगभग 3.451 मेगावाट रूफ टॉप सोलर क्षमता और 3.98 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सोलर प्रोजेक्ट क्षमता है।

इसे नीपको के विभिन्न स्थानों पर एजीबीपीएस, पी. एल. एचपीएस, पी. एचपीएस, डीएचपीएस, एजिजीबीपीएस, टीजीबीपीएस और मुख्यालय, शिलांग में स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। 40.57 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025–26 में पूरा होने की उम्मीद है।

खंडोंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर स्टेशन (2 x25 मेगावाट)

दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना

26 मार्च, 2022 को असम के दीमा हसाओ जिले के खंडोंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर स्टेशन, नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) में एक दुखद दुर्घटना हुई

दुर्घटना तब हुई जब खंडोंग बिजली परियोजना में एक तेज गति वाली पानी की पाइपलाइन में विस्फोट हो गया। इस विस्फोट का कारण मेघालय के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण जल स्तर में अचानक वृद्धि होना था। पानी के बढ़ते प्रवाह के कारण पाइपलाइन में रुकावटें आईं, जिसमें गिरे हुए पेड़ और पत्थर शामिल थे, जिससे काफी दबाव पैदा हुआ।

प्रतिक्रिया और परिणाम

असम के उमरोंगसो में खंडोंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर स्टेशन (2 x 23 मेगावाट) का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण सक्रिय रूप से चल रहा है। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) ने स्टेशन के बुनियादी ढांचे और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए कई प्रमुख परियोजनाएं शुरू की हैं

कार्यों का प्रमुख दायरा

1. पेनस्टॉक और स्टील लाइनर प्रतिस्थापनः कार्यक्षेत्रः नए पेनस्टॉक्स और स्टील लाइनरों का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।

2. पुनर्स्थापना और आधुनिकीकरण के लिए सिविल कार्यः कार्यक्षेत्रः पावर स्टेशन की सुविधाओं को बहाल करने और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से व्यापक नागरिक कार्य।

3. विद्युत–यांत्रिक कार्यः कार्यक्षेत्रः स्टेशन की परिचालन दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए खांगडोंग पावर स्टेशन (2* 25 मेगावाट) में स्थापित किए जाने वाले स्टेशन सहायकों के साथ इलेक्ट्रो मैकेनिकल उपकरणों का डिजाइन और इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कार्यस्थल पर विवरण।

नवीकरण और आधुनिकीकरण परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। नीपको समय पर पूरा होना सुनिश्चित करने और खंडोंग पावर स्टेशन की परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए विकास की निगरानी करना जारी रखता है। कार्य की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के प्रयासों के जुलाई 2025 के अंत में पूरा होने की उम्मीद है।

हिओ एचईपी (240 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

हिओ जलविद्युत परियोजना की परिकल्पना अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में सियोम नदी की एक सहायक नदी यारजेप नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है। सरकार के साथ हिओ एचईपी के लिए एमओए पर हस्ताक्षर किए गए। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए प्रमुख मंजूरी प्राप्त कर ली गई है और 1938.85 करोड़ रुपये की लागत के साथ दिसंबर 2024 में निवेश की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का वित्त पोषण ऋण के रूप में किया जाएगा: इक्विटी अनुपात 70:30 के अलावा बजट सहायता के रूप में रु। बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार से 127.28 करोड़ रुपये। राज्य सरकार को भुगतान जारी कर दिया गया है। आवश्यक भूमि के लिए मुआवजे और उसी के अधिग्रहण के लिए जल्द ही अपेक्षित है। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित कमीशनिंग अवधि 50 महीने है। हिओ एचईपी 1000.20 एमयू की वार्षिक ऊर्जा उत्पन्न करेगा।

टाटो–I एचईपी (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

टाटो–I जलविद्युत परियोजना की परिकल्पना हिओ एचईपी के नीचे की ओर यारजेप नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है और यह अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में स्थित है। टाटो–I एचईपी हिओ एचईपी के पिछले पानी का उपयोग करेगा। टाटो–I एचईपी के लिए एमओए पर सरकार के साथ हस्ताक्षर किए गए थे। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए प्रमुख मंजूरी प्राप्त कर ली गई है और 1750.07 करोड रुपये की लागत के साथ दिसंबर 2024 में निवेश की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का वित्त पोषण ऋण के रूप में किया जाएगा: इक्विटी अनुपात 70:30 के अलावा बजट सहायता के रूप में बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार से 77.37 करोड़ रुपये। राज्य सरकार को भुगतान जारी कर दिया गया है। आवश्यक भूमि के लिए मुआवजे और उसी के अधिग्रहण के लिए जल्द ही अपेक्षित है। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित कमीशनिंग अवधि 50 महीने है। टाटो–I एचईपी 800.02 एमयू की वार्षिक ऊर्जा उत्पन्न करेगा।

भविष्य की अन्य परियोजनाएं:

टाटो–II एचईपी (700 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

टाटो–II जलविद्युत परियोजना की परिकल्पना टाटो–I एचईपी के नीचे की ओर सियोम नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है और यह अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में स्थित है। टाटो–I एचईपी के लिए एमओए पर सरकार के साथ हस्ताक्षर किए गए थे। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए अधिकांश मंजूरी प्राप्त कर ली गई है, जबकि वन मंजूरी चरण– I जल्द ही होने की उम्मीद है। राज्य सरकार से आवश्यक भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। वर्तमान में, निवेश स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। परियोजना के पूरा होने की लागत ऋण के साथ 8146.21 करोड रुपये अनुमानित है: 75:25 का इक्विटी अनुपात और सक्षम बुनियादी ढांचे की दिशा में भारत सरकार से 458.79 करोड रुपये के बजटीय समर्थन की परिकल्पना की गई है, जीओएपी से 418.60 करोड़ रुपये की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। इसकी निर्धारित कमीशनिंग अवधि 72 महीने है और वार्षिक डिजाइन ऊर्जा 2738.06 एमयू है।

नयिंग एचईपी (1000 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

नयिंग एचईपी अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में सियोम नदी पर टाटो–II एचईपी के नीचे की ओर स्थित है। यह सियोम नदी पर कैस्केड में सबसे डाउनस्ट्रीम परियोजना है। सरकार के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए गए। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। डीपीआर पर सीईए की सहमति दी गई है जबकि ईसी और एफसी प्रक्रिया में हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। परियोजना के पूरा होने की अवधि 78 महीने है और अनुमानित वार्षिक डिजाइन ऊर्जा 3809 एमयू है।

हिरोंग एचईपी (500 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

हिरोंग एचईपी अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में सियोम नदी पर टाटो– II एचईपी के ऊपर की ओर स्थित है। सरकार के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए गए। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। सियांग बेसिन अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार ई–प्रवाह को ध्यान में रखते हुए डीपीआर में संशोधन किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया संशोधित लेआउट को अंतिम रूप देने के बाद की जाएगी। संशोधित लेआउट को अंतिम रूप देने के बाद ईसी एंड एफसी। इस परियोजना को निवेश मंजूरी के बाद 78 महीनों में पूरा करने की परिकल्पना की गई है।

कुरुंग एचईपी (330 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेशः

कुरुंग एचईपी सुबनसिरी नदी की सहायक नदी कुरुंग नदी पर स्थित है और अरुणाचल प्रदेश के क्रा दादी जिले में स्थित है। परियोजना के लिए पीएफआर/डीपीआर की तैयारी वर्तमान में प्रगति पर है। इआईए/इएमपी तैयार करने के लिए व्यापक पर्यावरण अध्ययन भी प्रक्रिया में हैं। इस परियोजना को निवेश की मंजूरी के बाद 60 महीनों में पूरा करने की परिकल्पना की गई है।

उपरोक्त परियोजनाओं को नीपको और सरकार के बीच संयुक्त उद्यम में विकसित किया जाएगा। अरुणाचल प्रदेश। संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। भारत सरकार से केंद्रीय वित्तीय सहायता की परिकल्पना राज्य सरकार के इक्विटी वित्त पोषण के लिए की गई है।

अक्षय ऊर्जा (सौर परियोजना–चरण–I) 300 मेगावाटः

नवीकरणीय ऊर्जा (सौर परियोजना–चरण–I) 300 मेगावाट की यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर के भानीपुरा में स्थित है। परियोजना का वार्षिक उत्पादन 762.30 एमयू है जिसमें डीसी: एसी अनुपात 1.5 (स्थिर झुकाव प्रणाली) है। एलओआई मेसर्स वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को जारी किया गया है और अनुबंध समझौता 22.03.2024 को किया गया था। ठेकेदार ने राजस्थान के बीकानेर के भानीपुरा में सोलर पार्क में निजी पट्टाहोल्ड भूमि (455 हेक्टेयर) और पीजीसीआईएल, बीकानेर–II सबस्टेशन में इंटरकनेक्शन के लिए 220 केवी पर 15 किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइन की पेशकश की है। ठेकेदार ने नीपको को प्रदर्शन बैंक गारंटी (पीबीजी) और अग्रिम बैंक

गारंटी (एबीजी) प्रस्तुत की थी।

इस पूरी बिजली की खरीद एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) द्वारा की जाएगी। 2.70/केडब्ल्यूएच.

18 फरवरी 2025 को भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया और स्थल कार्यालय खोला गया। कुल भूमि में से 50% भूमि बीकानेर प्प सब–स्टेशन पर कनेक्टिविटी के साथ मेसर्स सोलटाउन इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाले सोलर पार्क में नीपको को उप–पट्टे पर दी गई है। प्रमुख खरीदी गई वस्तुओं (बीओआई) के 70% का खरीद आदेश (पीओ) दिया गया है। इंजीनियरिंग ड्राइंग का प्रस्तुतिकरण और अनुमोदन प्रगति पर है। साइट पर स्टोर के निर्माण के लिए सामग्री स्थानांतरण चल रहा है और जमीनी विकास कार्य अर्थात. जमीन को समतल करने और उनकी श्रेणीकरण का कार्य प्रगति पर है।

के. इंड एएस 116 के अनुसार प्रकटीकरण 'पट्टो'

(I) से इंड एएस 116 में संक्रमण

कंपनी ने इंड एएस 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग पर निम्नलिखित व्यावहारिक उपायों को लागू किया है:

(i) समान समाप्ति तिथि के साथ समान आर्थिक वातावरण में समान परिसंपत्तियों के पट्टों के पोर्टफोलियो पर एकल छूट दर लागू की गई।

(ii) प्रारंभिक आवेदन की दिनांक को पट्टे की अवधि के 12 महीने से कम के साथ पट्टों के लिए उपयोग के अधिकार की संपत्ति और देयताऐं को मान्यता नहीं देने के लिए छूट लागू की गई।

(iii) प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत, यदि कोई हो, को प्रारंभिक आवेदन की दिनांक में उपयोग के अधिकार की संपत्ति के माप से बाहर रखा गया है।

(iii) इंड एएस 116 में संक्रमण पर, इंड एएस 116 के तहत मान्यता प्राप्त पट्टे की देयताऐं पर लागू भारित औसत वृद्धिशील उधार दर 8.69% है। वित्त वर्ष 2023–24 से संबंधित समझौतों के लिए भारित औसत वृद्धिशील उधार दर 7.75% के रूप में ली गई है।

(II) पट्टेदार के रूप में कंपनी

(i) कंपनी की महत्वपूर्ण पट्टे की व्यवस्था निम्नलिखित परिसंपत्तियों के संबंध में है:

(क) अतिथि गृहों/पारगमन शिविरों के लिए परिसर जो गैर–रद्द करने योग्य नहीं हैं और आमतौर पर पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर नवीनीकृत होते हैं।

(ख) कंपनी ने पांच वर्ष की अवधि के लिए ऑपरेटिंग पट्टा पर विद्युत वाहन लिए हैं, जिन्हें पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर आगे बढ़ाया जा सकता है। पट्टा किराया प्रति वर्ष 10% की वृद्धि के अधीन है।

(ग) कंपनी ने कुछ वाहन (विद्युत के अलावा) 12 महीने से अधिक की अवधि के लिए पट्टे पर लिए हैं।

(3) निम्नलिखित मान्यता प्राप्त पट्टा देयताऐं की वहन राशि और अवधि के दौरान संचलन हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक शेष	2,015.55	1,086.30
– पट्टे की देयताऐं में वृद्धि	864.32	1,776.17
– वर्ष के दौरान ब्याज लागत	17.69	210.02
– पट्टा देयताऐं का भुगतान	1,150.01	1,056.94
समापन शेष राशि	**1,747.55**	**2,015.55**
वर्तमान	971.68	1,000.48
गैर–वर्तमान	775.87	1,015.07

(iv) 31.03.2025 को "पट्टे पर दी गई संपत्तियों के उपयोग का अधिकार" की वहन राशि निम्नलिखित है:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक शेष	1,877.45	1,004.57
– पट्टे की देयताऐं में वृद्धि	864.32	1,776.17
– अवधि के दौरान परिशोधन	1,112.92	903.29
समापन शेष राशि	1,628.85	1,877.45

(v) निम्नलिखित लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त राशियाँ हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति के लिए मूल्यह्रास व्यय	1,112.92	903.29
पट्टा देयताऐं पर ब्याज व्यय	17.69	210.02
अल्पावधि पट्टों से संबंधित व्यय	-	-

(vi) पट्टा देयताऐं की संविदात्मक परिपक्वताओं का विवरण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
एक वर्ष से कम	971.68	1,000.48
एक से दो वर्ष के बीच	531.01	594.48
दो से तीन वर्ष के बीच	232.91	273.54
तीन से चार वर्ष के बीच	11.95	147.05
चार से पांच वर्ष के बीच	-	-
पाँच वर्ष से अधिक	-	-
कुल	**1,747.55**	**2,015.55**

कंपनी अधिनियम, 2013 और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम) की अनुसूची III द्वारा आवश्यक 31 मार्च 2025 तक सूक्ष्म और लघु उद्यमों के संबंध में जानकारी।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
क) किसी भी आपूर्तिकर्ता को बकाया राशि:		
मूल राशि	**1,442.76**	**1,365.04**
उस पर देय ब्याज	-	-
ख) निर्धारित दिन के बाद आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान की गई राशि के साथ–साथ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के संदर्भ में भुगतान की गई ब्याज राशि।	-	-
ग) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान निर्धारित दिन से परे किया गया है) लेकिन एमएसएमईडी अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-
घ) उपार्जित ब्याज की राशि और बकाया राशि	-	-
ङ) एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय ब्याज की राशि, उस दिनांक तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।	-	-

विक्रेताओं को भुगतान संबंधित अनुबंधों के नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

एम. लेखांकन नीतियों में बदलाव/अनुमान में बदलाव:

वर्ष के दौरान, नए जोड़ गए पैरा 117ए, बी, सी के माध्यम से संशोधन के अनुपालन में लेखांकन नीतियों में परिवर्तन/संशोधन किया गया है, जो आईएंनडी एएस 1 ''वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति'' के प्रावधान के तहत निर्धारित सामग्री लेखा नीतियों के प्रकटीकरण से संबंधित है। सामग्री लेखा नीति में इन संशोधनों के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

अनुमान में बदलाव:

तकनीकी मूल्यांकन, ओईएम से प्रतिक्रिया, गैस आपूर्तिकर्ता द्वारा आश्वासन और प्रबंधन द्वारा गठित तकनीकी समिति द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर, असम गैस आधारित पावर स्टेशन (एजीबीपीएस) 291 मेगावाट के उपयोगी जीवन में और 15 वर्ष की वृद्धि होने का अनुमान है और इसलिए सीईआरसी के समक्ष याचिका वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 31.03.2039 तक पावर स्टेशन के विस्तार का प्रस्ताव किया गया है।

नोट संख्या 40: पूंजी प्रबंधन

कंपनी के पूंजी प्रबंधन का उद्देश्य कंपनी के दीर्घकालिक और अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने में सुविधा प्रदान करके शेयरधारकों के लिए मूल्य पैदा करना है।

कंपनी दीर्घकालिक और अल्पावधि रणनीतिक निवेश योजना के साथ वार्षिक व्यापार योजना के आधार पर आवश्यक पूंजी की राशि निर्धारित करती है। वित्तपोषण आवश्यकताओं को इक्विटी, परिवर्तनीय और गैर–परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अन्य अल्पावधि और दीर्घकालिक उधारों के माध्यम से पूरा किया जाता है। कंपनी की नीति का उद्देश्य अल्पावधि और दीर्घकालिक उधारों का संयोजन है।

कंपनी शुद्ध ऋण से इक्विटी अनुपात और कंपनी के समग्र ऋण पोर्टफोलियो की परिपक्वता रूपरेखा के आधार पर पूंजी संरचना की निगरानी करती है।

नोट संख्या–41 वित्तीय साधनों पर प्रकटीकरण

यह खंड कंपनी के लिए वित्तीय साधनों के महत्व का अवलोकन देता है और बैलेंस शीट आइटम पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है जिसमें वित्तीय साधन होते हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रत्येक वर्ग, वित्तीय देयता और इक्विटी साधन के संबंध में मान्यता के मानदंड, माप के आधार और आय और व्यय को मान्यता देने के आधार सहित महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण वित्तीय विवरणों के नोट नंबर. 1 में प्रकट किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ

निम्नलिखित तालिका 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताएं की प्रत्येक श्रेणी की वहन राशि और उचित मूल्य प्रस्तुत करती है।

(₹ लाख में)

31 मार्च, 2025 तक	लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से उचित मूल्य	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य	हेजिंग संबंध में व्युत्पन्न उपकरण	व्युत्पन्न उपकरण हेजिंग संबंध में नहीं हैं	परिशोधन लागत	कुल वहन मूल्य	कुल उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति							
नकद और बैंक शेष					126.11	126.11	126.11
अन्य बैंक शेष					602.98	602.98	602.98
व्यापार प्राप्य					57,280.59	57,280.59	57,280.59
कर्ज					31.35	31.35	31.35
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ					98,366.95	98,366.95	98,366.95
कुल					**156,407.98**	**156,407.98**	**156,407.98**
वित्तीय देयताएँ							
व्यापार देय					13,937.27	13,937.27	13,937.27
उधारी					726,191.68	726,191.68	700,395.22
नकद क्रेडिट / डब्ल्यूसीडीएल / एसटीएल					35,173.86	35,173.86	35,173.86
पट्टा की बाध्यता					1,747.55	1,747.55	1,747.55
पूँजीगत व्यय के लिए देय					6,152.08	6,152.08	6,152.08
अन्य वित्तीय देयताएँ					45,091.50	45,091.50	45,091.50
कुल					**828,293.94**	**828,293.94**	**802,497.48**

(₹ लाख में)

31 मार्च, 2025 तक	लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से उचित मूल्य	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य	हेजिंग संबंध में व्युत्पन्न उपकरण	व्युत्पन्न उपकरण हेजिंग संबंध में नहीं हैं	परिशोधन लागत	कुल वहन मूल्य	कुल उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति							
नकद और बैंक शेष					240.10	240.10	240.10
अन्य बैंक शेष					276.46	276.46	276.46
व्यापार प्राप्य					83,664.74	83,664.74	83,664.74
कर्ज					40.02	40.02	40.02
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ					32,756.40	32,756.40	32,756.40
कुल					**116,977.72**	**116,977.72**	**116,977.72**
वित्तीय देयताएँ							
व्यापार देय					17,775.74	17,775.74	17,775.74
उधारी					695,035.07	695,035.07	652,020.01
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल					52,253.97	52,253.97	52,253.97
पट्टा की बाध्यता					2,015.55	2,015.55	2,015.55
पूँजीगत व्यय के लिए देय					4,938.90	4,938.90	4,938.90
अन्य वित्तीय देयताएँ					37,752.10	37,752.10	37,752.10
कुल					**809,771.33**	**809,771.33**	**766,756.27**

निम्नलिखित तालिका वित्तीय साधनों का विश्लेषण प्रदान करती है जिन्हें उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता के बाद मापा जाता है, जिन्हें स्तर 1 से स्तर 3 में वर्गीकृत किया गया है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

एक सक्रिय बाजार में उद्धृत मूल्य (स्तर 1) पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हैं जिन्हें समान परिसंपत्तियों या देयताऐं के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्यों (असंबद्ध) के संदर्भ में मापा जाता है। इस श्रेणी में उद्धृत इक्विटी शेयरों, उद्धृत कॉर्पोरेट ऋण साधनों और म्यूचुअल फंड निवेशों में निवेश शामिल हैं।

अवलोकन योग्य इनपुट के साथ मूल्यांकन तकनीक (स्तर 2) पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय संपत्ति और देयताएं शामिल हैं, जो स्तर 1 के भीतर उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य इनपुट का उपयोग करके मापा जाता है जो संपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष रूप से (अर्थात., कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात., कीमतों से प्राप्त) के लिए अवलोकन योग्य हैं। पदानुक्रम के इस स्तर में कंपनी के ओवर–द–काउंटर (ओटीसी) व्युत्पन्न अनुबंध शामिल हैं।

महत्वपूर्ण गैर–अवलोकन योग्य निवेशों के साथ मूल्यांकन तकनीक (स्तर 3) पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय परिसंपत्तियां और देयताएं शामिल हैं जिन्हें निवेशों का उपयोग करके मापा जाता है जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा (गैर–अवलोकन योग्य निवेश) पर आधारित नहीं होते हैं। उचित मूल्यों का निर्धारण पूरी तरह से या आंशिक रूप से उन अनुमानओं के आधार पर मूल्यांकन मॉडल का उपयोग करके किया जाता है जो न तो एक ही साधन में अवलोकन योग्य वर्तमान बाजार लेनदेन से कीमतों द्वारा समर्थित हैं और न ही वे उपलब्ध बाजार डेटा पर आधारित हैं। इस श्रेणी में मुख्य मदें बिना उद्धृत इक्विटी शेयरों में निवेश हैं, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा जाता है।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्य	57,280.59	-	-	57,280.59
(ii) नकद और नकद समतुल्य	729.09	-	-	729.09
(iii) ऋण	31.35	-	-	31.35
(iv) अन्य	98,366.95	-	-	98,366.95
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**156,407.98**	**-**	**-**	**156,407.98**

विवरण	31 मार्च, 2025 तक			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
उचित मूल्य पर मापी जाने वाली वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	735,569.08	-	-	735,569.08
(ii) व्यापार और अन्य देय '	20,089.35	-	-	20,089.35
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	46,839.05	-	-	46,839.05
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय देयताएँ	**802,497.48**			**802,497.48**

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्य	83,664.74	-	-	83,664.74
(ii) नकद और नकद समतुल्य	516.56	-	-	516.56
(iii) ऋण	40.02	-	-	40.02
(iv) अन्य	32,756.40	-	-	32,756.40
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**116,977.72**	**-**	**-**	**116,977.72**
उचित मूल्य पर मापी जाने वाली वित्तीय देयताएँ				
(i) उधार	704,273.98	-	-	704,273.98
(ii) व्यापार और अन्य देय '	22,714.64	-	-	22,714.64
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	39,767.65	-	-	39,767.65
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय देयताएँ	**766,756.27**			**766,756.27**

व्यापार और अन्य देय राशि में व्यापार देय राशि और पूंजीगत व्यय के लिए देय राशि शामिल है

अल्पावधि वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताऐं को परिशोधन लागत पर बताया जाता है जो उनके उचित मूल्य के लगभग बराबर होता है।

उद्धृत इक्विटी निवेशों के संबंध में उचित मूल्य को विश्वसनीय रूप से मापा नहीं जा सकता है।

प्रबंधन अपने वित्तीय साधनों के उचित मूल्य का अनुमान लगाने में अपने सर्वोत्तम निर्णय का उपयोग करता है। हालाँकि, किसी भी आकलन तकनीक में अंतर्निहित सीमाएँ हैं। इसलिए, काफी हद तक सभी वित्तीय साधनों के लिए, ऊपर प्रस्तुत उचित मूल्य अनुमान आवश्यक रूप से उन सभी राशियों का संकेत नहीं देते हैं जिन्हें कंपनी संबंधित तिथियों के अनुसार बिक्री लेनदेन में प्राप्त या भुगतान कर सकती थी। इस प्रकार, संबंधित रिपोर्टिंग तिथियों के बाद वित्तीय साधनों का उचित मूल्य प्रत्येक वर्ष के अंत में रिपोर्ट की गई राशि से अलग हो सकता है

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्षों के लिए स्तर 1 और स्तर 2 के बीच कोई स्थानांतरण नहीं हुआ है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का हस्तांतरण

2024–24 के दौरान वित्तीय संपत्तियों का कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है।

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

अपने व्यवसाय के दौरान, कंपनी मुख्य रूप से ब्याज दरों, तरलता और ऋण जोखिम के संपर्क में है, जो इसके वित्तीय साधनों के उचित मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

कंपनी की एक जोखिम प्रबंधन नीति है जो वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताऐं जैसे ब्याज दर जोखिमों और ऋण जोखिमों से जुड़ जोखिमों को शामिल करती है। जोखिम प्रबंधन नीति को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है। जोखिम प्रबंधन ढांचे का उद्देश्य है:

कंपनी की व्यावसायिक योजना पर मुद्रा और ब्याज दर में उतार–चढ़ाव के प्रभाव को कम करके एक स्थिर व्यावसायिक योजना वातावरण बनाएँ।

अपेक्षित आय के वित्तीय मूल्य को पहले से निर्धारित करके आय के लिए अधिक पूर्वानुमेयता प्राप्त करें।

बाजार जोखिमः – बाजार जोखिम भविष्य की आय में, वास्तविक उचित मूल्यों में या भविष्य के नकदी प्रवाह में किसी भी नुकसान का जोखिम है जो किसी वित्तीय साधन की कीमत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप हो सकता है। ब्याज दरों में परिवर्तन, विदेशी मुद्रा विनिमय दरों, इक्विटी मूल्य में उतार–चढ़ाव, तरलता और अन्य बाजार परिवर्तनों के परिणामस्वरूप एक वित्तीय साधन का मूल्य बदल सकता है। भविष्य के विशिष्ट बाजार संचलन की सामान्य रूप से उचित सटीकता के साथ भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

ऋण जोखिमः – ऋण जोखिम संविदात्मक शर्तों या दायित्वों के अनुसार ऋण चुकाने या सेवा देने में प्रतिपक्ष की विफलता से उत्पन्न होने वाले वित्तीय नुकसान का जोखिम है। ऋण जोखिम में चूक का प्रत्यक्ष जोखिम और ऋण योग्यता में गिरावट के जोखिम के साथ–साथ एकाग्रता जोखिम दोनों शामिल हैं।

तरलता जोखिमः तरलता जोखिम उस जोखिम को संदर्भित करता है जिसे कंपनी अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा नहीं कर सकती है। तरलता जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य पर्याप्त तरलता बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यकता के अनुसार उपयोग के लिए धन उपलब्ध हो।

निम्नलिखित तालिका कंपनी की गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताऐं के लिए देय ब्याज सहित अनुमानित नकदी प्रवाह का अपरिपक्व विश्लेषण दिखाती है, जो इसलिए वहन मूल्य और उचित मूल्य दोनों से भिन्न है।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक				
	वहन राशि	संविदात्मक नकदी प्रवाह	1 वर्ष से कम	1–5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ					
उधारी	735,569.08	735,569.08	128,113.42	422,997.45	184,458.22
व्यापार देय	20,089.35	20,089.35	13,937.27	6,152.08	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	46,839.05	46,839.05	46,063.18	775.87	-
कुल गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ	**802,497.48**	**802,497.48**	**188,113.87**	**429,925.40**	**184,458.22**
व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ					

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक				
	वहन राशि	संविदात्मक नकदी प्रवाह	1 वर्ष से कम	1–5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ					
उधारी	704,273.98	704,273.98	115,311.08	399,560.19	189,402.95
व्यापार देय	22,714.64	22,714.64	17,775.74	4,938.90	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	39,767.65	39,767.65	38,752.58	1,015.07	-
कुल गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ	**766,756.27**	**766,756.27**	**171,839.40**	**405,514.16**	**189,402.95**
व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ					

उद्धृत न किए गए निवेशों की लागत उचित मूल्य का अनुमान लगाती है क्योंकि उचित मूल्य माप की एक विस्तृत श्रृंखला है और लागत उस सीमा के भीतर उचित मूल्य के अनुमान का प्रतिनिधित्व करती है।

नोट संख्या 42 प्रचालन खंड

क. विद्युत उत्पादन निगम की प्रमुख गतिविधि है। लेखा मानक 108 के अनुसार ब्याज आय जैसे अन्य संचालन एक रिपोर्टेबल खंड नहीं बनाते हैं।
ख. निगम के पास देश के भीतर स्थित बिजली परियोजनाएं हैं और इसलिए भौगोलिक खंड लागू नहीं होते हैं।

टिप्पणी संख्या 43: वित्तीय जोखिम प्रबंधन

(i) ऋण जोखिम के लिए जोखिम

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर ऋण जोखिम का अधिकतम जोखिम था:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को 12 महीने के अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) का उपयोग करके मापा जाता है		
गैर–वर्तमान निवेश		
गैर–वर्तमान ऋण	31.35	40.02
अन्य गैर–वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-
नकद और नकद समकक्ष	126.11	240.10
नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष	602.98	276.46
मौजूदा ऋण	945.69	1,131.94
अन्य चालू वित्तीय परिसंपत्तियाँ '	1,752.49	610.39
कुल (क)	**3,458.62**	**2,298.91**
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को सरल दृष्टिकोण के अनुसार जीवन–काल अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) का उपयोग करके मापा जाता है		
व्यापार प्राप्य	57,280.59	83,664.74
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	95,703.96	31,049.26
कुल (ख)	**152,984.55**	**114,714.00**
कुल (क+ख)	**156,443.17**	**117,012.91**

* अनुबंध परिसंपत्तियाँ को छोड़कर (नोट 13 का संदर्भ लें)

(ii) अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को 12 महीने के अपेक्षित ऋण हानियों का उपयोग करके मापा जाता है

कंपनी के पास ऐसी परिसंपत्तियाँ हैं जहाँ विरोधी पक्षों के पास दायित्वों को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता होती है और जहाँ चूक का जोखिम बहुत कम होता है। तदनुसार, हानि के लिए कोई हानि भत्ता मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को सरल दृष्टिकोण के अनुसार जीवन–काल अपेक्षित ऋण हानि का उपयोग करके मापा जाता है।

कंपनी के पास दायित्वों को पूरा करने की क्षमता वाले ग्राहक (राज्य सरकार की उपयोगिताएँ) हैं और इसलिए चूक का जोखिम नगण्य या शून्य है। इसके अलावा, प्रबंधन का मानना है कि जो अप्रभावित राशि पूर्वनिर्धारित से अधिक बकाया है, वह नगण्य या शून्य है। इसके अलावा, प्रबंधन का मानना है कि ऐतिहासिक भुगतान व्यवहार और ग्राहक ऋण जोखिम के व्यापक विश्लेषण के आधार पर 30 दिनों से अधिक की बकाया राशि अभी भी पूरी तरह से एकत्र की जा सकती है। इसलिए, व्यापार प्राप्य और गैर–बिल राजस्व के संबंध में रिपोर्टिंग अवधि के दौरान किसी भी हानि की पहचान नहीं की गई है।

(iii) व्यापार प्राप्तियों का वृद्धावस्था विश्लेषण

व्यापार प्राप्तियों का उम्र बढ़ने का विश्लेषण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

बढ़ती उम्र।	देय नहीं	0–30 दिन पिछले देय	31–60 दिन पूर्व देय	61–90 दिन पूर्व देय	91–120 दिन पूर्व देय	देय राशि से 120 दिन पहले	कुल
31 मार्च, 2025 को सकल वहन राशि	32,468.01	11,597.98	-	-	-	13,214.60	57,280.59
31 मार्च 2024 को सकल वहन राशि	61,691.36	6,687.43	279.54			15,006.41	83,664.74

तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को अपनी वित्तीय देयताऐं से जुड़ दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें नकद या किसी अन्य वित्तीय संपत्ति को वितरित करके निपटाया जाता है। तरलता के प्रबंधन के लिए कंपनी का दृष्टिकोण, जहां तक संभव हो, यह सुनिश्चित करना है कि उसके पास हमेशा अपनी देयताऐं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता होगी, जब सामान्य और तनावपूर्ण दोनों परिस्थितियों में, अस्वीकार्य नुकसान या कंपनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाए बिना।

कंपनी के पास अल्पावधि, मध्यम और दीर्घकालिक वित्त पोषण और तरलता प्रबंधन आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए एक उपयुक्त तरलता जोखिम प्रबंधन ढांचा है। कंपनी पर्याप्त नकदी भंडार, बैंकिंग सुविधाओं और आरक्षित उधार सुविधाओं को बनाए रखते हुए पूर्वानुमान और वास्तविक नकदी प्रवाह की लगातार निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताऐं के परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है।

कंपनी का ट्रेजरी विभाग कंपनी की अल्पावधि और दीर्घकालिक तरलता आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। ट्रेजरी विभाग द्वारा अल्पावधि तरलता की स्थिति की दैनिक समीक्षा की जाती है। निदेशक मंडल ने तरलता जोखिम के प्रबंधन के लिए नीतियां स्थापित की हैं और कंपनी का कोषागार विभाग ऐसी नीतियों के अनुरूप काम करता है। इन नीतियों के किसी भी उल्लंघन की सूचना निदेशक मंडल को दी जाती है। निदेशक मंडल द्वारा दीर्घकालिक तरलता की स्थिति की नियमित आधार पर समीक्षा की जाती है और स्थिति के अनुसार उचित निर्णय लिए जाते हैं।

आम तौर पर, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उसके पास एक महीने के लिए अपेक्षित परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए मांग पर पर्याप्त नकदी है, जिसमें वित्तीय दायित्वों की सेवा भी शामिल है, इसमें उन चरम परिस्थितियों के संभावित प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है जिनकी उचित रूप से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, जैसे कि प्राकृतिक आपदाएं।

सीईआरसी विनियमों के हिस्से के रूप में, टैरिफ में अन्य बातों के साथ–साथ पूंजीगत लागत की वसूली भी शामिल है। प्रशुल्क विनियमों में ऊर्जा शुल्क, संचालन और रखरखाव व्यय की वसूली और मानक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर ब्याज का भी प्रावधान है। चूंकि ग्राहकों को बिलिंग आम तौर पर मासिक आधार पर होती है, इसलिए कंपनी वित्तीय दायित्वों को पूरा करने और अपनी परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता बनाए रखती है।

(i) वित्तीय व्यवस्थाएँ

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी के पास निम्नलिखित अप्रचलित उधार सुविधाओं तक पहुंच थी:

(₹ लाख में)

विवरण	31–03–2025 तक	31–03–2024 तक
निश्चित दर पर उधार		
विदेशी मुद्रा ऋण	-	-
फ्लोटिंग–सेवानिवृत उधार		
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	122,440.00	117,944.48
सावधि ऋण	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण	-	-
कुल	**122,440.00**	**117,944.48**

(₹ लाख में)

(ii) वित्तीय देयताऐं की परिपक्वता

संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर व्युत्पन्न और गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताऐं की संविदात्मक परिपक्वताएं निम्नलिखित हैं:

31 मार्च 2025

(₹ लाख में)

वित्तीय देयताऐं की संविदा परिपक्वता	संविदात्मक नकदी प्रवाह					
	3 महीने या उससे कम	3–12 महीने	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ						
सुरक्षित बांड	25,000.00	25,000.00	73,500.00	66,500.00	-	**190,000.00**
असुरक्षित बांड		-	-	20,000.00	49,635.00	**69,635.00**
बैंकों से रुपये का सावधि ऋण	10,200.00	25,000.00	44,100.00	193,200.00	159,696.42	**432,196.42**
दूसरों से रुपये का सावधि ऋण					29,196.42	**29,196.42**
वित्त पट्टा दायित्व	242.92	728.76	531.01	232.91	11.95	**1,747.55**
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-	-	-	**-**
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-	-	-	-	-	**-**
असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण (भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)	3,385.54	3,385.54	6,771.09	12,926.37	923.25	**27,391.79**
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल	22,121.54	13,052.32				**35,173.86**

31 मार्च 2025

(₹ लाख में)

वित्तीय देयताऐं की संविदा परिपक्वता	संविदात्मक नकदी प्रवाह					
	3 महीने या उससे कम	3–12 महीने	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएँ						
सुरक्षित बांड	4,960.93	62,000.00	50,000.00	119,000.00	36,000.00	**271,960.93**
असुरक्षित बांड	31.21	-	-	-	20,000.00	**20,031.21**
बैंकों से रुपये का सावधि ऋण	7,768.87	54,475.00	30,200.00	176,800.00	101,000.00	**370,243.87**
दूसरों से रुपये का सावधि ऋण	-	-	-	-	29,196.42	**29,196.42**
वित्त पट्टा दायित्व	250.12	750.36	594.48	420.59		**2,015.55**
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-	-	-	**-**
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-	-	-	-	-	**-**
असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण (भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)	3,520.53	3,308.29	6,616.57	17,443.61	2,706.53	**33,595.53**
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल	22,253.97	30,000.00	-	-	-	**52,253.97**

बाजार में जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो बाजार की कीमतों में परिवर्तन, जैसे कि विदेशी मुद्रा दरें और ब्याज दरें कंपनी की आय को प्रभावित करेंगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

निदेशक मंडल कंपनी के बाजार जोखिमों के प्रबंधन के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं की स्थापना के लिए जिम्मेदार है। इस तरह के सभी लेन–देन जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के भीतर किए जाते हैं।

मुद्रा जोखिम

कंपनी को कुछ लेन–देनों पर विदेशी मुद्रा जोखिम का सामना करना पड़ता है जो इकाई की कार्यात्मक मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में अंकित होते हैं, इसलिए विनिमय दर में उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। जोखिम यह है कि विनिमय दरों में उतार–चढ़ाव के परिणामस्वरूप नकदी प्रवाह का कार्यात्मक मुद्रा मूल्य भिन्न होगा।

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताऐं की मुद्रा रूपरेखा इस प्रकार है:

31 मार्च 2025 (₹ लाख में)

विवरण	अमरीकी डालर	यूरो	कुल
वित्तीय संपत्तियाँ			
अन्य प्राप्तियों का व्यापार करें	-	-	-
नकद और नकद समतुल्य	-	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-
कुल			
वित्तीय देयताएँ			
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण		27,391.79	27,391.79
व्यापार देय और अन्य वित्तीय देयताएँ			-
कुल	**-**	**27,391.79**	**27,391.79**

31st मार्च 2024 (₹ लाख में)

विवरण	अमरीकी डालर	यूरो	कुल
वित्तीय संपत्तियाँ			
अन्य प्राप्तियों का व्यापार करें	-	-	-
नकद और नकद समतुल्य	-	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-
कुल	-	-	-
वित्तीय देयताएँ			
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण		33,595.53	33,595.53
व्यापार देय और अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	-
कुल	**-**	**33,595.53**	**33,595.53**

उपरोक्त में से कोई भी राशि व्युत्पन्न उपकरणों द्वारा हेज नहीं की जाती है। शेष राशि के संबंध में, सभी विदेशी मुद्रा ऋणों और विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं (सीओडी तक) पर विनिमय दर में भिन्नता के कारण लाभ/(हानि) लाभार्थियों से वसूली योग्य है। इसलिए, इस तरह के जोखिम के संबंध में मुद्रा जोखिम बहुत महत्वपूर्ण नहीं होगा।

संवेदनशीलता विश्लेषण

चूंकि लाभ और हानि के विवरण पर यूएसडी,यूरो,जेपीवाई और अन्य मुद्राओं के मुकाबले आईएनआर के मजबूत होने या कमजोर होने का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण नहीं होगाय इसलिए, मुद्रा जोखिम के लिए संवेदनशीलता विश्लेषण का खुलासा नहीं किया गया है।

ब्याज दर का जोखिम

कंपनी मुख्य रूप से अस्थायी ब्याज दरों के साथ गैर–वर्तमान उधार से उत्पन्न ब्याज दर जोखिम के संपर्क में है। कंपनी ब्याज दर के जोखिम के संपर्क में है क्योंकि अस्थायी दर उधार से जुड़े नकदी प्रवाह ब्याज दरों में बदलाव के साथ उतार–चढ़ाव करेंगे। कंपनी विभिन्न शर्तों (उदाहरण) के साथ विभिन्न प्रकार की ऋण व्यवस्था में प्रवेश करके ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करती है। निश्चित दर वाले ऋण, अस्थायी दर वाले ऋण, रुपये के सावधि ऋण, विदेशी मुद्रा ऋण आदि।)

रिपोर्टिंग की दिनांक पर कंपनी के ब्याज वाले वित्तीय साधनों की ब्याज दर प्रोफ़ाइल इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
वित्तीय संपत्तियाँ		
नियत दर उपकरण		
बैंक जमा	602.98	276.46
कुल	**602.98**	**276.46**
वित्तीय देयताएँ		
नियत दर उपकरण		
बांड	214,869.24	291,909.59
विदेशी मुद्रा ऋण	27,721.96	33,754.88
रुपया सावधि ऋण	29,128.67	29,126.73
पट्टे के दायित्व	1,747.55	2,015.55
कुल	**273,467.42**	**356,806.75**
परिवर्तनीय दर वाले उपकरण		
विदेशी मुद्रा ऋण	-	-
रुपया सावधि ऋण	403,357.60	310,243.87
नकद ऋण	35,173.86	52,253.97
	438,531.46	362,497.84
कुल	**711,998.88**	**719,304.59**

निश्चित दर वाले उपकरणों के लिए उचित मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी के निश्चित दर के उपकरणों को परिशोधन लागत पर ले जाया जाता है। इसलिए वे ब्याज दर के जोखिम के अधीन नहीं हैं, क्योंकि बाजार ब्याज दरों में बदलाव के कारण न तो वहन राशि और न ही भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार–चढ़ाव होगा।

परिवर्तनीय दर उपकरणों के लिए नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टिंग तिथि पर ब्याज दरों में 50 आधार अंकों के परिवर्तन से लाभ या हानि में नीचे दर्शाई गई राशि से वृद्धि (कमी) हुई होगी। यह विश्लेषण मानता है कि अन्य सभी चर, विशेष रूप से विदेशी मुद्रा दरों में, स्थिर रहते हैं। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए उसी आधार पर किया जाता है।

(₹ लाख में)

विवरण	लाभ या हानि	
	50 बीपीएस की बढ़ोतरी	50 बीपीएस की कमी
31–मार्च–25		
विदेशी मुद्रा ऋण	(115.67)	115.67
रुपया सावधि ऋण	(3,437.44)	3,437.44
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	(47.44)	47.44
कुल	**(3,600.55)**	**3,600.55**
31–मार्च–24		
विदेशी मुद्रा ऋण	(143.71)	143.71
रुपया सावधि ऋण	(3322.78)	3,322.78
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	(12.96)	12.96
कुल	**(3479.45)**	**3479.45**

नोट संख्या 44: परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताऐं का उचित मूल्य

(₹ लाख में)

विवरण	स्तर	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		वहन राशि	उचित मूल्य	वहन राशि	उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति					
कर्ज	3	31.35	31.35	40.02	40.02
व्यापार प्राप्य	3	57,280.59	57,280.59	83,664.74	83,664.74
नकद और नकद समकक्ष	3	126.11	126.11	240.10	240.10
नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष	3	602.98	602.98	276.46	276.46
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	3	98,366.95	98,366.95	32,756.40	32,756.40
वित्तीय देयताएँ					
बांड	3	265,983.45	266,784.03	291,909.59	297,620.69
विदेशी मुद्रा ऋण–केएफडब्ल्यू	3	27,721.96	17,568.16	33,754.88	32,772.95
विदेशी मुद्रा ऋण–ईसीबी	3				
रुपया सावधि ऋण	3	403,357.60	403,357.60	310,243.87	310,243.87
सरकारी अधीनस्थ ऋण	3	29,128.67	12,685.44	29,126.73	11,382.50
पट्टे के दायित्व	3	1,747.55	1,747.55	2,015.55	2,015.55
उधार–वर्तमान	3	35,173.86	35,173.86	52,253.97	52,253.97
व्यापार देय और पूंजीगत व्यय के लिए देय	3	20,089.35	20,089.35	22,714.64	22,714.64
अन्य वित्तीय देयताएँ	3	45,091.50	45,091.50	37,752.10	37,752.10

वर्तमान व्यापार प्राप्य, वर्तमान व्यापार देय, पूंजीगत व्यय के लिए देय, सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश, नकद और नकद समकक्ष और अन्य वित्तीय संपत्तियों और देयताऐं की वहन राशि को उनके उचित मूल्यों के समान माना जाता है, उनकी अल्पावधि प्रकृति के कारण।

ऋण, उधार, गैर–वर्तमान व्यापार देय और पूंजीगत व्यय के लिए देय के लिए उचित मूल्यों की गणना वर्तमान छूट दर का उपयोग करके छूट वाले नकदी प्रवाह के आधार पर की गई थी। उन्हें उद्धृत कीमतों की उपलब्धता और अवलोकन योग्य/गैर अवलोकन योग्य निवेशों के समावेश के आधार पर संबंधित स्तरों पर वर्गीकृत किया जाता है।

नोट सं. 45 इंड एएस 115 के अनुसार प्रकटीकरण, 'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व'

वस्तुओं और सेवाओं की प्रकृति

कंपनी के राजस्व में ऊर्जा बिक्री, व्यापार और अन्य सेवाओं के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से आय शामिल है। प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:

(क) ऊर्जा बिक्री से आय

कंपनी का प्रमुख राजस्व ऊर्जा बिक्री से आता है। कंपनी थोक ग्राहकों को बिजली बेचती है, मुख्य रूप से राज्यों में काम करने वाले राज्य सरकार के डिस्कॉम के स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिताएँ। बिजली की बिक्री आम तौर पर लाभार्थियों के साथ किए गए दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के अनुसार की जाती है। इसके अलावा, कंपनी ''मर्चेंट पावर'' के तहत उनके पास उपलब्ध पावर एक्सचेंजों के माध्यम से इलेक्ट्रोसिटी बेचती है।

नीचे प्रकृति का विवरण, प्रदर्शन दायित्वों की संतुष्टि का समय और ऊर्जा बिक्री के लिए अनुबंधों के तहत महत्वपूर्ण भुगतान शर्तें दी गई हैं:

उत्पाद / सेवा	प्रदर्शन दायित्वों और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तों की संतुष्टि की प्रकृति, समय
बिजली की बिक्री	कंपनी समय के साथ ऊर्जा बिक्री के लिए अनुबंधों से राजस्व को पहचानती है क्योंकि ग्राहक एक साथ कंपनी द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करते हैं और उनका उपभोग करते हैं। ऊर्जा बिक्री से राजस्व की गणना के लिए टैरिफ समय–समय पर अधिसूचित सीईआरसी विनियमों के संदर्भ में निर्धारित किया जाता है। बिजली की बिक्री का हिसाब केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित शुल्क के आधार पर किया जाता है बिजली स्टेशनों के मामले में जहां अंतिम टैरिफ को सीईआरसी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है, ऊर्जा की बिक्री केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ की शर्तें और शर्तें) विनियम 2019 में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार टैरिफ याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अनंतिम दर के आधार पर प्रदान की जाती है। जिन परियोजनाओं के लिए न तो सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी के पास याचिका लंबित है, ऊर्जा की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों द्वारा सहमत टैरिफ के आधार पर किया जाता है। राशि का बिल मासिक आधार पर दिया जाता है और संविदात्मक रूप से सहमत ऋण अवधि के भीतर देय होता है।

(ख) ऊर्जा व्यापार, परामर्श और अन्य सेवाओं से राजस्व

व्यापार के जरिए ऊर्जा की बिक्री

व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री के लिए अनुबंधों के तहत प्रकृति का विवरण, प्रदर्शन दायित्वों की संतुष्टि का समय और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तें नीचे दी गई हैं:

उत्पाद / सेवा	प्रदर्शन दायित्वों और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तों की संतुष्टि की प्रकृति, समय
बिजली की बिक्री	कंपनी समय के साथ व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री के लिए अनुबंधों से राजस्व को मान्यता देती है क्योंकि ग्राहक एक साथ कंपनी द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करते हैं और उनका उपभोग करते हैं। व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की गणना के लिए टैरिफ समझौतों की शर्तों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। राशि का बिल अनुबंध में निर्दिष्ट आवधिकता के अनुसार दिया जाता है और संविदात्मक रूप से सहमत ऋण अवधि के भीतर देय होता है।

II. राजस्व का पृथक्करण

निम्नलिखित तालिका में, राजस्व को उत्पाद और सेवाओं के प्रकार, भौगोलिक बाजार और राजस्व मान्यता के समय के आधार पर विभाजित किया गया है:

(₹ लाख में)

विवरण	ऊर्जा का उत्पादन		अन्य		कुल	
	समाप्त वर्ष के लिए		समाप्त वर्ष के लिए		समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
भौगोलिक बाजार						
भारत	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74
अन्य						-
	420,170.70	**410,497.48**	**9,608.25**	**13,459.26**	**429,778.95**	**423,956.74**
राजस्व मान्यता का समय						
समय के साथ हस्तांतरित किए गए उत्पाद और सेवाएं	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74
	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74

III. अनुबंध मूल्य के साथ मान्यता प्राप्त राजस्व का सामंजस्यः (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अनुबंध मूल्य	432,609.80	426,284.56
इसके लिए समायोजनः		
छूटें	(2830.85)	(2327.82)
राजस्व मान्यता प्राप्त	429,778.95	423,956.74

IV. अनुबंध शेष

निम्नलिखित तालिका व्यापार प्राप्तियों, गैर–बिल राजस्व और ग्राहकों से अग्रिम/लाभार्थियों को देय के बारे में जानकारी प्रदान करती है:

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान
व्यापार प्राप्य	57,280.59	-	83,664.74	-
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	95,703.96	-	31,049.26	-
ग्राहकों से अग्रिम/लाभार्थियों को देय	2,396.45	-	1,246.60	-

नोट संख्या 46 कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, कंपनी को अपनी सीएसआर नीति के अनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम दो प्रतिशत खर्च करना आवश्यक है। वर्ष के लिए सीएसआर व्यय का विवरण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2022–23
(i) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि	1,176.50	762.99
(ii) व्यय की राशि :	1,185.97	764.20
(iii) वर्ष के अंत में कमी	शून्य	शून्य
(iv) पिछले वर्षों की कुल कमी	शून्य	शून्य
(v) कमी का कारण	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi) सीएसआर गतिविधियों की प्रकृति		
(क) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	732.55	634.51
(ख) उपरोक्त (कं) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	453.42	129.69
(vii) संबंधित पक्ष लेनदेन का विवरण, उदाहरण, प्रासंगिक लेखा मानक के अनुसार सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी द्वारा नियंत्रित एक ट्रस्ट में योगदान।	शून्य	शून्य

(viii) सीएसआर देयता में संचलन (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक शेष सीएसआर देयता (ए)	524.61	320.70
वर्ष के दौरान भुगतान/समायोजित (बी)	403.30	239.70
वर्ष के दौरान जोड़ (सी)	750.25	443.61
वर्ष के अंत में शेष राशि को बंद करना (डी = ए–बी+सी) ##	871.56	524.61

(ix) सीएसआर खर्चों को प्रमुख शीर्षों के तहत विभाजित करें: (₹ लाख में)

वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2022–23
1. भूख और प्रोवर्टी का उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता	667.65	269.07
2. शिक्षा, खेल और कौशल विकास	280.52	303.11
3. ग्रामीण विकास	237.80	192.02
कुल	**1,185.97**	**764.20**

बी ओडी ने वित्त वर्ष 24–25 के लिए सीएसआर बजट को मंजूरी दे दी है। 1176.50 लाख (जो पिछले 3 वर्षों के औसत पीबीटी का 2% है)

हालांकि, इसे संशोधित कर रुपये कर दिया गया था। 03.03.2025 को आयोजित बीएलसी की सीएसआर बैठक में 1177.32 लाखः

वित्त वर्ष 2024–2025 के लिएः इसमें 1185.97 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से अधिक व्यय शामिल है। 8.65 लाखः

सीएसआर चालू परियोजना के तहत शेष राशिः 763.13 लाख रुपये और सीएसआर के तहत बकाया 108.43 लाख रुपयेः

31.03.2025 को सीएसआर चालू परियोजनाओं और सीएसआर खर्च नहीं की गई शेष राशि में दिखाई देने वाली राशि (ब्रेकअप वित्त वर्ष वार)

वित्तीय सीएसआर चालू परियोजनाओं पर		**सीएसआर अनस्पेंट**
2024-2025	₹641.82 लाख	₹23.59 लाख
2023-2024	₹97.11लाख	₹33.75 लाख
2022-2023	₹24.20 लाख	.....
2021-2022	.....	₹51.09 लाख
कुल एक लाख रु.	**763.13 लाख**	**₹ 108.43 लाख**

नोट संख्या 47: इन्वेंट्री पर प्रकटीकरण

(क) वर्ष के दौरान उपभोग और व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त इन्वेंट्री की राशि निम्नानुसार है: (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
ईंधन की लागत	114,768.05	124,616.69
अन्य (नोट 33 में शामिल–अन्य खर्च) '	2,776.24	4,445.84
कुल	**117,544.29**	**129,062.53**

* इसमें 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान खपत की गई आयातित सामग्री शामिल है। 270.53 लाख अर्थात कुल इन्वेंट्री की खपत का 0.23% (पिछले वर्ष रु। 547.67 लाख अर्थात, कुल इन्वेंट्री की खपत का 0.44%)

नोट संख्या 48: आयकर से संबंधित प्रकटीकरण

48 (i) इंड एएस 12 "आयकर के अनुसार प्रकटीकरण"

(क) आय कर व्यय

i) लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त आयकर

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्तमान कर व्यय		
चालू वर्ष	11,000.97	10,252.95
पहले के वर्षों के लिए कर	295.20	-
नियामक स्थगन खाता शेष (ए) से संबंधित	3,453.90	(192.98)
कुल वर्तमान कर व्यय (बी)	14,750.07	10,059.97
आस्थगित कर व्यय		
अस्थायी मतभेदों की उत्पत्ति और उलटफेर (ग)	12,800.60	(5,347.73)
कम: एमएटी क्रेडिट पात्रता **{संदर्भ नोट 48 (ii)}**		
आयकर व्यय (डी = बी+सी–ए)	24,096.77	4,905.22
नियामक स्थगन खाता शेष से संबंधित	3,453.90	(192.98)
नियामक स्थगन खाते में आवाजाही पर कर सहित कुल कर व्यय	27,550.67	4,712.24

भविष्य में कंपनी को उपलब्ध लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं एमएटी क्रेडिट:

48 (ii) वर्तमान वित्त वर्ष के लिए एमएटी क्रेडिट भविष्य में कंपनी के लिए उपलब्ध है, लेकिन 31 मार्च 2025 तक मान्यता प्राप्त नहीं है, जो 9,939.54 लाख रुपये है।

(ii) अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त आयकर (₹ लाख में)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए					
	31 मार्च 2025			31 मार्च 202		
	कर से पहले	कर व्यय	कर का निवल	कर से पहले	कर व्यय	कर का निवल
परिभाषित लाभ योजनाओं पर शुद्ध बीमांकिक हानि	(3285.75)	(574.09)	(2711.66)	(1946.77)	(340.14)	(1606.63)

(iii) कर व्यय का मिलान और लेखांकन लाभ भारत की घरेलू कर दर से गुणा (₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
नियामक स्थगन खाता शेष में उतार–चढ़ाव सहित कर से पहले की छूट	86,019.18	59,524.45
17.472% की कंपनी की घरेलू दर का उपयोग कर (31 मार्च 2025–34.944%)	15,029.27	10,400.11
कर का प्रभाव		
गैर–कटौती योग्य कर व्यय	(574.09)	(340.14)
करमुक्त आय	-	-
आस्थगित कर व्यय	12,800.60	(5,347.73)
पिछला वर्ष कर देयता	295.20	-
न्यूनतम वैकल्पिक कर समायोजन		
लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल कर व्यय	**27,550.98**	**4,712.24**

नोट संख्या 49 शेष राशि की पुष्टि

ठेकेदारों को पूंजी अग्रिम के तहत दिखाई गई शेष राशि, देय व्यापार और पारगमन में सामग्री/ठेकेदार के साथ/ऋण पर जारी, व्यापार प्राप्य, प्राप्य खाते पुष्टि/सुलह और परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं।

नोट क्रमांक 50 क्षति हानि

हानि के लिए संपत्ति संयंत्र और उपकरण का परीक्षण किया गया है जहां हानि के संकेतक मौजूद थे। आकलन के आधार पर, कंपनी पिछले वर्ष के दौरान और 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान किसी भी हानि प्रभाव को नहीं पहचानती है।

नोट क्रमांक 51 पिछले वर्ष के आंकड़े

उन मामलों को छोड़कर जहां कोई भौतिक वित्तीय प्रभाव नहीं है, पिछली अवधि के आंकड़ों को फिर से समूंहीकृत/पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक : **16.05.2025**
स्थान: **नई दिल्ली**

ए. पी. रोंग
कंपनी सचिव
एफसीएस 8546

बी. महाराणा निदेशक
(वित्त)–सह–सीएफओ
डीआईएंन: 09263864

गुरदीप सिंह
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीआईएंन: 00307037

सीए मनीष गोयल
पार्टनर
सदस्यता संख्या–061194

अनुलग्नक–6बी

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के सदस्य

समेकित भारतीय लेखा मानक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

मत

हमने **नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड** (वेंचरर कंपनी) और इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई (सामूहिक रूप से 'कंपनी' के रूप में संदर्भित) के समेकित वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2025 तक समेकित बैलेंस शीट, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तनों का समेकित विवरण और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का समेकित विवरण और सामग्री लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी (इसके बाद 'समेकित वित्तीय विवरण' के रूप में संदर्भित) के सारांश सहित समेकित वित्तीय विवरणों के नोट्स शामिल हैं।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, ''अन्य मामले'' पैराग्राफ में नीचे निर्दिष्ट संयुक्त उद्यम इकाई के गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर विचार करते हुए, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') द्वारा आवश्यक तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और अधिनियम की धारा 133 (''इंड एएस'') के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों और भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए अन्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप, 31 मार्च, 2025 को कंपनी की समेकित स्थिति (वित्तीय स्थिति) और उसके समेकित लाभ (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन) इक्विटी में इसके समेकित परिवर्तन और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए इसके समेकित नकदी प्रवाह के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

टिप्पणी के आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों के ऑडिट के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, साथ ही उन नैतिक आवश्यकताओं के साथ जो अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

मामले पर जोर

हम समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं:

1. नोट संख्या 10 (v) सामग्री लेखा नीति सं. 1 (ख) (4) टीएसईसीएल (त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड) से 10368.44 लाख रुपये (तीन (3) वर्षों से अधिक के लिए देय) की विवादित व्यापार प्राप्य राशि के संबंध में कंपनी को उम्मीद है कि यह रिपोर्टिंग तिथि से 12 महीने के भीतर प्राप्त हो जाएगी और तदनुसार इसे वर्तमान परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इस आधार पर किसी भी अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) के लिए भी प्रावधान नहीं किया है कि इसकी व्यावसायिक गतिविधियाँ सीईआरसी विनियमों, बिजली खरीद समझौतों, त्रिपक्षीय समझौतों और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा जारी विभिन्न दिशानिर्देशों/अधिसूचनाओं द्वारा नियंत्रित होती हैं और उपरोक्त ग्राहक भी राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित इकाई है। कंपनी द्वारा लिए गए दृष्टिकोण का समर्थन बाहरी विशेषज्ञ की सलाह से किया जाता है, जिसका विचार है कि गुण–दोष के आधार पर इसका एक मजबूत मामला है।
2. नोट 22 और 23 सामग्री लेखा नीति संख्या के साथ पढ़े गए समेकित वित्तीय विवरणों के लिए। 1 (ग) (1.1) उपयोग में लाई गई परिसंपत्तियों के लिए अनंतिम आधार के तहत मान्यता प्राप्त राशि के संबंध में, लेकिन ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन, अनंतिम आधार पर देय राशि दर्ज की जाती है।
3. नोट संख्या 5 (iii) संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई "केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड" के गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों को समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल करने के संबंध में जो केवल संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई द्वारा वेंचरर कंपनी को प्रदान किए गए गैर–लेखापरीक्षित और अप्रूव्ड वित्तीय विवरणों पर आधारित है।

इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं जो हमारे पेशेवर दृष्टिकोण से वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा परीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

क्रमांक	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
1)	**ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की मान्यता और मापन** कंपनी केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित टैरिफ के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व दर्ज करती है और जहां अंतिम टैरिफ को सीईआरसी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है, अस्थायी राजस्व को टैरिफ याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत एएफसी में वृद्धि और कमी के लिए वार्षिक निश्चित लागत (एएफसी) के 90% और 110% के आधार पर मान्यता प्राप्त है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 24–29 की नियंत्रण अवधि के लिए दायर टैरिफ याचिका और अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (600 मेगावाट) के लिए पहले लंबित आदेश के लिए 25,131.94 लाख रुपये और 19–24 की नियंत्रण अवधि के लिए सभी परियोजनाओं के लिए 34,428.92 लाख रुपये की अनंतिम राजस्व राशि को मान्यता दी गई है। जहां न तो स्वीकृत टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी के पास याचिका लंबित है, ऊर्जा की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों द्वारा सहमत टैरिफ के आधार पर किया जाता है। (संदर्भ नोट संख्या 27 सामग्री लेखा नीति सं. 27 के सारांश के साथ पठित समेकित वित्तीय विवरणों के लिए। सी 10.1)	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया :** हमने क्षमता शुल्क और ऊर्जा शुल्क सहित ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और माप के संबंध में सीईआरसी टैरिफ विनियमों, आदेशों, परिपत्रों, दिशानिर्देशों और कंपनी के आंतरिक परिपत्रों और प्रक्रियाओं की समझ प्राप्त की है और निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया है: 1. ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और माप से संबंधित कंपनी के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और परीक्षण किया। 2. कंपनी द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों के अनुसार गणना की गई अनंतिम टैरिफ के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व के लेखांकन के साथ–साथ ऊर्जा की बिक्री से अनंतिम राजस्व के लेखांकन को सत्यापित किया।
2)	उत्पादन केंद्रों के नियंत्रण से परे ऊर्जा उत्पादन में कमी के कारण ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और मापन। 15 मार्च 2024 को ज्ञापन संख्या स–1/268/2022/सीईआरसी द्वारा टैरिफ अवधि 2024–29 के लिए सीईआरसी टैरिफ विनियमों में परिवर्तन और अधिसूचना के अनुसार, कंपनी उत्पादन केंद्रों (हाइड्रो) के नियंत्रण से परे कारणों से बिजली उत्पादन में कमी के कारण ऊर्जा की बिक्री से 4821.63 लाख रुपये का राजस्व दर्ज करती है, जिसमें कामेंग हाइड्रो पावर स्टेशन (600 मेगावाट) – 76.78 लाख रुपये, रंगानदी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (405 मेगावाट) – 1,530.14 लाख रुपये, तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (60 वाट) – 101.70 लाख रुपये, कोपिली हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (200 मेगावाट) – 3,113.00 लाख रुपये शामिल हैं। हम इसे एक महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा मामला मानते हैं क्योंकि राजस्व में 2024–25 की अवधि के लिए कमी शामिल है, जिसे अप्रैल 2025 के महीने में लाभार्थियों को सीधे बिल किया गया था	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया:** हमने क्षमता शुल्क और ऊर्जा शुल्क सहित ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और मापन के संबंध में सीईआरसी टैरिफ विनियमों, आदेशों, परिपत्रों, दिशानिर्देशों और कंपनी के आंतरिक परिपत्रों और प्रक्रियाओं की समझ हासिल की है और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया ह: 1.ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की पहचान और मापन से संबंधित कंपनी के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन और परीक्षण किया है। 2.हमने एक अन्य विशेषज्ञ के काम पर भरोसा किया है, जिन्होंने गणनाओं के साथ–साथ नियंत्रणीय और अनियंत्रित के बीच ऊर्जा की कमी को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग की जाने वाली संबंधित मान्यताओं/विचारों का आकलन किया है। हमने गणनाओं का परीक्षण किया है और उक्त राजस्व पर पहुंचने के लिए अंतर्निहित गणनाओं और कार्यप्रणाली को समझा है।

क्रमांक	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
	सीईआरसी के समक्ष दायर याचिका के अनुसार, एएफसी में परिवर्तन के कारण लेखा पुस्तकों में दर्ज अनंतिम राजस्व। इसके अलावा, यह कंपनी द्वारा दायर की जाने वाली आगामी याचिकाओं में सही किए जाने के अधीन होगा। (नोट संख्या 27 को सामग्री लेखा नीति सारांश संख्या सी 10.1 के साथ पढ़)	3.हमने बिजली उत्पादकों के चालान में पारदर्शिता लाने के लिए बिजली खरीद में भुगतान अनुसमर्थन और विश्लेषण (प्राप्ति पोर्टल) से प्राप्त राशि का भी मिलान किया है और पाया है कि बिलिंग अप्रैल 2025 के महीने में की गई है।
3)	**संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) के वहन मूल्य का मूल्यह्रास मूल्यांकन** कंपनी के पास विद्युत उत्पादन से संबंधित एक भौतिक परिचालन परिसंपत्ति आधार (पीपीई) है और यह सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार टैरिफ निर्धारित करने वाले घटकों में से एक है, जो मूल्यह्रास के प्रति संवेदनशील हो सकता है। हमने इसे एक प्रमुख लेखापरीक्षा मामले के रूप में माना क्योंकि पीपीई के वहन मूल्य के लिए विद्युत संयंत्रों (नकदी उत्पादक इकाइयों) से जुड़े भविष्य के अपेक्षित नकदी प्रवाह के आधार पर मूल्यह्रास मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। (देखें नोट संख्या 50, भौतिक लेखा नीति संख्या सी 15 के साथ पढ़ें)।	**हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया:** हमने निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रिया को अपनाया है: 1.इंड एएस 36 संपत्ति की हानि के अनुसार हानि के संबंध में कंपनी की लेखा नीतियों को प्राप्त करें और पढ़। 2. साक्ष्य के निरीक्षण के माध्यम से लेखांकन, मूल्यांकन और परिसंपत्तियों की वसूली से संबंधित प्रमुख वित्तीय नियंत्रणों पर नियंत्रण का परीक्षण किया। 3. ठोस लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया जिसमें शामिल हैं: i) प्रबंधन की हानि मूल्यांकन प्राप्त किया। ii) अनुमानित उत्पादन, ईंधन की कीमतों, विनिमय दर, ऊर्जा की कीमतों और बिजली खरीद समझौते सहित प्रमुख अनुमानों का मूल्यांकन किया, जहां उपलब्ध हो। 4. रिलायंस को पूरा होने की समयसीमा, उत्पादन की मात्रा और अपेक्षित शुल्क के आधार पर परिणामी राजस्व के लिए प्रबंधन अनुमानों पर रखा गया है।
4)	**आकस्मिक देयता** विभिन्न मंचों के समक्ष कंपनी के खिलाफ कई मुकदमे/दावे लंबित हैं। कंपनी के खिलाफ किए गए दावे महत्वपूर्ण हैं और इसमें शामिल राशि का अनुमान लगाने और उनके उचित प्रकटीकरण के लिए प्रबंधन के निर्णय की आवश्यकता होती है। उसी के प्रकटीकरण में मामलों की व्याख्या करने में प्रबंधन के निर्णय की एक महत्वपूर्ण डिग्री और दायित्व की घटना की संभावना का मूल्यांकन शामिल है जो प्रबंधन पूर्वाग्रह के अधीन हो सकता है। (नोट संख्या सामग्री लेखा नीति सं. 36 के साथ पठित समेकित वित्तीय विवरण। सी 8)	हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया: 1. हमने विभिन्न न्यायालयों/मध्यस्थता/अर्ध–न्यायिक मंचों आदि के समक्ष लंबित मामलों/विवादों/दावों का विवरण प्राप्त कर लिया है। 31.03.2025 को प्रबंधन से नवीनतम स्थिति और उसी के लिए प्रबंधन के मूल्यांकन के साथ। 2. हमने इस संबंध में कंपनी की लेखा नीति और उसी के लिए समेकित वित्तीय विवरणों के नोटों में उनका प्रकटीकरण भी प्राप्त किया है। 3. हमने लंबित मुकदमेबाजी/मामलों के लिए सभी प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा स्थापित नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता को समझा और परीक्षण किया। 4. हमने प्रबंधन के साथ उनके मूल्यांकन के आधार और किसी भी भौतिक विकास और दावों/विवादों के संभावित परिणामों के बारे में चर्चा की।

क्रमांक	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
5)	**एमएटीऋण पात्रता और संबंधित विनियामक आस्थगित देयता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्ति** कंपनी ने एमएटीऋण पात्रता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी है। एमएटीक्रेडिट के उपयोग के परिणामस्वरूप भविष्य के वर्षों में आयकर का बहिर्वाह कम होगा और तदनुसार उक्त एमएटी क्रेडिट पात्रता के अनुरूप नियामक आस्थगित देयता को भी मान्यता दी गई है, जो सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों को देय है। एमएटी ऋण पात्रता से संबंधित इस आस्थगित कर परिसंपत्ति की वसूली आयकर अधिनियम, 1961 के तहत निर्धारित अवधि के भीतर इस तरह की पात्रता का उपयोग करने के लिए भविष्य में पर्याप्त कर योग्य लाभ के सृजन पर निर्भर है। हमने समेकित वित्तीय विवरणों के इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए इस मामले के महत्व और इसकी भौतिकता के कारण इसे एक प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में पहचानाय और आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार अनुमत समय सीमा के भीतर ऐसे कर क्रेडिट की वसूली पर विचार करते हुए एमएटी क्रेडिट पात्रता की मान्यता के लिए भविष्य के कर योग्य लाभों के पूर्वानुमान में निर्णय की आवश्यकता। (नोट संख्या 7, 16, 37 और 48 समेकित वित्तीय विवरणों के लिए, सामग्री लेखा नीति सं0 सी 13)	**हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ** 1.हमने प्रबंधन के निर्णय सहित नियामक आस्थगित खाते में एमएटी क्रेडिट पात्रता और उसी के संबंधित देयता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता के लिए एक समझ प्राप्त की है। 2. हमने आगे एक अन्य विशेषज्ञ के काम पर भरोसा किया है जिसने भविष्य के कर योग्य लाभों के संबंधित पूर्वानुमानों का मूल्यांकन किया है और बाद की अवधि में लाभार्थियों को देय उक्त एमएटी क्रेडिट के अनुरूप नियामक स्थगन खाता शेष के साथ इन पूर्वानुमानों को तैयार करने में अंतर्निहित विचारों/मान्यताओं की तर्कसंगतता का मूल्यांकन किया है। हालाँकि, हमने अंतर्निहित अनुमानओं के साथ गणनाओं की व्यापक रूप से समीक्षा की है। 3 निष्पादित उपरोक्त प्रक्रियाओं के आधार पर, एमएटीऋण पात्रता से संबंधित आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता और माप और लाभार्थियों के प्रति संबंधित विनियामक आस्थगित देयता को पर्याप्त और उचित माना जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणों और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

वेंचरर कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट, निदेशक की रिपोर्ट सहित निदेशक की जिम्मेदारी विवरण, कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट में शामिल अन्य जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण, समेकित वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है। ऊपर बताई गई अन्य जानकारी इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की दिनांक के बाद हमें उपलब्ध कराई जाने की उम्मीद है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को शामिल नहीं करती है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ने और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करने की है कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है, या हमारे लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा भौतिक रूप से गलत दिखाया गया प्रतीत होता है।

जब हम ऊपर बताई गई अन्य जानकारी को पढ़ते हैं और यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें कोई भौतिक गलत कथन है, तो हमें इस मामले को शासन के साथ आरोपित लोगों को सूचित करने और लागू कानूनों और विनियमों के अनुसार आवश्यक कार्यों का वर्णन करने की आवश्यकता होती है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन और शासन के साथ प्रभारित लोगों की जिम्मेदारियां

वेंचरर कंपनी का निदेशक मंडल इन समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में अधिनियम की धारा 134 (5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार है जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन, अन्य व्यापक आय सहित, इक्विटी में समेकित परिवर्तन और अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) सहित भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी

के समेकित नकदी प्रवाह, विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत और उसके अनुसार जारी प्रासंगिक नियमों और प्रासंगिक केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) विनियमों और अन्य मान्यता प्राप्त लेखा प्रथाओं और नीतियों के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देता है।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल हैय उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोगय उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगानाय और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और सामग्री गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, जिसका उपयोग कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन और निदेशक मंडल एक चालू कंपनी के रूप में जारी रखने की कंपनी की क्षमता का आकलन करने, चालू कंपनी से संबंधित मामलों का खुलासा करने और लेखा के चालू कंपनी आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि निदेशक मंडल या तो कंपनी को समाप्त करने या संचालन को बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है।

वेंचरर कंपनी का निदेशक मंडल वेंचरर कंपनी और इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई की कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार है।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरण भौतिक गलत कथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल हो। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार किया गया ऑडिट हमेशा एक भौतिक गलत कथन का पता लगाएगा जब वह मौजूद होगा। गलत कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें भौतिक माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उनसे इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

एसए के अनुसार ऑडिट के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट के दौरान पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम भी:

- समेकित वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत कथन के जोखिमों की पहचान और मूल्यांकन, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप एक भौतिक गलत कथन का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप एक की तुलना में अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभुगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत प्रतिनिधित्व या आंतरिक नियंत्रण की ओवरराइड शामिल हो सकती है।

- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को तैयार करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करें। अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस बारे में अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास समेकित वित्तीय विवरणों और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं।

- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरणों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।

- लेखा के चालू चिंता के आधार पर प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालें और, प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या शर्तों से संबंधित एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो एक चालू चिंता के रूप में जारी रखने की कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों की ओर अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की ओर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करने की आवश्यकता है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की दिनांक तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या शर्तों के कारण कंपनी एक चालू चिंता के रूप में जारी नहीं रह सकती है।

- समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, जिसमें प्रकटीकरण शामिल हैं, और क्या समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से दर्शाते हैं जिससे उचित प्रस्तुति प्राप्त हो।

- समेकित वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए वेंचरर कंपनी और उसके संयुक्त उद्यम की व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के संबंध में पर्याप्त उपयुक्त ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें। हम समेकित वित्तीय विवरणों के ऑडिट के निर्देश, पर्यवेक्षण और प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार हैं, केवल ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए जो समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल हैं, जिनमें हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं। समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल व्यावसायिक गतिविधियों के लिए, जिनकी लेखा परीक्षा नहीं की गई है, उनके निदेशक इसके निर्देशन, पर्यवेक्षण और प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार रहते हैं। हम अपनी लेखापरीक्षा राय के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।.

भौतिकता समेकित वित्तीय विवरणों में गलत विवरणों का परिमाण है जो व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से यह संभव बनाता है कि समेकित वित्तीय विवरणों के उचित रूप से जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं

(i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाना और हमारे कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करनाय और

(ii) समेकित वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों में कोई महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम शासन के प्रभारी लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं कि हमने स्टैंडअलोनता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है, और उनके साथ उन सभी संबंधों और अन्य मामलों को संप्रेषित करने के लिए जो हमारी स्टैंडअलोनता पर उचित रूप से विचार किए जा सकते हैं, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय।

शासन के प्रभारी लोगों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन तब तक करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को प्रतिबंधित नहीं करता है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में सूचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम उचित रूप से इस तरह के संचार के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक होने की उम्मीद की जाएगी।

अन्य विषय

हमने संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई "केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड" के वित्तीय विवरणों का ऑडिट नहीं किया। संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई का गैर–लेखापरीक्षित और अप्रूव्ड वित्तीय विवरण वेंचरर कंपनी के प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किया गया है। हमारी राय में और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार यह वित्तीय विवरण कंपनी के लिए सामग्री नहीं है।

उपर्युक्त संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2025 को 12,726.83 लाख रुपये की कुल संपत्ति, 22.72 लाख रुपये का कुल राजस्व और समेकित वित्तीय विवरणों में विचार की गई दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए रु. 1.11 लाख की शुद्ध नकदी प्रवाह को दर्शाया गया है। समेकित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2025 को समेकित बैलेंस शीट में 444.91 लाख रुपये के निवेश को दर्शाते हैं, और 31 मार्च, 2025 को ऐसे संयुक्त उद्यम के गैर–लेखापरीक्षित और अप्रूव्ड वित्तीय विवरणों के आधार पर समेकित लाभ और हानि पर संयुक्त उद्यम के नुकसान का हिस्सा ₹ 0.09 लाख है। समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरण से संबंधित है, और अधिनियम की धारा 143 (3) और 143 (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक यह उपरोक्त संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई से संबंधित है, पूरी तरह से ऐसे गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय और नीचे दी गई अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं की गई है।

अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ('आदेश') के पैराग्राफ 3(xxi) द्वारा आवश्यक है, हम रिपोर्ट करते हैं कि वेंचरर कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल संयुक्त उद्यम कंपनी के वित्तीय विवरण ऑडिट नहीं किए गए हैं, इसलिए उसी की ७ात् रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। इसे देखते हुए, हम संयुक्त उद्यम कंपनी की सीएआरओ रिपोर्ट में किसी भी योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।
2. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (3) द्वारा आवश्यक है, हमारे ऑडिट के आधार पर और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के गैर–ऑडिट किए गए वित्तीय विवरणों पर विचार करने पर, जैसा कि ऊपर 'अन्य मामलों' पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है,

क. हमने वे सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरणों के लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख. हमारी राय में, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी से संबंधित कानून द्वारा आवश्यक उचित लेखा–पुस्तकों को वेंचर कंपनी द्वारा रखा गया है, जैसा कि उन पुस्तकों की हमारी जाँच से प्रतीत होता है।

ग. इस रिपोर्ट में वर्णित समेकित बैलेंस शीट, समेकित लाभ और हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), समेकित इक्विटी में परिवर्तन विवरण और समेकित नकदी प्रवाह विवरण लेखा–पुस्तकों के अनुरूप हैं।

घ. हमारी राय में, उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट इंड एएस का अनुपालन करते हैं।

ड़. एक सरकारी कंपनी होने के नाते, अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ई) दिनांक के अनुसार... भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा 5 जून 2015 को जारी अधिसूचना के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 की उपधारा (2) के प्रावधान वेंचरर कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

च. भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जून 2015 को जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, प्रबंधकीय पारिश्रमिक के संबंध में अधिनियम की धारा 197 सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होती है। तदनुसार, अधिनियम की धारा 197(16) के प्रावधानों की आवश्यकताओं के अनुसार रिपोर्टिंग वेंचरर कंपनी पर लागू नहीं होती है।

छ. कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, कृपया **'अनुलग्नक ए'** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

ज. कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014, संशोधित के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में,

1. वेंचरर कंपनी ने अपने समेकित वित्तीय विवरणों में लंबित मुकदमों के अपनी वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का खुलासा किया है। समेकित वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 36 का संदर्भ लें।

2. वेंचरर कंपनी ने लागू कानून या भारतीय लेखा मानकों के अनुसार, दीर्घकालिक अनुबंधों पर संभावित नुकसान (यदि कोई हो) के लिए प्रावधान किया है।

3. वेंचर कंपनी के पास अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निवेशक, शिक्षा और संरक्षण कोष में कोई राशि हस्तांतरित करने का कोई मामला नहीं है।

   क) वेंचर कंपनी के प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, उसकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, कोई भी धनराशि (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर महत्वपूर्ण हो) वेंचरर कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्थाएँ भी शामिल हैं ("मध्यस्थ"), को अग्रिम, ऋण या निवेश नहीं की गई है (चाहे उधार ली गई धनराशि से, शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की धनराशि से), इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वेंचरर कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ("अंतिम लाभार्थी") को ऋण देगा या निवेश करेगा या अंतिम लाभार्थियों को या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई चीज प्रदान करेगा।

   ख) वेंचरर कंपनी के प्रबंधन ने यह दर्शाया है कि, उसकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, वेंचरर कंपनी को किसी भी व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्था भी शामिल है ("फंडिंग पार्टीज"), से कोई भी धनराशि (जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर महत्वपूर्ण हो) प्राप्त नहीं हुई है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज हो या अन्यथा, कि वेंचरर कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं ("अंतिम लाभार्थी") को फंडिंग पार्टी द्वारा या उनकी ओर से ऋण देगी या निवेश करेगी, या अंतिम लाभार्थियों से या उनकी ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई चीज प्रदान करेगी।

   ग) परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त मानी गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, ऐसा कुछ भी हमारे संज्ञान में नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि नियम 11(ड़) के उप–खंड (i) और (ii) के अंतर्गत दिए गए निवेदन, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) में दिया गया है, में कोई महत्वपूर्ण गलत बयान शामिल है।

4. पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश, जिसे वेंचरर कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और भुगतान किया गया है, अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है, जैसा कि लागू है।

5. वेंचरर कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तिथि तक घोषित और भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुरूप है।

6. हमारी जांच के आधार पर, जिसमें परीक्षण जांच भी शामिल थी, वेंचरर कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने खातों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) रिकॉर्ड करने की सुविधा है।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट सीएफएस 280 और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष संचालित रहा है। इसके अलावा, हमारी ऑडिट के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला। साथ ही, कंपनी द्वारा ऑडिट ट्रेल को रिकॉर्ड रखने की वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार संरक्षित किया गया है।

संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के वित्तीय विवरण, जो कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं, का लेखापरीक्षा नहीं हुई है, इसलिए हम संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संबंध में कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11(जी) के तहत रिपोर्टिंग आवश्यकता पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फार्म का रजिस्ट्रेशन नंबर 309128ई)

हस्ताक्षर
सीए मनीष गोयल
(सदस्यता सं. 061194)
यूडीआईएन 25061194बीएमएलसीडीसी8189

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 16 मई, 2025

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के लिए संलग्नक 'ए'

(31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' अनुभाग के तहत पैराग्राफ में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के साथ, हमने नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ('वेंचरर कंपनी') और इसकी संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

संबंधित कंपनी का प्रबंधन वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (''आईसीएआई'') द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हैं। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जिसमें संबंधित कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाना, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और अधिनियम के तहत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने आईसीएआई द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर गाइडेंस नोट (''गाइडेंस नोट'') और अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित ऑडिट पर मानकों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर लागू सीमा तक अपना ऑडिट किया। उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना और निष्पादन करें कि क्या समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे लेखापरीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं शामिल हैं। समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के हमारे ऑडिट में समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि एक भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण समेकित वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

समेकित वित्तीय विवरण के संदर्भ में एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उद्देश्यों के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में एक कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं जो (1) रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो उचित विस्तार से, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैंय (2) उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति देने के लिए आवश्यक रूप से दर्ज किए गए हैं, और यह कि कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैंय और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो समेकित वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव डाल सकते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रणों की मिलीभुगत या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण भौतिक गड़बड़ी हो सकती है और इसका पता नहीं लगाया जा सकता है। इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है, या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री बिगड़ सकती है।

राय

हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने सभी भौतिक मामलों में, समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण बनाए रखा है और समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2025 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कंपनी द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रणों के घटकों पर विचार करते हुए स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रणों के घटकों पर आधारित थे।

दूसरी बात

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत हमारी उपरोक्त रिपोर्ट जहां तक यह संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई से संबंधित है, जो भारत में निगमित एक कंपनी है, भारत में निगमित ऐसी कंपनी के संबंधित गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हमारी राय, जैसा कि प्रबंधन द्वारा समझाया गया है, प्रभावित नहीं है क्योंकि संयुक्त उद्यम कंपनी के गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण वेंचरर कंपनी के लिए सामग्री नहीं हैं।

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फार्म का रजिस्ट्रेशन नंबर 309128ई)

हस्ताक्षर
सीए मनीष गोयल
(सदस्यता सं. 061194)
यूडीआईएन 25061194बीएमएलसीडीसी8189

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 16 मई, 2025



पावर हाउस कॉलोनी और 132 केवी स्विचयार्ड, पीएलएचपीएस, एचओजे, अरुणाचल प्रदेश का विहंगम दृश्य



बांध स्थल, पीएलएचपीएस, एचओजे, अरुणाचल प्रदेश का दृश्य

31 मार्च, 2025 तक समेकित बैलेंस शीट

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	परिसंपत्तियाँ			
1	**गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ**			
	(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2	12,84,562.32	12,93,125.25
	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर है	3	67,136.54	66,482.49
	(ग) अमूर्त संपत्ति	4	7,721.77	8,033.31
	(घ) विकास के अंतर्गत अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4A	96.00	124.32
	(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
	(i) सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश	5	444.91	445.00
	(ii) ऋण	6	31.35	40.02
	(च) आस्थगित कर परिसंपत्ति (निवल)	7		
	(स) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ	8	62,569.72	43,529.96
	उप कुल–गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ		**14,22,562.62**	**14,11,780.35**
2	**वर्तमान परिसंपत्तियाँ**			
	(क) भंडार	9	14,508.30	12,457.35
	(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
	(i) व्यापार प्राप्य	10	57,280.59	83,664.74
	(ii) नकद और नकद समकक्ष	11	126.11	240.10
	(iii) उपरोक्त (ii) के अलावा अन्य बैंक शेष?	12	602.98	276.46
	(iv) अन्य	13	98,366.95	32,756.40
	(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	14	-	2,165.84
	(घ) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	15	2,663.17	2,509.48
	(ङ) बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति	15	-	-
	उप–कुल–वर्तमान परिसंपत्तियाँ		**1,73,548.10**	**1,34,070.36**
3	**विनियामक आस्थगित खाते डेबिट शेष**	16.01	1,35,277.65	1,14,729.55
	कुल संपत्ति (1+2+3)		**17,31,388.37**	**16,60,580.27**
	समानताएँ और दायित्व			
4	**इक्विटी**			
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	17	3,60,981.04	3,60,981.04
	(ख) अन्य इक्विटी	18	3,56,916.10	3,26,159.31
	उप–कुल–इक्विटी		**7,17,897.14**	**6,87,140.35**
	देयताएं			
5	**गैर–वर्तमान देयताएँ**			
	क) वित्तीय देयताएँ			
	(i) उधार	19	6,34,261.48	5,90,470.25
	(ii) पट्टा देयताएँ	19A	775.87	1,015.07

क्र. सं.	विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	(iii) व्यापार देय			
	(क) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया		-	-
	(ख) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया		-	-
	ख) दीर्घकालिक प्रावधान	20	397.04	303.28
	ग) आस्थगित कर देयताएं (शुद्ध)	7	1,06,334.82	93,534.25
	(क) अन्य गैर–वर्तमान देयताएँ	26	17,930.30	19,627.01
	उप कुल गैर–वर्तमान देयताएँ		**7,59,699.51**	**7,04,949.86**
6	**वर्तमान देयताएँ**			
	(क) वित्तीय देयताएँ			
	(i) उधार	21	1,20,144.95	1,51,170.54
	(ii) पट्टा देयताएँ	21A	971.68	1,000.48
	(iii) व्यापार देय			
	(क) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	22	960.27	1,242.61
	(ख) सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया		12,977.00	16,533.13
	(iv) अन्य वित्तीय देयताएँ	23	51,243.58	42,691.00
	(इ) अन्य वर्तमान देयताएँ	24	7,275.15	6,228.16
	ग) प्रावधान	25	22,344.85	19,930.75
	(क) वर्तमान कर देयताएँ (शुद्ध)	14	1,557.63	-
	ङ) आस्थगित राजस्व	26A	11,264.62	11,564.74
	6. कुल वर्तमान देयताएँ		2,28,739.73	**2,50,361.41**
7	**विनियामक आस्थगित खाते ऋण शेष**	16.02	25,051.99	18,128.66
	कुल इक्विटी और देयताएँ (4+5+6+7)		**17,31,388.37**	**16,60,580.27**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश–नोट संख्या.1

1 से 51 तक के नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक :**14–05–2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीष गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
	एफसीएस 8546	डीआईएंन: 09263864	डीआईएंन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

भाग–II 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	नोट्स	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
1	**आमदनी**			
	(क) संचालन से राजस्व	27	4,29,778.95	4,23,956.74
	(ख) अन्य आय	28	4,408.26	2,466.09
	कुल आय (क़ ख)		**4,34,187.21**	**4,26,422.83**
2	**खर्च**			
	(क) ईंधन की लागत	29	1,15,709.36	1,25,642.24
	(ख) कर्मचारी लाभ व्यय	30	48,628.07	43,285.78
	(ग) वित्तीय व्यय	31	53,213.15	52,838.05
	(घ) मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	32	83,059.16	85,480.64
	(ङ) अन्य व्यय	33	61,183.06	56,957.35
	कुल व्यय (क+ख+ग+घ+ङ)		**3,61,792.80**	**3,64,204.06**
3	**असाधारण मदों से पहले लाभ/(हानि), कर और विनियामक स्थगन लेखा शेष (1–2)**		**72,394.41**	**62,218.77**
4	असाधारण वस्तुएं–(आय)/व्यय			
	संयुक्त उद्यम से लाभ का हिस्सा	**17ए**	**(0.09)**	1.87
5	**कर और विनियामक स्थगन खाता शेष राशि से पहले लाभ/(हानि) (3–4)**		**72,394.32**	**62,220.64**
6	कर खर्च:			
	(क) वर्तमान कर			
	चालू वर्ष		11,000.97	10,252.95
	पहले के वर्षों में		295.20	-
	कुल वर्तमान कर		11,296.17	10,252.95
	(ख) आस्थगित कर (घ. टी. क. का निवल)		12,800.57	(5,347.15)
	कुल कर व्यय (क+ख)		**24,096.74**	**4,905.80**

क्र. सं.	विवरण	नोट्स	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
7	**नियामक स्थगन खाता शेष राशि से पहले लाभ/(हानि) (5–6)**		**48,297.58**	**57,314.84**
8	विनियामक स्थगन खाता शेष (कर का शुद्ध) में शुद्ध उतार–चढ़ाव	37	10,170.87	(2,501.34)
9	वर्ष के लिए लाभ/(हानि) (7 + 8)		**58,468.45**	**54,813.50**
10	अन्य व्यापक आय/(व्यय)			
	(क) ऐसी वस्तुएँ जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(i) परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्भुगतान		(3,285.75)	(1,946.77)
	(ii) अन्य–एफ.वी. हानि समायोजन			-
			(3,285.75)	**(1,946.77)**
	(iii) कम: उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा।		(574.09)	(340.14)
	(ख) जिन वस्तुओं को लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा			
	(i) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा।			
	कुल अन्य व्यापक आय (कर का शुद्ध) = (क+ख)		**(2,711.66)**	**(1,606.63)**
11	**वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (9+10)**		**55,756.79**	**53,206.87**
12	"प्रति इक्विटी शेयर आय (बराबर मूल्य ₹ 10 प्रत्येक)"	35		
	बुनियादी और पतला (₹) (नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध संचलन सहित)		1.62	1.52
	बुनियादी और पतला (₹) (नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध संचलन को छोड़कर)		1.34	1.59

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश–नोट संख्या.1

1 से 51 तक के नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक: **14.05.2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीष गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
	एफसीएस 8546	डीआईएन: 09263864	डीआईएन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

वर्ष 31 मार्च, 2025 के लिए इक्विटी में परिवर्तनों का समेकित विवरण

(क) इक्विटी शेयर पूंजी

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	राशि
1 अप्रैल 2024 को शेष राशि	3,60,981.04
पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्संस्थापित शेष राशि	-
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	राशि
1 अप्रैल 2023 को शेष राशि	3,60,981.04
पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्संस्थापित शेष राशि	-
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-

(ख) अन्य इक्विटी

31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			कुल
	बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व	जनरल रिजर्व	बरकरार रखी गई कमाई	
1 अप्रैल 2024 को शेष राशि	65,054.17	1,97,691.68	63,413.46	3,26,159.31
लेखांकन नीतियों में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण अन्य इक्विटी में परिवर्तन	-	-	-	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्संस्थापित शेष राशि	-	-	-	-
इस अवधि के लिए लाभ	-	-	58,468.45	58,468.45
अन्य व्यापक आय	-	-	(2,711.66)	(2,711.66)
कुल व्यापक आय	-		55,756.79	55,756.79
वित्त वर्ष 2023–24 के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान			(5,000.00)	(5,000.00)
अंतिम लाभांश पर कर				-
वित्त वर्ष 2024–25 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			(20,000.00)	(20,000.00)
अंतरिम लाभांश पर कर				-

31 मार्च 24 को समाप्त वर्ष के लिए (₹ लाख में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष			कुल
	बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व	जनरल रिजर्व	बरकरार रखी गई कमाई	
1 अप्रैल 2023 को शेष राशि	65,054.17	1,97,691.68	35,206.59	2,97,952.44
लेखांकन नीतियों में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण अन्य इक्विटी में परिवर्तन	-	-	-	-
वर्तमान रिपोर्टिंग अवधि की शुरुआत में पुनर्संस्थापित शेष राशि	-	-	-	-
इस अवधि के लिए लाभ	-	-	54,813.50	54,813.50
अन्य व्यापक आय	-	-	(1,606.63)	(1,606.63)
कुल व्यापक आय	-	-	53,206.87	53,206.87
वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान		-	-	-
अंतिम लाभांश पर कर				-
वित्त वर्ष 2022–23 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			-	-
वित्त वर्ष 2023–24 के लिए भुगतान किया गया अंतरिम लाभांश			(25,000.00)	(25,000.00)
अंतरिम लाभांश पर कर				
31 मार्च, 2024 को शेष राशि	**65,054.17**	**1,97,691.68**	**63,413.46**	**3,26,159.31**

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार

कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफ.आर. एन 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक: **14.05.2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीष गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
	एफसीएस 8546	डीआईएंन: 09263864	डीआईएंन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

विवरण		31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
क	**परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह**				
	कर से पहले लाभ		72,394.32		62,220.64
	जोड़ें: नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध चालें (कर का शुद्ध)	10,170.87		(2,501.34)	
	जोड़: नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध चालों पर कर	3,453.90		(192.98)	
			13,624.77		**(2,694.32)**
	नियामक स्थगन खाता शेष में उतार–चढ़ाव सहित कर से पहले लाभ		**86,019.09**		**59,526.32**
	एकर लेल समायोजन:				
	मूल्यह्रास, परिशोधन और अवमूल्यन व्यय	83,059.16		85,480.64	
	प्रावधान/बख्शा करें	8,548.22		7,109.36	
	विनियामक आस्थगित खाता शेष	(13,624.77)		2,694.32	
	आस्थगित राजस्व	(1,996.83)		(1,210.52)	
	विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	213.00		93.56	
	वित्तीय खर्च	53,000.15		52,744.49	
	सावधि जमा/बॉन्ड/निवेश से ब्याज/आय	(373.19)		(358.77)	
	प्रावधानों को वापस लिखा गया	(57.14)		(493.32)	
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता रद्द करने पर लाभ	(7.49)		(45.74)	
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता रद्द करने पर नुकसान	64.23		63.96	
	विलंबित भुगतान अधिभार	(720.47)		(848.88)	
			1,28,104.87		**1,45,229.10**
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ		**2,14,123.97**		**2,04,755.42**
	एकर लेल समायोजन:				
	व्यापार प्राप्य	26,319.69		10,909.37	
	भंडार	(2,050.95)		58.70	
	व्यापार देय, प्रावधान, अन्य वित्तीय देयताएँ और अन्य देयताएँ	(5,430.20)		(40,522.39)	
	ऋण, अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ	(64,586.72)		(10,697.35)	
			(45,748.18)		**(40,251.67)**
	संचालन से उत्पन्न नकदी		**1,68,375.79**		**1,64,503.75**
	आय कर (भुगतान)/रिफंड		**(10,027.00)**		**(10,400.00)**
	परिचालन गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–ए		**1,58,348.79**		**1,54,103.75**
ख	**निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह**				
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों की खरीद	(90,145.90)		(1,08,766.59)	
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों का निपटान	16.60		71.14	

विवरण		31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	
	सावधि जमा/बॉन्ड/प्राप्त निवेश पर ब्याज/आय	373.19		358.77	
	लाभांश प्राप्त हुआ	-		-	
	नकद और नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष राशि में परिवर्तन	(326.52)		15.04	
	विलंबित भुगतान अधिभार प्राप्त हुआ	784.93		704.55	
	निवेश गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–बी		**(89,297.70)**		**(1,07,617.09)**
ग	वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह				
	कंपनी के इक्विटी उपकरणों के निर्गम से प्राप्त आय	-		-	
	गैर–वर्तमान ऋणों से प्राप्त आय	1,44,635.00		1,25,000.00	
	गैर–वर्तमान ऋणों की अदायगी	(1,15,347.83)		(1,20,462.09)	
	वर्तमान ऋणों से प्राप्त आय	(17,004.44)		30,056.76	
	वित्त पट्टा दायित्वों का भुगतान	(1,150.01)		(1,056.94)	
	ब्याज का भुगतान	(55,297.80)		(56,245.63)	
	लाभांश का भुगतान	(25,000.00)		(25,000.00)	
	लाभांश पर कर				
	वित्तपोषण गतिविधियों से/(उपयोग में) शुद्ध नकदी–सी		**(69,165.08)**		**(47,707.90)**
	नकद और नकद समकक्ष (ए+बी+सी) में शुद्ध वृद्धि/(कमी)		**(113.99)**		**(1,221.24)**
	वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष (नीचे नोट 1 और 2 देखें)		240.10		1,461.34
	वर्ष के अंत में नकद और नकद समकक्ष (नीचे नोट 1 और 2 देखें) '		126.11		240.10

* कृपया नोट संख्या 11 देखें.

टिप्पणियाँ:

1 नकद और नकद समतुल्य में चेक, ड्राफ्ट, हाथ में टिकट, बैंक के साथ शेष राशि और तीन महीने तक की मूल परिपक्वता के साथ जमा शामिल हैं।

2 नकद और नकद समतुल्य का सामंजस्य:

नोट संख्या 11. के अनुसार नकद और नकद समकक्ष।

3 नकद और नकद समतुल्य में वर्ष के लिए सीएसआर खर्च की गई राशि के मुकाबले शून्य राशि शामिल है।

4 वित्तपोशण गतिविधियों से उत्पन्न देयताऐं के लिए बैलेंस शीट में प्रारंभिक और समापन शेष राशि के बीच सामंजस्य।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ लाख में)

विवरण	गैर–वर्तमान ऋण **	वित्त पट्टा दायित्व	वर्तमान ऋण
1 अप्रैल 2024 को प्रारंभिक शेष राशि	6,89,379.71	2,015.55	52,056.76
इस अवधि के दौरान नकदी प्रवाह	1,44,635.00	(1,150.01)	(17,004.44)
इस अवधि के दौरान मूल पुनर्भुगतान	(1,15,347.83)		
निम्नलिखित के कारण गैर–नकद परिवर्तन			
वित्त पट्टा के तहत अधिग्रहण		1,811.25	
विनिमय दर में अंतर	556.33		
उधार पर लेन–देन लागत	-		
31 मार्च, 2025 को बंद होने वाली शेष राशि	**7,19,223.21**	**2,676.79**	**35,052.32**

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ लाख में)

विवरण	गैर–वर्तमान ऋण **	वित्त पट्टा दायित्व	वर्तमान ऋण
1 अप्रैल 2023 को प्रारंभिक शेष राशि	6,84,525.74	1086.31	22,000.00
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	1,25,000.00	(1,056.94)	30,056.76
इस अवधि के दौरान मूल पुनर्भुगतान	(1,20,462.09)		
निम्नलिखित के कारण गैर–नकद परिवर्तन			
वित्त पट्टा के तहत अधिग्रहण		1986.18	
विनिमय दर में अंतर	316.06		
उधार पर लेन–देन लागत	-		
31 मार्च 2024 को बंद होने वाली शेष राशि	**6,89,379.71**	**2,015.55**	**52,056.76**

** इसमें दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता शामिल है

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते आर. एन.गोयल एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर. एन 309128ई

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

दिनांक: **14.05.2025**	**ए. पी. रोंग**	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीष गोयल**
स्थान: **नई दिल्ली**	कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
	एफसीएस 8546	डीआईएंन: 09263864	डीआईएंन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194

स्वतंत्र वित्तीय विवरण के भाग के रूप में शामिल नोट्स

नोट 1. कंपनी सूचना और सामग्री लेखांकन नीतियाँ

क. रिपोर्टिंग इकाई

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ("नीपको लिमिटेड" / "कंपनी") भारत में अधिवासित एक कंपनी है और शेयरों द्वारा सीमित है (सीएन–यू40101एमएल 1976जीओआई001658) कंपनी एक प्रमुख बिजली उपयोगिता है, जो मुख्य रूप से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में काम कर रही है। नीपको एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई) है और एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसे भारत सरकार द्वारा अनुसूची ए–मिनीरत्न श्रेणी–I सीपीएसई का दर्जा दिया गया है। कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का पता ब्रूकलैंड कम्पाउंड, लोअर न्यू कॉलोनी, लाईटउमखा, शिलांग 793003, मेघालय है। कंपनी मुख्य रूप से राज्य विद्युत उपयोगिताओं को थोक बिजली के उत्पादन और बिक्री में शामिल है।

नीपको लिमिटेड का ऋण (बॉन्ड XI जारी करने से XXIV जारी करने तक) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध है

ख. तैयारी का आधार

1. अनुपालन का वक्तव्य

ये एकल वित्तीय विवरण लेखांकन की संचय प्रणाली का अनुसरण करते हुए चालू चिंता के आधार पर तैयार किए जाते हैं और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) का अनुपालन करते हैं, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के साथ लागू होता है।

2. मापन का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किए गए हैं सिवाय इसके कि:

कुछ वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ (व्युत्पन्न साधनों सहित) जो उचित मूल्य पर मापी जाती हैं और

- उचित मूल्य पर मापी जाने वाली कर्मचारियों द्वारा परिभाशित लाभ योजनाओं के मामले में परिसंपत्तियों की योजना बनाएं।

3. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

ये वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा है। (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय जानकारी को निकटतम लाख (दो दषमलव तक) के लिए गोल किया गया है, सिवाय इसके कि जब अन्यथा संकेत दिया गया हो।

4. वर्तमान और गैर–वर्तमान वर्गीकरण

कंपनी अपनी परिसंपत्तियों और देयताऐं को सामान्य परिचालन चक्र के रूप में 12 महीने की अवधि पर विचार करते हुए बैलेंस शीट में वर्तमान / गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करती है।

ग. सामग्री लेखांकन नीतियाँ

वित्तीय विवरण तैयार करने में लागू सामग्री लेखांकन नीतियों का सारांश नीचे दिया गया है। इन लेखांकन नीतियों को वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत सभी अवधियों के लिए लगातार लागू किया गया है।

कंपनी ने इंड एएस 101 के तहत विकल्प का उपयोग करने के लिए चुना है–'भारतीय लेखा मानकों को पहली बार अपनानाश इंड एएस 16 के प्रावधानों को लागू नहीं करके संपत्ति, संयंत्र और उपकरण' और आई. एन. डी. ए. एस. 38–'अमूर्त संपत्ति' पूर्वव्यापी रूप से और आई. एन. डी. ए. एस. में संक्रमण की तारीख पर आई. एन. डी. ए. एस. के तहत एक मानी गई लागत के रूप में पिछले जिएएपी वहन राशि का उपयोग करना जारी रखता है। 1 अप्रैल 2015. इसलिए, 1 अप्रैल 2015, प.म. पर पिछले जिएएपी के अनुसार संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों की वहन राशि। कंपनी के आईएनडी एएस में संक्रमण की तारीख को आईएनडी एएस में संक्रमण पर बनाए रखा गया था।

घ. समेकन का आधार

एक संयुक्त उद्यम एक संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत व्यवस्था का संयुक्त नियंत्रण रखने वाले पक्षों को संयुक्त व्यवस्था की शुद्ध संपत्ति का अधिकार होता है। संयुक्त नियंत्रण एक व्यवस्था के नियंत्रण का संविदात्मक रूप से सहमत साझाकरण है, जो केवल तभी मौजूद होता है जब संबंधित गतिविधियों के बारे में निर्णयों के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षों की सर्वसम्मत सहमति की आवश्यकता होती है।

संयुक्त उद्यमों के परिणामों और परिसंपत्तियों और देयताऐं को लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग करके इन समेकित वित्तीय विवरणों में

शामिल किया जाता है, सिवाय इसके कि जब निवेश, या उसके एक हिस्से को बिक्री के लिए आयोजित किया जाता है, तो उस मामले में इसका लेखा इंड एएस 105 के अनुसार किया जाता है।

इक्विटी पद्धति के तहत, एक संयुक्त उद्यम में निवेश को शुरू में लागत पर समेकित बैलेंस शीट में मान्यता दी जाती है और उसके बाद संयुक्त उद्यम के लाभ और हानि में समूह के हिस्से को पहचानने के लिए समायोजित किया जाता है। जब किसी संयुक्त उद्यम के नुकसान में समूह का हिस्सा उस संयुक्त उद्यम में समूह के हित से अधिक हो जाता है (जिसमें कोई भी दीर्घकालिक हित शामिल होते हैं, जो संयुक्त उद्यम में समूह के शुद्ध निवेश का हिस्सा होते हैं) तो समूह आगे के नुकसान के अपने हिस्से को पहचानना बंद कर देता है। अतिरिक्त हानियों को केवल इस हद तक पहचाना जाता है कि समूह ने कानूनी या रचनात्मक दायित्वों को पूरा किया है या संयुक्त उद्यम की ओर से भुगतान किया है।

एक संयुक्त उद्यम में निवेश का हिसाब उस दिनांक से इक्विटी विधि का उपयोग करने के लिए किया जाता है जिस दिन निवेशक एक संयुक्त उद्यम बन जाता है। एक संयुक्त उद्यम में निवेश के अधिग्रहण पर, निवेशक की पहचान योग्य परिसंपत्तियों और देयताऐं के शुद्ध उचित मूल्य के समूह के हिस्से पर निवेश की लागत की किसी भी अधिकता को सद्भावना के रूप में मान्यता दी जाती है, जो निवेश की वहन राशि के भीतर शामिल है। निवेश की लागत पर पहचान योग्य परिसंपत्तियों और देयताऐं के शुद्ध उचित मूल्य में समूह के हिस्से की किसी भी अधिकता को, पुनर्मूल्यांकन के बाद, उस अवधि में पूंजी आरक्षित के रूप में सीधे इक्विटी में मान्यता दी जाती है जिसमें निवेश प्राप्त किया जाता है।

यदि किसी संयुक्त उद्यम ('हानि घटना') में शुद्ध निवेश की प्रारंभिक मान्यता के बाद हुई एक या अधिक घटनाओं के परिणामस्वरूप हानि का वस्तुनिष्ठ प्रमाण है और उस हानि घटना (या घटनाओं) का शुद्ध निवेश से अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह पर प्रभाव पड़ता है जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है, तो संयुक्त उद्यम में समूह के निवेश के संबंध में हानि की पहचान करना आवश्यक है।

जब आवश्यक हो, निवेश की पूरी वहन राशि (सद्भावना सहित) का परीक्षण एकल परिसंपत्ति के रूप में परिसंपत्तियों की हानि के लिए उनकी वसूली योग्य राशि (उपयोग में मूल्य की अधिक और उचित मूल्य कम निपटान की लागत) की तुलना करके किया जाता है। उस हानि के नुकसान के किसी भी उलटने की पहचान आईएंनडी एएस 36 के अनुसार इस हद तक की जाती है कि निवेश की वसूली योग्य राशि बाद में बढ़ जाती है।

1. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

1.1. प्रारंभिक पहचान और माप

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु को एक परिसंपत्ति के रूप में तभी मान्यता दी जाती है जब यह संभव हो कि उस वस्तु से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विष्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

क. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की वस्तुओं को शुरू में लागत पर पहचाना जाता है। अनुवर्ती माप लागत कम संचित मूल्यह्रास/परिशोधन और संचित हानि नुकसान पर किया जाता है।

ख. जब संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु के हिस्से जो मूल्य में महत्वपूर्ण हैं और मुख्य संपत्ति की तुलना में अलग–अलग उपयोगी जीवन हैं, उन्हें अलग से पहचाना जाता है।

ग. मुआवजे, पुनर्वास और कब्जे वाली भूमि से संबंधित अन्य खर्चों के लिए अस्थायी रूप से किए गए जमा, भुगतान/देयताऐं को भूमि की लागत माना जाता है।

घ. उपयोग में लाई गई परिसंपत्तियों के मामले में, जहां ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है, पूंजीकरण अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन अस्थायी आधार पर किया जाता है।

ङ. एक से अधिक उत्पादन इकाई के लिए सामान्य परिसंपत्तियों और प्रणालियों को इंजीनियरिंग अनुमानों/आकलन के आधार पर पूंजीकृत किया जाता है।

च. स्पेयर पार्ट्स, स्टैंड–बाय उपकरण और सर्विसिंग उपकरण जो संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की परिभाषा को पूरा करते हैं, उन्हें पूंजीकृत किया जाता है। अन्य स्पेयर पार्ट्स को इन्वेंट्री के रूप में रखा जाता है और उपभोग पर लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

छ. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की कुछ वस्तुओं का अधिग्रहण या निर्माण, हालांकि संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की किसी विशेष मौजूदा वस्तु के भविष्य के आर्थिक लाभों में प्रत्यक्ष रूप से वृद्धि नहीं करता है, कंपनी के लिए अपनी अन्य संपत्तियों से भविष्य के आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो सकता है। ऐसी वस्तुओं को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में मान्यता दी जाती है।

ज. शुद्ध बिक्री की अधिकता संपत्ति को उस स्थान पर लाते समय उत्पादित वस्तुओं की कार्यवाही और प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से काम करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थिति को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वस्तु के हिस्से के रूप में मानी जाने वाली प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लागत से घटाया जाता है।

1.2. बाद की लागतें

क. बाद के व्यय को परिसंपत्ति की वहन राशि में मान्यता दी जाती है जब यह संभावना होती है कि की गई लागत से प्राप्त भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ख. प्रमुख निरीक्षण और उत्पादन इकाई के ओवरहाल पर व्यय को पूंजीकृत किया जाता है, जब यह परिसंपत्ति मान्यता मानदंडों को पूरा करता है। पिछले निरीक्षण और ओवरहाल की लागत की किसी भी शेष वहन राशि की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वस्तु के प्रमुख हिस्से को बदलने की लागत को वस्तु की वहन राशि में पहचाना जाता है यदि यह संभावना है कि उस हिस्से के भीतर सन्निहित भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और इसकी लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रतिस्थापित हिस्से की वहन राशि की पहचान इस बात की परवाह किए बिना की जाती है कि प्रतिस्थापित हिस्से का अलग से अवमूल्यन किया गया है या नहीं। यदि प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि निर्धारित करना व्यावहारिक नहीं है, तो कंपनी प्रतिस्थापन की लागत का उपयोग इस बात के संकेत के रूप में करती है कि प्रतिस्थापित भाग की लागत उस समय क्या थी जब इसे अधिग्रहित या निर्मित किया गया था। संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की दिन–प्रतिदिन की सर्विसिंग की लागत को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

1.3. लागतों को कम करना

यदि किसी प्रावधान के लिए मान्यता मानदंडों को पूरा किया जाता है तो इसके उपयोग के बाद परिसंपत्ति के विघटन के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

1.4. मान्यता रद्द करना

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मान्यता तब रद्द कर दी जाती है जब उनके उपयोग से या उनके निपटान पर भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होती है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की किसी वस्तु की मान्यता रद्द करने पर लाभ और हानि का निर्धारण निपटान से बिक्री आय, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है और लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है।

1.5. मूल्यह्रास / परिशोधन

क. बिजली व्यवसाय के उत्पादन की परिसंपत्तियों और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग बी के तहत कंपनी के कॉर्पोरेट और अन्य कार्यालयों की परिसंपत्तियों पर अवमूल्यन, निम्नलिखित परिसंपत्तियों के अपवाद के साथ केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए सीधी–रेखा विधि पर लिया जाता है:

ख. प्रमुख ओवरहाल और निरीक्षण लागत जो पूंजीकृत की गई है, अगले निर्धारित आउटेज या वास्तविक प्रमुख निरीक्षण/ओवरहाल, जो भी पहले हो, तक की अवधि में अवमूल्यन किया जाता है।

ग. संयंत्र और मशीनरी के साथ खरीदे गए पुर्जों के पुर्जे या बाद में जिन्हें पूंजीकृत किया जाता है और ऐसी वस्तु की वहन मात्रा में जोड़ा जाता है, सीईआरसी द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली पर संबंधित संयंत्र और मशीनरी के अवशिष्ट उपयोगी जीवन पर अवमूल्यन किया जाता है।

घ. सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा शासित बिजली व्यवसाय के उत्पादन से संबंधित उपयोग का अधिकार भूमि और भवनों का पट्टा अवधि या संबंधित संयंत्र के जीवनकाल में, जो भी कम हो, सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए पूरी तरह से सीधी रेखा पद्धति से परिशोधन किया जाता है।

ङ. बिजली व्यवसाय के उत्पादन से संबंधित भूमि और भवनों के उपयोग का अधिकार जो सीईआरसी टैरिफ द्वारा नियंत्रित नहीं हैं पट्टा अवधि या संबंधित संयंत्र के जीवनकाल, जो भी कम हो, के दौरान नियमों का पूरी तरह से सीधी रेखा विधि पर परिशोधन किया जाता है।

च. उपयोग के अधिकार वाली भूमि और कारपोरेट और अन्य कार्यालयों से संबंधित भवनों का पट्टा अवधि या पच्चीस वर्षों में, जो भी कम हो, सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा अधिसूचित दरों और कार्यप्रणाली का पालन करते हुए सीधी रेखा विधि पर पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

छ. वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों से परिवर्धन/कटौती पर मूल्यह्रास उस महीने से/तक अनुपात के आधार पर लिया जाता है जिसमें संपत्ति उपयोग/बिक्री, निपटान के लिए उपलब्ध है या निपटान के लिए निर्धारित है।

ज. जहां विनिमय में उतार–चढ़ाव और शुल्कों में मूल्य समायोजन परिवर्तन या इसी तरह के कारकों के कारण दीर्घकालिक देयताऐं (31 मार्च, 2016 तक मान्यता प्राप्त) में वृद्धि/कमी के कारण वर्ष के दौरान अवमूल्यन योग्य परिसंपत्तियों की लागत में परिवर्तन हुआ है, तो ऐसी परिसंपत्ति का अनमोर्टाइज्ड बैलेंस अवमूल्यन/परिषोधन से संबंधित लागू लेखा नीतियों के बाद निर्धारित शेष उपयोगी जीवन के दौरान संभावित रूप से चार्ज किया जाता है।

झ. जहां यह संभावना है कि किए गए व्यय से प्राप्त होने वाले भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय

रूप से मापा जा सकता है, वहां संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर बाद के व्यय के साथ–साथ इसकी गैर–परिशोधन योग्य मूल्यह्रास राशि को तकनीकी मूल्यांकन द्वारा निर्धारित संषोधित उपयोगी जीवन पर संभावित रूप से प्रभारित किया जाता है।

ञ किसी परिसंपत्ति का मूल्यह्रास उस दिनांक से पहले समाप्त हो जाता है जब परिसंपत्ति को बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है (या एक निपटान समूह में शामिल किया जाता है जिसे बिक्री के लिए रखे गए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है) इंड एएस 105 और उस दिनांक के अनुसार जब परिसंपत्ति की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

ट. स्थापित परिसंपत्तियां/खरीद की गई, जिनकी व्यक्तिगत लागत रु। 5000/– या उससे कम लेकिन रुपये से अधिक। 750/– (इसके बाद इसे मामूली मूल्य की परिसंपत्तियां कहा जाता है) 12 महीने की अवधि के दौरान अवमूल्यन किया जाता है, जिसमें रु। 1/– मात्र।

ठ. आईटी उपकरण (व्यक्तिगत कंप्यूटर और लैपटाप जिसमें परिधीय उपकरण भी शामिल हैं) तीन वर्ष की अवधि में अवमूल्यन हो जाते हैं।

ड. आधिकारिक कार्य के लिए कर्मचारियों के निवास पर प्रदान किए गए फर्नीचर, फिक्स्चर और अन्य सुविधाओं का 10% के अवशिष्ट मूल्य के साथ पांच वर्षों में अवमूल्यन किया जाता है।

ढ. अस्थायी निर्माण/संरचनाएं 12 महीने की अवधि में पूरी तरह से कम हो जाती हैं।

2. पूंजी कार्य प्रगति पर

क. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए की गई लागत जो रिपोर्टिंग तिथि पर उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को पूंजी कार्य–प्रगति के तहत वर्गीकृत किया जाता है।

ख. स्व–निर्मित परिसंपत्तियों की लागत में सामग्री और प्रत्यक्ष श्रम की लागत, परिसंपत्तियों को उस स्थान पर लाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार कोई अन्य लागत और प्रबंधन द्वारा इच्छित तरीके से संचालन करने में सक्षम होने के लिए आवश्यक स्थिति और योग्यता संपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण के लिए जिम्मेदार उधार लागत शामिल हैं।

ग. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से होने वाले खर्चों की पहचान की जाती है और संबंधित परिसंपत्तियों की लागत के आधार पर व्यवस्थित आधार पर आवंटित किया जाता है।

घ. जमा कार्य/लागत और अनुबंधों का हिसाब ठेकेदारों से प्राप्त लेखा विवरणों के आधार पर किया जाता है।

ङ. अनुबंधों के मामले में मूल्य भिन्नता/विनिमय दर भिन्नता के लिए अनसुलझी देयताऐं को अनुबंधों की शर्तों के अनुसार अनुमानित आधार पर गिना जाता है।

3. विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ और अमूर्त परिसंपत्तियाँ

3.1. प्रारंभिक पहचान और माप

क. कंपनी द्वारा अर्जित अमूर्त परिसंपत्तियां, जिनका जीवनकाल सीमित है, उन्हें लागत पर मान्यता दी जाती है। अनुवर्ती माप लागत कम संचित परिशोधन और संचित हानि नुकसान पर किया जाता है।

ख. बैलेंस शीट की दिनांक पर इसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं होने वाली अमूर्त संपत्तियों को "विकास के तहत अमूर्त संपत्तियों" के रूप में मान्यता दी जाती है।

3.2. बाद की लागतें

बाद के व्यय को परिसंपत्ति की वहन राशि में वृद्धि के रूप में मान्यता दी जाती है जब यह संभावना होती है कि व्ययित लागत से प्राप्त भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम को प्राप्त होंगे और वस्तु की लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

3.3. मान्यता रद्द करना

एक अमूर्त संपत्ति की मान्यता तब रद्द कर दी जाती है जब उनके उपयोग से या उनके निपटान पर भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होती है। किसी अमूर्त संपत्ति की मान्यता रद्द होने पर लाभ या हानि का निर्धारण शुद्ध निपटान आय, यदि कोई हो, और अमूर्त संपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है और लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त होती है।

3.4 परिशोधन

क. अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर की लागत का उपयोग करने के कानूनी अधिकार की अवधि या 3 वर्ष, जो भी कम हो, के लिए सीधी–रेखा विधि पर परिशोधन किया जाता है।

ख. 'उपयोग का भूमि अधिकार' पूरी तरह से वाणिज्यिक संचालन की दिनांक (सीओडी) से परियोजनाओं के उपयोगी जीवन की अवधि में परिशोधन किया जाता है। पट्टाहोल्ड भूमि का परियोजना के पट्टा या उपयोगी जीवन की अवधि में, जो भी कम हो, उसके सीओडी से परिशोधन किया जाता है। प्रशासनिक कार्यालयों के मामले में पट्टा भूमि का पट्टा अवधि के दौरान परिशोधन किया जाता है।

ग. एक सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त परिसंपत्तियों की परिशोधन अवधि और परिशोधन विधि की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और जहां भी आवश्यकता होती है, संभावित रूप से समायोजित किया जाता है।

4. विनियामक आस्थगित खाता शेष

क. सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय/आय को 'नियामक स्थगन खाता शेष राशि' के रूप में मान्यता दी जाती है।

ख. विनियामक स्थगन खाता शेष राशि को उस वर्ष समायोजित किया जाता है जिसमें वह लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय हो जाती है।

ग. नियामक स्थगन खाता शेष का मूल्यांकन प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतर्निहित गतिविधियाँ मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं और यह संभव है कि इस तरह की शेष राशि से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ इकाई को प्राप्त होंगे। यदि इन मानदंडों को पूरा नहीं किया जाता है, तो नियामक स्थगन खाता शेष की मान्यता रद्द कर दी जाती है।

5. उधार लेने की लागत

क. उधार लेने की लागत में शामिल हैं (क) प्रभावी ब्याज विधि का उपयोग करके गणना की गई ब्याज व्यय जैसा कि इंड एएस 109 में वर्णित है–'वित्तीय साधन' (ख) इंड एएस 116–'पट्टों' के अनुसार मान्यता प्राप्त पट्टा देयताऐं पर ब्याज व्यय और (ग) विदेशी मुद्रा उधारों से उत्पन्न विनिमय अंतर इस हद तक कि उन्हें ब्याज लागतों के समायोजन के रूप में माना जाता है।

ख. उधार लेने वाली लागतें जो सीधे तौर पर अधिग्रहण, निर्माण/विकास या योग्य परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें ऐसी परिसंपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में तब तक पूंजीकृत किया जाता है जब तक कि ऐसी परिसंपत्तियां अपने इच्छित उपयोग के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हो जाती हैं। योग्य परिसंपत्तियाँ ऐसी परिसंपत्तियाँ हैं जो अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लेती हैं।

ग. जब कंपनी विशेष रूप से एक योग्य परिसंपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से धन उधार लेती है, तो उधार लेने की लागत को पूंजीकृत किया जाता है। जब कंपनी आम तौर पर धन उधार लेती है और उन्हें एक योग्य संपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से उपयोग करती है, तो उधार लागत के पूंजीकरण की गणना उन सभी उधारों की भारित औसत लागत के आधार पर की जाती है जो अवधि के दौरान बकाया हैं और अधिग्रहण, निर्माण या निर्माण के लिए उपयोग की जाती हैं। हालांकि, विशेष रूप से एक योग्य संपत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से किए गए उधार पर लागू उधार लागत को इस गणना से तब तक बाहर रखा गया है, जब तक कि उस संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक सभी गतिविधियाँ पूरी नहीं हो जाती हैं।

घ. अर्हता प्राप्त परिसंपत्तियों पर व्यय के लिए लंबित उपयोग से किए गए उधार से किए गए अस्थायी निवेश पर अर्जित आय को पूंजीकरण के लिए पात्र उधार लागत से घटाया जाता है।

ङ. उधार लागत का पूंजीकरण तब बंद हो जाता है जब योग्य परिसंपत्तियों को उनके इच्छित उपयोग के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक सभी गतिविधियाँ पूरी हो जाती हैं।

च. अन्य उधार लागतों को उस वर्ष के व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए जाते हैं।

छ. कंपनी एक विस्तारित अवधि के दौरान उधार लागत वहन कर सकती है जिसमें वह अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए एक संपत्ति तैयार करने के लिए आवश्यक गतिविधियों को निलंबित करती है। ऐसी लागतें आंशिक रूप से पूरी की गई परिसंपत्तियों को रखने की लागतें हैं और पूंजीकरण के लिए पात्र नहीं हैं। हालांकि, कंपनी आम तौर पर उस अवधि के दौरान उधार लागत को पूंजीकृत करने को निलंबित नहीं करती है जब वह पर्याप्त तकनीकी और प्रशासनिक कार्य करती है। कंपनी उधार लेने की लागत को पूंजीकृत करने पर भी रोक नहीं लगाती है जब एक अस्थायी देरी एक परिसंपत्ति को उसके इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार करने की प्रक्रिया का एक आवश्यक हिस्सा है।

6. भंडार

क. इन्वेंट्री का मूल्य कम लागत और शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है। लागत भारित औसत आधार पर निर्धारित की जाती है।

ख. दुकानों और पुर्जों की गैर–चलती वस्तुओं की समीक्षा की जाती है और अप्रचलित, अनुपयोगी, अधिशेष पुर्जों के मूल्य में कमी का पता लगाया जाता है और इसके लिए प्रावधान किया जाता है।

7. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब मान्यता दी जाती है जब उचित आश्वासन होता है कि उन्हें प्राप्त किया जाएगा और कंपनी अनुदान से जुड़ी शर्तों का पालन करेगी। अवमूल्यन योग्य परिसंपत्ति की लागत के लिए कंपनी को क्षतिपूर्ति करने वाले अनुदानों को अवधि के दौरान व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में आय के रूप में मान्यता दी जाती है और उस अनुपात में जिसमें अवमूल्यन लगाया जाता है। कंपनी को किए गए खर्चों की भरपाई करने वाले अनुदानों को उस अवधि के दौरान मान्यता दी जाती है जिसमें संबंधित लागतें की जाती हैं और उसी को संबंधित खर्चों से काट लिया जाता है।

8. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

क. एक प्रावधान को मान्यता दी जाती है यदि, पिछली घटना के परिणामस्वरूप, कंपनी का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी। यदि मुद्रा के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक है, तो प्रावधानों को कर–पूर्व दर पर अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है जो मुद्रा के समय मूल्य और देयता के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। जब छूट का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में वृद्धि को वित्तीय लागत के रूप में मान्यता दी जाती है।

ख. एक प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त राशि, दायित्व के आसपास के जोखिमों और अनिश्चितताओं पर विचार करते हुए, रिपोर्टिंग तिथि पर वर्तमान दायित्व का निपटान करने के लिए आवश्यक विचार का सबसे अच्छा अनुमान है।

ग. जब किसी प्रावधान को निपटाने के लिए आवश्यक कुछ या सभी आर्थिक लाभों की किसी तीसरे पक्ष से वसूली की उम्मीद की जाती है, तो प्राप्य को एक संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि यह लगभग निश्चित है कि प्रतिपूर्ति प्राप्त की जाएगी और प्राप्य की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। प्रावधान से संबंधित व्यय को प्रतिपूर्ति के लाभ और हानि शुद्ध, यदि कोई हो, के विवरण में प्रस्तुत किया जाता है।

घ. आकस्मिक देयताएँ संभावित दायित्व हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होते हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक भविष्य की घटनाओं की घटना या गैर–घटना से की जाएगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं है। जहां यह संभावना नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, या राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, दायित्व को एक आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकट किया जाता है, जब तक कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की संभावना कम न हो। आकस्मिक देयताऐं का खुलासा प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर किया जाता है। इनकी समीक्षा प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

ङ. आकस्मिक परिसंपत्तियाँ संभावित परिसंपत्तियाँ हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं की घटना या गैर–घटना से की जाएगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। आकस्मिक परिसंपत्तियों का खुलासा वित्तीय विवरणों में किया जाता है जब प्रबंधन के निर्णय के आधार पर आर्थिक लाभों का प्रवाह संभावित होता है। इनका लगातार मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरणों में विकास उचित रूप से परिलक्षित हो रहा है।

च. भारी अनुबंधों के तहत उत्पन्न होने वाले वर्तमान दायित्वों को प्रावधानों के रूप में मान्यता दी जाती है और मापा जाता है। एक भारी अनुबंध अस्तित्व में माना जाता है जहां कंपनी के पास एक अनुबंध होता है जिसके तहत अनुबंध के तहत दायित्वों को पूरा करने की अपरिहार्य लागत अनुबंध से प्राप्त होने वाले अपेक्षित आर्थिक लाभों से अधिक होती है।

9. विदेशी मुद्रा लेनदेन और अनुवाद

क. विदेशी मुद्राओं में लेन–देन शुरू में कार्यात्मक मुद्रा हाजिर विनिमय दरों पर उस दिनांक को दर्ज किए जाते हैं जब लेन–देन पहले मान्यता के लिए योग्य होता है।

ख. रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताऐं का अनुवाद उस तिथि पर प्रचलित विनिमय की कार्यात्मक मुद्रा स्पॉट दरों पर किया जाता है। मौद्रिक वस्तुओं के निपटान या अनुवाद पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर को उस वर्ष में लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है जिसमें यह इस अपवाद के साथ उत्पन्न होता है कि 31 मार्च 2016 तक मान्यता प्राप्त संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अधिग्रहण से संबंधित दीर्घकालिक मौद्रिक वस्तुओं पर विनिमय अंतर को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की वहन लागत के साथ समायोजित किया जाता है।

ग. विदेशी मुद्रा में अंकित गैर–मौद्रिक वस्तुएं जिन्हें ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापा जाता है, उन्हें लेन–देन की दिनांक पर विनिमय दर का उपयोग करके दर्ज किया जाता है। विदेशी मुद्रा में प्राप्त या भुगतान किए गए अग्रिम प्रतिफल के मामले में, संबंधित संपत्ति, व्यय या आय (या इसके हिस्से) की प्रारंभिक मान्यता पर उपयोग करने के लिए विनिमय दर निर्धारित करने के उद्देश्य से लेनदेन की दिनांक तब होती है जब कंपनी शुरू में भुगतान या अग्रिम प्रतिफल की प्राप्ति से उत्पन्न गैर–मौद्रिक संपत्ति या गैर–मौद्रिक दायित्व को मान्यता देती है।

10. आमदनी

कंपनी का राजस्व मुख्य रूप से ऊर्जा की बिक्री, पट्टे के तहत परिसंपत्तियों पर आय और अन्य आय से उत्पन्न होता है। अन्य आय से होने वाले राजस्व में बैंकों, कर्मचारियों, ठेकेदारों आदि से ब्याज, म्यूचुअल फंड निवेश से लाभांश, विलंबित भुगतान के लिए लाभार्थियों से प्राप्त अधिभार, स्क्रैप की बिक्री, अन्य विविध आय आदि शामिल हैं।

10.1. ऊर्जा की बिक्री से होने वाला राजस्व

क. भारत में कंपनी के अधिकांश परिचालन विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत विनियमित हैं। तदनुसार, सीईआरसी समय–समय पर लागू टैरिफ नियमों में निर्धारित मानदंडों के आधार पर कंपनी के बिजली संयंत्रों के लिए टैरिफ निर्धारित करता है। टैरिफ एक विशिष्ट बिजली संयंत्र के लिए पूंजीगत लागत पर आधारित है और इसमें मुख्य रूप से दो घटक शामिल हैं: क्षमता शुल्क अर्थात। एक निश्चित शुल्क जिसमें मूल्यह्रास, इक्विटी पर वापसी, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, परिचालन और रखरखाव व्यय, ऋण पर ब्याज और ऊर्जा शुल्क अर्थात शामिल हैं। मुख्य रूप से ईंधन लागत के आधार पर एक परिवर्तनीय प्रभार।

ख. ऊर्जा की बिक्री से होने वाले राजस्व का हिसाब सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ दरों (अनंतिम के रूप में इंगित वस्तुओं को छोड़कर) के आधार पर किया जाता है, जैसा कि बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेशों द्वारा लागू सीमा तक संशोधित किया गया है। बिजली स्टेशनों के मामले में जहां टैरिफ दरों को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है/सीईआरसी द्वारा उनके आदेशों में अनंतिम रूप से इंगित वस्तुओं के मामले में, लागू सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अनंतिम दरों को अपनाया जाता है। बिजली के लाभार्थी तक पहुँच जाने के बाद ऊर्जा की बिक्री से होने वाले राजस्व को पहचाना जाता है और उपयोग मीटरों की नियमित समीक्षा के माध्यम से मापा जाता है। लाभार्थियों को समय–समय पर और नियमित आधार पर बिल दिया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर, ऊर्जा की बिक्री से राजस्व में लाभार्थियों को दी गई बिक्री के लिए एक संचय शामिल है, लेकिन अभी तक बिल नहीं किया गया है अर्थात। अनुबंध परिसंपत्तियाँ/गैर–बिल राजस्व।

ग. प्रोत्साहनों/प्रोत्साहनों का लेखा–जोखा सीईआरसी द्वारा अधिसूचित/अनुमोदित मानदंडों के आधार पर इंड एएस 115–'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार किया जाता है। बिजली स्टेशनों के मामलों में जहां उन्हें अधिसूचित/अनुमोदित नहीं किया गया है, अनंतिम आधार पर प्रोत्साहन/प्रोत्साहन का हिसाब रखा जाता है।

घ. ऊर्जा बिक्री से राजस्व का एक हिस्सा जहां सीईआरसी टैरिफ विनियम लागू नहीं हैं, लाभार्थियों के साथ पारस्परिक रूप से सहमत दरों, नियमों और शर्तों और बिजली विनिमय के माध्यम से बिजली के व्यापार के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

ङ. सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक विदेशी मुद्रा में अंकित मौद्रिक वस्तुओं के निपटान/अनुवाद से उत्पन्न विनिमय अंतर को 'नियामक आस्थगित खाता शेष राशि' के रूप में गिना जाता है और ऐसी शेष राशि को उस वर्ष में समायोजित किया जाता है जिसमें वह लाभार्थियों को वसूली योग्य/देय हो जाती है।

च. 31 मार्च 2016 तक मान्यता प्राप्त विदेशी मुद्रा उधारों के रूपांतरण के कारण विनिमय अंतर, सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार बाद की अवधि में लाभार्थियों से वसूली योग्य या देय सीमा तक, शविदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव से आस्थगित आयश के अनुरूप क्रेडिट के साथ श्आस्थगित विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव वाली संपत्ति' के रूप में गिना जाता है। विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव खाते से आस्थगित आय का परिशोधन उस अनुपात में किया जाता है जिसमें ऐसे विनिमय अंतरों पर मूल्यह्रास लगाया जाता है और इसे मूल्यह्रास व्यय के खिलाफ समायोजित किया जाता है। सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार लाभार्थियों से वसूली योग्य/देय डेरिवेटिव के लिए अग्रिम विनिमय अनुबंधों के संबंध में उचित मूल्य परिवर्तन, बिक्री में मान्यता प्राप्त हैं।

छ. व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से राजस्व को नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार लाभार्थियों के साथ पारस्परिक रूप से सहमत दरों, नियमों और शर्तों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ज. लाभार्थियों को शीघ्र भुगतान प्रोत्साहन के रूप में छूट की अनुमति राजस्व की राशि से काट ली जाती है।

झ. ऊर्जा बचत प्रमाणपत्रों की बिक्री से होने वाले राजस्व को बेचे जाने पर गिना जाता है।

ञ. प्रोत्साहन/प्रोत्साहन/वसूली योग्य को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा अधिसूचित मानदंडों के आधार पर मान्यता दी जाती है।

10.2. अन्य आय

क. प्रभावी ब्याज दर विधि (ईआईआर) का उपयोग करते हुए, बकाया राशि और लागू ब्याज दर पर विचार करते हुए समय अनुपात के आधार पर, मापनीयता या संग्रहण के रूप में कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद नहीं होने पर ब्याज आय को मान्यता दी जाती है। ऋण उपकरणों के लिए या तो परिशोधन लागत पर या अन्य व्यापक आय (ओसीई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, ब्याज आय को वित्तीय संपत्ति की सकल वहन राशि के लिए ईआईआर का उपयोग करके पहचाना जाता है और लाभ और हानि के विवरण में अन्य आय में शामिल किया जाता है। खरीदे गए या उत्पन्न क्रेडिट–बाधित (पीओसीआई) वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए ब्याज आय को क्रेडिट–समायोजित ईआईआर की गणना करके और उस दर को परिसंपत्ति की परिशोधन लागत पर लागू करके पहचाना जाता है।

ख. लाभ की हानि के लिए बीमा दावों को स्वीकृति के वर्ष में गिना जाता है। अन्य बीमा दावों का हिसाब प्राप्ति की निश्चितता के आधार पर किया जाता है।

ग. किराए और परिचालन पट्टों से प्राप्त राजस्व को संबंधित समझौते के सार के अनुसार संचय के आधार पर मान्यता दी जाती है।

घ. ऊर्जा की बिक्री के लिए विलंबित भुगतान/अतिदेय व्यापार प्राप्तियों पर ब्याज/अधिभार को तब मान्यता दी जाती है जब मापनीयता या संग्रहण के बारे में कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद नहीं होती है।

ङ. ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए अग्रिमों पर वसूली योग्य ब्याज/अधिभार के साथ–साथ वारंटी दावों को जहां भी प्राप्ति/स्वीकृति की अनिश्चितता है, उपार्जित नहीं माना जाता है और इसलिए प्राप्ति/स्वीकृति पर इसका हिसाब रखा जाता है।

च. लाभांश आय को लाभ या हानि में तभी पहचाना जाता है जब प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है, यह संभव है कि लाभांश से जुड़ आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे, और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

11. कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ

11.1. परिभाषित अंशदान योजनाएं

एक परिभाषित अंशदान योजना एक रोजगार के बाद की लाभ योजना है जिसके तहत एक संस्था अलग–अलग संस्थाओं को निश्चित योगदान का भुगतान करती है और आगे की राशि का भुगतान करने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं होगा। परिभाषित अंशदान योजनाओं में योगदान के लिए दायित्वों को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है, जिसके दौरान कर्मचारियों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। प्रीपेड योगदान को उस हद तक एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब तक कि नकद वापसी या भविष्य के भुगतानों में कमी उपलब्ध हो। एक परिभाषित योगदान योजना में योगदान जो उस अवधि की समाप्ति के 12 महीने से अधिक समय के बाद देय है जिसमें कर्मचारी सेवा प्रदान करते हैं, उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है।

11.2. परिभाषित लाभ योजनाएं

क. एक परिभाषित लाभ योजना एक परिभाषित योगदान योजना के अलावा एक रोजगार के बाद की लाभ योजना है। ग्रेच्युटी के प्रति कंपनी की देनदारी, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) सेवानिवृत्ति पर विदाई उपहार, और भविष्य निधि योगदान पर ब्याज देनदारी की सीमा तक भविष्य निधि योजना परिभाषित लाभ योजनाओं की प्रकृति में हैं।

ख. परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना प्रत्येक योजना के लिए अलग से भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले में अर्जित किया हैय उस लाभ को इसके वर्तमान मूल्य को निर्धारित करने के लिए छूट दी जाती है। किसी भी योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में कटौती की जाती है। छूट दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों की प्रचलित बाजार उपज पर आधारित होती है, जिसमें कंपनी के दायित्वों की शर्तों को अनुमानित करने वाली परिपक्वता तिथियां होती हैं और जो उसी मुद्रा में अंकित होती हैं जिसमें लाभों का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

ग. बीमांकिक गणना प्रतिवर्ष एक योग्य बीमांकिक द्वारा अनुमानित इकाई ऋण विधि का उपयोग करके की जाती है। जब गणना के परिणामस्वरूप कंपनी को लाभ होता है, तो मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति योजना से किसी भी भविष्य के रिफंड या योजना में भविष्य के योगदान में कमी के रूप में उपलब्ध आर्थिक लाभों के वर्तमान मूल्य तक सीमित होती है। कंपनी के लिए एक आर्थिक लाभ उपलब्ध है यदि यह योजना के जीवनकाल के दौरान या योजना देयताऐं के निपटान पर प्राप्त किया जा सकता है। बीमांकिक लाभ और हानि, योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल परिभाषित देयता पर निवल ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और परिसंपत्ति सीमा के प्रभाव (निवल परिभाषित देयता पर निवल ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) सहित पुनर्भुगतान और उन्हें उस अवधि में अन्य व्यापक आय (ओसीई) में मान्यता प्राप्त है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

घ. पिछली सेवा लागतों को योजना संशोधन या कटौती की दिनांक से पहले लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है, और उस दिनांक को जब कंपनी संबंधित पुनर्गठन लागतों को मान्यता देती है। यदि कोई योजना संशोधन, कटौती या निपटान होता है, तो वर्तमान सेवा लागत और पुनः मापन के बाद की अवधि के लिए शुद्ध ब्याज का निर्धारण पुनः मापन के लिए उपयोग की जाने वाली अनुमानओं का उपयोग करके किया जाता है।

11.3. अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

क. कंपनी की छुट्टी नकदीकरण और ग्रेच्युटी योजना के तहत लाभ अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों का गठन करते हैं।

ख. इन दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना प्रत्येक योजना के लिए अलग से भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले में अर्जित किया हैय उस लाभ को इसके वर्तमान मूल्य को निर्धारित करने के लिए छूट दी जाती है और किसी भी संबंधित संपत्ति के उचित मूल्य की कटौती की जाती है। छूट दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों की प्रचलित बाजार उपज पर आधारित होती है, जिसमें कंपनी के दायित्वों की शर्तों को अनुमानित करने वाली परिपक्वता तिथियां होती हैं और जो उसी मुद्रा में अंकित होती हैं जिसमें लाभों का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

ग. बीमांकिक गणना प्रतिवर्ष एक योग्य बीमांकिक द्वारा अनुमानित इकाई ऋण विधि का उपयोग करके की जाती है। बीमांकिक लाभ और हानि, योजना परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (शुद्ध परिभाषित देयता पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव (शुद्ध परिभाषित देयता पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशि को छोड़कर) और उन्हें उस अवधि में लाभ और हानि खाते के विवरण में मान्यता दी जाती है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

घ. दायित्वों को बैलेंस शीट में वर्तमान देयताऐं के रूप में प्रस्तुत किया जाता है यदि इकाई को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए निपटान को स्थगित करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है, भले ही वास्तविक निपटान कब होने की उम्मीद हो।

11.4. अल्पावधि लाभ

क. अल्पावधि कर्मचारी लाभ दायित्वों को अघोषित आधार पर मापा जाता है और संबंधित सेवा प्रदान किए जाने पर खर्च किया जाता है।

ख. यदि कंपनी के पास कर्मचारी द्वारा प्रदान की गई पिछली सेवा के परिणामस्वरूप इस राशि का भुगतान करने का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है और दायित्व का विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है, तो प्रदर्शन संबंधी वेतन के तहत भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि के लिए एक देयता को मान्यता दी जाती है।

12. अन्य खर्चे

क. प्रशिक्षण और भर्ती पर होने वाला खर्च वर्ष में हुए लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है।

ख. व्यवहार्यता रिपोर्ट/तकनीकी आर्थिक मंजूरी के अनुमोदन से पहले की गई नई परियोजनाओं के कारण होने वाले प्रारंभिक खर्चों को लाभ और हानि के विवरण के रूप में लिया जाता है।

ग. शुद्ध पूर्व–कमीशन आय/व्यय को सीधे संबंधित परिसंपत्तियों और प्रणालियों की लागत में समायोजित किया जाता है।

13. आय कर

क. आयकर व्यय में वर्तमान और आस्थगित कर शामिल हैं। वर्तमान कर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि यह सीधे ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है, जिस मामले में इसे क्रमशः ओसीआई या इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

ख. वर्तमान कर आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार संगणित वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय अपेक्षित कर है, जिसमें रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित कर दरों और पिछले वर्षों के संबंध में देय कर के किसी भी समायोजन का उपयोग किया जाता है।

ग. आस्थगित कर को बैलेंस शीट विधि का उपयोग करके, वित्तीय रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि और परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधार के बीच अस्थायी अंतर पर मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर को उन कर दरों पर मापा जाता है जो अस्थायी अंतरों पर लागू होने की उम्मीद की जाती है जब वे अमल में आते हैं, उन कानूनों के आधार पर जो रिपोर्टिंग की तारीख तक अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित किए गए हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को ऑफसेट किया जाता है यदि वर्तमान कर देनदारियों के खिलाफ वर्तमान कर परिसंपत्तियों को ऑफसेट करने का कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार है, और वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित हैं।

घ. आस्थगित कर को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि यह सीधे ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है, जिस मामले में इसे क्रमशः ओसीआई या इक्विटी में मान्यता प्राप्त है।

ई. आस्थगित कर देयता को सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि जब आस्थगित कर देयता किसी ऐसे लेन–देन में सद्भावना या संपत्ति या देयता की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न होती है जो एक व्यावसायिक संयोजन नहीं है और लेन–देन के समय, (i) न तो लेखांकन को प्रभावित करता है और न ही कर योग्य लाभ या हानि और (ii) समान कर योग्य और कटौती योग्य अस्थायी अंतर को जन्म नहीं देता है।

च. एक आस्थगित कर परिसंपत्ति को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिसके खिलाफ कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है और उन्हें इस हद तक कम कर दिया जाता है कि यह संभावना नहीं है कि भविष्य में सभी या आस्थगित कर परिसंपत्तियों के हिस्से का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे।

छ. आस्थगित कर परिसंपत्तियों में भारत में कर कानूनों के अनुसार भुगतान किया गया न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) शामिल है, जो भविष्य में आयकर देयता के खिलाफ सेट ऑफ की उपलब्धता के रूप में भविष्य में आर्थिक लाभ देने की संभावना है। एम. ए. टी. क्रेडिट को बैलेंस शीट में आस्थगित कर संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है और यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके खिलाफ एम. ए. टी. क्रेडिट का उपयोग किया जा सकता है।

ज. जब आयकर उपचार के बारे में अनिश्चितता होती है, तो कंपनी इस बात का आकलन करती है कि क्या कोई कर प्राधिकरण अनिश्चित कर उपचार को स्वीकार करने की संभावना रखता है। यदि यह निष्कर्ष निकालता है कि कर प्राधिकरण के अनिश्चित कर उपचार को स्वीकार करने की संभावना नहीं है, तो कर योग्य आय, कर आधार और अप्रयुक्त कर नुकसान और अप्रयुक्त कर क्रेडिट पर अनिश्चितता के प्रभाव को मान्यता दी जाती है। अनिश्चितता के प्रभाव को उस विधि का उपयोग करके पहचाना जाता है जो, प्रत्येक मामले में, अनिश्चितता के परिणाम को सबसे अच्छी तरह से दर्शाती है: सबसे संभावित परिणाम या अपेक्षित मूल्य। प्रत्येक मामले के लिए, कंपनी इस दृष्टिकोण के आधार पर मूल्यांकन करती है कि क्या प्रत्येक अनिश्चित कर उपचार पर अलग से विचार किया जाए, या किसी अन्य या कई अन्य अनिश्चित कर उपचारों के साथ संयोजन में, जो अनिश्चितता के समाधान का सबसे अच्छा उपसर्ग है।

14. पट्टा

क. कंपनी इस बात का आकलन करती है कि अनुबंध की शुरुआत में किसी अनुबंध में पट्टा शामिल है या नहीं। एक अनुबंध एक पट्टा है, या इसमें शामिल है, यदि अनुबंध विचार के बदले में एक समय अवधि के लिए एक पहचानी गई संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। यह आकलन करने के लिए कि क्या कोई अनुबंध किसी चिन्हित संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, कंपनी इस बात का आकलन करती है कि क्या: (1) संपर्क में किसी चिन्हित संपत्ति का उपयोग शामिल है (2) कंपनी को पट्टे की अवधि के दौरान संपत्ति के उपयोग से पर्याप्त रूप से सभी आर्थिक लाभ हैं और (3) कंपनी को संपत्ति के उपयोग को निर्देशित करने का अधिकार है।

ख. कंपनी उन सभी पट्टा व्यवस्थाओं के लिए उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति और संबंधित पट्टा देयता को मान्यता देती है जिसमें वह पट्टेदार है, बारह महीने या उससे कम (अल्पकालिक पट्टे) की अवधि वाले पट्टों और कम मूल्य वाली अंतर्निहित संपत्तियों के लिए पट्टों को छोड़कर। इन अल्पकालिक और कम मूल्य की अंतर्निहित परिसंपत्तियों के लिए पट्टे के लिए, कंपनी पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा के आधार पर पट्टे के भुगतान को परिचालन व्यय के रूप में मान्यता देती है।

ग. पट्टे की कुछ व्यवस्थाओं में पट्टे की अवधि समाप्त होने से पहले पट्टे को बढ़ाने या समाप्त करने के विकल्प शामिल हैं। उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों और पट्टे की देनदारियों में ये विकल्प शामिल होते हैं जब यह उचित रूप से निश्चित होता है कि पट्टे को बढ़ाने के विकल्प का प्रयोग किया जाएगा/पट्टे को समाप्त करने के विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

घ. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों (भूमि और भवनों के अलावा) को शुरू में लागत पर मान्यता दी जाती है, जिसमें पट्टे की शुरुआत की तारीख पर या उससे पहले किए गए किसी भी पट्टे के भुगतान के लिए समायोजित पट्टे की देयता की प्रारंभिक राशि और किसी भी पट्टे के प्रोत्साहन से कम कोई भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल होती है। उन्हें बाद में लागत कम संचित मूल्यह्रास/परिशोधन और हानि नुकसान पर मापा जाता है और पट्टे की देनदारियों के किसी भी पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजित किया जाता है।

ङ. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का अवमूल्यन/परिशोधन प्रारंभ तिथि से अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व को स्थानांतरित करता है या यदि उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों की लागत दर्शाती है कि खरीद विकल्प का प्रयोग किया जाएगा। अन्यथा, उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का अवमूल्यन/परिशोधन प्रारंभ तिथि से पट्टे की अवधि के छोटे और अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर सीधे आधार पर किया जाता है।

च. उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यांकन वसूली के लिए किया जाता है जब भी घटनाएं या परिस्थितियों में परिवर्तन इंगित करते हैं कि उनकी वहन राशि वसूली योग्य नहीं हो सकती है। हानि परीक्षण के उद्देश्य के लिए, वसूली योग्य राशि (जैसे की उचित मूल्य से अधिक निपटान की कम लागत और उपयोग में मूल्य) का निर्धारण व्यक्तिगत परिसंपत्ति के आधार पर किया जाता है जब तक कि परिसंपत्ति नकदी प्रवाह उत्पन्न नहीं करती है जो काफी हद तक अन्य परिसंपत्तियों से स्वतंत्र होती है। ऐसे मामलों में, वसूली योग्य राशि उस कैश जनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के लिए निर्धारित की जाती है जिससे संपत्ति संबंधित होती है।

छ. पट्टा देनदारी को शुरू में भविष्य के पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य पर परिशोधन लागत पर मापा जाता है। वर्तमान मूल्य की गणना में, पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके या यदि आसानी से निर्धारित नहीं किया जा सकता है, तो वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके पट्टे के भुगतान में छूट दी जाती है। लीज देनदारियों को संबंधित उपयोग के अधिकार की संपत्ति के अनुरूप समायोजन के साथ फिर से मापा जाता है यदि कंपनी अपना मूल्यांकन बदलती है कि क्या वह विस्तार या समाप्ति विकल्प का प्रयोग करेगी।

15. गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों का नुकसान

क. कंपनी की गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह निर्धारित करने के लिए की जाती है कि क्या इंड एएस 36–'परिसंपत्तियों की हानि' के प्रावधानों पर विचार करते हुए हानि का कोई संकेत है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है।

ख. किसी परिसंपत्ति या नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई की वसूली योग्य राशि उसके उचित मूल्य से उतनी ही अधिक होती है जितना कि निपटान की लागत और उपयोग में उसके मूल्य से कम होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। हानि परीक्षण के उद्देश्य से, जिन परिसंपत्तियों का व्यक्तिगत रूप से परीक्षण नहीं किया जा सकता है, उन्हें परिसंपत्तियों के सबसे छोटे समूह में एक साथ समूहीकृत किया जाता है जो निरंतर उपयोग से नकदी प्रवाह उत्पन्न करते हैं जो काफी हद तक अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्तियों के समूहों ('नकदी उत्पन्न करने वाली इकाई' या 'सीजीयू') के नकदी प्रवाह से स्वतंत्र होते हैं

ग. हानि की पहचान तब की जाती है जब किसी परिसंपत्ति या उसके सीजीयू की वहन राशि उसकी अनुमानित वसूली योग्य राशि से अधिक हो। हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है। सीजीयू के संबंध में मान्यता प्राप्त हानि को सीजीयू की परिसंपत्तियों की वहन राशि से कम किया जाता है

घ. पूर्व अवधि में पहचाने गए हानि हानियों का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किसी भी संकेत के लिए किया जाता है कि हानि कम हो गई है या अब मौजूद नहीं है। यदि वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले अनुमानों में कोई बदलाव किया गया है तो हानि को उलट दिया जाता है। एक हानि हानि को केवल इस हद तक उलट दिया जाता है कि संपत्ति की वहन राशि उस वहन राशि से अधिक नहीं होती है जो निर्धारित की गई होती, संचित मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध, यदि कोई हानि हानि की पहचान नहीं की गई थी।

16. लाभांश

कंपनी के शेयरधारकों को देय लाभांश और अंतरिम लाभांश को उस अवधि में इक्विटी में परिवर्तन के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें उन्हें क्रमशः शेयरधारकों और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है

17 सामग्री पूर्व अवधि त्रुटि

सामग्री पूर्व अवधि की त्रुटियों को पूर्वव्यापी रूप से उन पूर्व अवधियों के लिए तुलनात्मक मात्राओं को फिर से प्रस्तुत करके ठीक किया जाता है जिसमें त्रुटि हुई थी। यदि त्रुटि प्रस्तुत प्रारंभिक अवधि से पहले हुई है, तो प्रस्तुत प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देयताऐं और इक्विटी की प्रारंभिक शेष राशि को फिर से प्रस्तुत किया जाता है।

18. वित्तीय साधन

एक वित्तीय साधन कोई भी अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय संपत्ति और दूसरी इकाई के वित्तीय दायित्व या इक्विटी साधन को जन्म देता है। कंपनी किसी वित्तीय संपत्ति या वित्तीय दायित्व को तभी मान्यता देती है जब वह लिखत के संविदात्मक प्रावधानों में पक्षकार बन जाती है।

18.1 वित्तीय साधन

प्रारंभिक पहचान और माप

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, सिवाय व्यापार प्राप्तियों के जिन्हें शुरू में लेनदेन मूल्य पर मापा जाता है। लेन–देन लागतें जो वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सीधे जिम्मेदार हैं, जिनका लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मूल्यांकन नहीं किया जाता है, उन्हें प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य में जोड़ा जाता है।

अनुवर्ती माप

परिशोधन लागत पर ऋण उपकरण

एक 'ऋण साधन' को परिशोधन लागत पर मापा जाता है यदि निम्नलिखित दोनों शर्तों को पूरा किया जाता है: (क) परिसंपत्ति को एक व्यवसाय मॉडल के भीतर रखा जाता है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने के लिए परिसंपत्तियों को रखना है, और (ख) परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह को जन्म देती हैं जो बकाया मूल राशि पर केवल मूलधन और ब्याज (एसपीपीआई) का भुगतान होती हैं। प्रारंभिक मापन के बाद, ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों को बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि का उपयोग करके परिशोधन लागत पर मापा जाता है। परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम पर विचार करके की जाती है जो ईआईआर का एक अभिन्न हिस्सा हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्तीय आय में शामिल किया जाता है। हानि से होने वाले हानियों को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है। यह श्रेणी आम तौर पर व्यापार और अन्य प्राप्तियों पर लागू होती है।

एफवीटीओसीआई पर ऋण साधन (ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य)

'ऋण लिखत' को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि निम्नलिखित दोनों मानदंड पूरे होते हैं: (क) व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने दोनों द्वारा प्राप्त किया जाता है, और (ख) परिसंपत्ति का संविदात्मक नकदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है। एफ. वी. टी. ओ. सी. आई. श्रेणी के भीतर शामिल ऋण उपकरणों को शुरू में और साथ ही प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य पर मापा जाता है। ओसीई में उचित मूल्य संचलन को मान्यता दी जाती है। हालांकि, कंपनी लाभ और हानि के विवरण में ब्याज आय, हानि और प्रतिवर्तन और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को मान्यता देती है। परिसंपत्ति की मान्यता रद्द होने पर, ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को इक्विटी से लाभ और हानि के विवरण में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। एफवीटीओसीआई ऋण साधन धारण करते समय अर्जित ब्याज को ईआईआर विधि का उपयोग करके ब्याज आय के रूप में सूचित किया जाता है।

एफवीटीपीएल में ऋण साधन (लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य)

एफवीटीपीएल ऋण साधनों के लिए एक अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

इसके अलावा, कंपनी एक ऋण साधन को वर्गीकृत करने का विकल्प चुन सकती है, जो अन्यथा परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई मानदंडों को पूरा करता है, जैसा कि एफवीटीपीएल में है। हालांकि, इस तरह के चुनाव की अनुमति केवल तभी दी जाती है जब ऐसा करने से किसी माप या मान्यता की विसंगति को कम या समाप्त कर दिया जाता है (जिसे 'लेखांकन बेमेल' कहा जाता है) एफवीटीपीएल श्रेणी के भीतर शामिल ऋण साधनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। ऐसे निवेशों पर ब्याज आय को श्अन्य आयश के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

व्यवसाय मॉडल मूल्यांकन

कंपनी के पास वित्तीय परिसंपत्तियाँ हैं जो उसके व्यापार और निवेश संपत्ति के सामान्य पाठ्यक्रम से उत्पन्न होती हैं। इन वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए व्यवसाय मॉडल का उद्देश्य कंपनी की प्राप्तियों से देय राशि एकत्र करना और एकत्र की गई राशि पर संविदात्मक ब्याज आय अर्जित करना है।

इक्विटी साधनों में निवेश

सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों के अलावा अन्य संस्थाओं में सभी इक्विटी निवेशों को उचित मूल्य पर मापा जाता है। व्यापार के लिए रखे जाने वाले इक्विटी उपकरणों को एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अन्य सभी इक्विटी साधनों के लिए, कंपनी एफवीटीओसीआई या एफवीटीपीएल के समान वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है। कंपनी इस तरह का चुनाव एक उपकरण के आधार पर करती है। वर्गीकरण प्रारंभिक मान्यता पर किया जाता है और अपरिवर्तनीय है।

यदि कंपनी किसी इक्विटी साधन को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है, तो लाभांश को छोड़कर साधन पर सभी उचित मूल्य परिवर्तनों को ओसीई में मान्यता दी जाती है। ओसीई से लाभ और हानि के विवरण के लिए राशि का पुनर्चक्रण नहीं होता है,

यहां तक कि निवेश की बिक्री/निपटान पर भी। हालांकि, कंपनी निवेशों की बिक्री/निपटान पर संचयी लाभ या हानि को इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है।

एफवीटीपीएल श्रेणी के भीतर शामिल इक्विटी साधनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है। ऐसे निवेशों पर लाभांश श्अन्य आयश के तहत प्रस्तुत किया जाता है।

सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में इक्विटी निवेश को लागत कम हानि, यदि कोई हो, पर गिना जाता है।

मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय संपत्ति (या, जहां लागू हो, एक वित्तीय संपत्ति का एक हिस्सा या समान वित्तीय संपत्ति के समूह का हिस्सा) मुख्य रूप से मान्यता प्राप्त है (अर्थात. कंपनी की बैलेंस शीट से हटा दिया गया) जब:

कंपनी ने संपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को स्थानांतरित कर दिया है या पास–एफः व्यवस्था के तहत किसी तीसरे पक्ष को बिना किसी भौतिक देरी के प्राप्त नकदी प्रवाह का पूरा भुगतान करने का दायित्व ग्रहण किया हैय और या तो (क) कंपनी ने संपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को काफी हद तक स्थानांतरित कर दिया है, या (ख) कंपनी ने संपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को न तो स्थानांतरित किया है और न ही बनाए रखा है, बल्कि संपत्ति के नियंत्रण को स्थानांतरित कर दिया है।

वहन राशि और प्राप्त/प्राप्य प्रतिफल की राशि के बीच के अंतर को एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकृत इक्विटी साधनों को छोड़कर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है, जहां ऐसे अंतर ओसीआई में दर्ज किए जाते हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों का नुकसान

आईएंनडी एएस 109–'वित्तीय साधनों' के अनुसार, कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों और क्रेडिट जोखिम जोखिम पर हानि के मापन और मान्यता के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ईसीएल) मॉडल लागू करती है:

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो ऋण साधन हैं, और जिन्हें परिशोधन लागत पर मापा जाता है।

(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो ऋण के साधन हैं और जिन्हें एफवीटीओसीआई में मापा जाता है।

(ग) आईएनडी एएस 116 के अंतर्गत प्राप्तियों को पट्टे पर देना।

(घ) आईएनडी एएस 115 के अधीन प्राप्य, गैर–बिल राजस्व और अनुबंध परिसंपत्तियों का व्यापार।

(ड़) वित्तीय गारंटी अनुबंध जिन्हें एफवीटीपीएल में नहीं मापा गया है।

व्यापार प्राप्तियों और अनुबंध परिसंपत्तियों/अनबिल राजस्व के लिए, कंपनी इंड एएस 109 फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा आवश्यक सरलीकृत दृष्टिकोण को लागू करती है, जिसके लिए प्रारंभिक मान्यता से आजीवन अपेक्षित नुकसान को मान्यता देने की आवश्यकता होती है। अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की पहचान और जोखिम जोखिम (खरीदी गई या उत्पन्न ऋण बाधित वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) के लिए कंपनी यह निर्धारित करती है कि क्या प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यदि ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, तो हानि के लिए 12 महीने के ईसीएल का उपयोग किया जाता है। हालांकि, यदि ऋण जोखिम में काफी वृद्धि हुई है, तो आजीवन ईसीएल का उपयोग किया जाता है। यदि, बाद की अवधि में, साधन की ऋण गुणवत्ता में इस तरह से सुधार होता है कि प्रारंभिक मान्यता के बाद से ऋण जोखिम में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होती है, तो इकाई 12 महीने के ईसीएल के आधार पर हानि भत्ते को पहचानने के लिए वापस आ जाती है

खरीदी गई या उत्पन्न क्रेडिट बाधित वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए, प्रारंभिक मान्यता के बाद से जीवनकाल में अपेक्षित क्रेडिट नुकसान में संचयी परिवर्तनों के लिए एक हानि भत्ता मान्यता प्राप्त है।

18.2. वित्तीय देयताएँ

प्रारंभिक पहचान और माप

वित्तीय देयताऐं को, प्रारंभिक मान्यता पर, लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताऐं और यथोपयुक्त परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताऐं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। सभी वित्तीय देयताऐं को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और देयताऐं के मामले में बाद में प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लेन–देन लागत के परिशोधन लागत शुद्ध पर मापा जाता है। कंपनी की वित्तीय देयताऐं में व्यापार और अन्य देय, बैंक ओवरड्राफ्ट सहित उधार, वित्तीय गारंटी अनुबंध और व्युत्पन्न वित्तीय साधन शामिल हैं।

अनुवर्ती माप

वित्तीय देयताऐं का मापन उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारंभिक मापन के बाद, ऐसी वित्तीय देयताऐं को बाद में ईआईआर विधि का उपयोग करके परिशोधन लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है जब देयताऐं की मान्यता रद्द कर दी जाती है और साथ ही ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है जो ईआईआर का एक अभिन्न हिस्सा हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत में शामिल किया जाता है। यह श्रेणी आम तौर पर उधार, व्यापार देय और अन्य संविदात्मक देयताऐं पर लागू होती है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताऐं में व्यापार के लिए रखी गई वित्तीय देयताएं और लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताएं शामिल हैं। वित्तीय देयताऐं को व्यापार के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के उद्देश्य से किए जाते हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज किए गए व्युत्पन्न वित्तीय साधन भी शामिल हैं जिन्हें इंड एएस 109 द्वारा परिभाषित हेज संबंधों में हेजिंग साधनों के रूप में नामित नहीं किया गया है। अलग–अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव्स को भी व्यापार के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित नहीं किया जाता है।

व्यापार के लिए रखी गई देयताऐं पर लाभ या हानि को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताऐं को मान्यता की प्रारंभिक तिथि पर नामित किया जाता है, और केवल तभी जब इंड एएस 109 में मानदंड संतुष्ट हों। एफवीटीपीएल के रूप में नामित देयताऐं के लिए, अपने स्वयं के ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण उचित मूल्य लाभ/हानि को ओसीई में मान्यता प्राप्त है। इन लाभों/हानि को बाद में लाभ और हानि में स्थानांतरित नहीं किया जाता है। हालांकि, कंपनी संचयी लाभ या हानि को निपटान पर इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है। इस तरह के दायित्व के उचित मूल्य में अन्य सभी परिवर्तनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है। कंपनी ने लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर किसी भी वित्तीय दायित्व को नामित नहीं किया है।

मान्यता रद्द करना

वित्तीय दायित्व की मान्यता तब समाप्त हो जाती है जब दायित्व के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या रद्द कर दिया जाता है या समाप्त हो जाता है। जब किसी मौजूदा वित्तीय दायित्व को एक ही ऋणदाता से काफी अलग शर्तों पर दूसरे द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, या किसी मौजूदा दायित्व की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल दायित्व की मान्यता और एक नए दायित्व की मान्यता के रूप में माना जाता है। संबंधित वहन राशि में अंतर को लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

18.3. ब्याज दर बेंचमार्क सुधार

जब ब्याज दर बेंचमार्क सुधार के परिणामस्वरूप किसी वित्तीय संपत्ति या परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय देयता के संविदात्मक नकदी प्रवाह को निर्धारित करने का आधार बदल जाता है, तो कंपनी ने वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता की प्रभावी ब्याज दर को सुधार द्वारा आवश्यक परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए अद्यतन किया। यदि निम्नलिखित शर्तों को पूरा किया जाता है तो ब्याज दर बेंचमार्क सुधार के लिए संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के आधार में बदलाव की आवश्यकता होती है:

– सुधार के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में परिवर्तन आवश्यक हैय तथा

– संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के लिए नया आधार आर्थिक रूप से पिछले आधार के बराबर है–अर्थात। परिवर्तन से तुरंत पहले आधार।

जब ब्याज दर बेंचमार्क सुधार द्वारा आवश्यक संविदात्मक नकदी प्रवाह निर्धारित करने के लिए आधार में परिवर्तन के अलावा किसी वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता में परिवर्तन किए गए थे, तो कंपनी पहले वित्तीय संपत्ति या वित्तीय देयता की प्रभावी ब्याज दर को ब्याज दर बेंचमार्क सुधार द्वारा आवश्यक परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने के लिए अपडेट करती है और लाभ और हानि विवरण में संशोधन लाभ या हानि को मान्यता नहीं देती है। उसके बाद, कंपनी अतिरिक्त परिवर्तनों में संशोधन के लिए लेखांकन पर नीतियों को लागू करती है।

18.4. व्युत्पन्न वित्तीय साधन

प्रारंभिक पहचान और बाद में मापन

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों और विदेशी मुद्रा ऋणों के ब्याज दर जोखिमों को कम करने के लिए अग्रिम मुद्रा अनुबंधों और ब्याज दर अदला–बदली जैसे व्युत्पन्न वित्तीय साधनों का उपयोग करती है। इस तरह के व्युत्पन्न वित्तीय साधनों को शुरू में उस दिनांक को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है जिस दिन एक व्युत्पन्न अनुबंध किया जाता है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्न को वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में तब लिया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देयताऐं के रूप में जब उचित मूल्य नकारात्मक होता है। व्युत्पन्नों के उचित मूल्य में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि के विवरण में लिया जाता है।

18.5. वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताऐं की ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताऐं को ऑफसेट किया जाता है और शुद्ध राशि को बैलेंस शीट में प्रस्तुत किया जाता है यदि मान्यता प्राप्त राशियों को ऑफसेट करने का वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार है और परिसंपत्तियों को प्राप्त करने और देयताऐं का निपटान करने के लिए शुद्ध आधार पर निपटान करने का इरादा है।

19. बिक्री के लिए रखी गैर–वर्तमान परिसंपत्तियाँ

कंपनी गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों और निपटान समूहों को बिक्री के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत करती है यदि उनकी वहन राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से वसूल की जाएगी और बिक्री को अत्यधिक संभावित माना जाता है।

प्रबंधन को बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे बिक्री के लिए आयोजित वर्गीकरण की दिनांक से एक वर्ष के भीतर पूर्ण बिक्री के रूप में मान्यता के लिए अर्हता प्राप्त करने की उम्मीद की जानी चाहिए, और बिक्री की योजना को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई से यह संकेत मिलना चाहिए कि योजना में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए जाने की संभावना नहीं है या योजना को वापस ले लिया जाएगा।

बिक्री और निपटान समूहों के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों को उनकी वहन राशि से कम और निपटान की उचित मूल्य कम लागत पर मापा जाता है।

एक बार बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों को मूल्यह्रास या परिशोधन के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

ऐसी परिस्थितियों में, जहां संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्ति की एक वस्तु को स्थायी रूप से छोड़ दिया जाता है और सक्रिय उपयोग से सेवानिवृत्त कर दिया जाता है, हालांकि शबिक्री के लिए आयोजित गैर–वर्तमान संपत्तिश के मानदंडों को पूरा नहीं किया जाता है, ऐसी वस्तुओं को बिक्री के लिए आयोजित के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाता है और उनके संशोधित उपयोगी जीवन पर मूल्यह्रास जारी रखा जाता है, जैसा कि मूल्यांकन किया गया है। ऐसी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इस सामग्री लेखांकन नीति के अनुसार हानि के लिए किया जाता है।

20. अनुमानों और प्रबंधन निर्णयों का उपयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, अनुमान और अनुमानएं बनाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देयताऐं, राजस्व खर्चों और संबंधित वस्तुओं के साथ–साथ आकस्मिक परिसंपत्तियों और देयताऐं के संबंधित प्रकटीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। अनुमान और प्रबंधन के निर्णय पिछले अनुभव और परिस्थितियों में उचित और विवेकपूर्ण माने जाने वाले अन्य कारकों पर आधारित होते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमानों और अंतर्निहित अनुमानओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधनों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें अनुमानों को संशोधित किया जाता है और भविष्य की किसी भी अवधि में प्रभावित किया जाता है।

वित्तीय विवरणों की समझ बढ़ाने के लिए, वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में आकलन, अनिश्चितता और महत्वपूर्ण निर्णयों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बारे में जानकारी निम्नानुसार है:

i. लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियों को इस तरह से तैयार किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय विवरणों में लेन–देन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी होती है जिन पर वे लागू होते हैं। उन पॉलिसियों को तब लागू करने की आवश्यकता नहीं है जब उन्हें लागू करने का प्रभाव महत्वहीन हो।

ii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों और अमूर्त संपत्तियों का उपयोगी जीवन

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन अप्रचलन, मांग, प्रतिस्पर्धा और अन्य आर्थिक कारकों (जैसे उद्योग की स्थिरता और ज्ञात तकनीकी प्रगति) और परिसंपत्ति से अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह को प्राप्त करने के लिए आवश्यक रखरखाव व्यय के स्तर सहित कई कारकों पर आधारित है।

बिजली व्यवसाय के उत्पादन की परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन (जहां टैरिफ विनियमित किया जाता है) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची प्प के अनुसार सीईआरसी टैरिफ विनियमों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

iii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त संपत्तियों की वसूली योग्य राशि

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों की वसूली योग्य राशि विशेष रूप से अपेक्षित बाजार दृष्टिकोण और बिजली संयंत्रों से जुड़े भविष्य के नकदी प्रवाह के बारे में अनुमानों और अनुमानओं पर आधारित है। इन मान्यताओं में किसी भी बदलाव का वसूली योग्य राशि के मापन पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप हानि हो सकती है।

iv. परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ दायित्वों को बीमांकिक मान्यताओं के आधार पर मापा जाता है जिसमें मृत्यु दर और निकासी दर के साथ–साथ छूट दरों में भविष्य के विकास, वेतन वृद्धि की दर और मुद्रास्फीति दर से संबंधित अनुमानएं शामिल हैं। कंपनी का मानना है कि उसके दायित्वों को मापने के लिए उपयोग की जाने वाली अनुमानएं उचित और प्रलेखित हैं। हालांकि, इन अनुमानओं में किसी भी बदलाव का परिणामी गणनाओं पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता है

v. आय

कंपनी आईएंनडी एएस 115 के तहत प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेशों द्वारा संशोधित सीईआरसी द्वारा अनुमोदित टैरिफ दरों के आधार पर ऊर्जा की बिक्री से राजस्व दर्ज करती है। हालांकि, ऐसे मामलों में जहां टैरिफ दरों को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है, अस्थायी दरों को लागू सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अपनाया जाता है

vi. पट्टे कानूनी रूप में नहीं हैं

यह निर्धारित करने में कि क्या किसी व्यवस्था में पट्टा शामिल है, इंड एएस 116 के अनुसार पट्टा लेखा नियमों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होती है। कंपनी द्वारा की गई व्यवस्थाओं का आकलन करने में, प्रबंधन ने अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अधिकार, कानूनी रूप से लागू करने योग्य समझौतों सहित लेनदेन के सार और व्यवस्थाओं के अन्य महत्वपूर्ण नियमों और शर्तों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णय का प्रयोग किया है ताकि यह निश्कर्ष निकाला जा सके कि क्या व्यवस्था इंड एएस 116 के अनुसार मानदंडों को पूरा करती है।

vii. बिक्री के लिए रखी गई संपत्तियाँ

इंड एएस 105 के तहत बिक्री के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों के लेखांकन को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होती है–शबिक्री के लिए रखी गई गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां और बंद किए गए संचालनश। प्रयोज्यता का आकलन करने में, प्रबंधन ने तत्काल बिक्री के लिए परिसंपत्ति की उपलब्धता, बिक्री के लिए प्रबंधन की प्रतिबद्धता और एक वर्ष के भीतर बिक्री की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए निर्णय लिया है ताकि यह निश्कर्ष निकाला जा सके कि क्या उनकी वहन राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री लेनदेन के माध्यम से वसूल की जाएगी।

ix. विनियामक आस्थगित खाता शेष

नियामक स्थगन खाता शेष की मान्यता में भविष्य के टैरिफ नियमों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय शामिल हैं क्योंकि ये भविष्य में टैरिफ के माध्यम से वसूली योग्य/देय होने वाली राशि के अनुमान पर आधारित हैं।

x. प्रावधान और आकस्मिकताएँ

प्रावधानों और आकस्मिकताओं को पहचानने में किए गए आकलन इंड एएस 37–प्रावधान, आकस्मिक देयताऐं और आकस्मिक परिसंपत्तियोंश के अनुसार किए गए हैं। आकस्मिक घटनाओं की संभावना के मूल्यांकन के लिए संभावित नुकसान की संभावना के संबंध में प्रबंधन द्वारा सर्वोत्तम निर्णय की आवश्यकता होती है। यदि अप्रत्याशित घटनाओं के बाद परिस्थितियाँ बदलती हैं, तो यह संभावना बदल सकती है।

xi. आय कर

वर्तमान और आस्थगित कर के प्रावधान को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण अनुमान शामिल हैं, जिसमें अनिश्चित कर स्थितियों के लिए भुगतान/वसूली की अपेक्षित राशि भी शामिल है.

नोट संख्या 2: संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

31 मार्च 2025 तक

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेटब्लॉक	
	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2025 तक
जमीन										
फ्री होल्ड	2,668.73	22,016.32	(2.29)	**24,682.76**	-	-	-	**-**	2,668.73	**24,682.76**
पट्टा होल्ड	8,807.14	-	-	**8,807.14**	3,621.75	217.61	-	**3,839.35**	5,185.39	**4,967.78**
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	9,365.07	1,297.48	-	**10,662.56**	3,159.63	298.36	-	**3,458.00**	6,205.44	**7,204.56**
भवन–स्वतंत्र	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
मुख्य पौधा	1,44,868.33	1,202.56		**1,46,070.89**	40,420.39	4,349.97	-	**44,770.36**	1,04,447.94	**1,01,300.53**
अन्य	30,739.35	2,584.79	-	**33,324.14**	11,403.62	977.88	-	**12,381.51**	19,335.73	**20,942.64**
उपयोग का अधिकार (पट्टाहोल्ड)	1,153.50	237.38	(56.41)	**1,334.47**	298.23	351.72	(22.98)	**626.97**	855.27	**707.50**
अस्थायी इरेक्शन	4,361.66	10.75	(131.11)	**4,241.29**	4,352.39	19.12	(131.11)	**4,240.40**	9.27	**0.90**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	3,058.99	346.60	(5.48)	**3,400.12**	1,214.92	90.68	(2.26)	**1,303.35**	1,844.08	**2,096.77**
रेलवे साइडिंग	10.65	-	-	**10.65**	9.11	0.20	-	**9.31**	1.54	**1.33**
हाइड्रोलिक कार्य, बैराज, बांध, सुरंग और बिजली चौनल	10,31,555.41	3,996.53	-	**10,35,551.94**	2,87,218.40	48,105.81	-	**3,35,324.21**	7,44,337.01	**7,00,227.72**
संयंत्र और उपकरण	7,18,765.98	40,763.41	(1,443.69)	**7,58,085.70**	3,21,675.47	26,094.30	(675.37)	**3,47,094.40**	3,97,090.51	**4,10,991.30**
फर्नीचर और फिक्सर	2,755.36	351.38	(47.39)	**3,059.35**	1,086.14	235.92	(13.20)	**1,308.85**	1,669.23	**1,750.50**
वाहन	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
स्वामित्व में।	763.62	157.06	(1.45)	**919.23**	519.82	44.76	(1.31)	**563.27**	243.80	**355.96**
उपयोग करने का अधिकार	1,983.17	626.93	(540.64)	**2,069.46**	960.87	761.20	(573.96)	**1,148.11**	1,022.30	**921.35**
कार्यालय उपकरण	1,388.51	262.91	(34.11)	**1,617.31**	797.44	48.74	(5.81)	**840.37**	591.08	**776.95**
ईडीपी, डब्ल्यूपी मशीनें और सैटकॉम उपकरण	3,210.20	239.69	(171.10)	**3,278.79**	2,677.77	316.49	(156.83)	**2,837.42**	532.43	**441.37**
निर्माण उपकरण	6,875.31	339.22	(17.32)	**7,197.21**	3,190.44	256.87	(3.02)	**3,444.30**	3,684.87	**3,752.92**
बिजली की स्थापनाएँ	13,578.13	232.04	(11.34)	**13,798.84**	8,247.59	463.89	(10.43)	**8,701.05**	5,330.54	**5,097.79**
संचार उपकरण	473.43	20.97	(6.12)	**488.28**	331.86	10.31	(2.05)	**340.12**	141.57	**148.16**
संचार उपकरण	77.81	2.94	(0.68)	**80.06**	28.16	3.18	(0.45)	**30.89**	49.65	**49.17**
प्रयोगशाला और कार्यशाला उपकरण	231.38	87.97	(0.30)	**319.05**	60.56	10.06	(0.11)	**70.51**	170.82	**248.54**
अन्य उपकरण	1,507.77	253.88	(47.87)	**1,713.77**	757.03	60.12	(31.79)	**785.36**	750.73	**928.40**
कम मूल्य की परिसंपत्तियाँ	382.86	21.22	(7.77)	**396.31**	382.45	10.45	(7.06)	**385.83**	0.41	**10.48**
कुल	**19,88,582.35**	**75,052.03**	**(2,525.07)**	**20,61,109.32**	**6,92,414.04**	**82,727.65**	**(1,637.75)**	**7,73,503.93**	**12,96,168.31**	**12,87,605.38**
प्रावधान के लिए समायोजन	**(3,043.06)**			**(3,043.06)**	**-**				**(3,043.06)**	**(3,043.06)**
निवल कुल	**19,85,539.29**	**75,052.03**	**(2,525.07)**	**20,58,066.26**	**6,92,414.04**	**82,727.65**	**(1,637.75)**	**7,73,503.93**	**12,93,125.25**	**12,84,562.32**

31 मार्च 2025 तक

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				नेटब्लॉक	
	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	1 अप्रैल 2024 तक	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2025 तक
जमीन										
फ्री होल्ड	2,600.25	89.32	(20.85)	**2,668.73**	-	-	-	-	2,600.25	**2,668.73**
पट्टा होल्ड	8,807.13	-	0.00	**8,807.14**	3,404.14	217.61	0.00	**3,621.75**	5,402.99	**5,185.39**
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	8,540.47	810.40	14.21	**9,365.07**	2,858.96	288.69	11.98	**3,159.63**	5,681.51	**6,205.44**
भवन–स्टैंडअलोन		-	-			-	-			
मुख्य पौधा	1,77,661.96	1,536.92	(34,330.55)	**1,44,868.33**	51,932.21	4,407.39	(15,919.21)	**40,420.39**	1,25,729.75	**1,04,447.94**
अन्य	-	3,529.40	27,209.95	**30,739.35**	-	972.64	10,430.98	**11,403.62**	-	**19,335.73**
उपयोग का अधिकार (पट्टाहोल्ड)	249.65	1,032.96	(129.11)	**1,153.50**	65.45	321.45	(88.66)	**298.23**	184.20	**855.27**
अस्थायी इरेक्शन	-	20.67	4,340.98	**4,361.66**	-	22.48	4,329.90	**4,352.39**	-	**9.27**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	-	319.10	2,739.90	**3,058.99**	-	108.37	1,106.55	**1,214.92**	-	**1,844.08**
रेलवे साइडिंग	-	-	10.65	**10.65**	-	0.09	9.02	**9.11**	-	**1.54**
हाइड्रोलिक कार्य, बैराज, बांध, सुरंग और बिजली चौनल	-	59,676.61	9,71,878.80	**10,31,555.41**	-	47,752.99	2,39,465.41	**2,87,218.40**	-	**7,44,337.01**
संयंत्र और उपकरण	16,35,686.92	65,039.15	(9,81,960.09)	**7,18,765.98**	5,38,798.41	28,845.88	(2,45,968.82)	**3,21,675.47**	10,96,888.51	**3,97,090.51**
फर्नीचर और फिक्सर	1,877.39	1,176.23	(298.26)	**2,755.36**	1,181.15	161.74	(256.75)	**1,086.14**	696.24	**1,669.23**
वाहन	-	-	-	**-**	-	-	-	**-**	-	**-**
स्वामित्व में।	795.55	0.24	(32.16)	**763.62**	515.12	33.62	(28.92)	**519.82**	280.43	**243.80**
उपयोग करने का अधिकार	1,586.92	767.81	(371.56)	**1,983.17**	766.52	581.84	(387.49)	**960.87**	820.40	**1,022.30**
कार्यालय उपकरण	7,408.69	288.14	(6,308.31)	**1,388.51**	5,010.30	88.65	(4,301.51)	**797.44**	2,398.39	**591.08**
ईडीपी, डब्ल्यूपी मशीनें और सैटकॉम उपकरण	-	459.77	2,750.43	**3,210.20**	-	262.20	2,415.57	**2,677.77**	-	**532.43**
निर्माण उपकरण	6,987.45	235.33	(347.47)	**6,875.31**	2,987.81	258.50	(55.87)	**3,190.44**	3,999.64	**3,684.87**
बिजली की स्थापनाएँ	2,020.44	705.65	10,852.04	**13,578.13**	1,208.45	635.52	6,403.62	**8,247.59**	811.99	**5,330.54**
संचार उपकरण	-	28.67	444.76	**473.43**	-	11.35	320.52	**331.86**	-	**141.57**
संचार उपकरण	-	7.50	70.31	**77.81**	-	5.94	22.22	**28.16**	-	**49.65**
प्रयोगशाला और कार्यशाला उपकरण	-	54.08	177.29	**231.38**	-	8.04	52.52	**60.56**	-	**170.82**
अन्य उपकरण	216.44	214.83	1,076.49	**1,507.77**	162.20	80.02	514.81	**757.03**	54.24	**750.73**
कम मूल्य की परिसंपत्तियाँ	-	7.68	375.18	**382.86**		21.61	360.84	**382.45**	-	**0.41**
कुल	**18,54,439.26**	**1,36,000.45**	**(1,857.36)**	**19,88,582.35**	**6,08,890.72**	**85,086.61**	**(1,563.30)**	**6,92,414.04**	**12,45,548.54**	**12,96,168.31**
प्रावधान के लिए समायोजन	**(3,043.06)**			**(3,043.06)**				**-**	**(3,043.06)**	**(3,043.06)**
निवल कुल	**18,51,396.20**	**1,36,000.45**	**(1,857.36)**	**19,85,539.29**	**6,08,890.72**	**85,086.61**	**(1,563.30)**	**6,92,414.04**	**12,42,505.48**	**12,93,125.25**

2(i) निर्माण और ओ एंड एम परियोजनाओं की वर्तमान और भविष्य की अचल संपत्तियों को सुरक्षित, प्रतिदेय नॉन–कन्वर्टिबल बॉन्ड जुटाने के लिए गिरवी रखा गया है, चौदहवें से बाईस अंक का मूल्य ₹ 1 90000.00 लाख है, जिसमें आरओसी के साथ चार्ज आईडी ₹ 50000.00 लाख के लिए 10394348, ₹ 50000.00 लाख के लिए 100151868, ₹ 90000.00 लाख के लिए 10603635 है। 279000.00 लाख रुपये का सुरक्षित मध्यम और दीर्घकालिक ऋण। अरुणाचल प्रदेश में पारे जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए केएफडब्ल्यू, जर्मनी से प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण की गारंटी सरकार द्वारा दी जाती है। भारत से।

2(ii) भूमि मुआवजे की वृद्धि के संबंध में 9 भूमि प्रोपराइटरों द्वारा दर्ज किए गए दावे (31.03.2025 तक 303 दावों में से 294 दावों का निपटारा) के कारण मुकदमे के तहत 102.00 लाख रुपये मूल्य की कोपिली स्टेज II के लिए 183.19 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया और मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय के समक्ष लंबित है।

2(iii) निर्माण परियोजनाओं से संबंधित ब्याज और वित्त शुल्क, ₹ 3432.23 लाख (तुलनात्मक अवधि ₹ 4236.46 लाख) (नोट संख्या–34 ख) रिपोर्टिंग तिथि पर विदेशी मुद्रा उधार अन–हेज्ड होते हैं।

2(iv) तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर, 5.00 लाख रुपये और उससे अधिक मूल्य के संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के मानदंडों को पूरा करने वाले घटक और पुर्जों को पीपीई के रूप में मान्यता दी जाती है।

2(v) कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेखों के बारे में प्रकटीकरण इस नोट के अनुलग्नक–I के रूप में प्रदान किया गया है।

2(vi) संचालन के तहत उत्पादन स्टेशनों के संबंध में विनिमय अंतर को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के साथ समायोजित किया जाता है और उधार लागत को सीडब्ल्यूआईपी और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के प्रमुख शीर्षों की लागत में 'जोड़' या कटौती/समायोजन कॉलम के माध्यम से शामिल किया जाता है।

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
	पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल विनिमय अंतर	उधार लेने की लागत पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल है	पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल विनिमय अंतर	उधार लेने की लागत पीपीई/सीडब्ल्यूआईपी में शामिल है
मुख्य संयंत्र भवन	33.76	-	22.40	-
हाइड्रोलिक कार्य, जलाशय, बांध, सुरंग	225.49	-	144.88	-
संयंत्र और उपकरण	84.08	-	55.23	-
लंबित आवंटन सहित अन्य	-	4,102.74	-	4,236.46
कुल	**343.33**	**4,102.74**	**222.51**	**4,236.46**

2(vii) संयंत्र और मशीनरी की शुद्ध वहन मात्रा में शामिल हैं:

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वित्त पट्टों के तहत रखी गई परिसंपत्तियाँ		
लागत	-	-
संचित मूल्यह्रास और हानि	-	-
शुद्ध वहन राशि	-	-
स्वामित्व वाली संपत्तियाँ	12,82,933.47	12,91,247.70
शुद्ध वहन राशि	**12,82,933.47**	**12,91,247.70**

उपरोक्त पीपीई (स्वामित्व वाली संपत्ति) की शुद्ध वहन राशि में इंड एएस 116 के अनुसार 1004.60 लाख रुपये (पिछले वर्ष 939.38 लाख रुपये) की पुस्तकों में मान्यता प्राप्त उपयोग का अधिकार (भवन और वाहन) के तहत संपत्ति शामिल नहीं है

2(viii) वर्ष के लिए सकल ब्लॉक और मूल्यह्रास से कटौती/समायोजन में शामिल हैं

(₹ लाख में)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए सकल ब्लॉक		समाप्त वर्ष के लिए मूल्यह्रास	
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
परिसंपत्तियों का निपटान	(88.34)	(566.44)	(70.32)	(506.56)
परिसंपत्तियों की सेवानिवृत्ति	(301.41)	(57.97)	(283.13)	(48.48)
विनिमय अंतर के कारण लागत समायोजन	-	222.51	-	-
पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ पूंजीकृत परिसंपत्तियाँ/अतिरिक्त पूंजीकरण को वापस लिखें	(1449.11)	(837.34)	(671.46)	(511.12)
अन्य	(686.20)	(618.12)	(612.84)	(497.14)
कुल	**(2525.06)**	**(1857.36)**	**(1637.75)**	**(1563.30)**

संलग्नक–I

अनुलग्नक–I से नोट 2 (v) 31 मार्च 2025 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेख

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹लाख में)	के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक का प्रवर्तक, निदेशक या रिश्तेदार हो */निदेशक या प्रवर्तक / निदशक का कर्मचारी हो	किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण * *
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण – मुक्त भूमि	**निपको परियोजना–कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन–स्टेज II के लिए पश्चिम जंतिया हिल्स, मेघालय में 183.19 हेक्टेयर भूमि**	102.00	9 नंबर याचिकाकर्ता का	नहीं	10.09.1984	यह भूमि 9 भूमि प्रोपराइटरों द्वारा भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए किए गए दावे के कारण मुकदमे के अधीन है। यह मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतई हिल्स, मेघालय के पास लंबित है
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–भूमि	**लैटकोर (मेघालय) में 1.88 एकड़ भूमि**	-	कृपया नीचे टिप्पणी देख *	नहीं		

लैटकोर (मेघालय) में स्थित 1.88 एकड़ की भूमि नीपको के स्वामित्व में है।

अनुलग्नक–I से नोट 2 (v) 31 मार्च 2024 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई अचल संपत्तियों के स्वामित्व विलेख

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹लाख में)	के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक का प्रवर्तक निदेशक या रिश्तेदार हो */निदेशक या प्रवर्तकधनिदेशक का कर्मचारी हो	किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण * *
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–मुक्त भूमि	निपको परियोजना–कोपिली हाइड्रो पावर स्टेशन–स्टेज II के लिए पश्चिम जंतिया हिल्स, मेघालय में 183.19 हेक्टेयर भूमि	452.68	श्रीमती इबिल डखर और अन्य (संख्या 160)। याचिकाकर्ता का)	नहीं	10.09.1984	यह भूमि 58 भूमि प्रोपराइटर ों द्वारा भूमि मुआवजे में वृद्धि के लिए किए गए दावे के कारण मुकदमे के अधीन है। यह मामला विशेष न्यायाधीश (न्यायिक) पश्चिम जयंतई हिल्स, मेघालय के पास लंबित है
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–मुक्त भूमि	15633.50 वर्ग किमी. तेजू (अरुणाचल प्रदेश) में एम भूमि	-				

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	संपत्ति की वस्तु का विवरण	सकल वहन मूल्य (श्लाख में)	के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक का प्रवर्तक निदेशक या रिश्तेदार हो */निदेशक या प्रवर्तकघनिदेशक का कर्मचारी हो	किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण **
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण–भूमि	लैटकोर (मेघालय) में 1.88 एकड़ भूमि	-	लैटकोर (मेघालय) में 1.88 एकड़ भूमि	नहीं		

लैटकोर (मेघालय) में स्थित 1.88 एकड़ की भूमि नीपको के स्वामित्व में है।

नोट संख्या. 3 सीडबल्यूआईपी का विवरण

31 मार्च 2025 तक

विवरण	1 अप्रैल 2024 को खुला	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	अवधि के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2025 तक
भूमि का विकास	-	3,750.00	-	-	**3,750.00**
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	472.00	1,257.77	(1.36)	(867.44)	**860.97**
मुख्य पादप भवन	14.18	227.01	-	(227.01)	**14.18**
अन्य इमारतें	391.70	1,565.18	-	(1,250.80)	**706.08**
सीडबल्यूआईपी–पट्टाहोल्ड इमारतें	-	-	-	-	**-**
अस्थायी इरेक्शन	-	-	-	-	**-**
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	11.21	119.16	(30.24)	(54.26)	**45.87**
रेलवे सा।इडिंग	-	-	-	-	**-**
बांध, डाइक, जलाशय और अन्य हाइड्रोलिक कार्य	4,767.28	8,692.41	-	(2,754.15)	**10,705.54**
संयंत्र और मशीनरी	25,409.91	9,708.79	(0.14)	(26,293.66)	**8,824.90**
फर्नीचर और फिक्स्चर	-	-	-	-	**-**
कार्यालय के अन्य उपकरण	-	-	-	-	**-**
ईडीपी डब्ल्यूपी सैटकॉम	-	-	-	-	**-**
निर्माण उपकरण	-	-	-	-	**-**
बिजली के उपकरण	-	854.39	-	(172.16)	**682.23**
संचार उपकरण	-	-	-	-	**-**
पूंजीगत व्यय कंपनी के स्वामित्व में नहीं है	-	-	-	-	**-**
अन्य उपकरण	8.74	249.28	-	(17.41)	**240.61**
पाइलिंग और फाउंडेशन	-	-	-	-	**-**
अन्य सिविल कार्य	249.57	1,260.61	-	(1,494.40)	**15.78**
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	-	-	-	-	**-**
सर्वेक्षण और जांच	1,442.63	-	-	-	**1,442.63**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	32,568.76	15,208.38	-	(7,561.09)	40,216.05
	65,335.98	**42,892.98**	**(31.74)**	**(40,692.38)**	**67,504.84**
सीडबल्यूआईपी के लिए प्रावधान ख्संदर्भ नोट 3 (**V**),	1,024.45	-	26.57	-	**1,051.02**
निर्माण की दुकानें	2,170.96	136.83	(1,625.07)	-	682.72
कुल	**66,482.49**	**43,029.81**	**(1,683.38)**	**(40,692.38)**	**67,136.54**

31 मार्च 2024 तक

विवरण	1 अप्रैल 2023 को खोला जा रहा है	अवधि के दौरान जोड़	अवधि के दौरान समायोजन	अवधि के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2024 तक
भूमि का विकास	-				-
सड़कें, पुल, पुलिया और हेलीपैड	0.99	933.05	13.44	(475.48)	**472.00**
मुख्य पादप भवन	393.65	96.42	(88.13)	(387.76)	**14.18**
अन्य इमारतें	424.69	1,247.32	47.07	(1,327.38)	**391.70**
सीडबल्यूआईपी–पट्टाहोल्ड इमारतें	-	-	-	-	-
अस्थायी इरेक्शन	-	-	-	-	-
जल आपूर्ति, जल निकासी और सीवरेज	185.97	35.27	(92.80)	(117.23)	**11.21**
रेलवे सा।इडिंग	-	-	-	-	-
बांध, डाइक, जलाशय और अन्य हाइड्रोलिक कार्य	36,344.97	13,903.51	1,603.39	(47,084.59)	**4,767.28**
संयंत्र और मशीनरी	45,306.06	26,064.38	(2,708.59)	(43,251.94)	**25,409.91**
फर्नीचर और फिक्स्चर	-	-	-	-	-
कार्यालय के अन्य उपकरण	-	726.77	-	(726.77)	-
ईडीपी डब्ल्यूपी सैटकॉम	-	-	-	-	-
निर्माण उपकरण	-	-	33.76	(33.76)	-
बिजली के उपकरण	77.53	421.77	(38.74)	(460.56)	-
संचार उपकरण	-	-	-	-	-
पूंजीगत व्यय कंपनी के स्वामित्व में नहीं है	-	-	-	-	-
अन्य उपकरण	-	-	34.96	(26.22)	**8.74**
पाइलिंग और फाउंडेशन	-	-	-	-	-
अन्य सिविल कार्य	79.23	364.36	(79.22)	(114.80)	**249.57**
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	-	-	-	-	-
सर्वेक्षण और जांच	1,828.78	-	(386.15)	-	**1,442.63**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	27,432.11	26,678.58	(599.96)	(20,941.97)	**32,568.76**
	1,12,073.98	**70,471.43**	**(2,260.97)**	**(1,14,948.46)**	**65,335.98**
सीडबल्यूआईपी के लिए प्रावधान ख्संदर्भ नोट 3 (V),	1,709.50	-	(685.05)	-	**1,024.45**
निर्माण की दुकानें	3,829.96	826.14	(1,754.73)	(730.41)	**2,170.96**
कुल	**1,14,194.44**	**71,297.57**	**(3,330.65)**	**(1,15,678.87)**	**66,482.49**

3 (i) सीडबल्यूआईपी वृद्धावस्था अनुसूची

(₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2025 तक				
	की अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				Total
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	20,746.47	9,090.56	36,402.72	860.16	**67,099.91**
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

3 (ii) सीडबल्यूआईपी वृद्धावस्था अनुसूची (₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2024 तक				
	की अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	की अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि	1–2 वर्ष	ब	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	50,788.68	13,030.46	739.33	1,924.02	**66,482.49**
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3 (iii) सीडबल्यूआईपी समापन अनुसूची–जिसका पूरा होना अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है। (₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2025 तक में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियां: '				
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3(iv): सीडबल्यूआईपी समापन अनुसूची–जिसका पूरा होना अतिदेय है या इसकी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है (₹ लाख में)

सीडब्ल्यूआईपी	31 मार्च 2024 तक में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियां: '				
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजना	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* वाणिज्यिक संचालन में बिजली संयंत्रों के लिए पूंजीगत कार्यों के तहत परिसंपत्तियां प्रगति पर हैं

3 (v) बट्टेबाजी का प्रावधान

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
भवन (मुख्यालय)	0.27	0.27
भवन (तुईरियल एचईपी)	-	-
जलापूर्ति, सीवरेज और जल निकासी (तुईरियल एचईपी)	-	-
पर्यावरण और पारिस्थितिकी (टिपाईमुख एचईपी)	-	-
सर्वेक्षण और जांच		
तिपाईमुख एचईपी	-	-
सियांग एचईपी	246.45	246.45
सलीम एचईपी	-	-
तुइवाई एचईपी	-	-
गारो हिल्स तापीय परियोजना	-	-
मार्गेरिटा एचईपी	-	-
रोखिया और बारामुरा जीटी पावर प्लांट		
गुमती एचईपी	-	-
डब्ल्यूके हिल्स एचईपी		
लेह और कारगिल एचईपी	44.95	44.95
केएचईपी	43.90	17.33
किलिंग एचईपी	-	-
बंदू एचईपी	-	-
रंगित एचईपी		
सौर ऊर्जा		
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय		
तिपाईमुख एचईपी	-	-
बिचोम बेसिन	253.53	253.53
किलिंग एचईपी		
सियांग एचईपी	461.92	461.92
कुल	**1,051.02**	**1,024.45**

नोटः लेह और कारगिल एचईपी प्रावधान ईआरपी/एसएपी में मुख्यालय लाभ केंद्र 1400081000 में शेष राशि शामिल

नोट संख्या 4 अमूर्त संपत्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वहन मात्राएँ:		
सॉफ्टवेयर	425.68	528.88
उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	7,296.09	7,504.43
कुल	**7,721.77**	**8,033.31**

31 मार्च 2025 तक

(₹ लाख में)

विवरण	सॉफ्टवेयर	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	कुल
1 अप्रैल, 2024 को सकल ब्लॉक	2,499.87	8,386.87	10,886.74
जोडियाँ	402.26	-	402.26
अवधि के लिए समायोजन	-	-	-
31 मार्च, 2025 को सकल ब्लॉक	**2,902.13**	**8,386.87**	**11,289.00**
1 अप्रैल, 2024 को संचित हानि			
अवधि के लिए शुल्क			
31 मार्च, 2024 को संचित हानि			
1 अप्रैल, 2024 को संचित परिशोधन	1,970.99	882.44	2,853.43
अवधि के लिए शुल्क	505.46	208.34	713.80
अवधि के लिए समायोजन	-	-	-
31 मार्च, 2025 को संचित परिशोधन	**2,476.45**	**1,090.78**	**3,567.23**
31 मार्च, 2025 तक कुल संचयी परिशोधन और हानि	**2,476.45**	**1,090.78**	**3,567.23**
31 मार्च, 2025 को नेट ब्लॉक	**425.68**	**7,296.09**	**7,721.77**

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

विवरण	सॉफ्टवेयर	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	कुल
1 अप्रैल, 2023 को सकल ब्लॉक	2,418.60	8,386.87	10,805.47
जोड़ियाँ	86.13	-	86.13
अवधि के लिए समायोजन	(4.86)	-	(4.86)
31 मार्च, 2024 को सकल ब्लॉक	**2,499.87**	**8,386.87**	**10,886.74**
1 अप्रैल, 2023 को संचित हानि			
अवधि के लिए शुल्क			
31 मार्च, 2024 को संचित हानि			
1 अप्रैल, 2023 को संचित परिशोधन	1,466.73	674.10	2,140.83
अवधि के लिए शुल्क	509.12	208.34	717.46
अवधि के लिए समायोजन	(4.86)	-	(4.86)
31 मार्च, 2024 को संचित परिशोधन	**1,970.99**	**882.44**	**2,853.43**
31 मार्च, 2024 तक कुल संचित परिशोधन और हानि	**1,970.99**	**882.44**	**2,853.43**
31 मार्च, 2024 को नेट ब्लॉक	**528.88**	**7,504.43**	**8,033.31**

4 (i) परियोजनाओं (कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, पारे हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट और तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट) की स्थापना के लिए कब्जे/उपयोग (5967.24 हेक्टेयर) में वन भूमि के लिए भुगतान किए गए मुआवजे को उपयोग का अधिकार माना जाता है।

4 (ii) वार्षिक रूप से देय सॉफ्टवेयर प्रणाली के रखरखाव पर होने वाला खर्च राजस्व से लिया जाता है।

4 (iii) कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई पट्टा भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन के बारे में प्रकटीकरण इस नोट के अनुलग्नक–I के रूप में प्रदान किया गया है।

अनुलग्नक–I से नोट 4 (iii) पट्टाधारक भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन/31 मार्च 2025 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई भूमि का उपयोग करने का अधिकार

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)
संपत्ति की वस्तु का विवरण	5380 हेक्टेयर	552.24 हेक्टेयर	35.17 हेक्टेयर
सकल वहन मूल्य (₹लाख में)	1933.25	5,389.40	1,064.23
के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	मिज़ोरम सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार
चाहे स्वामित्व विलेख धारक एक प्रवर्तक, निदेशक या रुका रिश्तेदार है	नहीं	नहीं	नहीं
प्रवर्तक/निदेशक या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी	16.03.2000	मई 2005	नवंबर 2009
किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	वन भूमि	वन भूमि	वन भूमि
कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण			

अनुलग्नक–I से नोट 4 (iv) पट्टाधारक भूमि के संबंध में स्वामित्व विलेख/पट्टा विलेख/उत्परिवर्तन/31 मार्च 2024 तक कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई भूमि का उपयोग करने का अधिकार

बैलेंस शीट में प्रासंगिक पंक्ति वस्तु	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)	उपयोग का अधिकार (वन भूमि)
संपत्ति की वस्तु का विवरण	5380 हेक्टेयर	552.24 हेक्टेयर	35.17 हेक्टेयर
सकल वहन मूल्य (₹लाख में)	1933.25	5,389.40	1,064.23
के नाम पर आयोजित स्वामित्व विलेख	मिज़ोरम सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार	अरुणाचल प्रदेश सरकार
चाहे स्वामित्व विलेख धारक प्रवर्तक, निदेशक या प्रवर्तक/निदेशक का रिश्तेदार हो या प्रवर्तक/निदेशक का कर्मचारी हो	नहीं	नहीं	नहीं
किस दिनांक से रखी गई संपत्ति	16.03.2000	मई 2005	नवंबर 2009
कंपनी के नाम पर न रखे जाने का कारण	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई	उपयोग का अधिकार मोड पर वन भूमि प्रदान की गई

नोट संख्या 4ए विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

31 मार्च 2025 तक

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2024 तक	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रसंस्करण शुल्क सहित अग्रिम प्रीमियम	10,096.00	-		-	10,096.00	10,096.00
सॉफ्टवेयर	28.32	309.72	-	338.04	-	28.32
	10,124.32	**309.72**	**-**	**338.04**	**10,096.00**	**10,124.32**
कम: छूट का प्रावधान	10,000.00				10,000.00	10,000.00
कुल	**124.32**	**309.72**	**-**	**338.04**	**96.00**	**124.32**

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2024 तक	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकृत	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2023 तक
प्रसंस्करण शुल्क सहित अग्रिम प्रीमियम	10,096.00	-		-	10,096.00	10,096.00
सॉफ्टवेयर		71.15	-	42.83	28.32	-
	10,096.00	**71.15**	**-**	**42.83**	**10,124.32**	**10,096.00**

कम: छूट का प्रावधान	10,000.00				10,000.00	10,000.00
कुल	**96.00**	**71.15**	**-**	**42.83**	**124.32**	**96.00**

क. विकास एजिंग अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2025 तक				
	की अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	-	-	96.00	-	96.00
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

ख. विकास एजिंग अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ लाख में)

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2024 तक				
	की अवधि के लिए विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियों में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं चल रही हैं	28.32	96.00	-	-	124.32
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	

ग. विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां–जिनका पूरा होना अतिदेय है या अपनी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2025 तक में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर परियोजनाएं/परिसंपत्तियाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

घ. विकास पूर्णता अनुसूची के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां–जिनका पूरा होना अतिदेय है या अपनी मूल योजना की तुलना में इसकी लागत से अधिक है।

विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	31 मार्च 2025 तक में पूरा किया जाना है				
	1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
परियोजनाएं प्रगति पर हैं *	28.32	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
परियोजनाएं अस्थायी रूप से स्थगित	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* एस.ए.पी ई.आर.पी नीपको में कार्यान्वयन के अधीन था।

नोट संख्या 5: सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक		31 मार्च, 2024 तक	
	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
उद्धृत निवेश				
कुल समग्र उद्धृत निवेश (क)				
अउद्धृत निवेश (सभी पूर्णतः चुकता)				
इक्विटी उपकरणों में निवेश				
– संयुक्त उद्यमों के – संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएँ				
– केएसके डिबिन हाइड्रो पावर (इक्विटी शेयर पूर्णतः चुकता)	27930000	3,237.91	27930000	3238.00
कुल समग्र अउद्धृत निवेश (ख)	**27930000**	**3,237.91**	**27930000**	**3,238.00**
अन्य निवेश				
कुल अन्य निवेश (ग)	-	-	-	-
कुल निवेश (क)+(ख)+(ग)	**27930000**	**3,237.91**	**27930000**	**3,238.00**
घटाएँरू निवेशों के मूल्य में कुल हानि राशि		2,793.00		2,793.00
– संयुक्त उद्यमों के – संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएँ				
कुल हानि मूल्य (घ)				
कुल निवेश वहन मूल्य (क)+(ख)+(ग)+(घ)	**27930000**	**444.91**	**27930000**	**445.00**

संयुक्त उद्यमों में निवेश

(i) अउद्धृत निवेशों की वहन राशि और बाजार मूल्य इस प्रकार है:

कंपनियों का नाम	स्वामित्व हित का अनुपात	
	31.03.2025	31.03.2024
केएसके डिबिन हाइड्रो पावर	30%	30%

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
(क) गैर उद्धृत		
अउद्धृत निवेशों की वहन राशि और बाजार मूल्य इस प्रकार है:	444.91	445.00
कुल वहन राशि	**444.91**	**445.00**

5(i) गैर–उद्धृत निवेशों की लागत उचित मूल्य के लगभग बराबर होती है, क्योंकि उचित मूल्य माप की एक व्यापक श्रृंखला उपलब्ध होती है और लागत उस सीमा के भीतर उचित मूल्य के अनुमान को दर्शाती है।

5(ii) **केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर में निवेशः**– अरुणाचल प्रदेश में एक हाइड्रो पावर प्लांट की स्थापना के लिए केएसके एनर्जी वेंचर्स और नीपको लिमिटेड के बीच संयुक्त उद्यम।

5(iii) समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस) नीपको द्वारा नियुक्त नामित निदेशकों के माध्यम से संयुक्त उद्यम कंपनी से प्राप्त अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर तैयार किया गया है।

नीपको, संयुक्त उद्यम कंपनी मेसर्स केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न संभावनाओं और अवसरों की खोज कर रही है, जिसमें किए गए निवेश में निगम (नीपको) के हितों की रक्षा के लिए कानूनी विशेषज्ञों की नियुक्ति भी षामिल है। हालाँकि, कंपनी की अंतर–अनुशासनात्मक समिति द्वारा देखी गई परियोजना की वर्तमान स्वरूप में व्यावसायिक अव्यवहार्यता को देखते हुए, उक्त निवेश के लिए समतुल्य राशि का प्रावधान किया गया है।

नोट संख्या 6: ऋण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
कर्मचारियों के लिए ऋण और अग्रिम		
– सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
– असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	31.35	40.02
– जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-
– कर्ज में कमी		
कम: खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	-	-
कुल	**31.35**	**40.02**

6 (i) कर्मचारियों को दिए जाने वाले ऋण और अग्रिमों में ब्याज वाले कंप्यूटर अग्रिम शामिल हैं। कर्मचारियों से 60 समान किश्तों में कंप्यूटर अग्रिम की वसूली की जाती है।

6 (ii) 31.03.2025 (पिछले वर्ष शून्य) को कंपनी के निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों से कोई बकाया ऋण नहीं है।

6 (iii) उपरोक्त ऋण और अग्रिम निगम के मानदंडों के अनुसार वसूली योग्य आधार पर दिए गए हैं।

नोट संख्या 7 आस्थगित कर शेष

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
आस्थगित कर देयता		
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	1,82,002.44	1,69,320.94
कम: आस्थगित कर परिसंपत्ति		
अवशोषित अवमूल्यन **{संदर्भ नोट 7 (i)}**	24,388.01	34,141.68
प्रावधान	10,703.50	10,143.16
वैधानिक देय राशि	183.17	126.31
नकदीकरण छोड़	5,868.62	5,825.31
एमएटीक्रेडिट पात्रता **{संदर्भ नोट 7 (ii)}**	34,464.15	24,525.30
अन्य नोट **{संदर्भ नोट 7 (iii)}**	154.17	1,118.96
जेवी कंपनी का निर्दिष्ट कर	94.00	94.03
और कर (परिसंपत्ति)/देयता को स्थगित करें	**1,06,334.82**	**93,534.25**

31.03.2025 को आस्थगित कर

(₹ लाख में)

आस्थगित कर सुलह	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक	पीएल में प्रभाव
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर देयता	(1,82,002.44)	(1,69,320.94)	12,681.50
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर परिसंपत्ति	75,667.62	75,786.69	119.07
निवल आस्थगित कर देयता	(1,06,334.82)	(93,534.25)	12,800.57
आई इंड एएस के अनुसार निवल (देयता)/परिसंपत्ति	(1,06,334.82)	(93,534.25)	12,800.57
पीएल में प्रभाव			**12,800.57**

31.03.2024 को आस्थगित कर

(₹ लाख में)

आस्थगित कर सुलह	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक	पीएल में प्रभाव
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर देयता	(1,69,320.94)	(1,51,326.48)	17,994.46
आईएंनडी एएस के अनुसार आस्थगित कर परिसंपत्ति	75,786.69	52,445.08	(23,341.61)
निवल आस्थगित कर देयता	(93,534.25)	(98,881.40)	(5,347.15)
आई इंड एएस के अनुसार निवल (देयता)/परिसंपत्ति	(93,534.25)	(98,881.40)	(5,347.15)
पीएल में प्रभाव			**(5,347.15)**

7 (i) नीपको बिजली उत्पादन और बिक्री के व्यवसाय में है। कंपनी के विभिन्न बिजली संयंत्रों द्वारा उत्पन्न बिजली को दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों के तहत विभिन्न लाभार्थियों को बेचा जाता है। उत्पादन स्टेशनों के लिए शुल्क केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर "लागत प्लस आधार" पर जारी किए गए सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुपालन में निर्धारित किए जाते हैं। नीपको के लाभार्थियों पर बिलिंग के लिए सीईआरसी द्वारा निर्धारित टैरिफ के साथ–साथ भारत में प्रचलित बिजली बाजार और उत्पादन स्टेशनों के संयंत्र प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए, यह उम्मीद की जाती है कि भविष्य के वर्षों में कंपनी को पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

आईएंनडी एएस 12–आयकर के अनुपालन में, कंपनी ने "गैर–अवशोषित मूल्यह्रासष के संबंध में 31.03.2025 को समाप्त वर्ष तक 24,388.01 लाख रुपये की आस्थगित कर संपत्ति (डीटीए) को इस बात के ठोस साक्ष्य के साथ मान्यता दी है कि भविष्य में पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगी, जिसके खिलाफ इस तरह के डीटीए की प्राप्ति की जा सकती है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 9,753.67 लाख रुपये की राशि के समायोजन पर, 31.03.2025 को "अनबसबेड मूल्यह्रास" के संबंध में डीटीए 24,388.01 लाख रुपये है। कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 143 (1) के तहत आदेश/सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें आयकर अधिकारियों ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और दाखिल किए गए आयकर रिटर्न के बीच विसंगति के कारण एक अतिरिक्त किया है, जिसके परिणामस्वरूप 7046 लाख रुपये (2462.15 लाख रुपये का डीटीए) की राशि में कमी आई है। आकलन वर्ष 2021–22 और आकलन वर्ष 2023–24 के लिए क्रमशः 2328 लाख (813.50 लाख रुपये का डीटीए)। हालांकि, कंपनी की मजबूत राय है कि परिवर्धन केवल तकनीकी त्रुटियों के कारण किए गए थे और एक अनुकूल आदेश नियत समय में पारित किया जाएगा।

7 (ii) 31.03.2025 को कंपनी के लिए उपलब्ध एमएटी क्रेडिट की राशि ₹34,464.15 लाख (पिछले वर्ष ₹ 24525.30 लाख) है, जो धारा 115 जेएए के तहत टैक्स क्रेडिट की गणना के अनुसार राशि है।

7 (iii) नोट सं. 7, में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (पी. आर. एम. बी.) और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वर्ण सिक्का प्रदान करने के प्रावधान पर बनाई गई आस्थगित कर परिसंपत्तियां शामिल हैं।

7 (iv) विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या 48 का संदर्भ लें।

आस्थगित कर शेष में उतार–चढ़ाव

(₹ लाख में)

31 मार्च 2025 तक

विवरण	1 अप्रैल 2024 तक	लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त	ओसीई में मान्यता प्राप्त	अन्य	31 मार्च 2025 तक
आस्थगित कर देयता					
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	1,69,320.94	12,681.50			1,82,002.44
कम: आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	-				
अवशोषित मूल्यह्रास नहीं	34,141.68	(9,753.67)			24,388.01
प्रावधान	10,143.16	560.34			10,703.50
वैधानिक देय राशि	126.31	56.86			183.17
नकदीकरण छोड़ें	5,825.31	43.31			5,868.62
एमएटीऋण पात्रता	24,525.30	9,938.85			34,464.15
अन्य	1,118.96	(964.79)			154.17
जेवी कंपनी का आस्थगित कर	**94.03**	**(0.03)**			94.00

31 मार्च 2024 तक

(₹ लाख में)

विवरण	1 अप्रैल 2023 तक	लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त	ओसीई में मान्यता प्राप्त	अन्य	31 मार्च 2024 तक
आस्थगित कर देयता					
पुस्तक मूल्यह्रास और कर मूल्यह्रास में अंतर	1,51,326.48	17,994.46	-	-	1,69,320.94
कम: आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	-			-	
अवशोषित मूल्यह्रास नहीं	35,550.49	(1,408.81)	-	-	34,141.68
प्रावधान	10,278.85	(135.69)	-	-	10,143.16
वैधानिक देय राशि	-	126.31	-	-	126.31
नकदीकरण छोड़ें	5,728.29	97.02	-	-	5,825.31
एमएटीऋण पात्रता		24,525.30			24,525.30
अन्य	980.90	138.06			1,118.96
जेवी कंपनी का आस्थगित कर	93.45	0.58			94.03
शुद्ध कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएँ	**98,881.40**	**(5,347.15)**	**-**	**-**	**93,534.25**

नोट संख्या 8 अन्य गैर–वर्तमान आस्तियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
पूंजी अग्रिम		
सुरक्षित:		
असुरक्षित:		
बैंक गारंटी द्वारा कवर किया गया **{संदर्भ नोट 8 (i),}**	12,278.17	12,278.17
अन्य नोट 8 **{संदर्भ नोट 8 (iii),}**	47,433.25	27,479.59
संदिग्ध माना जाता है	255.22	255.22
कम: खराब और संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ते	255.22	255.22
कुल	**59,711.42**	**39,757.76**
अन्य:		
अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	826.57	913.90
कम: अग्रिमों पर अर्जित खराब और संदिग्ध ब्याज के लिए भत्ते	(826.57)	-
अग्रिम कर वापसी योग्य **{संदर्भ नोट 8 (ii),}**	2,858.30	2,858.30
कुल	**62,569.72**	**43,529.96**

8(i) पूंजी अग्रिमों में परियोजनाओं के संबंध में एस्क्रो खाते में जमा किए गए मोबिलाइजेशन एडवांस और मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ अग्रिम शामिल हैं।

8(ii) आय वर्ष 2015–16, आय वर्ष 2016–17, आय वर्ष 2018–19 से संबंधित कर वापसी योग्य क्रमश: ₹ 439.85 लाख, ₹ 872.26 लाख और ₹ (1597.55) लाख हैं, जिनके लिए आयकर अधिकारियों के पास प्रभाव देने वाले अपील आदेश लंबित हैं। आकलन वर्ष 2020–21 के लिए रिफंडेबल टैक्स की राशि ₹ 2628.90 आयकर अधिकारियों के समक्ष अपील के लिए लंबित है। आय वर्ष 2009–10, आय वर्ष 2011–12 से आय वर्ष 2014–15 और आय वर्ष 2021–22 से संबंधित कर वापसी की राशि ष्विवाद से विश्वास योजनाष् के तहत क्रमश: 4.87 लाख, 3.13 लाख, 153.60 लाख और 19.07 लाख और अन्य 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के दौरान क्रमश: 333.48 लाख और 0.69 लाख रुपये आंकी गई है।

8(iii) अन्य में ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को भूमि और अन्य अग्रिमों के लिए अग्रिम शामिल हैं।

8(iv) 31.03.2025 को निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों को अग्रिम राशि शून्य (पिछले वर्ष शून्य) है

नोट संख्या 9 इन्वेंट्री (लागत या शुद्ध प्राप्य मूल्य से कम पर)

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
चालू दुकानें:		
दुकानें और पुर्जे	12,361.04	10,737.61
उपभोग्य वस्तुएँ	1,188.98	815.67
अन्य	958.28	904.07
अप्रचलित/स्क्रैप	761.03	812.73
कुल	**15,269.33**	**13,270.08**
कम:: कमी के लिए प्रावधान		
अप्रचलित/अनुपयोगी वस्तुओं के लिए प्रावधान	761.03	812.73
कुल भंडार	**14,508.30**	**12,457.35**
ऊपर शामिल, माल–पारगमन		
दुकानें और पुर्जे	-	-
पारगमन में कुल माल	-	-

9 (i) सुरक्षित, कार्यशील पूंजी मांग ऋण ₹ 35052.32 लाख (पिछले वर्ष ₹ 22056.76 लाख) का भंडारों और कलपुर्जों के स्टॉक के परिकल्पना के विरुद्ध और कंपनी के बही ऋण से आहरण की सीमा तक आहरण किया गया था।

9 (ii) कंपनी नियामक वातावरण में काम कर रही है और सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार, ईंधन और अन्य इन्वेंट्री वस्तुओं की लागत मौजूदा टैरिफ विनियमों के अनुसार वसूल की जाती है। तदनुसार, इन्वेंट्री का वास्तविक मूल्य लागत से कम नहीं है। स्टोर और पुर्जों में मरम्मत

9 (iii) स्कार्प/ओबोसलेट स्टोर और इन्वेंट्री

(₹ लाख में)

संयंत्र/परियोजना/कार्यालय	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अगरतला जीबीपीएस	168.87	168.87
कोपिली एचपीएस	445.91	445.91
पीएलएचपीएस	82.74	82.74
तुईरियल एचपीएस	63.51	115.21
कुल	**761.03**	**812.73**
कम: प्रावधान	761.03	812.73

नोट संख्या 10: व्यापार प्राप्य

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
व्यापार प्राप्तियों को अच्छा माना जाता है–सुरक्षित व्यापार प्राप्तियां अच्छी मानी जाती हैं–असुरक्षित व्यापार प्राप्तियां जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है संदिग्ध ऋणों के लिए छूट बड़ पैमाने पर प्राप्य–ऋण बाधित	57,280.59	83,664.74
कुल	**57,280.59**	**83,664.74**

10(i) व्यापार प्राप्य, बेचे गए माल या व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में देय राशि है।

10(ii) जहां कोई नियत दिनांक पर विशेष रूप से सहमति नहीं है, कंपनी द्वारा दी गई सामान्य क्रेडिट अवधि सीईआरसी नियमों/मार्गदर्शन के अनुपालन में है।

10(iii) जहां प्राप्य व्यापार का प्रावधान किया गया है, वहां ऐसा प्रावधान विवेक द्वारा निर्धारित किया जा सकता है, लेकिन कोई भी अभी भी बैलेंस शीट की दिनांक से 12 महीने के भीतर राशि प्राप्त करने की उम्मीद कर सकता है। ऐसी परिस्थितियों में, उक्त प्राप्य व्यापार को वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, जहां अगले बारह महीने की अवधि के भीतर राशि प्राप्त करने की कोई उम्मीद नहीं है, वहां उसे गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करने की आवश्यकता है, इसके लिए किए गए प्रावधान के साथ, यदि कोई हो।

व्यापार प्राप्य वृद्धावस्था

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक							
	बिना बिल वाला	देय नहीं (अर्थात., 45 दिनों तक)	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					
			झ 45 दिन से 6 महीने से कम	6 महीने से 01 वर्ष	01 वर्ष से 02 वर्ष	02 वर्ष से 03 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
क.	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ.= ख से जं
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	20,957.05	11,510.98	4,396.10	7,274.46	(0.17)	2,773.73	-	46,912.15
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुएं							10,368.44	10,368.44
(ड़) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
कुल	20,957.05	11,510.98	4,396.10	7,274.46	(0.17)	2,773.73	10,368.44	57,280.59

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2024 तक							
	बिना बिल वाला	देय नहीं (अर्थात., 45 दिनों तक)	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					
			झ 45 दिन से 6 महीने से कम	6 महीने से 01 वर्ष	01 वर्ष से 02 वर्ष	02 वर्ष से 03 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
क.	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ.= ख से जं
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	41,639.19	20,052.17	6,966.97	(106.39)	(106.41)			**68,445.53**
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुएं				2,189.74	2,660.28		10,369.19	**15,219.21**
(इ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।								-
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित								-
कुल	**41,639.19**	**20,052.17**	**6,966.97**	**2,083.35**	**2,553.87**	**-**	**10,369.19**	**83,664.74**

10 (v) विवादित व्यापार प्राप्तियों पर नोट्स

(क) विवादित व्यापार प्राप्तियों में शामिल हैं। (i) प्रभावी कर दर के कारण प्रतिपूर्ति के दावे के विरुद्ध ₹ 431.94 लाखय (ii) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर भिन्नता (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के दावे के विरुद्ध ₹ 1399.45 लाखय (iii) वर्ष 2017–18 और 2018–19 के लिए सीईआरसी द्वारा टीजीबीपीएस के टैरिफ निर्धारण से उत्पन्न बकाया बिलों के विरुद्ध ₹ 5799.78 लाखय (iv) एसटीजी यूनिट के कोड़ (वाणिज्यिक संचालन की तिथि) से पहले, वर्ष 2015–16 और 2016–17 के दौरान एसटीजी यूनिट के बिलों के विरुद्ध ₹ 2737.27 लाखय (v) 1 अप्रैल 2019 से 31 जुलाई 2022 तक सीईआरसी द्वारा टीजीबीपीएस के वार्षिक निश्चित शुल्क, आदेश के संशोधन निर्धारण से उत्पन्न बकाया बिलों के विरुद्ध ₹ 2663.72 लाख और (vi) वर्ष 2015–16 से 2018–19 के लिए विदेशी मुद्रा दर भिन्नता (एफईआरवी) की प्रतिपूर्ति के दावे के विरुद्ध ₹ 2189.74 लाख।

(ख) टीएसईसीएल ने एपीटीईएल के समक्ष 10368.44 लाख रुपये के उपर्युक्त बिलों के खिलाफ अपील की है। याचिका को ए. पी. टी. ई. एल. द्वारा लिया गया है और सुनवाई के लिए "फाइनल की सूची" में शामिल किया गया है। कानूनी विशेषज्ञों द्वारा यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त कानूनी/नियामक आधार हैं कि टीएसईसीएल की याचिका को खारिज कर दिया जाएगा और एपीटीईएल द्वारा नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा

(ग) नीपको ने विद्युत मंत्रालय (सरकार) को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने) टीपीए के आह्वान के लिए, और नीपको के अनुरोध के आधार पर, भारत सरकार ने भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौते के भुगतान सुरक्षा खंड के आह्वान के संबंध में त्रिपुरा सरकार को नोटिस दिया है। टी. एस. ई. सी. एल. द्वारा निपको को देय देय राशि को समाप्त करने के लिए, जो टी. एस. ई. सी. एल. द्वारा आरबीआई के साथ रखे गए राज्य के खाते से धनराशि को हटाने में सक्षम बनाता है, जिसमें बकाया राशि पर विलंबित भुगतान अधिभार भी शामिल है। हालांकि, 01 अप्रैल 2022 के आदेश के अनुसार, माननीय एपीटीईएल ने नीपको को निर्देश दिया है कि वह अपील के लंबित रहने के दौरान बकाया के भुगतान के लिए टीएसईसीएल के खिलाफ कोई त्वरित कार्रवाई न करे और जिसके लिए टीपीए आह्वान की प्रक्रिया को मामले पर निर्णय तक स्थगित कर दिया गया है।

(घ) टीएसईसीएल ने ₹ 10368.44 लाख के बिलों के संबंध में उपर्युक्त विवाद के अदालत के बाहर निपटान की पेशकश की है, जिसे नीपको द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है क्योंकि प्रस्ताव में विवादित राशि को 50–50 के आधार पर साझा करना शामिल है।

(ड़) इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में बिजली के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण में टीईएससीएल द्वारा दायर विवाद के तहत दावा ₹ 5547.46 लाख (₹3357.72 लाख और ₹ 2189.74 लाख) एपीटीईएल ने अपने एपीएल नं. 2024 का 39 और आई. ए. नं. दिनांक 29.01.2024 को 2023 के 1809 ने नीपको को निर्देश दिया था कि वह अपील के लंबित रहने के दौरान अपीलार्थी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई न करे, इस शर्त पर कि टीएसईसीएल 1 फरवरी 2024 से शुरू होने वाली आठ मासिक किश्तों में टैरिफ ब्लॉक 2019–24 के लिए नीपको को बकाया का 50% भुगतान करता है। 31.03.2025 को समाप्त अवधि के लिए टीएसईसीएल ने एनईईपीसीओ को ₹ 2773.73 लाख और टीएसईसीएल द्वारा भुगतान की गई आठ मासिक किश्तों के समायोजन के बाद विवाद के तहत वर्तमान दावा ₹ 2773.73 लाख। इसके अलावा, बकाया के शेष 50% की भी बाद में जांच की जाएगी जब अपील की अंतिम सुनवाई होगी।

(च) 4 नवंबर, 2024 को: अपीलार्थी द्वारा बार–बार गैर–उपस्थिति के कारण अपील को माननीय एपीटीईएल द्वारा खारिज कर दिया गया था। 4 नवंबर, 2024 को फिर से मामला सूचीबद्ध किया गया, हालांकि, अपीलार्थी की ओर से कोई उपस्थिति नहीं थी। यह देखते हुए कि यह तीसरी बार है जब अपीलार्थी का प्रतिनिधित्व 12 नवंबर, 2024 को व्यक्तिगत रूप से या किसी अधिवक्ता के माध्यम से नहीं किया गया था, अपील को गैर–अभियोजन के लिए खारिज कर दिया गया था। हालाँकि, अपीलार्थी 19 नवंबर 2024 को अपील की बहाली के लिए फिर से एपीटीईएल के पास गया। ए. पी. टी. ई. एल. ने अपीलार्थी की याचिका स्वीकार कर ली और मामले को बहाल कर दिया।

(छ) यह मामला 18 दिसंबर 2024,11 फरवरी, 21 मार्च 2025 को सूचीबद्ध किया गया था। दिनांक 25 मार्च 2025 के आदेश में माननीय एपीटीईएल ने उल्लेख किया कि ष्अपीलार्थी के लिए विद्वान वकील के अनुरोध पर, मामले को आगे की सुनवाई के लिए 07.04.2025 को पोस्ट करें। यह स्पष्ट किया जाता है कि उस दिन आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। लिखित प्रस्तुति, यदि कोई हो, सुनवाई की अगली तारीख से पहले दूसरे पक्ष को अग्रिम प्रति के साथ दाखिल की जाएगी। मामला 07/04/2025 को सूचीबद्ध किया गया था, हालांकि अंत में इसे तकनीकी आधार के लिए 15/05/2025 पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

(ज) उपरोक्त पर विचार करते हुए, 10368.44 लाख रुपये की राशि के विवादित व्यापार को अच्छा माना गया है और बही में कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कोई महत्वपूर्ण ऋण जोखिम नहीं है। इसके अलावा, हम उम्मीद करते हैं कि मामले की सुनवाई और निपटान चालू कैलेंडर वर्ष में किया जाएगा और उपरोक्त राशि की प्राप्ति बैलेंस शीट की तारीख से 12 महीने की अवधि के भीतर होने की उम्मीद है।

10 (vi) गैर–बिल राजस्व के कारण गैर–बिल राजस्व–देनदारों पर टिप्पणियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
ऊर्जा की बिक्री (सामान्य)	16,738.37	17,709.74
ऊर्जा की बिक्री (उत्पादन की कमी)	-	19,245.69
ऊर्जा की बिक्री (व्यापार)	4,098.53	4,527.68
ऊर्जा की बिक्री (खुला चक्र)	-	34.50
एन.ई.आर.एल.डी.सी. शुल्क और चार्जेस	57.07	59.01
विलंबित भुगतान अधिभार	42.42	62.57
अन्य बकाया बिलिंग	20.66	-
कुल	**20,957.05**	**41,639.19**

व्यापार प्राप्तियों में परिवर्तनं

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
प्रारंभिक शेष	83,664.74	94,429.78
जोड़ें : शुद्ध राजस्व वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त लेकिन साकार नहीं किया गया	(26,384.15)	(10,765.04)
समापन शेष राशि	57,280.59	83,664.74

व्यापार प्राप्तियों का आगे इस प्रकार विश्लेषण किया जाता है:

(₹ लाख में)

31 मार्च, 2025 तक	सकल ऋण जोखिम राशि	ऋण हानि के लिए भत्ता	निवल ऋण जोखिम राशि
अभी तक देय राशि नहीं	32,468.03	-	32,468.03
45 दिनों से अधिक से लेकर छह महीने तक	4,396.10	-	4,396.10
छह महीने से अधिक	20,416.46	-	20,416.46
कुल	**57,280.59**	**-**	**57,280.59**

(₹ लाख में)

31 मार्च, 2024 तक	सकल ऋण जोखिम राशि	ऋण हानि के लिए भत्ता	निवल ऋण जोखिम राशि
अभी तक देय राशि नहीं	61,691.36	-	61,691.36
45 दिनों से अधिक से लेकर छह महीने तक	6,966.97	-	6,966.97
छह महीने से अधिक	15,006.41	-	15,006.41
कुल	**83,664.74**	**-**	**83,664.74**

कंपनी 31 मार्च, 2025 को ग्राहकों के संबंध में क्रेडिट जोखिम के लिए अपने अधिकतम जोखिम को 57,280.59 लाख रुपये (31 मार्च, 2024:83,664. 74 लाख रुपये) मानती है, जो क्रेडिट नुकसान के लिए भत्ते के बाद व्यापार प्राप्तियों का उचित मूल्य है। ग्राहकों के लिए कंपनी का एक्सपोजर विविध है और टीएसईसीएल (त्रिपुरा) और पी एंड ई मिजोरम को छोड़कर, कोई अन्य ग्राहक बकाया बकाया (अर्थात.) के 10: से अधिक का योगदान नहीं करता है। 45 दिनों से अधिक) 31 मार्च, 2025 तक प्राप्य खाते।

व्यापार प्राप्तियों के संबंध में ऋण हानि के लिए भत्ते में उतार–चढ़ावः

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अवधि की शुरुआत में संतुलन	-	-
अवधि के दौरान जोड़	-	-
अवधि के दौरान उपयोग किया गया	-	-
अवधि के अंत में संतुलन	-	-

संदिग्ध व्यापार प्राप्तियों के लिए भत्तों का निर्धारण करने में कंपनी ने एक प्रावधान मैट्रिक्स के आधार पर व्यापार प्राप्तियों के लिए अपेक्षित ऋण हानि भत्ते की गणना करके एक व्यावहारिक समीचीन का उपयोग किया है। प्रावधान मैट्रिक्स ऐतिहासिक ऋण हानि अनुभव को ध्यान में रखता है और भविष्य की जानकारी के लिए समायोजित किया जाता है। अपेक्षित ऋण हानि भत्ता देय प्राप्तियों की उम्र बढ़ने और प्रावधान मैट्रिक्स में उपयोग की जाने वाली दरों पर आधारित है।

नोट नं. 11 नकद और नकद समतुल्य

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
(क) बैंकों के साथ शेष		
बैंकों के साथ अप्रतिबंधित शेष		
(i) चालू खाते में	125.41	239.49
(ii) जमा खाते में (मूल परिपक्वता अवधि 3 महीने से कम)		
(ख) हाथ में चेक, ड्राफ्ट		
(ग) हाथ में नकदी		
(घ) अन्य ख्नोट 11 **{संदर्भ नोट 11 (i)}**	0.70	0.61
बैलेंस शीट के अनुसार नकद और नकद समकक्ष	**126.11**	**240.10**
नकद और बैंक शेष के संबंध में प्रकटीकरण		
(क) बैंकों के साथ चिह्नित शेष राशि		
बैंकों के साथ चिह्नित शेष राशि		
(i) चालू खाते में		
(ii) जमा खाते में		
कुल	**126.11**	**240.10**

11 (i) अन्य में डाक और राजस्व टिकट शामिल हैं।

नोट संख्या 12 नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
प्रतिबंधित धन {संदर्भ नोट 12 (i).}	602.98	276.46
कुल	**602.98**	**276.46**

12 (i) प्रतिबंधित धन का विभाजन

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
भारत सरकार की सौभाग्य योजना	0.47	24.22
पीएम–कुसुम (एम.एन.आर.ई–भारत सरकार)	1.19	1.19
रूफ–टॉप सोलर स्कीम	3.10	3.10
सीएसआर चालू परियोजनाक/सीएसआर खर्च नहीं	598.22	247.95
कुल	**602.98**	**276.46**

12 (ii) नकद और नकद के अलावा अन्य बैंक शेष समतुल्य में प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य योजना) पीएम–कुसुम और रूफ–टॉप सोलर योजना और सीएसआर चालू/खर्च न की गई शेष राशि से संबंधित सीमित धन शामिल है।

12 (iii) उपरोक्त नकद और बैंक शेष मुख्य रूप से भारतीय रुपये में रखे जाते हैं।

नोट संख्या 13: अन्य

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक		31 मार्च, 2024 तक	
अन्य प्राप्य				
सुरक्षित, अच्छा माना जाता है				
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है {संदर्भ नोट 13 (ii).}		1,574.28		430.40
प्राप्य दावा (असुरक्षित)		35.19		35.19
कम–प्रावधान		(35.19)		(35.19)
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	**99,340.21**		34,685.51	
कम: एलपीएस के खिलाफ प्रावधान	3,636.25		3,636.25	
शुद्ध अनुबंध परिसंपत्तियाँ		95,703.96		31,049.26
एसटीडीआर पर उपार्जित ब्याज		-		-
कर्मचारियों के लिए अग्रिम		945.69		1,131.94
कर्मचारियों के लिए खराब और संदिग्ध प्रगति		8.19		-
कम: प्रावधान–कर्मचारी अग्रिम/पुनर्प्राप्त करने योग्य		(8.19)		-
प्रतिभूति जमा		143.02		144.80
कुल		**98,366.95**		**32,756.40**

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
जमाओं और ऋणों पर उपार्जित ब्याज		
असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
असुरक्षित, संदिग्ध माना जाता है	-	-
कम: ऋण हानि के लिए भत्ता	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	945.69	1,131.94
प्रतिभूति जमा	143.02	144.80

13 (i) शुद्ध अनुबंध परिसंपत्तियों में निम्नलिखित शामिल हैं –

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अस्थायी राजस्व	93,841.95	29,459.47
प्रभावी कर दर	-	--
आस्थगित कर भौतिकीकरण	1,862.01	1,589.79
कुल	**95,703.96**	**31,049.26**

13 (ii) अन्य प्राप्य–असुरक्षित अच्छे माने जाने वाले में निम्नलिखित शामिल हैं

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
पीएम कुसुम, डीडीयूजीजेवाई और सौभाग्य	25.30	91.81
पी.आर.एम.बी ट्रस्ट से प्राप्त	393.72	174.72
एनटीपीसी से प्राप्त करने योग्य	15.73	5.54
टीडीएस के लिए प्राप्त करने योग्य एनवीवीएन	0.75	0.33
बीएसई से प्राप्त करने योग्य	-	3.03
एसबीआई से प्राप्त किया जा सकता है	-	0.35
एल.आई.सी. से प्राप्त	0.65	0.65
ठेकेदार/आपूर्तिकर्ता और अन्य से वसूली योग्य	1,138.13	153.97
कुल	**1,574.28**	**430.40**

13 (iii) कंपनी के निदेशकों का कोई बकाया ऋण नहीं है।

13 (iv) कर्मचारियों के लिए ऋण और अग्रिम में बहुउद्देशीय अग्रिम शामिल हैं। बहुउद्देशीय अग्रिम की वसूली 10 से 12 किश्तों में की जाती है।

13 (V) प्रतिभूति जमा में मुख्य रूप से ख. एस. एन. एल. लाइनों पर जमा, गैस कनेक्शन, केबल कनेक्शन आदि शामिल हैं। जो सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के समर्पण पर वापस कर दिया जाएगा।

13 (vi) अनुबंध परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2025 तक

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक			
	0–1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	> 3 वर्ष
ए	**बी**	**सी**	**डी**	**इ**
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	66,244.48	12,009.57	8,689.05	8,760.86
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुक ।				
(ङ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
कुल	**66,244.48**	**12,009.57**	**8,689.05**	**8,760.86**

13 (vii) अनुबंध परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2024 तक

खास बातें.	31 मार्च, 2024 तक			
	0–1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	> 3 वर्ष
ए	बी	सी	डी	इ
(क) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–अच्छा माना जाता है	13,599.35	8,689.05	7,083.48	1,677.38
(ख) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–जिसमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(ग) निर्विवाद व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
(घ) विवादित व्यापार प्राप्य वस्तुक ।				
(ङ) विवादित व्यापार प्राप्तियां–जिनमें ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।				
(च) विवादित व्यापार प्राप्य–ऋण बाधित				
कुल	13,599.35	8,689.05	7,083.48	1,677.38

नोट संख्या 14: वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ / (देनदारियाँ)

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अग्रिम कर वापसी योग्य **{संदर्भ नोट 14 (ii)}**	719.59	-
टीडीएस / टीसीएस सहित अग्रिम कर का भुगतान	10,744.45	11,071.50
कमः वर्तमान कर देनदारियाँ		
चालू वर्ष	11,296.17	10,252.95
पहले के वर्षों के लिए समायोजन	70.94	70.94
अन्य अनुमानित आय	(1,799.34)	(1,225.25)
नियामक स्थगन खाता शेष से संबंधित	3,453.90	(192.98)
चालू कर परिसंपत्ति / (देनदारियाँ) (शुद्ध)	**(1,557.63)**	**2,165.84**

14 (i) आयकर पर विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या–48 देखें।

14 (ii) वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आयकर की गणना के अनुसार वापसी योग्य 719.59 लाख रुपये है।

नोट संख्या 15: अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
प्रीपेड बीमा सहित प्रीपेड खर्च	2,266.78	2,068.99
आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को अग्रिम–असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	408.41	458.07
कमः संदिग्धों के लिए भत्ते	12.02	17.58
स्क्रैप / अप्रचलित संपत्ति **{संदर्भ नोट 15 (v)}**	13,096.22	13,245.48
कमः प्रावधान	13,096.22	13,245.48
नेट	-	-
कुल	**2,663.17**	**2,509.48**
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियाँ **{संदर्भ नोट 15 (iv)}**		-
अग्रिम कर वापसी योग्य	-	
कुल	**2,663.17**	**2,509.48**

15 (i) प्रीपेड खर्चों में प्रीपेड बीमा, लाइसेंस शुल्क (प्रदूषण नियंत्रण) और इंटरनेट के लिए बीएसएनएल लीजलाइन के संबंध में अग्रिम भुगतान की गई राशि शामिल है, जिसका लाभ अभी तक रिपोर्टिंग तिथि पर समाप्त नहीं हुआ है। ₹20000 / – और उससे कम की वस्तुओं के पूर्व–भुगतान व्यय खातों के प्राकृतिक प्रमुख से लिए जाते हैं।

15 (iii) आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम बिलों से 12 महीने के भीतर वसूल किए जाने वाले अल्पावधि अग्रिम हैं। अग्रिम कार्य/आपूर्ति आदेश के तहत निर्धारित के अनुसार दिए जाते हैं।

15 (iv) 31.03.2025 को निदेशकों और अन्य संबंधित पक्षों को अग्रिम राशि शून्य है। (पिछला वर्ष निल)

15 (v) निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों में निम्नलिखित वस्तुक । शामिल हैं –

(₹ लाख में)

इकाई	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
संयंत्र और उपकरण	-	-
वाहन	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-
उपकरण और पौधे	-	-
विविध। उपकरण	-	-
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों का मूल्य	-	-
कमः प्रावधान	**-**	**-**
निपटान के लिए रखी गई परिसंपत्तियों के लिए एनआरवी	**-**	**-**

15(v) स्कार्प/ओबोसलेट परिसंपत्तियाँ

(₹ लाख में)

इकाई	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
असम जीबीपीएस	208.39	440.04
अगरतला जीबीपीएस	561.25	424.89
कोपिली एचपीएस	12,011.65	12,009.36
रंगानदी एचपीएस	86.53	86.53
त्रिपुरा जीबीपीएस	62.46	62.46
तुईरियल एचपीएस	7.50	70.95
शिलांग	12.17	12.17
गुवाहाटी	-	0.01
दोयांग एचपीएस	146.27	139.07
कुलं	**13,096.22**	**13,245.48**
कमः प्रावधान	13,096.22	13,245.48

नोट संख्या 16: नियामक आस्थगित लेखा शेष

नोट–16.01: विनियामक आस्थगित लेखा डेबिट शेष

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
(i) अवमूल्यन–तुईरियल एचपीएस		
संतुलन खोलना	26,367.00	22,193.30
अवधि के दौरान जोड़	4,215.29	4,173.70
संतुलन को बंद करना	**30,582.29**	**26,367.00**
(ii) आस्थगित कर देनदारियों के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन		
संतुलन खोलना	47,911.40	39,930.42
अवधि के दौरान जोड़	16,490.43	7,980.98
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन		-
संतुलन को बंद करना	**64,401.83**	**47,911.40**
(iii) आस्थगित कर वसूली योग्य		
संतुलन खोलना	35,581.70	37,171.49
अवधि के दौरान महसूस किया	(6,143.41)	(1,589.79)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अवधि के दौरान समायोजन	(1,804.96)	-
संतुलन को बंद करना	**27,633.33**	**35,581.70**
(iv) मध्यस्थता पुरस्कार के कारण तुईरियल एचपीएस के संबंध में आरडीए		
संतुलन खोलना	4,398.98	
अवधि के दौरान जोड़	6,886.43	4,398.98
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	
समापन शेष राशि	**11,285.41**	4,398.98
(v) आर्बिट्रल अवार्ड के कारण कोपिली एचपीएस के संबंध में आरडीए		
संतुलन खोलना	470.47	
अवधि के दौरान जोड़	330.01	470.47
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	–	
समापन शेष राशि	**800.48**	**470.47**
(vi) मध्यस्थता पुरस्कार के कारण क. जी. जी. ख. पी. एस. के संबंध में आरडीए		
संतुलन खोलना	-	
अवधि के दौरान जोड़	574.31	
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	
समापन शेष राशि	**574.31**	-
विनियामक स्थगन खाता डेबिट बैलेंस	**1,35,277.65**	**1,14,729.55**

नोट संख्या16.02 विनियामक आस्थगित लेखा ऋण शेष (₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
लाभार्थियों को दिया जाएगा मैट क्रेडिट		
संतुलन खोलन	18,128.66	-
अवधि के दौरान जोड़	6,923.33	18,128.66
अवधि के दौरान प्राप्त/समायोजन	-	-
उलट गया।	-	-
समापन शेष राशि	**25,051.99**	**18,128.66**

आस्थगित नियामक खाता शेष को लेखा नीति संख्या–4 के अनुरूप समायोजित किया गया है। विस्तृत प्रकटीकरण के लिए टिप्पणी संख्या. 37 देखें।

नोट संख्या 17: इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
क्विटी शेयर पूंजी	3,60,981.04	3,60,981.04
कुल	**3,60,981.04**	**3,60,981.04**

अधिकृत और जारी शेयर पूंजी (₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
अधिकृत शेयर पूंजी	**5,00,000.00**	**5,00,000.00**
5,00,00,00,000 नंबर। प्रत्येक 10/– के इक्विटी शेयरों की (पिछले वर्ष 5,00,00,00,000 संख्या। 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयरों का)		
जारी की गई, अभिदान की गई और पूरी तरह से चुकता पूंजी में शामिल हैं:		
उन्होंने कहा, 3,60,98,10,400 नंबर। (पिछली अवधि 3,60,98,10,400 संख्या) 10/– प्रत्येक के इक्विटी शेयरों का	3,60,981.04	3,60,981.04
कुल	**3,60,981.04**	**3,60,981.04**

17 (i) अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में उतार–चढ़ाव नीचे दिया गया है:

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक					
	01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि		2024–24 के दौरान संचलन		31.03.2025 को बंद होने वाली शेष राशि	
	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में	संख्या शेयरों की	'लाख में
प्रत्येक ₹10 के सामान्य शेयर						
वर्ष की शुरुआत में	3,60,98,10,400	3,60,981.04	-	-	3,60,98,10,400	3,60,981.04
वर्ष के दौरान आवंटित शेयर	-	-	-	-		
	3609810400	**360981.04**	**-**	**-**	**3609810400**	**360981.04**

खास बातें.	31 मार्च 2024 तक					
	01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि		2024–24 के दौरान संचलन		31.03.2025 को बंद होने वाली शेष राशि	
	संख्या शेयरों की	₹ लाख में	संख्या शेयरों की	₹लाख में	संख्या शेयरों की	₹लाख में
प्रत्येक ₹10 के सामान्य शेयर						
वर्ष की शुरुआत में	3,60,98,10,400	3,60,981.04	-	-	3,60,98,10,400	3,60,981.04
वर्ष के दौरान आवंटित शेयर	-	-	-	-		
	3,60,98,10,400	**3,60,981.04**	**-**	**-**	**3,60,98,10,400**	**3,60,981.04**

17 (ii) प्रवर्तक/होल्डिंग कंपनी की शेयरधारिता का विवरण

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक			31 मार्च 2024 तक		
प्रवर्तक/होल्डिंग कंपनी का नाम	नं. रखे गए शेयरों का (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 रुपये)	कुल शेयरों का:	वर्ष के दौरान% परिवर्तन	नं. रखे गए शेयरों का (प्रत्येक का अंकित मूल्य 10 रुपये)	कुल शेयरों का:	वर्ष के दौरान% परिवर्तन
एनटीपीसी लिमिटेड	3,60,98,10,400	100.00	-	3,60,98,10,400	100.00	-

17 (iii) निगम के पास शेयरों का केवल एक वर्ग है जिसे इक्विटी शेयरों के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिसका मूल्य **₹**10/– है जो पूरी तरह से एनटीपीसी लिमिटेड के स्वामित्व में है। इक्विटी शेयरों के धारक समय–समय पर घोषित लाभांश प्राप्त करने के हकदार होते हैं और शेयरधारकों की बैठकों में अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में मतदान के अधिकार के हकदार होते हैं।

17 (iv) प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने नीपको में भारत सरकार की 100% हिस्सेदारी के स्टारेजिक विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। तदनुसार, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा नीपको लिमिटेड में भारत सरकार की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण 27 मार्च 2020 को खरीद समझौते को साझा करने के लिए शेयर हस्तांतरण के माध्यम से पूरा किया गया। भारत सरकार और एनटीपीसी लिमिटेड के बीच 25 मार्च 2020 एनटीपीसी लिमिटेड की 31 मार्च 2025 तक नीपको लिमिटेड में 100% स्वामित्व हिस्सेदारी है।

17 (v) तत्काल पूर्ववर्ती पांच वर्षों के दौरान, कंपनी ने न तो नकद भुगतान प्राप्त किए बिना अनुबंध करने के लिए किसी भी शेयर को आवंटित किया है, न ही बोनस शेयर के रूप में और न ही किसी भी शेयर को वापस खरीदा है।

नोट 17एः संयुक्त उद्यम में निवेश

(₹ लाख में)

संयुक्त उद्यम का नाम	31.03.2025		31.03.2024	
	केएसके डिबिन	कुल	केएसके डिबिन	कुल
प्रतिशत होल्डिंग	30%		30%	
इक्विटी	9,311.00		9,311.00	
आरक्षित और अधिशेष	1,482.04		1,482.32	
शुद्ध संपत्ति	10,793.04		10,793.32	
इक्विटी का हिस्सा	3,237.91	3,237.91	3,238.00	3,238.00
कुल इक्विटी		3,237.91		3,238.00
स्वतंत्र वित्तीय लागत	2,793.00	2,793.00	2,793.00	2,793.00
सीएफएस में संक्रमण आरक्षित से अंतर	444.91	444.91	445.00	445.00
विभेदक प्रविष्टि	(0.09)	(0.09)	1.87	1.87
कर प्रविष्टि स्थगित करें	(0.03)		0.58	

नोट संख्या 18ः अन्य इक्विटी

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
जनरल रिजर्व	1,97,691.68	1,97,691.68
बरकरार रखी गई कमाई	94,170.25	63,413.46
बांड मोचन आरक्षित	65,054.17	65,054.17
कुल	**3,56,916.10**	**3,26,159.31**

18.1 जनरल रिजर्व

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की शुरुआत में शेष राशि	1,97,691.68	1,97,691.68
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**1,97,691.68**	**1,97,691.68**

18.2 बनी हुई आय

(₹ लाख में)

वित्तीय देनदारियाँ	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की शुरुआत में शेष राशि	63,413.46	35,206.59
कंपनी के मालिकों को होने वाला लाभ	58,468.45	54,813.50
आयकर के परिभाषित लाभ दायित्व के पुनर्भुगतान से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय	(2,711.66)	(1,606.63)
पिछले वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का भुगतान	(5,000.00)	-
चालू वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश	(20,000.00)	(25,000.00)
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**94,170.25**	**63,413.46**

(i) पिछले वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम लाभांश। 10.08.2024 को आयोजित 288वीं बीओडी बैठक में ₹ 5000.00 लाख की राशि 2023–24 को मंजूरी दी गई थी और इसका भुगतान 09.10.2024 को किया गया है।

(ii) वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश 03.03.2025 को आयोजित 293वीं बोर्ड बैठक में 20000.00 लाख रुपये की राशि 2024–25 को मंजूरी दी गई थी और 28.03.2025 को इसका भुगतान कर दिया गया है।

प्रतिधारित आय कंपनी द्वारा आज तक अर्जित विनियोग का शुद्ध लाभ है।

18.3 बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष/अवधि की शुरुआत में शेष राशि	65,054.17	65,054.17
वर्ष/अवधि के दौरान संचलन	-	-
वर्ष/अवधि के अंत में शेष राशि	**65,054.17**	**65,054.17**

भंडारों की प्रकृति इस प्रकार है:

(क) सामान्य आरक्षित राशि:–पूर्ववर्ती कंपनी अधिनियम 1956 के तहत, लागू नियमों के अनुसार एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर शुद्ध लाभ के वार्षिक हस्तांतरण के माध्यम से एक सामान्य आरक्षित राशि का सृजन किया गया था। कंपनी अधिनियम 2013 की शुरुआत के परिणामस्वरूप, सामान्य आरक्षित निधि में अनिवार्य रूप से शुद्ध लाभ के एक निर्दिष्ट प्रतिशत को हस्तांतरित करने की आवश्यकता को वापस ले लिया गया है।

(ख) बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व:–कंपनी अधिनियम 2013 के लागू प्रावधानों के संदर्भ में, कंपनी (शेयर कैपिटल और डिबेंचर) नियम, 2014 के साथ पढ़ें, कंपनी को बॉन्ड/डिबेंचर रिडेम्पशन रिजर्व के संबंध में आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। बांड/डिबेंचर रिडेम्पशन रिजर्व की पर्याप्तता बकाया डिबेंचरों के मूल्य का दस प्रतिशत होना आवश्यक है। 31.03.2025 तक, कंपनी ने 31.03.2025 करोड़ रुपये का बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व बनाए रखा है। 65054.17 लाख, जो इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त है। इसलिए, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई और बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व नहीं बनाया है।

गैर–वर्तमान देनदारियाँ

वित्तीय देनदारियाँ

नोट संख्या 19: दीर्घकालिक उधार

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2025 तक
क. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड		
1. सुरक्षित बोरिंग्स		
i. बाईसवां अंक	50,000.00	50,000.00
कम: बॉन्ड व्यय परिशोधन	16.31	21.50
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,158.36	1,165.51
बॉन्ड–बाईसवां अंक (नेट)	51,142.05	51,144.01
8 वर्ष नीपको 7.55% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, रुपये–10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 10–12–2026,10–06–2027,10–12–2027 और 10–06–2028 को अंकित मूल्य के 25% पर रिडीमेबल कॉल विकल्प के साथ 10–06–2025,10–12–2025,10–06–2026,10–12–2026,10–06–2027,10–12–2027।		
भूमि से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति की पहचान एक न्यास विलेख के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभार के सृजन के लिए की गई है। चार्ज आईडी संख्या100394348		
ii. इक्कीसवाँ अंक	-	15,000.00
कम: बॉन्ड व्यय परिशोधन	-	12.97
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	21.37
बॉन्ड–बाईसवां अंक (नेट)	-	15,008.40

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2025 तक
8 वर्ष नीपको 8.69% सुरक्षित, रिडीमेबल, नॉन–कन्वर्टिबल, टैक्सेबल बॉन्ड प्रत्येक रुपये–10,00,000 के डिबेंटर्स की प्रकृति में, 26–09–2026 को अंकित मूल्य के 50% पर रिडीमेबल, 26–09–2027 को कॉल विकल्प के साथ 26–09–2024,26–03–2025,26–09–2025,26–03–2026,26–09–2026 और 26–03–2027। भूमि से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति पर नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टी के साथ एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में शुल्क लिया गया है।		
v. अठारहवाँ अंक	50,000.00	50,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	4.26	9.96
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,441.32	1,447.87
बॉन्ड–अठारहवाँ अंक (नेट)	51,437.06	51,437.91
8 वर्ष नीपको 7.68% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 रुपये के कर योग्य बांड, 15–11–2025 और 15–11–2025 को अंकित मूल्य के 50% पर रिडीमेबल, 15–11–2022,15–05–2023,15–11–2023,15–05–2024,15–11–2024,15–05–2025 पर कॉल विकल्प के साथ। (पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ पारे जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)		
vi.. सोलहवाँ अंक	90,000.00	90,000.00
कमः बॉन्ड व्यय परिशोधन	28.10	34.35
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	2,290.09	2,305.18
बॉन्ड–सोलहवां (नेट)	92,261.99	92,270.83
15 वर्ष नीपको 8.68% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000/– प्रत्येक के कर योग्य बांड, 30–09–2026; 30–09–2027; 30–09–2028; 30–09–2029 और 30–09–2030 को अंकित मूल्य के 20% पर रिडीमेबल।	-	
(मिजोरम में तुइरियाल जलविद्युत परियोजना, असम में कोपिली जल विद्युत परियोजना और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों से जुड़ी संपत्तियों को नियुक्त डिबेंचर ट्रस्टी के साथ एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से गिरवी रखा गया है)		
vii. पंद्रहवाँ अंक		12,000.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं		021.00
बॉन्ड–पंद्रहवां (नेट)		12,021.00
10 वर्ष नीपको 9.15% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 रुपये प्रत्येक के कर योग्य बांड, 25–03–2021 को अंकित मूल्य के 20% पर रिडीमेबलय 25–03–2022; 25–03–2023; 25–03–2024 और 25–03–2025। (त्रिपुरा में अगरतला गैस टर्बाइन परियोजना (मूल ओपन–साइकिल संयंत्र) की परिसंपत्तियां, असम गैस आधारित परियोजना, असम में गैस टर्बाइन और स्टीम टर्बाइन को छोड़कर परिसंपत्तियां, रंगानदी जल विद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश में उत्पादन स्टेशन में संयंत्र और मशीनरी को छोड़कर परिसंपत्तियां और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)		
vii. चौदहवाँ अंक	-	50,000.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	-
बॉन्ड–चौदहवाँ (नेट)	-	50,000.00

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2025 तक
10 वर्ष नीपको 9.60% सुरक्षित, रिडीमेबल, नॉन–कन्वर्टिबल, टैक्सेबल बॉन्ड प्रत्येक 10,00,000, रूपये अंकित मूल्य के 20% पर 01–10–2020य 01–10–2021य 01–10–2022 य 01–10–2023 और 01–10–2024 को रिडीमेबल। (कामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की संपत्तियों के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भू–संपत्तियों को एक न्यास विलेख के माध्यम से ऋणपत्र न्यासी के साथ समान रूप से गिरवी रखा गया है)		
उप–कुलः निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड (क)	1,94,841.10	2,71,882.1
ख. सुरक्षित अवधि ऋण		
प. रुपया ऋणः	-	-
क. केनरा बैंक से मध्यम अवधि का सहकारी ऋण		12500.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं		87.16
केनरा बैंक (शुद्ध) से मध्यम अवधि का कोपरेट		12587.16
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर पैरी पासू चार्ज द्वारा सुरक्षित। यह ऋण 03–02–2020 को पहली निकासी से 1 वर्ष की मोहलत के बाद 16 संरचित तिमाही किस्त में चुकाया जा सकता है।		
बी। पंजाब नेशनल बैंक से कॉर्पोरेट टर्म लोन ?	68,000.00	74,800.00
जोड़ें: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं–		
पीएनबी से मध्यम अवधि का सह–ऋण (शुद्ध)	68,000.00	74,800.00
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग जलविद्युत परियोजना (600 मेगावाट) की संपत्तियों पर समांतर प्रभार द्वारा सुरक्षित। ऋण का भुगतान पहली निकासी के बाद 2 वर्ष के स्थगन के बाद निम्नलिखित त्रैमासिक किस्तों में किया जाना है 30.12.2022 से शुरू होने वाली 17 करोड़ रुपये की 12 समान किस्तें, 30.12.2025 से शुरू होने वाली 34 करोड़ रुपये की 8 समान किस्तें और 30.12. 2027 से शुरू होने वाली 93.50 करोड़ रुपये की 4 समान किस्तें।		
सी. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से लिया गया सावधि ऋण	87,500.00	97,500.00
जोड़ें: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	30.54	-
एसबीआई से लिया गया सावधि ऋण (शुद्ध)	87,530.54	97,500.00
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर अन्य ऋणदाताओं के साथ समरूप प्रभार द्वारा सुरक्षित।		
ऋण निकासी की पहली तारीख से 2 वर्ष की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जाता है: 9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 25.00 करोड़ रुपयेय 21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 50.00 करोड़ रुपयेय 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 75.00 करोड़ रुपये।		
घ. एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण [पारे हाइड्रो पावर स्टेशन–अरुणाचल प्रदेश और रंगानदी एचपीएस (405 मेगावाट) में संयंत्र और मशीनरी और असम गैस आधारित पावर स्टेशन (291 मेगावाट) के गैस टर्बाइनों में पहले परी पासू आधार पर संपत्ति की अचल संपत्तियों के परिकल्पना द्वारा सुरक्षित,। पहली निकासी (06.10.2022) से 2 वर्ष की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किस्त में ऋण चुकाया जाता है–9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में 15.00 करोड़ रुपये–21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में 25.00 करोड़ रुपये: 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में 30.00 करोड़ रुपये।	48,500.00	50,000.00
जोड़ अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	327.06	356.71
जोड़ः एचडीएफसी बैंक से अर्जित ब्याज लेकिन देय सावधि ऋण नहीं (शुद्ध)	48,827.06	50,356.71

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2025 तक
ङ. एक्सिस बैंक से सावधि ऋण	75,000.00	75,000.00
(त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में स्थित त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन की चल अचल संपत्तियों (पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों सहित) पर प्रथम प्रभार द्वारा सुरक्षित। पहली निकासी (29.09.2023) की तारीख से 2.25 वर्ष की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है 9वीं से 18वीं तिमाही के अंत में रु. 10.00 करोड़ प्रत्येकय 19वीं से 27वीं तिमाही के अंत में रु. 20 करोड़ प्रत्येकय 28वीं से 36वीं तिमाही के अंत में रु. 30 करोड़ प्रत्येकय 37वीं से 40वीं तिमाही के अंत में रु. 50 करोड़ प्रत्येक।		
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	-
एक्सिस बैंक (नेट) से सावधि ऋण	75,000.00	75,000.00
उप–कुल सुरक्षित सावधि ऋण (ख)	2,79,357.60	3,10,243.87
कुल: सुरक्षित उधार (क. ख)	4,74,198.70	5,82,126.02
2.असुरक्षित बोरिंग्स:		
1. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड		
चौबीसवां अंक	49,635.00	
कम: बॉन्ड व्यय परिशोधन	30.56	
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	1,509.77	
बॉन्ड–ट्वेंटी फोर्थ इश्यू (नेट)	51,114.21	
दिनांक 08–11–2032,06–05–2033,08–11–2033 और 08–05–2034 को अंकित मूल्य के 25% पर भुनाने योग्य और 08–05–2029,08–11–2029,08–05–2030,08–11–2030,08–05–2031,08–11–2031 ,08–05–2032,08–11–2032.		
तेइसवां अंक	20,000.00	20,000.00
कम: बॉन्ड व्यय परिशोधन?	3.16	3.77
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	31.30	31.21
बॉन्ड–तेइसवां अंक (नेक)	20,028.14	20,027.44
8 वर्ष नीपको 7.14% असुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, रुपये 10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 22–09–2028 को अंकित मूल्य के 25% पर रिडीमेबलय 23–03–2029य 24–09–2029य 22–03–2030 पर कॉल विकल्प के साथ 24–03–2026य 24–09–2026य 24–03–2027य 24–09–2027य 24–03–2028य 22–09–2028य 23–03–2029य 24–09–2029।		
(i) रुपया ऋण		
भारत सरकार से अधीनस्थ ऋण	29,196.42	29,196.42
कम: ऋण व्यय परिशोधन	67.75	69.69
जोड़: अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं		
भारत सरकार से प्राप्त अधीनस्थ ऋण (शुद्ध)	29,128.67	29,126.73
(भारत सरकार ने 29196.42 लाख रूपये का अधीनस्थ ऋण 1% प्रति वर्ष की ब्याज दर पर स्वीकृत किया है। यह ऋण विभिन्न तिथियों पर स्वीकृत किया गया था और अंतिम निकासी 6 जुलाई 2015 को हुई थी। यह ऋण तुइरियल जलविद्युत परियोजना, मिजोरम के चालू होने के 16वें वर्ष से, यानी 30 जनवरी 2018 से, 15 समान वार्षिक किस्तों में चुकाया जाना है।)		
(ii) विदेशी मुद्रा ऋण	27,391.79	33,383.29
जर्मनी के केएफडब्ल्यू से ऋण	(159.50)	(159.35)
घटाएं उचित मूल्य (80 मिलियन और 20 मिलियन)	170.67	212.24
जोड़ें अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	27,721.96	33,754.88
जर्मनी के केएफडब्ल्यू से ऋण (शुद्ध)		

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2025 तक
(भारत–जर्मन द्विपक्षीय विकास सहयोग कार्यक्रम के तहत के एफडब्ल्यू, जर्मनी से 8 करोड़ और 2 करोड़ यूरो का ऋण स्वीकृत किया गया था। ऋण समझौता 80 मिलियन और 20 मिलियन यूरो 11 दिसंबर 2008 और 20 दिसंबर 2017 को 3.46% प्रति वर्ष की निश्चित ब्याज दर पर निष्पादित किया गया था। – 0.85% प्रति वर्ष क्रमशः। इस ऋण की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी जाती है। 80 मिलियन यूरो की अंतिम ऋण किस्त 03.03.2016 को प्राप्त हुई थी और 20 मिलियन यूरो 16.08.2018 को प्राप्त हुई थी। ऋण 30 बराबर छमाही किश्तों डब्ल्यूईएफ में चुकाने योग्य हैं। 30–12–2013 और 20 बराबर छमाही किस्त डब्ल्यूईएफ 30–12–2020 क्रमशः)		
(iii) मध्यम अवधि का ऋण		
पीएनबी से ऋण	29,000.00	30,000.00
जोड़ें अर्जित ब्याज लेकिन देय नही	-	-
पीएनबी से ऋण (शुद्ध)	29,000.00	30,000.00
29.11.2023 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण पहली निकासी की तारीख से 7 साल की परिपक्वता अवधि के साथ 30000 लाख। ऋण का पुनर्भुगतान पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें वर्ष के अंत में 1000 लाख रुपये प्रति वर्ष यानी 29.11.2024, 29.11.2025, 29.11.2026, 29.11.2027, 29.11.2028 को किया जाएगा। 6 वें और 7 वें वर्ष के अंत में 12500 लाख, यानी 28.11.2029 और 28.11.2030 को। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.75% प्रति वर्ष है। पीएनबी आरएलएलआर–ईएलआईटीई योजना		
(iv) कॉर्पोरेट सावधि ऋण		
पीएनबी से ऋण	95,000.00	
जोड़ें अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं –	-	
पीएनबी से ऋण (शुद्ध)	95,000.00	
10.07.2024 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण प्रथम आहरण की तिथि से 10 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ 100000 लाख। पहली निकासी से 2 साल की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण चुकाया जा सकता है: 10 रुपये की 10 बराबर किश्तें। 05.08.2026 से शुरू होने वाले प्रत्येक 20 करोड़ रुपये, 18 करोड़ रुपये के बराबर निवेश। 05.02.2029 से शुरू होने वाली प्रत्येक 30 करोड़ रुपये और 05.08.2033 से शुरू होने वाली 52 करोड़ रूपये की 5 समान किश्तें। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.95% प्रति वर्ष है। जैसे रेपो रेट (6.50%). स्प्रेड (1.45%)		
कुल असुरक्षित उधार (i + ii)	**2,51,992.98**	**1,12,909.05**
कुल (1 + 2)	**7,26,191.68**	**6,95,035.07**
घटाएँ वर्तमान परिपक्वताएँ (नोट 21 देखें)		
बॉन्ड	50,000.00	62,000.00
रुपये का सावधि ऋण–सुरक्षित	27,200.00	29,300.00
रुपये का सावधि ऋण–असुरक्षित	1,000.00	1,000.00
विदेशी मुद्रा ऋण – सुरक्षित	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण – असुरक्षित	6,771.09	6,616.57
अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	6,959.11	5,648.25
ग्रांड कुल योग गैर–चालू देनदारिया	**6,34,261.48**	**5,90,470.25**

नोट – बॉन्ड व्ययों का परिशोधन संबंधित बॉन्डों की ब्याज चुकौती अनुसूची के अनुसार बही–खातों में किया जाता है।

ऋणों की परिपक्वता प्रोफाइल इस प्रकार है

उधारी की परिपक्वता रूपरेखा इस प्रकार है: (₹ लाख में)

अनुबंध की परिपक्वताक	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
एक वर्ष या उससे कम समय में या मांग पर	92,939.56	1,06,071.93
एक से दो वर्ष के बीच	1,23,371.09	86,816.57
दो और वृक्ष वर्षों के बीच	1,12,771.09	81,716.57
तीन से चार वर्ष के बीच	1,01,508.79	1,14,616.57
चार से पांच वर्ष के बीच	85,346.49	1,16,410.46
पाँच वर्ष से अधिक	2,10,254.67	1,89,402.95
कुल संविदात्मक नकदी प्रवाह	**7,26,191.68**	**6,95,035.07**
कुल उधार	**7,26,191.68**	**6,95,035.07**

नोट:

क. कंपनी ने अपनी उधार ली गई निधि का उपयोग केवल ऋण समझौते की शर्तों के अनुसार विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया है।

ख. कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों में दाखिल की गई तिमाही विवरणी या चालू परिसंपत्तियों के विवरण लेखा पुस्तकों के अनुरूप होते हैं।

ग. कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाताओं द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

वित्तीय देनदारियाँ

नोट संख्या 19 ए गैर–वर्तमान वित्तीय देनदारियाँ–पट्टे की देनदारियाँ

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
लीज देयता–लीज के तहत परिसंपत्ति	1747.55	2015.55
कम: पट्टा देनदारियों की वर्तमान परिपक्वता	971.68	1000.48
कुल	**775.87**	**1015.07**

नोट संख्या 20: दीर्घकालिक प्रावधान

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
उनके सेवानिवृत्ति लाभ	397.04	303.28
कुल	**397.04**	**303.28**

कर्मचारी लाभों के प्रावधान में ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्ति पर सोने का सिक्का शामिल हैं। चालू वर्ष के लिए प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि/कमी मुख्य रूप से चालू वर्ष के लिए वृद्धिशील शुल्क के शुद्ध प्रभाव और चालू वर्ष में भुगतान किए गए लाभों के कारण है।

20 (i) परिभाषित अंशदान योजना

कंपनी संबंधित कर्मियों की ओर से कई परिभाषित योगदान योजनाओं में भाग लेती है। इन योजनाओं के संबंध में मान्यता प्राप्त कोई भी व्यय उन योजनाओं के नियमों द्वारा निर्दिष्ट दरों पर उनके द्वारा अवधि के दौरान देय योगदान के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। तुलनपत्र में केवल वे राशियाँ शामिल हैं जो पूर्व महीनों के अंशदानों से संबंधित हैं जिनका रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के बाद तक भुगतान नहीं किया जाना था। कंपनी द्वारा संचालित प्रमुख परिभाषित योगदान योजनाक । इस प्रकार हैं:

क) भविष्य निधि

भारतीय कानून के अनुसार, कंपनी के योग्य कर्मचारी भविष्य निधि के संबंध में लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं, एक परिभाषित योगदान योजना, जिसमें कर्मचारी और कंपनी दोनों कवर किए गए कर्मचारियों के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर मासिक योगदान करते हैं। कंपनी भविष्य निधि न्यास को पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करती है, जो सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमत प्रतिभूतियों में निधि का निवेश करती है। इस अवधि के लिए कोष में कंपनी का योगदान 3375.47 लाख रुपये (पिछली अवधि में 3469.50 लाख रुपये) था निवेश ने भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट दर के अनुसार सदस्यों को भुगतान करने के लिए पर्याप्त ब्याज अर्जित किया है।

ख) सेवानिवृत्ति

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के कार्यालय ज्ञापन संख्या 2 (70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–xiv/08 दिनांक 26.11.2008 और कार्यालय ज्ञापन संख्या 2(70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–vii/09 दिनांक 02.04.2009 के तहत जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार कंपनी ने नीपको कर्मचारी परिभाषित अंशदान सेवानिवृत्ति लाभ योजना तैयार की है।

इस योजना का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट में वर्ष के लिए कंपनियों का योगदान 2321.71 लाख रुपये था (पिछले वर्ष 2389.13 लाख रुपये)

20 (ii) परिभाषित लाभ योजनाक ।

क. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना

कंपनी के पास सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं के लिए एक अंशदायी योजना है। इस योजना के तहत सेवानिवृत्त/मृत कर्मचारी और सेवानिवृत्त/मृतक के पति/पत्नी को अंशदायी आधार पर चिकित्सा सुविधाक । प्रदान की जाती हैं जो इस प्रकार हैं: इनडोर उपचार के लिए किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति निकटतम अधिकृत/अनुमोदित अस्पताल की दरों तक सीमित है। पैनल में शामिल अस्पतालों में किए गए बाह्य रोगीअधिवासी उपचार के लिए, नैदानिक परीक्षणों, जांच, दवाओं की लागत और अन्य ओपीडी खर्चों के लिए प्रतिपूर्ति की अनुमति है, जो प्रति वर्ष अंतिम मूल की अधिकतम सीमा के अधीन है, जो भी कम हो। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ख. सेवानिवृत्ति पर अन्य सेवानिवृत्ति लाभ

एक अच्छी संगठनात्मक संस्कृति को पोषित करने और कर्मचारी द्वारा प्रदान की जाने वाली ईमानदार सेवाओं की सराहना करने के लिए, निगम सेवानिवृत्ति की तारीख पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को एक सोने का सिक्का प्रदान कर रहा है। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

20 (iii) कर्मचारी को मिलने वाले अन्य लाभ

सामाजिक सुरक्षा योजना

अनुकंपा नियुक्ति के बदले कंपनी की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। कंपनी इस योजना में समान योगदान देती है। इस योजना का उद्देश्य कंपनी के किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित लाभार्थियों को नकद लाभ प्रदान करना है, जिसमें स्थायी पूर्ण विकलांगता भी शामिल है जिससे रोजगार की समाप्ति हो जाती है।

नोट संख्या–20ए

आईएनडी एएस19 के अनुसार प्रकटीकरण
ग्रेच्युटी देनदारी का बीमाकृत मूल्यांकन

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क.	दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97
ग.	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति/(देयता)	-596.35	-361.47

सदस्यता डेटा का सारांशः

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
क)	कर्मचारियों की संख्या	1592	1666
ख)	कुल मासिक वेतन (लाख)	2137.02	2156.15
ग)	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
घ)	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
ङ)	औसत शेष (वर्ष)	9.56	9.13
च)	भारित औसत अवधि	9.24	8.83

आर्थिक अनुमानः (₹ लाख में)

स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i) छूट दर	6.81	7.10
ii) भविष्य में वेतन वृद्धि	6.50	6.50

जनसांख्यिकीय अनुमानः (₹ लाख में)

स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
i) सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii) विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर*	100% आईएएलएम (2012–14)	100% आईएएलएम (2012–14)
iii) आयु में अवसाद	**निकासी**	**निकासी**
	दर (%)	**दर (%)**
30 वर्ष तक	0.01	0.01
31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06

लाभों का पैमानाः

क.	ग्रेच्युटी की गणना के लिए वेतन	अंतिम अर्हता वेतन।
ख.	निधान अवधि	5 वर्ष की सेवा।
ग.	सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 के भुगतान के प्रावधानों के अनुसार, जैसा कि संशोधित किया गया है।
घ.	शीघ्र सेवानिवृत्ति/निकासी/त्यागपत्र पर लाभ	बाहर निकलने की तारीख तक सेवा के आधार पर सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान।
ड.	सेवा में मृत्यु होने पर लाभ	मृत्यु की तारीख तक सेवा के आधार पर सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान और कोई निहित शर्तें लागू नहीं होती हैं।
च.	सीमा	20.00 लाख।

योजना दायित्वः (₹ लाख में)

समाप्ति तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	**18,038.44**

सेवा लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान सेवा लागत	498.50	708.48
ख.	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ.	कुल सेवा लागत	498.50	708.48

शुद्ध ब्याज लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,280.73	1,366.66
ख.	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	1,255.06	1,377.99
ग.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	25.66	-11.33

लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	18,038.44	18,468.36
	अधिग्रहण समायोजन		
ख.	ब्याज लागत	–	–
ग.	सेवा लागत	1,280.73	1,366.66
घ.	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	498.50	708.48
ई.	भुगतान किए गए लाभ	–	–
च.	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	-2,596.86	-2,275.70
छ.	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	159.33	-229.36
ज.	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44

बीमांकिक लाभ/दायित्व पर हानि का द्विविभाजनः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख.	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	256.55	280.41
ग.	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	-97.23	-509.77

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत लाभहानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अपेक्षित ब्याज आय	1,255.06	1,377.99
ख)	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	1,342.20	1,331.13
ग)	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	87.14	-46.86

तुलनपत्र और संबंधित विश्लेषणः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,380.14	18,038.44
ख)	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97
ग)	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-596.35	-361.47

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	कुल सेवा लागत	498.50	708.47
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	25.66	-11.33
ग)	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	524.17	697.14

अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	पीबीओ पर वर्ष के लिए बीमाकृत लाभ / (हानि)	-159.33	229.36
ख.	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए तुआरियल लाभ / (हानि)	87.14	-46.86
ग.	वर्ष के लिए गैर–मान्यता प्राप्त बीमांकिक लाभ / (हानि)	-72.19	182.50

योजना परिसंपत्तियों में बदलावः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	17,676.97	18,621.53
ख.	योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	1,342.20	1,331.13
ग.	नियोक्ता का योगदान	361.48	–
घ.	लाभ का भुगतान किया	-2,596.86	-2,275.69
ङ.	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	16,783.79	17,676.97

योजना परिसंपत्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में)

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ख.	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ग.	उच्च गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड	–	–
घ.	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	–	–
ङ.	संपत्ति	–	–
च.	बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ	100%	100%
छ.	बैंक बैलेंस	–	–
	कुल	100%	100%

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलावः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	361.48	-153.17
ख.	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग.	कुल सेवा लागत	498.50	708.47
घ.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	25.66	-11.33
ङ.	पुनः मापन	72.19	-182.50
च.	कोष में दिया गया योगदान	-361.48	–
छ.	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	–	–
ज.	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	596.35	361.47

वर्ष के अंत में वर्तमान और गैर–वर्तमान में पीबीओ का द्विभाजित होनाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान देयता (कक वर्ष के भीतर देय राशि)	2,406.92	2,404.81
ख.	गैर–वर्तमान देयता (कक वर्ष से अधिक की देय राशि)	14,973.22	15,633.63
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**17,380.14**	**18,038.44**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	सेवा लागत	712.00	719.18
ख.	शुद्ध ब्याज लागत	40.61	25.66
ग.	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग। अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	752.61	744.84

परिभाषित लाभ दायित्व का संवेदनशीलता विश्लेषणः (₹ लाख में)

क. छूट दर में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17,380.14**
क.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-437.66
ख.	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	462.19

ख) वेतन वृद्धि में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17,380.14**
क.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	114.63
ख.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-123.07

परिभाषित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखाः

	वर्ष	राशि
क.	0 से 1 वर्ष	2,406.92
ख.	1 से 2 वर्ष	2,326.31
ग.	2 से 3 वर्ष	2,007.88
घ.	3 से 4 वर्ष	1,888.87
ङ.	4 से 5 वर्ष	1,715.22
च.	5 से 6 वर्ष	1,552.63
ज.	6 वर्ष कें बाद	5,482.31

छुट्टी नकदीकरण का बीमाकृत मूल्यांकन

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क.	दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–	–
ग.	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-17,533.64	-16,670.42

सदस्यता डेटा का सारांशः

(₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
क.	कर्मचारियों की संख्या	1592	1666
ख.	कुल मासिक वेतन (लाख) नकदीकरण छोड़	2137.02	2156.15
ग.	कुल मासिक वेतन (लाख) छुट्टी का लाभ	3846.64	4312.29
घ.	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
ङ.	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
च.	औसत शेष (वर्ष) कामकाजी जीवन	9.56	9.13
छ.	मूल्यांकन तिथि पर लीव बैलेंस पर विचार किया जाता है	3,50,827	3,56,234
ज.	पीबीओ की भारित औसत अवधि	9.24	8.83

आर्थिक अनुमानः

(₹ लाख में)

	31-03-2025	31-03-2024
i) छूट दर	6.81	7.10
ii) भविष्य में वेतन में वृद्धि	6.50	6.50

जनसांख्यिकीय अनुमानः

(₹ लाख में)

i) सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii) विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर '	आईएएलएम का 100% (2012 –14)	आईएएलएम का 100% (2012 –14)
iii) आयु	**निकासी**	**निकासी**
	दर (%)	**दर (%)**
30 वर्ष तक	0.01	0.01
31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06
iv) छोड़ दें		
अवकाश प्राप्ति दर	2.50%	2.50%
सेवा में रहते हुए लीव लैप्स रेट	नील	नील
बाहर निकलने पर लैप्स रेट छोड़ दें	नील	नील
सेवा में रहते हुए छुट्टी नकदीकरण दर	15.00%	15.00%

आयु के लिए विकलांगता सहित मृत्यु दर

(₹ लाख में)

आयु.	दर	आयु.	दर
15	0.000698	60	0.011162
20	0.000924	65	0.015932
25	0.000931	70	0.024058
30	0.000977	75	0.038221
35	0.001202	80	0.061985
40	0.00168	85	0.100979
45	0.002579	90	0.163507
50	0.004436	95	0.259706
55	0.007513	100	0.397733

लाभों का पैमानाः

क.	अर्जित अवकाश की गणना के लिए वेतन	अंतिम अर्हता वेतन।
ख.	निधान अवधि	नील
ग.	फायदे	
	1 वार्षिक संचय	30 दिन
	2 अधिकतम संचय	300 दिन
	3 कुल छुट्टी के दिन	3,50,827
	4 सेवा में लाभ (क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति)	हां
	5 सेवा में नकदीकरण छोड़ें	हां
	6 बाहर निकलने पर नकदी को छोड़ दें	हां
	7 माना जाने वाला महीना	30 दिन
घ.	सामान्य सेवानिवृत्ति पर लाभ	नीति के अनुसार वास्तविक संचय
ङ.	शीघ्र सेवानिवृत्ति/निकासी/त्यागपत्र/मृत्यु पर लाभ	सामान्य सेवानिवृत्ति लाभ के समान।

योजना दायित्वः

(₹ लाख में)

समाप्ति तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	**16,670.42**

सेवा लागतः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ख.	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग.	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ.	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13

शुद्ध ब्याज लागतः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,183.60	1,213.07
ख.	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	–	–
ग.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	1,183.60	1,213.07

लाभ दायित्व में परिवर्तन दिखाने वाली तालिकाः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	16,670.42	16,392.78
ख.	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग.	ब्याज लागत	1,183.60	1,213.06
घ.	सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ङ.	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
च.	भुगतान किए गए लाभ	-3,468.61	-2,877.15
छ.	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	1,080.98	232.60
ज.	दायित्व का वर्तमान मूल्य अवधि का अंत	17,533.64	16,670.42

दायित्व पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख.	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	308.44	302.92
ग.	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)हानि	772.54	-70.32

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत लाभ/हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अपेक्षित ब्याज आय	–	–
ख.	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	–	–
ग.	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	–	–

तुलनपत्र और संबंधित विश्लेषणः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	17,533.64	16,670.42
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–	–
ग.	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-17,533.64	-16,670.42

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
ख.	शुद्ध ब्याज लागत	1,183.60	1,213.06
ग.	अवधि में मान्यता प्राप्त शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,080.98	232.60
घ.	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	4,331.83	3,154.79

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	16,670.42	16,392.78
ख.	अधिग्रहण समायोजन	–	–
ग.	कुल सेवा लागत	2,067.25	1,709.13
घ.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	1,183.60	1,213.06
ङ.	पुनः मापन	1,080.98	232.60
च.	कोष में दिया गया योगदान	–	–
छ.	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	-3,468.61	-2,877.15
ज.	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	17,533.64	16,670.42

वर्ष के अंत में वर्तमान और गैर–वर्तमान में पी.बी.ओ. का द्विभाजित होनाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान देयता (कक वर्ष के भीतर देय राशि)	2,484.43	2,128.80
ख)	गैर–वर्तमान देयता (कक वर्ष से अधिक की देय राशि)	15,049.21	14,541.62
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**17,533.64**	**16,670.42**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	सेवा लागत	815.61	752.86
ख)	शुद्ध ब्याज लागत	1,194.04	1,183.60
ग)	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	2,009.65	1,936.46

परिभाषित लाभ दायित्व का संवेदनशीलता विश्लेषणः (₹ लाख में)

क. छूट दर में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17,533.64**
क.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-523.47
ख.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	556.71

ख. वेतन वृद्धि में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**17,533.64**
क.	0.50%की वृद्धि के कारण प्रभाव	555.28
ख.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभाव	-525.78

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ देयता का बीमाकृत मूल्यांकन

(₹ लाख में)

	वर्ष	राशि
क.	0 से 1 वर्ष	24,84,43,456
ख.	1 से 2 वर्ष	21,86,14,562
ग.	2 से 3 वर्ष	17,39,12,115
घ.	3 से 4 वर्ष	15,60,04,882
ङ.	4 से 5 वर्ष	16,31,56,993
च.	5 से 6 वर्ष	14,37,06,125
छ.	6 वर्ष के बाद	64,95,26,092

परिणामों का सारांशः (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025	31-03-2024
क.	दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	15,690.74
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51
ग.	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-4,162.28	-2,861.23

सदस्यता डेटा का सारांशः

(₹ लाख में)

	स्थितिनुसार	31-03-2025	31-03-2024
इन सर्विस कर्मचारी			
क.	कर्मचारियों की संख्या	1592	1666
ख.	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95	24.33
ग.	औसत आयु (वर्ष)	50.44	50.87
घ.	औसत शेष (वर्ष)	9.56	9.13
	कामकाजी जीवन		
ड.	भारित औसत शेष कार्य जीवन।	7.58	8.83
सेवानिवृत्त कर्मचारी			
क.	सेवानिवृत्त कर्मचारी की संख्या	1987	1853
ख.	औसत आयु (वर्ष)	67.98	67.52
	प्रति रेइटी वार्षिक लागत	₹. 54,156 /-	₹. 39456/-
	(क) बाह्य रोगी उपचार लागत		
	(ख) रोगी में उपचार की लागत		

आर्थिक अनुमानः

		31-03-2025	31-03-2024
क. छूट दर		6.81	7.10
क. भविष्य में चिकित्सा लागत में वृद्धि		6.0	5.0
क.	बाहरी उपचार		
ख.	आंतरिक उपचार		

जनसांख्यिकीय अनुमानः

(₹ लाख में)

i) सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60	60
ii) विकलांगता के प्रावधान सहित मृत्यु दर	आईएएलएम का 100% (2012 –14)	आईएएलएम का 100% (2012 –14)
iii) आयु	निकासी	निकासी
	दर (%)	दर (%)
30 वर्ष तक	0.01	0.01
31 से 44 वर्ष तक	0.03	0.03
44 वर्ष से अधिक	0.06	0.06

मृत्यु दर और रुग्णता दरः

क. सेवा में रहते हुए–आईएएलएम (2012–14) दरों का 100% माना गया है जिसमें विकलांगता लाभ के लिए भत्ता भी शामिल है

(₹ लाख में)

आयु.	मृत्यु दर	आयु.	मृत्यु दर
15	**0.000698**	**40**	**0.00168**
20	**0.000924**	**45**	**0.002579**
25	**0.000931**	**50**	**0.004436**
30	**0.000977**	**55**	**0.007513**
35	**0.001202**	**60**	**0.011162**

ख. सेवानिवृत्ति के बाद–(1996–98) दरों का 100% मान लिया गया है (₹ लाख में)

आयु.	दरें	आयु.	दरें
50	0.004243	80	0.070802
60	0.010907	85	0.106891
65	0.01389	90	0.151539
70	0.024301	100	0.266511
75	0.043272		

योजना दायित्वः (₹ लाख में)

समाप्ति तिथि	31-03-2025	31-03-2024
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	**15,690.74**

सेवा लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान सेवा लागत	745.57	548.69
ख.	कटौती लाभ/हानि सहित पिछली सेवा लागत	–	–
ग.	गैर–नियमित निपटान पर लाभ या हानि	–	–
घ.	कुल सेवा लागत	745.57	548.69

शुद्ध ब्याज लागतः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	परिभाषित लाभ दायित्व पर ब्याज लागत	1,114.04	962.07
ख.	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	910.90	778.72
ग.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	203.15	183.35

वर्तमान लाभ दांयित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	15,690.74	13,001.02
ख.	ब्याज लागत	1,114.04	962.08
ग.	सेवा लागत	745.57	548.69
घ.	भुगतान किए गए लाभ	-1,076.28	-1,018.05
ङ.	कुल बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	3,390.89	2,197.00
च.	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य दायित्व का वर्तमान मूल्य अवधि का अंत	19,864.97	15,690.74

दायित्व पर बीमाकृत (लाभ) हानिः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	जनसांख्यिकीय अनुमान में परिवर्तन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	–	–
ख.	बीमांकिक (लाभ)/वित्तीय अनुमान में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली हानि	2,339.84	1,832.56
ग.	अनुभव समायोजन से होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,051.05	364.45

योजना परिसंपत्ति पर बीमाकृत (लाभ) हानिः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अपेक्षित ब्याज आय	910.90	778.72
ख.	योजना परिसंपत्ति पर वास्तविक आय	1,088.23	846.54
ग.	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ(हानि)	177.33	67.82

तुलनपत्र और संबंधित विश्लेषणः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	19,864.97	15,690.74
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51
ग.	बैलेंस शीट में वित्त पोषित देयता/प्रावधान	-4,162.28	-2,861.23
घ.	तुलनपत्र में मान्यता प्राप्त वित्त पोषित दायिं	-4,162.28	-2,861.23

आय विवरण में मान्यता प्राप्त राशियाँः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	सेवा लागत	745.57	548.69
ख.	शुद्ध ब्याज लागत	203.15	183.35
ग.	आय विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	948.72	732.04

अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	शुद्ध संचयी गैर–मान्यता प्राप्त बीमांकिक लाभ/(हानि) उद्घाटन		
ख.	पीबीओ पर वर्ष के लिए बीमाकृत लाभ/(हानि)	-3,390.89	-2,197.00
ग.	परिसंपत्ति पर वर्ष के लिए बीमांकिक लाभ/(हानि)	177.33	67.82
घ.	वर्ष के अंत में अप्रमाणित बीमांकिक लाभ/(हानि)	-3,213.56	-2,129.18

योजना परिसंपत्तियों में बदलावः

(₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	12,829.51	10523.26
ख	योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	1,088.23	846.54
ग.	नियोक्ता का योगदान	2,861.23	2,477.76
घ.	भुगतान किए गए लाभ	-1,076.28	-1,018.05
ङ.	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	15,702.69	12,829.51

योजना परिसंपत्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में) (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	भारत सरकार की प्रतिभूति	–	–
ख.	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	–	–
ग.	उच्च गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड	–	–
घ.	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	–	–
ङ.	संपत्ति	–	–
च.	बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियाँ	100%	100%
छ.	बैंक बैलेंस	–	–
	कुल	**100%**	**100%**

निवल परिभाषित लाभ दायित्व में बदलावः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	अवधि की शुरुआत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	2,861.23	2,477.76
ख.	सेवा लागत	745.57	548.69
ग.	शुद्ध ब्याज लागत (आय)	203.15	183.35
घ.	पुनः मापन	3,213.56	2,129.18
ङ.	कोष में दिया गया योगदान	-2,861.23	-2,477.76
च.	उद्यम द्वारा सीधे भुगतान किया गया लाभ	–	–
छ.	अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ देयता	4,162.28	2,861.23

वर्ष के अंत में वर्तमान और गैर–वर्तमान में पीबीओ का द्विभाजित होनाः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	वर्तमान देयता (कक वर्ष के भीतर देय राशि)	1,190.30	1,067.34
ख.	गैर–वर्तमान देयता (कक वर्ष से अधिक की देय राशि)	18,674.67	14,623.40
	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**19,864.97**	**15,690.74**

अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित योगदानः (₹ लाख में)

		31-03-2025	31-03-2024
क.	सेवा लागत	717.13	582.44
ख.	शुद्ध ब्याज लागत	283.45	203.15
ग.	अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए अपेक्षित व्यय	1,000.58	785.59

परिभाषित लाभ दायित्व का अपेक्षित संवेदनशीलता विश्लेषणः अगली वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के लिए योगदानः (₹ लाख में)

क) छूट दर में परिवर्तन का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**19,864.97**
क.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभा	-922.61
ख.	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	954.79

ख) चिकित्सा लागत दर का प्रभाव

	अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	**19,864.97**
क.	0.50% की वृद्धि के कारण प्रभा	968.16
ख.	0.50% की कमी के कारण प्रभाव	-938.59

परिभाषित लाभ दायित्व की परिपक्वता रूपरेखा:

	वर्ष	राशि
क.	0 से 1 वर्ष	11,90,30,392
ख.	1 से 2 वर्ष	12,91,07,774
ग.	2 से 3 वर्ष	14,14,49,503
घ.	3 से 4 वर्ष	15,15,62,861
ङ.	4 से 5 वर्ष	16,39,17,052
च.	5 से 6 वर्ष	17,89,19,725
छ.	6 वर्ष के बाद	1,10,25,09,601

सेवानिवृत्ति पर स्वर्ण सिक्के का पुरस्कार

परिणामों का सारांश: (₹ लाख में)

	परिसंपत्तियाँ / देनदारी	31-03-2025
क.	दायित्व का वर्तमान मूल्य	449.62
ख.	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	–
ग.	बैलेंस शीट में प्रावधान के रूप में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	-449.62

सदस्यता डेटा का सारांश: (₹ लाख में)

		31-03-2025
क.	कर्मचारियों की संख्या	1592
ख.	कुल मासिक वेतन (लाख)	लागू नहीं
ग.	औसत पिछली सेवा (वर्ष)	23.95
घ.	औसत आयु (वर्ष)	50.44
ङ.	औसत शेष कार्य जीवन (वर्ष)	9.56

आर्थिक अनुमान:

	31-03-2025
क. छूट दर	6.81%
पप) सोने के सिक्कों की वृद्धि दर	6.50%

जनसांख्यिकीय अनुमान:

i) सेवानिवृत्ति की आयु (वर्ष)	60
ii) मृत्यु तालिका	आईएएलएम(2012–14)
iii) आयु	**निकासी**
	दर
30 वर्ष तक	0.01

31 से 44 वर्ष तक	0.03
44 वर्ष से अधिक	0.06

बीमाकृत मूल्यः (₹ लाख में)

अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य (31/03/2025)	449.62

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची iii के अनुसार वर्ष के अंत में पी.बी.ओ. का द्विभाजनः (₹ लाख में)

		31-03-2025
क.	वर्तमान देयता (कक वर्ष के भीतर देय राशि)	52.58
ख.	गैर–वर्तमान देयता (कक वर्ष से अधिक की देय राशि)	397.04
ग.	वर्ष के अंत में कुल पीबीओ	**449.62**

वित्तीय देनदारियाँ

नोट संख्या 21: वर्तमान उधार

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्तमान ऋण		
मांग पर चुकाने योग्य ऋण		
बैंकों से–सुरक्षित	35,173.86	52,253.97
बैंक से–असुरक्षित	-	-
कुल (क)	**35,173.86**	**52,253.97**
गैर–वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वताक ।		
बांड–सुरक्षित	50,000.00	62,000.00
विदेशी मुद्रा ऋण–सुरक्षित	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण–असुरक्षित	6,771.09	6,616.57
बैंक ऋण–सुरक्षित	27,200.00	29,300.00
बैंक ऋण–असुरक्षित	1,000.00	1,000.00
कुल (ख)	**84,971.09**	**98,916.57**
सी कुल (क+ख)	**1,20,144.95**	**1,51,170.54**

वर्तमान वित्तीय उधारी–उधारी के लिए टिप्पणियाँ		
आङ. वर्तमान ऋणः		
कार्यशील पूंजी सुविधाक		
(i) भारतीय स्टेट बैंक, शिलांग		
कार्यशील पूंजी मांग ऋण (शुद्ध)	-	-
पुस्तक ऋणों और कंपनी के वर्तमान और भविष्य दोनों के अन्य सभी इन्वेंट्री के अनुमान के खिलाफ निकासी की सीमा तक सुरक्षित। एसबीआई, शिलांग द्वारा 01.03.2024 को कार्यशील पूंजी मांग ऋण (डब्ल्यूसीडीएल) सुविधा का नवीनीकरण किया गया था और यह 31.03.2025 तक वैध थी। ब्याज दर 91 दिनों के टी–बिल प्लस स्प्रेड पर आधारित है। 31.03.2025 को अंतिम टी–बिल लिंक्ड ब्याज दर 7.15% प्रति वर्ष थी। इसी सुविधा का 25.03.2026 तक नवीनीकरण किया गया है।	22,000.00	20,100.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	121.54	34.47
(ii) नकद ऋण	22121.54	20,134.47
पुस्तक ऋणों और कंपनी के वर्तमान और भविष्य दोनों के अन्य सभी इन्वेंट्री के अनुमान के खिलाफ निकासी की सीमा तक सुरक्षित। एसबीआई, शिलांग द्वारा 01–03–2024 को कार्यशील पूंजी मांग ऋण (डब्ल्यूसीडीएल) सुविधा का नवीनीकरण किया गया है। ब्याज दर 6 महीने के एमसीएलआर प्लस शून्य मार्जिन पर तय की गई है। 25–02–2025 को सीसी खाते की वर्तमान ब्याज दर 8.90% प्रति वर्ष है। इस सुविधा की वैधता 31–03–2025 तक है। इसी सुविधा का 25.03.2026 तक नवीनीकरण किया गया है।	13,052.32	1,956.76
(iii) एसबीआई से एसटीएल	-	30,000.00
जोड़ः अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं	-	162.74
अल्पावधि ऋण (शुद्ध)	-	**30,162.74**
(कसबीआई से 03.02.2024 को लिया गया 30000 लाख रुपये का ऋण पहली निकासी की तारीख से 1 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ असुरक्षित प्रकृति का है। ऋण पहली निकासी की तारीख से प्रत्येक ₹ 100.00 करोड़ के लिए निकासी की 6 वीं, 9 वीं और 12 वीं मासिक वर्षगांठ पर देय है। ऋण की ब्याज दर 7.54% प्रति माह है। (91–दिन का टी–बिल. 0.50%)		
कुल	**35,173.86**	**52,253.97**

II. गैर–वर्तमान ऋणों की वर्तमान परिपक्वताक (₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
आङ. सुरक्षित बोरिंग्स		
क. निजी तौर पर रखे गए पीएसयू बांड		
अ. अठारहवाँ अंक	50,000.00	
8 वर्ष नीपको 7.68% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 रुपये के कर योग्य बांड, 15–11–2025 और 15–11–2025 को अंकित मूल्य के 50% पर रिडीमेबल, 15–11–2022,15–05–2023,15–11–2023,15–05–2024,15–11–2024,15–05–2025 पर कॉल विकल्प के साथ।		
(पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों के साथ–साथ पारे जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)	-	12,000.00
क. पंद्रहवां अंक		
10 वर्ष नीपको 9.15% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 रूपये प्रत्येक के कर योग्य बांड, 25–03–2021 को अंकित मूल्य के 20% पर रिडीमेबलय 25–03–2022य 25–03–2023य 25–03–2024 और 25–03–2025।	-	50,000.00

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(त्रिपुरा में अगरतला गैस टर्बाइन परियोजना (मूल ओपन–साइकिल संयंत्र) की परिसंपत्तियां, असम गैस आधारित परियोजना, असम में गैस टर्बाइन और स्टीम टर्बाइन को छोड़कर परिसंपत्तियां, रंगानदी हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना, अरुणाचल प्रदेश में उत्पादन स्टेशन में संयंत्र और मशीनरी को छोड़कर परिसंपत्तियां और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भूमि संपत्ति को एक ट्रस्ट डीड के माध्यम से बंधक के रूप में प्रभारित किया गया है)		
ख. चौदहवाँ अंक		
10 वर्ष नीपको 9.60% सुरक्षित, रिडीमेबल, गैर–परिवर्तनीय, 10,00,000 प्रत्येक के कर योग्य बांड, 01–10–2020 को अंकित मूल्य के 20% पर रिडीमेबलय 01–10–2021; 01–10–2022 ; 01–10–2023 और 01–10–2024 (कामेंग पनबिजली परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की संपत्तियों के साथ–साथ अन्य चल संपत्तियों और गुजरात के मेहसाणा जिले में निगम की भू–संपत्तियों को एक न्यास विलेख के माध्यम से ऋणपत्र न्यासी के साथ समान रूप से गिरवी रखा गया है)		
	-	
ख. सुरक्षित अवधि ऋण		
i. रुपया ऋणः		
क. केनरा बैंक से मध्यम अवधि का सहकारी ऋण		
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कानेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर पैरी पासू चार्ज द्वारा सुरक्षित। यह ऋण 03–02–2020 को पहली निकासी से 1 वर्ष की मोहलत के बाद 16 संरचित तिमाही किस्त में चुकाया जा सकता है।		12,500.00
विदेशी मुद्रा ऋण		
ख. पंजाब नेशनल बैंक से कॉरपोरेट टर्म लोन		
पी.एन.बी. (निवल) से मध्यम अवधि का सह–ऋण		
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कानेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर पैरी पासू चार्ज द्वारा सुरक्षित। 2 साल की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में ऋण का भुगतान पहली निकासी के बाद 2 वर्ष के स्थगन के बाद निम्नलिखित त्रैमासिक किस्तों में किया जाना है 30.12.2022 से शुरू होने वाली 17 करोड़ रुपये की 12 समान किस्तें, 30.12.2025 से शुरू होने वाली 34 करोड़ रुपये की 8 समान किस्तें और 30.12.2027 से शुरू होने वाली 93.50 करोड़ रुपये की 4 समान किस्तें।	10,200.00	6,800
ग. भारतीय स्टेट बैंक से रुपया सावधि ऋण		
अरुणाचल प्रदेश में स्थित कामेंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (600 मेगावाट) की परिसंपत्तियों पर अन्य ऋणदाताओं के साथ पैरी पासू चार्ज द्वारा सुरक्षित। ऋण निकासी की पहली तारीख से 2 साल की मोहलत के बाद निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जाता है: 9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 25.00 करोड़ रुपये, 21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक को 50.00 करोड़ रुपये 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में 75.00 करोड़ रुपये।	10,000.00	10,000.00
घ. एचडीएफसी बैंक से सावधि ऋण		
(पारे हाइड्रो पावर स्टेशन–अरुणाचल प्रदेश और रंगानदी एचपीएस (405 मेगावाट) में संयंत्र और मशीनरी और असम गैस आधारित पावर स्टेशन (291 मेगावाट) के गैस टर्बाइन में पहले पैरी पासू आधार पर संपत्ति की अचल संपत्तियों के परिकल्पना द्वारा सुरक्षित)। पहली निकासी (06.10.2022) से 2 साल की मोहलत अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किस्त में ऋण चुकाया जाता है–9वीं से 20वीं तिमाही के अंत में 15.00 करोड़ रुपये–21वीं से 28वीं तिमाही के अंत में 25.00 करोड़ रुपये: 29वीं से 32वीं तिमाही के अंत में 30.00 करोड़ रुपये।	6,000.00	
ड़. एक्सिस बैंक से सावधि ऋण		
ई. त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में स्थित त्रिपुरा गैस आधारित बिजलीघर की चल अचल संपत्तियों (पृथ्वी से जुड़ी संपत्तियों सहित) पर एक्सिस बैंक से सावधि ऋण (पहले शुल्क द्वारा सुरक्षित)। ऋण पहली निकासी (29.09.2023) की तारीख से 2.25 वर्ष की अधिस्थगन अवधि से शुरू होने वाली निम्नलिखित तिमाही किश्तों में चुकाया जाना है। 9वीं से 18वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक ₹10.00 करोड़ 19वीं से 27वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक ₹20 करोड़ 28वीं से 36वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक ₹ 30 करोड़, 37वीं से 40वीं तिमाही के अंत में प्रत्येक ₹ 50 करोड़।	1,000.00	
कुल योग	**77,200.00**	**91,300.00**

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
II. असुरक्षित ऋणः		
विदेशी मुद्रा ऋण		
केएफडब्ल्यू, जर्मनी से ऋण	6,771.09	6,616.57
(भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)		
(भारत–जर्मन द्विपक्षीय विकास सहयोग कार्यक्रम के तहत केएफडब्ल्यू, जर्मनी से 80 मिलियन और 20 मिलियन यूरो का ऋण स्वीकृत किया गया था। ऋण समझौता 80 मिलियन और 20 मिलियन यूरो 11 दिसंबर 2008 और 20 दिसंबर 2017 को 3.46% प्रति वर्ष की निश्चित ब्याज दर पर निष्पादित किया गया था। – 0.85% प्रति वर्ष क्रमशः। इस ऋण की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी जाती है। 80 मिलियन यूरो की अंतिम ऋण किस्त 03.03.2016 को प्राप्त हुई थी और 20 मिलियन यूरो 16.08.2018 को प्राप्त हुई थी। ऋण 30 बराबर छमाही किश्तों डब्ल्यूइएफ में चुकाने योग्य हैं। 30–12–2013 और 20 बराबर छमाही डब्ल्यूइएफ 30–12–2020 क्रमशः)		
(iii) मध्यम अवधि का ऋण		
पीएनबी से (शुद्ध) ऋण	**1,000.00**	**1000.00**
29.11.2023 को पीएनबी से रुपये के लिए असुरक्षित ऋण पहली निकासी की तारीख से 7 साल की परिपक्वता अवधि के साथ 30000 लाख। ऋण का पुनर्भुगतान पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें वर्ष के अंत में 1000 लाख रुपये प्रति वर्ष यानी 29.11.2024,29.11.2025,29.11.2026,29.11.2027,29.11.2028 को किया जाएगा। 6 वें और 7 वें वर्ष के अंत में 12500 लाख प्रति माह 28.11.2029 और 28.11.2030 को। ऋण के लिए ब्याज की दर 7.75% प्रति वर्ष है। @पीएनबी आरएलएलआर–ईएलआईटीई योजना।		
उप–कुल उधार	7,771.09	**7,616.57**
उप–कुल उधार	84,971.09	**98,916.57**
III- उपार्जित लेकिन देय नहीं ब्याजः		
बांड	6,430.84	4,992.14
के. एफ. डब्ल्यू. से	170.67	212.24
ऋण बाहरी वाणिज्यिक उधार	-	-
मध्यम अवधि का ऋण	357.60	443.87
अधीनस्थ ऋण	-	-
टीसीएस उपार्जित लेकिन वस्तुओं की बिक्री पर देय नहीं		-
उप–कुल	**6,959.11**	**5,648.25**

नोट संख्या 21 एः वर्तमान पट्टे की देनदारियां

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
लीज देनदारियाँ	971.68	1,000.48
कुल	**971.68**	**1,000.48**

नोट संख्या 22: व्यापार देय

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों का कुल बकाया	960.27	1,242.61
सूक्ष्म उद्यमों और छोटे उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों का कुल बकाया	12,977.00	16,533.13
कुल	**13,937.27**	**17,775.74**

देय व्यापार में मार्च 2025 के लिए ईंधन लागत का भुगतान और मार्च 2025 के लिए ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं पर किए गए प्रावधान शामिल हैं।

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
आपूर्ति और सेवाओं के लिए लेनदार	13,937.27	17,775.74

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में परिभाषित सूक्ष्म और लघु उद्यमों को देय राशि का निर्धारण कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर ऐसे पक्षों की पहचान की गई सीमा तक किया गया है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण निम्नलिखित हैं:

(₹ लाख में)

वर्णन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
i वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया मूल राशि	960.27	1,242.61
ii. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया ब्याज का भुगतान नहीं किया गया	शून्य	शून्य
iii. एम. एस. एम. ई. डी.। अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज राशि और निर्धारित तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	शून्य	शून्य
iv. भुगतान करने में विलम्ब की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान इस अवधि के दौरान नियत दिन से अधिक किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	शून्य	शून्य
v. उपार्जित और अवैतनिक ब्याज की राशि।	शून्य	शून्य
vi. एम. एस. एम. ई. डी. अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय अतिरिक्त ब्याज की राशि, उस तारीख तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।	शून्य	शून्य

31 मार्च, 2025 को एमएसएमई को देय राशि विक्रेताओं से दावों की प्राप्ति के 45 दिनों से अधिक के लिए बकाया नहीं है और तदनुसार उक्त बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है।

व्यापार देय राशि की उम्र बढ़ रही है:

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक						
	बकाया राशि	देय नहीं	भुगतान की नियत तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
ए	**बी**	**सी**	**डी**	**इ**	**एफ**	**जी**	**एच= बी से जी**
i) एमएसएमई	877.34	82.93	-	-	-	-	**960.27**
ii) अन्य	643.07	4,312.35	7,259.84	176.16	75.11	510.47	**12,977.00**
iii) विवादित बकाया–एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित देय–अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,520.41**	**4,395.28**	**7,259.84**	**176.16**	**75.11**	**510.47**	**13,937.27**

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक						
	बकाया राशि	देय नहीं	भुगतान की नियत तिथि से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
ए	**बी**	**सी**	**डी**	**इ**	**एफ**	**जी**	**एच= बी से जी**
i) एमएसएमई	1,144.54	98.07	-	-	-	-	**1,242.61**
ii) अन्य	5,119.32	9,158.23	1,643.46	89.05	23.73	499.34	**16,533.13**
iii) विवादित बकाया–एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
iv) विवादित देय–अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**6,263.86**	**9,256.30**	**1,643.46**	**89.05**	**23.73**	**499.34**	**17,775.74**

वर्तमान देनदारियाँ

नोट संख्या 23 अन्य वित्तीय देनदारियाँ

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अर्जित लेकिन देय नहीं ब्याजः		
बांड	6,430.84	4,992.14
के. एफ. डब्ल्यू. से ऋण	170.67	212.24
बाहरी वाणिज्यिक उधार	-	-
मध्यम अवधि का ऋण	357.60	443.87
अधीनस्थ ऋण	-	-
उप–कुल	**6,959.11**	**5,648.25**
II. अन्य देनदारियां		
पूँजीगत व्यय के लिए देय		
(i) सूक्ष्म और लघु उद्यम	482.49	122.43
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा	5,669.59	4,816.47
कर्मचारियों के लिए देय राशि के लाभ	6,287.70	7,902.18
अन्य देय राशियाँ और प्रावधान	21,065.19	9,866.12
ठेकेदारों, ईएमडी, एसडी और अन्य अग्रिमों से प्राप्त प्रतिधारण राशि	10,779.50	14,335.55
उप–कुल	**44,284.47**	**37,042.75**
कुल	**51,243.58**	**42,691.00**

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में परिभाषित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय राशि का निर्धारण कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया गया है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

वर्णन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
i.सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में परिभाषित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए देय राशि का निर्धारण कंपनी के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया गया है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से संबंधित प्रकटीकरण इस प्रकार हैं:	482.49	122.43
ii. वर्ष के अंत में आपूर्तिकर्ता को बकाया ब्याज का भुगतान नहीं किया गया		
iii. एम.एस.एम.ई.डी अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज राशि और निर्धारित तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।		
iv. भुगतान करने में विलम्ब की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान इस अवधि के दौरान नियत दिन से अधिक किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना		
v. उपार्जित और अवैतनिक ब्याज की राशि।		
vi. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय अतिरिक्त ब्याज की राशि, उस तारीख तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।		

31 मार्च, 2025 को एमएसएमई को देय राशि विक्रेताओं से दावों की प्राप्ति के 45 दिनों से अधिक के लिए बकाया नहीं है और तदनुसार उक्त बकाया राशि पर कोई ब्याज देय नहीं है।

नोट संख्या 24: अन्य वर्तमान देनदारियाँ

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अन्य वैधानिक देय राशि:		
(i) देय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर	3,345.33	3,427.03
(ii) अन्य वैधानिक देय (सीपीएफ,एलआईपी एनईएसएस आदि)	1,419.80	1,457.58
लाभार्थियों से अग्रिम	2,396.45	1,246.60
परियोजना प्रभावित लोगों को मुफ्त बिजली	113.57	96.95
कुल	**7,275.15**	**6,228.16**

24 (i) ठेकेदारों और अन्य लोगों से प्राप्त प्रतिधारण राशि प्रतिभूति जमा, कार्यों/आपूर्ति बिल से काटे गए बयाना धन से संबंधित है, जिसे अनुबंध/आपूर्ति आदेश की शर्तों द्वारा निर्धारित दोष देयता अवधि के बाद काम पूरा होने पर निपटाया जाएगा।

24 (ii) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में 31 मार्च 2025 तक किया गया टीडीएस और अप्रत्यक्ष कर जैसे जीएसटी शामिल है जो मार्च 2025 के कार्यों/आपूर्ति बिल से काटा गया है और रिपोर्टिंग की तारीख तक जमा नहीं किया गया है।

24 (iii) देय अन्य सांविधिक देय राशियों में भविष्य निधि में निगम का अंशदान, एल.आई.सी । प्रीमियम में कटौती, पेंशन अंशदान, भविष्य निधि में कर्मचारियों का अंशदान और मार्च के दौरान की गई अन्य कटौती शामिल है जो देय नहीं है और रिपोर्टिंग तिथि तक जमा नहीं की गई है।

नोट संख्या 25: अल्पावधि प्रावधान

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ		
ग्रैच्युटी	596.35	361.48
सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा लाभ	4,162.28	2,861.23
नकदीकरण छोड़	17,533.64	16,670.42
अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	52.58	37.62
कुल	**22,344.85**	**19,930.75**

कर्मचारी लाभों के प्रावधान में ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्ति पर सोने का सिक्का शामिल हैं। चालू वर्ष के लिए प्रावधान की वहन राशि में वृद्धि/कमी मुख्य रूप से चालू वर्ष के लिए वृद्धिशील शुल्क के शुद्ध प्रभाव और चालू वर्ष में भुगतान किए गए लाभों के कारण है।

25 (i) परिभाषित अंशदान योजना

कंपनी संबंधित कर्मियों की ओर से कई परिभाषित योगदान योजनाओं में भाग लेती है। इन योजनाओं के संबंध में मान्यता प्राप्त कोई भी व्यय उन योजनाओं के नियमों द्वारा निर्दिष्ट दरों पर उनके द्वारा अवधि के दौरान देय योगदान के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। तुलनपत्र में केवल वे राशियाँ शामिल हैं जो पूर्व महीनों के अंशदानों से संबंधित हैं जिनका रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति के बाद तक भुगतान नहीं किया जाना था। कंपनी द्वारा संचालित प्रमुख परिभाषित योगदान योजनाक । इस प्रकार हैं:

क. भविष्य निधि

भारतीय कानून के अनुसार, कंपनी के योग्य कर्मचारी भविष्य निधि के संबंध में लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं, एक परिभाषित योगदान योजना, जिसमें कर्मचारी और कंपनी दोनों कवर किए गए कर्मचारियों के वेतन के एक निर्दिष्ट प्रतिशत पर मासिक योगदान करते हैं। कंपनी भविष्य निधि न्यास को पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करती है, जो सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमत प्रतिभूतियों में निधि का निवेश करती है। वर्ष के लिए कोष में कंपनी का योगदान ₹ 3375.47 लाख (पिछले वर्ष ₹ 3469.50 लाख) था निवेश ने भारत सरकार द्व ारा निर्दिष्ट दर के अनुसार सदस्य को भुगतान करने के लिए पर्याप्त ब्याज अर्जित किया है।

ख. अधिवर्षिता निधि

सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) भारत सरकारं (जीओआई) के दिशानिर्देशों के संदर्भ में ओ. एम. संख्या 2 (70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–xiv/08 दिनांक 26.11.2008 और ओ. एम. संख्या 2 (70)/08–डीपीई (डब्ल्यूसी)/जीएल–vii/09 दिनांक 02.04.2009, कंपनी ने नीपको कर्मचारी परिभाषित योगदान अधिवर्षिता लाभ योजना तैयार की है।

वर्ष के लिए इस योजना का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट में कंपनी का योगदान ₹ 2321.71 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2389.13 लाख) था

25 (ii) परिभाषित लाभ योजनाक

क. सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी

कंपनी के पास एक परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है, वह सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन (15/26 x अंतिम रूप से प्राप्त मूल वेतन और महंगाई भत्ता) पर ग्रेच्युटी प्राप्त करने का हकदार है, जो अधिकतम रु। 20.00 लाख, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, समाप्ति, विकलांगता या मृत्यु पर। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

निदेशक मंडल ने 01.04.2013 को आयोजित अपनी बैठक में निगम की सेवाओं से अलग किए गए कर्मचारियों को ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए धन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने संकल्प संख्या 195/16 दिनांक 1.4.2013 के माध्यम से ग्रेच्युटी फंड ट्रस्ट के निर्माण को मंजूरी दी है। तदनुसार नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट का गठन 25 जून 2013 को किया गया था और एक मास्टर पॉलिसी, जिसे नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी–सह–जीवन बीमा (नकद संचय) योजना के रूप में नामित किया गया है, को भारतीय जीवन बीमा निगम से 5 अगस्त 2013 को लिया गया है।

वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 31.03.2025 को फंड बैलेंस का आकलन करने के लिए एलआईसी के साथ लेन–देन नीपको की पुस्तकों के अनुसार हैं।

एल.आई.सी के साथ वित्त पोषित परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ लाख में)

खास बातें.	31.03.2025	31.03.2024
संतुलन खोलना	17,676.96	18,621.53
वर्ष के दौरान लेन–देन (नेट डेबिट)	2,596.86	2,275.70
वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज (शुद्ध ऋण)	1,703.68	1,331.13
समापन शेष राशि	**16,783.78**	**17,676.96**

ख. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना

कंपनी के पास सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं के लिए एक अंशदायी योजना है। इस योजना के तहत सेवानिवृत्त/मृत कर्मचारी और सेवानिवृत्त/मृतक के पतिध्पत्नी को अंशदायी आधार पर चिकित्सा सुविधाक । प्रदान की जाती हैं जो इस प्रकार हैं:

इनडोर उपचार के लिए किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति निकटतम अधिकृत/अनुमोदित अस्पताल की दरों तक सीमित है।

पैनल में शामिल अस्पतालों में किए गए बाह्य रोगी/अधिवासी उपचार के लिए, नैदानिक परीक्षणों, जांच, दवाओं की लागत और अन्य ओपीडी खर्चों के लिए प्रतिपूर्ति की अनुमति है, जो प्रति वर्ष अंतिम मूल की अधिकतम सीमा के अधीन है, जो भी कम हो। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ग. अधिवर्षिता पर अन्य सेवानिवृत्ति लाभ

एक अच्छी संगठनात्मक संस्कृति को पोषित करने और कर्मचारी द्वारा प्रदान की जाने वाली ईमानदार सेवाओं की सराहना करने के लिए, निगम सेवानिवृत्ति की तारीख पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को एक सोने का सिक्का प्रदान कर रहा है। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आध ाार पर मान्यता दी जाती है।

25 (iii) कर्मचारी को मिलने वाले अन्य लाभ

क. छोड़ दें

कंपनी कंपनी के कर्मचारियों को अर्जित अवकाश लाभ (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित) और आधा वेतन अवकाश प्रदान करती है जो क्रमश: 30 दिनों और 20 दिनों में वार्षिक रूप से प्राप्त होता है। अर्जित अवकाश खाता केवल एक खंड यानी अर्थात में बनाए रखा जाता है। कैश करने योग्य। निगम से कर्मचारी की सेवानिवृत्ति/अलगाव पर, 300 दिनों की अधिकतम सीमा के अधीन पूरी छुट्टी (अर्जित छुट्टी और अधिकतम 240 दिन आधा वेतन अवकाश) नकद योग्य होगी। आधा वेतन अवकाश परिवर्तित नहीं किया जा सकता है। आधा वेतन अवकाश के लिए देय नकद समतुल्य आधा वेतन और महंगाई भत्ते के लिए स्वीकार्य छुट्टी वेतन के बराबर होगा। इसके लिए देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर मान्यता दी जाती है।

ख. सामाजिक सुरक्षा योजना

अनुकंपा नियुक्ति के बदले कंपनी की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। कंपनी इस योजना में समान योगदान देती है। इस योजना का उद्देश्य कंपनी के किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में आश्रित लाभार्थियों को नकद लाभ प्रदान करना है, जिसमें स्थायी पूर्ण विकलांगता भी शामिल है जिससे रोजगार की समाप्ति हो जाती है।

नोट संख्या 26: अन्य गैर–वर्तमान देनदारियाँ

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
आस्थगित राजस्व		
सरकारी अनुदान से उत्पन्न विलंबित राजस्व	**19,571.04**	21,213.71
सरकारी अनुदान से उत्पन्न विलंबित राजस्व	**1,640.74**	1,586.70
कुल	**17,930.30**	**19,627.01**

नोट संख्या 26ए: आस्थगित राजस्व चालू

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
क. सरकारी अनुदान से उत्पन्न होने वाला आस्थगित राजस्व	1,640.74	1,586.70
जोड़: वर्ष के दौरान जोड़	1,640.74	1,586.70
कम: वर्ष के दौरान समायोजित	1,640.74	1,586.70
उप–कुल	**1,640.74**	**1,586.70**
ख. आस्थगित विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव देनदारियाँ	9,623.88	9,978.04
कुल	**11,264.62**	**11,564.74**

सरकारी अनुदान पर टिप्पणी (आईएनडी एएस 20)

नीपको की अनुमोदित लेखा नीति में सरकारी अनुदान की मान्यता और लेखांकन की नीति शामिल है (नोट 1 का पैरा 14–महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का सारांश)

भारत सरकार ने तुईरियल एचईपी के कार्यान्वयन के लिए नीपको को 29196.42 लाख रुपये का अधीनस्थ ऋण स्वीकृत किया है, जिस पर परियोजना के वाणिज्यिक संचालन की तिथि से 1% प्रति वर्ष ब्याज देय होगा। उपरोक्त ऋण राशि में से नीपको को 31.03.2015 तक 29096.42 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं और शेष 100.00 लाख रुपये वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त हुए हैं। 31.03.2015 तक प्राप्त ऋण राशि (29096.42 लाख रुपये) को इंड एएस 101 (पूर्वव्यापी आवेदन को छोड़कर) के अनुपालन में इसके वहन मूल्य पर 01.04.2015 (इंड एएस ट्रांजिशन तिथि) को नीपको की पुस्तकों में मान्यता दी गई है तथापि, वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान प्राप्त ऋण राशि (₹ 100.00 लाख) के लिए, बाजार दर से कम ब्याज दर (एसबीआई आधार दर/9.70% जो जून 2015 तक प्रभावी है) के कारण ऋण का लाभ ₹ 82.64 लाख है, जिसे सरकारी अनुदान माना गया है तथा तदनुसार नीपको की पुस्तकों में मान्यता दी गई है।

सहायता में अनुदान से बाहर के पुर्जे

केंद्र सरकार से प्राप्त सहायता में अनुदान से खरीदे गए पुर्जों का कुल मूल्य। ₹3659.53 लाख की राशि और तदनुसार, असम गैस आधारित की पुस्तकों में मान्यता प्राप्त है। वर्तमान अवधि के दौरान, मरम्मत और रखरखाव को डेबिट कर दिया गया है और अनुदान सहायता के तहत पुर्जों का स्टॉक 56.74 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2.70 लाख रुपये) की राशि से जमा किया गया है। वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में एक समतुल्य राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय से अनुदान

विद्युत मंत्रालय के पत्र संख्या 7/7/2009–नमस्तें दिनांक 14 जनवरी, 2011 के अनुसार स्वीकृत निवेश अनुमोदन के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) द्वारा तुईरियल जल विद्युत परियोजना, मिजोरम के लिए स्वीकृत वित्त पोषण पैटर्न के एक भाग के रूप में 30000.00 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। 300.00 करोड़ रुपये की कुल राशि अनुदान सहायता में शामिल है जो परियोजना के चालू होने के बाद से मानक उपयोगी जीवन के दौरान परिशोधन के अधीन है। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान परिशोधन राशि ₹1584.00 लाख (पिछले वर्ष ₹1584.00 लाख) वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में एक समतुल्य राशि को आय के रूप में मान्यता दी गई है।

नोट संख्या 27: संचालन से राजस्व

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
ऊर्जा की बिक्री	3,36,105.92	3,25,400.29
ट्रेडिंग के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री	84,064.78	85,097.19
बिजली शुल्क	113.07	412.07
डीएसएम से राजस्व	5,139.29	6,742.40
आरआरएएस / टीआरएएस से राजस्व	1,583.74	1,088.68
अन्यः		
लाभार्थियों से फेरव (शुद्ध)	354.16	659.69
फाइलिंग शुल्क	63.89	127.78
लाभार्थियों से एनईआरएलडीसी शुल्क और अन्य प्रभार	767.60	895.86
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा की बिक्री	71.25	35.04
बिजली की बिक्री (शुद्ध)	**4,28,263.70**	**4,20,459.00**
अन्य परिचालन राजस्वः		
लाभार्थियों से ब्याज	(125.49)	1,911.04
स्थगित राजस्व से मान्यता – सरकारी अनुदान	1,640.74	1,586.70
परिचालन से शुद्ध राजस्व	**4,29,778.95**	**4,23,956.74**

क. बिजली की बिक्री का हिसाब सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (सीईआरसी) द्वारा मंजूर टैरिफ के आधार पर किया जाता है। जिन पावर स्टेशनों के लिए सीईआरसी ने अभी तक अंतिम टैरिफ मंजूर नहीं किया है, वहाँ बिजली की बिक्री का हिसाब एक अस्थायी दर के आधार पर किया जाता है। यह दर सीईआरसी के सामने "टैरिफ याचिका" के ज़रिए पेश की गई "सालाना तय लागत" (वार्षिक स्थिर लागत) को ध्यान में रखकर तय की जाती है, और यह सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (टैरिफ के नियम और शर्तें) रेगुलेशंस 2024 में बताए गए सिद्धांतों के मुताबिक होती है। जिन प्रोजेक्ट्स के लिए न तो सीईआरसी द्वारा मंजूर कोई टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी के पास कोई याचिका लंबित है, वहाँ बिजली की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों (लाभार्थी) द्वारा आपसी सहमति से तय किए गए टैरिफ के आधार पर किया जाता है। बिजली की बिक्री से होने वाली आय में ग्राहकों को दी गई वह बिजली भी शामिल होती है, जिसका बिल अभी तक नहीं बनाया गया है। इसे आम तौर पर "बिना बिल वाली आय" (अनबील्ड आय) कहा जाता है।

ख. बिजली की बिक्री में शामिल हैंः –

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू वर्ष की मासिक बिलिंग	264808.38	287174.33
वार्षिक स्थिर लागत (लंबित टैरिफ आदेश)	25131.94	9,911.12
लंबित ट्रुइंग–अप आदेश (नियंत्रण अवधि 2019–24)	34428.92	-
ऊर्जा शुल्कों की कमी के कारण वसूली	4821.63	19,245.69
ऊर्जा की बकाया बिक्री	39.28	2,060.92
सीईआरसी द्वारा आदेशित, ईंधन गैस की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण क्षमता शुल्क की हानि के लिए मुआवज़ा	-	4,622.92
थर्मल संयंत्रों के लिए ओपन साइकिल के मद में चालू वित्तीय वर्ष में प्राप्त बकाया	-	131.04
तुइरियल एचपीएस के लिए सहायक खपत और एनएपीएएफ का संशोधन	-	1,048.45
मजदूरी का प्रभाव	-	304.70
ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र	1745.04	69.09
2009 तक की अवधि से संबंधित और इस वर्ष के दौरान उत्पन्न आस्थगित कर दायित्व के लिए लाभार्थियों से सीधे वसूल की गईध्वसूल की जाने योग्य राशि	6143.46	1,637.33
पावर एक्सचेंज के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री	**85359.56**	**86,619.72**
विचलन निपटान तंत्र	**5139.30**	**6,742.40**

आरक्षित विनियमन सहायक सेवाएँ (आरआरएएस)	**0.00**	**26.96**
तृतीयक आरक्षित सहायक सेवाएँ (टीआरएएस)	**1583.74**	**1,061.73**
विदेशी मुद्रा दर में परिवर्तन (एफईआरवी)	**354.16**	**659.69**
आवृत्ति प्रतिक्रिया प्रोत्साहन	**523.35**	**-**
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	**767.60**	**895.86**
शुल्क प्रतिपूर्ति दाखिल करना	**63.89**	**127.78**
विद्युत शुल्क प्रतिपूर्ति	**113.07**	**412.07**
लाभार्थियों से ब्याज	**-125.49**	**1,911.04**
एड्स में अनुदान	**1640.74**	**1,586.70**
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार	**71.25**	**35.04**
लाभार्थियों को छूट की अनुमति	(2830.85)	(2,327.82)
कुल	**4,29,778.95**	**4,23,956.74**

ख. 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए ऊर्जा की बिक्री में 25131.95 लाख रुपये (पिछले वर्ष 9911.11 लाख रुपये) शामिल हैं, जो आदेश जारी होने तक सीईआरसी को प्रस्तुत याचिका के अनुसार वार्षिक निश्चित लागत के आधार पर मान्यता प्राप्त वर्ष के लिए राजस्व है।

ग. 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में 39.28 रुपये (शुद्ध) (पिछले वर्ष ₹ 2060.92 लाख रुपये) शामिल हैं। इसके अलावा, 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में "नीपको की याचिका संख्या में सीईआरसी द्वारा आदेशित ईंधन गैस की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण एजीबीपीएस के क्षमता शुल्क के नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में शून्य (पिछले वर्ष ₹ 4622.92 लाख रुपये) शामिल हैं। 225/एमपी/2017। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में प्राप्त बकाया क्रमशः एजीबीपीएस, एजिजीबीपीएस के लिए ओपन साइकिल के कारण 'शून्य' है (पिछले वर्ष क्रमशः ₹ 52.45 लाख और ₹ 78.59 लाख रुपये)। तुईरियल एचपीएस के लिए चालू वित्त वर्ष में सहायक खपत और एनएपीएएफ के संशोधन के कारण शून्य (पिछले वर्ष ₹1048.45 लाख रुपये) की राशि प्राप्त हुई थी।

घ. वर्ष के दौरान पहचाने गए ऊर्जा शुल्कों की कमी के कारण वसूली 4821.63 लाख रुपये (पिछले वर्ष 19245.69 लाख रुपये) थी

ङ. विनियमन के संदर्भ में। सीईआरसी (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियम, 2019 की धारा 67 के अनुसार 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के लिए विलंबित कर देनदारियों की वसूली सीधे उत्पादक कंपनियों या पारेषण लाइसेंसधारियों या लाभार्थियों या दीर्घकालिक पारेषण ग्राहकों/डीआईसी द्वारा की जाएगी। तदनुसार, 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए बिक्री में 6143.46 लाख रुपये (पिछले वर्ष 1637.33 लाख रुपये) शामिल हैं

च. एनईआरपीसी द्वारा जारी साप्ताहिक विवरणों के अनुसार 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए डीएसएम और आरआरएएस का लेखा–जोखा है।

नोट संख्या 28: अन्य आय

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
अन्य गैर–परिचालन आय (केसी आय के लिए सीधे जिम्मेदार खर्चों का शुद्ध)		
बैंकों में जमा राशि पर ब्याज	373.19	358.77
जमा कार्यों के निष्पादन से आय	-	211.90
अन्य विविध रसीदें	3,284.54	595.42
कमजोर शक्ति	299.11	159.10
देयता/प्रावधान वापस लिखा गया		
अन्य	57.14	493.32
भुगतान में देरी लाभार्थियों से अधिभार	720.47	848.88
उप–कुल	**4,734.45**	**2,667.39**

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
अन्य लाभ और हानि		
पीपीई के निपटान पर लाभ/(हानि)	7.49	45.74
	4,741.94	**2,713.13**
कमः निर्माण के दौरान व्यय में अंतरित नोट 34 (ई) और 34 (एफ)(i)	333.68	247.04
कुल	**4,408.26**	**2,466.09**

28 (i) अन्य विविध प्राप्तियों में पारगमन छात्रावास किराया, ठेकेदारों से वसूली, जब्त ईएमडी, परियोजना परामर्श से आय, आवासीय/गैर–आवासीय भवन से किराए की वसूली, ऋण पर कर्मचारियों से ब्याज, ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अन्य वसूली, निविदा पत्र की बिक्री आदि शामिल हैं।

नोट संख्या–29: ईंधन लागत

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
गैस की खरीद	1,14,768.05	1,24,616.69
गैस के लिए परिवहन शुल्क	941.31	1,025.55
कुल	**1,15,709.36**	**1,25,642.24**

नोट संख्या 30: कर्मचारी पारिश्रमिक और लाभ व्यय

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन और मजदूरी	45,124.98	38,994.51
भविष्य निधि में योगदान	3,375.46	3,469.50
ग्रैच्युटी	524.17	723.62
एनईडीसीएसएस में योगदान	2,321.71	2,389.13
लीव एनकैशमेंट	4,331.83	3,154.79
कर्मचारी कल्याण व्यय	222.04	101.84
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	948.72	732.04
कुल	**56,848.91**	**49,565.43**
आईईडीसी को हस्तांतरित राशि–नोट 34 (ए) और 34 (एफ) (ii)	8,220.84	6,279.65
लाभ और हानि के विवरण को आगे बढ़ाया गया	**48,628.07**	**43,285.78**

30 (i) हाउस बिल्डिंग एडवांस पर ब्याज सब्सिडी योग्य कर्मचारियों को देय है, बशर्ते कि वे निर्धारित प्रक्रिया का विधिवत पालन करते हुए अपना आवेदन जमा करें और सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकार करें। तदनुसार ब्याज सब्सिडी को वास्तविक भुगतान के आधार पर लेखा पुस्तकों में मान्यता दी जाती है जैसा कि उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा अनुमति दी जाती है।

30 (ii) कर्मचारियों के पारिश्रमिक और लाभों में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सहित निदेशकों के लिए निम्नलिखित शामिल हैं।

(₹ लाख में)

खास बातें	चालू वर्ष (2024–25) (लाख में)	पिछला वर्ष (2023–24) ('लाख में)
वेतन और भत्ते	256.42	140.58
भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	26.79	20.71
अन्य लाभ	13.69	27.53
कुल	**296.90**	**188.82**

30 (iii) कर्मचारी कल्याण खर्चों में कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ, अन्य सेवा कल्याण लाभ (सोने का सिक्का, मकान निर्माण ऋण पर ब्याज सब्सिडी, पट्टे पर आवास आदि) शामिल हैं।

नोट संख्या 31: वित्तीय लागत

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
क. ब्याज व्यय		
सीसी और डब्ल्यूसीडीएल सहित अल्पावधि उधार पर ब्याज	2,069.73	2,807.56
बॉन्ड पर ब्याज	24,394.72	29,477.83
दीर्घ, मध्यम और कॉर्पोरेट अवधि के ऋण पर ब्याज	29,098.63	23,407.05
केएफडब्ल्यू ऋण पर ब्याज	753.62	949.38
सरकार से ऋण पर ब्याज भारत का	291.96	291.96
ईसीबी ऋण पर ब्याज	-	-
विनिमय दर में उतार–चढ़ाव–हानि / (लाभ)	213.00	93.56
ब्याज व्यय–पट्टे के तहत परिसंपत्ति	17.69	210.01
ब्याज व्यय–अन्य	-	-
ख. वित्त प्रभार		
ईआईआर के विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क	403.15	496.15
ग. अन्य उधार लागत	73.39	72.42
कुल	**57,315.89**	**57,805.92**
आईईडीसी को हस्तांतरित राशि–नोट 34 (बी) और 34 (एफ) (iv)	4,102.74	4,967.87
लाभ और हानि के विवरण के लिए अग्रेषित राशि	**53,213.15**	**52,838.05**

नोट संख्या–32: मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
पीपीई मूल्यह्रास (टिप्पणी संख्या–2)	82,727.65	85,086.61
अमूर्त परिसंपत्तियाँ (नोट संख्या–4)	713.80	717.46
उप–कुल	**83,441.45**	**85,804.07**
आईईडीसी को हस्तांतरित राशि–नोट 34 (बी) और 34 (एफ) (iii)	382.29	323.43
लाभ और हानि के विवरण को आगे बढ़ाया गया	**83,059.16**	**85,480.64**

नोट संख्या–33: अन्य खर्च

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
जनरेशन व्यय		
मरम्मत और रखरखाव:		
सड़कें और इमारतें	3,952.69	4,270.84
पावर हाउस	12,357.66	10,558.69
हाइड्रोलिक कार्य	2,581.61	2,507.14
लाइन और सब–स्टेशन	369.02	423.51
अन्य	1,386.15	1,570.70
स्टोर और पुर्जे (अनुदान सहायता के खिलाफ)	56.74	2.70
कमः निर्माण के दौरान व्यय में स्थानांतरित नोट संख्या – 34 (डी)	556.67 20,147.19	**1,460.38** **17,873.19**
उप–कुल		
प्रशासन व्यय	814.33	593.05
यात्रा व्यय	42.66	554.19
विज्ञापन खर्च	7,592.45	7,324.45
बीमा शुल्क	70.26	56.10
किराया	478.52	22.23
दरें और कर	228.93	178.40
मनोरंजन खर्च	22.98	23.48
लेखा परीक्षा शुल्क और व्यय **संदर्भ नोट 33 (i)**	1,536.33	1,574.30
परिवहन खर्च	-	-
मुद्रण और लेखन सामग्री	68.27	69.68
डाक	4.16	3.39
चिकित्सकीय खर्च	1,611.72	1,690.98
लाइसेंस और पंजीकरण	45.69	30.68

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	0.69	0.44
वर्दी और लीवर	469.22	516.54
मानदेय	1.87	11.96
पानी और बिजली शुल्क	371.11	321.01
बैंक शुल्क	5.42	26.53
समाज कल्याण	1,489.56	1,386.77
परामर्श शुल्क	706.73	428.52
पेशेवर शुल्क	114.65	137.82
प्रारंभिक खर्च	244.52	10,955.68
सुरक्षा के इंतजाम	5,149.60	4,874.84
प्रशिक्षण खर्च	405.36	260.43
कर्मचारियों की भर्ती पर खर्च	204.32	39.04
अस्पताल की सुविधाक	50.45	71.52
सदस्यता और सदस्यता शुल्क	14.11	441.11
संचार व्यय	315.84	312.56
कार्यालय साज–सज्जा	32.13	34.52
विविध व्यय	553.45	555.07
आईबी खर्च	472.78	372.93
प्रयोगशाला और मीटर परीक्षण शुल्क	1.96	2.13
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	241.41	453.93
फोटोग्राफिक रिकॉर्ड	1.99	1.55
कर्मचारियों की हानि/एडवांस राइट ऑफ **संदर्भ नोट 33 (ii),**	4.90	1.81
डीपी व्यय	1,006.72	1,119.94
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	64.23	63.96
कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजना	505.67	454.42
आकस्मिक व्यय सौभाग्य	-	-
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तियाँ **नोट 33 (ii) का संदर्भ लें,**	402.66	395.71
मुआवजा	20.29	265.95
बोर्ड की बैठकों का खर्च	55.34	70.92
प्रचार का खर्च	246.64	588.42
कानूनी आरोप	1,470.25	910.26
सीईआरसी को शुल्क दाखिल करना	178.94	146.81
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	940.10	1,089.21
अनुसंधान और विकास व्यय	18.53	2.92
कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और एसडी **नोट 46 का संदर्भ लें,**	1,185.97	764.20
आरआरएएस/टीआरएएस/एसआरएएस–व्यय	4,489.86	4,418.31

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार	54.11	12.70
लाभार्थी राज्यों का हित	-	-
व्यापार व्यय	198.63	923.32
ऊर्जा संरक्षण व्यय	9.48	8.66
निविदा व्यय	0.25	0.05
कोविड 19 के खर्च	-	-
स्वच्छ भारत व्यय	9.98	10.18
विलंबित भुगतान अधिभार	-	
देर से भुगतान पर ब्याज	0.01	0.50
कमः निर्माण के दौरान व्यय में स्थानांतरित	**2,279.52**	**13,894.29**
नोट संख्या – 34 (डी)	31,946.53	30,679.79
उप–कुल		
अन्य खर्च	-	-
स्नेहक, तेल आदि	351.51	197.04
बिजली शुल्क	593.78	1,488.41
डीएसएम शुल्क/देय	-	-
ट्रांसमिशन शुल्क	-	-
पीएम कुसुम	-	-
पीएम विश्वकर्मा योजना	-	-
मध्यस्थता पुरस्कार **संदर्भ नोट 33 (ii),**	7,283.27	6,711.84
रूफ–टॉप सौर कार्यक्रम	-	-
आजादी का अमृत महोत्सव	3.39	7.08
राइट ऑफ के लिए प्रावधान–अन्य **संदर्भ नोट 33 (ii),**	857.39	-
उप–कुल	9,089.34	**8,404.37**
कुल	**61,183.06**	**56,957.35**

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास

क. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली सकल राशि: ₹1176.50 लाख

ख. वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि: 1185.97 लाख

खास बातें	
i किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	₹ 732.55 लाख
ii उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	₹ 453.42 लाख

कुल	₹ 1185.97 लाख

33 (i) लेखापरीक्षा व्यय के संबंध में विवरण

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
लेखा परीक्षक के रूप में:		
लेखा परीक्षा शुल्क	15.16	14.96
सीमित समीक्षा	7.29	6.81
अन्य क्षमता में:		
अन्य सेवाक (प्रमाणन शुल्क)	0.53	1.71
कुल	22.98	23.48

33 (ii) के लिए प्रावधान

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
हानि/स्टॉक की कमी/संदिग्ध ऋण और अग्रिम	4.90	1.81
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तियाँ	402.66	395.71
मध्यस्थता मामले	7,283.27	6,711.84
अन्य लेखों के लिए प्रावधान *	857.39	-
कुल	**8,548.22**	**7,109.36**

* अन्य लेखों के लिए प्रावधान में मुख्य रूप से ठेकेदार को भुगतान किए गए प्रारंभिक अग्रिम पर अर्जित संदिग्ध ब्याज के खिलाफ प्रावधान शामिल है, जिसका मामला विचाराधीन है।

नोट संख्या–34 निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
क. कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ व्यय		
वेतन और मजदूरी	2,022.14	2383
भविष्य निधि में योगदान	141.45	223.4
ग्रैच्युटी	20.63	40.47
एनईडीसीएसएस में योगदान	98.98	149.27
लीव एनकैशमेंट	375.66	165.28
कर्मचारी कल्याण व्यय	9.54	6.75
उप–कुल	**2,668.40**	**2,968.17**
(ख) ब्याज और वित्त प्रभार		
i. ब्याज व्यय		
सीसी और डब्ल्यूसीडीएल सहित अल्पावधि उधार पर ब्याज		
बॉन्ड पर ब्याज	1,457.46	
दीर्घ, मध्यम और कॉर्पोरेट अवधि के ऋण पर ब्याज	1,973.11	4,227.28

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
ईसीबी ऋण पर ब्याज		
विनिमय दर में उतार–चढ़ाव–हानि / (लाभ)		
ब्याज व्यय–पट्टे के तहत परिसंपत्ति	1.07	9.18
ब्याज व्यय–अन्य		
ii. वित्त प्रभार		
पीआईआर के विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क		
iii. अन्य उधार लागतें	0.59	
उप–कुल	**3,432.23**	**4,236.46**
ग. मूल्यह्रास–उप–कुल	**89.56**	**116.27**
घ. सामान्य व्यय		
मरम्मत और रखरखाव:		
सड़कें और इमारतें	54.58	318.58
पावर हाउस, अन्य संयंत्र और उपकरण	231.52	563.42
अन्य	270.57	578.38
उप–कुल	**556.67**	**1,460.38**
ङ. प्रशासन व्यय		
यात्रा व्यय	42.67	46.16
बीमा शुल्क	712.94	838.58
किराया	26.82	41.81
दरें और कर	0.01	0.11
मनोरंजन खर्च	17.26	4.89
लेखा परीक्षा शुल्क और व्यय	-	-
परिवहन खर्च	116.06	160.84
किराया शुल्क	-	-
मुद्रण और लेखन सामग्री	3.02	5.01
डाक	0.15	0.06
चिकित्सकीय खर्च	46.03	77.69
लाइसेंस और पंजीकरण	-	0.67
समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	0.08	0.07
वर्दी और लीवर	18.90	27.08
मानदेय	0.03	-
बिजली और पानी के शुल्क	24.13	259.43
बैंक शुल्क	0.64	0.38
समाज कल्याण	14.74	7.61
परामर्श शुल्क	-	-
पेशेवर शुल्क	204.95	99.92

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक खर्च	166.06	10,949.26
सुरक्षा के इंतजाम	82.49	447.00
प्रशिक्षण खर्च	7.84	10.05
कर्मचारियों की भर्ती पर खर्च	-	-
अस्पताल की सुविधाक	0.29	4.06
सदस्यता और सदस्यता शुल्क	-	-
संचार व्यय	**23.20**	**20.29**
कार्यालय साज–सज्जा	**0.02**	**0.08**
विविध व्यय	30.70	41.53
आई–बी– खर्च	43.24	4.58
प्रयोगशाला और मीटर परीक्षण शुल्क	-	-
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	64.97	284.39
फोटोग्राफिक रिकॉर्ड	-	-
स्टॉक की हानि/अग्रिम बट्टे खाते में	-	-
ईडीपी व्यय	**10.63**	**10.00**
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	-	-
कर्मचारी परिवार आर्थिक पुनर्वास योजन	-	-
आकस्मिक व्यय सौभाग्य	-	-
क्षतिग्रस्त/अनुपलब्ध परिसंपत्तियों को लिखा जाता है	-	-
मुआवजा	-	-
बोर्ड की बैठकों का खर्च	-	-
प्रचार का खर्च	-	-
कानूनी आरोप	**9.06**	-
सीईआरसी को शुल्क दाखिल करना	-	-
एनईआरएलडीसी शुल्क और शुल्क	-	-
अनुसंधान और विकास व्यय	-	-
कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और एसडी	-	-
आरआरएएस/टीआरएएस–व्यय	-	-
प्रतिक्रियाशील ऊर्जा प्रभार		
लाभार्थी राज्यों का हित	-	-
व्यापार व्यय	-	-
ऊर्जा संरक्षण व्यय	-	-
निविदा व्यय	**0.05**	-
कोविड 19 के खर्च	-	-
स्वच्छ भारत व्यय	-	
विलंबित भुगतान अधिभार		

खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
देर से भुगतान पर ब्याज	-	
उप–कुल	**1,666.97**	**13,341.55**
च. निगमित कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय व्यय		
आड: अन्य आय	(15.56)	(1.88)
ii. कर्मचारी लाभ व्यय	5,552.44	3,311.48
iii. मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय	292.73	207.16
iv. ब्याज और वित्त व्यय	670.51	731.41
v. अन्य व्यय	612.55	552.74
उप–कुल	7,112.67	4,800.91
ग्रैंड टोटल	15,526.50	26,923.74
जी. कम: गैर–परिचालन प्राप्तियां		
अग्रिमों से ब्याज		
पारगमन छात्रावास की वसूली	0.05	0.18
किराए की वसूली	0.52	14.30
विविध आय*	18.44	71.58
कमजोर शक्ति	299.11	159.10
उप–कुल	**318.12**	**245.16**
निवल कुल	**15,208.38**	**26,678.58**

*विविध आय में ठेकेदार से वसूली, निविदा पत्र की बिक्री, कंप्यूटर अग्रिम और फर्नीचर अग्रिम का परिशोधन आदि शामिल हैं।

नोट संख्या 35: प्रति शेयर आय

निम्नलिखित तालिका प्रति शेयर गणना में मूल और कमजोर आय में उपयोग की जाने वाली आय और शेयर डेटा को दर्शाती है।

(₹ लाख में)

	खास बातें	31 मार्च–25 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च–24 को समाप्त वर्ष के लिए
(क)	**कर के बाद और नियामक आस्थगित खातों से पहले लाभ (₹ लाख में)**	48,297.58	57,314.84
(ख)	**कर के बाद और नियामक आस्थगित खातों के बाद लाभ (₹ लाख में)**	58,468.45	54,813.50
	कम: पतला भाग (कर का शुद्ध) के लिए भुगतान की जाने वाली राशि		
	सामान्य शेयरधारकों को दिया जाने वाला लाभ–बुनियादी ईपीएस के लिए	58,468.45	54,813.50
	सामान्य शेयरधारकों को दिया जाने वाला लाभ–पतला ईपीएस के लिए	58,468.45	54,813.50
(ग)	भारित औसत नं. बुनियादी ईपीएस के लिए सामान्य शेयरों की संख्या	3609810400	3609810400
	भारित औसत नं. डाइल्यूटेड–ईपीएस के लिए सामान्य शेयरों का	3609810400	3609810400
(घ)	साधारण शेयरों का नाममात्र मूल्य (₹)	10.00	10.00
(ङ)	नियामक आस्थगित खातों से पहले प्रति इक्विटी शेयर कमाई:		
	(i) बेसिक (इन ₹) (वार्षिक नहीं)	1.34	1.59
	(ii) पतला (₹ में)	1.34	1.59
(च)	नियामक आस्थगित खातों के बाद प्रति इक्विटी शेयर कमाई:		
	(i) बेसिक (इन ₹) (वार्षिक नहीं)	1.62	1.52
	(ii) पतला (₹ में)	1.62	1.52

नोट संख्या 36: आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं (उस सीमा तक जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है)

(₹ लाख में)

विवरण	पर जैसा	
	31 मार्च–25	31 मार्च–24
आकस्मिक देयताएँ:		
कंपनी के विरुद्ध निम्नलिखित के संबंध में ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए दावे:		
– पूंजीगत कार्यों के विरुद्ध लंबित मुकदमेबाजी	2,37,904.68	2,86,685.70
– भूमि मुआवजा मामले	33,741.62	638.00
– विवादित आयकर मांग	1,992.06	1,992.06
– **अन्य # [नोट 36(i) देखें]**	26,218.20	23,295.00
कुल	**2,99,856.56**	**3,12,610.76**
प्रतिबद्धताएँ:		
पूंजीगत अनुबंधों पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि और जिनके लिए प्रावधान नहीं किया गया है (अग्रिम और जमा को घटाकर)		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	27,014.30	11,708.02

36 (i) 31 मार्च 2025 तक कंपनी के विरुद्ध ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किए गए दावों में शामिल हैं:

(i) मध्यस्थता न्यायाधिकरण/न्यायालयों में कैपिटल वर्क्स के विरुद्ध लंबित मुकदमेबाजी के कुछ मामले हैं, जिनके दावों की राशि 237904.68 लाख रुपये है, जिनका निर्धारण अभी किया जाना बाकी है।

(ii) भूमि मुआवजे के मामलों में केएचईपी परियोजना के निर्माण के लिए भूमि मुआवजे में 102.00 लाख रुपये की वृद्धि और टाटो–II एचईपी, अरुणाचल प्रदेश के लिए प्रचलित बाजार दर और एलएआरआर अधिनियम, 2012 के अनुसार 33639.62 लाख रुपये की भूमि मुआवजे में वृद्धि शामिल है।

(iii) आयकर अधिकारियों से वित्तीय वर्ष 2013–14 के लिए कर निर्धारण पूरा होने पर कर के भुगतान की मांग। 31.03.2025 को समाप्त अवधि के लिए 2020–21 की राशि 1992.06 लाख रुपये

(iv) 31.03.2025 तक अन्य में 32.00 लाख रुपये की ग्रेच्युटी, 64.00 लाख रुपये की ईपीएफ राशि, कुल 665.00 लाख रुपये के मनी सूट और न्यू मेलिंग एचईपी और सेव नफरा पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अरुणाचल प्रदेश सरकार के आयुक्त/सचिव (विद्युत) द्वारा दिए गए अनुबंधों और त्रिपुरा राज्य के दो जिलों में ग्रामीण विद्युतीकरण के पूरा होने के एवज में नीपको से शेष राशि की वसूली के विरुद्ध पारित समाप्ति नोटिस को चुनौती देने वाली रिट याचिका शामिल है, जिसकी कुल राशि 25457.20 लाख रुपये है।

(v) कंपनी इस मांग का विरोध कर रही है और इसके कर सलाहकारों सहित प्रबंधन का मानना है कि अपीलीय प्रक्रिया में उसकी स्थिति को बरकरार रखा जाएगा। प्रबंधन का मानना है कि इन कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम का कंपनी की वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणामों पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(vi) कंपनी उन कानूनी कार्यवाहियों और दावों के अधीन है जो सामान्य व्यावसायिक क्रम में उत्पन्न हुए हैं। कंपनी का प्रबंधन यह उचित रूप से नहीं मानता है कि इन कानूनी कार्रवाइयों का, अंततः निष्कर्ष और निर्णय होने पर, कंपनी के परिचालन परिणामों या वित्तीय स्थिति पर कोई महत्वपूर्ण और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नोट संख्या 37: नियामक आस्थगित खातों की शेष राशि में परिवर्तन

दर विनियमित गतिविधियों की प्रकृति

कंपनी मुख्य रूप से बिजली उत्पादन और बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी अपने लाभार्थियों को बेची गई बिजली के लिए जिस टैरिफ़ के आधार पर बिल भेजती है, उसका निर्धारण केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर लागू सीईआरसी (टैरिफ के नियम और शर्तें) विनियमों के अनुपालन में किया जाता है।

उक्त विनियमन कंपनी को माल या सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी लागत वसूलने के साथ–साथ उचित प्रतिफल प्राप्त करने की अनुमति देते हैं।

पहचान और माप

- केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा 2019–2024 की नियंत्रण अवधि के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) की तुईरियल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (टीआरएचईपी) की वार्षिक निश्चित लागत (एएफसी) के निर्धारण के दौरान, जिसके लिए 16.04.2021 को आदेश जारी किया गया, माननीय आयोग ने परियोजना (टीआरएचईपी) के आरसीई पर विचार करने के लिए आयोजित 04.06.2010 की बैठक के दौरान भारत सरकार के सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) के निर्णय के अनुरूप उक्त उद्देश्यों के लिए नीपको द्वारा प्रस्तुत याचिका के आधार पर 2% की दर से मूल्यह्रास की अनुमति दी है।
- सीईआरसी टैरिफ विनियमों के अनुसार दरें और कार्यप्रणाली, जिसके आधार पर टीआरएचईपी के लिए मूल्यह्रास की गणना की गई है और विचाराधीन अवधि के लिए नीपको के लाभ और हानि के विवरण पर प्रभारित किया गया है, सीईआरसी आदेश के अनुसार टैरिफ के माध्यम से वसूल करने की अनुमति से भिन्न है। सीईआरसी विनियमों के अनुसार मूल्यह्रास की उच्च दर के कारण, वाणिज्यिक संचालन की तिथि (सीओडी) के बाद से टीआरएचईपी के संचालन के पहले 12 (बारह) वर्षों के लिए लाभ और हानि खाते के विवरण पर प्रभारित मूल्यह्रास टैरिफ के माध्यम से वसूल किए जाने वाले मूल्यह्रास से अधिक होगा, जिसे उत्पादन स्टेशन के मानक जीवन की शेष अवधि के दौरान भविष्य की अवधि में उलट दिया जाएगा। तदनुसार, इसके संचालन की पहले की अवधि के दौरान उत्पादन स्टेशन के लिए राजस्व के रूप में प्राप्त कम मूल्यह्रास बाद की अवधि के दौरान वसूल/समायोजित किया जाएगा।
- उपर्युक्त के मद्देनजर, भविष्य की अवधि में वसूली योग्य/समायोज्य सीमा तक मूल्यह्रास के अंतर को नियामक आस्थगित खाता शेष के मूवमेंट में क्रेडिट/डेबिट द्वारा नियामक आस्थगित खाता डेबिट/क्रेडिट शेष के रूप में अछूते आधार पर मान्यता दी गई है।
- 31.03.2025 को समाप्त वर्ष के दौरान उपरोक्त के कारण मान्यता प्राप्त विनियामक आस्थगित खाता डेबिट शेष निम्नानुसार है:

(₹ लाख में)

खास बातें	राशि
सीईआरसी की दरों की अनुसूची के अनुसार मूल्यह्रास	7,054.21
सीईआरसी द्वारा दिनांक 09.10.2018 के टैरिफ आदेश के अनुसार 2% की दर से मूल्यह्रास	2,838.92
अंतर (जिसे "नियामक आस्थगित शेष" के रूप में मान्यता प्राप्त है)	**4,215.29**

परिचालनाधीन परियोजनाओं के लिए आस्थगित कर देयताओं पर आस्थगित समायोजन के संबंध में विनियामक आस्थगित खाता शेषः

नीपको का अपने परिचालन वाले उत्पादन केंद्रों से उत्पादित बिजली बेचने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों (जिन्हें "लाभार्थी" कहा जाता है) के साथ दीर्घकालिक विद्युत क्रय समझौता (पीपीए) है। नीपको के उत्पादन केंद्रों के लिए शुल्क केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा समय–समय पर जारी उनके अधिसूचित शुल्क नियमों के अनुपालन में निर्धारित किया जाता है। सीईआरसी शुल्क विनियम 2019 के अनुसार, आरओई को संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए लागू प्रभावी कर दर के साथ जोड़ा जाता है। तदनुसार, बिजली की बिक्री से उत्पन्न आय पर वर्ष के दौरान अर्जित आस्थगित कर और भविष्य की अवधि में आगे समायोज्य/उलट जब संबंधित आस्थगित कर देयता वर्तमान कर का एक हिस्सा बन जाएगी और लाभार्थियों से वसूली योग्य होगी, को ष्आस्थगित कर देयता के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजनष् के रूप में हिसाब में लिया गया है

लाभार्थियों से वसूली योग्य आस्थगित कर के पुनर्वर्गीकरण के कारण विनियामक आस्थगित खाता शेष

सीईआरसी (टैरिफ विनियमन की शर्तें और नियम) 2019 के विनियम 67 के अनुसार, 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के लिए आस्थगित कर देनदारियां, जब भी वे मूर्त रूप लेती हैं, उन्हें उत्पादन कंपनियों या ट्रांसमिशन लाइसेंसधारियों द्वारा तत्कालीन लाभार्थियों या दीर्घकालिक ग्राहकों से सीधे वसूल किया जा सकेगा, जैसा भी मामला हो। 31 मार्च, 2019 तक भविष्य के वर्षों में लाभार्थियों से वसूल किए जाने वाले आस्थगित कर को आस्थगित कर देयता के समायोजन के रूप में प्रस्तुत किया गया था और इसे नियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में मान्यता नहीं दी गई थी। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान इंड एएस 114 के अनुरूप इसकी समीक्षा की गई है और इसे नियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। भविष्य की अवधि में लाभार्थियों से वसूल की जाने वाली या उन्हें देय पुस्तकों में मान्यता प्राप्त विनियमित संपत्तियां (+)/देयता (–) इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

क्र.सं	खास बातें.	विनियामक आस्थगित खाता शेष
क.	01.04.2024 को प्रारंभिक शेष राशि	35,581.70
ख.	31.03.2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान जोड़ (संपत्ति (+)/देयता (–)	-
ग.	अवधि के दौरान एकत्र की गई राशि (–)/वापसी (+)	(7,948.37)
घ.	लाभ और हानि के विवरण (बी–सी) में मान्यता प्राप्त विनियामक आय/(व्यय)	(7,948.37)
ङ.	31.03.2025 को बंद होने वाली शेष राशि (ए+डी)	**27,633.33**

लाभार्थियों को दिए जाने वाले एमएटीक्रेडिट के संबंध में विनियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

वर्ष के दौरान, कंपनी ने 1 अप्रैल 2018 से शुरू होने वाली अवधि के लिए 34,464.15 लाख रुपये (पिछले वर्ष रु। 24, 525.30) एमएटी क्रेडिट के उपयोग से आने वाले वर्षों में प्रभावी कर की दर कम होगी।

तदनुसार, लाभार्थियों से संबंधित उक्त मैट क्रेडिट पात्रता के अनुरूप 25,051.99 लाख रुपये (पिछले वर्ष 19,143.61 रुपये) के 'नियामक स्थगन खाता शेष' को भी मान्यता दी गई है।

तुईरियल एच. पी. एस.–आर्बिट्रल पुरस्कारों के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

क. विचाराधीन मामला नीपको और डी.ए. के बीच मध्यस्थता कार्यवाही से संबंधित है। खुमा तुईरियाल एचपीएस में स्थायी आवासीय भवन पर किए गए कार्य के लिए मुआवजे के संबंध में। नीपको ने शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में धारा 34 के तहत मध्यस्थता निर्णय को चुनौती देने का विकल्प चुना। वाणिज्यिक न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2023 को अपने फैसले में न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए पुरस्कार–पूर्व ब्याज को दरकिनार करने का फैसला किया, जबकि शेष पुरस्कार को बरकरार रखा। वीएसवी II के तहत एक निपटान के प्रयासों के विफल होने के बावजूद, नीपको ने 30 अक्टूबर, 2024 को उस तारीख तक की गणना ब्याज सहित ₹ 1,75,48,330/– की राशि का चेक जारी करके अदालत के फैसले का पालन किया। अदालत द्वारा मेसर्स खुमा का प्रतिनिधित्व करने वाले कानूनी वकील को चेक सौंपा गया। इस प्रकार, नीपको ने रु। 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में ₹ 175.48 लाख।

ठेकेदार द्वारा दायर निष्पादन याचिका के जवाब में, नीपको ने दावेदार को जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया। इसके बाद, मामले को 7 मई, 2025 को आगे की कार्यवाही के लिए निर्धारित किया गया था, जहाँ शामिल पक्षों द्वारा सुनवाई समाप्त हुई और एक निर्णय सुरक्षित रखा गया था, अगली अदालत की तारीख 17 जून, 2025 के लिए निर्धारित की गई थी।

ख. 1 अक्टूबर, 2005 से 14 जनवरी, 2011 तक किसी परियोजना की निलंबन अवधि के दौरान श्रमशक्ति और मशीनरी के निष्क्रिय होने के दावों से संबंधित मध्यस्थता प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस विवाद में लॉट–I, लॉट–II, लॉट–III से संबंधित पांच मामले और 17.60 किमी और 13.00 किमी मापने वाले दो सड़क कार्य शामिल हैं। मध्यस्थता 29 अक्टूबर, 2018 को शुरू हुई। कुल दावा की गई राशि 479.95 करोड़ रुपये थी, जिसमें 18% पर पूर्व–संदर्भ ब्याज शामिल था, साथ ही उसी दर पर लंबित–लाइट और पुरस्कार के बाद के ब्याज की मांग भी शामिल थी। मध्यस्थता का समापन 11 नवंबर, 2024 को घोषित एक पुरस्कार के साथ हुआ, जिसमें पांच अनुबंध शामिल थे, जिसके बाद 20 दिसंबर, 2024 को एक सही पुरस्कार प्रकाशित किया गया। कुल राशि 63.57 करोड़ रुपये है, जिसमें 61.07 करोड़ रुपये की मूल राशि और 2.5 करोड़ रुपये की मध्यस्थता लागत शामिल है। विशेष रूप से, पूर्व–पुरस्कार ब्याज को मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा अलग रखा गया था, जबकि पुरस्कार के बाद का ब्याज पुरस्कार की तारीख से भुगतान होने तक 15% निर्धारित किया गया है। इस प्रकार, नीपको ने 31.03.2025 तक उपार्जित ब्याज के साथ विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 67.10 करोड़ रुपये की राशि दर्ज की।

कोपिली एच. पी. एस.–मध्यस्थ पुरस्कारों के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशिः

क. 27 अगस्त, 2013 को, एक मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने मेसर्स पी.दास एंड कंपनी को 2.52 करोड़ रुपये की राशि के साथ–साथ 1 नवंबर, 2013 से 19.5% की दर से पुरस्कार के बाद ब्याज दिया। निगम ने शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में धारा 34 के तहत इस पुरस्कार का विरोध किया। 28 जून, 2019 को वाणिज्यिक न्यायालय ने निगम के आवेदन के संबंध में ठेकेदार के पक्ष में फैसला सुनाया

इसके बाद, मेसर्स पी. दास ने दी गई राशि और उपार्जित ब्याज दोनों का दावा करने के लिए एक निष्पादन मामला शुरू किया। जवाब में, निगम ने 28 जून, 2019 के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की, जिसे 23 अप्रैल, 2021 को अनुमति दी गई थी, जिससे पिछले फैसले को वापस ले लिया गया और धारा 34 याचिका की नई सुनवाई के लिए मामले को बहाल किया गया।

अंतरिम में, ठेकेदार ने 15 दिसंबर, 2023 को जीईएम पोर्टल के माध्यम से 4,09,33,126 रुपये का दावा प्रस्तुत करते हुए वीएसवी II योजना के तहत मामले को निपटाने का फैसला किया। नीपको ने 3,16,24,686 रुपये की निपटान राशि का प्रस्ताव रखा, जिसे मेसर्स पी.दास ने स्वीकार कर लिया, जो 18 अप्रैल, 2024 को हस्ताक्षरित निपटान समझौते में समाप्त हुआ। बाद में 8 अप्रैल, 2024 को मेसर्स पी.दास द्वारा वाणिज्यिक न्यायालय से मामला वापस ले लिया गया।

इस प्रकार, नीपको ने रु 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में 316.25 लाख।

ख. जोवाई में विशेष न्यायिक अधिकारी (कलक. की अदालत में लंबित भूमि अधिग्रहण मामलों में सफाई गांव के 303 भूमि मालिक शामिल हैं, जिन्होंने कोपिली ए.पी.एस के लिए अपनी भूमि के अधिग्रहण से संबंधित बढ़े हुए मुआवजे के लिए दायर किया था। परियोजना उनका तर्क है कि कलेक्टर द्वारा दिया गया मुआवजा बाजार मूल्य से काफी कम था, जिसमें 4 अक्टूबर, 2001 से 9% प्रति वर्ष के ब्याज के साथ

₹50 से ₹100 प्रति वर्ग मीटर की वृद्धि की मांग की गई थी। प्रारंभ में शिलांग में दायर किए गए मामलों को जोवाई में स्थानांतरित कर दिया गया और एलए केस संख्या 03/2015 से 306/2015 तक। कार्यवाही के दौरान, कई मूल भूमि मालिकों की मृत्यु हो गई, जिसके परिणामस्वरूप 136 मामले खारिज कर दिए गए, जबकि 167 मामले अभी भी साक्ष्य के लिए लंबित हैं।

सक्षम प्राधिकारी ने इन भूमि अधिग्रहण मामलों के लिए अदालत के बाहर निपटान को मंजूरी दी है। नीपको के प्रतिनिधियों और भूमि मालिकों के बीच एक समझौता समझौता हुआ, जिसे बाद में जोवाई में विशेष न्यायिक अधिकारी के पास दायर किया गया। 22 अप्रैल, 2024 को 26 दावेदारों के लिए 8 मई, 2024 को आदेश जारी किए गए, जिसके परिणामस्वरूप ₹13,75,867.00 की 50% बढ़ी हुई क्षतिपूर्ति जमा हुई।

इस प्रकार, नीपको ने 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में ₹13.76 लाख।

एजिजीबीपीएस–आर्बिट्रल अवार्ड के संबंध में नियामक आस्थगित खाता शेष राशि:

इस मामले में अगरतला गैस टर्बाइन बिजली परियोजना से संबंधित सिविल कार्य और 10 रुपये के दावे शामिल हैं। 24 करोड़ एक मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने 7 रुपये का फैसला सुनाया। 92 करोड़ रुपये ब्याज के साथ मेसर्स अस्त्र को। निगम ने इस फैसले को शिलांग के वाणिज्यिक न्यायालय में चुनौती दी। मेसर्स अस्त्र ने 14 दिसंबर, 2022 को फांसी की याचिका दायर की। 15 फरवरी, 2024 को वाणिज्यिक न्यायालय ने मध्यस्थता पुरस्कार को बरकरार रखा, लेकिन पुरस्कार–पूर्व ब्याज को हटा दिया। नीपको ने इस फैसले को स्वीकार करने और विवाद को निपटाने का फैसला किया। मेसर्स अस्त्र ने वीएसवी–II योजना के माध्यम से निपटान का अनुरोध किया।

19 जून, 2024 तक, आगे की सुनवाई जारी रही, और नीपको के वकील ने अदालत की अगली तारीख के लिए निर्देश मांगे। फरवरी के फैसले को चुनौती नहीं देने का निर्णय लिया गया, जिससे मामले के लिए 5.74 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इस प्रकार, नीपको ने ₹ 31.03.2025 को विनियामक आस्थगित खाता शेष के रूप में ₹574.31 लाख।

16 अप्रैल, 2025 को उच्च न्यायालय की नवीनतम सुनवाई ने दोनों पक्षों को 30 अप्रैल, 2025 से पहले एक समझौते का प्रयास करने का निर्देश दिया, जिसमें समझौता विफल होने पर निर्णय की संभावना है। निपटान प्रक्रिया की समय सीमा 20 मई, 2025 तक बढ़ा दी गई थी।

नियामक आस्थगित खातों की शेष राशि–मान्यता प्राप्त (नोट 16 का संदर्भ लें):

भविष्य की अवधि में लाभार्थियों से वसूल की जाने वाली/देय होने वाली पुस्तकों में मान्यता प्राप्त नियामक परिसंपत्तियां इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
क. संतुलन खोलना	96,600.89	99,295.21
ख. वर्ष के दौरान संचलनों के कारण		
(i) ट्यूरिअल अवमूल्यन	4,215.29	4,173.70
(ii) आस्थगित कर देयता के विरुद्ध आस्थगित कर समायोजन	16,490.43	7,980.98
(iii) आस्थगित कर वसूली योग्य	(6,143.41)	(1,589.79)
(iv) आस्थगित कर वसूली योग्य समायोजन	(1,804.96)	-
(v) तुईरियल एचपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	6,886.43	4,398.98
(vi) कोपिली एचपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	330.01	470.47
(vii) एजीजीबीपीएस–आर्बिट्रल पुरस्कार	574.31	-
(viii) लाभार्थियों को एमएटी क्रेडिट दिया जाएगा	(6,923.33)	(18,128.66)
वर्ष के दौरान कुल संचलन	**13,624.77**	**(2,694.32)**
ग. वर्ष के दौरान एकत्रित/वापसी की गई राशि	-	-
घ. लाभ और हानि के विवरण (बी–सी) में मान्यता प्राप्त नियामक आस्थगित खाता शेष	13,624.77	(2,694.32)
ङ. समापन शेष (ए+डी)	**1,10,225.66**	**96,600.89**
	13,624.77	(2,694.32)
च. नियामक स्थगन खाता शेष में शुद्ध उतार–चढ़ाव (I)	3,453.90	(192.98)
छ. वर्ष के दौरान लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल राशि (I-II)	**10,170.87**	**(2,501.34)**

नियामक आस्थगित खाता शेष की मान्यता के लिए विचार की जाने वाली वापसी/छूट दर नियामक आस्थगित खाता शेष की भविष्य में वसूली से जुड़ी शून्य जोखिम/अनिश्चितता है

- **मांग जोखिमः** नियामक स्थगन शेष की वसूली अपने लाभार्थियों के लिए बिलिंग के अधीन है और तदनुसार संबंधित सामान्य जोखिमों से जुड़ी है, जैसे कि ग्राहकों का बकाया के निपटान के प्रति रवैया, आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत की उपलब्धता आदि।
- **विनियामक जोखिमः** विनियमों में परिवर्तन, यदि कोई हो, और दर निर्धारण आवेदन के प्रस्तुत या अनुमोदन या अपेक्षित भविष्य के नियामक कार्यों पर इकाई के मूल्यांकन के कारण।

अवधि जिस पर ठीक होने की उम्मीद है

- अन्यः कंपनी से परियोजनाओं/उत्पादन स्टेशनों के मानक उपयोगी जीवन की अवधि के दौरान नियामक स्थगन खाता शेष की वहन राशि की वसूली/समायोजन करने की उम्मीद है।

टिप्पणी संख्या–38ः संबंधित पक्ष के प्रकटीकरण

आईएनडी एएस–24 के अनुसार संबंधित पक्ष के प्रकटीकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी निम्नानुसार दी गई हैः

(क) संबंधित दलों की सूची

क. होल्डिंग कंपनीः एनटीपीसी लिमिटेड

भारत सरकार के पास 26 मार्च 2020 तक नीपको लिमिटेड में 100% स्वामित्व हित था। हालांकि, एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा नीपको लिमिटेड में भारत सरकार की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण 27 मार्च 2020 को खरीद समझौते को साझा करने के लिए शेयर हस्तांतरण के माध्यम से पूरा किया गया। भारत सरकार और एनटीपीसी लिमिटेड के बीच 25 मार्च 2020। 31 मार्च, 2025 तक नीपको लिमिटेड में एनटीपीसी लिमिटेड की 100% स्वामित्व हिस्सेदारी है।

ख. संयुक्त उद्यमः

केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड, 8–2–293/82/ए/431/ए, रोड नंबर.22, जुबली हिल्स, हैदराबाद–500 033, भारत। नीपको लिमिटेड के पास है इस संयुक्त उद्यम में 30% हिस्सेदारी।

ग. कंपनियों/निगमित निकायों के नाम जो होल्डिंग कंपनी की सहायक/संयुक्त उद्यम हैं

1. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड
2. एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड
3. एनटीपीसी ईडीएमसी वेस्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
4. भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड
5. पत्रातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
6. मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड
7. एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड
8. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
9. ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड
10. हिंदुस्तान उवारक एंड रसायन लिमिटेड
11. झाबुआ पावर लिमिटेड
12. रत्नागिरि गैस एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड
13. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
14. टस्को लिमिटेड
15. यूटिलिटी पावरटेक लिमिटेड
16. एनटीपीसी–जीई पावर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
17. एनटीपीसी–सेल पावर कंपनी लिमिटेड

18. एनटीपीसी तमिलनाडु एनर्जी कंपनी लिमिटेड
19. अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
20. एनटीपीसी भेल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
21. ट्रांसफॉर्मर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स केरल लिमिटेड
22. नेशनल हाई पावर टेस्ट लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड
23. सीआईएल एनटीपीसी ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड
24. अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड
25. त्रिंकोमाली पावर कंपनी लिमिटेड
26. बांग्लादेश–भारत फ्रेंडशिप पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

घ. जिन कंपनियों के सीएमडी/निदेशकों में कंपनियां/एफआईआर सीएमडी/अध्यक्ष/निदेशक हैं

1. नॉर्थ ईस्ट इंडिया आयुष कंसोर्टियम लिमिटेड
2. एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड
3. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
4. गैंडा अनुसंधान उत्पाद, धुबरी, असम
5. पन्नालाल ओसवाल एंड संस, एचयूएफ
6. बिमल ओसवाल एंड संस, एचयूएफ
7. एनटीपीसी यूपी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
8. एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड
9. अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
10. एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड
11. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड
12. एनटीपीसी राजस्थान ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
13. एपी एनजीईएल हरित अमृत लिमिटेड
14. अयाना रिन्यूएबल पावर प्राइवेट लिमिटेड
15. पत्रातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
16. एनटीपीसी लिमिटेड
17. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड
18. एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड
19. मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड
20. अनुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड

ङ. नीपको के निदेशक और प्रमुख प्रबंधक

(i) पूर्णकालिक निदेशकः

1. श्री गुरदीप सिंह	सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभालना
2. श्री बी.महाराणा	निदेशक (वित्त) सह मुख्य वित्त अधिकारी
3. श्री रणेंद्र सरमा	निदेशक (तकनीकी)
4. मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम (सेवानिवृत्त)	निदेशक (कार्मिक)

(ii) स्वतंत्र निदेशकः	
1. डॉ. विवेक नंद पासवान	स्वतंत्र निदेशक 09.11.2024 तक
2. श्री बिमल चंद ओसवाल	स्वतंत्र निदेशक 09.11.2024 तक
(iii) नामांकित निदेशक	
1. श्री पीयूश सुरेंद्रपाल सिंह	सरकार के नामित निदेशक भारत का
2. श्री जय कुमार श्रीनिवासन	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 31.07.2024 तक
3. शंभू नाथ त्रिपाठी	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड 30.09.2024 तक
4. श्री विरेंद्र मलिक	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड प्रभावी. 31.07.2024
5. श्री के. संमुघा सुंदरम	नामित निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड प्रभावी. 30.09.2024
(iv) कंपनी सचिव	
श्री अबिनोम पानू रोंग	कंपनी सचिव

ख) संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन

खास बातें.	31.03.2025	31.03.2024
वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री और खरीद		
व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्रीः एनवीवीएन	84,064.78	85,097.19
	84,064.78	**85,097.19**
अन्य लेनदेन		
एनटीपीसी लिमिटेड को लाभांश के रूप में भुगतान/देय		
(क) वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश। 2023–24	-	25,000.00
(ख) वित्तीय वर्ष के लिए अंतरिम लाभांश 2024–25 तक	20,000.00	-
(ग) वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम लाभांश 2023–24	5,000.00	-
व्यापार खर्चों के लिए एन. वी. वी. एन. लिमिटेड–व्यावसायिक शुल्क	102.75	75.65
एनटीपीसी लिमिटेड को परामर्श के लिए भुगतान किया गया	40.82	-
एनटीपीसी लिमिटेड	84.77	56.46
किराया शुल्क के लिए ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ई–वाहन	4.42	8.01
नीपको कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	9453.18	9,707.39
नीपको लिमिटेड. कर्मचारी परिभाषित अंशदान अधिवर्षिता योजना न्यास	3621.42	3,724.08
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	2861.23	2,477.76
नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट	361.48	-
नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट	39.08	41.71
सहायकों/जेवी कंपनियों/फर्मों और कंपनियों को ऋण की प्रकृति में ऋण और अग्रिम। निदेशक किसमें रुचि रखते हैं	-	-
कुल	**41,569.16**	**41,091.06**

ग) **प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के लिए मुआवजा**

(₹ लाख में)

खास बातें.	31.03.2025	31.03.2024
वेतन और भत्ते	287.48	163.21
भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	30.34	24.00
अन्य लाभ	15.21	31.07
बैठने की फीस	10.62	16.99
कुल	**343.65**	**235.27**

घ) **संबंधित पक्षों के साथ बकाया संतुलन**

(₹ लाख में)

(i) से वसूली योग्य राशि	31.03.2025	31.03.2024
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	393.72	174.71
खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए एनटीपीसी लिमिटेड	15.73	5.54
टीडीएस के लिए एनवीवीएन लिमिटेड	0.75	0.33
एन. वी. वी. एन. से प्राप्त	4,098.53	4,527.68

(₹ लाख में)

(ii) देय राशि	31.03.2024	31.03.2023
नीपको कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	867.46	875.14
नीपको लिमिटेड कर्मचारी परिभाषित अंशदान अधिवर्षिता योजना न्यास	297.97	305.12
नीपको कर्मचारी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट ट्रस्ट	4,162.28	2,861.23
नीपको कर्मचारी समूह ग्रेच्युटी एश्योरेंस फंड ट्रस्ट	596.35	361.48
नीपको कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा योजना ट्रस्ट	3.19	3.39
किराया शुल्क के लिए ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ई–वाहन	-	1.38
व्यापार खर्चों के लिए एन. वी. वी. एन. लिमिटेड–व्यावसायिक शुल्क	1.03	-
एनटीपीसी लिमिटेड	63.81	43.76

एक ही सरकार के तहत कंपनी पर संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव वाली अन्य संस्थाक ।।
सरकार के साथ संबंधों का नाम और प्रकृति

(₹ लाख में)

कंपनी का नाम	रिश्ते की प्रकृति
भारत सरकार	कंपनी पर नियंत्रण रखने वाली होल्डिंग कंपनी में शेयरधारक
एनटीपीसी लिमिटेड	होल्डिंग कंपनी (100%)

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन जो उसी सरकार के नियंत्रण में हैं जिसका होल्डिंग कंपनी (एनटीपीसी लिमिटेड) पर नियंत्रण है

(₹ लाख में)

कंपनी का नाम	कम्पनी द्वारा लेन–देन की प्रकृति	31.03.2024	31.03.2023
ऑयल इंडिया लिमिटेड	गैस की खरीद	78074.43	80829.20
बीएचईएल	पुर्जों की आपूर्ति	6433.40	5298.93
आई.ओ.सी लिमिटेड	गैस/एचएसडी/स्नेहक की खरीद	335.15	189.01

ओएनजीसी	गैस की खरीद	12190.26	15862.41
गेल (इंडिया) लिमिटेड	गैस की खरीदं	24642.72	28165.56
कुल		**121675.96**	**130345.11**

(₹ लाख में)

सरकार के साथ महत्वपूर्ण लेन–देन जिसका होल्डिंग कंपनी (एनटीपीसी लिगिटेड) पर नियंत्रण है	31.03.2025	31.03.2024
भारत सरकार को विदेशी ऋण पर गारंटी शुल्क (जीओआई)	403.15	491.03
कंपनी द्वारा भारत सरकार को दिए गए अधीनस्थ ऋण पर ब्याज	291.96	291.96

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन के नियम और शर्तें

संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन सामान्य वाणिज्यिक नियमों और शर्तों पर और व्यावहारिक मूल्य पर किए जाते हैं।

नोट संख्या 39 अतिरिक्त प्रकटीकरण

क. कंपनी ने बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों से उधार का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया है जिसके लिए इसे रिपोर्टिंग तिथि पर लिया गया था।

ख. बंद कंपनियों के साथ संबंधः चालू वित्त वर्ष और पिछले वित्त वर्ष के दौरान बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन और बकाया शेष राशि नहीं।

(₹ लाख में)

क्र.सं.	बंद की गई कंपनी का नाम	बंद की गई कंपनी के साथ लेन–देन की प्रकृति	31 मार्च 2025 तक बकाया शेष राशि	31 मार्च 2024 तक बकाया शेष राशि	बंद की गई कंपनी के साथ संबंध

शून्य

ग. (i) कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों में दाखिल की गई तिमाही विवरणी या चालू परिसंपत्तियों के विवरण लेखा पुस्तकों के अनुरूप हैं।
(ii) कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाताओं द्वारा विलफुल डिफॉल्टर घोषित नहीं किया गया है।

घ. कंपनी ने प्रवर्तकों, निदेशकों, के.एम.पी. और संबंधित पक्षों को कोई ऋण या अग्रिम नहीं दिया है जो मांग पर या पुनर्भुगतान की किसी भी शर्त या अवधि को निर्दिष्ट किए बिना पुनर्भुगतान योग्य हैं।

ङ. बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित है।

च. कंपनी के पास अभी तक किसी भी शुल्क या संतुष्टि का कोई मामला नहीं है जिसे वैधानिक समय सीमा से परे आरओसी के साथ पंजीकृत किया जाना है।

छ. कंपनी (परतों की संख्या पर प्रतिबंध) नियम, 2017 के साथ पठित अधिनियम की धारा 2 के खंड (87) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं क्योंकि यह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (45) के अनुसार एक सरकारी कंपनी है।

ज. कंपनी अपने खातों में कोई निवेश संपत्ति नहीं रखती है, इसलिए निवेश संपत्ति का उचित मूल्यांकन लागू नहीं होता है।

झ. वर्ष के दौरान कंपनी ने अपनी किसी भी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।
वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपनी किसी भी अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

ञ. कंपनी ने किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को इस समझ के साथ न तो कोई ऋण या अग्रिम प्रदान किया है और न ही लिया है कि लेन–देन का लाभ किसी तीसरे पक्ष, अंतिम लाभार्थी को जाएगा।

ट. कंपनी अधिनियम' 2013 की धारा 230 से 237 के संदर्भ में सक्षम प्राधिकारी द्वारा कोई योजना या व्यवस्था अनुमोदित नहीं की गई है।

ठ. अघोषित आयः कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय या किसी भी लेनदेन के रूप में आत्मसमर्पण या खुलासा नहीं किया है। वर्ष के दौरान आयकर अधिनियम' ज 1961 के तहत कोई तलाशी या सर्वेक्षण नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनी के पास पहले से कोई गैर–अभिलिखित आय और संबंधित संपत्ति (पिछले वर्ष शून्य) नहीं है

ड. क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसीः कंपनी ने चालू वित्त वर्ष (पिछले वर्ष शून्य) के दौरान क्रिप्टो या वर्चुअल करेंसी में कारोबार या निवेश नहीं किया है।

ओ. अनुपात का प्रकटीकरण

(₹ लाख में)

अनुपात	अंकक	डिनॉमिनेटर	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	% भिन्नता	विचलन का कारण
वर्तमान अनुपात	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	वर्तमान देनदारियाँ	0.759	0.536	41.67	वर्तमान वित्तीय वर्ष वर्तमान परिसंपत्तियां अधिक हैं जबकि वर्तमान देनदारियां पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कम हैं।
ऋण–इक्विटी अनुपात	चुकता ऋण पूंजी (दीर्घकालिक उधार. अल्पावधि उधार)	शेयरधारक की इक्विटी (कुल इक्विटी)	1.061	1.088	(2.49)	वर्तमान वित्तीय वर्ष में, पिछले वर्ष की तुलना में कुल ऋण में वृद्धि हुई, जबकि कुल इक्विटी पिछली अवधि में बढ़ी, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अनुपात में कमी आई है।
ऋण सेवा कवरेज अनुपात	वर्ष के लिए लाभ. वित्त लागत. मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय. असाधारण वस्तुएँ	वित्त लागत. पट्टा भुगतान. दीर्घकालिक ऋणों का अनुसूचित मूलधन पुनर्भुगतान	1.316	1.142	15.24	पिछले वित्तीय वर्ष पर ऋण सेवाओं में कमी के कारण। और कमाई की उपलब्धता में वृद्धि, अनुपात में सुधार हुआ है
इक्विटी अनुपात पर प्रतिफल	वर्ष के लिए लाभ	औसत शेयरधारक की इक्विटी	0.08	0.08	1.67	पिछले वर्ष की तुलना में लाभ में वृद्धि के कारण, अनुपात बेहतर है
इन्वेंट्री कारोबार अनुपात	संचालन से आय	औसत सूची	31.83	33.95	(6.25)	पिछले वर्ष की तुलना में औसत सूची में कमी के कारण, अनुपात में सुधार हुआ है
व्यापार प्राप्य टर्नओवर अनुपात	संचालन से आय	औसत व्यापार प्राप्य	6.09	4.76	27.91	औसत देनदारों में कमी और वर्तमान अवधि के लिए बिक्री में वृद्धि के कारण अनुपात उच्च पक्ष पर है
व्यापार देय टर्नओवर अनुपात	कुल खरीद (ईंधन लागत. अन्य खर्च . बंद करने वाली इन्वेंट्री–ओपनिंग इन्वेंट्री)	व्यापार देय राशि को बंद करना	11.28	9.83	14.69	शुद्ध ऋण खरीद में कमी और देय औसत व्यापार में कमी के कारण, अनुपात उच्च पक्ष पर है
शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात	संचालन से आय	कार्यशील पूंजी. दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता	7.77	3.65	113.26	कार्यशील पूंजी में कमी और संचालन से राजस्व में वृद्धि के कारण, पिछले वर्ष की तुलना में, अनुपात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में उच्च पक्ष पर दिखाई दिया।
शुद्ध लाभ अनुपात	वर्ष के लिए लाभ	संचालन से आय	0.14	0.13	4.84	पिछले वर्ष की तुलना में पी ए टी में वृद्धि के कारण, वर्तमान वित्तीय वर्ष में अनुपात बेहतर है।
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल	ब्याज और करों से पहले की कमाई	नियोजित पूंजी (i)	0.09	0.07	18.82	पिछली अवधि की तुलना में ईबीआईटी की वृद्धि के परिणामस्वरूप अनुपात में वृद्धि हुई

अनुपात	अंकक	डिनॉमिनेटर	31.03.2025 तक	31.03.2024 तक	% भिन्नता	विचलन का कारण
निवेश पर प्रतिफल (ii)–सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश	{एमवी(टी1)–एमवी(टी0) –योग [सी(टी1),}	{एमवी(टी0)–योग डब्ल्यू(टी)–सी(टी2)]}	-	-	-	नीपको के लिए निवेश दोनों वित्तीय वर्ष एस के लिए शून्य है
निवेश पर प्रतिफल (ii)–अन्य में निवेश	{एमवी(टी1) – एमवी(टी0) – योग सी(टी1)]}	{एमवी(टी0)+योग [डब्ल्यू(टी) * सी(टी2)]}	-	-	-	नीपको के लिए निवेश (या तो एसटीडीआर या अन्य निवेशों में) दोनों वित्तीय वर्ष के लिए शून्य है।

** डिनॉमिनेटर नकारात्मक है

(i) नियोजित पूंजी = वास्तविक निवल मूल्य+कुल ऋण+आस्थगित कर देनदारियाँ

(ii) निवेश पर प्रतिफल कहाँ

टी1 = समय अवधि की समाप्ति

टी =टी1 और टी0 के बीच आने वाली विशिष्ट तिथि

एमवी(टी1) = टी1 पर बाजार मूल्य

एमवी(टी0) = टी0 पर बाजार मूल्यं

सी(टी1) =नकद अंतर्वाह, प्राप्त लाभांश सहित विशिष्ट तिथि पर नकद बहिर्वाह

सी(टी2) = नकदी प्रवाह, प्राप्त लाभांश को छोड़कर विशिष्ट तिथि पर नकदी बहिर्वाह

डब्ल्यू(टी) = दिन 'टी' पर शुद्ध नकदी प्रवाह (यानी शुद्ध अंतर्वाह या शुद्ध बहिर्वाह) का भार, [टी1 – टी] T1 के रूप में गणना की जाती है

अन्य सामग्री जानकारीः

रूफटॉप सोलर (आरटीएस) और ग्राउंड माउंटेड सोलर (जीएमएस) प्रोजेक्ट्स

टिकाऊ ऊर्जा पद्धतियों को अपनाने और पारंपरिक बिजली स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए, नीपको अपनी स्वामित्व वाली या अपने प्रशासनिक नियंत्रण वाली जगहों पर 3.451 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पावर सिस्टम और 3.980 मेगावाट क्षमता के ग्राउंड माउंटेड सोलर पावर सिस्टम लगाना चाहता है। एनवीवीएन द्वारा आंकी गई अनुमानित क्षमता लगभग 3.451 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता और 3.98 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सोलर प्रोजेक्ट क्षमता है।

इन सिस्टम्स को नीपको के विभिन्न स्थानों, जैसे एजीबीपीएस, पीएलएचपीएस, पीएचपीएस, डीएचपीएस, एजीजीबीपीएस, टीजीबीपीएस और मुख्यालय, शिलांग में लगाने की योजना है। इसकी अनुमानित ईपीसी कीमत (जिसमें ओ एंड एम शुल्क, कंसल्टेंसी शुल्क और जीएसटी शामिल हैं) 40.57 करोड़ रुपये है, और इसके वित्त वर्ष 2025–26 तक पूरा होने की उम्मीद है।

खंडोंग जलविद्युत शक्ति केंद्र (2 x 25 मेगावाटॅ):

दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुखद दुर्घटना

26 मार्च, 2022 को, असम के दिमा हसाओ जिले में स्थित खांडोंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर स्टेशन (नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड – नीपको) में एक दुखद दुर्घटना हुई।

यह दुर्घटना तब हुई, जब खांडोंग पावर प्रोजेक्ट में लगी एक तेज़ बहाव वाली पानी की पाइपलाइन फट गई। इस विस्फोट का कारण मेघालय के ऊपरी इलाकों में हुई भारी बारिश के चलते पानी के स्तर में अचानक हुई बढ़ोतरी को माना गया। पानी के बहाव में हुई इस वृद्धि के कारण पाइपलाइन में रुकावटें आ गईंकृजिनमें गिरे हुए पेड़ और पत्थर शामिल थेकृजिससे पाइपलाइन के भीतर भारी दबाव उत्पन्न हो गया।

प्रतिक्रिया और परिणाम

असम के उमरोंगसो में खंडोंग हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर स्टेशन (2 X 23 मेगावाट) का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण सक्रिय रूप से चल रहा है। नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) ने स्टेशन के बुनियादी ढांचे और परिचालन दक्षता को बढ़ने के लिए कई प्रमुख

परियोजनाक शुरू की हैं।

कार्यों का प्रमुख दायरा

1. पेनस्टॉक और स्टील लाइनर प्रतिस्थापन: कार्यक्षेत्र: नए पेनस्टॉक्स और स्टील लाइनरों का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।

2. पुनर्स्थापना और आधुनिकीकरण के लिए सिविल कार्य: कार्यक्षेत्र: पावर स्टेशन की सुविधाओं को बहाल करने और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से व्यापक नागरिक कार्य।

3. विद्युत–यांत्रिक कार्य: कार्यक्षेत्र: स्टेशन की परिचालन दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए खांगडोंग पावर स्टेशन (2 * 25 मेगावाट) में स्थापित किए जाने वाले स्टेशन सहायकों के साथ इलेक्ट्रो मैकेनिकल उपकरणों का डिजाइन और इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कार्यस्थल पर विवरण।

नवीकरण और आधुनिकीकरण परियोजनाक। निर्धारित समय सीमा के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। नीपको समय पर पूरा होना सुनिश्चित करने और खंडोंग पावर स्टेशन की परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए विकास की निगरानी करना जारी रखता है। कार्य की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए नवीकरण और आधुनिकीकरण के प्रयासों के जुलाई 2025 के अंत में पूरा होने की उम्मीद है।

हीओ एचईपी (240 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश:

हीओ जल विद्युत परियोजना की परिकल्पना अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में सियोम नदी की एक सहायक नदी यारजेप नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है। सरकार के साथ हीओ एचईपी के लिए एमओए पर हस्ताक्षर किए गक। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए प्रमुख मंजूरी प्राप्त कर ली गई है और ₹ 1938.85 करोड़ रुपये की लागत के साथ दिसंबर 2024 में निवेश की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का वित्त पोषण ऋण के रूप में किया जाएगा: इक्विटी अनुपात 70: 30 के अलावा बजट सहायता के रूप में रु। बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार से ₹ 127.28 करोड़ रुपये। राज्य सरकार को भुगतान जारी कर दिया गया है। आवश्यक भूमि के लिए मुआवजे और उसी के अधिग्रहण के लिए जल्द ही अपेक्षित है। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित कमीशनिंग अवधि 50 महीने है। हीओ एचईपी 1000.20 एमयू की वार्षिक ऊर्जा उत्पन्न करेगा।

टाटो–I एचईपी (186 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश:

टाटो–I जल विद्युत परियोजना की परिकल्पना हीओ एचईपी के नीचे की ओर यारजेप नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है और यह अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में स्थित है। टाटो–I एचईपी हीओ एचईपी के पिछले पानी का उपयोग करेगा। टाटो–I एचईपी के लिए एमओए पर सरकार के साथ हस्ताक्षर किए गए थे। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए प्रमुख मंजूरी प्राप्त कर ली गई है और ₹1750.07 करोड़ रुपये की लागत के साथ दिसंबर 2024 में निवेश की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना का वित्त पोषण ऋण के रूप में किया जाएगा: इक्विटी अनुपात 70: 30 के अलावा बजट सहायता के रूप में रु। बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार से ₹ 77.37 करोड़ रुपये। राज्य सरकार को भुगतान जारी कर दिया गया है। आवश्यक भूमि के लिए मुआवजे और उसी के अधिग्रहण के लिए जल्द ही अपेक्षित है। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित कमीशनिंग अवधि 50 महीने है। टाटो–I एचईपी 800.02 एमयू की वार्षिक ऊर्जा उत्पन्न करेगा।

भविष्य की अन्य परियोजनाक:

टाटो– II एचईपी (700 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश:

टाटो– II जल विद्युत परियोजना की परिकल्पना टाटो– I एचईपी के नीचे की ओर सियोम नदी पर एक रन–ऑफ–द–रिवर परियोजना के रूप में की गई है और यह अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में स्थित है। टाटो– I एचईपी के लिए एमओए पर सरकार के साथ हस्ताक्षर किए गए थे। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। परियोजना के लिए अधिकांश मंजूरी प्राप्त कर ली गई है, जबकि वन मंजूरी चरण– I जल्द ही होने की उम्मीद है। राज्य सरकार से आवश्यक भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। वर्तमान में, निवेश स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। परियोजना के पूरा होने की लागत ऋण के साथ ₹ 8146.21 करोड़ रुपये अनुमानित है: 75: 25 का इक्विटी अनुपात और सक्षम बुनियादी ढांचे की दिशा में भारत सरकार से 458.79 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन की परिकल्पना की गई है, जीओएपी से 418.60 करोड़ रुपये की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति। वर्तमान में प्रमुख अनुबंध पैकेज प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्धारित कमीशनिंग अवधि 72 महीने है और वार्षिक डिजाइन ऊर्जा 2738.06 एमयू है।

नायिंग एचईपी (1000 मेगावाट) अरुणाचल प्रदेश:

नायिंग एचईपी अरुणाचल प्रदेश के शी योमी जिले में सियोम नदी पर टाटो– II एचईपी के नीचे की ओर स्थित है। यह सियोम नदी पर कैस्केड में सबसे डाउनस्ट्रीम परियोजना है। सरकार के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए गक। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश। डीपीआर पर सीईए की सहमति दी गई है जबकि ईसी और एफसी प्रक्रिया में हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। परियोजना के पूरा होने की अवधि 78 महीने है और अनुमानित वार्षिक डिजाइन ऊर्जा 3809 एमयू है।

हिरोंग एचईपी (500 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेशः

हिरोंग एचईपी, अरुणाचल प्रदेश के शि योमी ज़िले में सियोम नदी पर तातो–II एचईपी के ऊपर है। अगस्त 2023 में अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ एमओए साइन किया गया था। सियांग बेसिन स्टडी रिपोर्ट के अनुसार ई–फ्लो को ध्यान में रखते हुए डीपीआर में अभी बदलाव किया जा रहा है। बदले हुए लेआउट को फ़ाइनल करने के बाद ज़मीन खरीदने का प्रोसेस किया जाएगा। बदले हुए लेआउट को फ़ाइनल करने के बाद ईसी और एफसी किया जाएगा। इन्वेस्टमेंट अप्रूवल के बाद यह प्रोजेक्ट 78 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

कुरुंग एचईपी (330 मेगावाट), अरुणाचल प्रदेशः

कुरुंग एचईपी, कुरुंग नदी पर है, जो सुबनसिरी नदी की एक सहायक नदी है और अरुणाचल प्रदेश के क्रा दादी ज़िले में है। प्रोजेक्ट के लिए पीएफआरध्डीपीआर की तैयारी अभी चल रही है। ईआईएध्ईएमपी की तैयारी के लिए पूरी एनवायर्नमेंटल स्टडी भी चल रही हैं। इन्वेस्टमेंट अप्रूवल के बाद यह प्रोजेक्ट 60 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

नवीकरणीय ऊर्जा (सौर परियोजना–चरण–I) 300 मेगावाटः

नवीकरणीय ऊर्जा (सौर परियोजना – चरण–I), 300 मेगावाट की परियोजना भानीपुरा, बीकानेर, राजस्थान में स्थित है। इस परियोजना का वार्षिक उत्पादन 762.30 एमयू है, जिसमें डीसीःएसी अनुपात 1.5 (फिक्स्ड टिल्ट सिस्टम) है। मेसर्स वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को एलओआई (आशय पत्र) जारी किया गया है और अनुबंध समझौता 22.03.2024 को किया गया था। ठेकेदार ने भानीपुरा, बीकानेर, राजस्थान में स्थित सोलर पार्क में निजी लीज़ पर ली गई ज़मीन (455 हेक्टेयर) और पीजीसीआईएल, बीकानेर–II सबस्टेशन पर इंटरकनेक्शन के लिए 220 केवी की 15 किमी लंबी ट्रांसमिशन लाइन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है। ठेकेदार ने नीपको को परफॉर्मेंस बैंक गारंटी (पीबीजी) और एडवांस बैंक गारंटी (एबीजी) जमा कर दी है।

पूरी बिजली एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) द्वारा 2.70 रुपये/केडब्ल्यूएच की दर से खरीदी जाएगी।

18 फरवरी 2025 को शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया और साइट कार्यालय खोला गया। कुल ज़मीन में से, 50% ज़मीन नीपको को सब–लीज़ पर दी गई है: यह ज़मीन मेसर्स सोलटाउन इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाले सोलर पार्क में स्थित है और इसकी कनेक्टिविटी बीकानेर–II सबस्टेशन से है। प्रमुख "खरीदी गई वस्तुओं" (बीओआईएस) में से 70% के लिए "खरीद आदेश" (पीओ) जारी कर दिया गया है। इंजीनियरिंग ड्राइंग जमा करने और उसकी मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। साइट पर स्टोर के निर्माण के लिए सामग्री पहुँचाने का काम चल रहा है, और ज़मीन के विकास का कामकृयानी ज़मीन को समतल करने और ग्रेडिंग का कामकृप्रगति पर है।

के. आईएनडी एएस 116 लीज़ के अनुसार प्रकटीकरण

(I) आईएनडी एएस 116 में संक्रमण

कंपनी ने आईएनडी एएस 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग पर निम्नलिखित व्यावहारिक उपायों को लागू किया है:

(i) समान आर्थिक वातावरण में, समान समाप्ति तिथि वाली समान संपत्तियों की लीज़ के पोर्टफोलियो पर एक ही छूट दर (छूट की दर) लागू की है।

(ii) प्रारंभिक अनुप्रयोग की तिथि पर, 12 महीने से कम की लीज़ अवधि वाली लीज़ के लिए "उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों" (उपयोग का अधिकार संपत्ति) और देनदारियों को मान्यता न देने की छूट लागू की है।

(iii) प्रारंभिक अनुप्रयोग की तिथि पर, श्उपयोग के अधिकार वाली संपत्तिश के मापन से प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतों (यदि कोई हों) को बाहर रखा है।

(iv) आईएनडी एएस 116 में संक्रमण के समय, आईएनडी एएस 116 के तहत मान्यता प्राप्त लीज़ देनदारियों पर लागू भारित औसत वृद्धिशील उधार दर 8.69% है। वित्त वर्ष 2023–24 से संबंधित समझौतों के लिए, भारित औसत वृद्धिशील उधार दर 7.75% मानी गई है।

(II) पट्टेदार (पट्टेदार) के रूप में कंपनी

(i) कंपनी की महत्वपूर्ण लीज़ व्यवस्थाएं निम्नलिखित संपत्तियों के संबंध में हैं:

(क) गेस्ट हाउस/ट्रांजिट कैंप के लिए परिसर, जो रद्द न किए जा सकने वाले (रद्द नहीं किया जा सकता) नहीं हैं और आमतौर पर आपसी सहमति की शर्तों पर नवीकरणीय होते हैं।

(ख) कंपनी ने पांच वर्ष की अवधि के लिए "ऑपरेटिंग लीज़" पर इलेक्ट्रिक वाहन लिए हैं, जिनकी अवधि आपसी सहमति की शर्तों पर और बढ़ाई जा सकती है। लीज़ किराया प्रति वर्ष 10% की वृद्धि के अधीन है।

(ग) कंपनी ने कुछ वाहन (विद्युत के अलावा) 12 महीने से अधिक की अवधि के लिए पट्टे पर लिए हैं।

(III) निम्नलिखित मान्यता प्राप्त पट्टा देनदारियों की वहन राशि और अवधि के दौरान संचलन हैं:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
संतुलन खोलना	2,015.55	1,086.30
– पट्टे की देनदारियों में वृद्धि	864.32	1,776.17
– वर्ष के दौरान ब्याज लागत	17.69	210.02
– लीज देनदारियों का भुगतान	1,150.01	1,056.94
समापन शेष राशि	**1,747.55**	**2,015.55**
वर्तमान	971.68	1,000.48
गैर–वर्तमान	775.87	1,015.07

(iv) 31.03.2025 को पट्टे पर दी गई संपत्तियों के उपयोग का अधिकार की वहन राशि निम्नलिखित है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
संतुलन खोलना	1,877.45	1,004.57
– पट्टे की देनदारियों में वृद्धि	864.32	1,776.17
– अवधि के दौरान परिशोधन	1,112.92	903.29
समापन शेष राशि	1,628.85	1,877.45

(v) निम्नलिखित लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त राशियाँ हैं:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति के लिए मूल्यह्रास व्यय	1,112.92	903.29
पट्टा देनदारियों पर ब्याज व्य	17.69	210.02
अल्पावधि पट्टों से संबंधित व्यय	-	-

(VI) पट्टा देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वताओं का विवरण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
एक वर्ष से कम	971.68	1,000.48
एक से दो वर्ष के बीच	531.01	594.48
दो से तीन वर्ष के बीच	232.91	273.54
तीन से चार वर्ष के बीच	11.95	147.05
चार से पांच वर्ष के बीच	-	-
पाँच वर्ष से अधिक	-	-
कुल	**1,747.55**	**2,015.55**

एल. कंपनी अधिनियम, 2013 और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम) की अनुसूची III द्वारा आवश्यक 31 मार्च 2025 तक सूक्ष्म और लघु उद्यमों के संबंध में जानकारी।

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
क) किसी भी आपूर्तिकर्ता को बकाया राशि:		
मूल राशि	**1,442.76**	**1,365.04**

उस पर देय ब्याज	-	-
ख) निर्धारित दिन के बाद आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान की गई राशि के साथ–साथ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के संदर्भ में भुगतान की गई ब्याज राशि।	-	-
ग) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान निर्धारित दिन से परे किया गया है) लेकिन एमएसएमईडी अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़ बिना।	-	-
घ) उपार्जित ब्याज की राशि और बकाया राशि	-	-
ई) एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य से, बाद के वर्षों में भी देय और देय ब्याज की राशि, उस तारीख तक जब उपरोक्त ब्याज बकाया वास्तव में छोटे उद्यमों को भुगतान किया जाता है।	-	-

विक्रेताओं को भुगतान संबंधित अनुबंधों के नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

एम. लेखांकन नीतियों में बदलाव/अनुमान में बदलावः

वर्ष के दौरान, नए जोड़े गए पैरा 117ए, बी, सी के माध्यम से संशोधन के अनुपालन में लेखांकन नीतियों में परिवर्तन/संशोधन किया गया है, जो आईएनडी एएस 1 'वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति' के प्रावधान के तहत निर्धारित सामग्री लेखा नीतियों के प्रकटीकरण से संबंधित है। सामग्री लेखा नीति में इन संशोधनों के कारण वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

अनुमान में बदलावः

तकनीकी मूल्यांकन, ओईएम से प्रतिक्रिया, गैस आपूर्तिकर्ता द्वारा आश्वासन और प्रबंधन द्वारा गठित तकनीकी समिति द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर, असम गैस आधारित पावर स्टेशन (एजीबीपीएस) 291 मेगावाट के उपयोगी जीवन में और 15 वर्ष की वृद्धि होने का अनुमान है और इसलिए सीईआरसी के समक्ष याचिका वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 31.03.2039 तक पावर स्टेशन के विस्तार का प्रस्ताव किया गया है।

नोट संख्या–40 पूंजी प्रबंधन

कंपनी के पूंजी प्रबंधन का उद्देश्य कंपनी के दीर्घकालिक और अल्पावधि लक्ष्यों को पूरा करने में सुविधा प्रदान करके शेयरधारकों के लिए मूल्य पैदा करना है।

कंपनी दीर्घकालिक और अल्पावधि रणनीतिक निवेश योजना के साथ वार्षिक व्यापार योजना के आधार पर आवश्यक पूंजी की राशि निर्धारित करती है। वित्तपोषण आवश्यकताओं को इक्विटी, परिवर्तनीय और गैर–परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अन्य अल्पावधि और दीर्घकालिक उधारों के माध्यम से पूरा किया जाता है। कंपनी की नीति का उद्देश्य अल्पावधि और दीर्घकालिक उधारों का संयोजन है।

कंपनी शुद्ध ऋण से इक्विटी अनुपात और कंपनी के समग्र ऋण पोर्टफोलियो की परिपक्वता रूपरेखा के आधार पर पूंजी संरचना की निगरानी करती है।

नोट संख्या–41 वित्तीय साधनों पर प्रकटीकरण

यह खंड कंपनी के लिए वित्तीय साधनों के महत्व का अवलोकन देता है और बैलेंस शीट आइटम पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है जिसमें वित्तीय साधन होते हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रत्येक वर्ग, वित्तीय देयता और इक्विटी साधन के संबंध में मान्यता के मानदंड, माप के आधार और आय और व्यय को मान्यता देने के आधार सहित महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण वित्तीय विवरणों के नोट संख्या 1 में प्रकट किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देनदारियाँ

निम्नलिखित तालिका 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों की प्रत्येक श्रेणी की वहन राशि और उचित मूल्य प्रस्तुत करती है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देनदारियाँ

(₹ लाख में)

31 मार्च, 2025 तक	लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से उचित मूल्य	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य	हेजिंग संबंध में व्युत्पन्न उपकरण	व्युत्पन्न उपकरण हेजिंग संबंध में नहीं हैं	परिशोधन लागत	कुल वहन मूल्य	कुल उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति							
नकद और बैंक शेष					126.11	126.11	126.11
अन्य बैंक शेष					602.98	602.98	602.98
व्यापार प्राप्य					57,280.59	57,280.59	57,280.59
कर्ज					31.35	31.35	31.35
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ					98,366.95	98,366.95	98,366.95
कुल					156,407.98	156,407.98	156,407.98
वित्तीय देनदारियाँ							
व्यापार देय					13,937.27	13,937.27	13,937.27
उधारी					726,191.68	726,191.68	700,395.22
नकद क्रेडिट/ डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल					35,173.86	35,173.86	35,173.86
लीज की बाध्यता					1,747.55	1,747.55	1,747.55
पूँजीगत व्यय के लिए देय					6,152.08	6,152.08	6,152.08
अन्य वित्तीय देनदारियाँ					45,091.50	45,091.50	45,091.50
कुल					828,293.94	828,293.94	802,497.48

(₹ लाख में)

31 मार्च, 202 तक	लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से उचित मूल्य	ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य	हेजिंग संबंध में व्युत्पन्न उपकरण	व्युत्पन्न उपकरण हेजिंग संबंध में नहीं हैं	परिशोधन लागत	कुल वहन मूल्य	कुल उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति							
नकद और बैंक शेष					240.10	240.10	240.10
अन्य बैंक शेष					276.46	276.46	276.46
व्यापार प्राप्य					83,664.74	83,664.74	83,664.74
कर्ज					40.02	40.02	40.02
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ					32,756.40	32,756.40	32,756.40
कुल					**116,977.72**	**116,977.72**	**116,977.72**
वित्तीय देनदारियाँ							
व्यापार देय					17,775.74	17,775.74	17,775.74
उधारी					695,035.07	695,035.07	652,020.01
नकद क्रेडिट/ डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल					52,253.97	52,253.97	52,253.97
लीज की बाध्यता					2,015.55	2,015.55	2,015.55
पूँजीगत व्यय के लिए देय					4,938.90	4,938.90	4,938.90
अन्य वित्तीय देनदारियाँ					37,752.10	37,752.10	37,752.10
कुल					809,771.33	809,771.33	766,756.27

निम्नलिखित तालिका वित्तीय साधनों का विश्लेषण प्रदान करती है जिन्हें उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता के बाद मापा जाता है, जिन्हें स्तर 1

से स्तर 3 में वर्गीकृत किया गया है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

एक सक्रिय बाजार में उद्धृत मूल्य (स्तर 1): पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय परिसंपत्तियां शामिल हैं जिन्हें समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्यों (असमायोजित) के संदर्भ में मापा जाता है। इस श्रेणी में उद्धृत इक्विटी शेयरों, उद्धृत कॉर्पोरेट ऋण साधनों और म्यूचुअल फंड निवेशों में निवेश शामिल हैं।

अवलोकन योग्य इनपुट के साथ मूल्यांकन तकनीक (स्तर 2): पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय संपत्ति और देनदारियां शामिल हैं, जो स्तर 1 के भीतर उद्धृत कीमतों के अलावा अन्य इनपुट का उपयोग करके मापा जाता है जो संपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात कीमतों से प्राप्त) के लिए अवलोकन योग्य हैं। पदानुक्रम के इस स्तर में कंपनी के ओवर–द–काउंटर (ओटीसी) व्युत्पन्न अनुबंध शामिल हैं।

महत्वपूर्ण गैर–अवलोकन योग्य निवेशों के साथ मूल्यांकन तकनीक (स्तर 3): पदानुक्रम के इस स्तर में वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां शामिल हैं जिन्हें निवेशों का उपयोग करके मापा जाता है जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा (गैर–अवलोकन योग्य निवेश) पर आधारित नहीं होते हैं। उचित मूल्यों का निर्धारण पूरी तरह से या आंशिक रूप से उन अनुमानओं के आधार पर मूल्यांकन मॉडल का उपयोग करके किया जाता है जो न तो एक ही साधन में अवलोकन योग्य वर्तमान बाजार लेनदेन से कीमतों द्वारा समर्थित हैं और न ही वे उपलब्ध बाजार डेटा पर आधारित हैं। इस श्रेणी में मुख्य मदें बिना उद्धृत इक्विटी शेयरों में निवेश हैं, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा जाता है।

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च, 2025 तक			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्य	57,280.59	-	-	57,280.59
(ii) नकद और बैंक शेष	729.09	-	-	729.09
(iii) ऋण	31.35	-	-	31.35
(iv) अन्य	98,366.95	-	-	98,366.95
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**156,407.98**	**-**	**-**	**156,407.98**
उचित मूल्य पर मापी जाने वाली वित्तीय देनदारियाँ				
(i) उधार	735,569.08	-	-	735,569.08
(ii) व्यापार और अन्य देय *	20,089.35	-	-	20,089.35
(iii) अन्य वित्तीय देनदारियाँ	46,839.05	-	-	46,839.05
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय देनदारियाँ	**802,497.48**			**802,497.48**

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च, 2024 तक			
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	कुल
उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
(i) व्यापार प्राप्य	83,664.74	-	-	83,664.74
(ii) नकद और बैंक शेष	516.56	-	-	516.56
(iii) ऋण	40.02	-	-	40.02
(iv) अन्य	32,756.40	-	-	32,756.40
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**116,977.72**	**-**	**-**	**116,977.72**
उचित मूल्य पर मापी जाने वाली वित्तीय देनदारियाँ				
(i) उधार	704,273.98	-	-	704,273.98
(ii) व्यापार और अन्य देय *	22,714.64	-	-	22,714.64
(iii) अन्य वित्तीय देनदारियाँ	39,767.65	-	-	39,767.65
उचित मूल्य पर मापी गई कुल वित्तीय देनदारियाँ	**766,756.27**			**766,756.27**

*व्यापार और अन्य देय राशि में व्यापार देय राशि और पूंजीगत व्यय के लिए देय राशि शामिल है

अल्पावधि वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों को परिशोधन लागत पर बताया जाता है जो उनके उचित मूल्य के लगभग बराबर होता है।

उद्धृत इक्विटी निवेशों के संबंध में उचित मूल्य को विश्वसनीय रूप से मापा नहीं जा सकता है।

प्रबंधन अपने वित्तीय साधनों के उचित मूल्य का अनुमान लगाने में अपने सर्वोत्तम निर्णय का उपयोग करता है। हालाँकि, किसी भी आकलन

तकनीक में अंतर्निहित सीमाएँ हैं। इसलिए, काफी हद तक सभी वित्तीय साधनों के लिए, ऊपर प्रस्तुत उचित मूल्य अनुमान आवश्यक रूप से उन सभी राशियों का संकेत नहीं देते हैं जिन्हें कंपनी संबंधित तिथियों के अनुसार बिक्री लेनदेन में प्राप्त या भुगतान कर सकती थी। इस प्रकार, संबंधित रिपोर्टिंग तिथियों के बाद वित्तीय साधनों का उचित मूल्य प्रत्येक वर्ष के अंत में रिपोर्ट की गई राशि से अलग हो सकता है

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्षों के लिए स्तर 1 और स्तर 2 के बीच कोई स्थानांतरण नहीं हुआ है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का हस्तांतरण

2024–25 के दौरान वित्तीय परिसंपत्तियों का कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है।

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

अपने व्यवसाय के दौरान, कंपनी मुख्य रूप से ब्याज दरों, तरलता और ऋण जोखिम के संपर्क में है, जो इसके वित्तीय साधनों के उचित मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

कंपनी की एक जोखिम प्रबंधन नीति है जो वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों जैसे ब्याज दर जोखिमों और ऋण जोखिमों से जुड़ जोखिमों को शामिल करती है। जोखिम प्रबंधन नीति को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है। जोखिम प्रबंधन ढांचे का उद्देश्य है:

कंपनी की व्यावसायिक योजना पर मुद्रा और ब्याज दर में उतार–चढ़ाव के प्रभाव को कम करके एक स्थिर व्यावसायिक योजना वातावरण बनाएँ।

अपेक्षित आय के वित्तीय मूल्य को पहले से निर्धारित करके आय के लिए अधिक पूर्वानुमेयता प्राप्त करें।

बाजार जोखिमः– बाजार जोखिम भविष्य की आय में, वास्तविक उचित मूल्यों में या भविष्य के नकदी प्रवाह में किसी भी नुकसान का जोखिम है जो किसी वित्तीय साधन की कीमत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप हो सकता है। ब्याज दरों में परिवर्तन, विदेशी मुद्रा विनिमय दरों, इक्विटी मूल्य में उतार–चढाव, तरलता और अन्य बाजार परिवर्तनों के परिणामस्वरूप एक वित्तीय साधन का मूल्य बदल सकता है। भविष्य के विशिष्ट बाजार संचलनों की सामान्य रूप से उचित सटीकता के साथ भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

ऋण जोखिमः– ऋण जोखिम संविदात्मक शर्तों या दायित्वों के अनुसार ऋण चुकाने या सेवा देने में प्रतिपक्ष की विफलता से उत्पन्न होने वाले वित्तीय नुकसान का जोखिम है। ऋण जोखिम में चूक का प्रत्यक्ष जोखिम और ऋण योग्यता में गिरावट के जोखिम के साथ–साथ एकाग्रता जोखिम दोनों शामिल हैं।

तरलता जोखिमः तरलता जोखिम उस जोखिम को संदर्भित करता है जिसे कंपनी अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा नहीं कर सकती है। तरलता जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य पर्याप्त तरलता बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यकता के अनुसार उपयोग के लिए धन उपलब्ध हो।

निम्नलिखित तालिका कंपनी की गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों के लिए देय ब्याज सहित अनुमानित नकदी प्रवाह का परिपक्वता विश्लेषण दिखाती है, जो इसलिए वहन मूल्य और उचित मूल्य दोनों से भिन्न है।

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च, 2025 तक				
	वहन राशि	संविदात्मक नकदी प्रवाह	1 वर्ष से कम	1–5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ					
उधारी	735,569.08	735,569.08	128,113.42	422,997.45	184,458.22
व्यापार देय	20,089.35	20,089.35	13,937.27	6,152.08	-
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	46,839.05	46,839.05	46,063.18	775.87	-
कुल गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ	**802,497.48**	**802,497.48**	**188,113.87**	**429,925.40**	**184,458.22**
व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ					

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च, 2024 तक				
	वहन राशि	संविदात्मक नकदी प्रवाह	1 वर्ष से कम	1–5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ					
उधारी	704,273.98	704,273.98	115,311.08	399,560.19	189,402.95
व्यापार देय	22,714.64	22,714.64	17,775.74	4,938.90	-
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	39,767.65	39,767.65	38,752.58	1,015.07	-
कुल गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ	**766,756.27**	**766,756.27**	**171,839.40**	**405,514.16**	**189,402.95**

व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ

उद्धृत न किए गए निवेशों की लागत उचित मूल्य का अनुमान लगाती है क्योंकि उचित मूल्य माप की एक विस्तृत श्रृंखला है और लागत उस सीमा के भीतर उचित मूल्य के अनुमान का प्रतिनिधित्व करती है।

नोट संख्या 42: परिचालन खंड

क. विद्युत उत्पादन निगम की प्रमुख गतिविधि है। लेखा मानक 108 के अनुसार ब्याज आय जैसे अन्य संचालन एक रिपोर्टेबल खंड नहीं बनाते हैं।

ख. निगम के पास देश के भीतर स्थित बिजली परियोजनाक। हैं और इसलिए भौगोलिक खंड लागू नहीं होते हैं।

टिप्पणी संख्या 43: वित्तीय जोखिम प्रबंधन

(i) ऋण जोखिम के लिए जोखिम

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर ऋण जोखिम का अधिकतम जोखिम था:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को 12 महीने के अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) का उपयोग करके मापा जाता है		
गैर–वर्तमान निवेश		
गैर–वर्तमान ऋण	31.35	40.02
अन्य गैर–वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियाँ	444.91	445.00
नकद और नकद समकक्ष	126.11	240.10
नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष	602.98	276.46
मौजूदा ऋण	945.69	1,131.94
अन्य चालू वित्तीय परिसंपत्तियाँ *	1,752.49	610.39
कुल (ए)	**3,903.53**	**2,743.91**
वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को सरल दृष्टिकोण के अनुसार जीवन–काल अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) का उपयोग करके मापा जाता है		
व्यापार प्राप्य	57,280.59	83,664.74
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	95,703.96	31,049.26
कुल (बी)	**152,984.55**	**114,714.00**
कुल (ए+बी)	**156,888.08**	**117,457.91**

*अनुबंध एसेट्स को छोड़कर (नोट 13 का संदर्भ लें)

(ii) अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को 12 महीने के अपेक्षित ऋण हानियों का उपयोग करके मापा जाता है

कंपनी के पास ऐसी परिसंपत्तियाँ हैं जहाँ विरोधी पक्षों के पास दायित्वों को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता होती है और जहाँ चूक का जोखिम बहुत कम होता है। तदनुसार, हानि के लिए कोई हानि भत्ता मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिनके लिए हानि भत्ता को सरल दृष्टिकोण के अनुसार जीवन–काल अपेक्षित ऋण हानि का उपयोग करके मापा जाता है।

कंपनी के पास दायित्वों को पूरा करने की क्षमता वाले ग्राहक (राज्य सरकार की उपयोगिताएँ) हैं और इसलिए चूक का जोखिम नगण्य या शून्य है। इसके अलावा, प्रबंधन का मानना है कि जो अप्रभावित राशि पूर्वनिर्धारित से अधिक बकाया है, वह नगण्य या शून्य है। इसके अलावा, प्रबंधन का मानना है कि ऐतिहासिक भुगतान व्यवहार और ग्राहक ऋण जोखिम के व्यापक विश्लेषण के आधार पर 30 दिनों से अधिक की बकाया राशि अभी भी पूरी तरह से एकत्र की जा सकती है। इसलिए, व्यापार प्राप्य और गैर–बिल राजस्व के संबंध में रिपोर्टिंग अवधि के दौरान किसी भी हानि की पहचान नहीं की गई है

(iii) व्यापार प्राप्तियों का वृद्धावस्था विश्लेषण

व्यापार प्राप्तियों का उम्र बढ़ने का विश्लेषण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

बढ़ती उम्र।	देय नहीं	0–30 दिन अतिदेय	31–60 दिन की देरी	61–90 दिन पूर्व देय	91–120 दिन अतिदेय	देय राशि से 120 दिन पहले	कुल
31 मार्च, 2025 को सकल वहन राशि	32,468.01	11,597.98	-	-	-	13,214.60	57,280.59
31 मार्च 2024 को सकल वहन राशि	61,691.36	6,687.43	279.54			15,006.41	83,664.74

तरलता जोखिम

तरलता जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को अपनी वित्तीय देनदारियों से जुड़े दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें नकद या किसी अन्य वित्तीय संपत्ति को वितरित करके निपटाया जाता है। तरलता के प्रबंधन के लिए कंपनी का दृष्टिकोण, जहाँ तक संभव हो, यह सुनिश्चित करना है कि उसके पास हमेशा अपनी देनदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता होगी, जब सामान्य और तनावपूर्ण दोनों परिस्थितियों में, अस्वीकार्य नुकसान या कंपनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाए बिना।

कंपनी के पास अल्पावधि, मध्यम और दीर्घकालिक वित्त पोषण और तरलता प्रबंधन आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए एक उपयुक्त तरलता जोखिम प्रबंधन ढांचा है। कंपनी पर्याप्त नकदी भंडार, बैंकिंग सुविधाओं और आरक्षित उधार सुविधाओं को बनाए रखते हुए पूर्वानुमान और वास्तविक नकदी प्रवाह की लगातार निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों के परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है।

कंपनी का ट्रेजरी विभाग कंपनी की अल्पावधि और दीर्घकालिक तरलता आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। ट्रेजरी विभाग द्वारा अल्पावधि तरलता की स्थिति की दैनिक समीक्षा की जाती है। निदेशक मंडल ने तरलता जोखिम के प्रबंधन के लिए नीतियां स्थापित की हैं और कंपनी का कोषागार विभाग ऐसी नीतियों के अनुरूप काम करता है। इन नीतियों के किसी भी उल्लंघन की सूचना निदेशक मंडल को दी जाती है। निदेशक मंडल द्वारा दीर्घकालिक तरलता की स्थिति की नियमित आधार पर समीक्षा की जाती है और स्थिति के अनुसार उचित निर्णय लिए जाते हैं।

आम तौर पर, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उसके पास एक महीने के लिए अपेक्षित परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए मांग पर पर्याप्त नकदी है, जिसमें वित्तीय दायित्वों की सेवा भी शामिल है, इसमें उन चरम परिस्थितियों के संभावित प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है जिनकी उचित रूप से भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, जैसे कि प्राकृतिक आपदाक ।।

सीईआरसी विनियमों के हिस्से के रूप में, टैरिफ में अन्य बातों के साथ–साथ पूंजीगत लागत की वसूली भी शामिल है। प्रशुल्क विनियमों में ऊर्जा शुल्क, संचालन और रखरखाव व्यय की वसूली और मानक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर ब्याज का भी प्रावधान है। चूंकि ग्राहकों को बिलिंग आम तौर पर मासिक आधार पर होती है, इसलिए कंपनी वित्तीय दायित्वों को पूरा करने और अपनी परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता बनाए रखती है।

(i) वित्तीय व्यवस्थाएँ

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी के पास निम्नलिखित अप्रचलित उधार सुविधाओं तक पहुंच थी:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31–03–2025 तक	31–03–2024 तक
निश्चित दर पर उधार		
विदेशी मुद्रा ऋण	-	-
फ्लोटिंग–रेट उधार		
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	122,440.00	117,944.48
सावधि ऋण	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण	-	-
कुल	**122,440.00**	**117,944.48**

(ii) वित्तीय देनदारियों की परिपक्वता

संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर व्युत्पन्न और गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वताक । निम्नलिखित हैं:

31 मार्च 2025

(₹ लाख में)

वित्तीय देनदारियों की संविदा परिपक्वता	संविदात्मक नकदी प्रवाह					
	3 महीने या उससे कम	3–12 महीने	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ						
सुरक्षित बांड	25,000.00	25,000.00	73,500.00	66,500.00	-	**190,000.00**
असुरक्षित बांड		-	-	20,000.00	49,635.00	**69,635.00**
बैंकों से रुपये का सावधि ऋण	10,200.00	25,000.00	44,100.00	193,200.00	159,696.42	**432,196.42**
दूसरों से रुपये का सावधि ऋण					**29,196.42**	**29,196.42**
वित्त पट्टा दायित्व	242.92	728.76	531.01	232.91	**11.95**	**1,747.55**
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-	-	-	-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-	-	-	-	-	-
असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण (भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)	3,385.54	3,385.54	6,771.09	12,926.37	**923.25**	**27,391.79**
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल	22,000.00	13,052.32				**35,052.32**

31 मार्च 2024

(₹ लाख में)

वित्तीय देनदारियों की संविदा परिपक्वता	संविदात्मक नकदी प्रवाह					
	3 महीने या उससे कम	3–12 महीने	1–2 वर्ष	2–5 वर्ष	5 वर्ष से अधिक	कुल
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियाँ						
सुरक्षित बांड	4,960.93	62,000.00	50,000.00	119,000.00	36,000.00	**271,960.93**
असुरक्षित बांड	31.21	-	-	-	20,000.00	**20,031.21**
बैंकों से रुपये का सावधि ऋण	7,768.87	54,475.00	30,200.00	176,800.00	101,000.00	**370,243.87**
दूसरों से रुपये का सावधि ऋण	-	-	-	-	29,196.42	**29,196.42**
वित्त पट्टा दायित्व	250.12	750.36	594.48	420.59		**2,015.55**
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-	-	-	-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-	-	-	-	-	-

असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण (भारत सरकार द्वारा गारंटीकृत)	3,520.53	3,308.29	6,616.57	17,443.61	2,706.53	33,595.53
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल/एसटीएल	22,253.97	30,000.00	-	-	-	52,253.97

बाजार में जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो बाजार की कीमतों में परिवर्तन, जैसे कि विदेशी मुद्रा दरें और ब्याज दरें कंपनी की आय को प्रभावित करेंगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

निदेशक मंडल कंपनी के बाजार जोखिमों के प्रबंधन के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं की स्थापना के लिए जिम्मेदार है। इस तरह के सभी लेन–देन जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के भीतर किए जाते हैं।

मुद्रा जोखिम

कंपनी को कुछ लेन–देनों पर विदेशी मुद्रा जोखिम का सामना करना पड़ता है जो इकाई की कार्यात्मक मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा में अंकित होते हैं, इसलिए विनिमय दर में उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। जोखिम यह है कि विनिमय दरों में उतार–चढ़ाव के परिणामस्वरूप नकदी प्रवाह का कार्यात्मक मुद्रा मूल्य भिन्न होगा।

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों की मुद्रा रूपरेखा इस प्रकार है:

31 मार्च 2025 (₹ लाख में)

खास बातें	अमरीकी डालर	यूरो	कुल
वित्तीय संपत्तियाँ			
अन्य प्राप्तियों का व्यापार करें	-	-	-
नकद और नकद समतुल्य	-	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-
कुल			
वित्तीय देनदारियाँ			
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण		27,391.79	27,391.79
व्यापार देय और अन्य वित्तीय देनदारियाँ			-
कुल	**-**	**27,391.79**	**27,391.79**

31 मार्च 2024 (₹ लाख में)

खास बातें	अमरीकी डालर	यूरो	कुल
वित्तीय संपत्तियाँ			
अन्य प्राप्तियों का व्यापार करें	-	-	-
नकद और नकद समतुल्य	-	-	-
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-
कुल	-	-	-
वित्तीय देनदारियाँ			
सुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण	-		-
बैंकों और वित्तीय संस्थानों से असुरक्षित विदेशी मुद्रा ऋण		33,595.53	33,595.53
व्यापार देय और अन्य वित्तीय देनदारियाँ	-	-	-
कुल	**-**	**33,595.53**	**33,595.53**

उपरोक्त में से कोई भी राशि व्युत्पन्न उपकरणों द्वारा हेज नहीं की जाती है। शेष राशि के संबंध में, सभी विदेशी मुद्रा ऋणों और विदेशी मुद्रा मौद्रिक वस्तुओं (सीओडी तक) पर विनिमय दर में भिन्नता के कारण लाभ/(हानि) लाभार्थियों से वसूली योग्य है। इसलिए, इस तरह के जोखिम के संबंध में मुद्रा जोखिम बहुत महत्वपूर्ण नहीं होगा।

संवेदनशीलता विश्लेषण

चूंकि अमरीकी डालर, यूरो, जेपीवाई और अन्य मुद्राओं के मुकाबले आईएनआर के मजबूत होने या कमजोर होने का प्रभाव लाभ और हानि के

विवरण पर बहुत महत्वपूर्ण नहीं होगाय इसलिए, मुद्रा जोखिम के लिए संवेदनशीलता विश्लेषण का खुलासा नहीं किया जाता है।

ब्याज दर का जोखिम

कंपनी मुख्य रूप से अस्थायी ब्याज दरों के साथ गैर–वर्तमान उधार से उत्पन्न ब्याज दर जोखिम के संपर्क में है। कंपनी ब्याज दर के जोखिम के संपर्क में है क्योंकि अस्थायी दर उधार से जुड़ नकदी प्रवाह ब्याज दरों में बदलाव के साथ उतार–चढ़ाव करेंगे। कंपनी विभिन्न शर्तों (उदाहरण के लिक के साथ विभिन्न प्रकार की ऋण व्यवस्था में प्रवेश करके ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करती है। निश्चित दर वाले ऋण, अस्थायी दर वाले ऋण, रुपये के सावधि ऋण, विदेशी मुद्रा ऋण आदि।)

रिपोर्टिंग की तारीख पर कंपनी के ब्याज वाले वित्तीय साधनों की ब्याज दर प्रोफ़ाइल इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
वित्तीय संपत्तियाँ		
नियत दर उपकर		
बैंक जमा	602.98	276.46
कुल	**602.98**	**276.46**
वित्तीय देनदारियाँ		
नियत दर उपकरण		
बांड	214,869.24	291,909.59
विदेशी मुद्रा ऋण	27,721.96	33,754.88
रुपया सावधि ऋण	29,128.67	29,126.73
पट्टे के दायित्व	1,747.55	2,015.55
कुल	**273,467.42**	**356,806.75**
परिवर्तनीय दर वाले उपकरण		
विदेशी मुद्रा ऋण	-	
रुपया सावधि ऋण	403,357.60	310,243.87
नकद ऋण	35,052.32	52,253.97
	438,409.92	362,497.84
कुल	**711,877.34**	**719,304.59**

निश्चित दर वाले उपकरणों के लिए उचित मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी के निश्चित दर के उपकरणों को परिशोधन लागत पर ले जाया जाता है। इसलिए वे ब्याज दर के जोखिम के अधीन नहीं हैं, क्योंकि बाजार ब्याज दरों में बदलाव के कारण न तो वहन राशि और न ही भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार–चढ़ाव होगा।

परिवर्तनीय दर उपकरणों के लिए नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टिंग तिथि पर ब्याज दरों में 50 आधार अंकों के परिवर्तन से लाभ या हानि में नीचे दर्शाई गई राशि से वृद्धि (कमी) हुई होगी। यह विश्लेषण मानता है कि अन्य सभी चर, विशेष रूप से विदेशी मुद्रा दरों में, स्थिर रहते हैं। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए उसी आधार पर किया जाता है।

(₹ लाख में)

खास बातें	लाभ या हानि	
	50 बीपीएस की बढोतरी	50 बीपीएस की कमी
31–मार्च–25		
विदेशी मुद्रा ऋण	(115.67)	115.67
रुपया सावधि ऋण	(3,437.44)	3,437.44
नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	(47.44)	47.44
कुल	(3,600.55)	3,600.55
31–मार्च–24		
विदेशी मुद्रा ऋण	(143.71)	143.71
रुपया सावधि ऋण	(3322.78)	3,322.78

नकद क्रेडिट/डब्ल्यूसीडीएल	(12.96)	12.96
कुल	**(3479.45)**	**3479.45**

नोट संख्या 44: परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य

(₹ लाख में)

खास बातें.	स्तर	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		वहन राशि	उचित मूल्य	वहन राशि	उचित मूल्य
वित्तीय संपत्ति					
कर्ज	3	31.35	31.35	40.02	40.02
व्यापार प्राप्य	3	57,280.59	57,280.59	83,664.74	83,664.74
नकद और नकद समकक्ष	3	126.11	126.11	240.10	240.10
नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष	3	602.98	602.98	276.46	276.46
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	3	98,366.95	98,366.95	32,756.40	32,756.40
वित्तीय देनदारियाँ					
बांड		3	265,983.45	266,784.03	291,909.59
विदेशी मुद्रा ऋण–केएफडब्ल्यू	3	27,721.96	17,568.16	33,754.88	32,772.95
विदेशी मुद्रा ऋण–ईसीबी	3				
रुपया सावधि ऋण	3	403,357.60	403,357.60	310,243.87	310,243.87
सरकारी अधीनस्थ ऋण	3	29,128.67	12,685.44	29,126.73	11,382.50
पट्टे के दायित्व	3	1,747.55	1,747.55	2,015.55	2,015.55
उधार–वर्तमान	3	35,173.86	35,173.86	52,253.97	52,253.97
व्यापार देय और पूंजीगत व्यय के लिए देय	3	20,089.35	20,089.35	22,714.64	22,714.64
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	3	45,091.50	45,091.50	37,752.10	37,752.10

वर्तमान व्यापार प्राप्य, वर्तमान व्यापार देय, पूंजीगत व्यय के लिए देय, सहायक और संयुक्त उद्यम कंपनियों में निवेश, नकद और नकद समकक्ष और अन्य वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि को उनके उचित मूल्यों के समान माना जाता है, उनकी अल्पावधि प्रकृति के कारण।

ऋण, उधार, गैर–वर्तमान व्यापार देय और पूंजीगत व्यय के लिए देय के लिए उचित मूल्यों की गणना वर्तमान छूट दर का उपयोग करके छूट वाले नकदी प्रवाह के आधार पर की गई थी। उन्हें उद्धृत कीमतों की उपलब्धता और अवलोकन योग्य/गैर अवलोकन योग्य निवेशों के समावेश के आधार पर संबंधित स्तरों पर वर्गीकृत किया जाता है।

नोट संख्या 45 इंड एएस 115 के अनुसार प्रकटीकरण, ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व

वस्तुओं और सेवाओं की प्रकृति

कंपनी के राजस्व में ऊर्जा बिक्री, व्यापार और अन्य सेवाओं के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से आय शामिल है। प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:

(क) ऊर्जा बिक्री से आय

कंपनी का प्रमुख राजस्व ऊर्जा बिक्री से आता है। कंपनी थोक ग्राहकों को बिजली बेचती है, मुख्य रूप से राज्यों में काम करने वाले राज्य सरकार के डिस्कॉम के स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिताएँ। बिजली की बिक्री आम तौर पर लाभार्थियों के साथ किए गए दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों (पीपीए के अनुसार की जाती है। इसके अलावा, कंपनी "मर्चेंट पावर" के तहत उनके पास उपलब्ध पावर एक्सचेंजों के माध्यम से इलेक्ट्रोसिटी बेचती है।

नीचे प्रकृति का विवरण, प्रदर्शन दायित्वों की संतुष्टि का समय और ऊर्जा बिक्री के लिए अनुबंधों के तहत महत्वपूर्ण भुगतान शर्तें दी गई हैं:

उत्पाद / सेवा	प्रदर्शन दायित्वों और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तों की संतुष्टि की प्रकृति, समय
बिजली की बिक्री	कंपनी समय के साथ ऊर्जा बिक्री के लिए अनुबंधों से राजस्व को पहचानती है क्योंकि ग्राहक एक साथ कंपनी द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करते हैं और उनका उपभोग करते हैं। ऊर्जा बिक्री से राजस्व की गणना के लिए टैरिफ समय–समय पर अधिसूचित सीईआरसी विनियमों के संदर्भ में निर्धारित किया जाता है। बिजली की बिक्री का हिसाब केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा अनुमोदित शुल्क के आधार पर किया जाता है बिजली स्टेशनों के मामले में जहाँ अंतिम टैरिफ को सीईआरसी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है, ऊर्जा की बिक्री केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ की नियम और शर्तें) विनियम 2019 में प्रतिपादित सिद्धांतों के अनुसार टैरिफ याचिका के माध्यम से सीईआरसी के समक्ष प्रस्तुत वार्षिक निश्चित लागत पर विचार करते हुए अंतिम दर के आधार पर प्रदान की जाती है। जिन परियोजनाओं के लिए न तो सीईआरसी। द्वारा अनुमोदित टैरिफ उपलब्ध है और न ही सीईआरसी। के पास याचिका लंबित है, ऊर्जा की बिक्री का हिसाब लाभार्थियों द्वारा सहमत टैरिफ के आधार पर किया जाता है। राशि का बिल मासिक आधार पर दिया जाता है और संविदात्मक रूप से सहमत ऋण अवधि के भीतर देय होता है।

ख) ऊर्जा व्यापार, परामर्श और अन्य सेवाओं से राजस्व

I. व्यापार के जरिए ऊर्जा की बिक्री

व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री के लिए अनुबंधों के तहत प्रकृति का विवरण, प्रदर्शन दायित्वों की संतुष्टि का समय और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तें नीचे दी गई हैं:

उत्पाद / सेवा	प्रदर्शन दायित्वों और महत्वपूर्ण भुगतान शर्तों की संतुष्टि की प्रकृति, समय
व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री	कंपनी समय के साथ व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री के लिए अनुबंधों से राजस्व को मान्यता देती है क्योंकि ग्राहक एक साथ कंपनी द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करते हैं और उनका उपभोग करते हैं। व्यापार के माध्यम से ऊर्जा की बिक्री से राजस्व की गणना के लिए टैरिफ समझौतों की शर्तों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। राशि का बिल अनुबंध में निर्दिष्ट आवधिकता के अनुसार दिया जाता है और संविदात्मक रूप से सहमत ऋण अवधि के भीतर देय होता है।

II. राजस्व का पृथक्करण

निम्नलिखित तालिका में, राजस्व को उत्पाद और सेवाओं के प्रकार, भौगोलिक बाजार और राजस्व मान्यता के समय के आधार पर विभाजित किया गया है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	ऊर्जा का उत्पादन		अन्य		कुल	
	समाप्त वर्ष के लिए		समाप्त वर्ष के लिए		समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025
भौगोलिक बाजार						
भारत	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74
अन्य						-
	420,170.70	**410,497.48**	**9,608.25**	**13,459.26**	**429,778.95**	**423,956.74**
राजस्व मान्यता का समय						
समय के साथ हस्तांतरित किए गए उत्पाद और सेवाक ।	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74
	420,170.70	410,497.48	9,608.25	13,459.26	429,778.95	423,956.74

III. अनुबंध मूल्य के साथ मान्यता प्राप्त राजस्व का सामंजस्य:

(₹ लाख में)

खास बातें	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अनुबंध मूल्य	432,609.80	426,284.56
इसके लिए समायोजन:		
छूटे	(2830.85)	(2327.82)
मान्यता प्राप्त भी	429,778.95	423,956.74

IV. अनुबंध शेष

निम्नलिखित तालिका व्यापार प्राप्तियों, गैर–बिल राजस्व और ग्राहकों से अग्रिम/लाभार्थियों को देय के बारे में जानकारी प्रदान करती है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 202 तक	
	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान
व्यापार प्राप्य	57,280.59	-	83,664.74	-
अनुबंध परिसंपत्तियाँ	95,703.96	-	31,049.26	-
ग्राहकों से अग्रिम/लाभार्थियों को देय	2,396.45	-	1,246.60	-

नोट संख्या 46 कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, कंपनी को अपनी सीएसआर नीति के अनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम दो प्रतिशत खर्च करना आवश्यक है। वर्ष के लिए सीएसआर व्यय का विवरण इस प्रकार है:

(₹ लाख में)

खास बातें.	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
(i) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि	1,176.50	762.99
(ii) व्यय की राशि #	1,185.97	764.20
(iii) वर्ष के अंत में कमी	शून्य	शून्य
(iv) पिछले वर्षों की कुल कमी	शून्य	शून्य
(v) कमी का कारण	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi) सीएसआर गतिविधियों की प्रकृति		
(क) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	732.55	634.51
(ख) उपरोक्त (क के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	453.42	129.69
(vii) संबंधित पक्ष लेनदेन का विवरण, उदाहरण के लिए#, प्रासंगिक लेखा मानक के अनुसार सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी द्वारा नियंत्रित एक ट्रस्ट में योगदान।	शून्य	शून्य

(viii) सीएसआर दायित्व में बदलाव

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
आरंभिक शेष सीएसआर देयता (क)	524.61	320.70
वर्ष के दौरान भुगतान/समायोजित (ख)	403.30	239.70
वर्ष के दौरान वृद्धि (ग)	750.25	443.61
वर्ष के अंत में समापन शेष (डी=क–ख+ग) ##	871.56	524.61

(ix) सीएसआर खर्चों को प्रमुख शीर्षों के तहत विभाजित करें: (₹ लाख में)

खास बातें.	वित्त वर्ष 2024–25	वित्त वर्ष 2023–24
1. भूख और प्रोवर्टी का उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता	667.65	269.07
2. शिक्षा, खेल और कौशल विकास	280.52	303.11
3. ग्रामीण विकास	237.80	192.02
कुल	**1,185.97**	**764.20**

#शुरुआत में बीओडी ने वित्त वर्ष 24–25 के लिए सीएसआर बजट को मंजूरी दी थी। 1176.50 लाख (जो पिछले 3 वर्षों के औसत पीबीटी का 2% है) हालांकि, इसे संशोधित कर रुपये कर दिया गया था। 03.03.2025 को आयोजित बीएलसी की सीएसआर बैठक में 1177.32 लाख

वित्त वर्ष 2024–2025 के लिए: रु इसमें 1185.97 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से अधिक व्यय शामिल है 8.65 लाख रु.

सीएसआर चालू परियोजना के तहत शेष राशि: रु 763.13 लाख और सीएसआर के तहत बकाया रु 108.43 लाख

31.03.2025 को सीएसआर चालू परियोजनाओं और सीएसआर खर्च नहीं की गई शेष राशि में दिखाई देने वाली राशि (ब्रेकअप वित्त वर्ष वार)

वित्तीय वर्ष	सीएसआर की चालू परियोजनाक	सीएसआर अव्ययित
2024-2025	641.82 लाख रुपये	23.59 लाख रुपये
2023-2024	97.11 लाख रुपये	33.75 लाख रुपये
2022-2023	24.20 लाख रुपये	.....
2021-2022	.....	51.09 लाख रुपये
कुल	**763.13 लाख रुपये**	**108.43 लाखं रुपये**

नोट संख्या 47: इन्वेंटरी पर प्रकटीकरण

(क) वर्ष के दौरान उपभोग की गई और व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त इन्वेंटरी की राशि निम्नानुसार है (₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
ईंधन की लागत	115,709.36	125,642.24
अन्य (नोट 33 में शामिल–अन्य खर्च) *	2,776.24	4,445.84
कुल	**118,485.60**	**130,088.08**

* इसमें 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान खपत की गई आयातित सामग्री शामिल है। 270.53 लाख अर्थात, कुल इन्वेंट्री की खपत का 0.23% (पिछले वर्ष रु। 547.67 लाख अर्थात., कुल इन्वेंट्री की खपत का 0.44%)

नोट संख्या 48: आयकर से संबंधित प्रकटीकरण

48 (i) इंड एएस 12 "आयकर के अनुसार प्रकटीकरण

क) आय कर व्यय

i) लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त आयक

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्तमान कर व्यय		
चालू वर्ष	11,000.97	10,252.95
पहले के वर्षों के लिए कर	295.20	-
नियामक स्थगन खाता शेष (क) से संबंधित	3,453.90	(192.98)
कुल वर्तमान कर व्यय (ख)	14,750.07	10,059.97
आस्थगित कर व्यय		
अस्थायी मतभेदों की उत्पत्ति और उलटफेर (ग)	12,800.57	(5,347.15)
कम: एमएटी क्रेडिट पात्रता [संदर्भ नोट 48 (ii)]		
आयकर व्यय (डी = बी+सी–ए)	24,096.74	4,905.80
नियामक स्थगन खाता शेष से संबंधित	3,453.90	(192.98)
नियामक स्थगन खाते में आवाजाही पर कर सहित कुल कर व्यय	27,550.64	4,712.82

भविष्य में कंपनी को उपलब्ध लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं एमएटी क्रेडिट:

48 (ii) भविष्य में कंपनी के लिए उपलब्ध वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए एमएटी क्रेडिट, लेकिन 31 मार्च 2025 तक मान्यता प्राप्त नहीं है। 14,329.66 लाख।

(ii) अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त आयकर

(₹ लाख में)

खास बातें.	समाप्त वर्ष के लिए					
	31 मार्च 2025			31 मार्च 2024		
	31 मार्च 2025	कर व्यय	कर का निवल	कर से पहले	कर व्यय	कर का निवल
परिभाषित लाभ योजनाओं पर शुद्ध बीमांकिक हानि	(3285.75)	(574.09)	(2711.66)	(1946.77)	(340.14)	(1606.63)

(iii) कर व्यय और लेखांकन लाभ का भारत की घरेलू कर दर से गुणा

(₹ लाख में)

खास बातें.	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
नियामक स्थगन खाता शेष में उतार–चढ़ाव सहित कर से पहले लाभ	86,019.09	59,524.45
17.472% (31 मार्च) की कंपनी की एमएटी दर का उपयोग करके कर	15,029.26	10,400.11
कर का प्रभाव:		
गैर–कटौती योग्य कर व्यय	(574.09)	(340.14)
करमुक्त आय	-	-
आस्थगित कर व्यय	12,800.57	(5,347.15)
पिछला वर्ष कर देयता	295.20	-
न्यूनतम वैकल्पिक कर समायोजन		
लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल कर व्यय	**27,550.94**	**4,712.82**

नोट संख्या 49: संतुलनों की पुष्टि

ठेकेदारों को पूंजी अग्रिम के तहत दिखाई गई शेष राशि, देय व्यापार और पारगमन में सामग्री/ठेकेदार के साथ/ऋण पर जारी, व्यापार प्राप्य, प्राप्य खाते पुष्टि/सुलह और परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं।

नोट संख्या 50: हानि की कमी

हानि के लिए संपत्ति संयंत्र और उपकरण का परीक्षण किया गया है जहाँ हानि के संकेतक मौजूद थे। आकलन के आधार पर, कंपनी पिछले वर्ष के दौरान और 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान किसी भी हानि प्रभाव को नहीं पहचानती है।

नोट संख्या 51: पिछले वर्ष के आंकड़े

पिछली अवधि के आंकड़ पुन: समूहित/पुनर्वर्गीकृत किए जाते हैं, सिवाय उन मामलों के जहाँ कोई भौतिक वित्तीय प्रभाव नहीं होता।

हमारी समसंख्यक दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार
कृते **आर. एन.गोयल एंड कंपनी** के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन. 309128ई

निदेशक मंडल की ओर से

दिनांक: **16–05–2025**
स्थान: **नई दिल्ली**

ए. पी. रोंग	**बी.महाराणा**	**गुरदीप सिंह**	**सीए मनीश गोयल**
कंपनी सचिव	निदेशक	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	पार्टनर
एफसीएस 8546	(वित्त)–सह–सीएफओ	डीआईएन: 00307037	सदस्यता संख्या–061194
	डीआईएन: 09263864		

फॉर्म संख्या एओसी -I

भाग "बी":

सहयोगी कंपनियाँ और संयुक्त उद्यम

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुसार सहयोगी

संयुक्त उद्यम का नाम

नवीनतम अलेखापरीक्षित बैलेंस शीट दिनांक

	संयुक्त उद्यमों का नाम	केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड
1	नवीनतम अलेखापरीक्षित बैलेंस शीट की तिथि	31.03.2025
2	वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित संयुक्त उद्यमों के शेयर	संयुक्त उद्यम कंपनी में नीपको की 30% शेयरधारिता
	संख्या	2,79,30,000
	संयुक्त उद्यम में निवेश की राशि (₹ में)	27,93,00,000.00
	धारण की सीमा :	30%
3	इसका विवरण कि इसका महत्वपूर्ण प्रभाव कैसे पड़ता है	मतदान अधिकार
4	संयुक्त उद्यम के समेकित न होने का कारण	इंड–एएस 28 के अनुसार सीएफएस तैयार
5	नवीनतम लेखापरीक्षित बैलेंस शीट के अनुसार शेयरधारिता से संबंधित निवल मूल्य (₹ में)	107,93,02,900.00
6	वर्ष के लिए लाभ/हानि (₹ में)	
	i. समेकन में विचार किया गया	(8814.00)
	ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	(20566.00)

निदेशक मंडल की ओर से

हस्ताक्षरकर्ता–

(गुरदीप सिंह)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डीआईएनः 00307037

दिनांक – 12.08.2025

स्थान – नई दिल्ली

अनुलग्नक – 6सी

मामलों पर जोर देने पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन का उत्तर (ईओएम)

समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस)

क्र. सं.	मामला पर जोर	प्रबंधन उत्तर
1	नोट संख्या 10(v) सामग्री लेखा नीति संख्या 1 (ख) (4) के साथ पढ़े गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए टीएसईसीएल (त्रिपुरा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कारपोरेशन लिमिटेड) से विवादित व्यापार प्राप्य राशि के संबंध में 10368.44 लाख रुपये (तीन (3) वर्ष से अधिक के लिए देय), कंपनी को उम्मीद है कि यह रिपोर्टिंग तिथि से 12 महीने के भीतर प्राप्त हो जाएगा और तदनुसार इसे वर्तमान संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इस आधार पर किसी प्रत्याषित ऋण हानि (ईसीएल) का भी प्रावधान नहीं किया है कि उसके व्यावसायिक कार्यकलाप सीईआरसी विनियमों, विद्युत क्रय करारों, त्रिपक्षीय करारों और उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विभिन्न दिशानिर्देषों/अधिसूचनाओं द्वारा शासित होते हैं और उपर्युक्त ग्राहक भी राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित इकाई है। कंपनी द्वारा लिया गया दृष्टिकोण बाहरी विषेशज्ञ की सलाह द्वारा समर्थित है, जो इस विचार का है कि, योग्यता के आधार पर इसका एक मजबूत मामला है।	इंड एएस –1 के खंड संख्या 66 (ग) के अनुसार, 'एक इकाई एक संपत्ति को वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करेगी जब' (ग) यह रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीने के भीतर संपत्ति का एहसास करने की उम्मीद करता है। इसके अलावा, नीपको की सामग्री लेखा नीति के खंड संख्या बी (4) के अनुसार, "कंपनी अपनी परिसंपत्तियों और देयताऐं को 12 महीने की अवधि को सामान्य परिचालन चक्र मानते हुए बैलेंस शीट में वर्तमानगैर–चालू के रूप में वर्गीकृत करती है"। टीएसईसीएल ने उपर्युक्त बिलों के विरुद्ध अपील की है ₹ 10368.44 लाख एपीटीईएल से पहले। इस याचिका पर एपीटीईएल द्वारा विचार किया गया है और इसे अंतिम सूची में शामिल कर लिया गया है, जिसे अपनी बारी में सुनवाई के लिए लिया जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों द्वारा इंगित किए गए पर्याप्त कानूनी/विनियामक आधार हैं ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि टीएसईसीएल की याचिका को अस्वीकार कर दिया जाएगा और एपीटीईएल द्वारा नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा। नीपको के कानूनी वकील ने सूचित किया है कि इस बात की पूरी संभावना है कि चालू वर्ष के भीतर तत्काल अपील पर सुनवाई और निपटान कर दिया जाएगा यह मामला निपटान के अग्रिम चरण में है और इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा, वह भी इस कैलेंडर वर्ष की अवधि के भीतर। इसे ध्यान में रखते हुए, टीएसईसीएल (त्रिपुरा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कारपोरेशन लिमिटेड) से प्राप्त विवादित व्यापार 10369.19 लाख रुपये (तीन (3) वर्ष से अधिक के लिए देय) और 2773.73 लाख रुपये (छह 2 वर्ष से अधिक लेकिन दो (3) वर्ष से कम) के रूप में देय है, जिसे वर्तमान संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, नीपको को किसी प्रत्याषित ऋण हानि (ईसीएल) की उम्मीद नहीं है। इसके अलावा, सीईआरसी विनियम के अनुसार, मामले के निपटान पर नीपको विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) की भी हकदार होगी।
2	नोट 22 और 23 सामग्री लेखा नीति संख्या 1 (ग) (1.1) के साथ पढ़े गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए उपयोग में रखी गई संपत्ति के लिए अंतिम आधार के तहत मान्यता प्राप्त राशि के बारे में लेकिन ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और देय राशि अंतिम आधार पर दर्ज की जाती है, जो अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन है।	इंडस्ट्रीज़ एएस 37 के अनुसार, एक प्रावधान अनिश्चित समय या राशि का दायित्व है। यह एक दायित्व का प्रतिनिधित्व करता है जिसे एक इकाई निपटाने की उम्मीद करती है, लेकिन निपटान की सटीक मात्रा या समय अनिश्चित है। वित्तीय विवरणों में वर्तमान दायित्वों को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इकाई की वित्तीय स्थिति निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत की गई है। इस प्रकार, नोट 22 और नोट 23 में, ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और देय राशि को अंतिम आधार पर दर्ज किया जाता है, जो बिल के अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन है।

क्रम संख्या	मामला पर जोर	प्रबंधन उत्तर
3	नोट नं. 5 (iii) संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई "केएसके डिब्बिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड" के गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों को समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल करने के संबंध में जो पूरी तरह से संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई द्वारा वेंचरर कंपनी को प्रदान किए गए गैर–लेखापरीक्षित और अप्रूव्ड वित्तीय विवरणों पर आधारित है।	31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए केएसके डिबिन के खातों को ऑडिट को अंतिम रूप देने के बाद और बोर्ड की मंजूरी के बाद प्रस्तुत किया जाएगा, जो आज तक नहीं किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ताक्षरकर्ता	**हस्ताक्षरकर्ता**
(गुरदीप सिंह)	**(बैद्यनाथ महाराणा)**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	**निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ**
डीआईएनः 00307037	**डीआईएनः 09263864**

दिनांक – 16.05.2025

स्थान – नई दिल्ली

मामलों पर जोर (ईओएम) पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन का जवाब

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण (एसएफएस)

क्रम संख्या	मामला पर जोर	प्रबंधन उत्तर
1	नोट संख्या 10 (v) सामग्री लेखा नीति संख्या 1 (ख) (4) के साथ पढ़े गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए टीएसईसीएल (त्रिपुरा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कारपोरेशन लिमिटेड) से विवादित व्यापार प्राप्य राशि के संबंध में 10368.44 लाख रुपये (तीन (3) वर्ष से अधिक के लिए देय), कंपनी को उम्मीद है कि यह रिपोर्टिंग तिथि से 12 महीने के भीतर प्राप्त हो जाएगा और तदनुसार इसे वर्तमान संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने इस आधार पर किसी प्रत्याषित ऋण हानि (ईसीएल) का भी प्रावधान नहीं किया है कि उसके व्यावसायिक कार्यकलाप सीईआरसी विनियमों, विद्युत क्रय करारों, त्रिपक्षीय करारों और उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विभिन्न दिशानिर्देषों/अधिसूचनाओं द्वारा शासित होते हैं और उपर्युक्त ग्राहक भी राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित इकाई है। कंपनी द्वारा लिया गया दृष्टिकोण बाहरी विषेशज्ञ की सलाह द्वारा समर्थित है, जो इस विचार का है कि, योग्यता के आधार पर इसका एक मजबूत मामला है।	इंड एएस –1 के खंड संख्या 66 (ग) के अनुसार, "एक इकाई एक संपत्ति को वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करेगी जब: (ग) यह रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीने के भीतर संपत्ति का एहसास करने की उम्मीद करता है इसके अलावा, नीपको की सामग्री लेखा नीति के खंड संख्या बी (4) के अनुसार, कंपनी अपनी परिसंपत्तियों और देयताऐं को 12 महीने की अवधि को सामान्य परिचालन चक्र मानते हुए बैलेंस शीट में वर्तमान/गैर–चालू के रूप में वर्गीकृत करती है। टीएसईसीएल ने उपर्युक्त बिलों के विरुद्ध अपील की है ₹10368.44 लाख एपीटीईएल से पहले। इस याचिका पर एपीटीईएल द्वारा विचार किया गया है और इसे अंतिम सूची में शामिल कर लिया गया है, जिसे अपनी बारी में सुनवाई के लिए लिया जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों द्वारा इंगित किए गए पर्याप्त कानूनी/विनियामक आधार हैं ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि टीएसईसीएल की याचिका को अस्वीकार कर दिया जाएगा और एपीटीईएल द्वारा नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा। नीपको के कानूनी वकील ने सूचित किया है कि इस बात की पूरी संभावना है कि चालू वर्ष के भीतर तत्काल अपील पर सुनवाई और निपटान कर दिया जाएगा यह मामला निपटान के अग्रिम चरण में है और इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि नीपको के पक्ष में निर्णय दिया जाएगा, वह भी इस कैलेंडर वर्ष की अवधि के भीतर। इसे ध्यान में रखते हुए, टीएसईसीएल (त्रिपुरा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कारपोरेशन लिमिटेड) से प्राप्त विवादित व्यापार 10369.19 लाख रुपये (तीन (3) वर्ष से अधिक के लिए देय) और 2773.73 लाख रुपये (छह 2 वर्ष से अधिक लेकिन दो (3) वर्ष से कम) के रूप में देय है, जिसे वर्तमान संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, नीपको को किसी प्रत्याषित ऋण हानि (ईसीएल) की उम्मीद नहीं है। इसके अलावा, सीईआरसी विनियम के अनुसार, मामले के निपटान पर नीपको विलंब भुगतान अधिभार (एलपीएस) की भी हकदार होगी।
2	नोट 22 और 23 सामग्री लेखा नीति संख्या 1 (ग) (1.1) के साथ पढ़े गए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए उपयोग में रखी गई संपत्ति के लिए अंतिम आधार के तहत मान्यता प्राप्त राशि के बारे में लेकिन ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और देय राशि अंतिम आधार पर दर्ज की जाती है, जो अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन है।	इंडस्ट्रीज़ एएस 37 के अनुसार, एक प्रावधान अनिश्चित समय या राशि का दायित्व है। यह एक दायित्व का प्रतिनिधित्व करता है जिसे एक इकाई निपटाने की उम्मीद करती है, लेकिन निपटान की सटीक मात्रा या समय अनिश्चित है। वित्तीय विवरणों में वर्तमान दायित्वों को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इकाई की वित्तीय स्थिति निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत की गई है। इस प्रकार, नोट 22 और नोट 23 में, ठेकेदारों के साथ बिलों का अंतिम निपटान अभी तक प्रभावित नहीं हुआ है और देय राशि को अंतिम आधार पर दर्ज किया जाता है, जो बिल के अंतिम निपटान के वर्ष में आवश्यक समायोजन के अधीन ह

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ताक्षरता/–	**हस्ताक्षरर्ता/–**
(गुरदीप सिंह)	**(बैद्यनाथ महाराणा)**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	निदेशक (वित्त)–सह–सीएफओ
डीआईएनः 00307037	डीआईएनः 09263864

दिनांक – 16.05.2025

स्थान – नई दिल्ली

अनुलग्नक–7

कंपनी अधिनियम, 2023 की धारा 143(6)(बी) के तहत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के वित्तीय विवरणों को तैयार करने की ज़िम्मेदारी, कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार, कंपनी के प्रबंधन की है। अधिनियम की धारा 139 (5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक ऑडिटर, अधिनियम की धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए ज़िम्मेदार है: यह राय अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किए गए एक स्वतंत्र ऑडिट पर आधारित होती है। यह बताया गया है कि उन्होंने अपनी 16 मई 2025 की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से ऐसा किया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 143 (6) (क) के तहत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का पूरक ऑडिट किया है। यह पूरक लेखा परीक्षा सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्य पत्रों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्य रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक और कंपनी के कामकों की पूछताछ और कुछ लेखा अभिलेखों की चयनात्मक जांच तक सीमित है।

मेरे पूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं आया है जो अधिनियम की धारा 143 (6)(बी) के तहत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर किसी भी टिप्पणी या पूरक को जन्म देगा।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

हस्ताक्षरर्ता / –

(यशोधरा राय चौधरी)

अतिरिक्त उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (खान)

कोलकाता

स्थान– कोलकाता

दिनांक– 18 जुलाई 2025

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 (6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर 31 मार्च 2025

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 139 (5) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है, अधिनियम की धारा 129 (4) के साथ पठित अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्धारित लेखा परीक्षा पर मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर। यह उनके द्वारा 16 मई 2025 की अपनी ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से किया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6) के तहत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों का पूरक ऑडिट किया है। हमने उस दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का पूरक ऑडिट किया। इसके अलावा, अधिनियम की धारा 139(5) और 143 (6) (क) इसकी संयुक्त उद्यम कंपनी केएसके डिबिन हाइड्रो पावर प्राइवेट लिमिटेड पर अपने सांविधिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति और पूरक लेखा परीक्षा के संचालन के लिए निजी कंपनी होने के नाते लागू नहीं है। तदनुसार, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने न तो सांविधिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति की है और न ही इस कंपनी की पूरक लेखा परीक्षा की है। यह पूरक लेखा परीक्षा सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्य पत्रों तक पहुंच के बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्य रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक और कंपनी के कामकों की पूछताछ और कुछ लेखा अभिलेखों की चयनात्मक जांच तक सीमित है।

मेरे पूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मेरी जानकारी में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं आया है जो अधिनियम की धारा 143 (6)(बी) के तहत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर किसी भी टिप्पणी या पूरक को जन्म देगा।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से

हस्ताक्षरर्ता/–

(यशोधरा राय चौधरी)

अतिरिक्त उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (खान)

कोलकाता

स्थान– कोलकाता

दिनांक– 18 जुलाई 2025

अनुलग्नक–8ए

फॉर्म नंबर एमआर–3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और नियम के अनुसार
कंपनी (नियुक्ति और पारिश्रमिक कार्मिक) नियम, 2014 की संख्या 9

सेवा में

सदस्यगण,

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड ब्रूकलैंड कंपाउंड लोअर न्यू कॉलोनी,

जिला ईस्ट खासी हिल्स, शिलांग, मेघालय, पिनरू 793003

हमने लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और **नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड** (इसके बाद "कंपनी" या "नीपको" कहा जाता है) द्वारा अच्छी कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन का सचिवीय ऑडिट किया है। सचिवीय लेखा परीक्षा इस तरह से आयोजित की गई थी कि हमें कॉर्पोरेट आचरणों/सांविधिक अनुपालनों का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार प्रदान किया गया था।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी लागू कानूनों के अनुपालन और ऑडिट के आधार पर रिकॉर्ड के रखरखाव पर एक राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी लागू लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा आयोजित की है। लेखा परीक्षा मानकों के लिए आवश्यक है कि लेखा परीक्षक वैधानिक और नियामक आवश्यकताओं का पालन करेगा और लागू कानूनों के अनुपालन और अभिलेखों के रखरखाव के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएगा और प्रदर्शन करेगा।

कंपनी की पुस्तकों, कागजातों, मिनट बुक, फॉर्म और रिटर्न दाखिल किए गए फॉर्म और कंपनी द्वारा बनाए गए अन्य रिकॉर्ड और सचिवीय लेखा परीक्षा के संचालन के दौरान कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, हम एतद्द्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने **31 मार्च 2025** को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली ऑडिट अवधि के दौरान ('ऑडिट अवधि') यहाँ सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करता है और यह भी कि कंपनी के पास इसके बाद की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, स्थितिनुसार और अधीन, सीमा तक उचित बोर्ड–प्रक्रियाएं और अनुपालन–तंत्र है:

हमने **31 मार्च 2025** को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी द्वारा बनाए गए पुस्तकों, कागजातों, मिनट बुक, फॉर्म और रिटर्न और अन्य रिकॉर्ड की जांच की है, जो निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार हैं:

i. कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियमय

ii. प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 (एससीआरए) और उसके तहत बनाए गए नियमय

iii. (क) क्या यह सच है कि निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उसके अंतर्गत बनाए गए विनियम और उप–नियमय

iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके तहत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी वाणिज्यिक उधार की सीमा तक बनाए गए नियम और विनियमय (लागू नहीं है क्योंकि कोई रिपोर्ट करने योग्य घटना नहीं थी)

v. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी अधिनियम) के तहत सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों पर लागू होने के लिए निम्नलिखित विनियम और दिशानिर्देष निर्धारित किए गए हैं–

i. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011य **(लागू नहीं है क्योंकि कोई रिपोर्ट करने योग्य घटना नहीं थी)**

ii. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015

iii. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का निर्गम) विनियम, 2018 **(लागू नहीं)**

iv. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) दिशानिर्देश, 1999 **(लागू नहीं)**

v. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर–परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीबद्धता) विनियम, 2021य

vi. (क) क्या यह सच है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (निर्गम और शेयर अंतरण एजेंटों के पंजीयक) विनियम, 1993 कंपनी अधिनियम और ग्राहक के साथ व्यवहार के संबंध में (लागू नहीं)

vii. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की सूचीबद्धता) विनियम, 2021 (लागू नहीं है क्योंकि कोई रिपोर्ट करने योग्य घटना नहीं थी)

viii. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों की बायबैक) विनियम, 2018 (लागू नहीं है क्योंकि कोई रिपोर्ट करने योग्य घटना नहीं थी)

vi. निम्नलिखित उद्योग विशिष्ट कानून और नियम, विनियम, निर्देश, दिशानिर्देश, परिपत्र और उसके तहत तैयार किए गए निर्देश–

1. विद्युत अधिनियम, 2003

2. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013

3. केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर

डीपीई दिशानिर्देष, 2010 (श्डीपीई दिशानिर्देषश)

4. विद्युत मंत्रालय से निर्देष और आदेश।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

(i) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानकय

(ii) कंपनी द्वारा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज के साथ ऋण लिस्टिंग समझौता किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने नीचे उल्लिखित प्रावध ानों को छोडकर ऊपर उल्लिखित अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देषों, मानकों आदि का अनुपालन किया है:

क) रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कंपनी के पास स्वतंत्र निदेशकों की न्यूनतम संख्या नहीं थी।

ख) कंपनी के बोर्ड में कोई महिला निदेशक नहीं थी।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल के पास स्वतंत्र निदेशकों की न्यूनतम संख्या नहीं थी और

बोर्ड में महिला निदेशक। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में जो परिवर्तन हुए, वे अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

बोर्ड और समिति की बैठकों के कार्यक्रम के बारे में सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी गई थी, एजेंडा और एजेंडे पर विस्तृत नोट्स कम से कम सात दिन पहले भेजे गए थे, सिवाय इसके कि जब बैठकें कम समय में बुलाई गई थीं, और बैठक से पहले एजेंडा आइटम पर और अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

प्रबंधन द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए बोर्ड की बैठकों और समिति की बैठकों में सभी निर्णय सर्वसम्मति से किए गए थे, जैसा कि निदेशक मंडल या बोर्ड की समिति की बैठकों के कार्यवृत्त में दर्ज किया गया था, जैसा भी मामला हो।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी में लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देषों के अनुपालन की निगरानी और सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि ऑडिट अवधि के दौरान, कंपनी ने 49,635 ग्प्टजी सीरीज 7.71% रिडीम करने योग्य गैर–परिवर्तनीय कर योग्य बांड जारी किए और आवंटित किए, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य निजी माध्यम से ₹1,00,000, कुल ₹496.35 करोड़ नियोजन।

नारायण शर्मा

एंड एसोसिएट्स प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव के लिए

हस्ताक्षरर्ता/–

सीएस नारायण शर्मा

(प्रोपराइटर)

पीआर संख्या– 1563–2021

एफसीएस संख्या– 5117 सी पी संख्या– 3844

यूडीआईएन– F005117G000848762

स्थान– गुवाहाटी

दिनांक– 23 जुलाई, 2025

इस रिपोर्ट को हमारे सम दिनांक के पत्र के साथ पढ़ा जाना है जिसे अनुलग्नक ए के रूप में संलग्न किया गया है और यह इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

'अनुलग्नक ए'

सेवा में

सदस्यगण,

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड ब्रूकलैंड कंपाउंड लोअर न्यू कॉलोनी,

जिला ईस्ट खासी हिल्स, शिलांग, मेघालय, पिन 793003

इस पत्र के साथ सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट पढ़ी जानी है।

1) सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन सचिवीय रिकॉर्ड पर एक राय व्यक्त करना है।

2) हमने सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा प्रथाओं और प्रक्रिया का पालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण के आधार पर सत्यापन किया गया था कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हों। हमारा मानना है कि हमने जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन किया, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करते हैं।

3) हमने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड और खातों की पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता के साथ–साथ निर्दिष्ट कानूनों के तहत कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न खुलासों और रिटर्न में रिपोर्ट किए गए मूल्यों और आंकड़ों की शुद्धता को सत्यापित नहीं किया है, हालांकि हमने इस तरह के रिटर्न में दी गई जानकारी पर कुछ हद तक भरोसा किया है।

4) हमारी लेखापरीक्षा केवल कंपनी द्वारा किए जाने वाले लागू कानूनों के कानूनी अनुपालन तक ही सीमित है, हमने इससे संबंधित व्यावहारिक पहलुओं की जांच नहीं की है।

5) जहाँ भी आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के होने के बारे में प्रबंधन प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

6) कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रिया के सत्यापन तक सीमित थी।

7) सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में एक आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

8) आंतरिक, वित्तीय और परिचालन नियंत्रण सहित एक ऑडिट की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, एक अपरिहार्य जोखिम है कि कुछ गलत बयानों या भौतिक गैर–अनुपालन का पता नहीं लगाया जा सकता है, भले ही ऑडिट ठीक से नियोजित हो और ऑडिट प्रथाओं के अनुसार किया गया हो।

9) इस रिपोर्ट की विशय–वस्तु को कंपनी के संबंध में किसी अन्य लेखा परीक्षक/एजेंसियों/प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (रिपोर्टों) के साथ पढ़ा जाना चाहिए। टिप्पणियां, टिप्पणियां और योग्यताएं, यदि यहाँ ऊपर उल्लिखित हैं, कंपनी के लेखा परीक्षक एजेंसियों/प्राधिकारियों द्वारा अपनी संबंधित रिपोर्टों में दी गई टिप्पणियों, टिप्पणियों और योग्यताओं के अतिरिक्त हैं।

नारायण शर्मा

एंड एसोसिएट्स
प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव के लिए

हस्ताक्षरर्ता/–
सीएस नारायण शर्मा
(प्रोपराइटर)
पीआर संख्या– 1563–2021
एफसीएस संख्या– 5117 सी पी संख्या– 3844
यूडीआईएन– F005117G000848762

स्थान– गुवाहाटी
दिनांक– 23 जुलाई, 2025

अनुलग्नक–8बी

सचिवीय लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का उत्तर

वर्ष 2023–24 के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उठाया गया।.

क्र. सं.	सचिवीय लेखा परीक्षकों का अवलोकन	प्रबंधन का उत्तर/स्पष्टीकरण
क	रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कंपनी के पास स्वतंत्र निदेशकों की न्यूनतम संख्या नहीं थी।	निदेशक मंडल के सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा एसोसिएशन के लेखों के अनुसार की जाएगी। तदनुसार, स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति में नीपको की कोई भूमिका नहीं है। अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति से संबंधित मामले को कई अवसरों पर विद्युत मंत्रालय के साथ उठाया गया है और यह मामला प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार, यह आशा की जाती है कि नीपको के बोर्ड के आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति सरकार द्वारा यथाशीघ्र की जाएगी, जिससे नीपको उक्त आवश्यकता का अनुपालन करने में सक्षम हो सकेगा। यह आश्वासन दिया जाता है कि नीपको अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में सभी आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।
ख	कंपनी के बोर्ड में कोई महिला निदेशक नहीं थी।	कंपनी के एसोसिएशन के लेखों के संदर्भ में, निदेशक मंडल के सदस्यों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। महिला निदेशक की नियुक्ति में नीपको की कोई भूमिका नहीं है। इस मुद्दे को विद्युत मंत्रालय के साथ कई बार उठाया गया है और इस पर प्रक्रिया चल रही है। यह उम्मीद की जाती है कि नीपको के बोर्ड में एक महिला निदेशक की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा जल्द से जल्द की जाएगी जिससे नीपको इसका अनुपालन करने में सक्षम होगा। यह आश्वासन दिया जाता है कि नीपको एक महिला निदेशक की नियुक्ति के संबंध में सभी आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ताक्षरर्ता/–
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00307037

दिनांकः 12.08.2025
स्थानः नई दिल्ली

ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा आय और व्यय

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (एम) के अनुसार, कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के साथ पठित वर्ष 2024–25 के दौरान ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी मुद्रा आय और व्यय की जानकारी इस प्रकार है:

क. ऊर्जा संरक्षण

i. ऊर्जा संरक्षण पर उठाए गए कदम:

क. ऊर्जा ऑडिट:

विद्युत स्टेशन	व्यक्तियों
असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	मैसर्स गंगा कंसल्टेंसी, कानपुर द्वारा दिसंबर 2024 में किया गया। अगला ऑडिट दिसंबर 2027 में किया जाएगा।
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	मैसर्स एनर्जी कंसल्टेंसी सर्विसेज, भुवनेश्वर द्वारा अगस्त 2024 में किया गया। तीसरे पक्ष के पैनल में शामिल ऊर्जा लेखा परीक्षक के माध्यम से हर तीन वर्ष में इसे पूरा करने के लिए निर्धारित किया गया है। अगला ऑडिट वित्त वर्ष 2027 में किया जाएगा।
पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर के माध्यम से 16 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2024 तक पीएलएचपीएस का ऊर्जा ऑडिट किया गया।

ख. सहायक विद्युत खपत (एपीसी): विद्युत स्टेशनों में सहायक विद्युत खपत (एपीसी) को कम करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण नीचे दिया गया है:

विद्युत स्टेशन	विवरण
असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	• एसटीजी के लिए ठंडा पानी का रासायनिक उपचार। • एसटीजी की कंडेनसर सफाई, जो बिजली में लगभग 1.5 मेगावाट प्रति यूनिट की वृद्धि में सुधार करती है। • 12 नग की खरीद 5–स्टार (15 लीटर) वॉटर हीटर का। • आईई3 फुट माउंटिंग इंडक्षन मोटर की खरीद। • पंप आंतरिक में सिरेमिक आधारित एपॉक्सी ऊर्जा कुशल घर्शण प्रतिरोध कोटिंग की खरीद और आवेदन। • पारंपरिक पंखे को 5–स्टार रेटिंग बीएलडीसी (ब्रशलेस डायरेक्ट करंट) पंखे से बदलना।ण
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• 20 केडब्ल्यूपी और 50 केडब्ल्यूपी रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाए गए हैं।
त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• प्रदर्शन और ताप दर में सुधार के लिए 18 अक्टूबर से 12 दिसंबर 2024 तक जीटीजी और एसटीजी का एमआई अभियान चलाया गया।
कोपिली एचपीएस, असम	• 6 मौजूदा पारंपरिक सीलिंग फैन को मुख्य आईबी पर 5 स्टार रेटेड ऊर्जा कुशल फैन से बदल दिया गया था। • मौजूदा पारंपरिक एयर कंडीषनर के प्रतिस्थापन और कुछ नए इंस्टोलेशन के लिए कुल 21 5 स्टार सेवानिवृत`ड ऊर्जा कुशल एयर कंडीषनर खरीदे गए थे।
दोयांग एचपीएस, नागालैंड	• 5 स्टार इन्वर्टर टाइप स्प्लिट एसी (6 नम.) डोयांग गेस्ट हाउस, नीपको में स्थापित किया गया है। • 3 स्टार इन्वर्टर टाइप स्प्लिट एसी (8 नम.) डोयांग गेस्ट हाउस, नीपको में स्थापित किया गया है। • 1 नंबर 5 स्टार एलजी 10 किलो फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन, एआई डायरेक्ट ड्राइवञ खरीदा • 1 नंबर 5 स्टार हॉरिजॉन्टल हार्ड टॉप डीप फ्रीजर 500 एल खरीदा

विद्युत स्टेशन	विवरण
विद्युत स्टेशन पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• 132/400 केवी ऑटो ट्रांसफार्मर को ठंडा करने के लिए कूलिंग वाटर पंप के संचालन की आवश्यकता है। • पावरहाउस कॉन्फ्रेंस रूम, नए पावरहाउस कार्यालय भवन और नए कार्यकारी गेस्ट हाउस में 5 स्टार इन्वर्टर टाइप एसी लगाए गए थे। • 5 स्टार रेटिंग बीएलडीसी (ब्रशलेस डायरेक्ट करंट) पंखे नए कार्यकारी गेस्ट हाउस में स्थापित किए गए हैं। • नए कार्यकारी गेस्ट हाउस में 5 स्टार रेटिंग वाले गीजर लगाए गए हैं।
तुईरियल एचपीएस, मिजोरम	• पारंपरिक प्रकाषियों के स्थान पर ऊर्जा कुशल एलईडी ल्यूमिनरी की स्थापना। • मौजूदा पारंपरिक सीलिंग फैन को बीएलडीसी पंखे से बदल दिया जाता है, पुराने एसी के प्रतिस्थापन के रूप में ऊर्जा कुशल एसी की खरीद की जाती है।
पारे एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• मौजूदा 3–स्टार रेटिंग वाले एसी को 5–स्टार रेटिंग वाले एसी से बदल दिया गया है। • मौजूदा 36 एलईडी स्ट्रीट लाइटों की जगह सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइटों ने ले ली है।
कामेंग एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• कार्यालय भवन और अन्य गैर–आवासीय भवनों में चरणबद्ध तरीके से ट्यूब लाइट फिटिंग को ऊर्जा कुशल एलईडी से बदल दिया गया। • किमी में स्थायी प्रशासनिक भवन में 3 स्टार इन्वर्टर टाइप स्प्लिट एसी (32 नंबर) स्थापित किए गए हैं। • पावर हाउस इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल बाड़ों में स्थापित 3 स्टार विंडो टाइप एसी (8 नग) • एनआरसी, मानव संसाधन विकास केंद्र और अनुलग्नक प्रशासनिक भवन में 3 स्टार स्प्लिट एसी (23 नंबर) स्थापित किए गए हैं।

ग. प्रकाश व्यवस्थाः

पावर स्टेशन/कॉर्पोरेट मुख्यालय	विवरण
असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	• एलईडी लाइट्स के साथ प्रतिस्थापन।
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• पारंपरिक इलेक्ट्रिक लैंप को चरणबद्ध तरीके से एलईडी लैंप से बदल दिया गया।
त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन त्रिपुरा	**एलईडी लैंपः** • 150–वाट एचपीएसवी स्ट्रीट लाइट के उनतीस (29) नंबर को 100–वाट एलईडी लैंप से बदल दिया गया था –लगभग 1566 किलोवाट ऊर्जा की बचत। • 150–वाट एचपीएसवी लैंप के एक सौ तिरसठ (163) नंबर को 45–वाट एलईडी लैंप से बदल दिया गया – लगभग 18484 किलोवाट ऊर्जा की बचत। • 12–वाट एचपीएसवी लैंप के बारह (400) नंबर को 200–वाट एलईडी लैंप से बदल दिया गया – लगभग 15552 किलोवाट ऊर्जा की बचत। • **5–स्टार रेटिंग इन्वर्टर टाइप एसीः** पुराने 3–स्टार रेटिंग एसी के 5 (पांच) नंबरों को ऊर्जा कुशल 5–स्टार रेटिंग इन्वर्टर टाइप स्प्लिट एसी से बदल दिया गया है।ण
कोपिली एचपीएस, असम	• सभी पारंपरिक प्रकाश व्यवस्थाओं को खांडोंग पावर स्टेशन और स्विचयार्ड में ऊर्जा कुशल एलईडी ल्यूमिनरी से बदल दिया गया है।
दोयांग एचपीएस, नागालैंड	• कार्यालय भवन और अन्य गैर–आवासीय भवनों में चरणबद्ध तरीके से ट्यूब लाइट फिटिंग को ऊर्जा कुशल एलईडी से बदल दिया गया। • सभी पारंपरिक प्रकाश व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा कुशल एलईडी ल्यूमिनरी से बदला जा रहा है।
पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• स्विचयार्ड एचपीएमवी लाइटों को चरणबद्ध तरीके से एलईडी लाइटों से बदला जा रहा है। • सभी आउटडोर और स्ट्रीट लाइटें प्रोग्रामेबल टाइमर से जुड़ी एलईडी ल्यूमिनरी से लैस हैं। • पावरहाउस के कंट्रोल एंड रिले पैनल के अंदर सभी सीएफएल प्रकार की पैनल रोशनी को 12 वाट एलईडी ट्यूबों से बदल दिया गया है।

पावर स्टेशन / कॉर्पोरेट मुख्यालय	विवरण
तुईरियल एचपीएस, मिजोरम	• सभी पारंपरिक प्रकाश व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा कुशल एलईडी ल्यूमिनरी से बदला जा रहा है। पुराने एलईडी ल्यूमिनरी को बदलने के लिए 70 नंबर 30 एलईडी ल्यूमिनरी खरीदे। • अठारह सौर स्ट्रीट लाइट स्थापित की गई हैं और चरणबद्ध तरीके से और अधिक स्थापित की जाएंगी।
कामेंग एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• पावर हाउस रोशनी प्रणाली से लैस है जिसमें सभी एलईडी ल्यूमिनरी हैं। • पावर हाउस में सभी स्ट्रीट लाइटिंग और 10 नहीं। एलईडी ल्यूमिनरी के साथ स्थायी कॉलोनी में ऊंचे मस्तूल स्थापित किए गए हैं। • बिचोम और टेंगा बांध एलईडी ल्यूमिनरी से रोशन हैं।

घ. **ऊष्मा ऊर्जा:**

विद्युत स्टेशन	विवरण
असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	• गर्मी की दर और प्रणाली के प्रदर्शन में सुधार के लिए, नियमित आधार पर कूलिंग वाटर सिस्टम का रासायनिक उपचार, कंडेनसर की सफाई, कूलिंग टॉवर की सफाई आदि किए जा रहे हैं।
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• बॉयलरों में गर्मी के नुकसान को कम करने के लिए जीटी निकास पुनः इन्सुलेशन और बॉयलर री–इन्सुलेशन किया गया।
त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• कंडेनसर के इष्टतम प्रदर्शन के लिए षीतलन जल प्रणाली का रासायनिक उपचार किया जा रहा है। • दक्षता बढ़ाने के लिए जीटीजी की ऑनलाइन और ऑफलाइन कंप्रेसर वॉष की जा रही है।

ड़. **दूसरों:**

- **त्रिपुरा गैस आधारित पावर स्टेशनः**
  - नीपको के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा विकसित 'स्मार्ट रोशनी नियंत्रक' का उपयोग इरेक्टर्स हॉस्टल में किया जा रहा है। इससे वर्ष 2024–25 में लगभग 380 किलोवाट ऊर्जा की बचत हुई।
- **अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशनः**
  - वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 24,138.68 किलोवाट घंटे की ऊर्जा बचत हासिल की गई।
  - स्वचालित स्विच ऑफ लाइट को सक्षम करने के लिए प्रत्येक कार्यालय कक्ष में ऑक्यूपेंसी सेंसर स्थापित किया गया है।
- **पंयोर लोअर एचपीएसः**
  - पावरहाउस के अंदर सभी पैनल इंडिकेशन लैंप को एलईडी आधारित पैनल इंडिकेशन लैंप से बदल दिया गया है।
- **तुईरियल एचपीएसः**
  - अठारह सौर स्ट्रीट लाइट स्थापित की गई हैं और चरणबद्ध तरीके से और अधिक स्थापित की जाएंगी।

II. **ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करने के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए कदमः**

- **असम गैस आधारित पावर स्टेशन**
  - ग्रिड रूफ टॉप एसपीवी पावर प्लांट पर 15 केडब्ल्यूपी स्थापित किया गया है।
  - गेस्ट हाउस–I और II में 6 केडब्ल्यूपी रूफ–टॉप सोलर पीवी सिस्टम स्थापित किया गया है।
  - गेस्ट हाउस–I और II में सोलर वॉटर हीटर (प्रत्येक 1000 एलपीडी) स्थापित किया गया है।
- **अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशनः** 20 किलोवाट और 50 किलोवाट रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित।

III. **ऊर्जा की खपत में कमी के लिए अतिरिक्त निवेश और प्रस्तावः**

- **असम गैस आधारित पावर स्टेशन**

- 06 (छह) में से 05 (पांच) बॉयलर फीड पंप (बीएफपी) की डी–स्टेजिंग पूरी कर ली गई है। वर्ष 2024–25 के दौरान अनुमानित 2.4 एमयू/वर्ष की बचत हुई है।
- 06 (छह) नंबर वीएफडी (वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव) कंट्रोलर कंडेनसेट एक्सट्रैक्शन पंप (सीईपी) सिस्टम की स्थापना। अनुमानित 0.5 एमयू/वर्ष की बचत होती है।

• **अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशनः**

विभिन्न योजनाओं के लिए बजट अनुमान 2024–25 में 5 लाख रुपये का प्रावधान रखा गया हैः

- ऊर्जा कुशल बीएलडीसी सीलिंग फैन 50 न.।
- एलईडी और सौर स्ट्रीट लाइट के साथ पारंपरिक इलेक्ट्रिक लैंप का प्रतिस्थापन।
- ऊर्जा कुशल 5–सितारा एयर कंडीशनर।

IV. ऊर्जा संरक्षण के लिए किए गए उपायों का प्रभावः

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए ऊर्जा संरक्षण पर विशिष्ट प्रयासों के कारण प्राप्त बचतः

• **अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन**

क्रम संख्या	क्षेत्र/गतिविधियाँ	ऊर्जा इकाई	ऊर्जा की बचत	₹ लाख में
1	विद्युत	केडब्ल्यूएच	24138.68	1.45
2	ऊष्मा ऊर्जा (गैस के समतुल्य एमसीएम)	गैस टर्बाइन निकास नलिका और बॉयलर में पुन इन्सुलेशन द्वारा गर्मी की हानि को कम करने के लिए कदम उठाए गए थे और सफलतापूर्वक गर्मी की हानि को कम किया गया था। हालांकि, ऊष्मा ऊर्जा के संदर्भ में इसकी मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकी।		

• **पारे एचपीएस**

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए ऊर्जा संरक्षण पर विशिष्ट प्रयासों के कारण 8.82 लाख रुपये के बराबर 0.235 एमयू की बचत हुई

V. वित्तीय वर्ष 2024–25 में ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजी निवेशः

- अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन में ₹16.03 लाख
- तुईरियल एचपीएस में ₹7.50 लाख।
- ₹18.00 लाख (लगभग) पेरे एचपीएस में।

VI. पीएटी चक्रः

• **असम गैस आधारित पावर स्टेशन**

- **पीएटी चक्र–II:** पहले ही पूरा हो चुका है।
- **पीएटी चक्र–VII:** एजीबीपीएस पीएटी चक्र–VII के विशिष्ट ऊर्जा लक्ष्य के अधीन है। निगरानी और सत्यापन जून–जुलाई 2025 के भीतर पूरा हो जाएगा।

• **अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन**

- **पीएटी चक्र –II:** 64841 ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र की सिफारिश पीएटी चक्र II के दौरान बीईई द्वारा एजीजीबीपीएस को जारी किए जाने वाले ऊर्जा लेखा परीक्षक को प्रमाणित करके की जाती है।

ख. प्रौद्योगिकी अवशोषणः

I) प्रौद्योगिकी अवशोषण की दिशा में किए गए प्रयासः

असम गैस आधारित पावर स्टेशन, असम	• मॉड्यूल–1 में भाप जल विष्लेशण प्रणाली (एसडब्ल्यूएएस) का उन्नयन। • एमएचआई की सीओ2 अग्निशमन प्रणाली (सीओ2 फ्लडिंग) प्रणाली का उन्नयन– गैस टर्बाइनों बनाना। • एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना और कमीशनिंग। • जीटीजी#1 से #6 में एजीसी (स्वचालित जनरेशन कंट्रोल) को इंटरफ़ेस करने के लिए नियंत्रण प्रणाली का कॉन्फिगरेशन। • 42 न. की रेट्रोफिटिंग। सीटी की संख्या, 12 (बारह) संख्या। सीवीटी और 01 (एक) नया पावर ट्रांसफार्मर (50 एमवीए)।
अगरतला गैस आधारित पावर स्टेशन, त्रिपुरा	• मार्क Vle कंट्रोल सिस्टम का एचएमआई अपग्रेडेशन। • पुराने, बेकार हो चुके सीईएमएस एनालाइज़र को अपग्रेड किए गए सीईएमएस एनालाइज़र से बदलना। • जीटीजी # 1, 2 और 4 में पुराने जनरेटर कंट्रोल पैनल को नए, अपग्रेड किए गए जीसीपी से बदलना। • जीटीजी # 1 खाड़ी–1 के 145 केवी आइसोलेटर को नए 145 केवी डीबीआर आइसोलेटर से बदलना।
कोपिली एचपीएस, असम	• कोपिली पीएस ने मार्च–2025 के महीने में एजीसी (ऑटोमैटिक जनरेशन कंट्रोल) को सफलतापूर्वक चालू किया है • पानी के सभी बहने वाले घटकों में उपयुक्त संक्षारण प्रतिरोधी पद्धति को शामिल किया गया है ताकि कोपिली जलाशय की अम्लीय प्रकृति का सामना किया जा सके। • खान्डोंग स्विचयार्ड ऑपरेशन के लिए उन्नत स्काडा। • संख्यात्मक रिले का उपयोग करके ग्रिड आवश्यकता के अनुसार खान्डोंग स्विचयार्ड में बसबार सुरक्षा प्रणाली को शामिल करना। • खांडोंग स्विचयार्ड और पावरहाउस गेटवे और नेटवर्क पैनल के साथ डेटा ट्रांसमिशन के लिए आरटीयू प्रणाली का उन्नयन। • खांडोंग पावर हाउस परिसर में लगे कर्मचारियों के बीच बेहतर और तेज संचार के लिए सार्वजनिक संबोधन (पीए) प्रणाली की स्थापना।
दोयांग एचपीएस, नागालैंड	• तीन चरण स्वचालित रिले परीक्षण किट की खरीद। • स्काडा, एजीसी, ऑटो सीक्वेंसर का पूर्ण कार्यान्वयन प्रगति पर है। • इकाइयों में कार्बन धूल कलेक्टर और तेल वाश्प निष्कर्षण प्रणाली की आपूर्ति और स्थापना प्रगति पर है। • स्विचयार्ड में जल स्प्रे प्रणाली के स्वचालन के साथ–साथ ट्रांसफार्मर और स्विचयार्ड में अग्निशमन प्रणाली का स्वचालन, पैनलों के साथ हाइड्रेंट मोटर–पंप सेट संस्थापित किए जा रहे हैं।
पंयोर लोअर एचपीएस, अरुणाचल प्रदेश	• अरुणाचल प्रदेश में पंयोर लोअर हाइड्रो पावर स्टेशन (3x135 मेगावाट) में मौजूदा 400 केवी एआईएस स्विचयार्ड के निकट जीआईएस बे के साथ एक 400 केवी, 3 x 2667 एमवीएआर बस रिएक्टर चालू किया गया है। इस स्थापना का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) ग्रिड संचालन की समग्र प्रणाली स्थिरता को बनाए रखना है। • अग्निशमन प्रणाली को जीआईएस बस रिएक्टर में एनआईएफएस जैसी तकनीकों के साथ सक्षम किया गया है। • बाढ़ वाल्वों में संशोधन और फायर हाइड्रेंट नेटवर्क और उपकरणों का उन्नयन पूरा हुआ। सिस्टम का ऑटोमेशन प्रगति पर है। • मौजूदा 33 केवी एसएफ6 सर्किट ब्रेकर को पावरहाउस इनडोर स्विचगियर में अत्याधुनिक वैक्यूम सर्किट ब्रेकर से बदल दिया गया है। • मौजूदा स्लाइड प्रकार एमआईवी नियंत्रण कक्ष को लॉजिक कार्टिज वाल्व आधारित नियंत्रण कक्ष से बदल दिया गया है। • सुरक्षा निगरानी के लिए मोशन डिटेक्शन सहित पावरहाउस और स्विचयार्ड, सर्ज शाफ्ट, स्टोर, कॉलोनी, बांध स्थल, कार्यालय भवन, मेडिकल यूनिट में पूरी तरह से सीसीटीवी लगाया गया है। • पावरहाउस सम्मेलन कक्ष में एआई सक्षम ऑडियो–वीडियो सिस्टम स्थापित किया गया
टाटो–i, टाटो–ii, हिओ, नायिंग, हिरोंग, कुरुंग एचईपी और वाह उमियम पीएसपी	• परियोजनाओं के स्थलाकृतिक सर्वेक्षण के लिए यूएवी/एरियल लिडार तकनीक का उपयोग किया गया है।

i) उत्पाद सुधार, लागत में कमी, उत्पाद विकास या आयात प्रतिस्थापन जैसे लाभ प्राप्त होते हैं। नई अपग्रेड प्रणाली उत्पादन क्षमता में वृद्धि करेगी, समग्र प्रदर्शन में सुधार करेगी और बेहतर नियंत्रण और सुरक्षा बढ़ाएगी।

ii) आयातित प्रौद्योगिकी (पिछले तीन वर्षों के दौरान आयातित वित्तीय वर्ष की शुरुआत से गणना की गड)

- **2022–23:** शून्य
- **2023–24:** शून्य
- **2024–25:** डी एंड ई अधिकारियों को प्रशिक्षणप्रदान करने के लिए एरेस कमांडर सॉफ्टवेयर की खरीद।

iii) अनुसंधान और विकास पर किया गया व्ययः

वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अनुसंधान एवं विकास पर **18.53 लाख रुपये** का व्यय किया गया है।

ग. विदेशी मुद्रा आय और व्यय

विदेशी मुद्रा अर्जन और निकासी	
व्यक्तियों	राशि ₹ लाख में
विदेशी मुद्रा कमाई	1833.22
विदेशी मुद्रा व्यय	2389.55

नोटः उपरोक्त आंकड़े वर्ष 2023–24 के दौरान विदेशी मुद्रा में वास्तविक प्रवाह और वास्तविक बहिर्वाह को दर्शाते हैं

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ताक्षरर्ता/–
(गुरदीप सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00307037

दिनांकः 12.08.2025
स्थानः नई दिल्ली

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का विवरण

(कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार)

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखाः

अपनी स्थापना के बाद से, नीपको ने हमेशा अपने परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास रहने वाले लोगों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में, नीपको ने समुदाय की आवश्यकता के अनुसार विषेश रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और पोशण, ग्रामीण/पिछड़ा क्षेत्र विकास, स्वच्छ भारत अभियान, कौशल विकास और अन्य के क्षेत्र में विभिन्न सामुदायिक विकास गतिविधियों को अंजाम दिया है।

मिशन

समाज और पर्यावरण के लिए चिंता के साथ मानवीय मूल्यों के पोशण के लिए एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई बनना।

विजन

ग्रह और उन समुदायों पर स्थायी प्रभाव डालने के लिए जिनकी हम सेवा करते हैं।

कंपनी की सीएसआर नीति की एक संक्षिप्त रूपरेखा निम्नानुसार हैः

- नीपको ने कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014, एमसीए सामान्य परिपत्र संख्या 21/2014 दिनांक 18.06.2014 के प्रावधानों और समय–समय पर जारी डीपीई दिशानिर्देशों को संशोधित करने के प्रावधानों के अनुसार एक 'सीएसआर नीति' तैयार की। नीपको "सीएसआर नीति" को निदेशक मंडल द्वारा 10.02.2023 को आयोजित अपनी 276वीं बोर्ड बैठक में संशोधित किया गया है।
- नीपको सीएसआर नीति, अपने व्यवसाय को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ तरीके से संचालित करने के लिए अपने हितधारकों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को स्पश्ट करती है जो पारदर्षी और नैतिक है। तदनुसार, सीएसआर गतिविधियों का निर्धारण करते समय अपने संचालन क्षेत्र यानी परियोजनाओं/संयंत्रों/कार्यालयों के आसपास के पड़ोस के क्षेत्र में हितधारकों को प्राथमिकता दी गई है।
- नीपको ने (क) शिक्षा को बढ़ावा देना, (ख) स्वास्थ्य देखभाल और पोशण को बढ़ावा देना, (ग) उद्यमिता और कौशल विकास, (घ) स्वच्छ भारत अभियान, (ड) ग्रामीण/पिछड़ा क्षेत्र विकास पर अपनी सीएसआर नीति के अनुरूप विशेष जोर दिया है।
- सीएसआर नीति के अनुसार, सीएसआर पहलों को दो–स्तरीय प्रशासनिक ढांचे के माध्यम से प्रषासित किया जाता है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैंः
  - सीएसआर पर बोर्ड स्तरीय समिति (टियर– I)
  - सीएसआर पर बोर्ड स्तर की समिति (टियर– II)

सीएसआर पर बोर्ड स्तरीय समिति (टियर–II) एक समिति है जिसमें मानव संसाधन, तकनीकी और वित्त विभाग के प्रतिनिधि शामिल हैं जो प्रस्तावों की जांच करते हैं और बोर्ड स्तरीय समिति की आगे की सिफारिशों और निदेशक मंडल के सैद्धांतिक अनुमोदन के लिए नोडल अधिकारी को विचार करने के लिए अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करती हैं।

2. सीएसआर समिति की संरचनाः

क्र. सं.	निदेयशक का नाम	श्रेणी (स्वतंत्र / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)	कार्यकाल के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या समिति में निदेशक	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों में भाग लिया गया
1	श्री बिमल चंद ओसवाल #	स्वतंत्र	1	1
2	डॉ. विवेका नंद पासवान #	स्वतंत्र	1	1
3	श्री रनेन्द्र शर्मा	कार्यपालक	2	2
4	श्री जयकुमार श्रीनिवासन #	गैर–कार्यपालक	1	1
5	मेजर जनरल राजेश कुमार झा, एवीएसएम** (सेवानिवृत)	कार्यपालक	2	2

क्र. सं.	निदेयशक का नाम	श्रेणी (स्वतंत्र / कार्यकारी / गैर–कार्यकारी)	कार्यकाल के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या समिति में निदेशक	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों में भाग लिया गया
6	श्री वीरेंद्र मलिक	गैर–कार्यपालक	1	1

वर्ष के दौरान बंद हो गया + वर्ष के दौरान नियुक्त।

3 वेब–लिंक प्रदान करें जहाँ सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा कंपनी की वेबसाइट पर किया गया है।

(i) https://neepco.co.in/sustainable-development/csr

(ii) https://neepco.co.in/corporate-governance-updates

4. नियम 8 के उप–नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन के वेब–लिंक के साथ कार्यकारी सारांश प्रदान करें, यदि लागू हो।
लागू नहीं।

5. (क) धारा 135 की उप–धारा (5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ = ₹ 58,825.07 लाख

(ख) धारा 135 की उप–धारा (5) के अनुसार कंपनी के औसत पुद्ध लाभ का दो प्रतिशत = **₹ 1176.50 लाख**

(ग) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष = शून्य।

(घ) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो = शून्य

(ङ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व [(बी)+(सी) –(डी)] = **₹ 1176.50 लाख**

6. (क) सीएसआर परियोजनाओं (चालू परियोजना और चालू परियोजना के अलावा) पर खर्च की गई राशि = **₹ 5,19,35,841.00**

ख) प्रशासनिक ओवरहेड्स पर खर्च की गई राशिः शून्य

ग) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि कोई होः शून्य

घ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (एं)+(बी)+(सी) = **₹ 5,19,35,841.00**

ङ) वित्तीय वर्ष– **2024–25** के लिए सीएसआर राशि खर्च की गई या खर्च नहीं की गई

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ में)	अव्ययित राशि (₹ में)				
	धारा 135 की उप–धारा (6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि		उप–धारा के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी निधि में अंतरित राशि धारा 135 का (5)		
	राशि (₹ में)	स्थानांतरण की तिथि	फंड का नाम	राशि (₹ में)	स्थानांतरण की तिथि
5,19,35,841.00	**6,42,01,295.00**	30.04.2025	**पीएम केयर्स फंड**	23,59,406.00	30 सितंबर 2025 के भीतर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

(च) सेट ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई होः

क्रम संख्या	व्यक्तियों	राशि (₹ में)
(1)	(2)	(3)
(i)	धारा 135 की उप–धारा (5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत।	11,76,50,000.00
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	5,19,35,841.00
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि (ii)–(i)	शून्य
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजना या कार्यक्रम या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो,	शून्य
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि (iii)–(vi)	शून्य

7. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व राशि का विवरणः

1	2	3	4	5	6		7	8
क्र. सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 की उप–धारा (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	01.04.24 को धारा 135 की उप–धारा (6) (₹ में) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में शेष राशि	वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135 की उप–धारा (5) के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट निधि में अंतरित राशि, यदि कोई हो		* आगामी वित्तीय वर्षों में खर्च की जाने वाली शेष राशि (₹ में)	कमी, यदि कोई हो
					राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि		
1	2021–22	4,52,64,416.00	51,08,422.00	0	नहीं	नहीं	51,08,422.00	शून्य
2	2022–23	1,99,41,876.00	33,19,778.00	8,99,778.00	नहीं	नहीं	24,20,000.00	शून्य
3	2023–24	4,09,44,940.00	4,09,44,940.00	3,12,34,254.16	नहीं	नहीं	97,10,685.84	शून्य
	कुल	**10,61,51,232.00**	**4,93,73,140.00**	**3,21,34,032.16**	**नहीं**	**नहीं**	**1,72,39,107.84**	**शून्य**

नोटः वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 51,08,422.00 रुपये की अव्ययित राशि को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135(6) के अनुसार 30.04.2025 को पीएम केयर्स फंड में स्थानांतरित कर दिया गया है।

8. क्या वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के माध्यम से कोई पूंजीगत संपत्ति बनाई गई है या अर्जित की गई है:

○ हाँ नहीं ●

यदि हाँ, तो सृजित/अधिग्रहित पूंजीगत परिसंपत्तियों की संख्या दर्ज करें

वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के माध्यम से इस प्रकार बनाई गई या अर्जित की गई ऐसी परिसंपत्ति (परिसंपत्तिओं) से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें:

क्र. सं.	संपत्ति या संपत्ति का संक्षिप्त विवरण ख्संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित,	संपत्ति या संपत्ति का पिनकोड	निर्माण की तिथि	खर्च की गई सीएसआर राशि की राशि	पंजीकृत प्रोपराइटर की संस्था/प्राधिकारी/ लाभार्थी का विवरण		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
लागू नहीं							

(राजस्व रिकॉर्ड में दिखाई देने वाले सभी क्षेत्रों को दर्ज किया जाना चाहिए, फ्लैट संख्या, मकान संख्या, नगर कार्यालय/नगर निगम/ ग्राम पंचायत और अचल संपत्ति के क्षेत्र के साथ–साथ सीमाओं का भी उल्लेख किया जाना चाहिए)

9. यदि कंपनी धारा 135 की उप–धारा (5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो कारण निर्दिष्ट करें:**लागू नहीं**

हस्ता/–	**हस्ता/–**	**हस्ता/–**
(गुरदीप सिंह)	**(बिमल चंद ओसवाल)**	**(विजय कुमार)**
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष सीएसआर समिति	मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन)
डीआईएनः 00307037	डीआईएनः 03286483	नोडल अधिकारी – सीएसआर

दिनांकः 12.08.2025

2024-25 के दौरान सीएसआर गतिविधियो की झलकिया



डोयांग एचपीएस, कोपिली आई-आईपीएस, पारे एचपीएस और एजीबीपीएस के आसपास के क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं के लिए मशीन ऑपरेटर सहायक - इंजेक्शन मोल्डिंग और प्लास्टिक प्रसंस्करण में 3 महीने का आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी)-सीएसटीएस, गुवाहाटी, असम के सहयोग से आयोजित किया गया।



गोरखा सामुदायिक परिसर का निर्माण न्यू तुम्बुंग, दिमा हसाओ जिला, असम



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सह 30 बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल, उमरंगसो, दीमा हसाओ जिला, असम को 1 एम्बुलेंस (फोर्स ट्रैवलर) प्रदान करना



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सह 30 बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल, उमरंगसो, दीमा हसाओ जिला, असम को 1 एम्बुलेंस (फोर्स ट्रैवलर) प्रदान करना



बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम 2024) कार्यक्रम के दौरान सीखे गए शिल्प और एजीबीपीएस, डिब्रूगढ़ जिला, असम में जीईएम गर्ल्स द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन।



बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम) 2024 के अंतर्गत ललित कला पर सत्र का आयोजन एजीजीबीपीएस, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा जिला, त्रिपुरा में किया गया।



सीएसआर गतिविधियों के तहत योग सत्र का आयोजन



देशबंधु क्लब, पश्चिम त्रिपुरा जिला, त्रिपुरा के साथ साझेदारी में एजीजीबीपीएस के आसपास रहने वाले बीपीएल परिवारों की 20 महिलाओं के लिए आयोजित उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम के लाभार्थियों को 20 (बीस) उषा सिलाई मशीन और अन्य प्रशिक्षण सामग्री सौंपी गई।



नागालैंड के मेकोकला गांव में डीएचपीएस द्वारा चिकित्सा शिविर और मुफ्त दवा और पोषण खाद्य पैकेट वितरण शिविर का आयोजन किया गया।



पीएलएचपीएस द्वारा सीएचसी, ओल्ड जीरो, अरुणाचल प्रदेश को एम्बुलेंस प्रदान करना



असम के गुवाहाटी स्थित बी. बोरुआ कैंसर संस्थान में इस उद्देश्य के लिए स्थापित कियोस्क पर नीपको अधिकारियों द्वारा मरीजों और उनके परिचारकों को सात्विक भोजन वितरित किया गया।



केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स संस्थान के सहयोग से त्रिपुरा के सुशीलजाला जिले के आरडी ब्लॉक में रहने वाले 25 बेरोजगार युवाओं के लिए "मशीन ऑपरेटर सहायक - प्लास्टिक रीसाइक्लिंग" पर 3 महीने का रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



गीतांजलि मिनी इंडस्ट्रीज एवं टेलरिंग प्रशिक्षण केंद्र, बोकुलोनी, जिला डिब्रूगढ़, असम को 12 सिलाई मशीनों का दान



एजीबीपीएस, बोकुलोनी, असम में प्लांट के आसपास के स्कूलों की 60 स्कूली छात्राओं के लिए बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम) 2025



सरकारी मिडिल स्कूल, डाक्टे-होज, अरुणाचल प्रदेश में मध्याह्न भोजन सह रसोई हॉल।

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड



एनटीपीसी NTPC

नीपको NEEPCO

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड

शेड्यूल-ए, मिनीरत्न श्रेणी-1, भारत सरकार का उद्यम

पंजीकृत कार्यालय: ब्रुकलैंड कंपाउंड, लोअर न्यू कालोनी, शिलांग 793 003, मेघालय

वेबसाइट: www.neepco.co.in

सीआईएन : U40101ML1976GOI001658

Cover Designed by Udbhas Kr Gogoi

Designed and Printed by Isha Advertising Pvt. Ltd.